प्रतियोगिता दर्पण

हिन्दी मासिक

जून 2013 मूल्य ₹ 70.00

शिक्षित युवा वर्ग के स्वर्णिम भविष्य के लिये

For e-magazine: http://emagazine.pdgroup.in

sscexamonline.blogspot.com

प्रियंका निरंजन
सिविल सेवा परीक्षा, 2012
(हिन्दी माध्यम–टॉपर)

हल प्रश्न-पत्र

- उ.प्र. पी.सी.एस. प्रवर अधीनस्थ सेवा (मुख्य) परीक्षा, 12
- उत्तराखण्ड एम.एड. प्रवेश परीक्षा, 12
- बिहार उच्च माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा, 11
- यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ., 12
- एल.आई.सी. हाउसिंग फाइनेन्स असिस्टेंट परीक्षा, 13

सिविल सेवा परीक्षा पर विशेष अध्ययन सामग्री

- राष्ट्रीय बाल नीति-2012
- मौद्रिक एवं साख नीति 2013-14
- भारत की जनसंख्या : 2011 की जनगणना के फाइनल आँकड़े
- 2012-13 में भारत के विदेशी व्यापार के आँकड़े
- 2013-14 हेतु अनुपूरक विदेशी व्यापार नीति
- ज्ञानपीठ पुरस्कार (2012), दादा साहेब फाल्के पुरस्कार (2012) एवं पुलित्जर पुरस्कार (2013)
- सीबीआई का स्वर्ण जयन्ती वर्ष
- भारतीय नौसेना का सागर परिक्रमा-2 अभियान
- [illegible] की स्थिति पर प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् की रिपोर्ट
- [illegible] भारत का छठा कमोडिटी एक्सचेंज

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

के पाठकों से

प्रिय पाठको !

आपकी सर्वाधिक प्रिय एवं लोकप्रिय पत्रिका 'प्रतियोगिता दर्पण' का जून अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें हर्ष एवं सन्तोष की अनुभूति हो रही है. पत्रिका के प्रस्तुत अंक को आपकी आकांक्षाओं के अनुरूप अधिक-से-अधिक उपयोगी बनाने का भरसक प्रयास किया गया है. प्रकाशन से सम्बन्धित सभी के सामूहिक प्रयास एवं सहयोग से यह अंक इतना अधिक परीक्षोपयोगी बन पाया है.

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी बनाने की दृष्टि से इस अंक में अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सारगर्भित एवं विश्लेषणात्मक निबन्ध दिए गए हैं. इनमें से कुछ निबन्ध इस प्रकार हैं—भारत-जापान सम्बन्ध : रिश्तों में बढ़ती गर्माहट, राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की पहली विदेश यात्रा, भारत में न्यायिक सक्रियता, चीन की सामुद्रिक महत्वाकांक्षाएं एवं भारतीय सुरक्षा : एक मूल्यांकन एवं भारत बांग्लादेश सम्बन्ध.

पत्रिका के सर्वाधिक महत्वपूर्ण भाग में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के चयनित हल प्रश्न-पत्र, आवश्यक व्याख्या एवं संकेतों के साथ दिए गए हैं. इनमें से कुछ प्रश्न-पत्र इस प्रकार हैं—

वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान—(i) उत्तर प्रदेश पी.सी.एस. प्रवर अधीनस्थ सेवा (मुख्य) परीक्षा, 2012
(ii) एसआईसी हार्टीकल्चर फाइनेन्स असिस्टेंट परीक्षा, 2013
(iii) है.न.ब. गढ़वाल (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) एम.एड. प्रवेश परीक्षा, 2012
(iv) आगामी सिविल सर्विसेज (प्र.) परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
ऐच्छिक विषय—(i) इतिहास—बिहार उच्च माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2011
(ii) संगीत—यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2012
(iii) शिक्षाशास्त्र—यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2012
(iv) वनसंचार और पत्रकारिता—यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2012
संख्यात्मक योग्यता—आगामी प्रतियोगिता परीक्षाओं हेतु विशेष हल प्रश्न

हम आपको स्मरण दिलाना चाहते हैं कि **'कठिन परिश्रम एवं उचित और सामयिक मार्गदर्शन सफलता प्राप्त करने का मूलमंत्र है.'** प्रतियोगिता दर्पण आपका सही एवं सामयिक मार्गदर्शन करने में बेजोड़ है. आप प्रयास कीजिए, आपकी सुनिश्चित सफलता के लिए प्रतियोगिता दर्पण आपके साथ है.

नियमित रूप से सम्पर्कदारी के साथ प्रतियोगिता दर्पण पढ़िए, यह आपको अभीष्ट सफलता दिलाने एवं आपके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने में पूर्णतः सक्षम है.

आपकी चतुर्दिक सफलता एवं स्वर्णिम भविष्य की हार्दिक शुभकामनाओं सहित

महेन्द्र जैन
(सम्पादक)

आगामी प्रतियोगिता परीक्षाएं

2013

11 एवं/ या 12 मई—एस.आई.सी. सहायक प्रशासनिक अधिकारी परीक्षा
12 मई—मध्य प्रदेश प्री-पॉलिटेक्निक टेस्ट, 2013
12 मई—भारत सरकार रक्षा मंत्रालय आर्डनेंस फैक्ट्री बोर्ड, कोलकाता में ट्रेड अप्रेंटिसों की भर्ती परीक्षा
12 मई—केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल में कॉन्स्टेबिलों (जीडी) तथा असम राइफल्स में राइफलमैन की भर्ती परीक्षा (ITBPF, BSF, CISF, CRPF, SSB)–2013
12 मई—कॉमन लॉ एडमीशन टेस्ट–2013
12 मई—राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा (कक्षा X के अभ्यर्थियों के लिए) (द्वितीय चरण-राष्ट्रीय स्तर)
12-14 मई—उत्तराखण्ड पॉलिटेक्निक संयुक्त प्रवेश परीक्षा–2013
18 मई—कम्बाइंड शिक्षाशास्त्री बी.एड. प्रवेश परीक्षा, 2013 (CSSET–2013)
19 मई—एस.एस.सी. संयुक्त स्नातकस्तरीय प्रारम्भिक परीक्षा
26 मई—एस.एस.सी. प्रसार भारती इंजीनियरिंग असिस्टेंट एवं तकनीशियन भर्ती परीक्षा
26 मई—सिविल सेवा (प्र.) परीक्षा–2013
26 मई—म.प्र. प्री-एग्रीकल्चर टेस्ट (PAT)–2013
मई—उत्तराखण्ड अध्यापक पात्रता परीक्षा-I एवं II–2013 (कक्षा I-V तथा कक्षा VI-VIII)
30-31 मई—नेतरहाट आवासीय विद्यालय एवं इन्दिरा गांधी बालिका विद्यालय हजारीबाग प्रवेश परीक्षा (कक्षा VI)
1 एवं 2 जून—हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा–2012-13
2 जून—मध्य प्रदेश जनरल नर्सिंग ट्रेनिंग सलेक्शन एवं प्री. नर्सिंग सलेक्शन टेस्ट, 2013
2 जून—उत्तर प्रदेश आई.टी.आई. व्यावसायिक प्रवेश परीक्षा, 2013
2 जून—दिल्ली पॉलिटेक्निक सम्मिलित प्रवेश परीक्षा–2013 (For 10th based Diploma Courses)
2 जून—एस.एस.सी. प्रसार भारती प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव एवं ट्रांसमिशन एक्जीक्यूटिव परीक्षा–2013
2 जून—जूनियर हिन्दी अनुवादक (अधीनस्थ कार्यालयों में) एवं हिन्दी प्राध्यापक (केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान) इत्यादि परीक्षा–2013
3 जून—महाराष्ट्र बी.एड. कॉमन एन्ट्रेन्स टेस्ट, 2013-14.
8 जून—बिहार पारा मेडिकल-डेन्टल (माध्यमिक स्तरीय) एवं पारा मेडिकल (इंटरमीडिएट स्तरीय) पाठ्यक्रम समूह परीक्षा, 2013
9 जून—म.प्र. सहायक उपनिरीक्षक व सूबेदार (अनुसचिवीय) भर्ती चयन परीक्षा–2013
9 जून—बिहार आई.टी.आई. प्रवेश परीक्षा–2013
9 जून—बिहार पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा, 2013
9 जून—छत्तीसगढ़ राज्य सेवा प्रा. परीक्षा–2012
23 जून—दिल्ली पुलिस व केन्द्रीय पुलिस संगठन में उपनिरीक्षकों, सी.आई.एस.एफ. में सहायक सब-इंस्पेक्टरों एवं एन.सी.बी. में इंटेलीजेंस अधिकारियों की भर्ती परीक्षा, 2013 (प्रथम प्रश्न-पत्र)
23 जून—सी.एस.आई.आर.-यू.जी.सी. राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (NET) जून 2013
30 जून—बी.एस.एल.एल. में टेलीकॉम टेक्निकल असिस्टेंट (टीटीए) की भर्ती परीक्षा
30 जून—यू.जी.सी. राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा जून 2013
30 जून—सेना में एमं शिक्षकों की भर्ती परीक्षा
20-21 जुलाई—एस.एस.सी. संयुक्त स्नातकस्तरीय परीक्षा–2013 (द्वितीय चरण)
जुलाई—कनिष्ठ सैनिक भर्ती परीक्षा [ट्रेड X (तकनीकी) ट्रेड]
(**अन्तिम तिथि**–23 मई, 2013)
28 जुलाई—केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (CTET) जुलाई, 2013
25 अगस्त—दिल्ली पुलिस व केन्द्रीय पुलिस संगठन में उपनिरीक्षकों, सी.आई.एस.एफ. में सहायक सब-इंस्पेक्टरों एवं एन.सी.बी. में इंटेलीजेंस अधिकारियों की भर्ती परीक्षा, 2013 (द्वितीय प्रश्न-पत्र)

sscexamonline.blogspot.com

अमृतवचन

☆ शुद्ध न्याय में शुद्ध दया होनी चाहिए. न्याय का विरोध करने वाली दया, दया नहीं बल्कि क्रूरता है. —महात्मा गांधी

☆ दया और सत्यता परस्पर मिलते हैं. —बाइबिल

☆ धर्म और शांति एक-दूसरे का साथ देते हैं. —बाइबिल

☆ जो सच्चा दयालु है वही सच्चा बुद्धिमान है. —अज्ञात

☆ दरिद्रता मित्रों को परखती है. —कहावत

☆ दरिद्रता प्रकट करना दरिद्र होने से अधिक दुःखदायी होता है. —प्रेमचन्द

☆ सम्पत्ति के अभाव का उपचार आसान है, परन्तु आत्मा की दरिद्रता का नहीं. —मोन्टेन

☆ वह व्यक्ति गरीब होता है, जो अधिक की इच्छा रखता है. —सिनेका

☆ गरीबी दुर्गुण नहीं, असुविधा है. —जॉन फ्लोरियो

☆ यद्यपि मैं निर्धन, घृणित और उपेक्षित हूँ, तथापि परमात्मा, हे मेरे परमात्मा, तुम मुझको मत भुला देना. —विलियम काउपर

☆ फलसफा की बहस के अन्दर खुदा मिलता नहीं।
डोर को सुलझा रहे हैं और सिरा मिलता नहीं।। —अकबर बादशाह

स्मरण प्रतियोगिता
(Memory Retention Contest)
आकर्षक पुरस्कार जीतिए

क्या आप राज्य पॉलिटैक्निक, रेलवे, बैंकिंग सेवा परीक्षा, भारतीय जीवन बीमा निगम-प्रशासनिक अधिकारी परीक्षा, वन सेवा परीक्षा, उपनिरीक्षक पुलिस, एम. बी. ए., सी.पी.एम.टी., सी.बी.एस.ई., बी.एड. प्रवेश परीक्षा आदि परीक्षाओं में सम्मिलित हो रहे हैं? यदि हाँ, तो आप एक आकर्षक पुरस्कार प्राप्त कर सकते हैं.

आपको करना सिर्फ इतना है कि वस्तुनिष्ठ प्रश्न-पत्रों में पूछे गए प्रश्न आप अपनी स्मृति के आधार पर बहुवैकल्पिक प्रश्नों सहित हमें लिखकर भिजवा दें. हम सभी प्रविष्टियों को प्रतियोगिता में शामिल करेंगे और सर्वाधिक सही प्रश्न भेजने वाले को पुरस्कृत करेंगे.

पुरस्कार

(i) सर्वाधिक सही प्रश्न भेजने पर प्रथम तीन को क्रमशः ₹ 500, 300 व 200 पुरस्कारस्वरूप दिए जाएंगे.

(ii) 75% प्रश्न से कम पर कोई पुरस्कार देय नहीं होगा.

स्मरण प्रतियोगिता

प्रतियोगिता दर्पण 2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2

निबन्ध प्रतियोगिता

विषय—भारत-पाक सम्बन्ध की वास्तविकता

अन्तिम तिथि—28 जून, 2013

शब्द संख्या—लगभग 2000 शब्द.

(1) निबन्ध कागज के एक ओर ही टंकित अथवा स्व-हस्तलिखित होना चाहिए.

(2) निबन्ध के साथ प्रतियोगी अपना पासपोर्ट आकार का छायाचित्र भेजें. प्रथम तीन निबन्धों पर क्रमशः ₹ 800, 500 व 400 व प्रमाण-पत्र पुरस्कार के रूप में दिए जाएंगे. अन्य 10 अनुशंसित निबन्धों को आकर्षक प्रमाण-पत्र व उपकार प्रकाशन की ₹ 200 मूल्य तक की वांछित पुस्तक पुरस्कारस्वरूप दी जाएगी.

चन्दे की नई दरें

प्रतियोगिता दर्पण

		हिन्दी	अंग्रेजी
एक प्रति	मूल्य	70·00	70.00
वार्षिक मूल्य :			
	साधारण डाक से	635·00	630·00
	रजिस्टर्ड डाक से	855·00	850·00
द्विवार्षिक मूल्य :			
	साधारण डाक से	1180·00	1175·00
	रजिस्टर्ड डाक से	1620·00	1615·00

सामान्य ज्ञान दर्पण

एक प्रति	मूल्य	45·00
वार्षिक मूल्य :		
	साधारण डाक से	405·00
	रजिस्टर्ड डाक से	620·00
द्विवार्षिक मूल्य :		
	साधारण डाक से	755·00
	रजिस्टर्ड डाक से	1185·00

- कृपया अपना सदस्यता-शुल्क मनीऑर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट द्वारा ही प्रेषित करें. चैक स्वीकार नहीं होंगे.
- अपने स्पष्ट पते के साथ यह भी सूचित करें कि आप किस माह से किस माह तक के लिए ग्राहक बन रहे हैं.
- पुराने ग्राहक कृपया अपनी ग्राहक संख्या का उल्लेख अवश्य करें.
- मनीऑर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट 'प्रतियोगिता दर्पण' के नाम से ही स्वीकार किए जाएंगे.

ऑर्डर फार्म

मैं प्रतियोगिता दर्पण (हिन्दी/अंग्रेजी मासिक)/सामान्य ज्ञान दर्पण (हिन्दी मासिक) का वार्षिक/द्विवार्षिक नियमित ग्राहक बनना चाहता हूँ/चाहती हूँ. कृपया मेरी प्रति मुझे निम्नांकित पते पर प्रेषित करने की कृपा करें.

नाम _____

पता _____

_____

_____

पिन ☐☐☐☐☐☐

मैं ₹ ..... मनीऑर्डर/बैंक ड्राफ्ट द्वारा प्रेषित कर रहा हूँ/रही हूँ.

दिनांक _____ प्रेषक के हस्ताक्षर _____

प्रतियोगिता दर्पण

2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–282 002

Website : www.pdgroup.in

E-mail : care@pdgroup.in

sscexamonline.blogspot.com

418 वाँ सफलतम अंक

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

वर्ष 35 | दशम् अंक | जून 2013

इस अंक में...

1734 सम्पादकीय
1738 राष्ट्रीय घटनाक्रम
1746 अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
1752 आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य
1762 नवीनतम सामान्य ज्ञान
1768 खेलकूद
1774 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
1775 युवा प्रतिभाएं
1782 विश्व परिदृश्य
1786 स्मरणीय तथ्य
1789 संघ व राज्य लोक सेवा आयोग की प्रारम्भिक व मुख्य परीक्षाओं हेतु—ऐतिहासिक स्थल
1792 समसामयिक आर्थिक-राजनीतिक लेख—भारत-जापान सम्बन्ध : रिश्तों में बढ़ती गर्माहट
1796 समसामयिक लेख—राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी की पहली विदेश यात्रा
1800 विधिसम्मत लेख—भारत में न्यायिक सक्रियता
1802 समसामयिक लेख—(i) चीन की सामुद्रिक महत्वाकांक्षाएं एवं भारतीय सुरक्षा : एक मूल्यांकन
1807 (ii) भारत-बांग्लादेश सम्बन्ध
1808 अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक लेख—भारत की विदेश नीति (1947-64) : निर्धारक तत्व तथा बुनियादी सिद्धान्त
1810 संवैधानिक लेख—बदलते परिवेश में नियंत्रक महालेखा परीक्षक की भूमिका
1812 भाषा विषयक लेख—हिन्दी शब्द-सम्पदा
1817 संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं हेतु विशेष—भारतीय कला का इतिहास : एक वस्तुपरक अध्ययन
1823 सार संग्रह
1826 वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान—(i) उत्तर प्रदेश पी.सी.एस. प्रवर अधीनस्थ सेवा (मुख्य) परीक्षा, 2012
1837 (ii) एल.आई.सी. हाउसिंग फाइनेन्स असिस्टेंट परीक्षा, 2013
1840 (iii) हे.न.ब. गढ़वाल (केन्द्रीय विश्वविद्यालय), एम. एड. प्रवेश परीक्षा, 2012
1844 (iv) आगामी सिविल सर्विसेज (प्रा.) परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
1853 उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता
1855 ऐच्छिक विषय—(i) इतिहास—बिहार उच्च माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2011
1859 (ii) संगीत—यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2012
1864 (iii) शिक्षाशास्त्र—यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2012
1869 (iv) जनसंचार और पत्रकारिता—यू.जी.सी.-नेट/जे. आर.एफ. परीक्षा, 2012
1875 वार्षिक रिपोर्ट 2011-12—शिक्षा एवं साक्षरता क्षेत्र में प्रगति एवं नई पहलें-एक दृष्टि में
1878 आगामी बी.एड. संयुक्त प्रवेश परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
1888 संख्यात्मक योग्यता—आगामी प्रतियोगिता परीक्षाओं हेतु विशेष हल प्रश्न
1894 अपना ज्ञान बढ़ाइए
1895 क्या आप जानते हैं ?
1896 सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक-156
1898 निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक 407 का परिणाम
1899 प्रथम पुरस्कृत निबन्ध—अध्यात्म : विज्ञान को चुनौती
1901 भारत की जनसंख्या : 2011 की जनगणना के फाइनल आँकड़े

प्रतियोगिता दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है। —सम्पादक

• E-mail : publisher@pdgroup.in •Website : www.pdgroup.in

sscexamonline.blogspot.com

सम्पादकीय

जीवन के सर्वोच्च शिखर का ईमानदारी से वरण करें

हममें से ऐसे कितने हैं, जो अपने जीवन का लक्ष्य जानते हैं? शायद बिरले ही होंगे. हमारे अभिभावकों ने अपने खून पसीने की गाढ़ी कमाई हमारे 'एडमिशन्स' में लगा दी. स्कूलों ने भी शिक्षा के बड़े-बड़े दावे किए, परन्तु शायद ही किसी स्कूल ने जीवन के लक्ष्य, उसकी प्राप्ति अथवा उसकी उपयोगिता के विषय में कभी कोई शिक्षा दी हो. अपवाद सम्भव है, परन्तु व्यावहारिक रूप में ऐसा दिखायी नहीं दिया. जीवन का उद्देश्य, उसकी व्यावहारिकता हमारी शिक्षा का अभिन्न अंग होना चाहिए. उस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु विशेष प्रशिक्षण विद्यालय स्तर पर ही दिया जाना चाहिए. विश्व के सर्वोच्च शिखर माउण्ट एवरेस्ट पर पहुँचने के पश्चात् पर्वतारोही की प्रसन्नता को क्या भूमि पर खड़ा व्यक्ति व्यक्त कर सकता है? नहीं. इसी प्रकार जीवन के शिखर पर पहुँचे व्यक्ति का सुख केवल वही व्यक्त कर सकता है, जिन बाधाओं ने उसके मार्ग को बार-बार अवरुद्ध किया, वही उसके आनन्द का कारक बन जाती हैं. वह इन्हीं बाधाओं का आनन्द लेते हुए अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होता रहता है. ऐसी शिक्षा की आवश्यकता है, जो लक्ष्य प्राप्ति का मर्म समझा सके. उसको प्राप्त करने का दृढ़ संकल्प लेने की साधना सिखा सके.

यदि शिखर पर पहुँचने का संकल्प न रहे, तो न वकालत की पढ़ाई जारी रहे और न कोई वकालत ही पढ़ने जाए. केवल वकालत में ही क्यों, हर व्यवसाय में शिखर पर स्थान रिक्त रहता है और योग्य व्यक्ति आत्मविश्वास के सहारे वहाँ पहुँचकर अपने लिए स्थान बना लेता है. आपने भी देखा होगा कि कोई-कोई दूकानदार अपेक्षाकृत नया होने पर भी अपनी दूकान जमा लेता है और पुराने स्थापित दूकानदार उसकी ओर आश्चर्य मिश्रित ईर्ष्यालु दृष्टि से देखते रहते हैं. जीवन के प्रत्येक क्षेत्र की यही कहानी है. नए के चमत्कार भरे कार्य प्राचीन दिग्गजों को विस्मृति के गर्भ में धकेल देते हैं. इस प्रकार के सफल व्यक्तियों को देखकर ही किसी ने यह कथन किया होगा—वास्तव में बहुत कम कार्य अव्यावहारिक अथवा असम्भव होते हैं. वस्तुतः शिखर पर न पहुँच सकने का कारण साधनों की कमी न होकर, उपलब्ध साधनों का सम्यक् उपयोग कर सकने की क्षमता का अभाव होता है. फलतः व्यक्ति नीचे खड़ा रहकर ऊपर की ओर टुकुर-टुकुर देखता रहता है. हमारे एक सफल वकील मित्र का कहना है कि प्रशिक्षण की अवधि में मैंने तीन बातों का विशेष ध्यान रखा था—अपने वरिष्ठ बन्धु के निर्देशानुसार कार्य करने में मैंने कभी आलस्य नहीं किया, मैं [illegible] सेवा में सदैव निर्धारित समय पर पहुँचता था तथा किसी भी परिस्थिति में मैंने उनसे किसी भी रूप में चाय, पानी आदि की माँग नहीं की, यहाँ तक कि 3 वर्ष के परीक्षण काल में मैंने कभी यह जानने का प्रयास नहीं किया कि उनका बाथरूम किधर है. हॉवर्ड पायल (Howard Pyle) नामक विद्वान् ने एक स्थान पर लिखा है कि "जो व्यक्ति जीवन में सफल होना चाहता है, उसको अपने साथ तीन सशक्त एवं महत्वपूर्ण अस्त्र रखने चाहिए—वह अनवरत श्रम करे, अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु उसमें असीमित महत्वाकांक्षा हो तथा उसके मन में कभी भी तृप्त न होने वाला उत्साह एवं सफल होने का दृढ़ निश्चय हो." "He who would succeed must arm himself with three vital and most necessary weapons. First, he must have ceaseless industry. Second, he must have limitless ambition of purpose. Third, he must possess unquenchable enthusiasm, coupled with a determination to success." हमारे पड़ोस का एक बालक पढ़ने में बहुत चैतन्य था, परन्तु वह जब यह देखता था कि प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले परीक्षार्थी के 93-94 प्रतिशत अंक आए हैं, तो वह निराश होकर कहने लगता था—मैं तो इतने अधिक अंक प्राप्त कर न सकूँगा और इस प्रकार प्रथम स्थान प्राप्त करने के स्वप्न को पूरा नहीं कर पाऊँगा. एक दिन उसके अध्यापक ने उसको प्रोत्साहित करते हुए कहा—"जिन छात्रों के इतने अंक आते हैं, उनसे तुम किस बात में भिन्न एवं कम हो? याद रखो, शिखर पर सदैव स्थान रहता है और शिखर पर पहुँचने वाले व्यक्ति इसी पृथ्वी पर जन्म लेते हैं, वे आसमान से उतरकर नहीं आते हैं.....आदि." अध्यापक के कथन ने बालक के आत्मविश्वास को जगा दिया और उस बालक द्वारा स्थापित अंकों का कीर्तिमान आज तक सुरक्षित है. हम यह क्यों भूल जाते हैं कि हिमालय का एवरेस्ट शिखर युगों से खड़ा-खड़ा मानव को बुला रहा था. अनेक व्यक्तियों ने ऊपर चढ़ने के प्रयत्न किए, निश्चित ऊँचाई पर पहुँचने के कीर्तिमान स्थापित किए, परन्तु एडमण्ड हिलेरी और शेरपा तेनसिंह उन कीर्तिमानों द्वारा आतंकित नहीं हुए. उनको विश्वास था कि नए कीर्तिमान स्थापित करने वाले व्यक्ति के लिए प्रकृति का द्वार सदैव उन्मुक्त रहता है. अन्ततः वे उच्चतम शिखर को प्राप्त करके अमर हो गए.

यह द्रष्टव्य है कि इन पर्वतारोही द्वय ने सदैव यह जानते रहने का प्रयत्न किया था कि अभी तक प्रयत्न करने वाले पर्वतारोही उच्चतम शिखर तक क्यों नहीं पहुँच सके थे, उन्होंने जो गलतियाँ की थीं, उन गलतियों से वे अपने को बचाकर चलते रहे और अन्ततः उस स्थान पर पहुँच गए, जो खाली पड़ा हुआ था. एक विचारक का यह कथन हमें स्मरण रखना चाहिए कि "There are but two ways of rising in the world, either by one's own industry or profiting by the foolishness of others." अर्थात् "इस जीवन में सफल होने के लिए मात्र दो उपाय हैं—(i) अपने अध्यवसाय द्वारा अथवा (ii) अन्य व्यक्तियों की मूर्खताओं का लाभ उठाकर."

हो सकता है कुछ व्यक्ति आपके कतिपय दोषों अथवा आपकी सीमाओं के प्रति इंगित करके आपको हतोत्साहित करते हों, परन्तु आप यह सदैव याद रखिए कि कोई भी मनुष्य जन्म के समय अपने मस्तक पर यह लिखाकर नहीं आता है कि वह उच्चतम शिखर पर स्थान प्राप्त करेगा. आप तो उपन्यास सम्राट् प्रेमचंद का यह कथन याद रखिए—"सफलता में दोषों को मिटाने की विलक्षण शक्ति होती है." जिस समय आप उच्चतम शिखर पर पहुँच जाएँगे, उस समय आपको चारों ओर से एक ही आवाज आती हुई सुनाई देगी—इसको कहते हैं—लगन और आत्मविश्वास.

हमें समझ लेना चाहिए कि जिस दिन शिखर पर पहुँच कर स्थान प्राप्त करने का भाव निश्शेष हो जाएगा, उस दिन मानव का जीवन और मानव समाज अर्थहीन हो जाएँगे. आरक्षण की व्यवस्था को देखकर सवर्ण युवक-युवती प्रायः निराश होने लगते हैं. वे यह क्यों नहीं सोचते हैं कि जब वे शिखर पर स्थित दिखाई देंगे, तब कौन उनकी अवज्ञा एवं उपेक्षा कर सकेगा. सफलता का शिखर एक ऐसा शिखर है, जो निरन्तर ऊँचा उठता रहता है और कभी खाली नहीं रहता है. उस पर पहुँचने वालों में आप भी अपनी गणना कराइए. हम कोई भी काम करें, केवल सर्वोच्च शिखर पर स्थापित होने का संकल्प लेकर चलें. सफलता हमको कभी निराश नहीं करेगी. नीति का यह वाक्य स्मरणीय है—

यद्दुस्तरं यद् दुर्दर्शं यद् दुर्गं यच्च दुष्करम्।
सर्वं तु तपसा साध्यं तपोहि दुरतिक्रमम्।।

अर्थात् जो दुष्कर है, दुःख से प्राप्त होने योग्य है, कठिनाई से गमन करने योग्य है, वह सब तप (चिन्तन एवं कठिन प्रयत्न) से साध्य हो सकता है.

जीवन कितना भी निष्ठुर एवं कठोर क्यों न हो, मनुष्य की वैचारिक प्रबलता के समक्ष सब असहाय हैं. व्यक्ति यदि विचार कर ले कि उसे जीवन में सर्वोच्च लक्ष्य को प्राप्त करना है या सर्वोच्च शिखर का वरण करना है, तो निश्चित ही असम्भव सम्भव में परिणत हो जाता है. हाँ, जो भी संकल्प लिया जाए या जो भी प्रण किया जाए उसमें ईमानदार प्रयास का होना अत्यन्त आवश्यक है.

●●●

sscexamonline.blogspot.com

सिविल सेवा परीक्षा–2012 में सामान्य, अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति, तीनों ही श्रेणियों में महिला उम्मीदवारों के शीर्ष स्थान

वर्ष 2012 की सिविल सेवा परीक्षा के परिणाम संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) ने 3 मई, 2013 को घोषित किए हैं. इस परीक्षा के आधार पर कुल 998 उम्मीदवारों को भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा, भारतीय पुलिस सेवा व अन्य केन्द्रीय सेवाओं में नियुक्ति के लिए अनुशंसित किया गया है. इनमें 753 पुरुष व शेष 245 महिलाएं हैं. महिला उम्मीदवारों ने इस मामले में बाजी इस वर्ष मारी है कि सामान्य, अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति, तीनों ही श्रेणियों में शीर्ष स्थान उन्होंने ही इस वर्ष प्राप्त किए हैं. परीक्षा में शीर्ष 25 स्थानों पर रहे उम्मीदवारों में 13 महिलाएं हैं. परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाली हरिता वी. कुमार केरल विश्वविद्यालय से बी. टेक की उपाधि प्राप्त हैं तथा 2011 की परीक्षा में सफलता के आधार पर भारतीय राजस्व सेवा के लिए पहले ही प्रशिक्षणाधीन हैं. इस वर्ष सिविल सेवा परीक्षा में उनका यह चौथा प्रयास था. पिछले लगभग 20 वर्षों में यह पहला अवसर है जब केरल की किसी उम्मीदवार ने सिविल सेवा परीक्षा

हरिता वी. कुमार
सिविल सेवा परीक्षा 2012 में सर्वोच्च स्थान

में टॉप किया है. सिविल सेवा परीक्षा 2012 में दूसरा स्थान प्राप्त करने वाले बी. श्रीराम केरल विश्वविद्यालय से एम.बी.बी.एस. की उपाधि प्राप्त हैं. उन्होंने यह सफलता अपने दूसरे प्रयास में प्राप्त की है. तीसरा स्थान जोधपुर विश्वविद्यालय से बी.एस.सी. तथा दिल्ली स्थित आई.आई.पी.एम. से प्रबन्धन में पीजी डिप्लोमा प्राप्त स्तुति चरण ने प्राप्त किया है. सिविल सेवा परीक्षा में इस वर्ष उनका यह तीसरा प्रयास था.

सिविल सेवा परीक्षा 2012 में शीर्ष 25 स्थानों पर रहे उम्मीदवारों में से 4 उम्मीदवार ऐसे हैं, जो पूर्व वर्षों की परीक्षाओं के आधार पर प्रशासनिक सेवा के अतिरिक्त अन्य सिविल सेवाओं के लिए अनुशंसित हैं. शीर्ष 25 सफल उम्मीदवारों में से 6 ने अपने पहले ही प्रयास में यह रैंक हासिल की है, जबकि 9 उम्मीदवार अपने दूसरे प्रयास में, 8 अपने तीसरे प्रयास में तथा एक-एक उम्मीदवार ने अपने चौथे व छठे प्रयास में यह रैंक प्राप्त की है. शीर्ष 25 स्थानों पर रहे उम्मीदवारों में से 12 उम्मीदवार दिल्ली से, 4 तिरुअनंतपुरम् से, 2-2 चेन्नई व हैदराबाद से तथा 1-1 उम्मीदवार जम्मू, मुम्बई, जयपुर, चंडीगढ़ व इलाहाबाद से इस परीक्षा में शामिल हुए थे.

वर्ष 2012 की सिविल सेवा परीक्षा के लिए रिकॉर्ड 5,36,506 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था. इसके लिए प्रारम्भिक परीक्षा 20 मई, 2012 को आयोजित की गई थी तथा प्रारम्भिक

स्तुति चरण
सिविल सेवा परीक्षा 2012 में तीसरा स्थान

परीक्षा में शामिल उम्मीदवारों की संख्या 2,71,422 रही, जिनमें से 13,092 उम्मीदवार अक्टूबर 2012 में सम्पन्न मुख्य परीक्षा के लिए अर्ह घोषित किए गए थे. मुख्य परीक्षा में प्राप्तांकों के आधार पर 2674 उम्मीदवारों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया था. यह साक्षात्कार मार्च-अप्रैल 2013 में सम्पन्न हुए थे. लिखित परीक्षा व साक्षात्कार में प्राप्त अंकों को मिलाकर बनी मेरिट के आधार पर 998 उम्मीदवारों को सफल घोषित किया गया. सफल घोषित किए गए इन 998 उम्मीदवारों में 457 सामान्य श्रेणी के, 295 अन्य पिछड़े वर्गों के, 169 अनुसूचित जाति तथा 77 उम्मीदवार अनुसूचित जनजाति के हैं. इस परीक्षा के माध्यम से भरी जाने वाली रिक्तियों की कुल संख्या वस्तुतः 1091 अधिसूचित की गई थी. वर्तमान में खाली बची 92 रिक्तियाँ सामान्य मानकों से

एल्बी जॉन वर्गीस
सिविल सेवा परीक्षा 2012 में चौथा स्थान

सफल होने वाले आरक्षित उम्मीदवारों के लिए हैं. यह रिक्तियाँ संघ लोक सेवा आयोग द्वारा बनाई जाने वाली आरक्षित सूची से अनुशंसित उम्मीदवारों द्वारा भरी जाएंगी.

●●●

sscexamonline.blogspot.com

- दूसरे प्रशासनिक सुधार आयोग की सिफारिशों पर विचार हेतु मुख्यमंत्रियों का सम्मेलन
- राजस्थान में विधान परिषद् के गठन के प्रस्ताव को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की मंजूरी
- संजय दत्त को समर्पण हेतु समय सीमा में चार सप्ताह की वृद्धि
- राष्ट्रीय बाल नीति–2012
- सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से गुजरात के गिर वन से कुछ शेर मध्य प्रदेश में स्थानान्तरित करने की मार्ग प्रशस्त
- अग्नि-II का सफल परीक्षण : एक साथ पाँच लक्ष्यों पर मार करने वाली मिसाइल के विकास की डीआरडीओ की योजना
- कर्नाटक के पश्चात् पाँच अन्य विधान सभाओं के लिए चुनाव वर्षान्त तक सम्भावित
- श्रीलंकाई तमिलों की माँगों के समर्थन में तमिलनाडु विधान सभा द्वारा प्रस्ताव पारित : श्रीलंका को 'मित्र राष्ट्र' न मानने की भी माँग
- गुजरात में लोकायुक्त की नियुक्ति के मामले में शक्तिवर्ती मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली समिति को सौंपने के लिए विधेयक पारित
- झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा को अस्थायी जमानत
- सीबीआई की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण : स्वर्ण जयंती कार्यक्रमों का शुभारम्भ राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने किया
- हेलीकॉप्टर सौदे में रिश्वतखोरी के मामले की जाँच कर रही सीबीआई ने पूर्व वायुसेनाध्यक्ष एस.पी. त्यागी सहित सभी आरोपियों के बैंक खाते सील किए
- वर्ष 2014 तक देश की आधी जनसंख्या को आधार कार्ड उपलब्ध कराने का लक्ष्य
- 'मनरेगा' कार्यान्वयन में करोड़ों रुपए की वित्तीय अनियमितताओं का 'कैग' रिपोर्ट में खुलासा
- मानसून सामान्य रहने की मानसून विभाग की भविष्यवाणी
- संक्षिप्तकी

दूसरे प्रशासनिक सुधार आयोग की सिफारिशों पर विचार हेतु मुख्यमंत्रियों का सम्मेलन

दूसरे प्रशासनिक सुधार आयोग (Administrative Reforms Commission–ARC) की रिपोर्ट पर चर्चा के लिए केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा मुख्यमंत्रियों का सम्मेलन नई दिल्ली में 15 अप्रैल, 2013 को

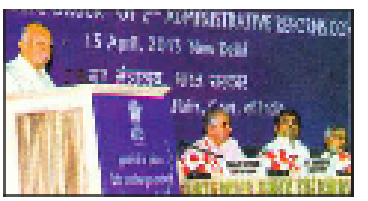

मुख्यमंत्रियों के सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे

आहूत किया गया. वीरप्पा मोइली की अध्यक्षता वाले दूसरे प्रशासनिक सुधार आयोग की रिपोर्ट पर विचार के लिए विज्ञान भवन में आयोजित इस सम्मेलन में अधिकांश मुख्यमंत्रियों की अनुपस्थिति ने इसकी सार्थकता पर प्रश्न चिह्न लगाया है. केवल सात राज्यों के मुख्यमंत्री–ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, असम के मुख्यमंत्री तरुण गोगोई, उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक सरकार, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री नबम तुकी, मेघालय के मुख्यमंत्री मुकुल संगमा व नगालैण्ड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ही इस सम्मेलन में शामिल हुए. पुलिस सुधार, सार्वजनिक व्यवस्था प्रबन्धन, आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार आदि विषय आयोग की सिफारिशों में शामिल थे. इन मुद्दों पर ए.आर.सी. द्वारा की गई 153 सिफारिशों पर मुख्यमंत्रियों की राय जानने के लिए गृह मंत्रालय द्वारा पत्र भेजे गए थे, किन्तु कुछ ही राज्यों से इस सम्बन्ध में उत्तर गृह मंत्रालय को प्राप्त हुए थे. इसी कारण मुख्यमंत्रियों के इस सम्मेलन का आयोजन गृह मंत्रालय द्वारा किया गया था, किन्तु सम्मेलन में केवल सात ही मुख्यमंत्रियों की भागीदारी से इसकी सार्थकता पर भी प्रश्नचिह्न ही लगा हुआ है.

सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे ने देश में सार्वजनिक व्यवस्था व पुलिस के समक्ष विद्यमान चुनौतियों का उल्लेख करते हुए इन पर विद्यमान दबावों की भी चर्चा की. इसी परिप्रेक्ष्य में पुलिस के बेहतर काम-काज के लिए काम-काज का बेहतर माहौल उपलब्ध कराने पर बल उन्होंने दिया. देश के आन्तरिक हालातों के परिप्रेक्ष्य में गृहमंत्री ने कहा कि इन स्थितियों में यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि एक साथ मिल कर हम मौजूदा स्थिति व विचाराधीन सिफारिशों का जायजा लें.

राष्ट्रीय आतंकवाद प्रतिरोधी केन्द्र (NCTC) की स्थापना के मुद्दे पर भी चर्चा मुख्यमंत्रियों के इस सम्मेलन में अपेक्षित थी, किन्तु अधिकांश मुख्यमंत्रियों की अनुपस्थिति के चलते इस मुद्दे पर चर्चा इस सम्मेलन में नहीं की गई.

राजस्थान में विधान परिषद् के गठन के प्रस्ताव को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की मंजूरी

राजस्थान में विधान परिषद् के गठन के लिए प्रदेश की विधान सभा द्वारा पारित प्रस्ताव को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने 18 अप्रैल, 2013 को अनुमोदित कर दिया है. अब संसद में इसके लिए विधेयक लाया जाएगा. संसद के दोनों सदनों में दो तिहाई बहुमत से विधेयक पारित होने तथा राष्ट्रपति की इसे मंजूरी मिलने के पश्चात् प्रदेश में विधान परिषद् का गठन किया जा सकेगा. विधान परिषद् के गठन के लिए राज्य विधान सभा ने संविधान के अनुच्छेद 169 के तहत् एक संकल्प अप्रैल, 2012 में दो तिहाई बहुमत से पारित कर केन्द्र को प्रेषित किया था. प्रदेश की प्रस्तावित विधान परिषद् में 66 सदस्य होंगे. इनमें एक तिहाई अर्थात् 22 सदस्यों का चुनाव स्थानीय निकायों के सदस्यों तथा इतने ही सदस्यों का चयन विधानसभा सदस्यों की ओर से किया जाएगा. शेष सदस्यों का चुनाव विश्वविद्यालयों में अध्यापन से जुड़े लोगों के अलावा कला, साहित्य, विज्ञान, सहकारिता, समाज सेवा व स्नातक क्षेत्र से होगा. विधान परिषद् के गठन के पश्चात् राजस्थान देश में द्विसदनीय विधायिका वाला सातवाँ राज्य होगा. जिन छः राज्यों में विधानसभा के साथ-साथ विधान परिषद् भी विद्यमान है, वे हैं–उत्तर प्रदेश, बिहार, कर्नाटक, जम्मू-कश्मीर, आन्ध्र प्रदेश तथा महाराष्ट्र.

संजय दत्त को समर्पण हेतु समय सीमा में चार सप्ताह की वृद्धि

मुम्बई के 1993 के बम विस्फोटों से सम्बन्धित मामले में गैर-कानूनी तरीके से हथियार रखने के आरोप में दोषी करार दिए गए संजय दत्त को अपनी सजा भुगतने के लिए समर्पण करने की समय-सीमा में चार सप्ताह की वृद्धि सर्वोच्च न्यायालय ने अप्रैल 2013 में की है. इस मामले में उन्हें पहले से सुनाई जा चुकी 6 वर्ष के कारावास की सजा

sscexamonline.blogspot.com

को घटाकर 5 वर्ष सर्वोच्च न्यायालय ने 21 मार्च, 2013 के अपने फैसले में किया था तथा इस सजा को भुगतने के लिए समर्पण करने के लिए 4 सप्ताह का समय सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें उस समय दिया था. यह समय-सीमा 18 अप्रैल, 2013 को पूरी होने को थी. अपनी लम्बित चल रही फिल्मों को पूरा करने के लिए इस समय-सीमा में 6 माह की वृद्धि की अपील संजय दत्त ने 15 अप्रैल, 2013 को की थी. संजय की दलील थी कि उनकी, पुलिसगिरी व जंजीर सहित सात निर्माणाधीन फिल्मों में निर्माताओं के करोड़ों रुपए लगे हैं तथा 18 अप्रैल, 2013 तक उनके समर्पण से उन्हें व फिल्म उद्योग को भारी नुकसान होगा. उनकी दलीलों को स्वीकार करते हुए सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति पी. सदाशिवम व न्यायमूर्ति बीएस चौहान की पीठ ने समर्पण के लिए समय-सीमा में चार सप्ताह की वृद्धि 17 अप्रैल, 2013 को की है.

राष्ट्रीय बाल नीति–2012

केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने बच्चों के लिए राष्ट्रीय नीति-2012 (National Policy for Children–2012) को मंजूरी 18 अप्रैल, 2012 को प्रदान की है जिसमें 18 वर्ष से कम उम्र के लोगों को बच्चा स्वीकार करते हुए उनके अधिकारों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है. नीति में बचपन को जीवन का एक महत्वपूर्ण भाग स्वीकार करते हुए दीर्घकालिक, सतत्, बहुपक्षीय एवं समावेशी एप्रोच को बच्चों के संरक्षण एवं विकास हेतु आवश्यक इकाई कहा गया है. राष्ट्रीय नीति में ऐसे निर्देशक सिद्धान्त निर्धारित किए गए हैं जिनका सम्मान बच्चों को प्रभावित करने वाली सभी गतिविधियों एवं क्रियाकलापों में केन्द्र, राज्य व स्थानीय सरकारों को करना चाहिए. प्रत्येक बच्चे के लिए जीवन, विकास शिक्षा, संरक्षण एवं भागीदारी के अधिकार, सभी बच्चों के लिए भेदभाव रहित समान अधिकार तथा सभी निर्णयों एवं क्रिया-कलापों में बच्चों के हितों का ध्यान इनमें शामिल हैं. उत्तरजीविता (Survival), स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा एवं विकास के बच्चों के ऐसे अधिकारों के रूप में नीति में स्वीकार किया गया है, जिन्हें ठुकराया नहीं जा सकता. इस परिप्रेक्ष्य में बच्चों के लिए इन्हें प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के रूप में नीति में स्वीकार किया गया है. बच्चों की आवश्यकताओं को मल्टी सेक्टोरल, अन्तर्सम्बन्धित व समग्र स्वीकार करते हुए प्रशासन के प्रत्येक स्तर पर इनमें समन्वय की आवश्यकता पर बल इसमें दिया गया है. नीति को व्यावहारिक रूप प्रदान करने के लिए एक राष्ट्रीय कार्ययोजना (National Plan of Action) बनाने तथा इसके कार्यान्वयन पर निगरानी के लिए एक राष्ट्रीय समन्वय एवं कार्य समूह (National Coordination and Action Group–NCAG) के गठन की बात नीति के मसौदे में कही गई है.

ऐसी योजनाओं का निर्माण व उनके लिए समन्वय एवं कार्य दलों के राज्य एवं जिला स्तर पर गठन की बात नीति के मसौदे में कही गई है. नीति के मसौदे में कहा गया है कि बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए गठित राष्ट्रीय आयोग व राज्य आयोगों को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस नीति के सिद्धान्तों का सभी स्तरों पर अनुपालन हो. प्रति 5 वर्षों के पश्चात् इस नीति की समीक्षा किए जाने की बात भी नीति के मसौदे में कही गई है तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को इस नीति के कार्यान्वयन के लिए नोडल मंत्रालय बनाया गया है.

सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से गुजरात के गिर वन से कुछ शेर मध्य प्रदेश में स्थानान्तरित करने को मार्ग प्रशस्त

गुजरात के गिर अभयारण्य में रह रहे एशियाई शेरों (Asiatic Lions) में से कुछ को मध्य प्रदेश के कूनो पालपुर अभयारण्य में स्थानान्तरित किया जाएगा. इस मामले में गुजरात सरकार की आपत्तियों को सर्वोच्च न्यायालय ने रद्द कर दिया है, जिससे कुछ शेरों के मध्य प्रदेश स्थानान्तरित किए जाने की दिशा में मार्ग प्रशस्त हो गया है. फैसला सुनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति के. एस. राधाकृष्णन व न्यायमूर्ति सी. के. प्रसाद की पीठ ने कहा कि शेरों की यह प्रजाति विलुप्ति के कगार पर है तथा उसे संरक्षित करने के लिए दूसरे घर की आवश्यकता है. वन की पर्याप्त सघनता व अन्य परिस्थितियों को देखते हुए कूनो पालपुर अभयारण्य को इसके लिए सर्वोत्तम विकल्प सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने बताया है. अपने इस फैसले में पीठ ने गिर अभयारण्य के कुछ शेरों को कूनो पालपुर भेजने के लिए तुरन्त आवश्यक कदम उठाने के लिए सरकार को कहा है. स्थानांतरित किए जाने वाले शेरों की संख्या निर्धारित करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन भी सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने 15 अप्रैल, 2013 को उपर्युक्त फैसला सुनाते हुए किया है.

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में विश्व में एशियाई शेर केवल गुजरात के गिर अभयारण्य में ही विद्यमान हैं तथा 2010 में हुई गणना में इनकी कुल संख्या 411 पाई गई थी. संख्या कम होने के कारण इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर ने इन्हें 'खतरे में प्रजाति' (Endangered species) घोषित किया हुआ है. किसी संक्रामक रोग के खतरे से प्रजाति को बचाने के लिए गिर अभयारण्य के कुछ शेरों को मध्य प्रदेश में कूनो पालपुर में भेजने का प्रस्ताव केन्द्र सरकार ने 1995 में किया था, किन्तु गुजरात सरकार की आपत्तियों के कारण यह मामला अदालत में चला गया था. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति के. एस. राधाकृष्णन व न्यायमूर्ति सी. के. प्रसाद ने इस मामले में 15 अप्रैल, 2013 के अपने फैसले में कहा है कि वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के अनुसार यह जंतु किसी राज्य या क्षेत्र की सम्पत्ति नहीं हैं, वे राष्ट्रीय सम्पत्ति हैं, जिन्हें संरक्षित करने के लिए पर्यावरण केन्द्रित नजरिए से देखा जाना चाहिए.

अग्नि II का सफल परीक्षण : एक साथ पाँच लक्ष्यों पर मार करने वाली मिसाइल के विकास की डीआरडीओ की योजना

भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा विकसित मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-II का एक परीक्षण ओडिशा के तट के निकट बंगाल की खाड़ी स्थित हीलर द्वीप से 7 अप्रैल, 2013 को किया. नाभिकीय विस्फोटकों के साथ 2000 किमी की दूरी तक सतह से सतह पर मार करने में सक्षम इस मिसाइल को कई सफल परीक्षणों के पश्चात् भारतीय सेना में पहले ही शामिल किया जा चुका है तथा 7 अप्रैल, 2013 को इसका परीक्षण थल सेना की सामरिक बल कमान (SFC) द्वारा डीआरडीओ की मदद से किया गया था. इंटरमीडिएट रेंज की इस बैलिस्टिक मिसाइल का इससे पूर्व परीक्षण 9 अगस्त, 2012 को किया गया था.

उल्लेखनीय है कि सतह से सतह पर मार के लिए पृथ्वी व अग्नि शृंखला की विभिन्न मिसाइलों के सफल विकास के पश्चात् भारत का रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) अब एक ऐसी मिसाइल विकसित करने में लगा है, जो एक ही बार में पाँच अलग-अलग ठिकानों को निशाना बना सकेगी. रक्षा मोर्चे पर पड़ोसी देशों से मिल रही चुनौतियों से निपटने के लिए ऐसी मिसाइल के निर्माण की दिशा में तैयारी डीआरडीओ द्वारा की जा रही है. अग्नि-V में आधारिक बदलाव कर मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल रिएंट्री हीकल (MIRV) का विकास डीआरडीओ द्वारा किया जा रहा है. इसके लिए अग्नि-V के ये डोज विलीवरी सिस्टम में बदलाव डीआरडीओ द्वारा किए जा रहे हैं. नई विकसित की जा रही मिसाइल एक साथ दुश्मन के पाँच लक्ष्यों पर हमला करने या एक ही शहर में पाँच अलग-अलग केन्द्रों पर अलग-अलग हथियारों से हमला करने में सक्षम होगी, बल्कि दुश्मन के मिसाइल सुरक्षा-प्रणाली को भी विफल करेगी, क्योंकि दुश्मन की एंटी मिसाइल-प्रणाली एक ही हमले को रोक सकेगी, जबकि इससे एक साथ पाँच हमले होंगे. एक ही मिसाइल से पाँच हमले एक साथ करने से युद्धक-सामग्री की लागत भी कम आएगी. इस तरह की मारक क्षमता वाली मिसाइलें वर्तमान में केवल अमरीका, रूस व चीन के पास ही उपलब्ध हैं.

sscexamonline.blogspot.com

कर्नाटक के पश्चात् पाँच अन्य विधान सभाओं के लिए चुनाव वर्षांत तक सम्भावित

चालू वर्ष 2013 में मेघालय, नगालैण्ड व त्रिपुरा विधानसभाओं के लिए चुनाव फरवरी माह में सम्पन्न हो चुके हैं, जबकि कर्नाटक की 224 सदस्यीय विधान सभा के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा चुनाव आयोग द्वारा मार्च 2013 में की जा चुकी है तथा वह चुनाव 5 मई, 2013 को सम्पन्न होंगे. **कर्नाटक विधान सभा के चुनाव के पश्चात् देश की पाँच अन्य विधान सभाओं के लिए चुनाव इसी वर्ष 2013 में सम्भावित हैं.** इनमें मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मिजोरम व नई दिल्ली शामिल हैं. मध्य प्रदेश की मौजूदा विधान सभा का कार्यकाल 12 दिसम्बर, 2013 तक, मिजोरम विधान सभा का कार्यकाल 15 दिसम्बर, 2013 तक, नई दिल्ली विधान सभा का कार्यकाल 17 दिसम्बर, 2013 तक, राजस्थान विधान सभा का कार्यकाल 31 दिसम्बर, 2013 तक तथा छत्तीसगढ़ की मौजूदा विधान सभा का कार्यकाल 4 जनवरी, 2014 तक है. इन विधान सभाओं के लिए चुनाव नवम्बर-दिसम्बर 2013 तक सम्भावित हैं.

श्रीलंकाई तमिलों की माँगों के समर्थन में तमिलनाडु विधान सभा द्वारा प्रस्ताव पारित : श्रीलंका को 'मित्र राष्ट्र' न मानने की भी माँग

श्रीलंका में तमिलों के लिए पृथक् 'तमिल ईलम' राष्ट्र की स्थापना के लिए जनमत संग्रह कराने के लिए श्रीलंका सरकार पर दबाव बनाने व इस मामले को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उठाने के मामले में तमिलनाडु की जयललिता सरकार केन्द्र के साथ टकराव की स्थिति में है. इस मामले में तमिलनाडु विधान सभा द्वारा 27 मार्च, 2013 को सर्वसम्मति से पारित किए गए प्रस्ताव को केन्द्र सरकार ने ठुकरा दिया है. मुख्यमंत्री जयललिता द्वारा लाए गए प्रस्ताव में श्रीलंकाई तमिलों के लिए स्वतंत्र राष्ट्र के लिए जनमत संग्रह की माँग इस प्रस्ताव में की गई है.

श्रीलंका में रह रहे तमिलों व विश्वभर में रह रहे श्रीलंकाई मूल के तमिलों में इसके लिए जनमत-संग्रह (Referendum) कराने को विधान सभा द्वारा पारित प्रस्ताव में कहा गया है. सर्वसम्मति से पारित किए गए इस प्रस्ताव में भारत सरकार से यह अनुरोध भी किया गया है कि वह 'श्रीलंका' को 'मित्र राष्ट्र' कहना बंद कर उसके विरुद्ध प्रतिबंध आरोपित करे. श्रीलंका सरकार द्वारा तमिलों पर किए गए अत्याचारों की निष्पक्ष अन्तर्राष्ट्रीय जाँच कराने तथा तमिलों के दमन के लिए जिम्मेदारों के विरुद्ध युद्ध अपराध का मुकदमा अन्तर्राष्ट्रीय अदालत में चलाने की माँग भी विधान सभा द्वारा पारित प्रस्ताव में की गई है.

जयललिता सरकार द्वारा पारित किया गया उपर्युक्त प्रस्ताव के प्रति श्रीलंका सरकार ने भी असंतोष व्यक्त किया है.

गुजरात में लोकायुक्त की नियुक्ति के मामले में शक्तियाँ मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली समिति को सौंपने के लिए विधेयक पारित

प्रदेश में लोकायुक्त की नियुक्ति के मामले में उच्च न्यायालय के बाद सर्वोच्च न्यायालय में भी मात खाने के पश्चात् गुजरात की नरेन्द्र मोदी सरकार ने नया लोकायुक्त विधेयक विधान सभा में 2 अप्रैल, 2013 को पारित कराया है, जिसमें लोकायुक्त की नियुक्ति के मामले में प्रदेश के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश व राज्यपाल के वर्चस्व को सीमित कर दिया गया है. नए पारित किए गए लोकायुक्त आयोग विधेयक-2013 (The Gujarat Lokayukta Commission Bill–2013) में लोकायुक्त की नियुक्ति के सम्बन्ध में सभी शक्तियाँ मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली चयन समिति को दी गई हैं. इसमें प्रावधान किया गया है कि राज्यपाल को इस समिति की सिफारिश पर कार्यवाही करनी होगी. कांग्रेसी विधायकों ने विधेयक का विरोध करते हुए मतदान का बहिष्कार किया.

ज्ञातव्य है कि प्रदेश में लोकायुक्त की नियुक्ति का मामला विगत लगभग दो वर्षों से विवादित मुद्दा बना हुआ है. प्रदेश सरकार की अनदेखी करते हुए राज्यपाल कमला बेनीवाल ने सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति आर. ए. मेहता को प्रदेश का लोकायुक्त अगस्त 2011 में नियुक्त किया था. इस नियुक्ति को पहले उच्च न्यायालय में व बाद में सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती नरेन्द्र मोदी सरकार ने दी थी तथा दोनों ही न्यायालयों ने इस नियुक्ति को वैध करार दिया था. मोदी सरकार ने एक ओर जहाँ सर्वोच्च न्यायालय के जनवरी 2013 के फैसले के विरुद्ध उपचारात्मक याचिका (Curative Petition) दायर की थी, वहीं दूसरी ओर नया विधेयक भी विधान सभा में पारित करा दिया है. लोकायुक्त के साथ-साथ अधिकतम 4 उपलोकायुक्तों की नियुक्ति का प्रावधान भी इस विधेयक में किया गया है.

प्रदेश में लोकायुक्त की नियुक्ति की शक्तियाँ मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली समिति को प्रदान करने वाले उपर्युक्त विधेयक का कांग्रेस ने कड़ा विरोध किया है. कांग्रेसी विधायकों ने न केवल विधेयक पर मतदान का बहिष्कार 2 अप्रैल को किया, बल्कि इसे अनुमोदित न करने को एक ज्ञापन भी प्रदेश कांग्रेस की ओर से राज्यपाल डॉ. कमला बेनीवाल को सौंपा गया है.

झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा को अस्थायी जमानत

मुख्यमंत्री रहते हुए लगभग चार हजार करोड़ रुपयों के घोटालों के मामलों में विगत 40 माह से जेल में निरुद्ध झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा को अपनी बीमार माँ की तीमारदारी के लिए तीन सप्ताह की अंतरिम जमानत झारखण्ड उच्च न्यायालय ने 16 अप्रैल, 2013 को प्रदान की, जिसके चलते 17 अप्रैल को उन्होंने खुली हवा में साँस ली. हवाला, आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक सम्पत्ति सहित भ्रष्टाचार व मनी लाण्ड्रिंग के विभिन्न मामलों में उन्हें उच्च न्यायालय व सर्वोच्च न्यायालय से जमानत पहले ही मिल चुकी है, किन्तु उनके मुख्यमंत्रित्व काल में झारखण्ड में राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के क्रियान्वयन में चार सौ करोड़ रुपए से अधिक के घोटाले के मामले में उन्हें अभी तक जमानत नहीं मिली है.

सीबीआई की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण : स्वर्ण जयंती कार्यक्रमों का शुभारम्भ राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने किया

चालू वर्ष 2013 देश की अग्रणी खुफिया जाँच एजेंसी सीबीआई (Central Bureau Investigation) की स्थापना का स्वर्ण-जयंती वर्ष है. इसके स्वर्ण जयंती कार्यक्रमों का

शुभारम्भ राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने 6 अप्रैल, 2013 को नई दिल्ली में एक समारोह में किया. एजेंसी के स्वर्ण जयंती लोगो का अनावरण भी राष्ट्रपति मुखर्जी ने इस अवसर पर किया तथा एजेंसी के सर्वश्रेष्ठ जासूस सिपाही का (14वाँ) डी. पी. कोहली अवार्ड सीबीआई की जम्मू इकाई के भारत भूषण शर्मा को उन्होंने प्रदान किया. एजेंसी के संस्थापक निदेशक डी. पी. कोहली की स्मृति में (14वाँ) डी. पी. कोहली मेमोरियल व्याख्यान

sscexamonline.blogspot.com

भी उन्होंने विज्ञान भवन में आयोजित इस समारोह में दिया. इस व्याख्यान का आयोजन सीबीआई द्वारा प्रतिवर्ष किया जाता है.

उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय जाँच ब्यूरो की स्थापना 1 अप्रैल, 1963 को हुई थी. गृह मंत्रालय की एक अधिसूचना के जरिए तत्कालीन स्पेशल पुलिस संगठन को सीबीआई में रूपान्तरित किया गया था. इसके स्वर्ण जयंती वर्ष का समापन अप्रैल 2014 में 15वीं डी. पी. कोहली मेमोरियल व्याख्यान के साथ होगा. इस दौरान अनेक कार्यक्रमों का आयोजन वर्षभर में किया जाएगा.

हेलीकॉप्टर सौदे में रिश्वतखोरी के मामले की जाँच कर रही सीबीआई ने पूर्व वायुसेनाध्यक्ष एस.पी. त्यागी सहित सभी आरोपियों के बैंक खाते सील किए

अतिविशिष्ट लोगों (VVIPs) की यात्राओं के लिए इटली की फिनमेकेनिका कम्पनी की अनुषंगी ब्रिटिश कम्पनी अगस्ता-वेस्टलैण्ड से 12 हेलीकॉप्टरों की खरीद के लिए 3600 करोड़ रुपए के 2010 के सौदे में रिश्वत लिए जाने के मामले की जाँच कर रही सीबीआई ने इस मामले के सभी भारतीय आरोपियों के बैंक खाते अप्रैल 2013 में सील कर दिए हैं. इन आरोपियों में पूर्व वायुसेनाध्यक्ष एस.पी. त्यागी व उनके 'कथन' संजीव उर्फ जूली, राजीव उर्फ डोक्सा व संदीप भी शामिल हैं. ये सभी उन आरोपियों में शामिल हैं, जिनके बैंक खाते सीबीआई ने सील किए हैं.

वर्ष 2014 तक देश की आधी जनसंख्या को आधार कार्ड उपलब्ध कराने का लक्ष्य

सभी देशवासियों को विशेष पहचान संख्या (आधार) उपलब्ध कराने की यूपीए सरकार की महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत

नन्दन निलेकणि : यूआईडीएआई के अध्यक्ष

2010 में हुई थी तथा पहला आधार-पत्र 29 [illegible]बर, 2010 को जारी किया गया था. तदोपरान्त विगत ढाई वर्षों में 38 करोड़ से अधिक लोगों को यह पहचान संख्या दी जा चुकी है. यह जानकारी देते हुए भारतीय विशेष पहचान प्राधिकरण (UIDAI) के अध्यक्ष नन्दन निलेकणि ने 23 अप्रैल, 2013 को संयुक्त राज्य अमरीका में वाशिंगटन में एक व्याख्यान में बताया कि वर्ष 2013 के अन्त तक प्रति तीन भारतीयों में से एक के पास यह पहचान संख्या होगी. उन्होंने बताया कि वर्ष 2013 के अन्त तक 40 करोड़ लोगों को तथा 2014 के अन्त तक 60 करोड़ लोगों को आधार कार्ड उपलब्ध कराने का लक्ष्य है. इस प्रकार देश की कुल 1·2 अरब जनसंख्या में से आधी के पास अगले वर्ष यह उपलब्ध होगा. इसके लिए लगभग 10 लाख लोगों के आँकड़ों की प्रोसेसिंग प्रतिदिन की जा रही है.

'मनरेगा' कार्यान्वयन में करोड़ों रुपए की वित्तीय अनियमितताओं का 'कैग' रिपोर्ट में खुलासा

किसानों की ऋणमाफी योजना में अनियमितताओं के खुलासे के पश्चात् अब यूपीए सरकार की एक अन्य महत्वाकांक्षी महात्मा गांधी रोजगार गारन्टी योजना (मनरेगा) में भी करोड़ों रुपए की अनियमितताओं का खुलासा भारत के महानियन्त्रक और लेखापरीक्षक (CAG) की ऑडिट रिपोर्ट में किया गया है. संसद में 23 अप्रैल, 2013 को जारी की गई. इस रिपोर्ट में कैग ने मनरेगा परियोजनाओं के पूरा होने और इसके आवंटन में गड़बड़ी का उल्लेख किया है. रिपोर्ट में कहा गया है कि परियोजनाओं में 6,500 करोड़ रुपए सही तरीके से खर्च नहीं किए गए. कैग ने 2007–12 के बीच 14 राज्यों में खर्च की गई राशि की जाँच के आधार पर यह रिपोर्ट तैयार की है. अपनी जाँच में 'कैग' ने पाया कि पाँच वर्ष में चार हजार करोड़ रुपए खर्च करने के बावजूद कई परियोजनाएं पूरी नहीं हुई. कैग की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि इस योजना में 2,252 करोड़ रुपए की राशि को दूसरे काम के लिए निकाल लिया गया या ऐसे काम पर खर्च किया गया जिसकी योजना के तहत अनुमति नहीं थी. ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा 2006 में शुरू किए गए कार्यक्रम की ऑडिट के आधार पर कैग ने यह भी पाया कि 4,070 करोड़ रुपए के काम एक से पाँच वर्ष की अवधि के बाद भी लम्बित थे. कैग ने कहा कि 2009-10 में इस कार्यक्रम के जरिए 283·59 करोड़ व्यक्ति दिन के रोजगार का सृजन हुआ था, जो 2011-12 में घटकर 216·34 करोड़ व्यक्ति दिन रह गया. इसके अलावा कार्य के पूर्ण होने की रफ्तार में भी इस दौरान उल्लेखनीय गिरावट आई है.

मानसून सामान्य रहने की मानसून विभाग की भविष्यवाणी

भारतीय मौसम विभाग ने इस वर्ष देश में मानसून सामान्य रहने की भविष्यवाणी अप्रैल 2013 में की है. दक्षिण-पश्चिम मानसून, जो देश में अधिकांश भागों में वर्षा लाता है, के सम्बन्ध में मौसम विभाग के पूर्वानुमान में इसके दीर्घकालिक औसत (89 सेमी) का 98 प्रतिशत रहने का है. इसमें दोनों ओर 5 प्रतिशत का उम्मीदवयन हो सकता है. इस प्रकार जून-सितम्बर 2013 के मानसून मौसम में यह दीर्घकालिक औसत का 96–104 प्रतिशत रहने की सम्भावना मौसम विभाग ने व्यक्त की है. दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य से कम रहने (दीर्घकालिक औसत के 90 प्रतिशत से भी कम रहने) दीर्घकालिक औसत से उच्च स्तर पर (104 प्रतिशत से 110 प्रतिशत रहने) तथा दीर्घकालिक औसत से काफी उच्च स्तर पर रहने (110 प्रतिशत से भी अधिक रहने की सम्भावना काफी क्षीण मौसम विभाग ने व्यक्त की है). मौसम विभाग का यह पूर्वानुमान पूरे देश के लिए व पूरे मानसून मौसम (जून-सितम्बर) के लिए है.

संक्षिप्तकी

उत्तर प्रदेश में अमेठी के जिला बनाए जाने की अधिसूचना उच्च न्यायालय ने रद्द की

इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने उत्तर प्रदेश में छत्रपति शाहूजी महाराज नगर नाम से जिले के गठन की बसपा सरकार की 1 जुलाई, 2010 की अधिसूचना 15 अप्रैल, 2013 को रद्द कर दी है. रायबरेली जिले की दो तहसीलों (जिलोई व सलोन) तथा सुलतानपुर जिले की तीन तहसीलों (अमेठी, गौरीगंज व मुसाफिर खाना) को निकालकर इस जिले का गठन प्रदेश की पूर्ववर्ती बसपा सरकार द्वारा किया गया था. अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली सपा सरकार ने सत्ता में आने के पश्चात् इस जिले का नाम अमेठी कर दिया था. ●●●

UPKAR'S
Multi-Dimensional
REASONING
(VERBAL & NON-VERBAL)
Useful for Various Competitive Exams
By : Dr. Lal, Mishra & Kumar
Code No. 1624 ₹ 310/-
UPKAR PRAKASHAN, AGRA-2
E-mail : [illegible] Website : [illegible]

sscexamonline.blogspot.com

- प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की जर्मनी यात्रा
- पाकिस्तान के वरिष्ठ नागरिकों के लिए भारत में 'वीज़ा ऑन एराइवल' सुविधा
- भारत के उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी की ताजिकिस्तान यात्रा
- अब्दुल हामिद बांग्लादेश के नए राष्ट्रपति निर्वाचित
- जिऑर्जियो नैपोलितानो इटली के राष्ट्रपति पुनर्निर्वाचित
- होरासियो कार्टेस पराग्वे के नए राष्ट्रपति निर्वाचित
- निकोलस मादुरो वेनेजुएला के राष्ट्रपति निर्वाचित
- एक मामला समाप्त होने व एक अन्य में जमानत मिलने के बावजूद मिस्र के पूर्व राष्ट्रपति होस्नी मुबारक की अभी जेल से रिहाई नहीं
- अमरीका में बोस्टन मैराथन के रूट पर आतंकी विस्फोट : दो संदिग्धों में से एक मारा गया
- चुनावों में भागीदारी के लिए स्वदेश लौटे पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ की गिरफ्तारी : चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबन्ध
- हथियारों की अन्तर्राष्ट्रीय बिक्री के विनियमन हेतु संधि के मसौदे को संयुक्त राष्ट्र संघ की मंजूरी
- संक्षिप्तकी

प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की जर्मनी यात्रा

जर्मनी के साथ द्विपक्षीय सम्बन्धों को नए आयाम प्रदान करने के लिए भारत के प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने देश के उच्चस्तरीय शिष्टमंडल के साथ 10–12 अप्रैल, 2013 को इस यूरोपीय देश की यात्रा की. प्रधानमंत्री के रूप में जर्मनी की उनकी यह तीसरी यात्रा थी, जिसका मुख्य उद्देश्य जर्मनी के साथ दूसरी अन्तर्सरकारी वार्ता (India-Germany Inter-Governmental Consultations) सम्पन्न करना था. दोनों देशों के बीच ऐसी पहली उच्च-स्तरीय अन्तर्सरकारी वार्ता नई 2011 में जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल की नई दिल्ली यात्रा के अवसर पर सम्पन्न हुई थी. प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अप्रैल 2013 की ताजा यात्रा के दौरान उनके साथ गए शिष्टमंडल में उनकी पत्नी गुरशरण कौर के अतिरिक्त विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद, अक्षय ऊर्जा मंत्री फारुख अब्दुल्ला, मानव संसाधन विकास मंत्री एम. एम. पल्लम राजू तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जयपाल शर्मा भी शामिल थे, जबकि वाणिज्य मंत्री आनंद शर्मा जेनेवा से सीधे बर्लिन पहुँच गए थे.

बर्लिन में जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल के साथ भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह

10 अप्रैल को बर्लिन के सैन्य हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत के पश्चात् अपने-अपने वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों के साथ भारतीय प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह व जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल के बीच अन्तर्सरकारी वार्ता 11 अप्रैल को सम्पन्न हुई. अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर पारस्परिक सहयोग बढ़ाने के लिए पारस्परिक महत्व के मुद्दों के अतिरिक्त जिन मुद्दों पर भारतीय प्रधानमंत्री की जर्मन चांसलर के साथ वार्ता 11 अप्रैल को हुई, उनमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में आपसी हितों के तथा अफगानिस्तान, पश्चिम एशिया व एशिया प्रशांत महासागर से जुड़े मुद्दों के साथ-साथ भारत व यूरोपीय संघ के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते का मुद्दा शामिल था. यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के नाते जर्मनी से यह माँग भारत ने की. 27 देशों के संगठन 'यूरोपीय संघ' (EU) पर इस समझौते के लिए दबाव वह बनाए. इस मामले में जर्मन चांसलर ने यह स्पष्ट किया कि दोनों पक्ष (भारत व ईयू) अभी मुक्त व्यापार समझौते के लिए सभी बाधाओं को नहीं पार कर पाए हैं. भारत में बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश सीमा बढ़ाने तथा ऑटोमोबाइल्स के आयात पर शुल्क घटाने को जर्मनी ने भारत से कहा. पारस्परिक सहयोग के 6 विभिन्न समझौतों पर हस्ताक्षर द्विपक्षीय वार्ता के पश्चात् किए गए.

शिक्षा, कृषि व अक्षय ऊर्जा क्षेत्र के समझौते/सहमति-पत्र इनमें शामिल हैं. उच्च शिक्षा के क्षेत्र में संयुक्त शोध के लिए 70 लाख यूरो के एक समझौते के अतिरिक्त हिमाचल प्रदेश में मंडी में स्थापित किए गए आईआईटी में जर्मनी के पार्टनर देश के रूप में रहने को समझौता शामिल है. संयुक्त शोध एवं अनुसंधान के लिए किए समझौते के तहत् दोनों देश 35-35 लाख यूरो का योगदान अगले चार वर्षों में करेंगे. भारत में जर्मन भाषा को बढ़ावा देने के लिए सहमति-पत्र इनमें शामिल है. देश में केन्द्रीय विद्यालयों में जर्मन भाषा के शिक्षण का और अधिक विस्तार किया जाएगा. इससे भारतीय छात्रों के लिए जर्मनी में उच्च शिक्षा प्राप्त करना आसान होगा. अक्षय ऊर्जा क्षेत्र के सहमति-पत्र के तहत् भारत में ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए एक अरब यूरो का सॉफ्ट लोन जर्मनी द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा.

बर्लिन प्रवास के दौरान जर्मन राष्ट्रपति जोशिम गॉक के साथ भी द्विपक्षीय व अन्तर्राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर भारतीय प्रधानमंत्री की वार्ता हुई. दोनों देशों के 60 वर्षों के आपसी सम्बन्धों पर आधारित कार्यक्रम 'डेज़ ऑफ इंडिया इन जर्मनी' (Days of India in Germany) का औपचारिक समापन भी प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने किया.

पाकिस्तान के वरिष्ठ नागरिकों के लिए भारत में 'वीज़ा ऑन एराइवल' सुविधा

पाकिस्तान के मामले में अपने रवैए में उदारता लाते हुए भारत ने पाकिस्तान के वरिष्ठ नागरिकों (Senior Citizens) के लिए 'आगमन पर वीज़ा' (Visa on Arrival) सुविधा की शुरुआत 1 अप्रैल, 2013 से कर दी है. इसके तहत् 65 वर्ष से अधिक उम्र के पाकिस्तानी नागरिकों को अटारी एकीकृत चैक पोस्ट पर 45 दिन के

sscexamonline.blogspot.com

लिए सिंगल एंट्री वीजा आगमन पर ही उपलब्ध कराया जा रहा है. दोनों देशों के नागरिकों के आवागमन को आसान बनाने के लिए 'सुगम वीजा व्यवस्था' के लिए दोनों देशों में समझौता दिसम्बर 2012 में सम्पन्न हुआ था, जिसके तहत् वरिष्ठ नागरिकों के लिए आगमन पर वीजा सुविधा 15 जनवरी, 2013 से शुरू की जानी थी, किन्तु बाद में नियंत्रण रेखा पर दो भारतीय सैनिकों की बर्बर हत्या के पश्चात् पारस्परिक सम्बन्धों में तनाव आने पर भारत ने इस सुविधा का कार्यान्वयन स्थगित कर दिया था.

दिसम्बर 2012 के वीज़ा समझौते के तहत् पाकिस्तानी पर्यटकों के लिए ग्रुप टूरिस्ट वीज़ा सुविधा की शुरूआत 15 मार्च, 2013 से होनी थी. इस सुविधा को भी उस समय भारत ने रोक दिया था. ग्रुप टूरिस्ट वीज़ा सुविधा शुरू करने की नई तिथि की घोषणा अभी नहीं की गई है.

भारत के उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी की ताजिकिस्तान यात्रा

भारत के उपराष्ट्रपति मोहम्मद हामिद अंसारी ने अप्रैल 2013 में मध्य एशियाई देश ताजिकिस्तान की सद्भावना यात्रा की. चार दिन की उनकी यह यात्रा द्विपक्षीय सम्बन्धों के सिलसिले में की गई थी. उपराष्ट्रपति के रूप में ताजिकिस्तान की उनकी यह पहली यात्रा तो थी ही, साथ ही किसी भी भारतीय उपराष्ट्रपति की ताजिकिस्तान की यह पहली ही यात्रा थी. ताजिक राजधानी दुशांबे में राष्ट्रपति इमामोली रहमान के साथ कैसर-ए-मिल्लत (Palace of Nations) में पारस्परिक रुचि के विभिन्न मुद्दों पर उनकी बातचीत हुई.

दुशांबे में ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमामोली रहमान के साथ भारत के उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी

पारस्परिक सुरक्षा व सीमापारीय आतंकवाद के मामलों पर सहयोग बढ़ाने के मुद्दे इनमें शामिल थे. मध्य एशिया क्षेत्र की सुरक्षा पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ. ऊर्जा, सूचना, प्रौद्योगिकी व शिक्षा के क्षेत्रों में पारस्परिक सहयोग बढ़ाने तथा छोटे व मध्यम उद्योगों की ताजिकिस्तान में स्थापना के लिए सहमति दोनों पक्षों में हुई. द्विपक्षीय वार्ता के पश्चात् जारी संयुक्त वक्तव्य में स्वीकार किया गया है कि भारत व ताजिकिस्तान के पारस्परिक सम्बन्ध यद्यपि पहले से ही मजबूत हैं, तथापि उन्हें और अधिक बुलंदियों पर ले जाने का समय अब आया है.

एक मामला समाप्त होने व एक अन्य में जमानत मिलने के बावजूद मिस्र के पूर्व राष्ट्रपति होस्नी मुबारक की अभी जेल से रिहाई नहीं

मिस्र के पूर्व राष्ट्रपति होस्नी मुबारक को अपने इस पद पर रहते हुए अवैध लाभ अर्जित करने के एक मामले में काहिरा की एक अदालत ने 19 अप्रैल, 2013 को दोष मुक्त करार दिया, किन्तु अन्य मामलों में भी फँसे होने के कारण अभी उनकी जेल से रिहाई नहीं हो सकी है. इस मामले की सुनवाई के लिए सैन्य अस्पताल से उन्हें काहिरा स्थित जेल में अदालती कार्यवाही के लिए लाया गया था. इस फैसले से एक सप्ताह पूर्व, वर्ष 2011 में उन्हें अपदस्थ करने के लिए भड़के विद्रोह के दौरान प्रदर्शनकारियों की हत्या में मिलीभगत के मामले में लम्बित याचिका पर सुनवाई के पश्चात् उन्हें जमानत पर रिहा करने के आदेश अदालत ने दिए थे. इस मामले में जमानत मिलने तथा अवैध लाभ अर्जित

अब्दुल हामिद बांग्लादेश के नए राष्ट्रपति निर्वाचित

अब्दुल हामिद

बांग्लादेश के वरिष्ठ राजनीतिज्ञ व संसद के अध्यक्ष अब्दुल हामिद देश के नए राष्ट्रपति 22 अप्रैल, 2013 को निर्वाचित हुए हैं. सत्तारूढ़ अवामी लीग के उम्मीदवार अब्दुल हामिद का इस पद पर यह चुनाव निर्विरोध हुआ है. मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी सहित किसी भी अन्य दल ने उनके विरुद्ध कोई उम्मीदवार खड़ा नहीं किया था. इस पद पर जिलउर रहमान, जिनका 20 मार्च, 2013 को सिंगापुर के एक अस्पताल में निधन हो गया था, का स्थान 69 वर्षीय अब्दुल हामिद ने लिया है. पूर्व राष्ट्रपति जिलउर रहमान के अस्वस्थ होने पर इलाज के लिए सिंगापुर जाने के बाद संवैधानिक व्यवस्था के अनुरूप 14 मार्च, 2013 से वह कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार सँभाले हुए थे.

जिऑर्जियो नैपोलितानो इटली के राष्ट्रपति पुनर्निर्वाचित

जिऑर्जियो नैपोलितानो

इटली के राष्ट्रपति जिऑर्जियो नैपोलितानो (Giorgio Napolitano) सात वर्ष के लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए इस पद पर पुनर्निर्वाचित हुए हैं. इटली की संसद में इसके लिए 20 अप्रैल, 2013 को सम्पन्न चुनाव में उन्हें दूसरे कार्यकाल हेतु इस पद पर चुना गया. लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए निर्वाचित होने वाले वह इटली के पहले राष्ट्रपति हैं.

होरासियो कार्टेस पराग्वे के नए राष्ट्रपति निर्वाचित

होरासियो कार्टेस

विपक्षी कोलोरेडो पार्टी के उम्मीदवार कंतेरमति उद्योगी होरासियो कार्टेस (Horacio Cartes) लैटिन अमरीकी देश पराग्वे के नए राष्ट्रपति अप्रैल 2013 में निर्वाचित हुए हैं. 56 वर्षीय तम्बाकू उद्योगपति कार्टेस ने इस पद के लिए 21 अप्रैल, 2013 को सम्पन्न चुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वन्द्वी सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी के एफ्रेन एलेग्रे को भारी बहुमत से पराजित किया. इस चुनाव में निर्वाचित राष्ट्रपति कार्टेस को 46 प्रतिशत मत प्राप्त हुए, जबकि निकटतम उम्मीदवार एलेग्रे को 37 प्रतिशत मत मिले. नवनिर्वाचित राष्ट्रपति होरासियो का इस पद पर कार्यकाल 5 वर्ष का होगा.

निकोलस माडुरो वेनेजुएला के राष्ट्रपति निर्वाचित

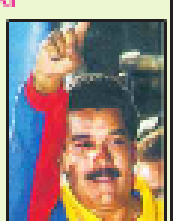

निकोलस माडुरो : वेनेजुएला के नए राष्ट्रपति

दक्षिण अमरीकी राष्ट्र वेनेजुएला में राष्ट्रपति पद के लिए 14 अप्रैल, 2013 को सम्पन्न चुनाव में कार्यवाहक राष्ट्रपति निकोलस माडुरो (Nicolas Maduro) ही मामूली मतांतर से इस पद पर निर्वाचित हुए हैं. इस पद पर ह्यूगो शावेज (Hugo Chavez), जिनका निधन 6 मार्च, 2013 को हुआ था, का स्थान उन्होंने विधिवत् निर्वाचित राष्ट्रपति के रूप में लिया है. ह्यूगो शावेज के राष्ट्रपति के रूप में कार्यकाल के दौरान 50 वर्षीय माडुरो वेनेजुएला के उपराष्ट्रपति थे तथा उन्हें ही अपना उत्तराधिकारी शावेज ने घोषित किया हुआ था. ह्यूगो शावेज के निधन के पश्चात् कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार माडुरो ने सँभाला हुआ था. नए निर्वाचित राष्ट्रपति के रूप में वह ह्यूगो शावेज का इस पद पर शेष कार्यकाल पूरा करेंगे. इस बकाया कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति पद हेतु 14 अप्रैल, 2013 को सम्पन्न चुनाव में कुल पड़े मतों का 50-66 प्रतिशत मत ही माडुरो को प्राप्त हुए, जबकि विपक्षी उम्मीदवार हेनरिक कैप्रीलो (Henrique Capriles) को 49-1 प्रतिशत मत मिले.

sscexamonline.blogspot.com

करने के मामले में दोषमुक्त करार दिए जाने के बावजूद अन्य मामले लम्बित होने के कारण राष्ट्रपति होस्नी मुबारक फिलहाल जेल में ही निरुद्ध रहेंगे.

अमरीका में बोस्टन मैराथन के रूट पर आतंकी विस्फोट : दो संदिग्धों में से एक मारा गया

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद अमरीका में दो आतंकी विस्फोट 15 अप्रैल, 2013 को बोस्टन मैराथन में हुए. यह धमाके लगभग 42 किमी दूरी वाली इस मैराथन की फिनिश लाइन के निकट हुए, जहाँ हजारों लोग धावकों के उत्साहवर्द्धन के लिए उपस्थित थे. कुछ ही सेकण्डस् के अंतराल पर हुए इन विस्फोटों से 3 व्यक्तियों की मौत हुई, जबकि 140 से अधिक लोग घायल हुए. विस्फोटक अधिक शक्तिशाली नहीं थे, अन्यथा नुकसान कहीं अधिक हुआ होता. अमरीका में 9/11 (11 सितम्बर, 2001) के आतंकी हमले के पश्चात् अब तक की सबसे बड़ी आतंकी कार्यवाही इसे बताया गया है. इन हमलों के मामले में दो सगे भाइयों पर संदेह किया गया है. इनमें से एक 26 वर्षीय तामरलान सारनेव की मौत पुलिस मुठभेड़ में 20 अप्रैल को हो गई, जबकि दूसरे भाई 19 वर्षीय जोखर सारनेव, जिसे गिरफ्तार किया गया है, के गले में गोली लगने के कारण वह बोलने की स्थिति में नहीं है, जिससे विस्फोट के मकसद का पता अभी नहीं लग सका है. इनमें तामरलान को जहाँ रूस का नागरिक मीडिया रिपोर्टों में बताया गया है, जबकि जोखर का जन्म किर्गिस्तान में हुआ था.

उल्लेखनीय है कि बोस्टन मैराथन विश्व की सबसे प्राचीन मैराथन दौड़ों में से एक है तथा 15 अप्रैल, 2013 की यह दौड़ इसका 117वाँ आयोजन था तथा 90 देशों के 28 हजार से अधिक धावकों ने इसमें भाग लिया था. मैराथन दौड़ के मील-मार्ग वाले मार्ग पर हुए इन आतंकी विस्फोटों की विश्वव्यापी निंदा की गई है. भारतीय प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने विस्फोटों की कड़ी निंदा करते हुए अमरीकी राष्ट्रपति बराक ओबामा को पत्र लिखकर इस विवेकहीन और कायराना कृत्य के विरुद्ध अमरीकी जनता के प्रति एकजुटता व्यक्त की है. उन्होंने कहा है कि यह दुःखद घटना इस बात की याद दिलाती है कि आतंकवाद रूपी बुराई अभी भी अमरीका और भारत के लिए खतरा बनी हुई है और हमारे शहरों में घात लगाकर मौजूद है. हमले पर दुःख और क्षोभ व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि वह और भारत के लोग इस हमले की कड़ी-से-कड़ी निंदा करते हैं तथा मारे गए लोगों के परिवारों, घायलों और अमरीका की जनता के प्रति सहानुभूति रखते हैं और इस घड़ी में उनके साथ हैं.

चुनावों में भागीदारी के लिए स्वदेश लौटे पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ की गिरफ्तारी : चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबन्ध

लगभग चार वर्ष तक ब्रिटेन व दुबई में निर्वासन में रहे पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति

परवेज मुशर्रफ

परवेज मुशर्रफ जो मई 2013 के चुनावों में भागीदारी के लिए 24 मार्च, 2013 को स्वदेश लौटे थे, स्वदेश में विभिन्न मुसीबतों में फँस गए हैं. उनके विरुद्ध चल रहे विभिन्न मामलों में अग्रिम जमानत रद्द होने पर उन्हें अप्रैल 2013 में न्यायिक हिरासत में ले लिया गया है. इससे पूर्व चार अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों से उनके नामांकन पत्र निर्वाचन अधिकारियों द्वारा खारिज कर दिए गए थे. वर्ष 2007 में राष्ट्रपति के रूप में उनके शासन काल में 60 जजों को हिरासत में लेने के मामले में उनकी अग्रिम जमानत इस्लामाबाद उच्च न्यायालय द्वारा 18 अप्रैल को रद्द कर दिए जाने के पश्चात् वह न्यायालय से भाग खड़े हुए थे, किन्तु उनके फार्म हाउस पर पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया. उनके फार्म हाउस को ही छोटी-सी जेल का रूप देते हुए उन्हें उसमें निरुद्ध रखा गया है. बाद में इस्लामाबाद स्थित आतंकवाद निरोधी अदालत के निर्देश पर बेनजीर भुट्टो हत्याकांड में भी उन्हें 25 अप्रैल, 2013 को गिरफ्तार किया गया. पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की दिसम्बर 2007 में एक रैली के दौरान हत्या कर दी गई थी. तत्कालीन राष्ट्रपति मुशर्रफ पर बेनजीर भुट्टो को पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध न कराने तथा इस हत्या के मामले में जाँच में सहयोग न करने के आरोप हैं. 2007 में 60 जजों को बर्खास्त कर उन्हें हिरासत में रखने के उनके कदम को संविधान का उल्लंघन मानते हुए पेशावर उच्च न्यायालय ने उन्हें कोई चुनाव लड़ने व सार्वजनिक पद स्वीकार करने से आजीवन प्रतिबन्धित कर दिया है.

हथियारों की अन्तर्राष्ट्रीय बिक्री के विनियमन हेतु संधि के मसौदे को संयुक्त राष्ट्र संघ की मंजूरी

हथियारों की अन्तर्राष्ट्रीय बिक्री के विनियमन के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने एक महत्वपूर्ण सन्धि का मसौदा 2 अप्रैल, 2013 को पारित किया है. लम्बे समय से चल रहे विचार-विमर्श के पश्चात् पारित की गई इस आर्म्स ट्रेड ट्रीटी (Arms Trade Treaty—ATT) के पक्ष में 154 सदस्य राष्ट्रों ने मत महासभा में दिया, जबकि तीन देशों–ईरान, सीरिया व उत्तर कोरिया ने इसके विरोध में मत दिया. भारत सहित 23 देशों ने मतदान का बहिष्कार किया. बहिष्कार करने वाले अन्य देशों में भारत के अतिरिक्त पाकिस्तान, चीन, मिस्र, रूस, श्रीलंका व सऊदी अरब भी शामिल थे.

संधि का अनुमोदन करने वाले देश टैंकों, युद्धक विमानों, युद्धपोतों, मिसाइल लॉन्चरों आदि कन्वेंशनल हथियारों की बिक्री करते समय मानवाधिकारों के संरक्षण जैसे मुद्दे ध्यान में रखेंगे. निर्दोषों पर अत्याचार की सम्भावना की स्थिति में विक्रेता राष्ट्र इन हथियारों की बिक्री नहीं करेंगे. मानवाधिकार संगठनों ने इस बहुप्रतीक्षित सन्धि का स्वागत किया है. सन्धि के मसौदे को शस्त्र आयातकों की अपेक्षाओं के अनुरूप न मानते हुए भारत ने इसे स्वीकार नहीं किया है. इसके लिए हुए मतदान का बहिष्कार करने के कारण पर प्रकाश डालते हुए संयुक्त राष्ट्र के निःशस्त्रीकरण सम्मेलन में भारत की स्थायी प्रतिनिधि सुजाता मेहता ने कहा कि भारत लगातार जोर देकर यह कहता रहा है कि एटीटी में शस्त्रों का निर्यात व आयात करने वाले देशों के बीच कर्तव्यों का संतुलन होना चाहिए. सुश्री मेहता ने कहा कि एटीटी सन्धि में सक्रिय भागीदार रहा भारत इस मसौदे को स्वीकार नहीं कर सकता, जिसका इस्तेमाल निर्यात करने वाले देश एक औजार के तौर पर करें. उन्होंने कहा कि भारत सरकार अपने बचाव, सुरक्षा एवं विदेश नीति हितों के परिप्रेक्ष्य में एटीटी का पूर्ण आकलन करेगी.

संक्षिप्तकी

परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र के रूप में मान्यता की उत्तर कोरिया की माँग

तीन बार सफल परमाणु परीक्षण कर चुके उत्तर कोरिया ने अपने परमाणु कार्यक्रम पर अमरीका के साथ कोई भी वार्ता शुरू करने के लिए यह शर्त आरोपित की है कि उसे (उत्तर कोरिया को) एक परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र के रूप में स्वीकार किया जाए. मीडिया में प्रकाशित इस आशय की रिपोर्ट के साथ यह भी कहा गया है कि उत्तर कोरिया ने अमरीका की इस माँग को पूरी तरह अस्वीकार्य बताते हुए ठुकरा दिया है कि किसी भी वार्ता की शुरुआत से पूर्व वह अपने परमाणु शस्त्र एवं मिसाइल कार्यक्रम का परित्याग करे.

●●●

sscexamonline.blogspot.com

- 2012-13 में विदेशी व्यापार में शिथिलता : आयातों में मात्र 0·44 प्रतिशत की वृद्धि, जबकि निर्यातों में 1·76 प्रतिशत की गिरावट
- 2013-14 के लिए अनुपूरक विदेश व्यापार नीति : निर्यात सम्वर्द्धन के लिए अनेक उपाय
- यूसीएक्स–भारत का छठा कमोडिटी एक्सचेंज
- मार्च 2013 के अंत में मुद्रास्फीति की थोक मूल्य सूचकांक आधारित अंतरिम दर 5·96 प्रतिशत
- विदेशों से प्राप्तियों के मामले में भारत का पहला स्थान : विश्व बैंक रिपोर्ट
- प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् की रिव्यू ऑफ द इकोनॉमी में अर्थव्यवस्था की स्थिति की समीक्षा
- अक्षय ऊर्जा मामले में स्थानीय सामग्री पर अमरीकी खिलाड़ी का भारत द्वारा विरोध : मामला डब्ल्यूटीओ में ले जाया गया
- अम्बानी बंधुओं में कारोबारी सम्बन्ध
- एयर इंडिया के ड्रीमलाइनर विमानों की उड़ानें मई 2013 में पुनः शुरू होने की सम्भावना
- नई दिल्ली-हावड़ा राजधानी एक्सप्रेस वाई-फाई सुविधा वाली भारत की पहली रेलगाड़ी
- जेट एयरवेज़ की 24 प्रतिशत हिस्सेदारी एतिहाद एयरवेज़ को बेचने को समझौता
- स्विस कम्पनी नोवार्टिस को कैंसर की दवा का पेटेंट प्रदान करने के मामले में सर्वोच्च न्यायालय का इनकार
- भारतीय रेल के 160 वर्ष पूर्ण
- दक्षेस ने विकास लक्ष्यों की सीमा 2015 तक बढ़ाई
- 2013-14 के लिए नई मौद्रिक एवं साख नीति घोषित : रेपो दर में पुनः कटौती
- अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

2012-13 में विदेशी व्यापार में शिथिलता : आयातों में मात्र 0·44 प्रतिशत की वृद्धि, जबकि निर्यातों में 1·76 प्रतिशत की गिरावट

वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी के चलते भारत के विदेशी व्यापार में भी शिथिलता का सिलसिला जारी है. इसी के चलते बीते वित्तीय वर्ष 2012-13 में देश के वस्तुगत निर्यातों में डॉलर मूल्य में 1·76 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है जिससे सन्दर्भित वर्ष में यह निर्यात 300·571 अरब डॉलर के ही रहे हैं. पूर्व वर्ष 2011-12 में भारत के

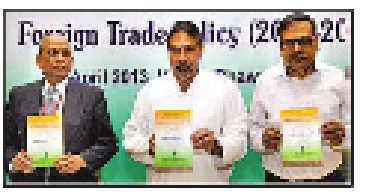

नई दिल्ली में विदेश व्यापार नीति 2013-14 की वार्षिक समीक्षा जारी करते वाणिज्य मंत्री आनंद शर्मा

वस्तुगत निर्यात 305·964 अरब डॉलर के रहे थे. विदेशी व्यापार के यह अनंतिम आँकड़े वाणिज्य मंत्री आनंद शर्मा ने 18 अप्रैल, 2013 को जारी किए. इन आँकड़ों के अनुसार 2012-13 में डॉलर मूल्य में भारत के आयातों में वृद्धि भी 0·44 प्रतिशत ही रही है तथा इस वर्ष कुल आयात 491·487 अरब डॉलर के रहे हैं जो पूर्व वर्ष 2011-12 में 489·319 अरब डॉलर के थे. इससे 2012-13 के दौरान देश का व्यापार घाटा (निर्यातों की तुलना में आयातों का आधिक्य) 190·916 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर रहा है. 2011-12 में व्यापार घाटा 183·355 अरब डॉलर दर्ज किया गया था.

वाणिज्य मंत्रालय के इन अनंतिम आँकड़ों के अनुसार ₹ मूल्य में 2012-13 में भारत के निर्यात ₹ 16,35,261 करोड़ व आयात ₹ 26,73, 113 करोड़ के रहे हैं. इन आँकड़ों के अनुसार डॉलर मूल्य में निर्यातों में जहाँ 1·76 प्रतिशत की गिरावट आई है, वहीं ₹ मूल्य में निर्यातों में 11·55 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है. ₹ मूल्य में 2012-13 में व्यापार घाटा ₹ 10,37,852 करोड़ रहा है. विदेशी व्यापार के यह अनंतिम आँकड़े दी गई तालिका में दर्शाए गए हैं–

भारत के विदेशी व्यापार के आँकड़े–एक दृष्टि में

(अरब डॉलर में)

	2011-12	2012-13
	(डॉलर मूल्य में)	
निर्यात	305·964	300·571 (–1·76)
आयात	489·319	491·487 (0·44)
व्यापार शेष	183·355	190·916
	(₹ मूल्य में)	
		(करोड़ रुपए)
निर्यात	14,65,959	16,35,261 (11·55)
आयात	23,45,463	26,73,113 (13·97)
व्यापार शेष	8,79,504	10,37,852

नोट–कोष्ठक में दिए गए आँकड़े पूर्व वर्ष की तुलना में प्रतिशत वृद्धि दर्शाते हैं.

ताजा आँकड़ों के अनुसार 2012-13 के दौरान 491·487 अरब डॉलर के कुल आयातों में तेल आयात 169·253 अरब डॉलर के व गैर-तेल आयात (Non-Oil Import) 322·234 अरब डॉलर के थे. पूर्व वर्ष की समान अवधि की तुलना में 2012-13 में तेल आयातों में 9·22 प्रतिशत की वृद्धि जहाँ हुई वहीं गैर तेल आयातों में 3·62 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है. 2011-12 में 489·319 अरब डॉलर के कुल आयात में तेल आयात 154·967 अरब डॉलर के व गैर तेल आयात 334·352 अरब डॉलर के थे.

2013-14 के लिए अनुपूरक विदेश व्यापार नीति : निर्यात सम्वर्द्धन के लिए अनेक उपाय

1 अप्रैल, 2009 से 31 मार्च, 2014 (2009–14) के दौरान की अवधि के लिए विदेश व्यापार नीति सरकार द्वारा 27 अगस्त, 2009 को घोषित की गई थी. पाँच वर्षों के लिए घोषित इस नीति के तहत ही 2010-11 के लिए वार्षिक अनुपूरक नीति 23 अगस्त, 2010 को, 2011-12 के लिए 13 अक्टूबर, 2011 को तथा 2012-13 के लिए यह 6 जून, 2012 को घोषित की गई थी. 2013-14 के लिए वार्षिक अनुपूरक विदेश व्यापार नीति की घोषणा वाणिज्य मंत्री आनंद शर्मा ने 18 अप्रैल, 2013 को की. यह अनुपूरक नीति ऐसे समय में घोषित की गई है जब देश का विदेशी व्यापार भारी शिथिलता का शिकार है तथा पूर्व वर्ष 2011-12 में वस्तुगत निर्यातों में 1·76 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है. साथ ही विदेशी व्यापार घाटा भी 190·9 अरब डॉलर के रिकॉर्ड

sscexamonline.blogspot.com

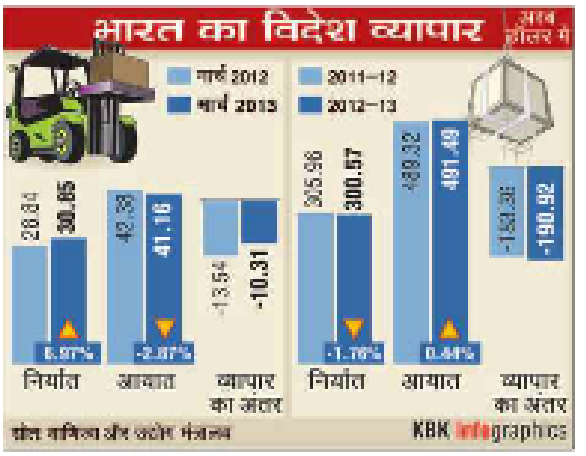

स्तर पर दर्ज किया गया है. इनके साथ-साथ देश विश्व में चावल का सबसे बड़ा तथा गेहूँ का दूसरा बड़ा निर्यातक बन गया है. ऐसे में निर्यातों को बढ़ावा देने के जो विशेष प्रयास अनुपूरक नीति में किए गए हैं, उनमें निम्नलिखित मुख्य हैं–

1. विशेष आर्थिक क्षेत्रों (Special Economic Zones–SEZs) में निवेशकों की रुचि बढ़ाने के लिए विशेष उपाय किए गए हैं. आई.टी. सेक्टर के निर्यातों में उत्साहवर्द्धक परिणामों को देखते हुए इस क्षेत्र के SEZs के लिए अतिरिक्त रियायतें दी गई हैं.

2. निर्यातों को बढ़ावा देने के लिए निर्यात संवर्द्धन पूँजीगत सामान (Export Promotion Capital Goods–EPCG) योजना के दो घटक–कुछ क्षेत्रों के लिए शून्य प्रशुल्क ईपीसीजी तथा अन्य सभी क्षेत्रों के लिए 3 प्रतिशत प्रशुल्क वाली ईपीसीजी योजना कार्यरत है. निर्यातकों की माँग के चलते अब सभी क्षेत्रों के लिए यह योजना शून्य प्रशुल्क वाली बना दी गई है. इसके साथ ही पूँजीगत सामानों के सन्दर्भ में निर्यात बाध्यता में कटौती भी की गई है.

3. 2 प्रतिशत की ब्याज रियायत (Interest Sub-vention Scheme) अभी तक हस्तशिल्प, हथकरघा, कालीन, रेडीमेड, कपड़ों, प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों, खेल के सामानों व खिलौनों आदि के निर्यातों के लिए ही उपलब्ध थी. इस योजना का दायरा बढ़ाते हुए इंजीनियरिंग क्षेत्र के 134 सब सेक्टर्स को भी इसके तहत् लाया गया है. ब्याज में 2 प्रतिशत की यह रियायत 31 मार्च, 2014 तक उपलब्ध रहेगी.

4. फोकस मार्केट स्कीम (FMS), फोकस प्रोडक्ट स्कीम (FPS) व विशेष कृषि ग्रामीण उद्योग योजना (VKGUY) के तहत् जारी 'ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप्स' के उपयोग के दायरे का विस्तार किया गया है.

5. फोकस मार्केट स्कीम के तहत् नीर्यो को तथा स्पेशल फोकस मार्केट स्कीम के तहत् बेनेजुएला को शामिल किया गया है. इससे इन योजनाओं में शामिल देशों की संख्या बढ़कर क्रमशः 125 व 50 हो गई है.

6. फोकस प्रोडक्ट स्कीम का भी विस्तार करते हुए इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्युटिकल्स व टैक्सटाइल्स सेक्टर्स के लगभग 126 अन्य उत्पाद इसमें शामिल किए गए हैं. इसी प्रकार मार्केट लिंक्ड फोकस प्रोडक्ट स्कीम के तहत् 47 उत्पाद बढ़ाए गए हैं.

7. गुजरात के मोरबी (Morbi) को सिरेमिक टाइल्स के लिए तथा हरियाणा के गुड़गाँव को वस्त्रों के निर्यात के लिए 'टाउन्स ऑफ एक्सपोर्ट एक्सीलेंस' की सूची में जोड़ा गया है.

8. जनवरी 2013 से मार्च 2013 के दौरान अमरीका, यूरोपीय संघ व एशिया के लिए परिवर्द्धित निर्यातों के प्रोत्साहन (Incremental Export Incentivisation Scheme) की घोषणा सरकार ने 26 दिसम्बर, 2012 को की थी, जो जनवरी–मार्च 2013 के लिए थी. इस योजना को 2013-14 के दौरान जारी रखने तथा लैटिन अमरीका व अफ्रीका के 53 देशों को इसमें शामिल करने की घोषणा अनुपूरक नीति के तहत् की गई है.

9. ईपीसीजी योजना के निर्यात बाध्यता सम्बन्धी देनदारी के मामलों को बंद करने की सुविधा दी गई है.

10. सेवा प्रदाताओं को सर्व्हे फ्रॉम इंडिया स्कीम (SFIS) के तहत् उपलब्ध कराई जाने वाली ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप्स के लिए गणना विधि को निर्यातकों के अनुकूल बनाया गया है.

11. विशेष कृषि ग्रामीण उद्योग योजना (VKGUY) के उस प्रावधान को हटाया गया है जिसके चलते इस योजना का लाभ सीमित हो रहा था.

12. स्टेट्स होल्डर इन्सेंटिव स्कीम (SHIS) का विस्तार 2012-13 के लिए किया गया था. 2013-14 में यह योजना उपलब्ध नहीं रहेगी.

13. कार्गो का आयात चुनींदा बंदरगाहों पर ही किया जा सकता है. यह आयात अब इनलैण्ड कंटेनर डिपो (ICD) फरीदाबाद व एन्नोर पोर्ट (तमिलनाडु) पर भी किया जा सकेगा.

14. विदेशी व्यापार सम्बन्धी आँकड़ों की गुणवत्ता में सुधार तथा इन्हें जारी करने में लगने वाले समय में कटौती के लिए कदम उठाए गए हैं. विदेशी व्यापार के अनंतिम आँकड़े अब सम्बन्धित माह समाप्त होने के 15 दिन के भीतर ही जारी किए जाने की व्यवस्था की गई है. इसके साथ ही प्रक्रियाओं का सरलीकरण किया गया है तथा दस्तावेजी गतिविधियों को आसान बनाया गया है.

यूसीएक्स–भारत का छठा कमोडिटी एक्सचेंज

जिंसों के कारोबार के लिए मुम्बई में नवस्थापित यूनीवर्सल कमोडिटी एक्सचेंज (UCX) ने 19 अप्रैल, 2013 से कार्य प्रारम्भ कर दिया है. आईडीबीआई बैंक, इक्वो, 'नाबार्ड' व आरईसी के साथ संयुक्त उपक्रम के रूप में कॉमेक्स टेक्नोलॉजीस (Comnex Technologies) द्वारा प्रवर्तित इस एक्सचेंज में कृषि व गैर-कृषि अनुबंध में कारोबार

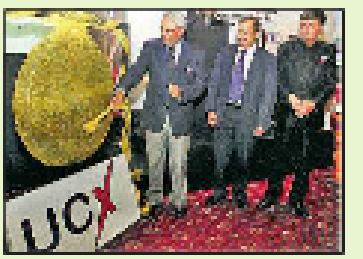

यूसीएक्स की शुरुआत करते हुए उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के सचिव पंकज अग्रवाल, साथ में हैं फॉरवर्ड मार्केट कमीशन के अध्यक्ष रमेश अभिषेक व यूसीएक्स के मेनेजिंग केतन सेठ

सुविधा उपलब्ध कराई गई है. मुम्बई स्थित यह एक्सचेंज देश का छठा कमोडिटी एक्सचेंज है. इन सभी छह कमोडिटी एक्सचेंजों के नाम निम्नलिखित हैं–

एमसीएक्स–मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज

MCX–Multi Commodity Exchange

एनसीडीईएक्स–नेशनल कमोडिटी एण्ड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज.

NCDEX–National Commodity and Derivatives Exchange.

एनएमसीई–नेशनल मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज

NMCE–National Multi Commodity Exchange

आईसीईएक्स–इंडियन कमोडिटी एक्सचेंज

ICEX–Indian Commodity Exchange

एसीई–एस डेरिवेटिव्स एण्ड कमोडिटी एक्सचेंज लि.

ACE–Ace Derivatives and Commodity Exchange Ltd.

यूसीएक्स–यूनीवर्सल कमोडिटी एक्सचेंज

UCX–Universal Commodity Exchange

sscexamonline.blogspot.com

मार्च 2013 के अंत में मुद्रास्फीति की थोक मूल्य सूचकांक आधारित अंतरिम दर 5·96 प्रतिशत

2012-13 के दौरान मौद्रिक नीति को कठोर बनाए रखने के परिणाम अन्ततः वित्तीय वर्ष के अंत तक सामने आए है तथा मुद्रास्फीति की दर में आशा से भी अधिक कमी रिजर्व बैंक की इस नीति के चलते दर्ज की गई है. अद्यतन उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार मार्च 2013 में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की अनंतिम दर 5·96 प्रतिशत रही है जो इसका विगत तीन वर्षों में न्यूनतम स्तर है. मार्च 2013 में ही अपनी मौद्रिक एवं साख नीति (2012-13) की अंतिम समीक्षा में यह दर 6·80 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान रिजर्व बैंक ने व्यक्त किया था. इससे पूर्व फरवरी 2013 में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की दर 6·84 प्रतिशत थी, जबकि एक वर्ष पूर्व मार्च 2012 में यह 7·69 प्रतिशत रही थी.

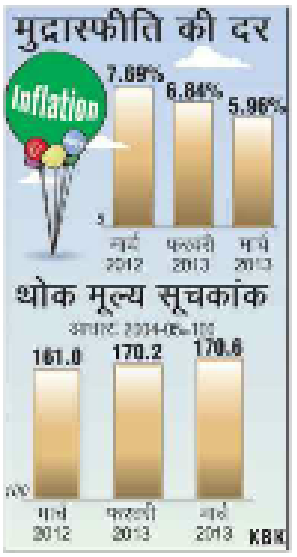

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) आधारित मुद्रास्फीति की दर मार्च 2013 में 10·39 प्रतिशत थी. सीएसओ द्वारा जारी आँकड़ों के अनुसार मार्च 2013 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की दर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 10·33 प्रतिशत व शहरी क्षेत्रों के लिए 10·38 प्रतिशत आकलित की गई है.

विदेशों से प्राप्तियों के मामले में भारत का पहला स्थान : विश्व बैंक रिपोर्ट

विदेशों में काम कर रहे अपने नागरिकों द्वारा सम्प्रेषित धन प्राप्त करने के मामले में भारत का विकासशील देशों में पहला स्थान है. बीते वर्ष 2012 के दौरान 69 अरब डॉलर की प्राप्तियाँ भारत को इस मद में हुई है, जबकि 60 अरब डॉलर की प्राप्तियों के साथ चीन का इस मामले में दूसरा स्थान रहा है. यह जानकारी विश्व बैंक की एक ताजा रिपोर्ट में दी गई है. अप्रैल 2013 में जारी इस रिपोर्ट के अनुसार तेल सम्पन्न खाड़ी सहयोग परिषद् (GCC) देशों में अकुशल श्रमिकों की बड़ी संख्या के अतिरिक्त अमरीका व अन्य उच्च आय वाले देशों में भी बड़ी संख्या में भारत के कुशल प्रवासी श्रमिक रहते है. इनके द्वारा बड़ी मात्रा में सम्प्रेषित धन देश की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. विश्व बैंक की इस रिपोर्ट के अनुसार 2012 के दौरान सम्प्रेषित धन प्राप्तियों में भारत व चीन के पश्चात् आगे के तीन स्थान क्रमशः फिलीपींस (24 अरब डॉलर), मेक्सिको (23 अरब डॉलर) तथा नाईजीरिया व मिस्र (21-21 अरब डॉलर) के रहे है. रिपोर्ट में बताया गया है कि 2012 के दौरान विकासशील देशों में कुल प्राप्तियाँ 401 अरब डॉलर रही है, जो पूर्व वर्ष की तुलना में 5·3 प्रतिशत अधिक है. अगले तीन वर्षों में इन सम्प्रेषणों (Remittances) में 8·8 प्रतिशत की सालाना वृद्धि की सम्भावना रिपोर्ट में व्यक्त की गई है जिससे 2015 तक यह 515 अरब डॉलर के तक पहुँच सकेगी.

क्रॉनिकल
आईएएस एकेडमी
सिविल सर्विसेज क्रॉनिकल की पहल
हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम में
सिविल सेवा परीक्षा
फाउन्डेशन बैच – 2014
• एक वर्षीय कार्यक्रम
• सामान्य अध्ययन (प्रारंभिकी व मुख्य)
• सीसैट पर विशेष अध्ययन एवं सामग्री
• सा. अध्ययन मु. परीक्षा परिवर्तित पाठ्यक्रम के अनुरूप विशिष्ट अध्ययन एवं सामग्री
• टेस्ट–शृंखला (प्रारंभिकी व मुख्य परीक्षा)
• नियमित परीक्षण के साथ परिचर्चा
• 100 प्रतिशत अद्यतन अध्ययन सामग्री
• उत्कृष्ट विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में चलाए
• संदेह निवारण मार्गदर्शन
• समसामयिकी बुकलेट
• सीमित बैच आकार
प्रारम्भ 20 जून
सिविल सेवा मुख्य परीक्षा कार्यक्रम
■ सामान्य अध्ययन ■ निबन्ध
सिविल सर्विसेज
क्रॉनिकल
23 वर्षों से सफलता का मार्गदर्शक
नॉर्थ कैंपस (दिल्ली सेन्टर)
2520, हडसन लेन, विजय नगर चौक, दिल्ली-09
(जी.टी.बी मेट्रो स्टेशन के समीप)
www.chronicleias.com
जानकारी के लिए एसएमएस या कॉल करें:
सुनील–9582948815, 8800495544

sscexamonline.blogspot.com

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् की रिव्यू ऑफ द इकोनॉमी में अर्थव्यवस्था की स्थिति की समीक्षा

अर्थव्यवस्था की स्थिति के सम्बन्ध में प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् की ताजा रिपोर्ट 18 अप्रैल, 2013 को जारी की गई. अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं का लेखा-जोखा प्रस्तुत करने वाली इस रिपोर्ट में 2013-14 में भारतीय अर्थव्यवस्था में वृद्धि 6-4 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है. इससे पूर्व 2012-13 में वृद्धि 5 प्रतिशत रहने की सम्भावना सीएसओ ने व्यक्त की हुई है. रिव्यू ऑफ द इकोनॉमी 2012-13 शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में बताया गया है कि सन्दर्भित वर्ष (2013-14) में कृषि क्षेत्र में वृद्धि 3-5 प्रतिशत रहने की सम्भावना है, जबकि विनिर्माण व सेवाओं में वृद्धि क्रमशः 4-0 प्रतिशत व 7-7 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान इसमें व्यक्त किया गया है.

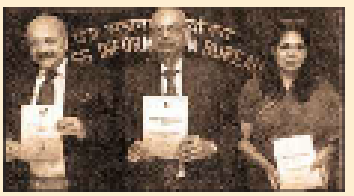

2012-13 की समीक्षा रिपोर्ट जारी करते प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद् के अध्यक्ष डॉ. सी. रंगराजन, साथ हैं योजना आयोग के सदस्य और पीएमईएसी के सदस्य डॉ. सौमित्र चौधरी एवं प्रेस सूचना ब्यूरो की प्रधान महानिदेशक श्रीमती नीलम कपूर

वित्तीय वर्ष 2012-13 के अंत में मुद्रास्फीति की थोक मूल्य सूचकांक आधारित दर 5-96 प्रतिशत (अनंतिम) रही है. प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् की इस रिपोर्ट में वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की दर 6 प्रतिशत के आसपास रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है. साथ ही प्राइमरी फूड इन्फ्लेशन लगभग 8 प्रतिशत, फ्यूल इन्फ्लेशन लगभग 11 प्रतिशत तथा विनिर्माणी उत्पादों के मामले में यह 4 प्रतिशत के आसपास रहने की सम्भावना रिपोर्ट में व्यक्त की गई है.

चालू खाते के घाटे (Current Account Deficit—CAD) के सम्बन्ध में रिव्यू ऑफ द इकोनॉमी (2012-13) में कहा गया है कि 2013-14 में यह 100 अरब डॉलर (जीडीपी का लगभग 4-7 प्रतिशत) रहने की सम्भावना है. वस्तुगत व्यापार (Merchandise Trade) में जहाँ 213 अरब डॉलर (जीडीपी का 9-9 प्रतिशत) का घाटा रहने का पूर्वानुमान रिपोर्ट में व्यक्त किया गया है, वहीं अदृश्य मदों में निवल प्राप्तियाँ (Net Earning from invisibles) 113 अरब डॉलर (जीडीपी की 5-3 प्रतिशत) सम्भावित है. चालू खाते के घाटे को अति उच्च स्तर पर मानते हुए तीन मोर्चों—कोयला, स्वर्ण व तेल पर इससे निपटने की बात रिपोर्ट में कही गई है. इसमें बताया गया है कि 2013-14 में तेल आयात बिल 125 अरब डॉलर रहने का अनुमान है, जो पूर्व वर्ष की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक होगा.

राजकोषीय घाटे (Fiscal Deficit) के सम्बन्ध में 'रिव्यू ऑफ द इकोनॉमी' रिपोर्ट में बताया गया है कि 2012-13 में संशोधित आकलन में यह ₹ 5,20,924 करोड़ रहा है, जबकि 2013-14 में यह ₹ 5,42,499 करोड़ रहने का बजट अनुमान है.

विदेशी पूँजी के अन्तर्प्रवाह के मामले में रिपोर्ट में कहा गया है कि 2013-14 में देश में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) का निवल अन्तर्प्रवाह 24 अरब डॉलर का अपेक्षित है, जबकि विदेशी संस्थागत निवेश (FII) 18 अरब डॉलर रहने की सम्भावना इसमें बताई गई है. रिपोर्ट में कहा गया है कि विदेशी पूँजी का निवल अन्तर्प्रवाह सन्दर्भित वर्ष में चालू खाते के घाटे की भरपाई करने में सहायक होगा.

अर्थव्यवस्था में बेहतर विकास सुनिश्चित करने के लिए, जो सुझाव रिपोर्ट में दिए गए हैं, उनमें परियोजनाओं की शीघ्र मंजूरियाँ, चालू खाते के घाटे में कमी लाना तथा इस घाटे के सुविधाजनक वित्तीयन हेतु पूँजी खाते के घाटे का समुचित प्रबन्धन, पूँजी के अन्तर्प्रवाह को प्रोत्साहित करना, मुद्रास्फीति पर नियंत्रण बनाए रखना तथा ऊर्जा की भी उपलब्धता में सुधार करना आदि शामिल हैं.

अक्षय ऊर्जा मामले में स्थानीय सामग्री पर अमरीकी सब्सिडी का भारत द्वारा विरोध : मामला डब्ल्यूटीओ में ले जाया गया

भारत में सोलर सेल व सोलर मॉड्यूल्स पर जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय सौर मिशन के तहत् दी जा रही सहायता को विश्व व्यापार संगठन (WTO) के नियमों का उल्लंघन मानते हुए उसके विरुद्ध डब्ल्यूटीओ का दरवाजा अमरीका ने फरवरी, 2013 में यह कहते हुए खटखटाया था कि इससे अमरीकी कम्पनियाँ प्रभावित हो रही थीं. अब ऐसे ही एक अन्य मामले में भारत ने अमेरिका के विरुद्ध अपना विरोध डब्ल्यूटीओ में अप्रैल 2013 में दर्ज कराया है. भारत का कहना है कि अमरीका अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में स्थानीय सामग्री पर सब्सिडी की पेशकश कर रहा है, जिसके चलते इस क्षेत्र में भारतीय कम्पनियों का प्रवेश मुश्किल हो गया है. स्वदेशी सामग्री के इस्तेमाल के लिए अमरीकी सब्सिडी की पेशकश को डब्ल्यूटीओ के ट्रिम्स (TRIMS) समझौते का उल्लंघन मानते हुए इस पर अपना विरोध भारत ने दर्ज कराया है.

अम्बानी बंधुओं में कारोबारी सम्बन्ध

अम्बानी परिवार के दोनों भाइयों मुकेश अम्बानी व अनिल अम्बानी की कम्पनियों ने टेलीकॉम कारोबार में पारस्परिक सहयोग के लिए एक समझौता अप्रैल 2013 में सम्पन्न किया है. 1200 करोड़ रुपए के इस समझौते के तहत् मुकेश अम्बानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज की टेलीकॉम कम्पनी रिलायंस जियो इंफोकॉम लि. 4जी सेवाओं की शुरूआत के लिए अनिल अम्बानी की रिलायंस कम्युनिकेशंस (आर. कॉम) के ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क का इस्तेमाल करेगी. दोनों कम्पनियों के बीच इस आशय का समझौता 2 अप्रैल, 2013 को सम्पन्न हुआ है. रिलायंस जियो इंफोकॉम (पूर्व नाम इंफोटेल ब्रॉड बैण्ड) को देशभर में 4जी सेवाएं प्रदान करने के लिए लाइसेंस 2010 में प्राप्त हुआ था, किन्तु इसके द्वारा यह सेवाएं अभी तक शुरू नहीं की जा सकी हैं.

sscexamonline.blogspot.com

यह सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आर. कॉम के देशभर में फैले तथा विभिन्न शहरों से जुड़े 1,20,000 किमी के ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क का इस्तेमाल रिलायंस जियो इंफोकॉम द्वारा किया जाएगा. इस ऑप्टिकल फाइबर ढाँचे का इस्तेमाल आर. कॉम द्वारा भी किया जा सकेगा.

एयर इंडिया के ड्रीमलाइनर विमानों की उड़ानें मई 2013 में पुनः शुरू होने की सम्भावना

अमरीका की बोइंग कम्पनी द्वारा निर्मित बी–787 ड्रीमलाइनर विमानों, जिनकी विश्व भर में उड़ानें बैटरी प्रणाली में धुआँ आने की शिकायत पर जनवरी 2013 से बंद कर दी गई थीं, अब पुनः शुरू हुई है. अमरीका के नागर विमानन क्षेत्र के नियामक फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (FAA) ने इन विमानों के लिए नव विकसित बैटरी प्रणाली को अनुमोदन प्रदान करते हुए परिमार्जित विमानों की उड़ानों के लिए मंजूरी अप्रैल 2013 में प्रदान कर दी है. भारत की एयर इंडिया के बेड़े में छह ड्रीमलाइनर विमान सितम्बर 2012 से शामिल किए गए थे, तथा जनवरी 2013 में इनकी उड़ानें रोक दी गई थीं. इन विमानों की बैटरी प्रणाली में बदलाव के लिए इंजीनियरों का एक दल अप्रैल के उत्तरार्द्ध में भारत आया था. वांछित परिमार्जन के पश्चात् इन विमानों की उड़ानें मई 2013 में पुनः शुरू होने की सम्भावना है.

नई दिल्ली-हावड़ा राजधानी एक्सप्रेस वाई-फाई सुविधा वाली भारत की पहली रेलगाड़ी

रेल यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए रेलगाड़ियों में इंटरनेट सुविधा की शुरुआत अब रेलवे ने की है. इसकी शुरुआत फिलहाल नई दिल्ली-हावड़ा राजधानी एक्सप्रेस से की गई है. पायलट प्रोजेक्ट के तहत् रेल मंत्री पवन बंसल ने 2 अप्रैल, 2013 को नई दिल्ली-हावड़ा राजधानी एक्सप्रेस को वाई-फाई से लैस किया. इससे यात्रियों को 4 MBPs की डाउनलोडिंग स्पीड प्राप्त हो सकेगी. राजधानी व शताब्दी एक्सप्रेस जैसी कुछ अन्य सुपरफास्ट रेलगाड़ियों में भी यह सुविधा इसी वित्त वर्ष में उपलब्ध कराने की घोषणा रेल मंत्री ने की है. रेलवे द्वारा फिलहाल यह सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध कराई गई है, किन्तु बाद में इसके लिए कुछ शुल्क भी रेलवे द्वारा निर्धारित किया जा सकता है. रेलगाड़ियों में वाई-फाई सुविधा टेक्नोसैट कॉम के सहयोग से शुरू [illegible]ई है.

जैट एयरवेज़ की 24 प्रतिशत हिस्सेदारी एतिहाद एयरवेज़ को बेचने को समझौता

भारत की जेट एयरवेज ने अबू धाबी की एतिहाद एयरवेज के साथ भागीदारी के एक समझौते की घोषणा अप्रैल 2013 में की है. इसके तहत् जेट की 24 प्रतिशत हिस्सेदारी एतिहाद द्वारा ₹ 2058 करोड़ में खरीदी जाएगी. इसके लिए जेट एयरवेज के 2·73 करोड़ शेयर ₹ 754·74 प्रति शेयर की दर से प्राथमिकता के आधार पर एतिहाद को जारी किए जाएंगे. यह कीमत जेट के शेयरों के तत्कालीन बाजार मूल्य से लगभग 30 प्रतिशत अधिक है. इस बिक्री के बाद भी जेट एयरवेज की 51 प्रतिशत हिस्सेदारी व कम्पनी पर नियंत्रण नरेश गोयल का बना रहेगा.

स्विस कम्पनी नोवार्टिस को कैंसर की दवा का पेटेंट प्रदान करने के मामले में सर्वोच्च न्यायालय का इनकार

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्विट्जरलैण्ड की दवा कम्पनी नोवार्टिस की भारतीय इकाई को कैंसर की दवा ग्लाइवेक का पेटेंट प्रदान करने से इनकार किए जाने से यह दवा भारतीय बाजार में बेहद कम मूल्य पर उपलब्ध हो सकेगी. इससे ल्यूकीमिया (ब्लड कैंसर) के रोगियों को बड़ी राहत मिल सकेगी. एक माह के इलाज के लिए नोवार्टिस की ग्लाइवेक दवा का मूल्य जहाँ लगभग 1·10 लाख रुपए बताया जाता है, वहीं इसकी जेनेरिक दवा की एक महीने की खुराक 8–10 हजार रुपए ही बैठती है.

नोवार्टिस की भारतीय इकाई ने ग्लाइवेक को अपना इन्नोवेशन बताते हुए इसके लिए पेटेंट की माँग की थी जिसे विभिन्न आधारों पर सर्वोच्च न्यायालय ने 1 अप्रैल, 2013 के अपने फैसले में खारिज किया है.

भारतीय रेल के 160 वर्ष पूर्ण

भारतीय रेल की सेवा के 160 वर्ष 16 अप्रैल, 2013 को पूरे हुए हैं. रेलवे के दस्तावेजों के अनुसार भारत में पहली रेलगाड़ी 16 अप्रैल, 1853 को मुम्बई व थाणे के बीच 34 किमी रेलमार्ग पर चलाई गई थी. ईस्ट इंडियन पेनिन्सुलर रेलवे की 14 डिब्बों वाली इस रेलगाड़ी को कॉकरैन्ड नाम के भाप इंजन के जरिए चलाया गया था. वर्तमान में लगभग 65 हजार किमी रेलमार्ग, 7 हजार से अधिक स्टेशनों, प्रतिदिन चलने वाली 11 हजार से अधिक रेलगाड़ियों व लगभग 16 लाख रेलकर्मियों के साथ भारतीय रेल आज देश की जीवन रेखा बन गई है.

दक्षेस ने विकास लक्ष्यों की सीमा 2015 तक बढ़ाई

8 देशों के समूह 'दक्षेस' (SAARC) ने अपने विकास लक्ष्यों (SAARC Development Goals—SDGs) को प्राप्त करने के लिए समय सीमा 2012 निर्धारित की हुई थी. यह लक्ष्य प्राप्त न हो पाने के कारण इनके लिए समय सीमा को पुनर्निर्धारित कर 2015 किया गया है. समय सीमा में वृद्धि का फैसला 5 अप्रैल, 2013 को काठमांडू में दक्षेस की मंत्रिस्तरीय बैठक में किया गया. यह सार्क डेवलपमेंट गोल्स संयुक्त राष्ट्र संघ के 8 'मिलेनियम डेवलपमेंट गोल्स' की तर्ज पर निर्धारित 22 लक्ष्य हैं, जो लाइवलीहुड, हेल्थ, एजुकेशन व एन्वायरमेंट चार वर्गों में विभाजित हैं.

2013-14 के लिए नई मौद्रिक एवं साख नीति घोषित : रेपो दर में पुनः कटौती

चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 के लिए नई मौद्रिक एवं साख नीति की घोषणा भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने 3 मई, 2013 को की. मुद्रास्फीति की दर पर संतोषजनक नियंत्रण

KALP
FACULTY OF EDUCATION
Premier Institute for Teacher's Eligibility & Recruitment Exams
शिक्षक/प्रवक्ता चयन संस्थान
प्रवक्ता योग्यता परीक्षा
UGC-NET/JRF
शिक्षक चयन परीक्षा
DSSSB / KVS
TGT / PGT / PRT
शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET)
CTET / STET
• Weekend Batches Available
• Correspondence Course Also Available
For details or registration contact :
Corp. Office & Learning Centre :
E2/352, Shastri Nagar, New Delhi-110052
URL : www.kalpeducation.com
Tel.: 011-23643867
Mob: 81306 73333, 81309 13333

sscexamonline.blogspot.com

के बावजूद मुद्रा एवं साख के विस्तार के मामले में सतर्कतापूर्ण रवैया आरबीआई ने अपनाया है तथा नीतिगत रेपो दर में 0·25 प्रतिशत बिन्दु की कटौती एक बार पुनः की

2013-14 के लिए मौद्रिक एवं साख नीति की घोषणा के लिए जाते हुए आरबीआई के गवर्नर डॉ. डी. सुब्बाराव (बाएं से दूसरे) तथा बायें डिप्टी गवर्नर–क्रमशः के. सी. चक्रवर्ती, आनंद सिन्हा, उर्जित आर. पटेल व एच. आर. खान

है, जो तत्काल प्रभाव से लागू की गई है (इससे पूर्व 29 जनवरी व 19 मार्च, 2013 को रेपो दर में 0·25-0·25 प्रतिशत बिन्दु की कटौतियाँ 2012-13 की मौद्रिक एवं साख नीति की समीक्षाओं के समय आरबीआई ने की थीं). ताजा कटौती के परिणामस्वरूप रेपो दर 7·50 प्रतिशत से घटकर 7·25 प्रतिशत हो गई है तथा इसके साथ ही सम्बद्ध दरों (रिवर्स रेपो दर, मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी व बैंक दर) में भी 0·25-0·25 प्रतिशत की कटौतियाँ स्वतः ही हो गई हैं. इस प्रकार रिवर्स रेपो रेट 6·50 प्रतिशत से घटकर 6·25 प्रतिशत, मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी रेट 8·50 प्रतिशत से घटकर 8·25 प्रतिशत तथा बैंक रेट भी 8·50 प्रतिशत से घटकर 8·25 प्रतिशत अब रह गया है. अन्य बैंकिंग दरों नकद आरक्षण अनुपात (4·0 प्रतिशत) व सांविधिक तरलता अनुपात (23·0 प्रतिशत) में कोई परिवर्तन आरबीआई ने नई नीति में फिलहाल नहीं किया है. रेपो दर में 0·25 प्रतिशत बिन्दु की ताजा कटौती से ब्याज दरों में किसी प्रभावी कटौती की सम्भावना से बैंकों ने आम तौर पर इनकार यद्यपि किया है, तथापि इसमें नरमी की प्रवृत्ति बनी रहेगी. निवेश को बढ़ावा देने के लिए उद्योग व्यापार जगत् की अपेक्षा ब्याज दरों में कमी लाने की है. इसके लिए नकद आरक्षण अनुपात में भी कटौती की अपेक्षा उद्योग व्यापार जगत् के साथ-साथ बैंकों ने भी की थी, किन्तु मुद्रास्फीति के मामले में सतर्कता बरतते हुए अभी इसके लिए ज्यादा ढील आरबीआई ने नहीं दी है. रेपो दर में मामूली कटौती को उचित ठहराते हुए आरबीआई के गवर्नर डॉ. सुब्बाराव ने कहा है कि केवल मौद्रिक नीति सम्बन्धी पहल से आर्थिक वृद्धि तेज नहीं हो सकती, इसके लिए पूर्ति सम्बन्धी अड़चनें दूर करने, परियोजनाओं के रास्ते की दिक्कतें दूर करने, कामकाज में सुधार लाने व सार्वजनिक निवेश में वृद्धि की भी आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि मार्च 2013 में मुद्रास्फीति दर तीन वर्ष के न्यूनतम स्तर पर आ गई है, तथापि खाद्य स्फीति का दबाव बने रहने तथा पेट्रोलियम कीमतों को सरकारी तौर पर नीचे बनाए रखने के परिप्रेक्ष्य में इसके बढ़ने के जोखिम बरकरार हैं. आर्थिक वृद्धि व मुद्रास्फीति के बीच के समीकरण के आकलन में दिख रहे जोखिम के चलते

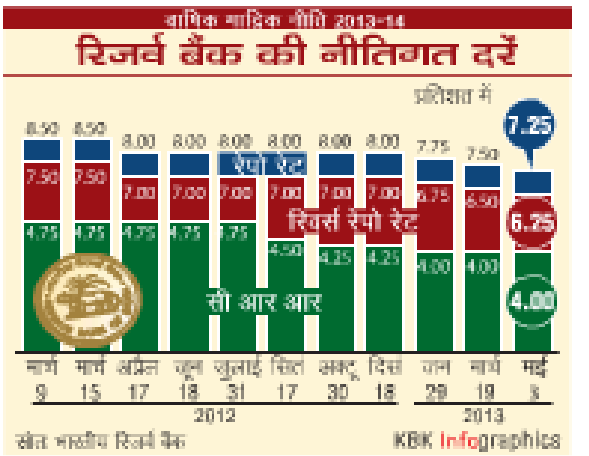

मौद्रिक नीति को फिलहाल और उदार बनाने की सम्भावना से उन्होंने इनकार किया है.

प्रमुख बैंकिंग दरें एक दृष्टि में

(3 मई, 2013 की स्थिति)

रेपो दर	7·25 प्रतिशत
रिवर्स रेपो दर	6·25 प्रतिशत
बैंक दर	8·25 प्रतिशत
मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी दर	8·25 प्रतिशत
नकद आरक्षण अनुपात (CRR)	4·0 प्रतिशत
सांविधिक तरल अनुपात (SLR)	23·0 प्रतिशत

2012-13 के अन्त में मार्च 2013 में मुद्रास्फीति की दर 5 प्रतिशत के स्तर पर आ गई थी, जोकि विगत तीन वर्षों में इसका न्यूनतम स्तर था. चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान यह दर 5·5 प्रतिशत के आसपास बनी रहने की सम्भावना रिजर्व बैंक ने व्यक्त की है और साथ ही कहा है कि इसे 5 प्रतिशत से नीचे लाने के प्रयास वह जारी रखेगा. चालू खाते के घाटे (Current Account Deficit–CAD) का मौजूदा स्तर अत्यन्त खतरनाक बताते हुए इस देश की अर्थव्यवस्था के समक्ष वर्तमान में विद्यमान सबसे बड़ी चुनौती आरबीआई ने बताया है. मुद्रास्फीति बढ़ने के खतरे विद्यमान होने तथा चालू खाते के घाटे की मौजूदा स्थिति के आधार पर रिजर्व बैंक ने इस वर्ष ब्याज दरों में बड़ी कटौती की सम्भावना को खारिज किया है.

मौद्रिक एवं साख नीति 2013-14 के दस्तावेज में इस वित्तीय वर्ष (2013-14) में सम्भावित आर्थिक वृद्धि दर का जो पूर्वानुमान आरबीआई ने व्यक्त किया है, वह सरकार के पूर्वानुमान से कहीं कम है. फरवरी 2013 में वित्त मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत आर्थिक समीक्षा में 2013-14 में आर्थिक वृद्धि 6·1 से 6·7 प्रतिशत के बीच रहने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया था. बाद में डॉ. सी. रंगराजन की अध्यक्षता वाली प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् की अप्रैल 2013 में जारी 'रिव्यू ऑफ द इकोनॉमी' रिपोर्ट में 2013-14 में आर्थिक वृद्धि 6·4 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है. इन पूर्वानुमानों के विपरीत रिजर्व बैंक ने 2013-14 की मौद्रिक एवं साख नीति दस्तावेज में इस वित्तीय वर्ष में आर्थिक वृद्धि 5·7 प्रतिशत ही रहने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है. मौद्रिक नीति के इस नीतिगत दस्तावेज में बैंकों के लिए कुछेक अन्य नीतिगत दिशा-निर्देशों की घोषणा भी आरबीआई ने की है. चालू खाते के घाटे पर अंकुश के लिए स्वर्ण के आयात को हतोत्साहित करने तथा यह आयात केवल स्वर्ण आभूषण निर्यातकों की जरूरतों को पूरा करने तक ही सीमित रखने, 50 ग्राम से अधिक वजन वाले सोने के सिक्कों पर ऋण न देने आदि के प्रस्ताव इनमें शामिल हैं. इनके अतिरिक्त बैंकों से अपनी शाखा के खाताधारकों और दूसरी शाखा के खाताधारकों के साथ बर्ताव में भेदभाव बंद करने को भी आरबीआई ने कहा है. 2013-14 की मौद्रिक एवं साख नीति की पहली मध्य त्रैमासिक समीक्षा 17 जून, 2013 को होगी.

मौद्रिक एवं साख नीति (2013-14) महत्वपूर्ण बिन्दु

- प्रमुख नीतिगत दर (रेपो दर) 7·50 प्रतिशत से घटाकर 7·25 प्रतिशत की गई. इससे रिवर्स रेपो दर भी 6·50 प्रतिशत से घटकर 6·25 प्रतिशत तथा बैंक दर 8·50 प्रतिशत से घटकर 8·25 प्रतिशत हुई.

sscexamonline.blogspot.com

- बैंक के कुल निक्षेपों में 14% की वृद्धि होगी.
- नकद आरक्षण अनुपात (CRR) 4 प्रतिशत पर बरकरार.
- रिजर्व बैंक ने कहा कि आर्थिक वृद्धि और मुद्रास्फीति के समीकरण का आकलन नीतिगत दरों में और कटौती की सम्भावना को सीमित करता है.
- चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 5·7 प्रतिशत रहने का अनुमान.
- मुद्रास्फीति चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 में 5·5 प्रतिशत के दायरे में रहने की सम्भावना.
- चालू खाते का घाटा अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती.
- रिजर्व बैंक ने प्राथमिक क्षेत्र के अन्तर्गत सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों के लिए ऋण सीमा दोगुनी कर ₹ 5 करोड़ करने का प्रस्ताव किया.
- बैंकों को खाताधारकों के साथ बर्ताव में भेदभाव बंद करने को कहा.
- सोने का आयात केवल स्वर्ण आभूषण निर्यातकों की वास्तविक जरूरतों को पूरा करने तक ही सीमित.
- वर्ष 2013-14 में साख प्रवाह में 15% की वृद्धि होगी.
- प्राथमिकता क्षेत्रक में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के प्रति उधार लेने वाले की दृष्टि से उधार की सीमा को बढ़ाकर 5 करोड़ रुपए किया गया.
- कृषि क्षेत्र में प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रकों में प्रति उधार लेने वाले की सीमा को एक करोड़ रुपए से 5 करोड़ रुपए किया.
- भण्डारागारों में जमा वस्तुओं की जमानत पर ऋण की सीमा को 2·50 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 5·00 करोड़ रुपए किया गया.
- मेट्रोपोलिटन शहरों में लीड बैंक योजना सभी जिलों में चलेगी.
- बैंक ग्राहकों में शाखा के ग्राहकों के प्रति तथा दूसरा बैंक के ग्राहकों के बीच किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करे.
- बैंक सार्वभौमिक एवं पारदर्शी कीमत नीति को अपनाएंगे तथा ग्राहकों के बीच कोई भेदभाव नहीं करेंगे.
- बैंक केवल 50 ग्राम स्वर्ण सिक्कों तक ही स्वर्ण ऋण प्रदान करेंगे.

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

मुकेश अम्बानी को जैड श्रेणी की सुरक्षा

'फोर्ब्स' आकलन में भारत के सबसे धनी करार दिए गए मुकेश अम्बानी (रिलायंस इंडिया लि. के चेयरमैन) को जैड श्रेणी की सुरक्षा केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने प्रदान की है. इसके लिए [illegible]प सीआरपीएफ को सौंपा गया है. गृह मंत्रालय सूत्रों के अनुसार इस सुरक्षा व्यवस्था पर आने वाला खर्च मुकेश अम्बानी द्वारा वहन किया जाएगा.

सकल घरेलू उत्पाद में निर्यातों का अंश

वाणिज्य मंत्री आनंद शर्मा द्वारा लोक सभा में 22 अप्रैल, 2013 को दी गई एक सूचना के अनुसार देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में निर्यातों का अंश 2009-10 में 13·9 प्रतिशत था, जो बढ़कर 2010-11 में 16·0 प्रतिशत व 2011-12 में 17·7 प्रतिशत हो गया था.

विश्व में वस्तुगत निर्यातों में भारत का अंश

लोक सभा में एक जानकारी देते हुए वाणिज्य मंत्री आनंद शर्मा ने 22 अप्रैल, 2013 को बताया कि विश्व के कुल वस्तुगत निर्यातों में भारत का अंश 2010 में 1·48 प्रतिशत था, जो बढ़कर 2011 में 1·66 प्रतिशत होने के पश्चात् 2012 में 1·60 प्रतिशत रह गया था.

वैरिड टेलीकॉम के युगांडा कारोबार के अधिग्रहण हेतु एयरटेल का समझौता

भारत की निजी क्षेत्र की अग्रणी दूरसंचार कम्पनी भारती एयरटेल ने संयुक्त अरब अमीरात (UAE) की दूरसंचार कम्पनी वैरिड टेलीकॉम (Warid Telecom) के साथ एक सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं जिसके तहत् वैरिड टेलीकॉम के युगांडा स्थित कारोबार का अधिग्रहण भारती एयरटेल द्वारा किया जाएगा. इससे युगांडा में वैरिड के लगभग 28 लाख उपभोक्ता एयरटेल के नेटवर्क में जुड़ जाएंगे. विश्व भर में एयरटेल के उपभोक्ताओं की कुल संख्या वर्तमान में लगभग 26·9 करोड़ है.

एम कैप की दृष्टि से टीसीएस सबसे मूल्यवान कम्पनी बनी

कुल बाजार मूल्य (M. Cap) की दृष्टि से टाटा समूह की सॉफ्टवेयर कम्पनी टीसीएस ने 23 अप्रैल, 2013 को ओएनजीसी को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान बना लिया था. शेयर मूल्यों में उतार-चढ़ाव के चलते टीसीएस का बाजार मूल्य 23 अप्रैल को ₹ 2,79,804 करोड़ हो गया था, जबकि उस दिन की स्थिति में ओएनजीसी, जो पहले स्थान पर थी, का कुल बाजार मूल्य ₹ 2,79,465 करोड़ था. उल्लेखनीय है कि किसी भी कम्पनी के शेयर मूल्यों के उतार-चढ़ाव के साथ उसके एम. कैप में भी परिवर्तन आता है. इस नाते सर्वाधिक एम कैप वाली कम्पनियों के स्थान आए दिन ऊपर नीचे होते रहते हैं.

शारदा ग्रुप के चिट फण्ड घोटाले में वित्त मंत्री चिदम्बरम् की पत्नी पर भी उंगली उठाई गई

आकर्षक योजनाओं के जरिए भोले-भाले निवेशकों को ठगने के ₹ 30 हजार करोड़ के चिट फण्ड घोटाले में फँसे प. बंगाल के शारदा ग्रुप के मालिक सुदीप्तो सेन ने केन्द्रीय वित्त मंत्री पी. चिदम्बरम् की अधिवक्ता पत्नी नलिनी को भी इस घोटाले के चक्रव्यूह में फँसाने का प्रयास किया है. सीबीआई को लिखे एक पत्र में उन्होंने नलिनी चिदम्बरम् को भी फँसाने का प्रयास किया है. शारदा समूह पर लगे आरोपों व इससे हुए लाखों निवेशकों की हुई क्षति की जाँच सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टीगेशन ऑफिस (SFIO) से कराने के आदेश सरकार ने दिए हैं.

यात्री गाड़ियों में आरक्षण अब 60 दिन पूर्व

रेलगाड़ियों में आरक्षण अब यात्रा की तिथि से अधिकतम दो माह पूर्व कराया जा सकेगा. यह समय सीमा पहले चार माह थी, जिसे 1 मई, 2013 से घटाकर 2 माह किया गया है. इस मामले में रेलवे का अब यह मानना है कि अधिकांश रेल यात्री अपनी यात्रा की योजना दो माह के भीतर ही बना पाते हैं, किन्तु बुकिंग 120 दिन पहले खुल जाने के कारण टिकटों की कालाबाजारी करने वाले इसे बुक करा लेते हैं और बाद में इन टिकटों को अधिक मूल्य पर बेचते हैं.

इलाहाबाद बैंक का 149वीं स्थापना दिवस

सार्वजनिक क्षेत्र के इलाहाबाद बैंक का 149वीं स्थापना दिवस 24 अप्रैल, 2013 को मनाया गया. इस अवसर पर मुख्य कार्यक्रम बैंक के कोलकाता स्थित मुख्यालय पर आयोजित किया, जहाँ बैंक की चेयरपर्सन सह प्रबन्ध निदेशक शुभालक्ष्मी पांसे ने दीप प्रज्वलित कार्यक्रम का शुभारम्भ किया. देशभर में बैंक की अन्य शाखाओं पर भी बैंक की योजनाओं की जानकारी देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए गए.

●●●

ENGLISH
Special Batch for
UPSC
Essay, Precis, Comprehension & Grammar
By Mrs. Annie
New Batch from:
07-06-13
DICTION
ENGLISH INSTITUE
202, 3rd Floor, A-40/41, Ansal Building (near UCO Bank)
Dr. Mukherjee Nagar, Delhi- 9
Phone:- 011 65883933

sscexamonline.blogspot.com

शब्द संक्षेप
(Abbreviation)

ईपीसीसी—एम्प्लॉयमेंट प्रमोशन एण्ड कांसिलिंग सेन्टर

EPCC—Employment Promotion and Counselling Centre

व्याख्या—युवाओं को रोजगार के लिए पंजीकृत करने के साथ-साथ उन्हें प्रतिस्पर्द्धी बनाने के लिए ऐसे केन्द्र स्थापित करने की सरकार की योजना है. इसके लिए रोजगार एक्सचेंज (रिक्तियों की अनिवार्य अधिसूचना) संशोधन विधेयक 2013 संसद में श्रम मंत्रालय द्वारा लाया जाएगा. देश में रोजगार की स्थिति में सुधार के लिए और भी कई प्रावधान विधेयक में किए गए हैं.

नियुक्तियाँ
(Appointments)

के. नटराजन—सॉफ्टवेयर क्षेत्र की प्रमुख कम्पनी माइंडट्री (Mindtree) के प्रबन्ध निदेशक सह-मुख्य कार्यकारी अधिकारी (MD & CEO) कृष्ण कुमार नटराजन सत्र 2013-14 के लिए नैस्कॉम (NASSCOM) के चेयरमैन अप्रैल 2013 में बनाए गए हैं. इस पद पर टीसीएस के एन. चन्द्रशेखरन का स्थान उन्होंने लिया है.

कॉग्नाइजेंट ग्रुप के आर. चन्द्रशेखरन को सत्र 2013-14 के लिए आईटी-बीपीओ क्षेत्र के इस संगठन का उपाध्यक्ष अप्रैल 2013 में बनाया गया है.

शरद यादव—जनता दल (यू) के अध्यक्ष शरद यादव तीन वर्ष के लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए इस पार्टी के अध्यक्ष 11 अप्रैल, 2013 को चुने गए हैं. एनडीए के संयोजक शरद यादव का पार्टी अध्यक्ष पद पर यह चुनाव निर्विरोध ही हुआ है. तीसरी बार पार्टी का नेतृत्व उन्हें सौंपने के लिए पार्टी के संविधान में संशोधन भी इस चुनाव से पूर्व किया गया था.

अजय मानिक राव खानविलकर—बम्बई उच्च न्यायालय में न्यायाधीश रहे न्यायमूर्ति अजय मानिक राव खानविलकर को हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश अप्रैल 2013 में नियुक्त किया गया है. राज्यपाल उर्मिला सिंह ने 4 अप्रैल, 2013 को उन्हें इस पद की शपथ दिलाई.

हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद पर न्यायमूर्ति कुरियन जोसेफ, जिन्हें सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश बनाया गया है, का स्थान न्यायमूर्ति खानविलकर ने लिया है.

इंफोसिस के एस. गोपालकृष्णन भारतीय उद्योग परिसंघ के नए अध्यक्ष

सॉफ्टवेयर क्षेत्र की प्रमुख कम्पनी इंफोसिस के सह-संस्थापक व सह-अध्यक्ष एस. गोपालकृष्णन को सत्र 2013-14 के लिए उद्योग जगत् के अग्रणी संगठन भारतीय उद्योग परिसंघ (Confederation of Indian Industry—CII) का अध्यक्ष अप्रैल 2013 में बनाया गया है. इस पद पर पोद्दार समूह के आदि पोद्दार का स्थान पद्मभूषण से सम्मानित गोपालकृष्णन ने लिया है. अध्यक्ष पद पर उनके द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही डीसीएम श्रीराम कंसोलिडेटेड लि. (DSCL) के चेयरमैन सह-प्रबन्ध निदेशक (CMD) अजय एस. श्रीराम सीआईआई के 2013-14 के लिए 'मनोनीत अध्यक्ष' बनाए गए हैं. वह 1014-15 में उद्योग व्यापार जगत् के इस संगठन के अध्यक्ष होंगे.

एस. गोपालकृष्णन

सर्वोच्च न्यायालय में दो नए न्यायाधीश—पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अर्जन कुमार सीकरी व मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति शरद अरविंद बोबड़े को सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश अप्रैल 2013 में नियुक्त किया गया है. सर्वोच्च न्यायाधीश न्यायमूर्ति अल्तमस कबीर ने 12 अप्रैल, 2013 को उन्हें पद की शपथ दिलाई. इन नियुक्तियों के साथ सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की कुल संख्या अब 30 (मुख्य न्यायाधीश सहित) हो गई है.

अशोक कुमार मुखर्जी संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत के स्थायी प्रतिनिधि

विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव (राजनीतिक) रहे अशोक कुमार मुखर्जी संयुक्त राष्ट्र संघ मुख्यालय में भारत के नए स्थायी प्रतिनिधि हैं. इस पद पर हरदीप सिंह पुरी, जो फरवरी 2013 के अंत में सेवानिवृत्त हुए थे, का स्थान श्री मुखर्जी ने लिया है. भारतीय विदेश सेवा के 1978 बैच के अधिकारी अशोक कुमार मुखर्जी संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत के 20वें स्थायी प्रतिनिधि हैं. इस नियुक्ति के सम्बन्ध में अपने परिचय-पत्र संयुक्त राष्ट्र महासचिव बान की मून को 16 अप्रैल, 2013 को उन्होंने प्रस्तुत किए.

अरुणा बहुगुणा—सरकार ने भारतीय पुलिस सेवा की वरिष्ठ अधिकारी श्रीमती अरुणा बहुगुणा की नियुक्ति केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) की विशेष महानिदेशक के रूप में अप्रैल 2013 में की है.

एन. रवि—हिन्दू समाचार-पत्र समूह की प्रकाशक कम्पनी कस्तूरी एण्ड संस लि. के निदेशक एन. रवि को एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया का अध्यक्ष नई दिल्ली में 23 अप्रैल को चुना गया है. इस पद पर बिजनेस स्टैण्डर्ड ग्रुप के चेयरमैन टी. एन. निनान का स्थान उन्होंने लिया है. इस पद पर एन. रवि का कार्यकाल दो वर्ष का होगा.

अर्चना भार्गव—केनरा बैंक में कार्यकारी निदेशक रही अर्चना भार्गव को सार्वजनिक क्षेत्र के यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया की चेयरपर्सन सह-प्रबन्ध निदेशक (CMD) अप्रैल 2013 में बनाया गया है. उन्होंने अपना यह कार्यभार 23 अप्रैल, 2013 से सँभाला है.

अर्चना भार्गव

एन. एन. वोहरा—जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल एन. एन. वोहरा को पाँच वर्ष के लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए इस पद पर नियुक्ति राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने अप्रैल 2013 में प्रदान की है. इससे पूर्व जून 2008 में उन्हें इस राज्य का राज्यपाल नियुक्त किया गया था.

एन. एन. वोहरा

अनिल गोस्वामी—जम्मू-कश्मीर कैडर के आईएएस अधिकारी अनिल गोस्वामी भारत के नए गृह सचिव होंगे. इस पद पर मौजूदा

sscexamonline.blogspot.com

गृह सचिव आर. के. सिंह, जो 30 जून, 2013 को सेवानिवृत्त होंगे, का स्थान वह लेंगे. इस पद पर उनका कार्यकाल दो वर्ष का होगा.

पुरस्कार/सम्मान
(Awards/Honours)

कॉर्पोरेट प्रशासन में उत्कृष्टता हेतु आईसीएसआई के वर्ष 2012 के पुरस्कार–कॉर्पोरेट प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (ICSI) के वर्ष 2012 के पुरस्कार दो श्रेष्ठ प्रशासित कम्पनियों–इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (IOC) व एचसीएल टेक्नोलॉजीस को नई दिल्ली में 6 अप्रैल, 2013 को दूसरे आईसीएसआई अन्तर्राष्ट्रीय कॉर्पोरेट प्रशासन सम्मेलन में प्रदान किए गए. **वर्ष 2012 का आईसीएसआई लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार एचडीएफसी लि. के अध्यक्ष दीपक पारिख को इस समारोह में दिया गया.**

'आइमा' के मैनेजिंग इंडिया अवार्ड्स 2013–ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (AIMA) के उद्योग व्यापार जगत् के वर्ष 2013 के पुरस्कारों का वितरण राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने 11 अप्रैल, 2013 को नई दिल्ली में एक समारोह में किया. यह पुरस्कार निम्नलिखित को प्रदान किए गए–

एंटरप्रिन्योर ऑफ द डिकेड–मुकेश अम्बानी (रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. के सीएमडी)

बिजनेस लीडर ऑफ द ईयर–पवन मुंजाल (हीरो मोटोकॉर्प के एमडी व सीईओ)

एंटरप्रिन्योर ऑफ द ईयर–श्याम एस. भरतिया (बुविलेंट भरतिया ग्रुप के चेयरमैन व संस्थापक) तथा हरी एस भरतिया इस ग्रुप के सह-संस्थापक व को-चेयरमैन)

इंडियन मल्टीनेशनल ऑफ द ईयर–कार्ल स्लिंग (टाटा मोटर्स के मैनेजिंग डायरेक्टर)

ट्रांसकॉर्पोरेशनल बिजनेस लीडर ऑफ द ईयर–भास्कर भट्ट (टाइटन इंडस्ट्रीज के एमडी)

आउटस्टैंडिंग पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग ऑफ द ईयर–भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लि. (सीएमडी बीपीराव)

आउटस्टैंडिंग कंट्रीब्यूशन टु मीडिया–प्रणय रॉय (एनडीटीवी)

एमर्जिंग बिज़नेस लीडर ऑफ द ईयर–विवेक कुमार जैन (गुजरात फ्लूटो कैमिकल्स के एमडी)

फर्स्ट सिटीज़न ऑफ इंडियन आर्मी–भारतीय थल सेना के सेवानिवृत्त ले. कर्नल करतार सिंह को 'थल सेना के प्रथम नागरिक' (First Citizen of the Indian Army) के खिताब से 1 अप्रैल, 2013 को चंडीगढ़ में एक सैन्य समारोह में विभूषित किया गया. 100 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर जालंधर के करतार सिंह को यह खिताब [illegible]की पश्चिमी कमान के कमांडर-इन-चीफ ने दिया. 100 वर्षीय करतार सिंह थल सेना के सम्भवतः सबसे वयोवृद्ध सेवानिवृत्त अधिकारी हैं. उन्हें 1937 में कमीशन दिया गया था.

दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार–बीते वर्षों की जानी-मानी अभिनेत्री व राज्य सभा सांसद जया बच्चन को इस वर्ष का प्रतिष्ठित दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार हेतु चुना गया है. भारतीय सिनेमा व थिएटर के क्षेत्र में उनके सराहनीय योगदान के लिए पं. दीनानाथ मंगेशकर की पुण्यतिथि 24 अप्रैल, को उन्हें यह पुरस्कार लता मंगेशकर के हाथों मुम्बई में एक समारोह में प्रदान किया जाएगा.

भारतीय फिल्मों के लिए टाइम्स ऑफ इंडिया पुरस्कार–2013

वर्ष 2012 में प्रदर्शित भारतीय फिल्मों के लिए टाइम्स ऑफ इंडिया फिल्म अवार्ड्स (TOIFA) का वितरण कनाडा में वैंकूवर (Vancouver) में 6 अप्रैल, 2013 को किया गया. इनमें पॉपुलर पुरस्कारों में अनुराग बसु द्वारा निर्देशित फिल्म 'बर्फी' का दबदबा रहा. न केवल सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार इसे मिला, बल्कि इसी फिल्म के निर्देशन के लिए अनुराग बसु को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का, रणबीर कपूर को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का व प्रियंका चोपड़ा को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार इस समारोह में दिया गया. (क्रिटिक्स पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' को, सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार इरफान खान (पान सिंह तोमर) को, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार दीपिका पादुकोण (कॉकटेल) को दिया गया). अन्य प्रमुख पुरस्कार निम्नलिखित को इस समारोह में प्रदान किए गए–

सर्वश्रेष्ठ फिल्म–बर्फी (निर्देशक अनुराग बसु) (सर्वश्रेष्ठ फिल्म क्रिटिक्स–गैंग्स ऑफ वासेपुर)
सर्वश्रेष्ठ निर्देशक–अनुराग बसु (बर्फी)
सर्वश्रेष्ठ अभिनेता–रणबीर कपूर (बर्फी)
सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री–प्रियंका चोपड़ा (बर्फी)
सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (क्रिटिक्स)–इरफान खान, पान सिंह तोमर
सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (क्रिटिक्स)–दीपिका पादुकोण, कॉकटेल
सर्वश्रेष्ठ डेब्यू (पुरुष)–आयुष्मान खुराना (विकी डोनर)
सर्वश्रेष्ठ डेब्यू (महिला)–हलीमा सिद्दीक (बर्फी)
सर्वश्रेष्ठ डेब्यू निर्देशक–गौरी शिंदे (इंग्लिश विंग्लिश)
सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता–अनु कपूर (विकी डोनर)
सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री–डॉली अहलूवालिया (विकी डोनर)
हास्य भूमिका में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (पुरुष/महिला)–अभिषेक बच्चन (बोल बच्चन)
नेगेटिव भूमिका में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (पुरुष/महिला)–ऋषि कपूर (अग्निपथ)
सर्वश्रेष्ठ संगीतकार–अतुल व अजय (अग्निपथ)
सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक–सोनू निगम (अभी मुझमें कहीं ....., अग्निपथ)
सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका–शाल्मली खोलगड़े (परेशां ....., इशकज़ादे)
सर्वश्रेष्ठ गीतकार–गुलज़ार (सरल ....., जब तक है जान)

शताब्दी फिल्म समारोह

भारतीय सिनेमा के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 6 दिवसीय शताब्दी फिल्म समारोह (Centenary Film Festival) का आयोजन केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में 25–30 अप्रैल, 2013 को किया गया. इसका शुभारम्भ केन्द्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री मनीष तिवारी ने 'भारतीय सिनेमा 100 (शताब्दी जश्न : दृश्य श्रव्य यात्रा)' का उद्घाटन किया. समारोह के प्रारम्भ में मूक फिल्म 'द्वो द डिस्क' का प्रदर्शन 25 अप्रैल को किया गया, जबकि 30 अप्रैल को समारोह के अन्त में दादा साहेब फाल्के के जीवन व दौर के बारे में आमिर रज़ा हुसैन का नाटक दिखाया गया. छह दिन के इस कार्यक्रम के दौरान कुछ महत्वपूर्ण कालजयी फिल्मों का प्रदर्शन किया गया.

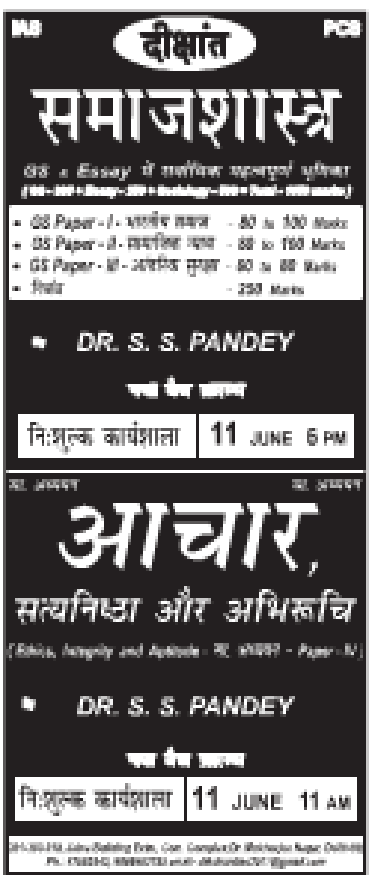

sscexamonline.blogspot.com

ज्ञानपीठ पुरस्कार (2012)

देश का सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान ज्ञानपीठ पुरस्कार वर्ष 2012 के लिए वरिष्ठ तेलुगु लेखक डॉ. रावुरी भारद्वाज को दिया जाएगा. ज्ञानपीठ प्रवर परिषद् की नई दिल्ली में 17 अप्रैल, 2013 को बैठक में 2012 के 48वें ज्ञानपीठ पुरस्कार के लिए उनका चयन किया गया. इस पुरस्कार के तहत 11 लाख रुपए की राशि उन्हें प्रदान की जाएगी. डॉ. रावुरी भारद्वाज के तेलुगु में 37 लघुकथा संग्रह, 17 उपन्यास, तीन निबन्ध संग्रह और 8 नाटक अब तक प्रकाशित हो चुके हैं. इनके अतिरिक्त बच्चों के लिए 14 लघु उपन्यास और पाँच लघुकथा संग्रह भी उन्होंने लिखे हैं.

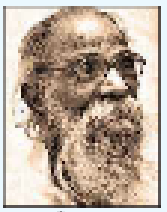

रावुरी भारद्वाज

उल्लेखनीय है कि डॉ. भारद्वाज ने स्वयं कक्षा 8 तक ही औपचारिक रूप से शिक्षा ग्रहण की है, तथापि तीन विश्वविद्यालयों ने डॉक्टरेट की मानद उपाधि से उन्हें सम्मानित किया है. उनके द्वारा रचित पुस्तकें विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल हैं तथा शोध का विषय रही हैं.

पूर्व वर्षों में ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित साहित्यकार

वर्ष	पुरस्कार विजेता	वर्ष	पुरस्कार विजेता
1965	जी. शंकर कुरुप (मलयालम)	1989	कुर्रतुल एन. हैदर (उर्दू)
1966	ताराशंकर बंद्योपाध्याय (बंगला)	1990	विनायक कृष्ण गोकाक (कन्नड़)
1967	(1) के. वी. पुट्टप्पा (कन्नड़)	1991	सुभाष मुखोपाध्याय (बंगला)
	(2) उमाशंकर जोशी (गुजराती)	1992	नरेश मेहता (हिन्दी)
1968	सुमित्रानन्दन पन्त (हिन्दी)	1993	डॉ. सीताकान्त महापात्र (उड़िया)
1969	फिराक गोरखपुरी (उर्दू)	1994	प्रो. यू. आर. राव (कन्नड़)
1970	विश्वनाथ सत्यनारायण (तेलुगु)	1995	एम. टी. वासुदेवन नायर (मलयालम)
1971	बिष्णु डे (बंगला)	1996	श्रीमती महादेवी वर्मा (बंगला)
1972	रामधारी सिंह 'दिनकर' (हिन्दी)	1997	अली सरदार जाफरी (उर्दू)
1973	(1) डी. दत्तात्रेय रामचन्द्र बेन्द्रे (कन्नड़)	1998	गिरीश कर्नाड (कन्नड़)
	(2) गोपीनाथ मोहन्ती (उड़िया)	1999	(1) निर्मल वर्मा (हिन्दी)
1974	विष्णु सखा खाण्डेकर (मराठी)		(2) गुरदयाल सिंह (पंजाबी)
1975	ए. वी. अकिलन्दम (तमिल)	2000	इन्दिरा गोस्वामी (असमिया)
1976	श्रीमती आशापूर्णा देवी (बंगला)	2001	राजेन्द्र केशवलाल (गुजराती)
1977	शिवराम कारन्थ (कन्नड़)	2002	डी. जयकांतन (तमिल)
1978	एस. एच. अज्ञेय (हिन्दी)	2003	विंदा करंदीकर (मराठी)
1979	डॉ. वीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य (असमिया)	2004	रहमान राही (कश्मीरी)
1980	एस. के. पोट्टेकट (मलयालम)	2005	कुँवर नारायण (हिन्दी)
1981	अमृता प्रीतम (पंजाबी)	2006	(1) रवीन्द्र केलकर (कोंकणी)
1982	महादेवी वर्मा (हिन्दी)		(2) सत्यव्रत शास्त्री (संस्कृत)
1983	मस्ति वेंकटेश आयंगर (कन्नड़)	2007	ओ. एन. वी. कुरुप (मलयालम)
1984	तकषी शिवशंकर पिल्लई (मलयालम)	2008	अखलाख मोहम्मद खान (शहरयार)
1985	पन्नालाल पटेल (गुजराती)	2009	अमरकांत व श्रीलाल शुक्ल (दोनों हिन्दी)
1986	सच्चिदानन्द राउतराय (उड़िया)		
1987	वि. वा. शिरवाडकर (मराठी)	2010	चन्द्रशेखर कंबर (कन्नड़)
1988	सी. नारायण रेड्डी (तेलुगु)	2011	प्रतिभा राय (ओड़िया)

मध्य प्रदेश शासन का सुगम संगीत के क्षेत्र का राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान (2011-12)–मध्य प्रदेश शासन का सुगम संगीत के क्षेत्र का राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान प्रसिद्ध पार्श्वगायक हरिहरन को दिया जाएगा. मई 2013 में इंदौर में आयोजित तीन दिवसीय समारोह में दो लाख रुपए का यह पुरस्कार उन्हें प्रशस्ति-पत्र के साथ दिया जाएगा.

हरिहरन 28वें ऐसे कलाकार हैं, जिन्हें मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग का यह राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार दिया जाएगा. [illegible]1 में स्थापित इस राष्ट्रीय अलंकरण से पूर्व वर्षों में नौशाद, किशोर कुमार व आशा भोंसले सहित 27 कलाकारों को सम्मानित किया जा चुका है.

पुलित्जर पुरस्कार (2013)

पत्रकारिता व अन्य क्षेत्रों के वर्ष 2013 के पुलित्जर पुरस्कारों की घोषणा अमरीका के कोलम्बिया विश्वविद्यालय द्वारा 15 अप्रैल, 2013 को की गई. पत्रकारिता पुरस्कारों में सर्वाधिक 4 पुरस्कार न्यूयॉर्क टाइम्स को प्राप्त हुए. इनमें इन्वेस्टीगेटिव रिपोर्टिंग, एक्सप्लेनेटरी रिपोर्टिंग, इंटरनेशनल रिपोर्टिंग व फीचर राइटिंग के पुरस्कार शामिल हैं. जनसेवा का पुलित्जर फोर्ट लाउडरडेल के सन सेंटीनल को दिया गया. एडम जॉनसन द्वारा रचित 'द आर्फन मास्टर्स सन' के लिए फिक्शन का तथा गिलबर्ट किंग द्वारा रचित 'डेविल इन द ग्रोव' के लिए जनरल नॉन फिक्शन श्रेणी का पुलित्जर प्रदान किया गया. पुरस्कारों की पूरी सूची निम्नलिखित है–

पत्रकारिता

जनसेवा (Public Service)–फोर्ट लाउडरडेल (सन सेंटीनेल)

ब्रेकिंग न्यूज रिपोर्टिंग–डेनवर पोस्ट का स्टाफ

इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्टिंग–न्यूयॉर्क टाइम्स (डेविड बर्सटोव व अन्य)

एक्सप्लेनेटरी रिपोर्टिंग–न्यूयॉर्क टाइम्स का स्टाफ

लोकल रिपोर्टिंग–स्टार ट्रिब्यून (ब्रैड ग्राडे व अन्य)

नेशनल रिपोर्टिंग–इनसाइड क्लाइमेट न्यूज (लिसा सॉन व अन्य)

इंटरनेशनल रिपोर्टिंग–न्यूयॉर्क टाइम्स (डेविड बारबोजा)

फीचर राइटिंग–न्यूयॉर्क टाइम्स (जॉन ब्रांच)

कमेंट्री–वॉल स्ट्रीट जर्नल (ब्रेट स्टीफेंस)

क्रिटिसिज़्म–वाशिंगटन पोस्ट (फिलिप केनिकॉट)

एडिटोरियल राइटिंग–टाम्पा बे टाइम्स (टिम निकेल्स व डेनियल रूथ)

एडिटोरियल कार्टूनिंग–स्टार ट्रिब्यून (स्टीव सेक)

ब्रेकिंग न्यूज फोटोग्राफी–एसोसिएटेड प्रेस की टीम

फीचर फोटोग्राफी–एजेंसी फ्रांस प्रेस

लेटर्स, ड्रामा एवं संगीत

फिक्शन–द आर्फन मास्टर्स सन (लेखक–एडम जॉनसन)

ड्रामा–डिस्प्रेस्ड (अयाद अख्तर)

हिस्ट्री–एम्पायर्स ऑफ वार : द फॉल ऑफ द एम्पायर एण्ड द मेकिंग ऑफ अमेरिकास वियतनाम (लेखक–फ्रेड्रिक लोगेवाल)

बायोग्राफी–द ब्लैक काउंट : ग्लोरी, रिवोल्यूशन, बिट्रेयल एण्ड द रॉयल काउंट ऑफ मोंट क्रिस्टो (लेखक–टॉम रीस)

पोएट्री–स्टेन्स लीथ (रचयिता शेरॉन ओल्ड्स)

जनरल नॉनफिक्शन–डेविल इन द ग्रोव (गिलबर्ट किंग)

संगीत–परटीटा कॉर 8 वॉइसेज

sscexamonline.blogspot.com

दादा साहेब फाल्के पुरस्कार (2012)

भारतीय सिनेमा में उल्लेखनीय समग्र योगदान के लिए पूर्व वर्षों के जाने-माने अभिनेता प्राण को देश का सिनेमा जगत् का सर्वोच्च दादा साहेब फाल्के पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने 12 अप्रैल, 2013 को की थी. 93 वर्षीय प्राण, जिनका पूरा नाम प्राण कृष्ण सिकंद है, को यह पुरस्कार 3 मई, 2013 को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के साथ ही दिया गया. इस पुरस्कार के तहत् प्रशस्ति-पत्र के साथ ₹ 10 लाख की राशि उन्हें प्रदान की गई है.

प्राण

दमदार खलनायक के रूप में सिनेमा जगत् में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाले प्राण ने लगभग 350 फिल्मों में भूमिकाएं निभाई हैं. 1940 में निर्मित यमला जट (पंजाबी) उनकी पहली फिल्म थी. राम और श्याम, उपकार, खानदान, जिस देश में गंगा बहती है, पूरब और पश्चिम, जंजीर, कर्ज व जॉन, आदि फिल्मों में उनकी भूमिकाएं अविस्मरणीय रहीं. 1997 में फिल्मफेयर पुरस्कारों में लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार उन्हें प्रदान किया गया था. 2001 में उन्हें पद्मभूषण से सम्मानित किया गया था.

पूर्व वर्षों में दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित हस्तियाँ

1969–श्रीमती देविका रानी	1984–सत्यजीत रे	1998–बी. आर. चोपड़ा
1970–बी. एन. सरकार	1985–वी. शांताराम	1999–हृषिकेश मुखर्जी
1971–पृथ्वीराज कपूर	1986–बी. नागी रेड्डी	2000–आशा भोंसले
1972–पंकज मलिक	1987–राजकपूर	2001–यश चोपड़ा
1973–सुलोचना रूबी मायर	1988–अशोक कुमार	2002–देवानन्द
1974–बी. एन. रेड्डी	1989–लता मंगेशकर	2003–मृणाल सेन
1975–धीरेन गांगुली	1990–ए. नागेश्वर राव	2004–अडूर गोपालकृष्णन
1976–कानन देवी	1991–भालजी पेंढारकर	2005–श्याम बेनेगल
1977–नितिन बोस	1992–भूपेन हजारिका	2006–तपन सिन्हा
1978–आर. सी. बोराल	1993–मजरूह सुल्तानपुरी	2007–मन्ना डे
1979–सोहराब मोदी	1994–दिलीप कुमार	2008–बी. के. मूर्ति
1980–पी. जयराज	1995–डॉ. राजकुमार	2009–डॉ. रामानायडू
1981–नौशाद अली	1996–शिवाजी गणेशन	2010–के. बालाचंदर
1982–एल. वी. प्रसाद	1997–कवि प्रदीप (रामचन्द्र नारायण द्विवेदी)	2011–सौमित्र चटर्जी
1983–दुर्गा खोटे		

दादा साहेब फाल्के अकादमी का फाल्के रत्न पुरस्कार (2013)–मुम्बई स्थित दादा साहेब फाल्के अकादमी के वर्ष 2013 के लिए 13वें वार्षिक पुरस्कारों का वितरण मुम्बई में 30 अप्रैल, 2013 को एक समारोह में किया गया. सिनेमा जगत् की अनेक हस्तियों को विभिन्न पुरस्कार इस समारोह में प्रदान किए गए. अकादमी का सर्वोच्च फाल्के रत्न पुरस्कार सुप्रसिद्ध पार्श्व गायिका आशा भोंसले को दिया गया.

इससे पूर्व 2012 में यह पुरस्कार अमिताभ बच्चन को, 2011 में धर्मेन्द्र को, 2010 में अभिनेता देवानन्द को, 2009 में मनोज कुमार को तथा 2008 में यह पुरस्कार अभिनय सम्राट् दिलीप कुमार को दिया गया था. यह पुरस्कार भारत सरकार द्वारा दिए जाने वाले दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से भिन्न है. सिनेमा में समग्र योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा दिया जाने वाला दादा साहेब फाल्के पुरस्कार देश में सिनेमा जगत् का सर्वोच्च पुरस्कार है, जो बीते वर्षों के स्टार प्राण को वर्ष 2012 के लिए दिया गया है.

निधन
(Death)

मारग्रेट थैचर–ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री मारग्रेट थैचर (Margaret Thatcher) का 87 वर्ष की आयु में 8 अप्रैल, 2013 को लंदन में निधन हो गया. ब्रिटेन की लौह महिला के रूप में विख्यात कंजरवेटिव नेता मारग्रेट थैचर कई महत्वपूर्ण पद सँभालने के पश्चात् 1979–90 के दौरान ब्रिटेन की प्रधानमंत्री रही थीं. ब्रिटेन की एकमात्र महिला प्रधानमंत्री रही मारग्रेट थैचर ने अपने शासनकाल में मुक्त बाजार आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. उनकी सरकार ने कई सरकारी औद्योगिक इकाइयों का निजीकरण किया. फॉकलैण्ड द्वीप समूह को लेकर 1982 में अर्जेन्टीना के साथ ब्रिटेन का युद्ध उनके प्रधानमंत्री काल में ही लड़ा गया था. बीसवीं सदी में सबसे लम्बे समय तक प्रधानमंत्री का पद सँभालने वाली मारग्रेट थैचर के अंतिम संस्कार के समय (17 अप्रैल, 2013 को) उनके सम्मान में लंदन की ऐतिहासिक 'बिग बेन' की सुइयाँ रोक दी गई थीं. 1859 ई. में बनी बिग बेन के इतिहास में यह तीसरा अवसर था जब उसकी सुइयों को ठहराया गया. पहली बार प्रथम विश्व युद्ध के समय जर्मनी के आक्रमण से बचाने के लिए इस घड़ी को काला कर दिया गया था तथा दूसरी बार विंस्टन चर्चिल के निधन पर शोक स्वरूप इसे रोका गया था.

मारग्रेट थैचर

वी. एस. रमादेवी–देश की एकमात्र महिला मुख्य चुनाव आयुक्त रहीं वी. एस. रमादेवी का 79 वर्ष की आयु में 17 अप्रैल, 2013 को बंगलुरु में हृदयाघात से निधन हो गया. वृद्धावस्था के बावजूद वह एक सक्रिय जीवन जी रही थीं. 26 नवम्बर, 1990 से 11 दिसम्बर, 1990 तक वह देश की मुख्य चुनाव आयुक्त रहीं थीं. मुख्य चुनाव आयुक्त नियुक्त होने वाली वह एकमात्र महिला थीं. उनके बाद टी.एन. शेषन इस पद पर नियुक्त किए गए

वी. एस. रमादेवी

आदर्श IAS
UPSC के नए पाठ्यक्रम के आधार पर सामान्य अध्ययन की सम्पूर्ण तैयारी पूरी प्रतिस्पर्धा के साथ कराने वाला एकमात्र संस्थान
• सामान्य अध्ययन (Foundation Course)
• CSAT
(डॉ. उदयभान सिंह एवं टीम के साथ)
उपलब्ध वैकल्पिक विषय
* लोक प्रशासन
* भूगोल
* समाजशास्त्र
पत्राचार आदेश
बैच आरंभ जून में
Ph.:011-65298485,9310810485

sscexamonline.blogspot.com

थे. रमादेवी 1997 से 1999 के दौरान हिमाचल प्रदेश की तथा 1999 से 2002 के दौरान कर्नाटक की राज्यपाल भी रही थीं.

मस्तराम कपूर–वरिष्ठ समाजवादी चिंतक व लेखक मस्तराम कपूर का 87 वर्ष की आयु में 2 अप्रैल, 2013 को नई दिल्ली में निधन हो गया. समाजवादी चिंतन के साथ ही कहानी, कविता, निबंध व बाल साहित्य की अनेक पुस्तकों के लेखन के अतिरिक्त राम मनोहर लोहिया की जीवनी के अंग्रेजी व हिन्दी में नौ खण्डों के सम्पादन का महत्वपूर्ण कार्य किया था. अनेक पुरस्कारों से सम्मानित मस्तराम कपूर को निधन से लगभग एक सप्ताह पूर्व 23 मार्च, 2013 को उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने सर्वोच्च यशभारती सम्मान से सम्मानित किया था.

आर. पी. गोयनका–प्रसिद्ध उद्योगपति राम प्रसाद गोयनका का 83 वर्ष की आयु में

आर. पी. गोयनका

14 अप्रैल, 2013 को कोलकाता में निधन हो गया. उनके द्वारा 1979 में स्थापित आरपीजी एंटरप्राइसेज के कारोबारों में, टायर्स, फिलिप्स कार्बन ब्लैक, एशियन केबल्स, अगरपाड़ा जूट मिल व गर्की इंडिया शामिल हैं. पूर्व वर्षों में वह राज्य सभा के सदस्य तथा उद्योग व्यापार जगत के संगठन–'फिक्की' (FICCI) व एशिया पैसिफिक चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष भी रह चुके थे. उनके द्वारा स्थापित आरपीजी एंटरप्राइजेज ने कई कम्पनियों का अधिग्रहण 1980 के दशक में किया था, जिससे वह 'टेकओवर किंग' के नाम से विख्यात हो गए थे. अपनी अलग पहचान बनाने के लिए उनके एक पुत्र संजीव गोयनका ने आरपीजी संजीव गोयनका ग्रुप का गठन 2011 में किया था, जबकि दूसरे पुत्र हर्षवर्द्धन गोयनका आरपीजी ग्रुप के चेयरमैन बने रहे थे. आरपी गोयनका दोनों समूहों के मानद चेयरमैन थे.

शकुंतला देवी–प्रसिद्ध गणितज्ञ शकुंतला देवी का 80 वर्ष की आयु में 21

शकुंतला देवी

अप्रैल, 2013 को बंगलुरू में निधन हो गया. अपनी अद्भुत गणनात्मक क्षमता के चलते वह 'ह्यूमन कम्प्यूटर' के रूप में विख्यात थीं. इसके लिए गिनीज बुक में उनका नाम दर्ज किया गया था. अंक सम्बन्धी [illegible] पुस्तकें भी उन्होंने लिखी थीं. इनमें 'फन विद नम्बर्स', 'एस्ट्रोलॉजी फॉर यू' व 'पजल्स टु पजल यू' आदि शामिल हैं.

लालगुडी जयरामन–प्रसिद्ध वायलिन गुरु लालगुडी जी जयरामन का 22 अप्रैल, 2013 को चेन्नई में निधन हो गया. वह 82 वर्ष के थे.

जे. एस. वर्मा–भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जे. एस. वर्मा का 22

जे. एस. वर्मा

अप्रैल, 2013 को नई दिल्ली में निधन हो गया. वह 25 मार्च, 1997 से 17 जनवरी, 1998 के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश रहे थे. 16 दिसम्बर, 2012 को नई दिल्ली में चलती बस में छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना के पश्चात महिलाओं की सुरक्षा से सम्बन्धित कानूनों की समीक्षा कर उनमें सुधारों के लिए सुझाव देने के लिए गठित समिति के अध्यक्ष वह रहे थे.

शमशाद बेगम–बीते वर्षों की जानी-मानी गायिका शमशाद बेगम का 94 वर्ष की

शमशाद बेगम

आयु में 24 अप्रैल, 2013 को मुम्बई में निधन हो गया. 14 अप्रैल, 1919 को अमृतसर में जन्मी शमशाद बेगम ने खजांची (1941), तकदीर (1943), अनमोल घड़ी (1946), दुलारी (1949), दीदार (1951), आन (1952), बाबुल (1954), मदर इंडिया (1957) व मुगल-ए-आजम (1960) जैसी हिट फिल्मों के लिए गीत गाए थे. उनके गाए गीतों में मेरे पिया गए रंगून ..... (पतंगा), छोड़ बाबुल का घर ..... (बाबुल), दिया दिल में आना रे ..... (बहार), कभी आर कभी पार ..... (आर पार), रेशमी सलवार कुर्ता ..... (नया दौर), कहीं पे निगाहें ..... (सीआईडी), ले के पहला पहला प्यार ..... (सीआईडी), होली आई रे कन्हाई ..... (मदर इंडिया), ओ गाड़ी वाले गाड़ी धीरे ..... (मदर इंडिया), तेरी महफिल में ..... (मुगल-ए-आजम) व कजरा मुहब्बत वाला ..... (किस्मत) आदि अत्यधिक लोकप्रिय हुए थे.

सरबजीत सिंह–पाकिस्तान की कोट लखपत जेल (सेंट्रल जेल लाहौर) में विगत लगभग 23 वर्षों से कैद भारत के सरबजीत सिंह का गम्भीर रूप से घायल होने के बाद लाहौर स्थित जिन्ना अस्पताल में 2 मई, 2013 को निधन हो गया. 26 अप्रैल, 2013 को जेल में ही अन्य कैदियों ने 49 वर्षीय सरबजीत को ईंटों व लोहे की सरियों से पीट-पीटकर गम्भीर रूप से घायल कर दिया था, जिसके बाद वह कोमा में चले गए थे.

भारत-पाक सीमा पर स्थित भिखीविंड (जिला तरनतारन, पंजाब) के निवासी सरबजीत सिंह को पाकिस्तानी सीमा में 28 अगस्त, 1990 को गिरफ्तार किया गया था. जासूसी करने तथा लाहौर व फैसलाबाद में हुए बम धमाकों के मामले में लाहौर की एक अदालत ने उन्हें मौत की सजा 1991 में सुनाई थी, जिसकी पुष्टि बाद में उच्च न्यायालय व सर्वोच्च न्यायालय द्वारा भी की गई. भारत सरकार के हस्तक्षेप पर उनकी फाँसी की सजा पर पाकिस्तान सरकार ने अनिश्चित रोक 2008 से लगाई हुई थी. जेल से उनकी रिहाई के लिए उनकी बड़ी बहन दलबीर कौर ने राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मुहिम लम्बे समय से चलाई हुई थी.

वर्ष/दिवस/सप्ताह
(Year/Days/Week)

1 अप्रैल–उड़ीसा दिवस

3 अप्रैल–हिन्दी रंगमंच दिवस

4 अप्रैल–खान (Mine) जागरूकता हेतु अन्तर्राष्ट्रीय दिवस

5 अप्रैल–राष्ट्रीय नौवहन दिवस (National Maritime Day)

(5 अप्रैल, 1919 को भारत के पहले मर्चेन्टशिप एस. एस. लॉयल्टी ने मुम्बई से लन्दन के लिए अपनी पहली यात्रा शुरू की थी. उसकी स्मृति में इस दिन को राष्ट्रीय नौवहन दिवस स्वीकार किया गया है.)

5 अप्रैल–समता दिवस

(दिवंगत पूर्व उपप्रधानमंत्री बाबू जगजीवनराम का जन्म दिवस)

7 अप्रैल–विश्व स्वास्थ्य दिवस

(वर्ष 2013 में विश्व स्वास्थ्य दिवस का थीम था–High Blood Pressure)

10 अप्रैल–विश्व होम्योपैथी दिवस

(होम्योपैथी के जर्मन जनक क्रिश्चियन हैनीमन का जन्म-दिवस)

10 अप्रैल–सार्वजनिक क्षेत्र दिवस (Public Sector Day)

11 अप्रैल–राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस

(श्रीमती कस्तूरबा गांधी की जयंती 11 अप्रैल को राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व-दिवस के रूप में वर्ष 2003 से मनाई जा रही है.)

sscexamonline.blogspot.com

14 अप्रैल–अम्बेडकर जयंती

(भारतरत्न बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की 122वीं जयन्ती 14 अप्रैल, 2013 को देशभर में मनाई गई)

14 अप्रैल–अग्निशमन सेवा दिवस

14–20 अप्रैल–अग्निशमन सप्ताह

15 अप्रैल–महिला बचत दिवस

(राष्ट्रीय बचत संस्थान के तत्वावधान में)

15 अप्रैल–हिमाचल दिवस

(15 अप्रैल, 1948 को 30 पहाड़ी रियासतों के विलय से हिमाचल प्रदेश अस्तित्व में आया था. 15 अप्रैल, 2013 को इस प्रदेश का 66वाँ स्थापना दिवस मनाया गया.)

18 अप्रैल–आजाद हिन्द फौज दिवस

18 अप्रैल–विश्व विरासत दिवस (World Heritage Day)

(इस दिन को International Day for Monuments and Sites के रूप में भी जाना जाता है.)

21 अप्रैल–सिविल सर्विस डे

22 अप्रैल–पृथ्वी दिवस

23 अप्रैल–विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस

24 अप्रैल–राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस

26 अप्रैल–विश्व बौद्धिक सम्पदा अधिकार दिवस

पुस्तकें
(Books)

राइटियस रिपब्लिक (Righteous Republic) – अनन्या वाजपेयी

द पॉवर ऑफ प्रॉमिस (The Power of Promise) –एम. बी. रमाना

ऑन वार्न (On Warne) –गिडियन हेग

वॉकिंग विद लायंस (Walking with Lions) –के. नटवर सिंह

नरेन्द्र मोदी : द मैन ऑफ द टाइम्स (Narendra Modi : The Man of the Times) –निलंजन मुखोपाध्याय

समिति/आयोग
(Committee/Commission)

मुकुल मुद्गल समिति के कार्यकाल में एक माह की वृद्धि–कालमार्ट द्वारा लॉबिंग के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए जाने से सम्बन्धित मीडिया रिपोर्टों की जाँच के लिए गठित मुकुल मुद्गल समिति के कार्यकाल में एक माह की वृद्धि सरकार ने अप्रैल 2013 में की है. पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति [illegible] मुद्गल को 1 मई, 2013 तक अपनी रिपोर्ट सौंपने को पहले कहा गया था. इस समय सीमा को बढ़ाकर 31 मई, 2013 किया गया है.

ऑपरेशन/अभियान
(Operation/Expedition)

भारतीय नौसेना का 'सागर परिक्रमा-2' अभियान

2009-10 के दौरान सागर परिक्रमा-1 अभियान की सफलता के पश्चात् भारतीय नौसेना का सागर परिक्रमा-2 अभियान भी अब 6 अप्रैल, 2013 को पूरा हुआ है. इस अभियान के तहत नौसेना के जांबाज लेफ्टिनेंट कमांडर अभिलाष टोमी ने आईएनएसवी महादेई (Indian Navy Sailing Vessel Mhadei) नाव पर सवार होकर अकेले ही बिना रुके पूरे विश्व का चक्कर 6 माह में पूरा किया है. ले. कमांडर टोमी ने अपनी यह साहसिक यात्रा 1 नवम्बर, 2012 को मुम्बई से शुरू की थी. इस दौरान केप लीयूविन (Cape Leeuwin, ऑस्ट्रेलिया), केप हॉर्न (चिली) व केप ऑफ गुड होप (द. अफ्रीका) से गुजरते हुए लगभग 41,000 किमी की यात्रा पूरी करके मुम्बई में उनकी वापसी 6 अप्रैल, 2013 को हुई. 6 अप्रैल, 2013 को अभियान के औपचारिक समापन समारोह में राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी भी उपस्थित थे.

उल्लेखनीय है कि बिना बाह्य सहायता के बिना अकेले ही किसी नौका द्वारा विश्व भ्रमण करने का श्रेय लगभग 80 व्यक्तियों को प्राप्त है तथा ले. कमांडर अभिलाष टोमी ऐसी उपलब्धि वाले पहले भारतीय हैं.

ज्ञातव्य है कि नौसेना के पहले सागर परिक्रमा अभियान (सागर परिक्रमा-1) के तहत कमांडर दिलीप डोंडे ने आईएनएसवी महादेई पर ही अकेले विश्व परिक्रमा 19 अगस्त, 2009 से 22 मई, 2010 को पूरी की थी. 277 दिन की इस यात्रा में 165 दिन उन्होंने समुद्र में यात्रा करते हुए व्यतीत किए थे तथा अपनी इस पूरी यात्रा के दौरान आस्ट्रेलिया में फ्रेमैंटल, न्यूजीलैण्ड में ब्लाइस्ट बर्ब, दक्षिण अमरीका में पोर्ट स्टेनली तथा द. अफ्रीका में केपटाउन में रुक चुके थे. सागर परिक्रमा-II के दौरान कमांडर टोमी ने यात्रा के पूरे 156 दिन समुद्र में ही बिना कहीं रुके व्यतीत किए हैं.

दुर्घटनाएं
(Accidents)

ईरान में भीषण भूकम्प–ईरान 16 अप्रैल, 2013 को भूकम्प का शिकार बना. रिक्टर स्केल पर 7·8 तीव्रता वाले इस भूकम्प का केन्द्र ईरान-पाकिस्तान सीमा पर भूतल से लगभग 15 किमी अन्दर था. ईरान में विगत 5 दशकों में यह सबसे भीषण भूकम्प था, किन्तु प्रभावित क्षेत्र में जन-घनत्व बहुत कम होने के कारण कोई विशेष जनहानि इससे नहीं हुई. मीडिया रिपोर्टों में ईरान व पाकिस्तान में सौ से अधिक लोगों की मौत की बात कही है. भूकम्प के झटके उत्तर भारत में भी कई स्थानों पर महसूस किए गए.

चीन में भूकम्प से डेढ़ सौ से अधिक लोगों की मृत्यु–चीन के सिचुआन (Sichuan) प्रान्त में एक दुर्गम व पहाड़ी इलाके में 20 अप्रैल, 2013 को आए भीषण भूकम्प से डेढ़ सौ से अधिक लोग मारे गए तथा 5 हजार से अधिक घायल हुए. रिक्टर पैमाने पर 6·6 तीव्रता वाले इस भूकम्प का केन्द्र यान शहर में लगभग 13 किमी गहराई पर था. इसी क्षेत्र के निकट 2008 में आए भूकम्प में लगभग 70 हजार लोग मारे गए थे.

ढाका में पुरानी इमारत ढहने से सौ से अधिक लोग दब कर मरे–बांग्लादेश की राजधानी ढाका के बाहरी इलाके में 24 अप्रैल, 2013 को वर्षों पुरानी एक इमारत ध्वस्त हो जाने से 100 से अधिक लोग

शेष पृष्ठ 1893 पर

Read UPKAR'S
Hand Book of
ENGLISH VERB PATTERNS AND SENTENCE STRUCTURES
(Through English-Hindi Medium)

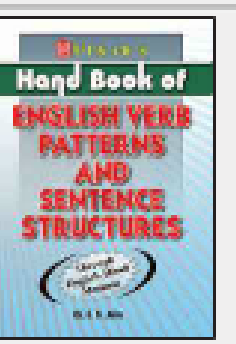

By : Dr. B. B. Jain
Code No. 1589 ₹ 125/-
UPKAR PRAKASHAN, AGRA-2
● E-mail : publisher@upkar.in
● Website : www.upkar.in

sscexamonline.blogspot.com

एथलेटिक्स

बोस्टन मैराथन—15 अप्रैल, 2013 को अमरीका में सम्पन्न 117वीं बोस्टन मैराथन दौड़ में इथियोपिया के लेलिसा देसिसा और कीनिया की रीता जेपतो ने क्रमशः पुरुष एवं

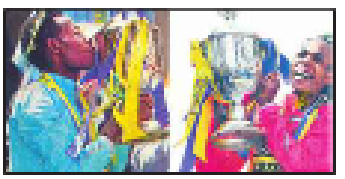

बोस्टन मैराथन में अपनी-अपनी विजेता ट्रॉफियों के साथ इथियोपिया के लेलिसा (बाएं) और कीनिया की रीता

महिला वर्ग में पहले स्थान प्राप्त किए. लेलिसा ने जहाँ 2 घण्टे 10·22 मिनट में यह रेस पूरी की, वहीं रीता ने 2 घण्टे 26·25 मिनट के साथ पहला स्थान पाया. पुरुष वर्ग में केन्या के मिकाइ कोगे (2·10·27) दूसरे इथियोपिया के जी. गेबरेमेरियम (2·10·28) तीसरे स्थान पर रहे. महिला वर्ग में इथियोपिया की मेसरेत हेलू ने 2 घण्टे 26·58 मिनट के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया. केन्या की हेरीन चेरोप (2·27·01) इस दौड़ में तीसरे स्थान पर रहीं. **विश्व की सबसे पुरानी मैराथन दौड़ों में गिनी जाने वाली बोस्टन मैराथन दौड़ में फिनिश लाइन के निकट दो आतंकी विस्फोट भी इस वर्ष हुए.**

लंदन मैराथन—अमरीका में बोस्टन मैराथन के आयोजन के एक सप्ताह पश्चात् ही लंदन मैराथन दौड़ का आयोजन 21 अप्रैल, 2013 को हुआ. इस दौड़ में पुरुष वर्ग में इथियोपिया के लेगावे केबडे व महिला वर्ग में ओलम्पिक रजत पदक विजेता कीनिया की प्रिस्का जेपटू विजेता रहे. वर्ष 2010 में भी विजेता रहे केबडे ने 42·195 किमी की यह दौड़ पूरी करने में 2 घण्टे 6 मिनट व 4 सेकण्ड लिए, जबकि जेपटू ने यह दौड़ 2 घण्टे 20 मिनट 15 सेकण्ड में पूरी की. कीनिया के एमानुल मुतई व इथियोपिया के आयेले एब्बेरो पुरुषों में क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे. महिलाओं में दूसरा व तीसरा स्थान क्रमशः एदना किपागत (कीनिया) व यूकिको अबाबा (जापान) ने प्राप्त किया.

फेडरेशन कप एथलेटिक्स : ओवर-ऑल चैम्पियनशिप ओएनजीसी के नाम—पटियाला में 24–26 अप्रैल, 2013 को सम्पन्न 17वीं फेडरेशन कप एथलेटिक्स में सर्वाधिक 177 अंकों के साथ ओवरऑल चैम्पियनशिप ओएनजीसी के नाम रही. 113 अंकों के साथ केरल का इसमें दूसरा स्थान रहा. पुरुष व महिला, दोनों ही वर्गों में ओएनजीसी ने पहला स्थान प्राप्त किया. पुरुषों में तमिलनाडु का व महिलाओं में केरल का दूसरा स्थान रहा. **तिहरी कूद में स्वर्ण पदक जीतने वाले अरपिंदर सिंह पुरुषों में तथा 400 मीटर में स्वर्ण जीतने वाली एम. आर. पूर्वम्मा को महिलाओं में सर्वश्रेष्ठ एथलीट घोषित किया गया.** इस आयोजन की विभिन्न स्पर्द्धाओं में स्वर्ण पदक जीतने वाले एथलीटों के नाम बॉक्स में दर्शाए गए हैं—

अदिले सुमरीवाला भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष पुनर्निर्वाचित—महाराष्ट्र एथलेटिक संघ के अध्यक्ष अदिले सुमरीवाला (Adile Sumariwalla) भारतीय एथलेटिक महासंघ (Athletics Federation of India—AFI) के अध्यक्ष सर्वसम्मति से पुनर्निर्वाचित हुए हैं. इसी के साथ सी. के. वाल्सन इस महासंघ के महासचिव डब्ल्यू. आई दयाराम वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा पी. के. श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष पुनर्निर्वाचित हुए हैं. महासंघ की आम सभा की नई दिल्ली में 13 अप्रैल, 2013 को सम्पन्न बैठक में उनके यह चुनाव निर्विरोध हुए हैं. महासंघ के विभिन्न पदों के लिए चुनाव मार्च 2012 में मनेसर में हुआ था, जिसमें चुने गए पदाधिकारियों में उपर्युक्त पदाधिकारी भी शामिल थे, किन्तु खेल मंत्रालय ने उन चुनावों को मान्यता प्रदान नहीं की थी तथा अप्रैल 2013 तक दोबारा चुनाव कराने को कहा था. नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का इन पदों पर कार्यकाल 2016 तक रहेगा.

फेडरेशन कप एथलेटिक्स चैम्पियनशिप
(24–26 अप्रैल, 2013, पटियाला)
विभिन्न स्पर्द्धाओं के विजेता

स्पर्द्धा	पुरुष वर्ग	महिला वर्ग
100 मीटर		
200 मीटर	मनिकानंद राजू 21·41	आशा राय 23·70
400 मीटर	एरोकिया राजीव 46·57	एम. आर. पूर्वम्मा 52·75
800 मीटर	मंजीत सिंह 1 : 48·48	सिनिमोल पौलुस 2 : 08·04
1500 मीटर	रंजन कारिअप्पा 3 : 48·26	—
5000 मीटर	—	ओ. पी. जैशा 16 : 39·43
10000 मीटर	सुरेश कुमार 29 : 40·61	—
100 मी बाधा	—	हेमा श्री 14·37
110 मी बाधा	सिद्धान्त थिंगलया 13·84	—
400 मी बाधा	सर्विंदर सिंह 51 : 00	आर. इलाक्करसी 1 : 00·10
4 x 100 मीटर	आन्ध्र प्रदेश	छत्तीसगढ़
4 x 400 मीटर	तमिलनाडु	ओएनजीसी
3000 मीटर स्टीपल चेज	जयवीर 8 : 57·86	सुधा सिंह 10 : 13·83*
20 किमी पैदल चाल	बबू भाई पनूचा 1 : 2 : 36	खुशबीर कौर 1 : 38·03
ऊँची कूद	सिखिल विततसु 2·19 मी	—
लम्बी कूद	अंकित शर्मा 7·91 मी	मधुरा जॉनी 6·16 मी
तिहरी कूद	—	मधुरा जॉनी 13·46 मी
डिस्कस थ्रो	—	कृष्णा पूनिया 57·25 मी
हैमर थ्रो	पी. बंदोला 65·88 मी	गुरजन सिंह 57·80
जेवेलिन थ्रो	विपिन कसाना 75·80 मी	—
शॉट पुट	ओम प्रकाश सिंह 18·91 मी	नेहा सिंह 13·63 मी
पोल वॉल्ट	प्रदीप कुमार 4·80 मी	—
हेप्टाथलन	—	सुष्मिता सिंह रॉय 5080 अंक
डेकाथलन	के. दिलीप कुमार 6546 अंक	—
मैराथन	—	—

* नया मीट रिकॉर्ड, नया राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय रिकॉर्ड

sscexamonline.blogspot.com

क्रिकेट

एशिया कप 2014 की मेजबानी बांग्लादेश को–वर्ष 2014 के एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेन्ट की मेजबानी बांग्लादेश को ही सौंपी गई है. इससे पूर्व 2012 के इस टूर्नामेन्ट का आयोजन भी बांग्लादेश में हुआ था. लगातार दूसरी बार इस टूर्नामेन्ट की मेजबानी उसे सौंपने का फैसला एशियाई क्रिकेट परिषद् की अप्रैल 2013 में कुआलालम्पुर (मलेशिया) में सम्पन्न बैठक में किया गया.

काउंटी क्रिकेट में एक ओवर में 6 छक्के

एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट, ट्वेंटी-20 क्रिकेट व प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक ओवर 6-6 छक्के लगाए जाने की घटनाएं पहले घट चुकी हैं. अब इंगलैण्ड के काउंटी क्रिकेट में भी एक ओवर में छः छक्के लगाने का कारनामा लंकाशायर के 22 वर्षीय बल्लेबाज जॉर्डन क्लार्क ने अप्रैल 2013 में कर दिखाया है. क्लार्क ने 25 अप्रैल, 2013 को लंदन में यार्कशायर के स्पिन गेंदबाज युस्मान रंधावा के ओवर में यह उपलब्धि हासिल की.

जॉर्डन क्लार्क : एक ओवर में 6 छक्के

ज्ञातव्य है कि ट्वेंटी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक ही ओवर की सभी छह गेंदों पर छक्के लगाने वाले एकमात्र बल्लेबाज युवराज सिंह हैं. भारत के युवराज सिंह ने 19 सितम्बर, 2007 को डरबन में पहले टी-20 विश्व कप के एक मैच में इंगलैण्ड के स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में सभी छह गेंदों पर छक्के लगाए. एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक ओवर में छह छक्के लगाने वाले एकमात्र बल्लेबाज हर्शेल गिब्स हैं. दक्षिण अफ्रीका के गिब्स ने वेस्टइण्डीज की मेजबानी में खेले गए विश्व कप 2007 के एक मैच में हॉलैण्ड के डी वाग बुंगे के ओवर में छह छक्के 16 मार्च, 2007 को सेंट किट्स में लगाए थे. प्रथम श्रेणी क्रिकेट में यह कारनामा रवि शास्त्री व सर गैरी सोबर्स ने दिखाया है. वेस्टइण्डीज के सोबर्स ने 1968 में व भारत के रवि शास्त्री ने यह उपलब्धि 1983 में (बड़ोदरा में रणजी ट्रॉफी के एक मैच में तिलक राज के ओवर में) प्राप्त की थी.

फुटबॉल

अनादी बरूआ भारत की महिलाओं की फुटबॉल टीम के मुख्य कोच–भारत के अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी अनादी बरूआ, जिन्हें जनवरी 2014 में भारत की महिला फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था, का इस पद पर कार्यकाल मई 2014 तक बरकरार रखने की घोषणा भारतीय फुटबॉल महासंघ (AIFF) ने मार्च 2013 के अन्त में की है.

ज्ञातव्य है कि भारत की पुरुषों की फुटबॉल टीम के मुख्य कोच नीदरलैण्ड्स के किन कोवरमैंस (Kin Koevermans) हैं.

हॉकी

ग्रेग क्लार्क भारत की जूनियर हॉकी टीम के नए कोच–दक्षिण अफ्रीका के पूर्व ओलम्पियन ग्रेग क्लार्क भारत की जूनियर पुरुष हॉकी टीम का कोच अप्रैल 2013 में नियुक्त किए गए हैं. ज्ञातव्य है कि भारत की पुरुषों की सीनियर हॉकी टीम के कोच आस्ट्रेलिया के माइकल नॉक्स हैं, जबकि महिला हॉकी टीम के कोच आस्ट्रेलिया के ही नील हाबगुड हैं.

राष्ट्रीय सीनियर महिला हॉकी–30 अप्रैल, 2013 को लखनऊ में रेलवे की टीम

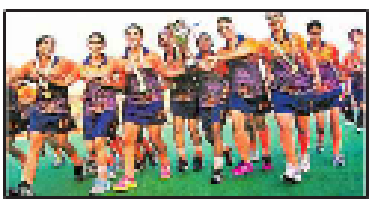

हॉकी की विजेता हरियाणा टीम का उल्लास

को फाइनल में 4–1 से हराकर हरियाणा ने हॉकी इण्डिया का तीसरा राष्ट्रीय सीनियर महिला हॉकी टूर्नामेन्ट जीतने में सफलता प्राप्त की. हॉकी इण्डिया के तत्वावधान में इससे पूर्व आयोजित महिलाओं की राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के दोनों आयोजन रेलवे ने जीते थे.

शूटिंग

रणइंदर सिंह नेशनल राइफल एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर रणइंदर सिंह का चुनाव उच्च न्यायालय ने रद्द किया– नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया (NRAI) के अध्यक्ष रणइंदर सिंह चार वर्ष के लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए इस संघ के अध्यक्ष 6 अप्रैल, 2013 को सम्पन्न चुनाव में निर्विरोध चुने गए थे, किन्तु चुनाव में अनियमितता के चलते यह चुनाव दिल्ली उच्च न्यायालय ने 22 अप्रैल, 2013 को रद्द कर दिया है. चुनाव में अनियमितता का आरोप लगाते हुए ओलम्पिक रजत पदक विजेता राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ ने इसके विरुद्ध याचिका दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर की थी.

निशानेबाजी

राही सरनोबत विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय पिस्टल निशानेबाज

महाराष्ट्र की राही सरनोबत (Rahi Sarnobat) ने अप्रैल 2013 में दक्षिण कोरिया

में चांगवोन (Changwon) में आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी में 25 मीटर पिस्टल स्पर्द्धा में स्वर्ण पदक जीत कर इतिहास रचा. विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली वह पहली भारतीय पिस्टल निशानेबाज हैं. उनकी इस उपलब्धि के लिए ₹ 1 करोड़ का नकद पुरस्कार उन्हें प्रदान करने की घोषणा महाराष्ट्र सरकार ने की है.

कुश्ती

सीनियर एशियाई चैम्पियनशिप–पुरुषों व महिलाओं की सीनियर एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप का आयोजन नई दिल्ली में 18–22 अप्रैल, 2013 को हुआ. इसमें पुरुषों की फ्रीस्टाइल टीम चैम्पियनशिप जहाँ भारत ने जीती, वहीं पुरुषों की ग्रीको रोमन में टीम खिताब दक्षिण कोरिया ने जीता. महिलाओं का फ्रीस्टाइल टीम खिताब चीन के नाम रहा.

गोल्फ

अगस्टा मास्टर्स–आस्ट्रेलिया के एडम

एडम स्कॉट को ग्रीन जैकेट पहनाते हुए अगस्टा मास्टर्स के गत विजेता बुबा वाटसन

स्कॉट (Adam Scott) ने 14 अप्रैल, 2013 को अगस्टा (अमरीका) में अगस्टा (Augusta)

sscexamonline.blogspot.com

मास्टर्स गोल्फ का खिताब जीतने में सफलता प्राप्त की. अगस्टा मास्टर्स खिताब की ग्रीन जैकेट धारण करने वाले वह पहले आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैं. अर्जेन्टीना के एंजेल कैबरेरा ने अगस्टा मास्टर्स में दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि 14 मेजर खिताब जीतने वाले विश्व के नम्बर एक गोल्फर टाइगर वुड्स (अमरीका) व आस्ट्रेलिया के मार्क लेशमैन संयुक्त तीसरे स्थान पर रहे.

बैडमिंटन

एशियाई बैडमिंटन चैम्पियनशिप–ताइपे में अप्रैल 2013 में सम्पन्न एशियाई बैडमिंटन चैम्पियनशिप में पाँच में से तीन खिताब–पुरुष एकल, महिला एकल व महिला युगल चीनी खिलाड़ियों ने जीते, जबकि शेष दो दक्षिण कोरिया की झोली में गए. महिला एकल, पुरुष एकल व महिला युगल स्पर्द्धाओं में फाइनल मुकाबले चीनी खिलाड़ियों के ही बीच थे. 21 अप्रैल को फाइनल मुकाबलों में

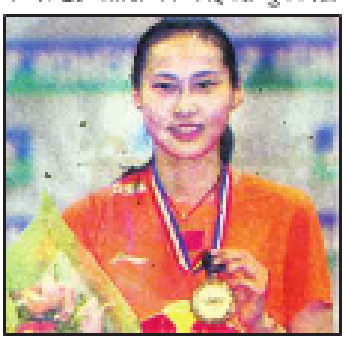

वांग यिहान : महिलाओं के एकल खिताब की विजेता

पुरुषों के एकल खिताब के लिए अपने ही देश के लांग चेन को चीन के पेंगयू डू (Pengyu Du) ने पराजित किया. महिलाओं का एकल चीन की वांग यिहान (Wang Yihan) ने फाइनल में अपने देश की जुई रुई ली को फाइनल में हराकर जीता. सभी पाँच खिताबों के विजेताओं के नाम निम्नलिखित हैं–

एशियाई बैडमिंटन चैम्पियनशिप 2013

विजेताओं के नाम एक दृष्टि में

स्पर्द्धा	विजेता
पुरुष एकल	पेंगयू डू (चीन)
महिला एकल	वांग यिहान (चीन)
पुरुष युगल	को सुंग-ह्यून व ली चोंग-वाइ (दक्षिण कोरिया)
महिला युगल	वांग जियाओली व यू वांग (चीन)
मिश्रित युगल	को सुंग-ह्यून व किम हा-ना (दक्षिण कोरिया)

इण्डियन ओपन–अप्रैल 2013 में नई दिल्ली में सम्पन्न इण्डिया ओपन सुपर सीरिज बैडमिंटन टूर्नामेन्ट के पाँचों खिताब अलग-अलग देशों के खिलाड़ियों ने जीते. इनमें पुरुष व महिला वर्ग के एकल खिताब क्रमशः ली चोंग वेई (Lee Chong Wei) व रातचानोक इंतानोन (Ratchanok Intanon) ने जीते हैं. 28 अप्रैल को फाइनल मुकाबलों में विश्व के नम्बर एक खिलाड़ी मलेशिया के ली चोंग ने जापान के केनिची टैगो को हराकर तथा थाइलैण्ड की इंतानोन ने जर्मनी की जूलियन शेंक को हराकर यह खिताब जीते. दो लाख डॉलर की इनामी राशि के इस टूर्नामेन्ट में पुरुषों का युगल खिताब चीन के खिलाड़ियों ने जीता, जबकि महिला युगल जापान के व मिश्रित युगल इण्डोनेशिया के खिलाड़ियों के नाम रहा. सभी पाँचों खिताबों के विजेताओं व उपविजेताओं के नाम निम्नलिखित हैं–

इण्डियन ओपन बैडमिंटन (अप्रैल 2013)

विजेताओं व उपविजेताओं के नाम एक दृष्टि में

स्पर्द्धा	विजेता	उपविजेता
पुरुष एकल	ली चोंग वेई (मलेशिया)	केनिची टैगो (जापान)
महिला एकल	रातचानोक इंतानोन (थाइलैण्ड)	जूलियन शेंक (जर्मनी)
पुरुष युगल	लियु शियाओ लांग व लियु जिहन (चीन)	को सुंग ह्यून व ली चोंग वाइ (कोरिया)
महिला युगल	मियुकी माएदा व सातोको सुगियामा (जापान)	क्रिस्टियाना पेडेरसेन व कामिला रीटर जुल (डेनमार्क)
मिश्रित युगल	तोंतोवी अहमद व लिलियाना नासिर (इण्डोनेशिया)	सुंग ह्यून को व ह ना किम (कोरिया)

विश्व बैडमिंटन टीम चैम्पियनशिप (थामस कप व उबेर कप) की मेजबानी भारत को मिली

बैडमिंटन की पुरुषों व महिलाओं की विश्व टीम चैम्पियनशिप की मेजबानी पहली बार भारत को मिली है. पुरुषों की टीम चैम्पियनशिप के लिए थामस कप तथा महिलाओं की विश्व चैम्पियनशिप के लिए उबेर कप प्रदान किया जाता है तथा इस टूर्नामेन्ट का आयोजन 2-2 वर्ष के अन्तराल पर होता है. यह पिछला आयोजन मई 2012 में चीन में वुहान में हुआ था तथा अगामी आयोजन भारत में नई दिल्ली में 18–25 मई, 2014 को होगा. यह पहला अवसर होगा जब इस टूर्नामेन्ट का आयोजन भारत में होगा.

टेनिस

मोंट कार्लो मास्टर्स टेनिस : राफेल नडाल की 8 वर्षों की बादशाहत समाप्त–सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने 21 अप्रैल, 2013 को मोंट कार्लो में स्पेन के राफेल नडाल को फाइनल में हराकर मोंट कार्लो मास्टर्स टेनिस का खिताब पहली बार जीतने में सफलता प्राप्त की. **राफेल नडाल पुरुषों के इस टेनिस टूर्नामेन्ट के एकल खिताब के विगत लगातार 8 वर्षों में विजेता रहे थे.**

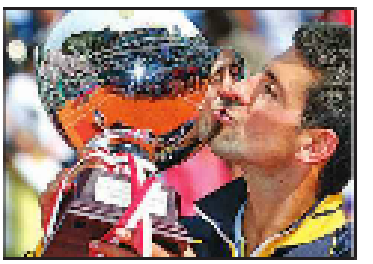

मोंट कार्लो टेनिस की ट्रॉफी के साथ नोवाक जोकोविच

इस टूर्नामेन्ट का युगल खिताब फ्रांस के जूलियन बेनेट्यू व सर्बिया के नेनाद जिमोनजिक की जोड़ी ने फाइनल में अमरीका के ब्रायन बन्धुओं (बॉब ब्रायन व माइक ब्रायन) की जोड़ी को हराकर जीता.

फॉर्मूला-1 रेस

चीनी व बहरीन ग्रांड प्रिक्स–शंघाई में 14 अप्रैल, 2013 को सम्पन्न चीनी ग्रांड प्रिक्स फार्मूला-1 रेस फरवरी टीम के फर्नांडो अलोंसो (स्पेन) ने जीती. लोटस टीम के किमी राइकोनेन (फिनलैण्ड) ने दूसरा तथा मर्सिडीज के लुइस हेमिल्टन (ब्रिटेन) का इस रेस में तीसरा स्थान रहा. बाद में 21 अप्रैल को मनामा में सम्पन्न बहरीन ग्रांड प्रिक्स फॉर्मूला-1 रेस रेड बुल टीम के सेबास्टियन वेट्टल ने जीती. किमी राइकोनेन (लोटस) का दूसरा स्थान इस रेस में रहा.

sscexamonline.blogspot.com

कठिन परिश्रम व लक्ष्य के प्रति समर्पण ही मेरी सफलता का मूलमंत्र है.

—प्रियंका निरंजन

सिविल सेवा परीक्षा 2012 में हिन्दी माध्यम से सर्वोच्च स्थान पर चयनित

प्रियंका निरंजन ने सिविल सेवा परीक्षा 2012 में हिन्दी माध्यम से सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर फिर से हिन्दी माध्यम के उम्मीदवारों में नया जोश भरा है. निश्चय ही यह एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई की पात्र हैं. प्रियंका के साथ विशेष भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.

प्र. द.–सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

प्रियंका–जी, बहुत-बहुत धन्यवाद.

प्र. द.–आपको किस तरह और कब सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ ?

प्रियंका–यद्यपि सिविल सेवा में आना प्रारम्भ से ही मेरा उद्देश्य था, लेकिन इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक करने के बाद मैंने इस दिशा में सोचा.

प्र. द.–वह क्षण कब आया जब आपने सिविल सेवाओं में कैरियर की सम्भावनाओं को तलाशने का फैसला लिया ?

प्रियंका–जैसा मैंने बताया, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त करने के दौरान ही मैंने मन बना लिया था.

प्र. द.–अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचती थीं ?

प्रियंका–पहले मुझे लगता था कि टॉपर्स विशेष होते हैं, परन्तु जब मेरे मित्र शिव सहाय अवस्थी ने 2010 में 34वाँ स्थान प्राप्त किया तो मुझे लगा कि टॉपर्स भी हमारे जैसे ही होते हैं. अवस्थी जी के निर्देशन में मुझे दर्शनशास्त्र में विशेष रूप से सहायता मिली.

प्र. द.–सिविल सेवा, केवल यही एक-मात्र लक्ष्य था या फिर किसी और कैरियर विकल्प के लिए साथ-साथ में तैयारी कर रही थीं ?

प्रियंका–मेरे लिए सिविल सेवा ही एकमात्र लक्ष्य था. वैसे अभी भी मैं राज्य सिविल सेवा में कार्यरत् हूँ.

प्र. द.–अपनी सफलता का श्रेय आप किसको देना चाहेंगी ?

प्रियंका–सबसे पहले अपने माता-पिता, दादी, फिर अपने फूफा व बुआजी, मेरी बहिन प्रीति, आराधना एवं मेरे भाई आर्यन को. इसके साथ ही मेरे गुरुजनों दर्शनशास्त्र में अमित सर (इग्नाइटेड माइंड्स), संस्कृत में कैलाश बिहारी सर (पाणिनी क्लासेस), [illegible]य अध्ययन में सीबीपी श्रीवास्तव सर

……एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में विस्तृत कवरेज सहित विश्लेषणात्मक सामग्री आवश्यक रूप से होनी चाहिए एवं प्रतियोगिता दर्पण इन मानकों पर खरी उतरती है.

(डिस्कवरी IAS) एवं विनय सिंह सर (ध्येय IAS) का निर्देशन महत्वपूर्ण रहा. विनय सर ने मेरी लेखन क्षमता के विकास व पाठ्य-सामग्री की उपलब्धता में विशेष रूप से मदद की. इसके अतिरिक्त मेरे मित्रों शिव सहाय अवस्थी, दिनेश कुमार मिश्र, चन्दन कुमार पटेल, सत्यपाल, गौरव त्रिपाठी एवं अनुजतुल्य अंगद अवस्थी एवं संस्कृत में विशेष रूप से विक्रमजी का सहयोग महत्वपूर्ण रहा. इसके साथ ही धर्मेन्द्र सर (धर्मेन्द्र सोशियोलॉजी) का सहयोग भी महत्वपूर्ण रहा.

प्र. द.–इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम क्या रहा ?

प्रियंका–सबसे पहले मैंने प्रारम्भिक परीक्षा का सामना करने के लिए तैयारी की रणनीति बनाई. हिन्दी माध्यम के उम्मीदवारों के लिए यह अत्यन्त महत्वपूर्ण है. मुख्य परीक्षा हेतु काफी समय से तैयारी करती आ रही थी, इसलिए ज्यादा नियोजन की आवश्यकता नहीं हुई.

प्र. द.–क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से संतुष्ट थीं और उच्च सफलता के प्रति आशावान थीं ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

प्रियंका–पिछले प्रयासों में असफलता के बाद इस परीक्षा में सफलता के प्रति आशा तो थी, परन्तु कुछ डर भी था. सफलता का समाचार सुनकर लगा कि ईश्वर ने मेरी मेहनत का फल दे दिया.

प्र. द.–इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है ?

प्रियंका–मेरी प्रथम प्राथमिकता भारतीय प्रशासनिक सेवा है.

व्यक्ति परिचय

नाम–प्रियंका निरंजन

पिता का नाम–श्री राम कुमार निरंजन

माता का नाम–श्रीमती गीता निरंजन

शैक्षणिक योग्यता–

हाईस्कूल–एच.एन. गैर्लिरिया गर्ल्स इंटर कॉलेज, यू.पी. बोर्ड, 1999, 69%

इंटरमीडिएट–लोकमान्य तिलक इंटर कॉलेज, यू.पी. बोर्ड, 2001, 68%

बी.ए.–एस.एन.के. गर्ल्स डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, 2004, 62%

एम.ए. (अर्थशास्त्र)–इलाहाबाद विश्वविद्यालय, 62%

पूर्व पदभार–

1. यू.पी. पीसीएस, 2008, खण्ड विकास अधिकारी.

2. यू.पी. पीसीएस, 2010, राजस्व अधिकारी.

प्र. द.–आज के बदलते हुए आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद भी गम्भीरता से तैयारी में लगी रहीं. आखिर किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा ?

प्रियंका–लक्ष्य के प्रति मेरा दृढ़-निश्चय, सिविल सेवाओं की प्रतिष्ठा एवं लोगों के बीच काम करने के अवसरों की उपलब्धता ने मुझे इसी क्षेत्र के प्रति समर्पित रखा.

प्र. द.–नए कलेवर वाली प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ?

प्रियंका–मेरी पृष्ठभूमि गणित व अर्थशास्त्र के क्षेत्र से होने के कारण नए स्वरूप में प्रारम्भिक परीक्षा का सामना करने में कोई विशेष परेशानी नहीं हुई. मैंने

sscexamonline.blogspot.com

उपलब्ध पाठ्य-सामग्री के रिवीजन की रणनीति बनाई.

प्र. द.–ऋणात्मक अंकन (नेगेटिव मार्किंग) के लिए क्या सावधानी बरती ?

प्रियंका–मुझे लगता है कि सतर्कता के साथ सही विकल्पों का चुनाव करें. संशय के समय अपनी स्थिति को ध्यान में रखते हुए ही कुछ रिस्क लेने के बारे में सोचें.

प्र. द.–इस शानदार सफलता के बाद, आप तो इससे मुक्त हैं, परन्तु आगामी उम्मीदवारों के लिए क्या कोई विशेष सलाह दें, जो उपयोगी सिद्ध हो.

प्रियंका–आगामी उम्मीदवारों के लिए मेरी विशेष सलाह है कि सामान्य अध्ययन पर अधिक विस्तृत व गहन अध्ययन करें ताकि मुख्य परीक्षा में प्रतिभागियों को इसका लाभ मिल सके.

प्र. द.–यह सफलता कितने प्रयासों में प्राप्त की और आप अपने पिछले प्रयासों को किस प्रकार देखती हैं ?

प्रियंका–यह सफलता मैंने 6 प्रयासों में प्राप्त की. यद्यपि प्रारम्भिक तीन प्रयास गम्भीर नहीं थे, परन्तु 2009 व 2010 के प्रयास पूर्ण गम्भीरता के साथ दिए, पर दुर्भाग्यवश मेरा अन्तिम चयन नहीं हो सका.

प्र. द.–समय प्रबंधन को ले इस परीक्षा की तैयारी में कोई कठिनाई हुई ?

प्रियंका–प्रश्न-पत्रों के वर्तमान प्रारूप को देखते हुए समय-प्रबंधन अत्यन्त महत्वपूर्ण हो गया है. प्रश्नों की संख्या व विविधता को देखते हुए मुझे कुछ कठिनाई जरूर हुई, परन्तु प्रश्नों की माँग के अनुरूप संक्षिप्त उत्तर देने का प्रयास किया.

प्र. द.–आपके वैकल्पिक विषय क्या थे और इनके चुनाव का आधार क्या रहा ?

प्रियंका–मेरे वैकल्पिक विषय–दर्शनशास्त्र एवं संस्कृत भाषा का साहित्य थे. इनके चुनाव का आधार दिशा-निर्देशन व पाठ्य-सामग्री की उपलब्धता एवं इन विषयों का स्कोरिंग होना था.

प्र. द.–आपने सभी प्रयासों में वैकल्पिक विषय वही रखे या कोई परिवर्तन किया ?

प्रियंका–2008, 2009 व 2010 के प्रयासों में समाजशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का चुनाव किया था, परन्तु 2012 का प्रयास दर्शनशास्त्र एवं संस्कृत भाषा का साहित्य के साथ दिया.

प्र. द.–प्रारम्भिक, मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार की तैयारी की क्या योजना रही ?

प्रियंका–प्रारम्भिक परीक्षा के लिए तथ्यात्मक व समझ दोनों प्रकार के अध्ययन जबकि मुख्य परीक्षा के लिए लेखन कौशल पर बल दिया. साक्षात्कार के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने पर बल दिया.

प्र. द.–आपने निबन्ध के लिए किस प्रकार तैयारी की ?

प्रियंका–चूँकि मेरा वैकल्पिक विषय तैयारी के आरम्भ में समाजशास्त्र था, अतः मैंने सामाजिक विषयों को ही निबन्ध के लिए चुना, लेकिन विभिन्न पत्रिकाओं, समाचार-पत्रों की जानकारी का भी निबन्ध में प्रयोग किया.

प्र. द.–साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की और आपका साक्षात्कार का अनुभव कैसा रहा ?

प्रियंका–इस प्रयास में मैंने साक्षात्कार के लिए विशेष तैयारी नहीं की, परन्तु अपने वर्ग-डाटा से सम्बन्धित सभी मुद्दों पर एक दृष्टिकोण बनाया. मेरा साक्षात्कार 10 अप्रैल को श्री डेविड सिन्लिहा सर के बोर्ड में था. मुझसे ग्रामीण विकास, ग्लोबल वार्मिंग, NCC, NSS, महिला सशक्तिकरण, अर्थशास्त्र एवं विभिन्न विषयों से सम्बन्धित प्रश्न पूछे गए.

मैं अपने साक्षात्कार से संतुष्ट हूँ.

प्र. द.–किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए ? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए ?

प्रियंका–हमें स्नातक शिक्षा करने के साथ ही सिविल सेवाओं की तैयारी के बारे में सोचना शुरू कर देना चाहिए. मुझे लगता है कि इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी के लिए कम-से-कम दो वर्ष का समय देना चाहिए.

प्र. द.–आपके अनुसार इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम लेकर तैयारी करने एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार हैं ?

प्रियंका–एक बेहतर रणनीति के साथ किसी भी माध्यम में सफलता प्राप्त की जा सकती है.

प्र. द.–क्या अभ्यर्थी की शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव तैयारी पर पड़ता है ? यदि हाँ, तो कैसे ?

प्रियंका–हाँ, थोड़ा प्रभाव तो पड़ता है, पर यह बहुत अधिक महत्व नहीं रखता.

प्र. द.–एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखती हैं ?

प्रियंका–एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में विस्तृत कवरेज सहित विश्लेषणात्मक सामग्री आवश्यक रूप से होनी चाहिए.

प्र. द.–भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता पत्रिका प्रतियोगिता दर्पण को इन मानकों के कितना करीब पाया ?

प्रियंका–निश्चित रूप से प्रतियोगिता दर्पण इन मानकों पर खरी उतरती है.

प्र. द.–क्या आपने सामान्य अध्ययन के अतिरिक्तांकों की सीरीज का उपयोग किया जो पिछले कई वर्षों से उम्मीदवारों के बीच बहुत पसन्द की जा रही है?

प्रियंका–हालांकि, अर्थशास्त्र मेरा विषय रहा इसलिए अधिक कठिनाई नहीं हुई, फिर भी, अर्थव्यवस्था के अतिरिक्तांक का उपयोग समय सदुपयोग के लिए किया.

प्र. द.–आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

प्रियंका–कठिन परिश्रम व लक्ष्य के प्रति समर्पण.

प्र. द.–कोई सुझाव या सन्देश अभ्यर्थियों को देना चाहेंगी ?

प्रियंका–इस परीक्षा के लिए अपने आप में आत्मविश्वास अत्यन्त आवश्यक है. सही दिशा में कार्य करते रहें और लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पण भाव से तैयारी करें.

प्र. द.–आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

प्रियंका–जी, धन्यवाद. ●●●

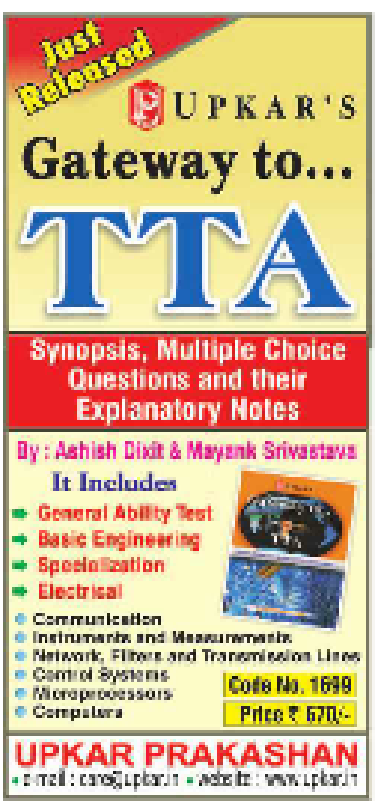

sscexamonline.blogspot.com

अल्फा किरणों से कैंसर समूल नष्ट हो जाता है

कैंसर नाम ही डरावना है. कैंसर रोगी दिन गिनते-गिनते ही विदा ले लेता है. कैंसर चिकित्सा की कई विधियाँ हैं, दवाइयाँ भी सैकड़ों हैं, पर सभी निरर्थक निदान कोई नहीं कर पाता है. दशकों से यही निराशाजनक स्थिति बनी हुई है. सभी डाक्टर के तीन पात हैं—केवल कुछ आयु बढ़ती है.

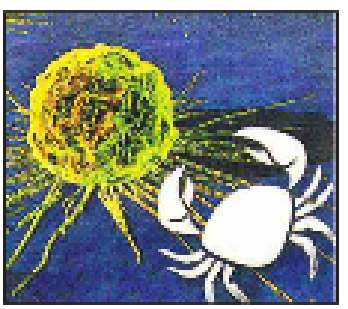

कैंसर-ट्यूमर पर हमला

मनुष्य भी अजेय प्राणी है. कभी हार नहीं मानता है और अब इसने कैंसर का अचूक निदान ढूँढ ही लिया. अल्फा किरणों की मदद से अब कैंसर को जड़ से मिटाना सम्भव है. इसके लिए पीजीआई चण्डीगढ़ में 'अल्फा ट्रीटमेंट सेन्टर' खोला गया है. इस तकनीक से मरीज को न तो कीमियोथेरेपी की जरूरत पड़ेगी और न रेडिएशनथेरेपी की. केवल एक बार अल्फा ट्रीटमेन्ट देकर कैंसर को जड़ से समाप्त कर दिया जाएगा. कम खर्च में इस विधि से निदान की सुविधा देने वाला पीजीआई देश का पहला चिकित्सा संस्थान बन गया है.

इस समय भारत में 28 लाख कैंसर के मरीज हैं. हमारे देश में प्रतिवर्ष 10 लाख लोग कैंसर की चपेट में आते हैं. पिछले वर्ष 5.55 लाख लोग कैंसर के कारण काल-कवलित हुए. 100 से अधिक प्रकार के कैंसर होते हैं.

इस समय पूरी दुनिया में कैंसर का सर्वश्रेष्ठ और 100 प्रतिशत सफल निदान अल्फा ट्रीटमेन्ट ही है. अमरीका के जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी, अल्बर्ट आइन्सटाइन [illegible]र्सिटी और कोलम्बिया यूनिवर्सिटी के अतिरिक्त जर्मनी के म्यूनिख में अल्फा ट्रीटमेन्ट से कैंसर का निदान हो रहा है. इस समय भारत दुनिया का तीसरा ऐसा देश है, जहाँ इस तकनीक से सभी तरह के कैंसर का निदान होगा.

इस विधि से चिकित्सा के लिए विशेष प्रकार के रेडियो आइसोटोप विकसित किए जाते हैं, जो अल्फा किरणों के माध्यम से शरीर में प्रवेश कराए जाते हैं. शरीर में प्रवेश करने के बाद कैंसर कोशिकाओं को खत्म कर देती हैं. इस समय देश के कोने-कोने में कैंसर की जो चिकित्सा उपलब्ध है, उनमें साइड इफेक्टस् के साथ ही पुनः कैंसर के पनपने की आशंका रहती है, जबकि इस नई प्रक्रिया में ऐसा कुछ भी नहीं होता है.

सुदूर अंतरिक्ष में नासा 'गेटवे स्पेस-क्राफ्ट' खड़ा करेगा

अंतरिक्ष यात्रियों को अब तक के इतिहास में पृथ्वी से सबसे दूर भेजने के प्रयास में नासा एक ऐसा 'गेटवे स्पेसक्राफ्ट' का विकास कर रहा है, जिसमें अंतरिक्ष यात्री सवार होंगे और उस यान को चन्द्रमा से भी दूर खड़ा किया जाएगा. यह अंतरिक्ष यान मंगल ग्रह के भविष्य के मिशनों के लिए आधार-स्थल की तरह काम करेगा.

गेटवे स्पेसक्राफ्ट

पृथ्वी से 445788 किलोमीटर दूर स्थित यह आउटपोस्ट वर्तमान अंतरिक्ष स्टेशन से काफी दूर होगा. वैज्ञानिकों के अनुसार पृथ्वी से इस स्थान की दूरी यह प्रश्न खड़ा करती है कि अंतरिक्ष यात्रियों को विकिरणों से कैसे बचाया जाए और यदि कोई कठिनाई पैदा होती है, तो अंतरिक्ष यात्रियों की रक्षा कैसे की जाए.

भारत में बन रहा है संसार का सबसे बड़ा सौर टेलिस्कोप

लद्दाख में हिमालय की पहाड़ियों पर भारत दुनिया की सबसे बड़ी सौर दूरबीन का निर्माण कर रहा है. इसकी सहायता से सूर्य से सम्बन्धित प्रक्रियाओं का अध्ययन किया जाएगा. कोडाईकैनाल स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स (आईआईए) इस सौर दूरबीन का निर्माण करा रहा है, जो वर्ष 2017 तक पूरा हो जाएगा. इस परियोजना पर 150 करोड़ रुपए खर्च होंगे.

दुनिया की सबसे बड़ी सौर दूरबीन

यह टेलिस्कोप दुनिया के उन टेलिस्कोपों में से एक होगा, जिसका उपयोग दिन और रात दोनों समय किया जा सकेगा. लद्दाख में पेंगोंग झील के निकट मेरक गाँव में इस टेलिस्कोप का निर्माण हो रहा है. इस परियोजना में इसरो, आर्यभट्टम रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ ऑब्जर्वेशनल साइंसेज तथा इंटर-यूनिवर्सिटी सेन्टर की भी सहभागिता होगी.

सूर्य अपने अक्ष पर 25 दिनों में एक बार घूम जाता है. इसे आकाशगंगा की एक बार परिक्रमा करने में 24 करोड़ वर्ष लगते हैं. सूर्य की सतह पर चार गैसीय परतें हैं, जो भीतर से बाहर की ओर क्रमशः फोटो-स्फेयर, रिवर्सिंग परत, क्रोमोस्फेयर और कोरोना कहलाती हैं.

सूर्य के प्रति वर्ग सेमी से निकलने वाली विकिरण 16000 अश्वशक्ति के बराबर होती है जिसका मात्र 1/2 अरब वाँ भाग ही पृथ्वी तक पहुँच पाता है. ध्रुवीय भागों में, भूमध्यरेखा की तुलना में मात्र 40 प्रतिशत ऊर्जा ही प्राप्त होती है. यह टेलिस्कोप इन सभी तथ्यों का अध्ययन करेगा.

सूर्य का बलयाकार रंगीन (लाल) प्रतिबिम्ब जो सामान्यतः प्रभामंडल के स्थान पर होता है, सूर्यभास (Mock Sun) कहलाता है. यह टेलिस्कोप इसका भी अध्ययन करेगा.

भूकम्प से बनता है सोने का भण्डार

इस तथ्य से हम सभी परिचित हैं कि पृथ्वी की सतह पर भूकम्प कैसा सर्वनाश का दृश्य उपस्थित करता है. अब आस्ट्रेलियाई

शेष पृष्ठ 1788 पर

sscexamonline.blogspot.com

''अपने धर्म के सिद्धान्तों में विश्वास तथा श्रीमद् भगवद्गीता में अगाध श्रद्धा ही सफलता का रहस्य है.''

—सुनीत अग्रवाल

मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा परीक्षा, 2012 में द्वितीय स्थान पर चयनित

मध्य प्रदेश की प्रतिष्ठित न्यायिक सेवा परीक्षा, 2012 (हिन्दी माध्यम) में द्वितीय स्थान पर चयनित होकर सुनीत अग्रवाल ने निःसन्देह एक अत्यन्त महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह सभी प्रशंसा व हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण पत्रिका के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.

प्र. द.—आपकी शानदार सफलता पर हार्दिक बधाइयाँ.

श्री सुनीत—बहुत-बहुत धन्यवाद.

प्र. द.—आप अपनी सफलता का श्रेय किसे देना चाहेंगे? आपकी सफलता के पीछे रहस्य क्या है?

श्री सुनीत—मेरी सफलता के पीछे मुख्य कारण अपने धर्म के सिद्धान्तों में विश्वास है, जोकि त्याग, काम, क्रोध, मोह, माया पर नियन्त्रण; कर्तव्यनिष्ठा, आस्तिकवाद, सदा संघर्षरत् रहना आदि है. मेरी श्रीमद् भगवद्गीता में अगाध श्रद्धा है एवं मैं निरन्तर इसका पठन करता हूँ.

मेरी सफलता का वास्तविक श्रेय मेरे बड़े भाई को जाता है, जिसने पिताजी के दुःखद निधन के बाद परिवार को सहारा दिया और मुझे हर समय हर प्रकार से सहायता दी. भाई ने हमेशा मेरा उत्साह-वर्धन किया. भाई के अलावा मेरी माँ, गुरु, रिश्तेदार व मित्रों की भी सफलता में अहम् भूमिका रही.

प्र. द.—सफल होने से पहले टॉपर्स के बारे में आपकी क्या राय थी?

..... प्रतियोगिता दर्पण ऐसी पत्रिका है, जिसमें विविध राज्यों में होने वाली न्यायिक सेवा परीक्षाओं के प्रश्न-पत्र प्रकाशित होते हैं और सफल प्रत्याशियों के साक्षात्कार भी प्रकाशित होते हैं, जो अत्यन्त प्रेरणादायक हैं.

श्री सुनीत—सही कहूँ तो मैं इस बात से अवगत था कि टॉपर्स भी साधारण व्यक्ति होते हैं, जोकि अन्य उम्मीदवारों की तरह ही परीक्षा की तैयारी करते हैं एवं परीक्षा परिणाम में टॉप करने के बाद लोग इन्हें बहुत बुद्धिमान समझते हैं, जबकि वह भी अन्य व्यक्तियों की तरह ही साधारण व्यक्ति होते हैं. तैयारी करते समय मेरा लक्ष्य टॉप करना नहीं था, परन्तु जो भी परिणाम आए हैं, वह सब शुभकामनाओं एवं भाग्य का फल है.

प्र. द.—क्या आप अपनी सफलता के प्रति आश्वस्त थे एवं अपनी सफलता के बारे में पता चलने पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही?

श्री सुनीत—चूँकि मैंने लगन से मेहनत की थी, तो मुझे एक अच्छी उम्मीद थी कि मैं इस बार सफल अवश्य होऊँगा और ऐसा हुआ भी. परीक्षा परिणाम के बारे में पता चलने पर मेरी आँख भर आई थी एवं यह खुशखबरी देने के लिए सबसे पहले मैंने अपनी माँ को फोन किया.

प्र. द.—आपको न्यायिक सेवा के महत्व के बारे में कब पता चला एवं कब आपने इस सेवा का हिस्सा बनने के बारे में निर्णय किया.

श्री सुनीत—प्रारम्भ से ही मेरे पिता और मेरा सपना था कि मैं एक सिविल सेवक बनूँ. तब मैं न्यायिक सेवा से अवगत नहीं था, परन्तु एल-एल.बी. में प्रवेश लेने के

CLASSIC IAS ACADEMY HAS BEEN AWARDED
"MARGDARSHAN AWARD 2013 FOR INNOVATION & EXCELLENCE IN IAS COACHING CATEGORY"

SHAPING TALENT
UG-33 & 34, Ansal Chamber-I, Bhikaji Cama Place, New Delhi - 110066
Ph. : 32323293, 32323294 Mob. : 9310034050, 9310034060
Web : www.classicias academy.com Email: enquiry@classicias academy.com

sscexamonline.blogspot.com

बाद मुझे इस सेवा के बारे में पता चला एवं एल-एल.बी. पूर्ण करने के बाद मैंने इस सेवा में अपना कैरियर बनाने का निर्णय किया.

प्र. द.—आज वर्तमान में जब बदलते आर्थिक समीकरण विविध क्षेत्रों में बहुत ही लुभावने कैरियर की सम्भावनाएं प्रदान कर रहे हैं, ऐसे में किस कारण से प्रेरित होकर आपने अपना ध्यान न्यायिक सेवा की ओर ही दिया?

श्री सुनीत—सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है स्वयं की सन्तुष्टि. मेरा मानना है कि हमारे देश में लोग जब सब तरफ से निराश हो जाते हैं, तो वह न्याय की आस में न्यायपालिका की ओर देखते हैं, इसलिए न्यायपालिका में सम्मिलित होकर एक अच्छे प्रकार से जनसेवा की जा सकती है. गरीब व असहाय लोगों की सहायता के लिए मैं धर्म फाउण्डेशन नामक गैर सरकारी संस्था से जुड़ा रहा हूँ, जिसका संचालन मेरे मित्र करते हैं. उनके कार्य से मैं प्रभावित हूँ.

प्र. द.—क्या आपको न्यायिक सेवा की तैयारी करते समय सामान्य अध्ययन की तैयारी करने की आवश्यकता पड़ी ? यदि हाँ तो आपने सामान्य अध्ययन की तैयारी कैसे की?

श्री सुनीत—जी हाँ, चाहे प्रारम्भिक परीक्षा हो या मुख्य परीक्षा, सामान्य अध्ययन से सम्बन्धित प्रश्न तो पूछे ही जाते हैं. मैं सामान्य अध्ययन की तैयारी के लिए प्रतिदिन समाचार-पत्र पढ़ता रहा, सामान्य ज्ञान की पुस्तकों का अध्ययन किया और प्रतियोगिता दर्पण निरन्तर रूप से पढ़ी, जिससे कि मुझे राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय महत्व की घटनाओं, खेलों व स्थानीय खबरों की जानकारी मिलती रही.

प्र. द.—किस चीज से आपको परीक्षा की तैयारी में सर्वाधिक सहायता मिली?

श्री सुनीत—सकारात्मक सोच, तैयारी पर पूर्ण ध्यान व एक ही लक्ष्य कि न्यायिक सेवा में चयनित होना है, ने मुझे बहुत सहायता की. इन सबके अलावा मैं दिल्ली के न्यायालयों में प्रैक्टिस भी करता रहा, जिससे कि मुझे विधि को समझने का अवसर मिला.

प्र. द.—आपके विचार में शिक्षा के किस स्तर पर किसी व्यक्ति को न्यायिक सेवा की तैयारी प्रारम्भ कर देनी चाहिए और न्यायिक सेवा की तैयारी के लिए न्यूनतम कितनी अवधि की तैयारी आवश्यक है?

श्री सुनीत—मेरे विचार से जब कोई विद्यार्थी एल-एल.बी. कोर्स के लिए प्रवेश लेता है एवं वह विधि व अधिनियमों से अवगत होता है, तभी उसे विधि को सही [illegible]म्भीरता से समझना प्रारम्भ कर देना चाहिए, जिससे कि उसकी विधि के ज्ञान की नींव मजबूत होती है. अन्ततः विद्यार्थी को न्यायिक सेवा परीक्षा के समय बहुत सहायता प्रदान करती है. न्यायिक सेवा की तैयारी अगर गम्भीरता और लगन से की जाए, तो एक वर्ष की अवधि पर्याप्त है.

प्र. द.—क्या उम्मीदवार के परिवार की शैक्षिक, आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति का इसकी तैयारी पर कुछ प्रभाव पड़ता है?

श्री सुनीत—जी बिलकुल, किसी भी व्यक्ति के आसपास की परिस्थितियाँ, परिवेश एवं घटनाएं उसे हमेशा व प्रत्येक रूप से प्रभावित करती हैं. जैसे कि मेरा परिवार आर्थिक रूप से सक्षम नहीं है, अतः मुझे अपने कार्य व पढ़ाई सीमित एवं कम साधनों में करनी पड़ी.

प्र. द.—आपके विचार में न्यायिक सेवा जैसी परीक्षाओं की तैयारी में प्रतियोगिता पत्रिकाएं किस प्रकार सहायक सिद्ध होती हैं?

श्री सुनीत—जी बिलकुल, न्यायिक सेवा परीक्षा की तैयारी में प्रतियोगी पत्रिकाएं बहुत सहायक रहती हैं. जैसाकि आप जानते हैं कि पाठ्यक्रम की पुस्तकों से कुछ ज्ञान की सीमित सामग्री ही प्राप्त की जा सकती है और आवश्यकताओं को पुस्तकें पूरा नहीं कर पातीं, वहाँ पत्रिकाओं से सहायता मिलती है जोकि हमें अप-टू-डेट रखती हैं. प्रतियोगिता दर्पण एक ऐसी पत्रिका है, जिसमें विविध राज्यों में होने वाली न्यायिक सेवा परीक्षाओं के प्रश्न-पत्र प्रकाशित होते हैं और सफल प्रत्याशियों के साक्षात्कार भी प्रकाशित होते हैं, जोकि अत्यन्त प्रेरणा-दायक हैं.

मेरी सफलता की कुंजी

प्रारम्भिक परीक्षा—न्यायिक सेवा, चाहे वह किसी भी राज्य की क्यों न हो, न्यायिक परीक्षा में सफलता के लिए बेयर एक्ट्स पर कमाण्ड/पकड़ होना बहुत ही आवश्यक है. न्यायिक सेवा परीक्षा में बार-बार पूछे जाने वाले बेयर एक्ट्स के भाग उम्मीदवारों को कई बार पढ़ने चाहिए.

बेयर एक्ट्स पर पकड़ के अलावा कानून के प्रावधानों की अवधारणा भी परीक्षार्थी के मन में पूर्णरूप से स्पष्ट होनी चाहिए, जिससे कि उसे कानून के विविध प्रावधानों को इन्टरलिंक करने में सहायता मिलती है.

सामान्य ज्ञान के प्रश्नों के लिए सामान्य ज्ञान के प्रत्येक विषय की तात्विक जानकारी हो न कि गहन जानकारी. करेण्ट अफेयर के लिए समाचार-पत्र एवं प्रतियोगिता दर्पण पत्रिका पर्याप्त है.

मुख्य परीक्षा—मुख्य परीक्षा के लिए आवश्यक है कि किसी भी विधि की अवधारणा, उस विधि के लागू होने से पूर्व की व लेटेस्ट स्थिति परीक्षार्थी के मन में सुस्पष्ट व सुस्थापित होनी चाहिए व विधि के प्रावधानों व एप्लीकेबिलिटी की समझ होनी भी चाहिए. आजकल मुख्य परीक्षा के प्रश्न-पत्र बहुत लम्बे होने लगे हैं, इसलिए मुख्य परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए लिखने की प्रैक्टिस होनी चाहिए, जिससे कि परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र को पूरा हल कर सके और प्रश्न-पत्र का कोई हिस्सा छूट न पाए.

मैं दिल्ली एवं हरियाणा की मुख्य परीक्षाओं में भी सम्मिलित हुआ हूँ, जहाँ पर विधियों व अधिनियमों के बेयर एक्ट्स दिए जाते हैं, इसलिए उन परीक्षाओं को देते समय परीक्षार्थी को खुले दिमाग के साथ जाना चाहिए, क्योंकि वहाँ पर समस्या को एनालाइज करना होता है तथा कानून के सटीक एप्लीकेशन के साथ समाधान भी करना होता है.

साक्षात्कार—मैंने कई उम्मीदवारों से वार्तालाप किया है, जो पहले भी साक्षात्कार दे चुके हैं और मुझे लगता है कि साक्षात्कार सिर्फ ज्ञान की ही परीक्षा नहीं होती (क्योंकि यदि कोई व्यक्ति मुख्य परीक्षा के बाद साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है तो यह कहा जा सकता है कि उसे विषयों का अच्छा ज्ञान है) अपितु साक्षात्कार आत्म-विश्वास, वक्तव्य कला एवं व्यक्तित्व की भी परीक्षा है. कई बार ऐसा होता है कि जो उम्मीदवार साक्षात्कार में सभी प्रश्नों का सही उत्तर देते हैं, वह कम अंक प्राप्त करते हैं, परन्तु वह उम्मीदवार जो सभी प्रश्नों के उत्तर नहीं दे पाते, वह पूर्ववर्ती उम्मीदवारों से अधिक अंक प्राप्त करते हैं. इसलिए साक्षात्कार के लिए सकारात्मक एवं विश्वासपूर्ण पहल आवश्यक है. ●●●

UPKAR'S
Essentials of
Banking & Finance
(For Banks & Other Competitive Exams.)
By : Gautam Majumdar
Code No. 1776 Price : ₹ 70/-
UPKAR PRAKASHAN, AGRA-2
● E-mail : care@upkar.in ● Website : www.upkar.in

sscexamonline.blogspot.com

कठिन परिश्रम, दृढ़ इच्छाशक्ति, लिखने का निरन्तर अभ्यास मेरी सफलता का मूलमंत्र है.

—मानवेन्द्र मिश्र

27वीं बिहार न्यायिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा, 2009 में 37वें स्थान पर चयनित

बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित 27वीं बिहार न्यायिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा, 2009 में 37वें स्थान पर चयनित होकर मानवेन्द्र मिश्र ने निःसन्देह एक अत्यन्त सम्मानजनक उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह सभी प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. 'प्रतियोगिता दर्पण' पत्रिका के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.

प्र. द.–बिहार न्यायिक सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण की ओर से हार्दिक बधाई.

श्री मानवेन्द्र–जी, बहुत-बहुत धन्यवाद.

प्र. द.–आप अपनी सफलता का श्रेय किसे देना चाहेंगे? आपकी सफलता का मूल-मंत्र क्या है?

श्री मानवेन्द्र–ईश्वर की विशेष कृपा, माता-पिता एवं परिवार वालों का आशीर्वाद, नाना-नानी का विशेष सहयोग एवं मित्रों को अपनी सफलता का श्रेय देना चाहूँगा.

मेरी सफलता का मूलमंत्र कठिन परिश्रम, दृढ़ इच्छाशक्ति, लिखने का निरन्तर अभ्यास करना है.

प्र. द.–किस तरह और कब आपको न्यायिक सेवा की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ?

श्री मानवेन्द्र–इण्टरमीडिएट करने के दौरान ही बड़े भैया तथा बाबाजी ने मुझे न्यायिक सेवा में जाने के लिए प्रेरित किया. आगे चलकर लॉ कॉलेज में मेरे सीनीयर्स ने तैयारी के लिए इलाहाबाद जाने के लिए

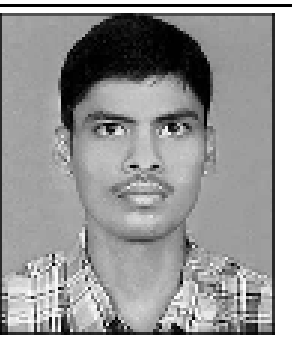

प्रतियोगिता दर्पण प्रतियोगिता के मानकों पर बिलकुल सटीक बैठती है, इसलिए मैं समसामयिक के लिए इस पर पूर्णरूप से आश्रित था.

प्रेरित किया. अन्ततः मैं कुशल मार्गदर्शन का लाभ उठाकर चयनित भी हो गया.

प्र. द.–न्यायिक सेवा केवल यह ही एक लक्ष्य था या किसी और केरियर विकल्प के लिए भी तैयारी कर रहे थे.

श्री मानवेन्द्र–चूँकि तैयारी के प्रारम्भिक एक वर्ष के अन्दर ही परिणाम आने शुरू हो गए थे, इसलिए मैं आश्वस्त हो गया था, वैसे मैं अभी IAS 2013 की परीक्षा की तैयारी में लगा हूँ. न्यायिक सेवा में चयन न होने पर मैंने उच्चतम न्यायालय में वकालत करने को केरियर विकल्प के रूप में रखा था.

प्र. द.–इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम क्या रहा? तैयारी हेतु दिशा व सही मार्गदर्शन कहाँ से मिला?

श्री मानवेन्द्र–सर्वप्रथम मैंने इलाहाबाद में कोचिंग ली तथा वहाँ मिले नोट्स को आत्मसात् किया. नियमित मुख्य परीक्षा का टेस्ट दिया.

प्र. द.–क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी व परीक्षा में निष्पादन से सन्तुष्ट थे तथा सफलता के प्रति आशावान थे?

श्री मानवेन्द्र–इस परीक्षा में मेरी तरफ से सर्वोत्तम प्रयास किया गया था. कोचिंग में नियमित मुख्य परीक्षा का टेस्ट देने से यह लाभ मिला कि 60 से 70% तक प्रश्न टेस्ट सीरिज से ही आ गए थे, जिससे मैं अपनी सफलता के प्रति पूर्ण आश्वस्त था.

Give the best
निर्माण IAS
Take the Best
हिन्दी माध्यम का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
-कमल देव (K.D.)
सफलता का पर्याय
नए पाठ्यक्रम पर समर्पित विशेषज्ञों व सम्पूर्ण नोट्स के साथ
सामान्य अध्ययन
Ist Batch 19 May 6.00 PM (Foundation Batch - 2014)
IInd Batch 13 June 9.00 AM (Mains - 2013)
CSAT 25 June 11.00 AM
OPTIONAL History 17 June 12.00 PM
CLASS ROOM: 624, IInd Floor, Mukherjee Nagar (Near Agarwal Sweets) Delhi-9 011-47063219, 9891327521
HEAD OFFICE: 12 Mall Road, Hudson Lane, Kingsway Camp, Delhi-9 9990765494 (पत्राचार उपलब्ध)
GWALIOR BRANCH: 2/3, Aziz Complex, New Khedapati colony, Phool Bagh Road, Infront of G.D.A Office Ph:- 9753002277 - 88

sscexamonline.blogspot.com

प्र. द.–समय प्रबन्धन आपने कैसे किया? क्या कोई विशेष कठिनाई महसूस हुई?

श्री मानवेन्द्र–मुख्य परीक्षा का नियमित टेस्ट देते रहने से मुझे समय प्रबन्धन में कोई दिक्कत नहीं आई. साथ ही तनाव से भी मुक्ति मिली. समय का सदुपयोग करना, कम समय में अत्यधिक रिवीजन करना मेरे लिए विशेष लाभदायक रहा.

प्र. द.–आपने प्रारम्भिक, मुख्य परीक्षा व साक्षात्कार के लिए क्या योजनाएं बनाईं?

श्री मानवेन्द्र–प्रारम्भिक व मुख्य परीक्षा के लिए मैंने अलग-अलग योजना बनाई. प्रारम्भिक परीक्षा के लिए बेयर एक्ट का गहन अध्ययन, नोट्स एवं नवीनतम निर्णय तथा विगत वर्षों में पूछे गए प्रश्नों को हल किया.

मुख्य परीक्षा के लिए नियमित लेखन अभ्यास, नियमित कोचिंग में टेस्ट दिया, कुछ मानक पुस्तकों एवं नोट्स तथा विगत वर्षों में पूछे गए मुख्य परीक्षा के प्रश्नों का गेंक के साथ लिखकर अभ्यास किया.

साक्षात्कार के लिए मॉक साक्षात्कार द्वारा अभ्यास किया. अपने बायोडाटा से सम्बन्धित प्रश्नों पर विशेष ध्यान दिया.

व्यक्ति परिचय

नाम–मानवेन्द्र मिश्र

पिता का नाम–श्री आनंद कन्त मिश्र

माता का नाम–श्रीमती मंजु मिश्र

जन्म स्थान–कराही मोहन, सिवहर (बिहार)

जन्म तिथि–20.8.1984

शैक्षणिक योग्यता–

हाईस्कूल–श्री रामदेव उच्च विद्यालय, अदौरी, सिवहर (1999) 59.7%

इण्टरमीडिएट–श्री नीलेश्वर महाविद्यालय, मुजफ्फरपुर (2001) 62.7%

विधि स्नातक (5 वर्षीय)–श्रीकृष्ण जुबली विधि महाविद्यालय, मुजफ्फरपुर (2006) 60.3%

पूर्व चयन–

2010 में मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में. वर्तमान में सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी, सतना (मध्य प्रदेश) के पद पर कार्यरत.

प्र. द.–आपका साक्षात्कार किस बोर्ड में कब था? क्या-क्या प्रश्न पूछे गए? क्या आप साक्षात्कार से सन्तुष्ट थे?

श्री मानवेन्द्र–मेरा साक्षात्कार न्यायमूर्ति नवीन सिन्हाजी के बोर्ड में 7 नवम्बर, 2012 को द्वितीय पाली में था. साक्षात्कार में मुझसे अभियोजन अधिकारी के रूप में मेरे द्वारा किए गए कार्यों से सम्बन्धित प्रश्न तथा से सम्बन्धित प्रश्न, जैसे–

- एन्टीमार्टम और पोस्टमार्टम में क्या अन्तर है?
- साक्ष्य और सबूत में क्या अन्तर है?
- पट्टा और लाइसेंस, मिताक्षरा एवं दायभाग में क्या अन्तर है?
- विवाह का परिपोषण सिद्धान्त क्या है? त्वरित प्राप्ति का सिद्धान्त.
- संविधान से अनुच्छेद 311 क्या है? क्या अनुच्छेद 356 को हटा देना चाहिए? मृत्यु-दण्ड के पक्ष में एवं विपक्ष में तर्क दीजिए.
- याचा पट्टी एवं इजरडल का क्या विवाद है?
- असम हिंसा के क्या कारण हैं? निदान के उपाय बताएं.
- अगर आप अमरीकी नागरिक होते, तो बराक ओबामा या मिट रोमनी में से किसे अपना मत देते? कारण बताइए.
- होबी से सम्बन्धित अन्य प्रश्न.

मैं अपने साक्षात्कार से सन्तुष्ट था. मुझे 100 में से 65 अंक मिले.

व्यक्तिगत विशेषताएं

सबल पक्ष –	*स्वयं पर विश्वास, दृढ़ इच्छा-शक्ति.*
दुर्बल पक्ष – पलायनवादिता	*समय पर भोजन न कर पाना.*
व्यक्तित्व –	*मेरे पिताजी एवं सुभाषचन्द्र बोस.*
रुचियाँ –	*अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करना, समसामयिक राज-नीति पर लेख लिखना, धार्मिक स्थलों की यात्रा करना.*

प्र. द.–किस स्तर पर न्यायिक सेवा की तैयारी को शुरू करना चाहिए? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगता है?

श्री मानवेन्द्र–विधि स्नातक के दौरान ही तैयारी शुरू कर देनी चाहिए. अन्तिम चयन होने तक तैयारी करते रहना चाहिए. वैसे इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में डेढ़ साल (18 माह) का समय पर्याप्त है.

प्र. द.–क्या अभ्यर्थी के परिवार की शैक्षणिक, आर्थिक व जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव अध्ययन पर पड़ता है? यदि हाँ, तो कैसे?

श्री मानवेन्द्र–निश्चित तौर पर परिवार का सहयोग एवं उनके द्वारा जताए जाने वाले विश्वास, समय-समय पर उत्साहवर्द्धन विपरीत परिस्थितियों अर्थात् असफलता के समय भी नई ऊर्जा भर देते हैं. इस मामले में, मैं भाग्यशाली रहा. मेरे बड़े भैया ने मेरा आत्मविश्वास निरन्तर बनाए रखा तथा मुझे सदैव प्रेरित करते रहे.

प्र. द.–एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखते हैं?

श्री मानवेन्द्र–प्रामाणिक विषय सामग्री, सरल, सहज व सारगर्भित हो.

प्र. द.–प्रतियोगिता दर्पण को इन मानकों के कितना करीब पाते हैं? इसको और अधिक उपयोगी बनाने के लिए कोई सुझाव देना चाहेंगे?

श्री मानवेन्द्र–प्रतियोगिता दर्पण इन मानकों पर बिलकुल सटीक बैठती है, इसलिए मैं समसामयिक के लिए इस पर पूर्णरूप से आश्रित था, किन्तु न्यायिक सेवा से सम्बन्धित सामग्री को अभी विस्तार देने की जरूरत है.

प्र. द.–अपनी दैनिक दिनचर्या के कुछ कार्यों के बारे में बताएं, जो तैयारी का अनिवार्य अंग रहे?

श्री मानवेन्द्र–मैं सुबह जल्दी उठ जाता था. सुबह 3 बजे से 6 बजे तक पढ़ता था. प्रतिदिन 15 मिनट ईश्वर की पूजा करना, रात्रि में बनाए गए शेड्यूल का पालन करना. वैसे मैं 1 सप्ताह का शेड्यूल बना लेता था एवं उसका कठोरता से पालन करता था. शाम को टहलना, सकारात्मक सोच वाले मित्रों के साथ मिलते रहना.

अध्ययन हेतु पुस्तकों की सूची

सामान्य अध्ययन

- *भूगोल–महेश वर्मा/ज; वाणी प्रकाशन की–भारत का भूगोल.*
- *संविधान–जे. एन. पाण्डेय*
- *सामान्य विज्ञान–विश्वेश्वर दास (वाणी प्रकाशन की पुस्तकें)*
- *अर्थशास्त्र–प्रतियोगिता दर्पण का अति-रिक्तांक*
- *न्यूज पेपर–हिन्दुस्तान, जनसत्ता*
- *समसामयिक पत्रिका–प्रतियोगिता दर्पण, योजना, इंडिया टुडे.*

विधि की पुस्तकें

- *दण्ड प्रक्रिया संहिता–महावीर सिंह*
- *सिविल प्र. सं.–टी. पी. त्रिपाठी*
- *भारतीय दण्ड सं.–सूर्यनारायण मिश्र*
- *साक्ष्य विधि–अवतार सिंह*
- *संविदा विधि–कैलाश राय*
- *हिन्दू एवं मुस्लिम विधि–पारस दिवान, अकील अहमद*
- *सम्पत्ति अन्तरण अधि.–जे. एन. कुलश्रेष्ठ*
- *डी. एस. सिंह सर (इलाहाबाद) के इन सभी विषयों पर लिखे गए प्रिन्टेड नोट्स*
- *बेयर एक्ट*

प्र. द.–कोई सुझाव या सन्देश, जो आगामी परीक्षार्थियों को देना चाहेंगे?

श्री मानवेन्द्र–अपने लक्ष्य की प्राप्ति तक कठिन परिश्रम करते रहें. हमेशा आत्म-विश्वास बनाए रखें. लिखने का निरन्तर अभ्यास करें. हमेशा सकारात्मक सोच वाले मित्रों का साथ रखें. हम तो उन लोगों को भी धन्यवाद देते हैं, जिन्होंने मेरे पीछे मेरी निरन्तर आलोचना कर मुझे सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया. ईश्वर आपके साथ है. मेरी हार्दिक शुभकामनाएं. ●●●

sscexamonline.blogspot.com

ईश्वर की आस्था, माता-पिता का आशीर्वाद, विपरीत परिस्थितियों में धैर्य बनाये रखना, संघर्ष का माद्दा ही मेरी सफलता का मूलमंत्र है.

—जितेन्द्र कुमार मीना

सिविल सेवा परीक्षा में भारतीय पुलिस सेवा में 678वें स्थान पर चयनित

सिविल सेवा परीक्षा में चयनित होकर जितेन्द्र कुमार मीना ने निःसन्देह अत्यन्त सम्मानजनक उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह सभी प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं, प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.

प्र. द.–सिविल सेवा परीक्षा में आपकी शानदार सफलता पर हार्दिक बधाई.

श्री जितेन्द्र–जी, बहुत-बहुत धन्यवाद.

प्र. द.–किस तरह और कब आपको सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ ?

श्री जितेन्द्र–मेरे माता-पिता ने मुझे इन सेवाओं की गरिमा और महत्व से अवगत कराया.

प्र. द.–वह क्षण कब आया जब आपने सिविल सेवाओं में कैरियर की सम्भावनाएं तलाशने का फैसला लिया ?

श्री जितेन्द्र–स्नातकोत्तर की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद मैंने सिविल सेवाओं में अपना कैरियर बनाने का फैसला किया, किन्तु कुछ परिस्थितियों के कारण मुझे पहले जॉब करने को प्राथमिकता देनी पड़ी.

प्र. द.–अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचते थे?

श्री जितेन्द्र–मैं टॉपर्स को असाधारण प्रतिभा का धनी मानता हूँ, टॉपर्स साक्षात्कार

.....विषय की गहराई से पकड़ व प्रामाणिकता में प्रतियोगिता दर्पण सर्वश्रेष्ठ है.

पढ़कर मुझे हमेशा प्रेरणा मिलती थी. मुझे दयानिधान पाण्डेय (आईएएस 2006 बैच) ने सर्वाधिक प्रभावित किया.

प्र. द.–सिविल सेवा, केवल यही एक मात्र लक्ष्य था या फिर किसी और कैरियर विकल्प के लिए साथ-साथ में तैयारी कर रहे थे ?

श्री जितेन्द्र–इस परीक्षा में सफलता की अनिश्चितता को देखते हुए मैंने पहले जॉब हासिल करने को प्राथमिकता दी, किन्तु अंतिम लक्ष्य सिविल सेवा ही था.

प्र. द.–अपनी सफलता का श्रेय किसको देना चाहेंगे ?

श्री जितेन्द्र–ईश्वर की असीम कृपा, माता-पिता का आशीर्वाद, भाई-बहन का स्नेह, अनवरत प्रेरणा और ननिहाल पक्ष का सहयोग, मित्रों का साथ और विपरीत परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना मेरी सफलता में महत्वपूर्ण कारक रहे.

प्र. द.–सिविल सेवा परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम क्या रहा था ? आपको अपनी तैयारी के लिए सही दिशा एवं उचित मार्गदर्शन कहाँ से मिला ?

श्री जितेन्द्र–पहले मैं स्वयं तैयारी करके परीक्षा में बैठा, किन्तु मुझे असफलता मिली. इसके उपरांत मैंने अपने वैकल्पिक विषयों (राजनीति विज्ञान एवं दर्शनशास्त्र) तथा सामान्य अध्ययन के लिए क्रमशः राजेश मिश्रा सर (सरस्वती कोचिंग), डॉ. विकास दिव्यकीर्ति सर (दृष्टि-द विज़न) और एएलएस

sscexamonline.blogspot.com

कोचिंग से मार्गदर्शन प्राप्त किया, जो मेरी सफलता में अंतिम रूप से निर्णायक रहा.

प्र. द.–क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से संतुष्ट थे एवं सफलता के प्रति आशावान थे? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

श्री जितेन्द्र–इस प्रयास में, मैं अपनी तैयारी से तो संतुष्ट नहीं था, किन्तु परीक्षा में अपने निष्पादन से सफलता के प्रति आशावान था. इस परीक्षा के अंतिम परिणाम में सफल उम्मीदवारों की सूची में अपना नाम देखकर मैं भावुक हो गया.

प्र. द.–इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है ? यह क्रम रखने का आधार क्या रहा ?

श्री जितेन्द्र–मेरी प्राथमिकताएं–आईएएस, आईपीएस, आईएफएस, आईआरएस थी.

प्र. द.–आज के बदलते हुए आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद एवं सिविल सेवाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद भी गम्भीरता से तैयारी में लगे रहे. किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा है ?

श्री जितेन्द्र–कला संकाय के विद्यार्थियों के लिए निजी क्षेत्र में कोई बहुत अच्छे अवसर आज भी नहीं हैं, फिर मेरे परिजनों, मित्रों और ऑफिस के सहकर्मियों ने मुझे इस परीक्षा में सफलता के लिए अनवरत प्रोत्साहित और प्रेरित किया.

व्यक्ति परिचय

नाम–जितेन्द्र कुमार मीना

पिता का नाम–श्री गिरिराज प्रसाद मीना (प्रधानाचार्य)

माता का नाम–श्रीमती राजमती मीना (गृहिणी)

अनुज–राकेश कुमार मीना (IES)

बहन–प्रियंका मीना (बीटेक)

जन्मतिथि–जुलाई 1982

शैक्षणिक योग्यता–

10th–*Govt. Sr. Sec. Sch. Gudhandraji 1996, 74%*

12th–*Govt. Sr. Sec. Sch. Gangapur City 1998, 70%*

B.A.–*Govt. College Gangapur City 2001, 52%*

M.A.–*Deptt. of Pol. Sc., Rajasthan University, Jaipur, 2003, 63% (NET)*

पूर्व बयान–

1. Hindi Asstt. Lok Sabha Secretariate (2006)

2. Rajasthan Account Service (2008)

प्र. द.–समय प्रबन्धन–चाहे वह तैयारी हो या फिर परीक्षा में उत्तर लिखते समय एक महत्वपूर्ण कारक है. क्या आपने इस दौरान समय को लेकर कोई कठिनाई महसूस की? यदि हाँ, तो कैसे आपने इसका सामना किया ?

श्री जितेन्द्र–समय प्रबन्धन निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, किन्तु मुझे इसमें कोई कठिनाई नहीं आई, क्योंकि मेरे ऑफिस का कार्य भी लगातार लिखना और पढ़ना ही था इसलिए मेरी लिखने-पढ़ने की स्पीड काफी अच्छी थी जिससे मुझे प्रारम्भिक और मुख्य दोनों में समय प्रबन्धन में काफी मदद मिली.

प्र. द.–आपके ऐच्छिक विषय क्या थे एवं इनके चुनाव का क्या आधार था ?

श्री जितेन्द्र–मेरे वैकल्पिक विषय राजनीति विज्ञान और दर्शनशास्त्र थे. राजनीति विज्ञान में मैंने परास्नातक किया था अतः ये विषय तो स्वाभाविक था और दर्शनशास्त्र में उचित मार्गदर्शन की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए मैंने इन विषयों का चयन किया था.

प्र. द.–आपके सभी प्रयासों में ऐच्छिक विषय वही रहे या कोई बदलाव रहा ?

श्री जितेन्द्र–मेरे सभी प्रयास इन्हीं विषयों से रहे, यद्यपि मैं अपनी आरम्भिक विफलता से विचलित होकर विषय बदलने के बारे में सोच रहा था, किन्तु विकास सर ने मेरी हौसला अफजाई करते हुए विषय नहीं बदलने की महत्वपूर्ण सलाह दी, जिसका परिणाम आज सामने है.

प्र. द.–प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी के लिए प्रश्न-पत्र 1 (सामान्य अध्ययन) एवं प्रश्न-पत्र 2 (ऐच्छिक विषय) में किस प्रकार संतुलन बनाया?

श्री जितेन्द्र–प्रारम्भिक परीक्षा के लिए मैंने सामान्य अध्ययन पर अधिक ध्यान दिया और सी सैट के लिए कोई अतिरिक्त मेहनत नहीं की.

प्र. द.–ऋणात्मक अंकन (नेगेटिव मार्किंग) के बारे में सतर्कता बरतनी चाहिए ?

श्री जितेन्द्र–नेगेटिव मार्किंग को ध्यान में रखते हुए पहले उन प्रश्नों को हल करना चाहिए, जो पूरी तरह आते हों, उसके बाद कुछ प्रश्नों पर चांस लेना चाहिए. इसके लिए प्रश्न-पत्र दो-तीन बार पढ़ना चाहिए, जो पढ़ने की तेज स्पीड और समय प्रबन्धन से ही सम्भव है.

प्र. द.–आपने मुख्य परीक्षा के लिए क्या योजनाएं बनाई ?

श्री जितेन्द्र–मुख्य परीक्षा के लिए सिलेबस पूरा करने और अपने कमजोर पक्षों को मजबूत करने पर अधिक बल दिया.

प्र. द.–आपने निबन्ध के लिए किस प्रकार की तैयारी की ?

श्री जितेन्द्र–इस परीक्षा का सिलेबस इतना विस्तृत है कि निबन्ध के लिए अलग से तैयारी करने की जरूरत महसूस नहीं हुई, किन्तु निबन्ध के लिए कोचिंग संस्थान का मार्गदर्शन उल्लेखनीय रहा.

प्र. द.–आपने किस विषय पर निबन्ध लिखा एवं उस विषय को ही चुनने का क्या कारण था ?

श्री जितेन्द्र–मैंने "भारतीय सिनेमा लोकप्रिय संस्कृति को प्रभावित करता है या परिलक्षित" विषय पर निबन्ध लिखा, जो मेरी अभिरुचि 'मूवी देखना' से सम्बन्धित था.

प्र. द.–साक्षात्कार की तैयारी आपने कैसे की ?

श्री जितेन्द्र–साक्षात्कार के लिए मैंने अपने अनुज के साथ सभी सम्भावित टॉपिक्स पर चर्चा की थी और कोचिंग संस्थानों में छद्म साक्षात्कार दिए जिससे मुझे अपनी कमियों को दूर करने में सफलता मिली.

मैंने साक्षात्कार की तैयारी के लिए समाचार-पत्र, पत्रिका पढ़े, अपना बायोडाटा तैयार किया, छद्म साक्षात्कार दिए. मेरा साक्षात्कार 2 अप्रैल को श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल के बोर्ड में था. मुझसे गृह जिला, गृह राज्य, भारतीय संविधान की समीक्षा, संसद और समितियों की कार्यप्रणाली, क्लाइमेट चेंज, सतत् विकास, परमाणु ऊर्जा, उदारीकरण के परिदृश्य में कल्याणकारी राज्य की भूमिका आदि से सम्बन्धित प्रश्न पूछे गए. मैं अपने साक्षात्कार से अधिक सन्तुष्ट नहीं था.

व्यक्तिगत विशेषताएं

आदर्श व्यक्तित्व	– *पंडित जवाहरलाल नेहरू, अरविन्द घोष, रानी लक्ष्मीबाई और शहीद-ए-आज़म भगत सिंह.*
सबल पक्ष	– *कभी हिम्मत नहीं हारना, आशावादी होना.*
दुर्बल पक्ष	– *भावुक होना, लोगों पर शीघ्र विश्वास कर लेना.*
रुचियाँ	– *क्रिकेट, बैडमिंटन खेलना, गाने सुनना, हिन्दी फिल्में देखना.*

प्र. द.–किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवाओं की तैयारी के बारे में गम्भीरता के साथ सोचना शुरू कर देना चाहिए ?

श्री जितेन्द्र–स्नातक स्तर पर इस परीक्षा की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए. मुझे लगता है कि एक डेढ़ साल का समय तैयारी के लिए पर्याप्त है, किन्तु उम्मीदवार की पृष्ठभूमि और उसकी परिस्थिति के अनुसार इसमें बदलाव हो सकता है.

sscexamonline.blogspot.com

प्र. द.–आपके अनुसार विज्ञान और मानविकी विषयों में से किस विषय में ज्यादा अंक प्राप्त किए जा सकते हैं ?

श्री जितेन्द्र–मानविकी और विज्ञान दोनों ही विषयों में अंक प्राप्त किए जा सकते हैं. यद्यपि पिछले कुछ समय से विज्ञान, इंजीनियरिंग के सफल उम्मीदवारों की संख्या बढ़ी है.

प्र. द.–आपके अनुसार इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम लेकर तैयारी करने एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार है ?

श्री जितेन्द्र–आजकल हिन्दी माध्यम के अभ्यर्थियों के लिए प्रतियोगिता कठिनतर होती जा रही है. पिछले कुछ सालों के परिणामों से यह देखा जा सकता है, किन्तु कड़ी मेहनत, सच्ची लगन हो तो माध्यम अन्तिम सफलता में बाधा नहीं है.

प्र. द.–क्या अभ्यर्थी के परिवार की शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव अध्ययन पर पड़ता है? यदि हाँ तो कैसे ?

श्री जितेन्द्र–अभ्यर्थी के परिवार की शैक्षिक, आर्थिक स्थितियों का अभ्यर्थी की मनोस्थिति, प्रदर्शन, संघर्ष का माद्दा और अंततः उसकी सफलता पर सबसे ज्यादा असर पड़ता है. फिर भी जहाँ चाह वहाँ राह अर्थात् अगर मन में पक्का इरादा हो, तो कोई बाधा रोक नहीं सकती, हाँ समय अवश्य लग सकता है.

प्र. द.–एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखते हैं ?

श्री जितेन्द्र–एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में समसामयिकी के अलावा बुनियादी मुद्दों को उठाना चाहिए तथा गवर्नेंस का लक्ष्य, समस्याएं और सम्भावित समाधान भी शामिल होने चाहिए.

प्र. द.–भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता पत्रिका प्रतियोगिता दर्पण को इन मानकों के कितने करीब पाते हैं? इसको और अधिक उपयोगी बनाने के लिए कोई सुझाव देना चाहेंगे ?

श्री जितेन्द्र–हिन्दी माध्यम के अभ्यर्थियों के लिए प्रतियोगिता दर्पण एक बेहतरीन पत्रिका है, किन्तु परीक्षा के बदलते स्वरूप को ध्यान में रखते हुए इसमें कुछ परिवर्तन किए जा सकते हैं. इसमें तथ्यों का समावेश कम करके संकल्पना आधारित विषयों को अधिक जगह दी जा सकती है.

प्र. द.–क्या आपने सामान्य अध्ययन के अतिरिक्तांकों की सीरीज का उपयोग [illegible] ?

श्री जितेन्द्र–जी, हाँ. मैंने अर्थव्यवस्था और समसामयिकी के अतिरिक्तांक पढ़े हैं. मेरे लिए ये बहुत उपयोगी सिद्ध हुए.

प्र. द.–प्रतियोगिता दर्पण वार्षिकी कितनी उपयोगी लगी?

श्री जितेन्द्र–वार्षिकी अंक में सब कुछ होता है, किन्तु इसमें विश्लेषण को अधिक महत्व दिया जाना चाहिए और यह अंक परीक्षा से 40–45 दिन पहले आ जाना चाहिए ताकि यह अभ्यर्थियों के लिए अधिक उपयोगी साबित हो सके.

प्र. द.–भविष्य को ध्यान में रखते हुए क्या आपने परीक्षा की तैयारी और प्रयासों हेतु कोई समय-सीमा निर्धारित की थी?

श्री जितेन्द्र–जी, मैंने ऐसी कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की थी.

प्र. द.–आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है?

श्री जितेन्द्र–मेरी सफलता का मूलमंत्र– ईश्वर में आस्था, माता-पिता का आशीर्वाद, मेरे अनुज राकेश और बहन प्रियंका का निरंतर प्रोत्साहन और सहयोग, मित्रों से प्रेरणा, मामाजी का सहयोग, विपरीत परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना, संघर्ष का माद्दा (माँ से सीखा) की मेरी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका रही.

प्र. द.–आपने सामान्य अध्ययन की तैयारी के लिए कौन-कौनसी पत्र-पत्रिकाओं एवं पुस्तकों का उपयोग किया ?

श्री जितेन्द्र–फ्रंटलाइन, वर्ल्ड फोकस, प्रतियोगिता दर्पण, विज़ार्ड, योजना, कुरुक्षेत्र आदि पत्रिकाएं सामान्य अध्ययन की तैयारी में महत्वपूर्ण रहीं.

प्र. द.–अपनी दैनिक दिनचर्या में कुछ कार्यों के बारे में बताएं, जो तैयारी का अनिवार्य अंग रहे.

श्री जितेन्द्र–मुख्यतः एफएम गोल्ड से न्यूज सुनना, 'द हिन्दू' पढ़ना मेरी दिनचर्या के अनिवार्य अंग थे.

प्र. द.–कोई सुझाव या संदेश आगामी अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे ?

श्री जितेन्द्र–अगर आपके मन में पक्का इरादा, कुछ करने का जज्बा और अपने प्रति ईमानदारी है, तो कोई आपको सफल होने से नहीं रोक सकता. आरम्भिक विफलताओं से न घबराएं, निरन्तर ऊर्जा बनाए रखते हुए प्रयास करें, सफलता आपके कदम चूमेगी.

प्र. द.–उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

श्री जितेन्द्र–जी, बहुत-बहुत धन्यवाद.

●●●

VAJIRAO INSTITUTE

Top Potential Training Institute for IAS/PCS

वाजीराव संस्थान से
लगातार 8 वीं बार 1st Rank पर चयन

GENERAL STUDIES
By A Team of 9 Experts

CSAT
By A Team of 8 Experts

HISTORY Dr. S.S. Chaudhary	PUB. ADM. Prof. V.N. Reddy/ Dr. S.S. Chaudhary
SOCIOLOGY Shankar Sir	GEOGRAPHY Dr. M.K. Tripathi

New Exclusive Batch Start by a Team of 9 Eminent Experts exclusively for each section

15 May, 3 June

DELHI : 2507, Hudson Lane, Kingsway Camp Ph. 011-42474428

ALLAHABAD : 196, Colonelganj Opp. Anand Bhawan Ph. 0532-3244924

AGRA : C6, New Agra. Ph. 0562-3527541

sscexamonline.blogspot.com

✍ डॉ. अरुणोदय बाजपेयी

दक्षिण एशिया में भारत की नई चुनौतियाँ

दक्षिण एशिया भारत का पड़ोस है. भारत की विदेश नीति की सफलता दक्षिण एशिया में भारत की सफलता पर निर्भर करती है. दक्षिण एशिया में भारत के पड़ोस में उत्तर-पश्चिम में पाकिस्तान, अफगानिस्तान, भूटान, नेपाल तथा दक्षिण में मालदीव व श्रीलंका एवं पूरब में बांग्लादेश स्थित है. यह सभी देश भारत के साथ ही यहाँ के क्षेत्रीय सहयोग संगठन दक्षेस के सदस्य हैं. भारत जनसंख्या, आकार, तकनीकि विकास तथा अर्थव्यवस्था की दृष्टि से दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा देश है. अतः पड़ोसी देशों के मध्य भारत के प्रति आशंका की उत्पत्ति स्वाभाविक है. इस आशंका की चुनौती का सामना करने के लिए भारत के पड़ोसी देश समय-समय पर बाह्य शक्तियों को आमंत्रण देते रहे हैं. भारत ने दक्षिण एशिया में बाह्य शक्तियों के हस्तक्षेप का हमेशा विरोध किया है. दक्षिण एशिया में भारत की स्थिति का दूसरा पहलू यह है कि सभी पड़ोसी देश सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भारत से जुड़े हुए हैं तथा उनका विकास भारत की स्थिति व भूमिका पर निर्भर करता है. परम्परागत रूप से पड़ोस में भारत की मुख्य नीति यह रही है कि इन देशों में स्थिरता, लोकतंत्र तथा विकास को मजबूत किया जाए. भारत ने अपनी सुदृढ़ स्थिति के कारण दक्षिण एशिया में एक क्षेत्रीय शक्ति की भूमिका का भी निर्वाह किया है तथा इस क्षेत्र के विकास व स्थिरता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है.

वैश्वीकरण के वर्तमान युग में भारत ने गत 20 वर्षों में तीव्र आर्थिक विकास का लक्ष्य हासिल किया है तथा वर्तमान में भारत की गणना विश्व की उभरती हुई आर्थिक शक्तियों में की जाने लगी है. भारत अपनी उभरती हुई भूमिका का निर्वाह कई क्षेत्रीय व वैश्विक संगठनों जैसे–इब्सा, ब्रिक्स, जी–20, [illegible]रपेक्ष आन्दोलन आदि के माध्यम से करने का प्रयास कर रहा है. भारत की इस नई भूमिका की सफलता दक्षिण एशिया में भारतीय विदेश नीति की सफलता के बिना सम्भव नहीं है. इस नई स्थिति के कारण भारत आज दक्षिण एशिया क्षेत्र में आर्थिक विकास के क्षेत्र में प्रभावी भूमिका हेतु सक्षम है, लेकिन बाह्य शक्तियों के हस्तक्षेप तथा चीन की गतिविधियों के कारण भारतीय भूमिका को दक्षिण एशिया में नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है. दक्षिण एशिया में राजनीतिक अस्थिरता भी भारत की चुनौती को बढ़ावा दे रही है. फिर भी भारत ने बदली हुई परिस्थितियों में दक्षिण एशिया में अपनी नई सकारात्मक भूमिका को आगे बढ़ाने के लिए कतिपय नीतिगत परिवर्तन किए हैं, जिनका उल्लेख आवश्यक है.

वैश्वीकरण के वर्तमान संदर्भ में उत्तर शीतयुद्ध काल की वैश्विक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए 1998 में भारत ने अपनी नई दक्षिण एशिया नीति का प्रतिपादन किया, जिसे गुजराल सिद्धान्त के नाम से जाना जाता है, क्योंकि इसका प्रतिपादन तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इन्द्र कुमार गुजराल द्वारा किया गया था. इस नीति की निम्नलिखित विशेषताएं महत्वपूर्ण हैं–

1. भारत अपने पड़ोसियों के साथ सम्बन्धों में पारस्परिकता के तत्व पर जोर नहीं देगा तथा आगे बढ़कर पड़ोसियों के साथ द्विपक्षीय सम्बन्धों को आगे बढ़ाएगा. यह एक महत्वपूर्ण परिवर्तन है. इसका निहितार्थ यह है कि भारत यदि अपने पड़ोसियों के साथ सहयोग व सहायता करता है, तो उसके बदले वह उन पड़ोसियों से अधिक अपेक्षा नहीं रखेगा.
2. नई नीति में भी दक्षिण एशिया तथा भारत के सुरक्षा सम्बन्धी हितों को ध्यान में रखा गया है तथा कहा गया है कि दक्षिण एशिया के देश किसी भी देश की सुरक्षा के विरुद्ध अपने क्षेत्र के प्रयोग की अनुमति नहीं देंगे.
3. दक्षिण एशिया के देश एक-दूसरे के आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे.
4. सभी देश एक-दूसरे की सम्प्रभुता व प्रादेशिक अखण्डता का सम्मान करेंगे.
5. सभी देश अपने आपसी विवादों का समाधान शांतिपूर्ण तरीकों से करेंगे.

नई नीति की उक्त विशेषताओं के अवलोकन से स्पष्ट है कि इस नीति के कई तत्व चीन के सम्बन्ध में 1954 में घोषित पंचशील सिद्धान्त में भी शामिल थे. फिर भी नई नीति की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें भारत ने पारस्परिकता के सिद्धान्त पर जोर न देने का वचन दिया है. इसका तात्पर्य यह है कि भारत अपने पड़ोसियों से अधिक किसी लाभ की आशा किए बिना आपसी हितों की दृष्टि से उनके साथ सहयोग को आगे बढ़ाएगा. उल्लेखनीय यह है कि भारत के पड़ोसियों द्वारा भारत के विरुद्ध समय-समय पर यह आरोप लगाया जाता रहा है कि भारत अपने सहयोग के बदले पड़ोसियों पर अनुचित दबाव डालने का प्रयास करता रहा है. वर्तमान में दक्षिण एशिया में भारत की एकमात्र अपेक्षा अपने सुरक्षा हितों के संरक्षण की है.

इसी क्रम में वैश्वीकरण की माँग के अनुसार, भारत ने 2005 में अपनी नई पड़ोस नीति की घोषणा की है, जिसके मुख्य बिन्दु निम्नलिखित हैं–

1. भारत ने यह स्वीकार किया है कि उसका अपने पड़ोसियों के साथ सम्पर्क भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों के माध्यम से ही होता है. अतः भारत इन सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास पर विशेष ध्यान देगा.
2. अपने पड़ोसियों के साथ वस्तुओं व सेवाओं के आदान-प्रदान को सुगम बनाने के लिए भारत अपने पड़ोसियों के साथ सम्पर्कता के साधनों को मजबूत बनाने का प्रयास करेगा. इस सम्पर्कता में जल, वायु तथा भूमि तीनों प्रकार की सम्पर्कता को मजबूत बनाना शामिल है.
3. नई पड़ोस नीति का तीसरा महत्वपूर्ण तत्व यह है कि भारत पड़ोसियों के साथ सांस्कृतिक व जनता-से-जनता के बीच सम्बन्धों को मजबूत बनाने का प्रयास करेगा. लोकतंत्र के विस्तार तथा नए संचार साधनों के आलोक में आपसी समझ विकसित करने के लिए इस प्रकार के सम्बन्धों को मजबूत बनाना आवश्यक है.

sscexamonline.blogspot.com

उक्त नीतिगत बदलावों का निहितार्थ यह है कि भारत अब भी दक्षिण एशिया में स्थिरता, विकास तथा शांति को बढ़ावा देने के लिए तत्पर है. भारत इस मौलिक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पड़ोसी देशों के साथ आपसी लाभकारी सहयोग की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना चाहता है. इसीलिए भारत ने पड़ोसी देशों के साथ विकास के क्षेत्र में सहयोग की नीति को मजबूती प्रदान की है. फिर भी भारत की नीति की सफलता को इस क्षेत्र में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है.

समकालीन चुनौतियाँ

दक्षिण एशिया में भारत की नीति के समक्ष मौलिक रूप से दो प्रकार की चुनौतियाँ हैं–प्रथम दक्षिण एशिया के देशों में राजनीतिक अस्थिरता, आतंकवाद तथा अल्प-विकास की समस्या जिससे भारत की नई नीति राजनीतिक विवादों के घेरे में आ जाती है. द्वितीय बाह्य शक्तियों विशेषकर चीन का दक्षिण एशिया में बढ़ता हुआ हस्तक्षेप भारत की दक्षिण एशिया नीति के समक्ष एक बहुत बड़ी चुनौती है. इन चुनौतियों का विश्लेषण हम विभिन्न देशों के सम्बन्ध में कर सकते हैं.

पाकिस्तान राजनीतिक दृष्टि से अस्थिरता का सामना कर रहा है तथा वहाँ आतंकवाद की जड़ें अत्यन्त गहरी हैं, जिसके कारण भारत और पाकिस्तान के समकालीन सम्बन्धों में तनाव उत्पन्न होता रहा है. वर्तमान में भारत के विरुद्ध पाकिस्तान और चीन का गठजोड़ अधिक मजबूत हो रहा है. चीन ने पाकिस्तान में ग्वादर बन्दरगाह के विकास का कार्य अपने हाथों में लिया है तथा वह पाकिस्तान के साथ सड़क व रेल मार्गों से सम्पर्कता बढ़ा रहा है. इसका निहितार्थ यह है कि चीन पाकिस्तान होते हुए अरब की खाड़ी तक समुद्री क्षेत्र में पहुँच सकता है. यद्यपि चीन इस सम्पर्कता का प्रयोग अपने आयात और निर्यात के लिए भी कर सकता है, लेकिन यह भारतीय सुरक्षा की दृष्टि से एक नई चुनौती है. चीन और पाकिस्तान के गठजोड़ का एक अन्य पहलू यह है कि चीन पाकिस्तान को परमाणु क्षेत्र में भी तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है. चीन ने अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय के विरोध के बावजूद पाकिस्तान को एक नया परमाणु रियेक्टर देने के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं. यद्यपि चीन इसे एक शांतिपूर्ण आण्विक सहयोग का उदाहरण बता रहा है, लेकिन यह सर्वविदित है कि चीन और पाकिस्तान की परमाणु और मिसाइल क्षमता को बढ़ाने के लिए निरन्तर प्रयास कर रहा है. चीन [illegible] पाकिस्तान को गठजोड़ दोनों के सामरिक हितों की पूर्ति करने के साथ-साथ प्रथम दृष्टया भारत विरोधी है.

पाकिस्तान की स्थिति के कारण भारत की एक अन्य चुनौती अफगानिस्तान के भविष्य को लेकर है. अफगानिस्तान में 2001 से ही अमरीका के नेतृत्व में नाटो की सेनाएं उपस्थित हैं. इन सेनाओं ने वहाँ आतंकवाद समर्थित तालिबान शासन को समाप्त कर लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने का प्रयास किया है, लेकिन अफगानिस्तान की डाँवा-डोल आन्तरिक स्थिति राजनीतिक अस्थिरता की दृष्टि से उचित नहीं है. भारत ने अपनी उपस्थिति बनाए रखने के लिए पिछले एक दशक में आर्थिक विकास में सहयोग की नीति का पालन किया है, जिसके अन्तर्गत भारत अब तक 3 बिलियन डॉलर की विकास सहायता अफगानिस्तान को दे चुका है. 2014 में अफगानिस्तान से नाटो की सेनाओं की वापसी प्रस्तावित है. भारत की मुख्य चिन्ता यह है कि इस वापसी के बाद अफगानिस्तान में यदि पाकिस्तान समर्थित सरकार स्थापित हो जाती है, तो आतंकवाद को पुनः बढ़ावा प्राप्त हो सकता है. ऐसी स्थिति भारत की सुरक्षा की दृष्टि से घातक है.

इसी प्रकार नेपाल में भी भारत को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है. पिछले दो दशकों से नेपाल राजनीतिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है. इस राजनीतिक अस्थिरता में माओवादी ताकतों को बढ़ता हुआ प्रभाव एक नई घटना है. नेपाल के माओवादी राजनीतिक समूह भारत विरोधी दृष्टिकोण अपना रहे हैं तथा चीन के साथ उनकी निकटता सर्वविदित है. आशंका यह भी व्यक्त की जा रही है कि इन माओवादी समूहों का सम्पर्क भारत के नक्सलवादी समूहों से हो सकता है. नेपाल की राजनीतिक अस्थिरता भारत के लिए एक गम्भीर चुनौती है. वर्तमान में नेपाल में कतिपय समूह भारत विरोधी लोकमत को तैयार करने में संलग्न हैं तथा भारत द्वारा नेपाल में संचालित किए जा रहे विकास सहायता कार्यक्रमों को भी विवादास्पद बना दिया गया है. 1950 के बाद से ही भारत और नेपाल के बीच विशेष सम्बन्ध कायम रहे हैं, जिसका आधार 1950 में हस्ताक्षरित दोनों के बीच मैत्री व सहयोग की संधि है. माओवादी समूह इस संधि को नेपाल की सम्प्रभुता के विरुद्ध मानते हैं तथा इसके बदलाव पर जोर दे रहे हैं. नेपाल की राजनीतिक स्थिरता के बिना भारत नेपाल के प्रति किसी सार्थक नीति का क्रियान्वयन नहीं कर पा रहा है.

कमोबेश यही स्थिति बांग्लादेश में है. बांग्लादेश में वर्तमान में दो राजनीतिक दल सक्रिय हैं–शेख हसीना के नेतृत्व में आवामी लीग तथा खालिदा जिया के नेतृत्व में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी. भारत के साथ सम्बन्धों को लेकर इन दोनों दलों के बीच गम्भीर मतभेद हैं. आवामी लीग धर्मनिरपेक्ष नीतियों की समर्थक है तथा भारत के साथ घनिष्ठ सम्बन्धों की पक्षधर है. इसके विपरीत बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी कट्टरवादी तत्वों से समर्थित है तथा उसकी नीतियाँ भारत विरोधी रही हैं. 2013 में आवामी लीग सरकार ने 1971 के युद्ध अपराधियों को सजा देने का जो कार्यक्रम चलाया है, उसको लेकर दोनों दलों के समर्थकों में तनाव व हिंसा की कई घटनाएं हुई हैं. जब भी बांग्लादेश में आवामी लीग पार्टी का शासन होता है, भारत-बांग्लादेश सम्बन्ध सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ते हैं. इसके विपरीत बांग्लादेश में जब भी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी का शासन होता है, तो दोनों देशों के सम्बन्धों में तनाव के लक्षण दिखाई देते हैं. निष्कर्ष यह है कि भारत-बांग्लादेश सम्बन्ध बांग्लादेश के राजनीतिक ध्रुवीकरण का शिकार हो गए हैं. इसमें किसी सकारात्मक पहल की आवश्यकता है.

मालदीव में भी भारत की विदेश नीति को वर्तमान में नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है. सत्ता परिवर्तन के बाद वर्तमान में मालदीव में जो नई सरकार आई

ENGLISH
DHARMENDRA KUMAR
SSC (GL) | DP-SI | CPO
PO | CSAT | UPSC (Compulsory)
JUDICIARY | CPF
& ALL COMPETITIVE EXAMS
DSL TM
An ISO 9001:2008 Certified Co.
पढ़ाया नहीं सिखाया जाता है
Batch Timing
8:15 am | 10:30 am | 12:15 pm
4:00 pm | 5:30 pm | 7:15 pm
IAS, PCS, SSC में जो भी प्रश्न पूछे जाते हैं, वे हमारे Class Notes एवं Test Series के आधार पर ही होते हैं। हमके छात्रा हमारे संस्थान का Result एवं Students हैं।
MATHS by B.K. SINGH
Batch Timing
8 am | 9:30 am | 11 am
2 pm | 4 pm | 6 pm
DSL TM D'sight Lyceum
011-45535335
103-A, Ansal Building, Near Chugh Dairy, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-9
9560319896, 9990936964

sscexamonline.blogspot.com

है, उसने भारत विरोधी दृष्टिकोण अपनाते हुए चीन के साथ नए सहयोग की शुरुआत की है. इसका एक तात्कालिक उदाहरण यह है कि माले हवाई अड्डे का संचालन एक भारतीय कम्पनी के हाथ से लेकर चीन को सौंप दिया गया है.

उक्त उदाहरणों से स्पष्ट है कि भारत के तमाम प्रयासों के बावजूद बाह्य शक्तियों के हस्तक्षेप तथा दक्षिण एशिया के देशों की आन्तरिक समस्याओं के कारण भारत की दक्षिण एशिया नीति को वांछित सफलता प्राप्त नहीं हो रही है. वर्तमान में भारत इन देशों के साथ विकास के क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाते हुए इस क्षेत्र में शांति व सुरक्षा के लक्ष्य को प्राप्त करना चाहता है, लेकिन आन्तरिक विपरीत परिस्थितियों के कारण सफलता नहीं मिल पा रही है. दूसरी तरफ दक्षिण एशिया में चीन भी भारत को घेरने का प्रयास कर रहा है. चीन भी भारत की उभरती आर्थिक शक्ति से चिंतित है तथा उसे अपने सामरिक प्रतियोगी के रूप में देख रहा है. अतः उक्त परिस्थितियों के आलोक में दक्षिण एशिया में भारत की विदेश नीति के पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता है.

भारत-मिस्र सम्बन्ध : नई शुरुआत

भारत और मिस्र दोनों ही विश्व की प्राचीन सभ्यताओं वाले देश हैं. प्राचीन समय से ही दोनों के सम्बन्ध बने हुए हैं. मौर्य सम्राट् अशोक के शिलालेखों से स्पष्ट है कि मिस्र के शासक टोलेमी के समय से ही दोनों देशों के बीच घनिष्ठ सम्बन्ध रहे हैं. वर्तमान युग में दोनों ही उपनिवेशवाद के शिकार रहे हैं. भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा मिस्र के नेताओं ने उपनिवेशवाद से मुक्ति के लिए एक साझा सपना देखा था. 1950 व 1960 के दशक में भारत और मिस्र ने मिलकर एशिया व अफ्रीका के देशों के मध्य एकता व सहयोग की नई प्रक्रिया को आगे बढ़ाया. इसका प्रमाण यह था कि दोनों देशों के शीर्ष नेताओं– भारत के जवाहरलाल नेहरू तथा मिस्र के कर्नल नासिर ने मिलकर गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की नींव रखी. इन दोनों नेताओं की गणना युगोस्लाविया के नेता मार्शल टीटो के साथ गुटनिरपेक्ष के संस्थापकों में की जाती है. जब गुटनिरपेक्ष आन्दोलन अपने चरमोत्कर्ष पर था, तो मिस्र ने तीसरी दुनिया के देशों को नेतृत्व प्रदान करने के साथ-साथ अरब देशों का नेतृत्व भी किया. गुटनिरपेक्ष देशों का दूसरा शिखर सम्मेलन मिस्र की राजधानी काहिरा में आयोजित किया गया था. दोनों देशों ने उपनिवेशवाद की समाप्ति, निःशस्त्रीकरण, नई अन्तर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की स्थापना स्वतंत्र फिलीस्तीन राज्य की स्थापना आदि मुद्दों पर एकसमान दृष्टिकोण अपनाया. 1956 के स्वेज युद्ध में मिस्र ने पश्चिमी प्रभुत्व को चुनौती दी तथा उसे तीसरी दुनिया के देशों का व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ, लेकिन 1973 के अरब-इजरायल संघर्ष के बाद मिस्र की नीतियों में आमूल-चूल परिवर्तन देखने को आया. 1978 में मिस्र ने अमरीका की मध्यस्थता स्वीकार करते हुए इजरायल के साथ कैम्प-[illegible] समझौते पर हस्ताक्षर किए. कैम्प-डेविड स्थान अमरीका में वहाँ के राष्ट्रपति का विश्राम-स्थल है. इस समझौते को अरब देशों ने पश्चिमी ताकतों व इजरायल के समक्ष मिस्र के समर्पण के रूप में लिया. इसका परिणाम यह हुआ कि मिस्र ने अरब देशों का नेतृत्व खो दिया तथा वह क्रमशः अमरीका व पश्चिमी देशों की नीतियों का पक्षधर बन गया. 1979 में होस्नी मुबारक मिस्र के राष्ट्रपति बने जिन्होंने पश्चिम समर्थक नीतियों का अनुसरण किया. चूँकि इस काल में भारत तीसरी दुनिया के देशों के हितों के लिए पश्चिम की नवउपनिवेशवादी नीतियों का विरोध कर रहा था, अतः भारत और मिस्र के सम्बन्ध नकारात्मक रूप से प्रभावित हुए. अतः 1950 और 1960 के दशक में दोनों देशों के बीच जो निकटता थी, उसमें दूरी आ गई.

होस्नी मुबारक के 30 वर्ष के शासन-काल में मिस्र और पश्चिमी देशों के घनिष्ठ सम्बन्ध विकसित हुए. यह कार्यकाल मिस्र में लोकतंत्र की स्थापना व विकास की दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता. इसके विरुद्ध मिस्र की जनता का आक्रोश 2011 में खुलकर सामने आया. जनता के तीव्र विरोध के कारण होस्नी मुबारक को अपना पद छोड़ना पड़ा तथा वहाँ नए राजनीतिक नेतृत्व ने चुनाव के बाद सत्ता प्राप्त की. इस बदलाव को मिस्र में कमल क्रांति के नाम से जाना जाता है. वर्तमान में सरकार द्वारा होस्नी मुबारक के विरुद्ध उनकी गैर-कानूनी गतिविधियों के कारण मुकदमा चलाया जा रहा है. मिस्र का नया नेतृत्व वर्तमान में मिस्र की पूर्व भूमिका को पुनः प्राप्त करने के लिए कटिबद्ध प्रतीत होता है. अन्य बातों के अतिरिक्त मिस्र में भारत के साथ सम्बन्धों को नए सिरे से मजबूत करने के लिए सहमति बनी है.

मिस्र के राष्ट्रपति मोरसी की भारत यात्रा (18 से 20 मार्च, 2013)

ऐसा प्रतीत होता है कि मिस्र का नया नेतृत्व विभिन्न देशों के साथ अपने सम्बन्धों को नए सिरे से आगे बढ़ाना चाहता है. इसी कड़ी में मिस्र के राष्ट्रपति मोरसी ने मार्च 2013 में अपनी ऐतिहासिक भारत यात्रा सम्पन्न की. दो कारणों से यह यात्रा महत्वपूर्ण है–प्रथम 2011 में कमल क्रांति के उपरान्त सत्ता परिवर्तन के बाद मिस्र के शीर्ष नेतृत्व की यह प्रथम यात्रा है, जो नए मिस्र की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है. दूसरा, गत 30 वर्षों में भारत और मिस्र के सम्बन्ध उतने अच्छे नहीं रहे, जो 1950 व 1960 के दशक में थे. अतः यह यात्रा दोनों देशों के बीच पुरानी घनिष्ठता को प्रोत्साहित करने का एक नया प्रयास है.

परीक्षकों का मानना है कि मिस्र के राष्ट्रपति भारत के साथ पुनः सम्बन्धों को सुधारना चाहते हैं. यद्यपि भारत यात्रा के पूर्व मोरसी ने पाकिस्तान की भी यात्रा की थी, लेकिन भारत के प्रति मिस्र के नए दृष्टिकोण को देखते हुए दोनों देशों के बीच घनिष्ठ सम्बन्धों की एक नई शुरुआत हुई है. इस यात्रा के दौरान मिस्र के राष्ट्रपति के साथ मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों तथा व्यापारियों का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधि मण्डल भी भारत आया था. मिस्र के राष्ट्रपति ने भारतीय नेताओं के साथ उच्चस्तरीय विचार-विमर्श किया. उन्होंने भारत के राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी, भारत के उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी, भारत के विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद, संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की नेता सोनिया गांधी तथा भारत के विपक्ष की नेता सुषमा स्वराज से मुलाकात कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की. 19 मार्च, 2013 को उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से विभिन्न मुद्दों पर व्यापक विचार-विमर्श किया. भारतीय प्रधानमंत्री ने लोकतांत्रिक दृष्टि से निर्वाचित मिस्र के राष्ट्रपति को बधाई दी तथा वहाँ लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने में भारतीय सहयोग का आश्वासन दिया. उल्लेखनीय है कि भारत का निर्वाचन आयोग वहाँ लोकतांत्रिक निर्वाचन प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए मिस्र के निर्वाचन आयोग के साथ सहयोग कर रहा है.

संयुक्त घोषणा-पत्र

इस ऐतिहासिक यात्रा के अंत में दोनों देशों ने एक 21 बिन्दु वाले संयुक्त घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर किए, जिनकी मुख्य बातें निम्नलिखित हैं–

1. दोनों देशों ने वर्तमान संदर्भ में द्विपक्षीय सम्बन्धों को सुधारने की पहल पर संतोष व्यक्त किया तथा द्विपक्षीय

sscexamonline.blogspot.com

सम्बन्धों की पूर्ण क्षमता के विकास के लिए विचारों के आदान-प्रदान तथा द्विपक्षीय विचार-विमर्श को मजबूत बनाने पर जोर दिया.

2. दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार की स्थिति पर संतोष व्यक्त करते हुए उसे आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की. उल्लेखनीय है कि वर्तमान में दोनों देशों के मध्य कुल व्यापार 5 बिलियन डॉलर है दोनों देशों ने 2016 तक इसे 8 बिलियन डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है. इसी दौरान संयुक्त ट्रेड समिति की भी बैठक हुई, जिसने द्विपक्षीय व्यापार में नई वस्तुओं जैसे– गेहूँ, कपास, खाद आदि को शामिल करने का सुझाव दिया है. द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने के लिए दोनों देशों ने उपयुक्त प्रशासनिक व्यवस्था की स्थापना पर जोर दिया.
3. मिस्र और भारत दोनों ने कई क्षेत्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों पर भी चर्चा की. इसमें प्रमुख है–सीरिया में बिगड़ती हुई राजनीतिक स्थिति, गुटनिरपेक्ष आन्दोलन का भविष्य तथा संयुक्त राष्ट्र में सुधार का प्रश्न.सीरिया के मामले में दोनों देशों ने संयुक्त राष्ट्र संघ के तत्वावधान में चलाए जा रहे लखदर ब्राहिमी के शांति मिशन को सहयोग देने की बात कही. दोनों देशों का मत था कि सीरिया की क्षेत्रीय अखण्डता की रक्षा की जानी चाहिए तथा सीरिया की जनता की वैध आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए इस संकट का कोई राजनीतिक हल निकाला जाना चाहिए.
4. दोनों देशों ने इस बात का समर्थन किया कि संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद् के प्रस्ताव संख्या 242 (1967) तथा 338 (1973) के आलोक में एक सम्प्रभु और स्वतंत्र फिलीस्तीनी राज्य की स्थापना की जाए. दोनों नेताओं ने फिलीस्तीनी क्षेत्रों में हजरायली बस्तियों की स्थापना पर रोक लगाने की माँग की. दोनों का मत था कि अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय के सहयोग से इस क्षेत्र में शांति की स्थापना के लिए बातचीत के गम्भीर प्रयास किए जाने चाहिए.
5. दोनों देशों ने आतंकवाद के प्रत्येक रूप की भर्त्सना की तथा स्वीकार किया कि आतंकवाद जिसमें राज्य समर्थित आतंकवाद भी शामिल है, अन्तर्राष्ट्रीय शांति व सुरक्षा के लिए सबसे गम्भीर समस्या है. आतंकवाद की समस्या से निपटने के लिए दोनों देशों ने प्रत्येक स्तर पर सहयोग का संकल्प लिया.
6. मिस्र के राष्ट्रपति ने विकित्सा तथा शिक्षा के क्षेत्र में भारत द्वारा चलाए जाने वाले अफ्रीकन ई-नेटवर्क प्रोजेक्ट की सराहना की. इसके साथ ही भारत द्वारा सौर ऊर्जा के क्षेत्र में मिस्र में, जो कार्यक्रम चलाया जा रहा है, उसकी भी सराहना की गई. दोनों देशों ने सूचना तकनीकी के क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए सहमति व्यक्त की.
7. दोनों देशों ने संस्कृति, शिक्षा तथा भारतीय व मिस्र सम्बन्धित अध्ययनों के क्षेत्र में आपसी सहयोग की वर्तमान प्रक्रिया का समर्थन किया तथा इन क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने पर बल दिया. इसके साथ ही दोनों देशों ने नागरिक समाजों तथा जनता-से-जनता के बीच सम्पर्क को मजबूत बनाने पर सहमति व्यक्त की.

छः समझौते–मिस्र के राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने सम्बन्धों को मजबूत बनाने के लिए निम्नलिखित छः समझौतों पर हस्ताक्षर किए–

1. दोनों देशों ने एक सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए जिसमें सूचना तथा संचार तकनीकी के क्षेत्र में सहयोग की बात कही गई है.
2. दोनों देशों ने साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग करने के लिए एक सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए.

शेष पृष्ठ 1790 पर

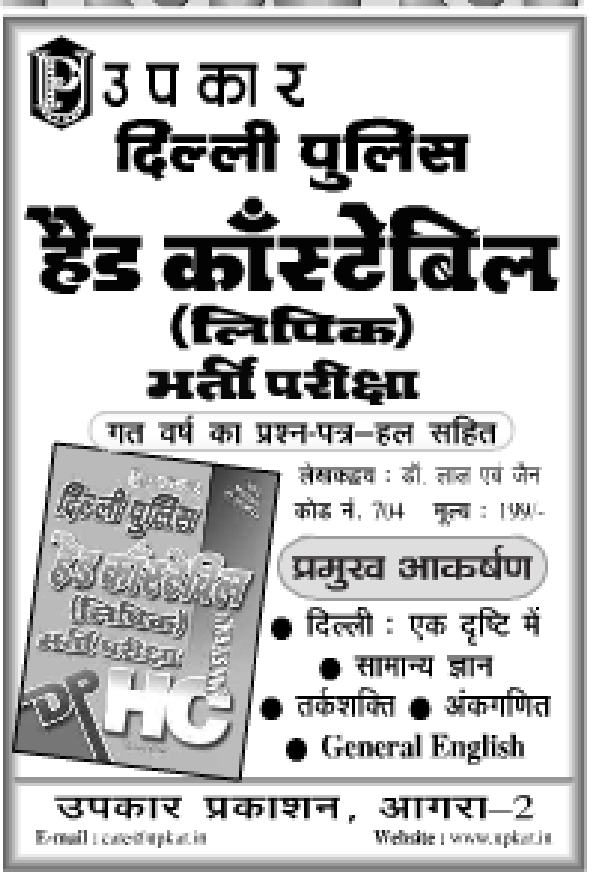

sscexamonline.blogspot.com

राष्ट्रीय

1. वह तेलगु भाषा के साहित्यकार जिन्हें अप्रैल 2013 में ज्ञानपीठ पुरस्कार देने की घोषणा की गई — **रावरी भारद्वाज**

   ☛ *साहित्य के क्षेत्र का प्रतिष्ठित ज्ञानपीठ पुरस्कार वर्ष 2012 के लिए तेलगु साहित्यकार रावरी भारद्वाज को देने की घोषणा अप्रैल 2013 में की गई. रावरी भारद्वाज ने 37 अंक लघु कथाओं के तथा सात उपन्यास लिखे हैं.*

2. राजस्थान का वह क्षेत्र जिसे राज्य सरकार ने 'टाइगर रिजर्व' के रूप में अप्रैल 2013 में घोषित किया है. — **मुकुन्दरा हिल्स**

   ☛ *राजस्थान सरकार ने नेशनल टाइगर कंजर्वेशन ऑथॉरिटी (NTCA) की संस्तुति पर मुकुन्दरा हिल्स को राज्य का तीसरा टाइगर रिजर्व अप्रैल 2013 में घोषित किया है. यह राज्य के कोटा, बूँदी, चित्तौड़गढ़ तथा झालावार जिलों में 759 वर्ग किमी में फैला है.*

3. भारतीय नौसेना का नौका द्वारा विश्व का चक्कर लगाने वाला वह अभियान, जो 6 अप्रैल, 2013 को मुम्बई में सम्पन्न हुआ. — **सागर परिक्रमा-2**

   ☛ *भारतीय नौसेना के लेफ्टि. कमांडर अभिलाष टोमी द्वारा अकेले ही बिना बाह्य सहायता एवं बिना रुके भारतीय नौसेना की नौका महादेई पर सवार होकर 6 माह में पूरे विश्व का चक्कर लगाते हुए लगभग 41000 किमी की यात्रा की. यह यात्रा 1 नवम्बर, 2012 को मुम्बई से प्रारम्भ हुई थी तथा 6 अप्रैल, 2013 को मुम्बई में ही समाप्त हो गई.*

4. भारतीय सिनेमा का वह प्रतिष्ठित कलाकार जिसे वर्ष 2012 के दादा साहेब फाल्के पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा अप्रैल 2013 में की गई है. — **प्राण**

   ☛ *भारत के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा फिल्मों में समग्र योगदान देने के लिए फिल्मों में सशक्त भूमिकाएं निभाने वाले अभिनेता प्राण को भारतीय सिनेमा क्षेत्र के सर्वोच्च पुरस्कार दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है.*

5. भारतीय फिल्म जगत् की वह प्रतिष्ठित अभिनेत्री जिसे इस वर्ष दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार प्रदान किया गया. — **जया बच्चन**

   ☛ *प्रतिष्ठित गायिका लता मंगेशकर ने 24 अप्रैल, 2013 को राज्य सभा की सदस्य एवं लोकप्रिय अभिनेत्री जया बच्चन को दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार प्रदान किया.*

6. भारतीय फिल्मों के वह पार्श्व गायक जिसे वर्ष 2011-12 का राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान देने की घोषणा अप्रैल 2013 में की गई. — **हरिहरन**

   ☛ *मध्य प्रदेश शासन का सुगम संगीत के क्षेत्र का राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान वर्ष 2011-12 के लिए लोकप्रिय पार्श्व गायक हरिहरन को दिया गया.*

7. वर्ष 2012 में प्रदर्शित वह हिन्दी फिल्म जिसे टाइम्स ऑफ इण्डिया फिल्म अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ फिल्म, निर्देशक, अभिनेता एवं अभिनेत्री के पुरस्कार मिले. — **बर्फी**

   ☛ *टाइम्स ऑफ इण्डिया अवार्ड्स अप्रैल 2013 में कनाडा में वैंकूवर में वितरण किए गए जिसमें पॉपुलर वॉइस अवार्ड में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार 'बर्फी' फिल्म को मिला. बर्फी के निर्देशक अनुराग बसु को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, अभिनेता रणबीर कपूर को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता एवं प्रियंका चोपड़ा को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार प्राप्त हुआ.*

8. कर्नाटक संगीत के वह प्रतिष्ठित वायलिन वादक जिनका अप्रैल 2013 में निधन हो गया. — **लालगुडी जी. जयरामन**

   ☛ *लालगुडी जी. जयरामन का जन्म तमिलनाडु के तिरुची जनपद में लालगुडी में हुआ था. इन्होंने अपने पिता गोपाल अय्यर से संगीत में शिक्षा लेकर कर्नाटक संगीत में वायलिन वादन में प्रसिद्धि प्राप्त की. इनका चेन्नई में 82 वर्ष की आयु में 22 अप्रैल, 2013 को निधन हो गया.*

9. वह अन्तर्राष्ट्रीय बैंक जिससे भारत ने पाँच राज्यों में ग्रामीण क्षेत्र में सड़कें बनाने के लिए ऋण लेने के लिए एक एग्रीमेंट किया है. — **एशियन डेवलपमेंट बैंक**

   ☛ *भारत ने असम, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, ओडिशा एवं पश्चिमी बंगाल में 3461 किमी लम्बी सड़कें ग्रामीण क्षेत्र में बनवाने के लिए एशियन विकास बैंक (ADB) से 252 मिलियन डॉलर ऋण लेने के लिए अप्रैल 2013 में एक एग्रीमेंट किया है.*

10. भारत की वह पहली ट्रेन जिसमें इन्टरनेट का प्रयोग करने के लिए वाई-फाई सिस्टम अप्रैल 2013 से प्रारम्भ किया गया. — **दिल्ली-हावड़ा राजधानी एक्सप्रेस**

    ☛ *दिल्ली-हावड़ा राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन में 2 अप्रैल, 2013 से इन्टरनेट का प्रयोग करने के लिए वाई-फाई (Wi-Fi) सुविधा का प्रारम्भ किया गया है. यात्री ट्रेन में सैटेलाइट के माध्यम से ट्रेन में इन्टरनेट का प्रयोग कर सकेंगे. इस सुविधा युक्त भारत की यह पहली ट्रेन है.*

11. वह पत्रकार, सम्पादक एवं उद्योगपति, जो अप्रैल 2013 में सर्वसम्मति से एडीटर्स गिल्ड ऑफ इण्डिया के प्रेसीडेंट चुने गए. — **एन. रवि**

    ☛ *कस्तूरी एण्ड सन्स लिमिटेड के निदेशक एवं 'हिन्दू' समाचार-पत्र के प्रकाशक एवं पूर्व में 'हिन्दू' के सम्पादक रहे एन. रवि को अप्रैल 2013 में सर्वसम्मति से एडीटर्स गिल्ड ऑफ इण्डिया का प्रेसीडेंट निर्वाचित किया है. इन्होंने बिजनेस स्टैण्डर्ड के चेयरमैन तथा सम्पादकीय निदेशक टी. एन. निनान का स्थान लिया है.*

sscexamonline.blogspot.com

12. वह भारतीय उद्योगपति जिसे सत्र 2013-14 के लिए भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) का अध्यक्ष बनाया गया है.
– एस. गोपालकृष्णन

☛ *इन्फोसिस (Infosys) के सह-संस्थापक एवं सह-अध्यक्ष एस. गोपालकृष्णन को उद्योगों के महत्वपूर्ण संगठन भारतीय उद्योग परिसंघ (Confederation of Indian Industry) का अध्यक्ष सत्र 2013-14 के लिए बनाया गया है.*

अन्तर्राष्ट्रीय

1. वह शीघ्र ही स्वतन्त्र हुआ देश जहाँ संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में कार्यरत् भारतीय सेना के पाँच शांति सैनिक मारे गए.
– साउथ सूडान

☛ *साउथ सूडान में अप्रैल 2013 में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में कार्यरत् भारतीय सैनिकों में से पाँच की विद्रोहियों के साथ एक मुठभेड़ में मृत्यु हो गई.*

2. वह नगर जहाँ G-8 देशों के विदेश मंत्रियों का सम्मेलन अप्रैल 2013 में आयोजित किया गया.
– लंदन

☛ *ब्रिटेन में लंदन में विकसित देशों के समूह G-8 के विदेश मंत्रियों का सम्मेलन अप्रैल 2013 में आयोजित किया गया. इस सम्मेलन में युद्धरत् क्षेत्रों में यौन हिंसा (Sexual Violence in Conflict Zones) को रोकने के लिए एक समझौता भी सम्पन्न किया गया.*

3. 'क्रिकेट की बाइबिल' के नाम से विख्यात वह ब्रिटिश पत्रिका जिसका अप्रैल 2013 में 150वाँ संस्करण प्रकाशित हुआ.
– विजडेन (Wisden)

☛ *'विजडेन' की स्थापना एक ब्रिटिश क्रिकेट खिलाड़ी जॉन विजडेन (John Wisden) ने 1863 में की थी, तब से लगातार इसका प्रकाशन हो रहा है. 1889 में इसने प्रतिष्ठित अवार्ड क्रिकेटर ऑफ द ईयर क्रिकेट खिलाड़ियों को देने प्रारम्भ किए.*

4. भारत का वह नगर जहाँ नवम्बर 2013 में विश्व शतरंज चैम्पियनशिप का आयोजन प्रस्तावित है.
– चेन्नई

☛ *चेन्नई में शतरंज विश्व चैम्पियनशिप मैच भारत के विश्वनाथन आनन्द तथा नॉर्वे के मैग्नस कार्लसेन (Magnus Carlsen) के बीच नवम्बर 2013 में होगा.*

5. ब्रिटेन की वह पहली महिला प्रधानमंत्री जिनका निधन अप्रैल 2013 में लंदन में हो गया.
– मारग्रेट थैचर

☛ *कंजरवेटिव पार्टी की मारग्रेट थैचर ब्रिटेन की प्रधानमंत्री बनने वाली पहली महिला थीं. वह 1979–90 के समय प्रधानमंत्री रहीं. 'लौह महिला' के रूप में जानी जाने वाली मारग्रेट थैचर का 87 वर्ष की आयु में लंदन में अप्रैल 2013 में निधन हो गया.*

6. भारती एन्टरप्राइजेज के चेयरमैन वह भारतीय उद्योगपति जिन्हें अप्रैल 2013 में इन्टरनेशनल चैम्बर ऑफ कॉमर्स का वाइस चेयरमैन नियुक्त किया गया है.
– सुनील भारती मित्तल

☛ *सुनील भारती मित्तल को 1919 में स्थापित इन्टरनेशनल चैम्बर ऑफ कॉमर्स (ICC) का वाइस चेयरमैन अप्रैल 2013 में नियुक्त किया गया है. सुनील भारती मित्तल यह पद प्राप्त करने वाले तीसरे भारतीय हैं.*

7. हथियारों के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को विनियमित करने वाली वह ऐतिहासिक अन्तर्राष्ट्रीय संधि जिसके लिए एक प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र संघ की जनरल असेम्बली में अप्रैल 2013 में पारित किया है.
– आर्म्स ट्रेड ट्रीटी (ATT)

☛ *संयुक्त राष्ट्र संघ की जनरल असेम्बली ने 2 अप्रैल, 2013 को आर्म्स ट्रेड ट्रीटी (ATT) के अस्तित्व में आने के लिए एक*

उपकार
परीक्षा तिथि 2 जून, 2013
दिल्ली पॉलिटेक्निक सम्मिलित प्रवेश परीक्षा
(For 10th Based Diploma Courses)
Code 2194 ₹ 280/-
Code 1656 ₹ 255/-
लेखकद्वय डॉ. सिंह एवं शर्मा
By Dr. M. B. Lal & J. P. Dixit
प्रमुख विशेषताएँ गणित भौतिक विज्ञान रसायनशास्त्र English
उपकार प्रकाशन, आगरा–2 • E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

उपकार
Exam. Date : 23 June, 2013
एस.एस.सी. दिल्ली पुलिस सब-इंस्पेक्टर (एक्जीक्यूटिव) भर्ती परीक्षा
(गत वर्षों के प्रश्न-पत्र हल सहित)
हिन्दी संस्करण
Eng. Edition
पृष्ठ 690 मूल्य : ₹ 410/-
Code No. 1583 ₹ 390/-
उपकार प्रकाशन, आगरा–2
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

sscexamonline.blogspot.com

प्रस्ताव पारित किया है. 154 सदस्यों ने इसके समर्थन में तथा सीरिया, ईरान एवं उत्तर कोरिया ने इसके विरोध में मत दिए. भारत सहित 23 देश मतदान में अनुपस्थित रहे. यह संधि हथियारों के अन्तराष्ट्रीय व्यापार को विनियमित करने का प्रयास करेगी, लेकिन इसके मसौदे को भारत सहित अनेक देशों ने संतुलित नहीं माना है. मानवाधिकार संगठनों ने इसका स्वागत किया है.

8. दक्षिण एशियाई राष्ट्रों के संगठन 'दक्षेस' द्वारा बढ़ाई गई वह समय सीमा जब तक इसके अपने विकास लक्ष्य पूरे करने हैं.

– 2015 तक

☛ भारत, भूटान, नेपाल, बांग्लादेश, मालदीव, अफगानिस्तान, श्रीलंका एवं पाकिस्तान के संगठन 'दक्षेस' (SAARC) की 3 अप्रैल, 2013 को नेपाल में काठमांडू में सम्पन्न मंत्रिस्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 22 विकास लक्ष्यों को अब 2015 तक प्राप्त किया जाएगा. पहले यह समय सीमा 2012 थी.

9. वह अतिखतरनाक बर्ड फ्लू वाइरस जिससे चीन में अप्रैल 2013 में अनेक व्यक्तियों की मृत्यु हुई है. **– H7N9**

☛ बर्ड फ्लू के अन्तर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने चीन में बर्ड फ्लू से मरने वाले व्यक्तियों में मृत्यु का कारण अतिघातक एच 7 एन 9 (H7N9) वायरस का संक्रमण बताया है. यह वायरस बर्ड फ्लू के एच 5 एन 1 (H5N1) से भी घातक है तथा इससे अधिक सुगमता से संक्रमित होता है.

10. वह महिला क्रिकेट टीम जिसने अप्रैल 2013 में भारत में आयोजित टी-20 श्रृंखला तथा एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला जीत ली.

– भारत

☛ भारत की महिला क्रिकेट टीम ने कप्तान हरमन प्रीत कौर के नेतृत्व में बांग्लादेश की महिला क्रिकेट टीम को टी-20 एवं एक-दिवसीय मैचों की श्रृंखला में पराजित कर दोनों श्रृंखलाएं जीत लीं.

11. वह भारतीय बिलियर्डस् खिलाड़ी जिसने अप्रैल 2013 में भारत में आयोजित एशियन बिलियर्डस् चैम्पियनशिप जीत ली. **– रूपेश शाह**

☛ भारत के इंदौर में आयोजित ओ. एन. जी. सी. एशियन बिलियर्डस् चैम्पियनशिप रूपेश शाह ने जीत ली. रूपेश शाह ने यह चैम्पियनशिप पहली बार ही जीती है.

12. वह क्रिकेट खिलाड़ी जिसने आई पी एल सीजन 6 के एक मैच में खेलते हुए सर्वाधिक गति से शतक बनाने एवं टी-20 मैचों में सर्वाधिक व्यक्तिगत रन स्कोर बनाकर रिकॉर्ड स्थापित किया. **– क्रिस गेल (Chris Gayle)**

☛ वेस्टइण्डीज के क्रिस गेल ने आई पी एल-सत्र 6 में रॉयल चैलेंजर्स बंगलौर के लिए पुणे वारियर्स इण्डिया के विरुद्ध बंगलौर में 23 अप्रैल, 2013 को खेलते हुए 66 गेंदों में 175 रन बनाकर जिसमें अनेक कीर्तिमान स्थापित किए जिसमें 30 गेंदों में शतक बनाकर T-20 मैचों में सर्वाधिक तेज गति से शतक तथा 175 का T-20 में अब तक का सर्वाधिक व्यक्तिगत रन स्कोर सम्मिलित है. ●●●

शेष पृष्ठ 1774 का

वैज्ञानिकों द्वारा किए गए अन्वेषण के अनुसार भूकम्प से पृथ्वी के भीतर सोना एकत्रित होता है. यह अनुसंधान शोध पत्रिका *'नेचर जियोसाइंस'* में प्रकाशित हुआ है.

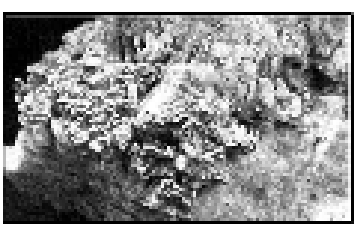

पृथ्वी के गर्भ में स्वर्ण भण्डार

शोध के अनुसार भूकम्प के तत्काल बाद ही सोना एकत्रित हो जाता है. ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि जमीन के फटने से जगह बनती है, वह तत्काल ही एक द्रव से भर जाती है. इससे दबाव में काफी कमी आ जाती है. दबाव के कारण द्रव फैलने लगता है और तेजी से वाष्पीकृत होता है. इस प्रक्रिया में द्रव में घुले जितने भी सोने के कण होते हैं वे तत्काल नीचे बैठ जाते हैं. इस तरह नियमित भूकम्प से सोने का भण्डार बन जाता है.

विलक्षण दवा से आयु होगी 150 वर्ष

कोई मरना नहीं चाहता है, चाहे बूढ़ा जवान. हर व्यक्ति अमर होना चाहता है. इसके लिए वैज्ञानिकों ने अमृत तो नहीं, परन्तु ऐसी दवा विकसित करने में सफलता प्राप्त की है, जिसके सेवन से आप 150 वर्ष तक स्वस्थ जीवन जी सकेंगे. इसके लिए आस्ट्रेलिया के यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स के वैज्ञानिकों की एक योजना के अनुसार मानव शरीर में एक विशिष्ट एन्जाइम को निशाना बनाया जाएगा, जो बढ़ती उम्र सम्बन्धी बीमारियों को रोकेगा तथा लम्बी आयु प्रदान करेगा. यह शोध विज्ञान पत्रिका 'साइन्स' में प्रकाशित हुआ है. शोधकर्ताओं ने इस एन्जाइम पर 117 दवाओं के परीक्षण किए. यह दवा कैंसर, अल्जाइमर और टाइप-2 डायबिटीज जैसी बीमारियों को भी रोकने में सक्षम होगी.

शोध दल के प्रमुख के अनुसार, "आजकल की दवाओं के विपरीत, यह दवा 20 अन्य रोगों की रोकथाम करेगी."

एसआईआरटी-1 नामक यह एन्जाइम प्राकृतिक रूप से व्यायाम करने तथा पौष्टिक आहार लेने पर भी सक्रिय रहता है. उत्प्रेरक का प्रयोग करके भी इसे सक्रिय अवस्था में लाया जा सकता है. इस क्षेत्र में सर्वसामान्य उत्प्रेरक रेसवेराट्रॉल है, जो रेड वाइन में अल्पमात्रा में मौजूद रहता है. अधिक शक्तिशाली कृत्रिम उत्प्रेरक का विकास हो चुका है, परन्तु रेसवेराट्रॉल बढ़ती उम्र को रोकने में सहायक होता है.

शोध दल ने जब मोटे चूहों को कृत्रिम रेसवेराट्रॉल दिया, तो वे पतले चूहों की तुलना में दोगुनी गति से दौड़े. साथ ही उनका जीवनकाल 15% बढ़ गया. इस तकनीक को दवा कम्पनी ग्लैक्सोस्मिथ क्लाइन को बेच दिया गया है.

मंगल पर 900 मील लम्बी नदी

यूरोपीय स्पेस एजेंसी ने मंगल पर कभी नदी बहने के प्रमाण से सम्बन्धित अनेक फोटो जारी किए. वैज्ञानिकों को मंगल पर 4 मील चौड़ी, 900 मील लम्बी और 300 मीटर गहरी नदी के प्रमाण मिले हैं. इस नदी की उपनदियाँ भी थीं.

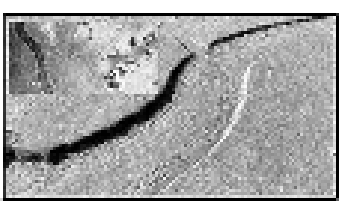

मंगल पर नदी

वैज्ञानिकों को ऐसा लगता है कि कभी इस क्षेत्र में हिमखण्ड या तेजगति से पानी बहता था, जो समय-समय पर वाष्पीकृत होता गया. इनके अनुसार, हेस्पीरीअन युग में पानी बहता था. हेस्पीरीअन युग 35 से 18 करोड़ वर्ष पहले समाप्त हो गया.

●●●

sscexamonline.blogspot.com

संघ व राज्य लोक सेवा आयोग की प्रारम्भिक व मुख्य परीक्षाओं हेतु

ऐतिहासिक स्थल

✍ ऋतेश कुमार सिंह

1. गोरखपुर

उत्तर प्रदेश में गोरखपुर नामक प्राचीन नगर राप्ती नदी के बाएं तट पर बसा है. गोरखपुर शहर और जिले का नाम एक प्रसिद्ध तपस्वी सन्त मत्स्येन्द्रनाथ के प्रमुख शिष्य **गोरखनाथ** के नाम पर रखा गया है. यहाँ का प्रसिद्ध **गोरखनाथ मन्दिर** आज भी **नाथ सम्प्रदाय** की पीठ है. यह एक धार्मिक केन्द्र के रूप में मशहूर है, जो बौद्ध, हिन्दू, मुस्लिम, जैन और सिख सन्तों की साधना स्थली रहा है. यहीं पर ही गौतम बुद्ध ने सत्य की खोज पर जाने से पहले अपने राजसी वस्त्र त्याग दिए थे. **5 फरवरी, 1922 को चौरी-चौरा** नामक स्थान पर स्वतन्त्रता आन्दोलन के सत्याग्रहियों ने पुलिस थाने पर धावा बोलकर 22 पुलिसकर्मियों को जिन्दा जला दिया था. यहाँ से भारत का प्रमुख धार्मिक मासिक-पत्र **'कल्याण'** प्रकाशित होता है, जो धार्मिक पुस्तकों के प्रसिद्ध प्रकाशक **'गीता प्रेस गोरखपुर'** का प्रकाशन है.

2. अढ़ाई दिन का झोपड़ा

अजमेर में तारागढ़ पहाड़ी की तलहटी में स्थित **'अढ़ाई दिन का झोपड़ा'** हिन्दू-मुस्लिम स्थापत्य का उत्कृष्ट उदाहरण है. प्रारम्भ में यहाँ चौहान शासक **बीसलदेव** ने एक **संस्कृत पाठशाला 1153 ई.** में बनवाई थी, जिसे कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1193 ई. में एक मस्जिद के रूप में परिवर्तित कर दिया था. यहाँ अढ़ाई दिन का उर्स एक मुस्लिम फकीर पंजाब शाह का लगता है. इसी कारण इसे अढ़ाई दिन का झोपड़ा कहते हैं.

3. बागोर

भीलवाड़ा जिले में कोठारी नदी तट पर बसा बागोर राजस्थान का ही नहीं वरन् भारत का प्रमुख मध्य पाषाण कालीन स्थल रहा है. यहाँ 1968 से 1970 तक डॉ. वी. एन. मिश्र ने उत्खनन कार्य करवाया. इस

उपकार
परीक्षा तिथि : 23 जून, 2013
एस.एस.सी.
केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल
सब-इंस्पेक्टर्स परीक्षा
बी.एस.एफ./सी.आई.एस.एफ./सी.आर.पी.एफ./आई.टी.बी.पी./एस.एस.बी.
(नवीन संशोधित पाठ्यक्रमानुसार)
गत वर्षों के प्रश्न-पत्र-हल सहित
हिन्दी संस्करण Code No. 781 ₹ 399/-
प्रमुख आकर्षण
❖ सामान्य बुद्धि एवं तर्कशक्ति परीक्षा
❖ सामान्य जानकारी
❖ संख्यात्मक अभिरुचि
❖ English Language & Comprehension
सॉल्वड् पेपर्स Code No. 213 ₹ 125/-
उपकार प्रकाशन, आगरा-2
E-mail : care@upkar.in Website : www.upkar.in

UPKAR'S
SSB
WHAT? HOW? and WHY?
By : J. B. Mall Code No. 405 Price : ₹ 199/-
SPECIAL FEATURES OF THE BOOK
Methodical Interpretation of Stories of Screening, Dice Under I.Q. Series, Examples of Stories for Practice.
More than 100 Stories on T.A.T. along with Analytical Interpretation of What to Write ? Why to Write ? and How to Write ?
A Detail Description of W.A.T. with Logical Analysis.
Scientific and Actual Disposal of S.R.T. Solution of S.R.T. considering individual differences, their age and social-economic background.
G.T.O.'s Technique with Definitions, Examples and Interpretations.
A Natural Guidance of the Interview Technique, Examples and Interpretations of Questions and Answers.
UPKAR PRAKASHAN, AGRA - 2
E-mail : care@upkar.in Website : www.upkar.in

sscexamonline.blogspot.com

स्थल की खुदाई में लघु पाषाणस्त्र तथा मृत पशुओं के अवशेष मिले हैं, जिसका समय लगभग 4480–3285 ई. पू. माना गया. यहाँ से न केवल मध्य पाषाण कालीन उपकरण प्राप्त हुए हैं, बल्कि लौह काल के उपकरण भी प्राप्त हुए हैं. पाषाणोपकरण के साथ-साथ बागोर से मानव कंकाल भी मिला है. यहाँ के प्रत्येक घर में लोहे के बाणाग्र भी मिले हैं, जो आखेट जीवन की ओर इंगित करते हैं.

4. केदारनाथ

केदारनाथ हिमालय पर्वतमाला में बसा उत्तराखण्ड राज्य के रुद्रप्रयाग जिले में मंदाकिनी नदी के शीर्ष पर स्थित है. उत्तराखण्ड में हिमालय पर्वत की गोद में केदारनाथ मन्दिर बारह ज्योतिर्लिंग में सम्मिलित होने के साथ चार धाम और पंच केदार में से एक है. यह मन्दिर स्वर्गखंड और भरतखंड शिखरों के पास केदार शिखर पर स्थित है. पत्थरों से बने कत्यूरी निर्माण शैली से बने यहाँ के मन्दिर के बारे में कहा जाता है कि इसका निर्माण पाण्डव वंश के जनमेजय ने कराया था. यहाँ स्थित स्वयम्भू केदारलिंग अति प्राचीन है. इसी स्वयंभू केदारलिंग की उपासना पांडवों ने भी की थी. आदि शंकराचार्य ने इस मन्दिर का जीर्णोद्धार करवाया था.

5. बरसाना

बरसाना गाँव गोवर्धन (मथुरा) से 21 किमी दूर उत्तर में स्थित है. इसे भगवान कृष्ण की प्रिय गोपी राधाजी का जन्म स्थान होने का गौरव प्राप्त है. इसे पूर्व में ब्रह्मासारिणी नाम से जाना जाता था. यह एक पहाड़ी ढाल पर स्थित है. यहाँ मस्तिष्क पर आभूषण के समान बना राधा रानी के मन्दिर का निर्माण 1675 ई. में राजा वीर सिंह ने करवाया था. राधा रानी का मन्दिर बहुत ही सुन्दर और मनमोहक है. यहाँ प्रतिवर्ष राधाष्टमी के अवसर पर मेला लगता है. यहाँ प्रतिवर्ष होलिकोत्सव पर लट्ठमार होली का आयोजन किया जाता है. बरसाने को भगवान कृष्ण और उनकी प्रेमिका राधा रानी की संगम स्थली के नाम से भी जाना जाता है.

6. कूच बिहार

यह स्थल पश्चिम बंगाल राज्य में तिस्ता नदी के तट पर स्थित एक जिला नगर है. कोच नामक कबायलियों के आधार पर इसका नामकरण हुआ था. कालान्तर में कूच बिहार के शासकों को क्षत्रिय कहा जाने लगा था. यह स्थल प्रारम्भ में कामरूप (असम) के प्राचीन हिन्दू शासकों के राज्य का एक हिस्सा था. भास्कर वर्मा के काल में यह राज्य करतोया तक विस्तृत था. कूच बिहार 1938 ई. तक बंगाल के गवर्नर के शासनान्तर्गत रहा. 1950 ई. में इसका विलय भारतीय गणतन्त्र में हुआ और पश्चिम बंगाल का एक जिला बनाया गया.

7. कर्णसुवर्ण

कर्णसुवर्ण में पश्चिम बंगाल के बर्दमान, वीरभूमि एवं मुर्शिदाबाद जिले सम्मिलित थे. चीनी यात्री ह्वेनसांग की यात्रा के समय का यह अत्यन्त समृद्ध नगर गौड़ नरेश शशांक के शासनोपरान्त कामरूप के शासक भास्कर वर्मा द्वारा अपने राज्य में मिला लिया गया था. पुनः सेनवंशीय राजाओं ने इसे गौड़ राज्य में मिलाया तथा कर्णसुवर्ण को गौड़ प्रदेश की राजधानी बनाया. कर्णसुवर्ण नगर के नाम पर ही बाद में मुर्शिदाबाद जिले की स्थापना की गई.

8. कन्हेरी

कन्हेरी नगर महाराष्ट्र राज्य के उत्तरी कोंकण क्षेत्र में कृष्णगिरि नामक पहाड़ी पर स्थित है. शक-सातवाहन युग में यह कला का एक प्रमुख केन्द्र था, जहाँ पर्वत गुफाओं को काटकर चैत्य एवं विहार बनाये गये थे. इसकी गुफा के बाहर बुद्ध की अनेक मूर्तियाँ बनी हुई हैं. चैत्यगृह के भीतर भी महायान बौद्ध धर्म से सम्बन्धित अनेक मूर्तियाँ बनी हैं. यहाँ की गुफा की दीवारों पर अजन्ता के समान ही चित्रकारियाँ बनी थीं, जो अब नष्ट हो गयी हैं.

9. अश्मक

आन्ध्र प्रदेश में गोदावरी नदी के तट पर स्थित अश्मक बुद्धकालीन भारत का प्रमुख राज्य था. अंगुत्तर निकाय में इसका नाम सोलह महाजनपदों की सूची में आता है. इसकी राजधानी पोटल या पोटलि थी. बौद्ध साहित्य से पता चलता है कि अश्मक का सम्बन्ध अवन्ति महाजनपद से था. नासिक लेख में इस राज्य का उल्लेख मिलता है, जिसे गौतमीपुत्र शातकर्णि ने जीतकर अपने साम्राज्य में मिला लिया था.

10. चन्द्रगिरि

कर्नाटक राज्य में मैसूर में कावेरी नदी के उत्तरी तट पर स्थित कलबप्पू को प्राचीन काल में चन्द्रगिरि कहा जाता था. जैन परम्परा के अनुसार चन्द्रगुप्त मौर्य अपने जीवन के उत्तरकाल में जैन साधु भद्रबाहु का शिष्य बना तथा दोनों दक्षिण में श्रवणबेलगोला (मैसूर) में जाकर 298 ई. पू. में चन्द्रगिरि नामक पहाड़ी पर उपवास द्वारा शरीर त्याग दिया. यहाँ चन्द्रगुप्त बस्ती नामक एक छोटा-सा मन्दिर भी है. ●●●

शेष पृष्ठ 1785 का

3. दोनों देशों ने भारत द्वारा मिस्र में सूचना तकनीकी केन्द्र की स्थापना हेतु एक सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए.
4. दोनों देशों के अधिकारियों ने प्राचीन सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण तथा संवर्द्धन के लिए एक सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए. यह उल्लेखनीय है कि मिस्र और भारत दोनों प्राचीन सभ्यताओं वाले देश हैं तथा दोनों की एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है.
5. लघु व मध्यम उद्योगों के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक अन्य सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए गए.
6. भारत द्वारा मिस्र के सहर सोवरा अल खैमा में एक व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन किया जा रहा है. इस प्रशिक्षण केन्द्र को उन्नीकृत करने के लिए दोनों देशों ने एक सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए.

इसके अतिरिक्त दोनों देशों ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के प्रस्तावों पर सहमति व्यक्त की. पुनः दोनों देशों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि भारत के अन्तरिक्ष यान पीएसएलवी द्वारा मिस्र के एक छोटे सेटेलाइट को अन्तरिक्ष में छोड़ा जाएगा.

निष्कर्ष

मिस्र के राष्ट्रपति मोरसी की भारत यात्रा तथा संयुक्त वक्तव्य में शामिल मुद्दों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि दोनों देशों ने आपसी लाभ के लिए पारस्परिक सहयोग को नए सिरे से आगे बढ़ाने का प्रयास किया है. यद्यपि 1950 व 1960 के दशक में भारत और मिस्र के सम्बन्ध अत्यन्त निकट थे, लेकिन गत 30 वर्षों में दोनों के सम्बन्धों में शिथिलता दिखाई देती है. इसका प्रमुख कारण यह रहा है कि गत 30 वर्षों में मिस्र की नीतियाँ पश्चिम समर्थक रही हैं तथा भारत तीसरी दुनिया की समस्याओं को उठाने के कारण कई अवसरों पर पश्चिम विरोधी नीतियों का अनुसरण करता रहा है. गत 30 वर्षों में मिस्र ने अरब देशों के नेतृत्व की स्थिति को भी खो दिया था. अतः मिस्र का नेतृत्व पुनः अपनी स्थिति को प्राप्त करने के लिए भारत जैसे उभरते राष्ट्र के साथ अपने सम्बन्धों को मजबूत करना चाहता है. उल्लेखनीय है कि गत 20 वर्षों में भारत ने तकनीकी व आर्थिक क्षेत्र में जो प्रगति हासिल की है, उससे वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका का विस्तार हुआ है. अतः भारत की नई भूमिका व स्थिति मिस्र के आकर्षण का प्रमुख तत्व है. यदि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में दोनों के सम्बन्धों को आगे बढ़ाया जाता है, तो यह दोनों के लिए लाभकारी होगा. भारत को अरब देशों में अपनी स्थिति को मजबूत करने में सहायता मिलेगी, क्योंकि मिस्र एक बड़ा देश है तथा वहाँ विकास की विपुल सम्भावनाएं मौजूद हैं. ऊर्जा के क्षेत्र में भी भारत को मिस्र से लाभ प्राप्त हो सकता है. अतः राजनीतिक, आर्थिक व तकनीकी तीनों दृष्टियों से दोनों देशों के सम्बन्धों का विकास दोनों पक्षों को लाभकारी है. ●●●

sscexamonline.blogspot.com

समसामयिक आर्थिक-राजनीतिक लेख

भारत-जापान सम्बन्ध : रिश्तों में बढ़ती गर्माहट

✍ शंकर प्रसाद तिवारी (विनय)

भारत-जापान सम्बन्धों की पृष्ठभूमि

ऐतिहासिक रूप से देखें तो भारत-जापान सम्बन्धों की जड़ें काफी गहरी रही हैं. वर्ष 723 ई. में भारतीय बौद्ध भिक्षु 'बोधिसेन' कम्बोडिया तथा वियतनाम के रास्ते जापान के लिए रवाना हुए थे, वे 736 में जापान के सम्राट के यहाँ पहुँचे. जापान में बौद्ध धर्म काफी पहले कोरिया तथा चीन के रास्ते जा चुका था, इस दौरान दोनों देशों के मध्य संस्कृति तथा भाषा दोनों का आदान-प्रदान हुआ. मध्यकालीन समय में एशियाई क्षेत्रों में आन्तरिक तथा बाह्य युद्धों की अधिकता के कारण इन सम्बन्धों में प्रगाढ़ता नहीं बढ़ी, मगर द्वितीय विश्वयुद्ध तथा भारत के स्वतन्त्रता आन्दोलन के समय द्विपक्षीय सम्बन्धों में तेजी दिखाई दी. रास बिहारी बोस तथा सुभाषचन्द्र बोस इन सम्बन्धों की महत्वपूर्ण कड़ी बने तथा इनके द्वारा 'आजाद हिन्द फौज' के गठन में जापान ने बहुत सहायता प्रदान की. जापानी सेना तथा आजाद हिन्द फौज, द्वितीय विश्वयुद्ध के समय मिलकर ब्रिटिश सेना से लड़ी. जापान की अधिसंख्य जनता आज भी 'शिन्तो धर्म' के साथ-साथ बौद्ध धर्म को भी मानती है. समय-समय पर भारत तथा जापान के बुद्धिजीवियों तथा विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों में संलग्न लोगों ने परस्पर यात्राएं करके विचारों व संस्कृति का आदान-प्रदान किया. आर्थिक दृष्टि से भी देखें तो जापान व भारत के बीच विभिन्न द्विपक्षीय आर्थिक मंचों पर बड़ी साझेदारी, सहयोग तथा सहभागिता है, चाहे वह उपभोक्ता उत्पादों का व्यापार हो अथवा निवेश या सेवा क्षेत्र.

यद्यपि भारत तथा जापान की सदियों पूर्व से सहज मित्रता रही है मगर दोनों स्वतन्त्र लोकतान्त्रिक देशों के मध्य कूटनीतिक सम्बन्धों की शुरुआत पचास के दशक के बाद से मानी जा सकती है. वर्ष 1958 में जापान ने अपनी पहली 'समुद्रपारीय विकास सहायता' (ODA) भारत को समर्पित की थी और तब से अब तक यह किसी न किसी रूप में जारी है. यद्यपि शीतयुद्ध के दौरान जापान, अमरीकी खेमे में शामिल था, मगर बावजूद इसके उसके भारत के साथ [illegible]ीतिक सम्बन्धों का विकास भी शनैः-शनैः होता रहा. मामला चाहे ऋण उपलब्धता का हो, अनुदान या विदेशी सहायता का, बुनियादी ढाँचा अथवा तकनीकी विकास का, जापान ने भारत की यथासम्भव सहायता की है. मगर शीतयुद्ध के दौरान दोनों देशों के द्विपक्षीय व्यापारिक सम्बन्ध अपेक्षित गति नहीं पकड़ पाए, इस दौरान जापान-भारत को मुख्यतः विनिर्मित वस्तुओं का निर्यात् करता था, वहीं भारत कच्चे माल जैसे–कपास, लौह अयस्क, हीरे, जवाहरात इत्यादि का निर्यात् करता था. फिर भी शीत युद्ध के दौरान जापान, भारत के लिए सरकारी विकास सहायता का प्रमुख स्रोत रहा.

वर्ष 1992 में भारत के उदारीकरण के रास्ते पर चलने तथा शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद भारत-जापान के कूटनीतिक सम्बन्धों में गर्माहट आनी शुरू हो गई, मगर मई, 1998 में 'पोखरण परमाणु विस्फोट' के बाद दोनों देशों के सम्बन्धों में कुछ दरार आयी. दुनिया की बड़ी महाशक्तियों का अनुसरण करते हुए जापान ने भी भारत के विरुद्ध कुछ प्रतिबन्ध लगाकर कठोर कदम उठाए, यह मनमुटाव कुछ समय तक बना रहा, क्योंकि जापान खुद परमाणु बम की त्रासदी का भुक्तभोगी रहा है. जापान ऊर्जा से परमाणु ऊर्जा के शान्तिपूर्ण एवं रचनात्मक कार्यों में उपयोग का विशेष हिमायती रहा है. वर्ष 2005 में भारत व अमरीका के बीच "नाभिकीय असैन्य परमाणु करार" पर सहमति बनी, जापान ने इस डील को मंजिल तक पहुँचाने में अहम् भूमिका निभायी. इस समझौते की कवायद शुरू होने के साथ ही भारत तथा जापान एक बार फिर से करीब आए.

भारत तथा जापान के करीब आने के कई कारण हैं, जैसे–(1) चीन की बढ़ती ताकत तथा आक्रामक विदेश नीति को देखते हुए एशिया में शक्ति-संतुलन कायम करना, (2) अपनी ठहरी सी अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए संसाधनों तथा नए बाजारों की खोज तथा (3) हिन्द महासागर के व्यापारिक मार्ग का भारत के माध्यम से खाड़ी एवं अफ्रीकी देशों तक पहुँच बढ़ाना. जापान की मंशा तथा द्विपक्षीय हितों को देखते हुए भारत ने भी सम्बन्धों को त्वरित आगे बढ़ाने में रुचि दिखाई, इसमें भारत के सामरिक कूटनीतिक फायदे तो छुपे हुए ही थे, साथ ही भारत यह भी अच्छी तरह जानता था कि जापान पूँजी तथा तकनीकी के मामले में अभी भी दुनिया में अग्रणी है और भारत को अर्थव्यवस्था को गति देने तथा बुनियादी ढाँचे के विकास एवं विस्तार के लिए इसकी फिलहाल सख्त जरूरत है. उल्लेखनीय है कि जापान ने भारत में दिल्ली मेट्रो रेल परियोजना, दिल्ली-मुम्बई औद्योगिक गलियारा (DMIC), कोलकाता मेट्रो परियोजना, चेन्नई मेट्रो परियोजना, रेंगाली व होनकुल जल विद्युत् एवं सिंचाई परियोजना, सिक्किम एवं बंगाल जैव-विविधता संरक्षण और वन-प्रबन्धन योजना तथा दिल्ली फ्राइट कॉरीडोर जैसी कई बुनियादी क्षेत्र विकास परियोजनाओं के निर्माण एवं संचालन में भारत को बड़ी मात्रा में तकनीकी तथा पूँजीगत सहायता प्रदान की है.

भारत व जापान के द्विपक्षीय सम्बन्ध किस तीव्रता से प्रगाढ़ हो रहे हैं, इस बात का उदाहरण है वर्ष 2006 से अब तक भारतीय प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह पाँच बार जापान की यात्रा कर चुके हैं और जापान के अलग-अलग प्रधानमंत्री भी इस दौरान भारत की यात्रा कर चुके हैं. इससे इतर भी आसियान शिखर सम्मेलन, पूर्वी एशियाई शिखर सम्मेलन, जी-8 शिखर सम्मेलन इत्यादि तमाम मंचों पर दोनों देशों के शीर्ष नेता एवं प्रतिनिधि मण्डल कई बार मिलकर द्विपक्षीय मसलों पर विचार-विमर्श कर चुके हैं. वर्ष 2005 के बाद से दोनों देशों ने 'द्विपक्षीय शिखर वार्ताओं' का आयोजन भी शुरू किया है. इसी क्रम में जापानी प्रधानमंत्री वर्ष 2005, 2007, 2009 तथा 2011 में भारत की यात्रा कर चुके हैं, जबकि भारतीय प्रधानमंत्री 2006, 2008, 2010 तथा 2012 में जापान की यात्रा कर चुके हैं. इस दौरान जापान के अलग-अलग प्रधानमंत्री शिंजो अबे, नाओतो कान तथा युकियो हातोयामा अन्य विभिन्न मंचों पर भारतीय प्रधानमंत्री से भेंट कर चुके हैं. यही कारण है कि आज भारत-जापान के बीच आर्थिक क्षेत्रों के अलावा राजनीति, सामरिक, सांस्कृतिक, विज्ञान तथा तकनीकी, ऊर्जा तथा पर्यावरण सुरक्षा, आपदा प्रबन्धन, आईटी तथा आउटसोर्सिंग जैसे तमाम क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग, सहभागिता तथा समन्वय बढ़ा है. भारत, जापानी ODA सहायता पाने वाला दुनिया का सबसे बड़ा देश है, जापान वर्तमान में कुल ODA का तकरीबन 30 फीसदी भारत को दे रहा है. इसके अन्तर्गत जापान ने वर्ष 2009-10 में भारत को 218·2 अरब येन (11713·32 करोड़ रुपए) तथा वर्ष 2010-11 के दौरान 224 अरब येन (लगभग 12000 करोड़ रुपए) उपलब्ध

sscexamonline.blogspot.com

कराए. वर्ष 2007 में दोनों देश 'भारत-जापान मैत्री वर्ष' मना चुके हैं.

भारत-जापान आर्थिक सम्बन्ध

जापान तथा भारत दोनों देश जानते हैं कि आर्थिक उदारीकरण तथा वैश्वीकरण के युग में 'आर्थिक सम्बन्ध' ही दो-देशों के बीच कूटनीतिक तथा रणनीतिक सम्बन्धों की पृष्ठभूमि तैयार कर रहे हैं. इसलिए दोनों देश लगातार आर्थिक सम्बन्धों को मजबूत तथा गतिशील बनाने के प्रयास कर रहे हैं. इन सतत् प्रयासों के चलते पिछले 5-6 सालों में दोनों देशों के द्विपक्षीय व्यापार में काफी वृद्धि देखने को मिली है. वर्ष 2003 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार महज 3·7 बिलियन डॉलर था, जो वर्ष 2010 में 11·68 बिलियन डॉलर तथा वर्ष 2011 में बढ़कर 14·70 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया तथा दोनों देशों ने इसे वर्ष 2015-16 तक 25 बिलियन डॉलर तक पहुँचाने का लक्ष्य रखा है. दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार की दर बहुत अधिक नहीं है. अभी भी भारत द्वारा अपने कुल निर्यात् का 3·2 फीसदी ही जापान को निर्यात् किया जाता है तथा कुल आयात का भी महज 3·3 फीसदी आयात ही जापान से किया जाता है, जोकि दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था जापान तथा तीव्रगति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था भारत दोनों की वैश्विक पहुँच को देखते हुए काफी कम है. जाहिर है दोनों देशों को परम्परागत क्षेत्रों के अलावा कुछ नए आर्थिक क्षेत्रों में भी द्विपक्षीय सहयोग, सहभागिता तथा कारोबार बढ़ाने की सम्भावनाओं की तलाश करनी चाहिए. आई टी, अंतरिक्ष, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, बीवरेज, टेक्सटाइल, हीजरी, केमिकल, पेट्रो केमिकल, रिन्यूबल इनर्जी, समुद्री उत्पाद, धातु खनन, फर्टिलाइजर, शिप बिल्डिंग, एनीमेशन, डिजाइनिंग, डेवलेपिंग, बायोटेक, फार्मास्यूटिकल, बैंकिंग-बीमा तथा इंश्योरेन्स, इस्पात निर्माण, फिल्म इण्डस्ट्री, एण्टरटेनमेन्ट इण्डस्ट्री तथा टेलिकॉम जैसे तमाम नए-पुराने क्षेत्रों में नई सम्भावनाओं को तलाशकर परस्पर समन्वय स्थापित करना दोनों देशों के लिए बहुत अधिक फायदेमंद हो सकता है. वैश्वीकरण की प्रतिस्पर्धा में तेजी से आगे बढ़ने तथा द्विपक्षीय सम्बन्धों को नया आयाम देने के लिए दोनों देशों को वर्ष 2020 तक द्विपक्षीय व्यापार 50 बिलियन डॉलर तक पहुँचाना आवश्यक है. यह लक्ष्य पाना चुनौतीपूर्ण तो अवश्य है मगर मुश्किल नहीं. जापान को किए जाने वाले भारतीय निर्यात् में कच्चे पदार्थ, खनिज (मुख्यतः लौह अयस्क), टेक्सटाइल, हस्तशिल्प वस्तुएं, रत्न, ज्वेलरी, कपास, दरियाँ, फल, प्रसंस्कृत पदार्थ, बीवरेज तथा मसाले इत्यादि शामिल हैं, जबकि भारत द्वारा जापान से आयातित प्रमुख वस्तुओं में भारी मशीनरी, ऑटो उपकरण, यातायात, उपकरण, टेलिकॉम उपकरण, इलेक्ट्रिक तथा इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं दवाएं, जैव-प्रौद्योगिकी उत्पाद तथा खिलौने इत्यादि शामिल हैं.

भारत में वर्तमान में जापान की 700 से अधिक कम्पनियाँ कारोबार कर रही हैं, जबकि वर्ष 2005 में इनकी संख्या महज 300 थी. वर्ष 2006 की तुलना में वर्ष 2010 में भारत में जापान का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 10 गुना तक बढ़ा है, इस प्रकार भारत में एफडीआई के मामले में जापान का 6वाँ स्थान है. वर्ष 2001 से वर्ष 2010 के बीच जापानी निवेशकों ने भारत में 4·6 बिलियन डॉलर का विभिन्न क्षेत्रों में पूँजी निवेश किया है. वर्ष 2004 में जापान ने पहला 'इण्डिया इन्वेस्टमेन्ट फण्ड' (IIF) बनाया था, इनकी संख्या अब 16 से अधिक हो गई है. भारत में अगर जापानी निवेश का विश्लेषण किया जाए, तो यह 30% सड़क परिवहन क्षेत्र में, 17% टेलिकॉम क्षेत्र में, 12% कर्जा क्षेत्र में, 12% रासायनिक उद्योग में तथा 8% व्यापारिक क्षेत्र में है. दोनों देशों का परस्पर व्यापार, पूँजी निवेश तथा सेवा क्षेत्र मिलकर तरक्की करें, इसके लिए दोनों देशों को अपने यहाँ प्रतिस्पर्द्धी एवं गुणवत्तापूर्ण औद्योगिक माहौल बनाना चाहिए. जापान द्वारा भारत के साथ मुद्रा लेन-देन यानि 'येन-रुपया' अदला-बदली की निर्धारित 3 अरब डॉलर की सीमा को बढ़ाकर 15 अरब डॉलर तक करना भी स्वागत योग्य कदम है. इससे भारत को डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरावट को रोकने में मदद मिलेगी, पूँजी बाजार में तरलता आयेगी, घटते विदेशी मुद्रा भण्डार पर रोक लगेगी तथा कारोबारियों का विश्वास जागेगा. भारत-जापान के बीच अस्तित्व में आए 'मुक्त व्यापार समझौता' (FTA) तथा 'व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते' को भी द्विपक्षीय आर्थिक सम्बन्धों के लिए सकारात्मक माना जा रहा है.

भारत-जापान 'व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता' (CEPA)

वस्तुओं, सेवाओं तथा निवेश से जुड़े समग्र आर्थिक क्षेत्रों में परस्पर सहयोग बढ़ाने तथा कम्पनियों व निवेशकों को अपने यहाँ उदारतापूर्वक प्रवेश देने के उद्देश्य से भारत तथा जापान के बीच 16 फरवरी, 2011 को 'व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते' [India-Japan Comprehensive Economic Partnership Agreement—CEPA] पर हस्ताक्षर किए गए. इस समझौते को 1 अगस्त, 2011 से लागू माना गया है. गौरतलब है कि इससे पूर्व वस्तुओं तथा सेवाओं के परस्पर कारोबार को लेकर दोनों देशों के बीच 'मुक्त व्यापार समझौता' (Free Trade Agreement'—FTA] भी हो चुका है. CEPA को इसकी अगली कड़ी के रूप में देखा जा रहा है क्योंकि इसमें द्विपक्षीय व्यापार के तीनों मानक क्षेत्रों वस्तु, सेवा तथा निवेश को शामिल किया गया है. अगर भारत-जापान के द्विपक्षीय व्यापारिक रिश्तों पर नजर डाली जाए तो वर्ष 2001 में दोनों के मध्य द्विपक्षीय व्यापार 4·1 बिलियन डॉलर था, जो वर्ष 2003 में 3·7 बिलियन डॉलर, 2005 में 7·5 बिलियन डॉलर, वर्ष 2009 में 13 बिलियन डॉलर तथा वर्ष 2011 में 14·70 बिलियन डॉलर था, वर्ष 2013 तक इसके 20 बिलियन डॉलर तक पहुँचने के कयास लगाए जा रहे हैं. जाहिर है FTA तथा CEPA के लागू होने के बाद इसमें और तेजी देखने को मिली है और इसके और अधिक सकारात्मक परिणाम भविष्य में देखने को मिलेंगे. CEPA को 'समग्र आर्थिक समझौता' भी कहा जाता है क्योंकि इसमें उत्पादन, सेवा तथा निवेश से जुड़े सभी निजी तथा सार्वजनिक उपक्रमों को शामिल किया गया है.

वर्ष 2007 से चल रही बातचीत के बाद अस्तित्व में आए इस समझौते के अनुसार अगले 10 वर्षों में दोनों देश आपस में होने वाले द्विपक्षीय व्यापार से 94% वस्तुओं पर से आयात शुल्क हटा देंगे. इस समझौते पर भारत के वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री आनन्द शर्मा तथा जापानी विदेशमंत्री 'सेइजी माहारा' ने 'टोकियों में हस्ताक्षर किए. समझौते के मुताबिक जापान अपने 95 फीसदी औद्योगिक तथा अन्य उत्पादों से सीमा शुल्क (आयात शुल्क) खत्म कर देगा, जबकि भारत अपनी 85 फीसदी वस्तुओं से सीमा शुल्क हटा देगा. जापान द्वारा चावल, गेहूँ, तेल, दूध, चीनी, चमड़ा तथा चमड़े से बने उत्पाद CEPA से बाहर वर्जित सूची में है यानि फिलहाल इन पर निर्धारित सीमा शुल्क जारी रहेगा. इस समझौते से भारत के टेक्सटाइल, समुद्री खाद्य उत्पाद, खनिज अयस्क, मसाले, खाद्य प्रसंस्करण उत्पाद, हस्तशिल्प उत्पाद, कपास, वाइन, केमिकल, ज्वेलरी तथा रत्न इत्यादि उत्पादों के निर्यात में बढ़ोतरी आयेगी. इसके अलावा दवा पंजीकरण के क्षेत्र में जापान सरकार भारतीय व्यवसायियों को अपने यहाँ के कारोबारियों के समान ही वरीयता देगी, इससे भारत तथा जापान दोनों के फार्मास्यूटिकल तथा बायोटेक क्षेत्र का तीव्र विकास होगा. बैंकिंग, फाइनेन्स तथा बीमा क्षेत्र में भी दोनों देशों की कम्पनियाँ एक-दूसरे के यहाँ अपने कारोबार फैलाने के लिए परस्पर सहयोग करेंगी. भारत की

शेष पृष्ठ 1801 पर

sscexamonline.blogspot.com

समसामयिक लेख

राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की पहली विदेश यात्रा

✍ गिरीश चन्द्र पाण्डे

राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने बांग्लादेश की सरकार के आमंत्रण पर 3-5 मार्च, 2013 को बांग्लादेश की यात्रा की. इस यात्रा के दौरान उन्होंने बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद जिल्लुर रहमान के अलावा वहाँ की प्रधानमंत्री शेख हसीना से भी विचार-विमर्श किया. राष्ट्रपति का बांग्लादेश की विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की अध्यक्षा खालिदा जिया से भी मिलने का कार्यक्रम था, लेकिन उन्होंने राष्ट्रपति से भेंट करने में अपनी अनिच्छा व्यक्त की. राष्ट्रपति ने ढाका विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की मानद उपाधि भी ग्रहण की और बांग्लादेश में रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में भी भाग लिया. बांग्लादेश के साथ भारत अपने सम्बन्धों को कितना अधिक महत्व देता है, इसका पता इस बात से चल जाता है कि **प्रणब मुखर्जी की राष्ट्रपति के तौर पर यह पहली विदेश यात्रा थी जिसमें उन्होंने बांग्लादेश को चुना. यही नहीं, किसी राष्ट्रपति ने 40 वर्ष बाद बांग्लादेश की यात्रा की. इससे पहले वित्त मंत्री के रूप में प्रणब मुखर्जी ने अगस्त 2010 में ढाका यात्रा के दौरान भारत के एक्जिम बैंक और बांग्लादेश की सरकार के बीच 1 अरब अमरीकी डॉलर की ऋण सहायता समझौते पर हस्ताक्षर किए थे जो भारत द्वारा किसी देश को दिया जाने वाला सबसे बड़ा ऋण था. ढाका में राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को बांग्लादेश मुक्ति संग्राम सम्मान प्रदान किया गया. यह सम्मान 1971 में बांग्लादेश की स्वाधीनता में योगदान देने वाले भारतीय सेना के जवानों और लोगों को दिया जाता है. सबसे पहले यह सम्मान भूतपूर्व प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी को मरणोपरांत 2011 में दिया गया था.**

राष्ट्रपति ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ द्विपक्षीय वार्ता में दो देशों के बीच हस्ताक्षरित भू-सीमा समझौते के शीघ्र अनुसमर्थन हेतु भारत की वचन-बद्धता दोहरायी. दोनों पक्षों ने भारत द्वारा बांग्लादेश को 800 मिलियन अमरीकी डॉलर ऋण के अन्तर्गत परियोजनाओं के कार्यान्वयन में हुई प्रगति की भी समीक्षा की. उल्लेखनीय है कि 736 मिलियन डॉलर की 14 परियोजनाएं [illegible] ही अनुमोदित की जा चुकी हैं तथा वे कार्यान्वयनाधीन हैं. राष्ट्रपति ने तीस्ता नदी के पानी के बँटवारे सम्बन्धी ऐसे समझौते को शीघ्र निष्पन्न करने हेतु कार्यवाही की प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित की जो दोनों पक्षों के लिए उचित तथा न्यायसंगत हो और उनके हितों की रक्षा करे. इस अवसर पर उन्होंने बांग्लादेश से ट्रांजिट तथा कनेक्टिविटी सुविधा भारत को प्रदान करने का आग्रह किया ताकि दक्षिण तथा दक्षिण-पूर्व एशिया में भारत की सुगम पहुँच सुनिश्चित हो सके तथा भारत की पूर्वोन्मुख नीति को और विस्तार मिले. उन्होंने बांग्लादेश को दक्षिण तथा दक्षिण पूर्व एशिया के बीच एक सेतु की भूमिका के निर्वहन के रूप में माना. दूसरी ओर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भारत के साथ हर क्षेत्र में सहयोग करने का आश्वासन दिया.

भारत-बांग्लादेश सम्बन्धों पर एक नजर

भारत और बांग्लादेश दोनों आपस में सभ्यता और संस्कृति, सामाजिक तथा आर्थिक दृष्टि से आपस में बँधे हैं. दोनों का समान इतिहास तथा साझी विरासत रही है. भाषाई तथा सांस्कृतिक सम्बन्धों के अलावा संगीत, साहित्य तथा कला की भूख भी दोनों में एक जैसी है. बांग्लादेश स्थित भारतीय राजदूत प्रतिवर्ष लगभग 5 लाख वीजा जारी करता है. कई हजार बांग्लादेश के विद्यार्थी स्ववित्तपोषण आधार पर भारत में अध्ययन के लिए आते हैं तथा 100 से अधिक विद्यार्थी भारत सरकार की वार्षिक छात्रवृत्ति प्राप्त करते हैं. उच्च स्तर पर विचारों का आदान-प्रदान, यात्राएं तथा बैठकें समय-समय पर दोनों देशों में आयोजित होती रही हैं. प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की 6-7 सितम्बर, 2011 की ढाका यात्रा के दौरान कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए, जबकि उनके साथ विदेश मंत्री तथा बांग्लादेश के चार पड़ोसी राज्यों यथा– असम, मेघालय, मिजोरम तथा त्रिपुरा के अलावा सरकारी तथा मीडिया शिष्टमंडल भी साथ गया था. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने ऐन वक्त पर अपना नाम वापस ले लिया था. प्रधानमंत्री की इस यात्रा से पहले बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत आयी थीं और उस समय भी कई महत्वपूर्ण विषयों पर वार्ताएं की गईं. दक्षिण एशिया क्षेत्रीय सहयोग संगठन यानी सार्क का सदस्य होने से भी बांग्लादेश के साथ बराबर इतर बैठकें आयोजित होती रही हैं. दोनों देशों के विदेश मंत्री भी समय-समय पर मिलते रहते हैं.

भारत और बांग्लादेश की 54 साझी नदियाँ हैं. गंगा जल संधि 1996 में हस्ताक्षरित संयुक्त नदी आयोग गठित है जिसकी समय-समय पर बैठकें होती रहती हैं. इसके अलावा, संयुक्त आर्थिक आयोग, संयुक्त सुरक्षा कार्यकारी दल, संयुक्त सीमा कार्यकारी दल, संयुक्त व्यापार कार्यदल, सीमा शुल्क अधिकारियों का संयुक्त दल के साथ ही दोनों देशों के बीच संयुक्त परामर्शी आयोग का गठन भी किया गया है, जिसकी फरवरी 2013 में दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच ढाका में बैठक हुई थी और व्यापार तथा निवेश, सुरक्षा, कनेक्टिविटी, सीमा प्रबन्धन, जल, विद्युत, मानव संसाधन विकास, पत्तन, नवीकरणीय ऊर्जा, कला तथा संस्कृति और लोगों की पारस्परिक आवाजाही पर बातचीत हुई थी. बैठक में नेताओं तथा सरकारी अधिकारियों की नियमित बैठकों का स्वागत किया गया.

यह भी उल्लेखनीय है कि लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान को प्रोत्साहन देने हेतु प्रत्येक वर्ष भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् बांग्लादेश से आने वाले विद्यार्थियों को कला, विज्ञान, इन्जीनियरिंग के साथ संस्कृति, नाटक, संगीत, ललित कला तथा खेलकूद आदि के लिए विशेषीकृत पाठ्यक्रम हेतु छात्रवृत्ति भी प्रदान करता है. दोनों देशों के बीच हाल में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की गईं जिनमें प्रत्यर्पण संधि, संशोधित यात्रा प्रबन्ध उदारीकरण वीजा व्यवस्था, स्वास्थ्य तथा चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में समझौता ज्ञापन, विदेश सेवा संस्थानों के बीच सहयोग तथा भारत-बांग्लादेश फाउंडेशन की स्थापना, अखौरा-अगरतला रेलवे लिंक तथा भारत-बांग्लादेश सीमा स्ट्रिप मैप्स पर समझौता ज्ञापन के साथ ही पॉवर इंटर ग्रिड कनेक्टिविटी सम्बन्धी कार्य में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया गया. हमारे इस वर्ष गर्मी के मौसम के दौरान भारत से बांग्लादेश को 500 मेगावाट विद्युत की आपूर्ति होने की आशा है. साथ ही 1320 मेगावाट के कोयला आधारित विद्युत संयंत्र के संयुक्त उपक्रम की स्थापना पर भी शीघ्र कार्यवाही की आशा है. निःसन्देह बांग्लादेश की भारत स्थित विद्युत परियोजनाओं विशेष रूप से भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में भागीदारी उल्लेखनीय है. सितम्बर 2011 में भारत द्वारा शुल्क मुक्त निर्यात की सुविधा प्रदान करने के फलस्वरूप बांग्लादेश से भारत को कपड़ा निर्यात में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी हुई है. दोनों देश व्यापार संतुलन

sscexamonline.blogspot.com

की दिशा में भी संयुक्त रूप से प्रयासरत हैं. दोनों देशों के बीच समुद्री मार्ग, रेलवे, सड़क तथा वायुसेवा के जरिए कनेक्टिविटी की उचित व्यवस्था हेतु बांग्लादेश ने एक कार्यकारी दल का गठन किया है, ताकि एक व्यापक प्रोमवर्क तैयार कर दोनों देशों के मध्य वस्तुओं की आवाजाही सुगम हो सके.

भारत-बांग्लादेश के बीच नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग की भारी सम्भावनाएं हैं और इसलिए नवीकरणीय ऊर्जा सहयोग पर संयुक्त कार्यकारी दल की पहली बैठक में इस पर विचार किया गया. इसके अलावा, भेरमारा-बहरामपुर (Bheramara-Baharampur) के मध्य ग्रिड इंटर कनेक्शन सम्बन्धी कार्य के जून/जुलाई 2013 में पूरा होने की सम्भावना है. रामपल, बगरहाट, खुलना स्थित 1320 मेगावाट की बांग्लादेश-भारत मैत्री विद्युत् कम्पनी की स्थापना पर भी प्रगति जारी है. इसके अलावा बांग्लादेश भारत के खुले बाजार से अतिरिक्त 250 मेगावाट बिजली खरीद को अन्तिम रूप देने की प्रक्रिया में है. बांग्लादेश की भारत में विद्युत् परियोजनाओं खासकर पूर्वोत्तर राज्यों की भागीदारी में उल्लेखनीय योगदान है. दोनों देशों के बीच दोहरे कराधान अपवंचन (avoidance of double taxation) तथा आयकर के सम्बन्ध में राजकोषीय अपवंचन रोकथाम सम्बन्धी समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं.

बांग्लादेश की घरेलू राजनीति तथा भारत

निःसन्देह बांग्लादेश में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग के सत्ता में आने के बाद से पिछले तीन वर्षों में भारत-बांग्लादेश के सम्बन्धों में हर क्षेत्र में सुधार देखा गया है. आज पड़ोसी देशों में भारत के सबसे ज्यादा मधुर सम्बन्ध बांग्लादेश के साथ हैं. सत्ता सँभालते ही शेख हसीना ने न केवल आतंकवाद से निपटने हेतु सख्त और प्रभावी कदम उठाए तथा जनवरी 2013 में दोनों देशों के बीच सम्पन्न प्रत्यर्पण संधि से इसे और बल मिला. बांग्लादेश ने भारत से मिले रियायती कर्ज और अनुदान का भी उचित उपयोग किया है. इसके सहारे वहाँ पद्मा नदी पर बनने वाला बहुप्रतीक्षित पुल और परिवहन सेवाओं का विस्तार शामिल है, लेकिन इस बीच बांग्लादेश में कट्टरपंथियों ने जिस प्रकार से अव्यवस्था का माहौल पैदा किया है, और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की अध्यक्ष तथा पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया जिस प्रकार से उन्हें अपना समर्थन दे रही हैं, वह निश्चित तौर पर दोनों देशों के सम्बन्धों के लिए चिन्ताजनक बात है. राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने ढाका विश्वविद्यालय में 47वाँ दीक्षान्त समारोह में डॉक्टरेट की मानद उपाधि ग्रहण करने के बाद बांग्लादेश में सत्तारूढ़ अवामी लीग, विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी तथा उसकी कट्टरपंथी सहयोगी जमात-ए-इस्लामी के बीच हिंसक राजनीतिक गतिरोध के मद्देनजर देश के राजनीतिक दलों से लोकतान्त्रिक मूल्यों और कानून के राज की वकालत की. स्मरण रहे कि जमात-ए-इस्लामी को 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान युद्ध अपराधों के लिए दोषी माना गया है और उसके एक नेता को कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई है. साथ ही इस अवसर पर राष्ट्रपति ने भारत के राजनीतिक दलों को भी बांग्लादेश के साथ तीस्ता नदी जल बँटवारे और भूमि सीमा समझौते के इन दो मुद्दों पर आम राय बनाने का आग्रह भी किया ताकि बांग्लादेश के साथ सम्बन्धों को और बेहतर बनाया जा सके. उल्लेखनीय है कि अभी दोनों मुद्दे राजनीतिक दलों के बीच मतभेद की वजह से लटके हैं. तीस्ता नदी जल बँटवारे में जहाँ उसे पश्चिम बंगाल का सहयोग चाहिए, वहीं भूमि सीमा मुद्दे पर संविधान संशोधन हेतु संसद में दो तिहाई बहुमत हेतु विपक्ष के सहयोग की जरूरत है.

UPKAR'S
JOURNALISM
&
MASS COMMUNICATION

By : Hena Naqvi Code No. 1567 ₹ 220/-

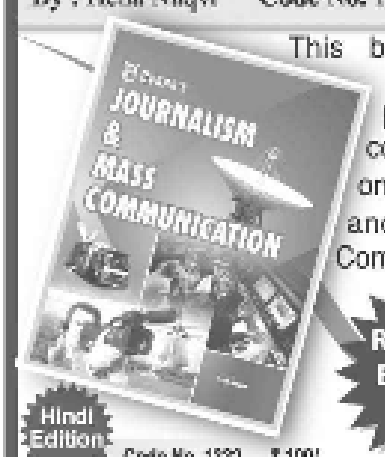

This book is very useful for any professional course based on Journalism and Mass Communication.

Revised & Enlarged Edition

Hindi Edition Code No. 1332 ₹ 199/-

UPKAR PRAKASHAN, AGRA-2
E-mail : care@upkar.in
Website : www.upkar.in

उपकार
बिहार
सहायक अभियंत्रण पदाधिकारी
प्रारम्भिक परीक्षा

लेखकद्वय डॉ. लाल एवं अनिल सेन

Code No. 2032 मूल्य : ₹ 415/-

प्रमुख आकर्षण

♦ मॉडल प्रश्न-पत्र हल सहित ♦ बिहार एक दृष्टि में ♦ सामान्य ज्ञान ♦ समसामयिकी ♦ सामान्य विज्ञान ♦ दण्ड प्रक्रिया संहिता ♦ भारतीय साक्ष्य अधिनियम ♦ व्यवहार प्रक्रिया संहिता ♦ भारतीय संविदा अधिनियम ♦ सम्पत्ति अन्तरण अधिनियम ♦ विविध प्रश्न ♦ भारत का संविधान ♦ इंगलैण्ड का संविधान ♦ हिन्दू-मुस्लिम विधि ♦ अपकृत्य विधि ♦ विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम ♦ साम्या विधि ♦ न्यास विधि ♦ वाणिज्य विधि

उपकार प्रकाशन, आगरा - 2
E-mail : care@upkar.in Website : www.upkar.in

sscexamonline.blogspot.com

यहाँ यह भी उल्लेख करना समीचीन होगा कि 1971 में बांग्लादेश के अस्तित्व में आने के बाद से 2009 तक वहाँ अल्प समय के लिए ही लोकतांत्रिक ढंग से चुनी सरकार रही और अधिकांश शेष वर्षों में या तो वहाँ सैन्य शासन रहा या फिर सैन्य शासन की छाँव में वहाँ शासन चलता रहा. बेगम खालिदा के समय तो कभी भी भारत के साथ सम्बन्ध सौहार्दपूर्ण नहीं रहे. इतना ही नहीं, सुरक्षा की दृष्टि से भी उस समय बांग्लादेश भारत के लिए सिर दर्द बना रहा. अभी भी खालिदा जिया के भारत के प्रति दृष्टिकोण में कोई बदलाव नहीं आया है. इसका प्रमाण पुन: उन्होंने राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी से मुलाकात न करके दे दिया. उनका राष्ट्रपति से मुलाकात न करने का एक कारण यह भी था कि बांग्लादेश में निकट भविष्य में आम चुनाव होने वाले हैं, इसलिए पाकिस्तान समर्थक कट्टरपंथी तबके की भावना भड़काकर खालिदा जिया सत्ता हासिल करना चाहती हैं. कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि आने वाला समय बांग्लादेश के लिए चुनौती भरा तो है ही, भारत भी बांग्लादेश की घरेलू राजनीति से अप्रभावित नहीं रह सकता.

भारत बांग्लादेश सम्बन्धों में पेंच

चूँकि भारत तथा बांग्लादेश के बीच तीस्ता नदी जल बँटवारा और भू सीमा समझौता ये दो ऐसे लम्बित प्रकरण हैं जिनका जब तक उचित समाधान नहीं होता, तब तक दोनों देशों के बीच के सम्बन्धों में आशानुरूप प्रगति की गुंजाइश कम दिखाई देती है. इसलिए यह दोनों देशों के हित में है कि वे उक्त दोनों मुद्दों का पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान शीघ्र खोजें. बांग्लादेश ने इन दोनों समझौतों की पुष्टि कर गेंद भारत के पाले में डाल दी है जिस पर भारत को आगे कार्यवाही करनी है. यहाँ पर हम इन दोनों मुद्दों के बारे में कुछ और विस्तार से रोशनी डालना उचित समझेंगे.

क्या है तीस्ता जल विवाद ?

जैसाकि पहले उल्लेख किया जा चुका है कि प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की 6-7 सितम्बर, 2011 की बांग्लादेश की यात्रा के दौरान ऐन वक्त पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ढाका जाने से मना कर दिया था, जिसके फलस्वरूप दोनों देशों के बीच तीस्ता नदी जल बँटवारा समझौते पर हस्ताक्षर नहीं हो सके और यह मामला लम्बित पड़ा है. हालाँकि, प्रधानमंत्री का यह कथन स्वागत योग्य है कि हमारे देशों की नदियाँ मतभेद के बजाय समृद्धि का वाहक बनें. तीस्ता नदी हिमालय से निकलकर भारत तथा बांग्लादेश होकर [illegible] में बंगाल की खाड़ी में मिलती है. यह बांग्लादेश में प्रविष्ट होने से पहले सिक्किम तथा पश्चिम बंगाल के उत्तरी भागों से होकर गुजरती है. पश्चिम बंगाल अपनी कृषि भूमि की सिंचाई तथा पनबिजली टरबाइन के संचालन हेतु तीस्ता नदी पर निर्भर है. चूँकि दोनों देशों के कृषि हित इस नदी से जुड़े हैं, इसलिए दोनों देशों के बीच सिंचाई हेतु जल बँटवारा एक प्रमुख मुद्दा उभरकर सामने आया है. यह भी उल्लेखनीय है कि यह नदी पश्चिम बंगाल के चार जिलों कूच बेहर न्यू जलपाई गुड़ी, उत्तरी तथा दक्षिण दिनाजपुर के किसानों के साथ-साथ सिलिगुड़ी कस्बे को भी लाभ पहुँचाती है. भारत परम्परागतरूप से तीस्ता नदी जल का बड़ी मात्रा में उपयोग करता है. सूखे मौसम में लगभग 8 मिलियन जनसंख्या के लिए जहाँ यह इस नदी से 32 हजार क्यूसेक जल प्राप्त करता है, वहीं बांग्लादेश अपनी 20 मिलियन आबादी हेतु मात्र 5 हजार क्यूसेक जल का ही उपयोग कर पाता है. इसलिए दोनों देशों के बीच तीस्ता नदी के जल का प्रस्तावित बँटवारा 50 : 50 रखा गया है जो पश्चिम बंगाल को मान्य नहीं है. यहाँ यह उल्लेख करना भी उपयुक्त होगा कि राजनीतिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने भारत और बांग्लादेश के बीच यह फार्मूला 52 : 48 रखने को मंजूरी प्रदान की थी. यह भी गौरतलब है कि भविष्य में तीस्ता सहित साल साझी नदियों के जल का निपटान 1996 के गंगाजल संधि की तर्ज पर किया जाना है.

स्मरणीय है कि तीस्ता मसला हल न होने से अभी बांग्लादेश से ज्यादा नुकसान भारत को हुआ है, क्योंकि इसकी प्रतिक्रिया में जहाँ फेनी नदी जल बँटवारा समझौता अधर में लटका है, वहीं भारत को दक्षिण बंदरगाहों के हस्तेगाल विषयक समझौते को भी ठंडे बस्ते में रखना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप पूर्वोत्तर राज्यों के लिए सीधे निर्यात के दरवाजे खुलते-खुलते रह गए. फेनी नदी त्रिपुरा से बांग्लादेश में प्रविष्ट होती है और यदि यह समझौता होता है, तो यह भारत के हितों के ज्यादा अनुकूल है.

भू-सीमा विवाद ?

बांग्लादेश के साथ भारत का भू-सीमा समझौता (Land Boundary Agreement) बहुत ही सावधानीपूर्वक और मेहनत से की गई वार्ताओं, प्रभावित क्षेत्रों में रह रहे लोगों और असम, मेघालय, त्रिपुरा तथा पश्चिम बंगाल की राज्य सरकारों से विचार-विमर्श के बाद प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की सितम्बर 2011 की ढाका यात्रा के दौरान निष्पन्न किया गया. उक्त राज्यों ने लिखित में भी उक्त समझौते के प्रति अपनी सहमति प्रदान की, लेकिन इस समझौते के अमल में आने के लिए इसका भारतीय संसद द्वारा अनुसमर्थन किया जाना है और जिसके लिए संविधान संशोधन की दरकार है और जिसके लिए सरकार को संसद में दो तिहाई बहुमत चाहिए, जबकि प्रमुख विपक्षी दल ने इस समझौते को एकपक्षीय करार देते हुए यहाँ तक कह दिया कि भारत बांग्लादेश के साथ जो सहयोग कर रहा है उसके प्रत्युत्तर में उसे बांग्लादेश से बहुत कम मिल रहा है. इसलिए वे इस समझौते के विरोध में हैं.

प्रधानमंत्री ने अपनी यात्रा के दौरान ढाका में 1974 से लटके शेख मुजीब-इंदिरा सीमा समझौते को सम्पन्न कर भूमि सीमांकन के बारे में गैर रेखांकित सीमा क्षेत्रों, बस्तियों (Enclaves) और भूमि पर अवैध कब्जों से जुड़े मुद्दों से सम्बन्धित ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, यह बांग्लादेश की 1971 की स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से किया गया सर्वाधिक महत्वपूर्ण समझौता था. इससे अंगरपोटा-दाहग्राम के बांग्लादेशी नागरिकों की 3 बीघा कॉरिडोर से भारत में 24 घण्टे की बेरोकटोक आवाजाही का मार्ग भी प्रशस्त हुआ. उक्त समझौते से एक-दूसरे के कब्जे वाले भू-खण्डों का मुद्दा भी सुलझ गया और जिसके तहत् बांग्लादेश क्षेत्र के अन्दर 17,158 एकड़ में फैले भारत के 111 तथा भारतीय क्षेत्र के अन्तर्गत 7,110 एकड़ में विस्तीर्ण बांग्लादेश के 51 भूखण्डों (कुल 162 भूखण्डों) का आदान-प्रदान सम्भव होगा. स्मरणीय है कि इन 162 भूखण्डों में लगभग 51 हजार लोग रह रहे हैं जिनमें भारत के 37 हजार और बांग्लादेश के 14 हजार लोग शामिल हैं. यह भी उल्लेखनीय है कि इन बस्तियों में भौतिक रूप में न केवल भारत का कब्जा है और न बांग्लादेश का, इसलिए इन बस्तियों के जिस आदान-प्रदान की बात की जा रही है, वह मात्र सांकेतिक है. इस प्रकार तीन दशकों से अधिक की अवधि से विवाद का कारण बने ये लोग समाज की मुख्यधारा से वंचित थे और इन्हें दोनों देशों में से किसी भी देश की नागरिकता प्राप्त नहीं थी, परिणामस्वरूप उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और आवास जैसी बुनियादी जरूरतों की तरफ किसी का ध्यान नहीं गया. यह भी ध्यान देने योग्य है कि दोनों देशों के बीच 4096 किमी लम्बी सीमा रेखा है जिसमें मात्र 6 किमी इलाका ही विवादास्पद था और जिसका सीमांकन किया जाना था जिसे उक्त समझौते से सुलझा लिया गया. यह भी उल्लेखनीय है कि इस सीमा रेखा में 2,979 किमी भू-सीमा तथा 1,116 किमी नदी सीमा के अन्तर्गत आता है.

sscexamonline.blogspot.com

दृष्टिकोण–भारत बांग्लादेश के द्विपक्षीय सम्बन्ध एक-दूसरे के लिए लाभप्रद

यह सही है कि राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बांग्लादेश यात्रा दोनों देशों के बीच सम्बन्धों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है. अपने ढाका दौरे में सभी समुदाय के लोगों से राष्ट्रपति मिले और उनकी बातों को न केवल सुना गया, बल्कि उनका जोरदार स्वागत भी किया गया, परन्तु इसके साथ यह भी उल्लेखनीय है कि उन्होंने बांग्लादेश की यात्रा ऐसे समय में की, जबकि वहाँ कट्टरपंथी हिंसा अपने उफान में थी, इसके बावजूद उन्होंने वहाँ की यात्रा कर बांग्लादेश के साथ अपने मैत्रीपूर्ण सम्बन्धों को और आगे ले जाने की वचनबद्धता प्रदर्शित कर एक प्रकार से दोनों देशों के बीच की एकजुटता को ही प्रदर्शित किया. यही नहीं, राष्ट्रपति बनने के बाद पहले विदेश दौरे के लिए उन्होंने बांग्लादेश को चुनकर उसके साथ रिश्तों को विशेष अहमियत दी. कहना न होगा कि दोनों देशों को एक-दूसरे की जरूरत है. बांग्लादेश के साथ भारत के न केवल पड़ोसी पूर्वोत्तर राज्यों और पश्चिमी बंगाल के हित जुड़े हैं, बल्कि भारत की पूर्वोन्मुख नीति में भी वह सहायक है. नेपाल तथा भूटान को भी वह समुद्री मार्ग के उपयोग की अनुमति देता है. भारत का यह भी मत है कि यदि नेपाल तथा भूटान से बांग्लादेश में सामान की आवाजाही की अनुमति मिलती है, तो फिर भारत को बांग्लादेश से पूर्वोत्तर राज्यों में सामान की आवाजाही की सुविधा मिले. विश्व में दो उभरती अर्थव्यवस्थाओं यानी भारत और चीन के बीच उसकी उपस्थिति भी महत्वपूर्ण है. सार्क के संस्थापक सदस्य के अलावा बांग्लादेश बिम्सटेक, राष्ट्रमंडल, इस्लामी सहयोग संगठन और गुटनिरपेक्ष आन्दोलन का भी सदस्य है. दूसरी ओर बांग्लादेश को अपनी बदहाली से बाहर निकलने हेतु ढाँचागत विकास की जरूरत है. इसके अलावा, उसे अपना माल बेचने हेतु उदार बाजार की भी जरूरत है. चूँकि अभी बांग्लादेश की स्थिति ऐसी नहीं है कि वह अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में उतरे. इसलिए इस स्थिति में भारत ही उसका मददगार बन सकता है. विश्व का सबसे गरीब तथा घनी आबादी वाला यह देश घरेलू उत्पादन तथा आयात द्वारा अपनी बढ़ती जनसंख्या की खाद्यान्न आवश्यकता की पूर्ति करता है. यहाँ चावल, गेहूँ तथा जूट की खेती होती है. चावल उत्पादन में पर्याप्त आत्मनिर्भर है. भारत की भाँति वहाँ भी खेती मानसून पर निर्भर करती है. भारत ने पहले ही प्रधानमंत्री की सितम्बर 2011 की बांग्लादेश यात्रा के दौरान बांग्लादेश से 61 उत्पादों की तत्काल प्रभाव से भारतीय बाजार में शुल्क मुक्त पहुँच का एकपक्षीय निर्णय लिया तथा इस सम्बन्ध में एक समझौता भी किया. इन 61 उत्पादों में से 46 उत्पाद रेडीमेड गारमेंट्स से सम्बद्ध हैं तथा बांग्लादेश के कुल निर्यात में 80 प्रतिशत भागीदारी इन रेडीमेड गारमेंट्स की ही है. इसके अलावा, व्यापारिक अड़चनों को दूर करने के साथ ही वीजा नार्म्स में भी बांग्लादेश को छूट मिली है. राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने बांग्लादेश के लिए बाजार उपलब्ध कराने और वहाँ ढाँचागत विकास हेतु 1 अरब डॉलर के निवेश का वादा भी किया है. बांग्लादेश ने भी अपनी जमीन से भारत विरोधी गतिविधियों पर रोक लगाने का पूरा आश्वासन दिया है. विगत में भी उसने इस दिशा में ठोस प्रयास किए. लश्कर-ए-तैयबा जैश-ए-मोहम्मद तथा इंडियन मुजाहिदीन जैसे आतंकवादी गुटों के विरुद्ध बांग्लादेश ने ठोस कार्यवाही की. बांग्लादेश ने बिना प्रत्यर्पण संधि के आतंकवादियों को न केवल भारत को सौंपा, बल्कि वहाँ चलाए जा रहे आतंकवादी कैम्पों और प्रशिक्षण शिविरों को नष्ट भी किया और

शेष पृष्ठ 1806 पर

UPKAR'S
HARYANA
CIVIL JUDGE
(JUNIOR DIVISION)
PRELIMINARY EXAM
By : Dr. Lal & Misra
Code No. 329 Price : ₹ 390/-
It Contains ● Constitution of India ● Indian Penal Code ● Code of Civil Procedure ● Code of Criminal Procedure ● Indian Evidence Act ● Indian Contract Act ● Hindu Law ● Muslim Law ● The Specific Relief Act ● The Indian Partnership Act ● The Limitation Act ● The Registration Act ● Sale of Goods Act ● The Punjab Courts Act ● National-International Events
UPKAR PRAKASHAN, AGRA–282 002
● E-mail : care@upkar.in ● Website : www.upkar.in

उपकार
दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड
सहायक शिक्षक
(नर्सरी) भर्ती परीक्षा
लेखकद्वय : डॉ. लाल एवं जैन कोड नं. 2225 ₹ 320/-
(प्रमुख आकर्षण)
➡ सामान्य जानकारी (दिल्ली–एक दृष्टि सहित)
➡ सामान्य बुद्धिमत्ता एवं तर्कशक्ति योग्यता
➡ अंकगणितीय एवं आंकिक योग्यता
➡ हिन्दी भाषा एवं बोधशक्ति
➡ English Language & Comprehension
ENGLISH EDITION Code 1784 ₹ 260/-
उपकार प्रकाशन, आगरा–2
● E-mail : care@upkar.in
● Website : www.upkar.in

sscexamonline.blogspot.com

विधिसम्मत लेख

भारत में न्यायिक सक्रियता

✍ डॉ. नीलम राना

संवैधानिक प्रजातंत्र में संविधान की व्याख्या एवं रक्षा करने का कार्य न्यायपालिका का होता है. संविधान की सर्वोच्चता में न्यायपालिका की सर्वोच्चता समाहित है. कानून की व्याख्या में न्यायपालिका का निर्णय अन्तिम होता है, लेकिन संवैधानिक प्रजातंत्र शक्ति संतुलन के सिद्धान्त पर भी आधारित होते हैं. सरकार के तीन अंगों विधायिका, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका का कार्यक्षेत्र पृथक् एवं स्वतंत्र होता है एवं तीनों एक दूसरे के कार्यक्षेत्र में प्रायः हस्तक्षेप नहीं करते हैं. संसदीय प्रणाली में तीनों अंगों में से किसी एक के निरंकुश और असंवैधानिक ढंग से कार्य करने पर अन्य अंग उसे नियंत्रित एवं संतुलित कर सकते हैं. विधायिका कार्यपालिका को हटा सकती है, तो कार्यपालिका विधायिका को नए चुनाव का सामना करने को मजबूर कर सकती है. न्यायपालिका विधायिका एवं कार्यपालिका के निर्णयों को असंवैधानिक घोषित कर सकती है तो विधायिका न्यायाधीशों को महाभियोग द्वारा पदच्युत कर सकती है.

प्रजातांत्रिक व्यवस्था में विधायिका का काम कानून बनाना है एवं कार्यपालिका का काम नीति निर्धारण एवं कानूनों की अनुपालना सुनिश्चित करना है. न्यायपालिका का काम कानूनों की व्याख्या करना होता है. अधिकांश प्रजातांत्रिक देशों में न्यायपालिका परम्परावादी पुरातनपंथी एवं यथास्थितिवादी होती है. न्यायपालिका से अधिक आत्मानुशासन की अपेक्षा होती है एवं न्यायिक संयम ही न्यायपालिका की विश्वसनीयता का आधार होता है.

जब न्यायपालिका नीति निर्धारण एवं नीति अनुपालना के क्षेत्र में हस्तक्षेप करती है या न्यायिक परम्पराओं से परे कार्य करती है तो इसे न्यायिक सक्रियता का नाम दिया जाता है. अमरीका एवं इंगलैण्ड में न्यायिक सक्रियता को अच्छी दृष्टि से नहीं देखा जाता है. उक्त परिप्रेक्ष्य में भारत में न्यायिक सक्रियता एक दिलचस्प एवं विलक्षण पहलू है.

न्यायपालिका का मुख्य कार्य नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करना एवं संविधान के मूलभूत ढाँचे को सुरक्षित रखना है. इस दृष्टि से संविधान में निरूपित नीति निर्देशक तत्वों को न्यायालय द्वारा लागू नहीं किया जा सकता है, लेकिन न्यायिक सक्रियता के माध्यम से न्यायपालिका ने सामाजिक एवं आर्थिक अधिकारों को लागू करने की कोशिश की है. यहाँ पर उल्लेखनीय है कि दक्षिण अफ्रीका में न्यायिक सक्रियता को लगभग संवैधानिक दर्जा प्राप्त है. वहाँ न्यायपालिका से सामाजिक एवं आर्थिक अधिकारों जैसे भोजन, वस्त्र एवं आवास के अधिकार को क्रियान्वयन करने की अपेक्षा की जाती है. वहाँ न्यायालय द्वारा गरीबों को जीवनरक्षक औषधियाँ उपलब्ध करवाने के उदाहरण मौजूद हैं.

भारत में न्यायिक सक्रियता को 1975 के आपात काल के परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए. आपातकाल में न्यायपालिका की भूमिका प्रशंसनीय नहीं थी. एडीएम जबलपुर बनाम शिवनाथ शुक्ला के वाद में सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार को मौलिक अधिकारों एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता के हनन की अनुमति दे दी. इस प्रकार आपातकाल में न्यायपालिका ने न्यायिक संयम का उदाहरण दिया, लेकिन यह संयम भारतीय प्रजातंत्र एवं स्वतंत्रता के लिए घातक सिद्ध हुआ एवं इसकी व्यापक निंदा की गई. श्री लालकृष्ण आडवाणी के शब्दों में, ''न्यायपालिका को केवल झुकने के लिए कहा गया, लेकिन वह रेंगने लगी'' लेकिन न्यायमूर्ति श्री एच. आर. खन्ना ने न्यायिक सक्रियता का उदाहरण पेश करते हुए सर्वोच्च न्यायालय के बहुमत के निर्णय से असहमति व्यक्त की. इस प्रकार आपातकाल में न्यायिक सक्रियता समय की आवश्यकता थी. आपातकाल में न्यायाधीशों को न्यायिक सक्रियता का परिचय देना चाहिए था. अतएव आपातकाल ने न्यायिक सक्रियता को एक नैतिक आधार प्रदान किया.

न्यायिक सक्रियता का प्रारम्भ 1960 के दशक से माना जा सकता है. सामाजिक कार्यकर्ताओं ने व्यक्ति विशेष के स्थान पर वर्ग एवं जनसामान्य के अधिकारों के लिए न्यायालय की शरण ली. न्यायमूर्ति श्री पी. एन. भगवती द्वारा जनहित याचिका को प्रोत्साहन दिया गया. जनहित याचिका न्यायिक सक्रियता का सबसे प्रभावी एवं प्रसिद्ध उपकरण है.

जनहित याचिका के माध्यम से कोई भी जनसेवी यानी नागरिक किसी भी कमजोर या वंचित वर्ग के अधिकारों के लिए न्यायालय की शरण ले सकता है. परम्परागत रूप से कानून में केवल व्यक्ति के अधिकारों को मान्यता दी जाती है एवं केवल पीड़ित व्यक्ति ही न्यायालय की शरण ले सकता है, लेकिन जनहित याचिका के माध्यम से वर्ग विशेष के अधिकारों को भी मान्यता दी गई एवं पीड़ित व्यक्ति के स्थान पर अन्य व्यक्ति भी अधिकारों की अनुपालना के लिए न्यायालय की शरण ले सकता है. इस प्रकार न्यायपालिका ने संकल्पना एवं प्रक्रिया दोनों स्तरों पर परिवर्तन किए. विशेष परिस्थितियों में पीड़ित व्यक्ति केवल पत्र लिखकर भी न्यायपालिका की मदद की गुहार कर सकता है.

न्यायपालिका ने निर्धन एवं निःशक्त वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए अनेक अन्य उपाय भी किए. इस वर्ग के लिए निःशुल्क विधिक सहायता का प्रावधान किया गया. लोक अदालतों के माध्यम से सस्ता एवं त्वरित न्याय उपलब्ध कराने का प्रयत्न किया गया.

उक्त उपायों के माध्यम से बंधुआ मजदूरों, भूमिहीन किसानों, विचाराधीन कैदियों एवं असहाय महिलाओं को न्याय दिलाने में उल्लेखनीय सफलता मिली.

न्यायपालिका ने निर्धन एवं निःशक्त जनों को न्याय दिलाने के लिए तथ्यों की जाँच एवं संग्रह के लिए आयोगों की नियुक्ति आरम्भ की. न्यायपालिका ने अपने आदेशों की अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन को नियमित रूप से रिपोर्ट भेजने के आदेश भी दिए हैं.

यद्यपि न्यायिक सक्रियता के खाते में अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हैं, लेकिन इसका ऋणात्मक पक्ष भी है. न्यायिक सक्रियता के आवेश में न्यायपालिका ने अनेक बार प्रशासन में अवांछनीय हस्तक्षेप किया एवं नीति निर्धारण के कार्य को अपने हाथों में ले लिया. सन् 2009 में न्यायालय ने भारत सरकार से आस्ट्रेलिया में भारतीय छात्रों की दशा सुधारने हेतु उठाए गए कदमों का स्पष्टीकरण माँगा. यह एक प्रकार से विदेश नीति में न्यायिक हस्तक्षेप है. इसी प्रकार उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार से राज्य में जगह-जगह मुख्यमंत्री सुश्री मायावती की मूर्तियाँ लगाने के औचित्य पर जवाब माँगा. यह अप्रत्यक्ष रूप से सरकारी बजट में हस्तक्षेप है.

यह नहीं भूल जाना चाहिए कि राजनैतिक व्यवस्था को न्यायिक सक्रियता की एक कीमत चुकानी पड़ती है. न्यायिक सक्रियता प्रजातंत्र के शक्ति के संतुलन के सिद्धान्त का उल्लंघन है एवं प्रजातांत्रिक स्वास्थ्य के लिए शुभ संकेत नहीं है. न्यायिक सक्रियता में प्रशासनिक असफलता की स्वीकृति सन्निहित है. राजनैतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था की उन खामियों को दूर किया जाना चाहिए जिनके कारण न्यायपालिका को सक्रियता का रास्ता अख्तियार करने को बाध्य होना पड़ा.

sscexamonline.blogspot.com

न्यायिक सक्रियता न्यायिक निरंकुशता में परिवर्तित हो सकती है. न्यायपालिका के आदेशों का क्रियान्वयन अंततः कार्यपालिका द्वारा किया जाता है. अतः न्यायिक सक्रियता की अंतर्निहित सीमाएँ हैं.

अनेक बार न्यायिक सक्रियता प्रचार की लालसा के लिए की जाती है. न्यायिक सक्रियता के मूल में कई बार वैचारिक आग्रह होते हैं.

एक सीमा के बाद न्यायिक सक्रियता से लाभ की अपेक्षा हानि हो सकती है. न्यायिक सक्रियता से कार्यपालिका और न्यायपालिका में टकराव आ सकता है. न्यायिक सक्रियता से किसी चमत्कार की अपेक्षा नहीं की जानी चाहिए. जटिल समस्याओं का समाधान किसी के पास नहीं होता. न्यायिक सक्रियता के बावजूद अगर किसी समस्या का समाधान नहीं निकलता है, तो न्यायपालिका की विश्वसनीयता में कमी आ जाएगी.

निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि भारत में न्यायिक सक्रियता का उदय विशेष राजनैतिक एवं सामाजिक परिस्थितियों के कारण हुआ. इसे एक आवश्यक बुराई के रूप में ही स्वीकार किया जा सकता है. न्यायिक सक्रियता उच्चतर न्यायपालिका तक ही सीमित रहे तो अच्छा है. दीर्घकालीन उपाय के रूप में उन राजनैतिक और प्रशासनिक खामियों को दूर किया जाना चाहिए जिनके कारण न्यायिक सक्रियता का आविर्भाव हुआ. कार्यपालिका को और सक्रिय और उत्तरदायी बनाया जाना चाहिए. प्रजातंत्र को स्वस्थ एवं सुदृढ़ बनाने हेतु संस्थागत सुधार किए जाने चाहिए. न्यायिक सक्रियता में उत्तरोत्तर कमी लाई जानी चाहिए. वस्तुतः इस समय भारत में न्यायिक सक्रियता रोशनी का काम कर रही है. ●●●

शेष पृष्ठ 1794 का

टेलिकॉम तथा आईटी कम्पनियों को भी जापान ने अपनी घरेलू कम्पनियों के समान ही वरीयता दी है.

जापान में दिसम्बर 2012 में हुए संसदीय चुनाव में 'लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी' की बम्पर जीत के बाद 'प्रधानमंत्री के रूप में शिंजो अबे की फिर वापसी हो गई है. इससे पूर्व वे वर्ष 2006-07 में भी केवल एक साल के लिए प्रधानमंत्री रहे थे. शिंजो के प्रधानमंत्री बनने पर वैश्विक स्तर पर सकारात्मक तथा आशावादी प्रतिक्रिया मिली है. भारत के लिए शिंजो का प्रधानमंत्री बनना लाभकारी है क्योंकि शिंजो उदार आर्थिक नीतियों तथा प्रशासनिक सुधारों के पक्षधर हैं. शिंजो अगस्त 2007 में भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर आ चुके हैं और अपने कार्यकाल के दौरान उनका भारत के प्रति रवैया बेहद मित्रतापूर्ण तथा सहयोगात्मक रहा. अबे परमाणु ऊर्जा के शान्तिपूर्ण उपयोग के पक्षधर भी हैं, अतः भारत-जापान-परमाणु सहयोग, समझौते की मंजिल तक भी पहुँच सकता है. अमरीका से न्यूक्लियर डील के बाद जापान के साथ भी इसी तरह के समझौते की आवश्यकता है, क्योंकि जापान की कई कम्पनियाँ परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में अमरीकन कम्पनियों के साथ मिलकर काम कर रही हैं. जाहिर है भारत में परमाणु ऊर्जा के विकास के लिए लगाए जाने वाले रिएक्टरों के निर्माण से लेकर संचालन तक में जापानी कम्पनियों के उपकरण तथा तकनीकी दोनों काम आयेंगी, इससे जापानी कम्पनियों को भी काफी लाभ होगा, हो सकता है कि शिंजो की वापसी के बाद दोनों देशों के बीच परमाणु समझौता जल्दी अस्तित्व में आ जाए. अगर सुरक्षा परिषद् में स्थायी सदस्यता की बात की जाए तो भारत व जापान के अलावा जर्मनी तथा ब्राजील भी इसके दावेदार हैं. चीन तथा पाकिस्तान जैसे देश भारत तथा जापान की दावेदारी पर एतराज जताते हैं, मगर दोनों देशों को चाहिए कि वे प्रतिबद्ध होकर एक-दूसरे की दावेदारी को नैतिक समर्थन दें. ●●●

UPKAR'S

Dictionary of Quotations

Just Released

Compiled & Edited by : Radharaman Agarwal

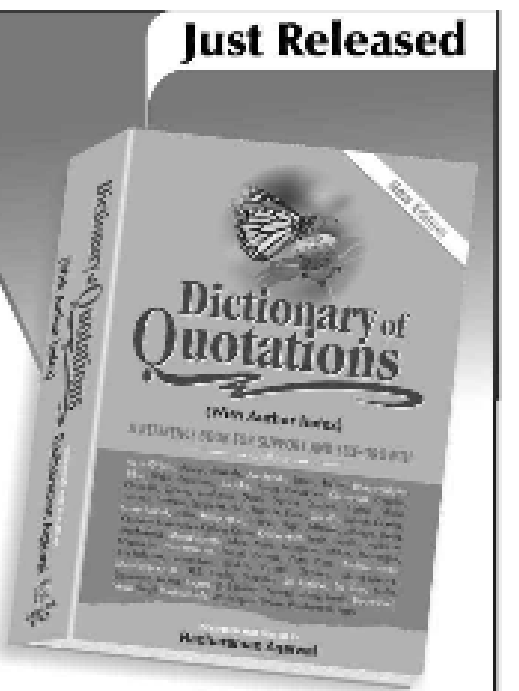

Quotations give a unique sharpness to your expressions and representations. They show how you illuminate your imagination, elaborate the excellent ideas, illustrate your particular point, and project your perfect personality.

This book is purposedly designed to stimulate the taste of students, so that they can fruitfully use the quotations to enhance effect in their speech, write-up or even daily conversation.

- More than 7,500 quotations covering 725 topics, arranged thematically for easy look-up.
- Topics of modern times such as Animal Rights, Genetic Engineering, Science and Religion, The Internet, End of World, etc., also included.
- An index of more than 1900 authors (with a short individual biography for G.K. purpose.)

Code No. 1742 Price ₹ 210.00

UPKAR PRAKASHAN
(An ISO 9001:2000 Company)
211 A, Swadeshi Bima Nagar, AGRA-282 002 Ph. : 4058383, 2520056, 2531101; Fax : (0562) 4058380
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in
Branch Offices : • New Delhi Ph.: 011-23261844/66 • Hyderabad Ph.: 040-66753380

sscexamonline.blogspot.com

समसामयिक लेख

चीन की सामुद्रिक महत्वाकांक्षाएं एवं भारतीय सुरक्षा : एक मूल्यांकन

✍ डॉ. आर.एस. पाण्डेय

प्रस्तावना

चीन का एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में 'शान्तिपूर्ण उदय' इक्कीसवीं शताब्दी की ऐसी महत्वपूर्ण घटना है जिसने न केवल एशिया, अपितु वैश्विकशक्ति-संरचना के समस्त पूर्व प्रतिमानों को परिवर्तित करके वैश्विकशक्ति-संतुलन के नवीन आयाम को त्वरित दिशा प्रदान की है. विश्व की सर्वश्रेष्ठ शक्ति का दर्जा प्राप्त करने हेतु व्यग्र चीन ने जहाँ एक ओर अपने एशियाई प्रतिस्पर्धी भारत की सामरिक घेराबन्दी का हर सम्भव प्रयत्न किया है, वहीं वैश्वीकरण व आर्थिक उदारीकरण के वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अपने आर्थिक व व्यापारिक हितों की पूर्ति हेतु सामुद्रिक संचरण-मार्गों पर नियन्त्रण की हर सम्भव कोशिश में त्वरित कदम उठाए हैं. हिन्दमहासागर के सभी महत्वपूर्ण रोधक स्थलों (Chok Points) मलक्का जलडमरूमध्य, फारस की खाड़ी, बाब-एल-मान्डेब व स्वेज नहर पर नियन्त्रण हेतु क्षेत्रीय राष्ट्रों के साथ अपने सामरिक-आर्थिक सम्बन्धों पर विशेष बल दिया है. दक्षिण चीन सागर पर सम्प्रभुता स्थापित करने व हिन्द-महासागरीय क्षेत्र पर नियन्त्रण की चीनी गतिविधियाँ हर दृष्टिकोण से भारत की सुरक्षा को प्रभावित कर रही हैं.

सन्तयू की पुस्तक 'The Art of War' में वर्णित युद्ध अवधारणाओं पर केन्द्रित चीन की रणनीतिक-संस्कृति एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था के गतिमान प्रतिमानों को दृष्टिगत रखकर चीन निर्धारित सामरिक व आर्थिक नीतियों के फलस्वरूप वह निरन्तर सुदृढ़ व प्रभावी राष्ट्र का दर्जा हासिल करता जा रहा है. उसकी निरन्तर बढ़ रही क्षमता हेतु निम्नांकित तत्व उत्तरदायी हैं–

1. शासन का स्थायित्व एवं उसका अस्तित्व (Regime Stability and Survival).
2. घरेलू स्थायित्व को सुरक्षित करने की आवश्यकता (Need to preserve domestic stability).
3. प्रादेशिक अखण्डता को सुरक्षित रखने का निर्णायक महत्व (Crucial importance to secure territorial integrity).

उपर्युक्त तथ्यों के प्रसंग में आर्थिक-[illegible] के विकास के समानान्तर सैन्य-सामर्थ्य को अद्यतन करने हेतु चीनी नेतृत्व के प्रयास उसकी वैश्विकशक्ति-ध्रुव बनने की पृष्ठभूमि में ऐसे निर्णायक तत्व हैं जिसके फलस्वरूप सामुद्रिक-संचरण मार्गों (SLOC) की सुरक्षा के समानान्तर अपने वैश्विक रणनीतिक हितों के सुरक्षार्थ अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों की स्थापना पर उसने विशेष ध्यान केन्द्रित किया. यही कारण है कि अस्सी के दशक में चीन ने अपनी स्थिर तटीय प्रतिरक्षा नीति (Static Coastal Defence) को दूरस्थ सामुद्रिक तटीय रक्षा (Offshore Oceanic Defence) में परिवर्तित करके अपने इतिहास में पहली बार सुरक्षा, स्वतन्त्रता, सम्प्रभुता एवं क्षेत्रीय अखण्डता की रक्षा हेतु सामुद्रिक-शक्ति को उपादेय माना. चीन के रक्षा चिन्तकों ने 15वीं शताब्दी के प्रमुख नाविक व अन्वेषक झेंग (Zheng) की शान्तिप्रिय परम्पराओं (Peace loving tradition) पर गम्भीर मनन तो किया ही साथ ही 21वीं शताब्दी के नवीन शीतयुद्ध के परिदृश्य में चीन की अमरीका के साथ सम्भावित प्रतिद्वन्द्विता की वास्तविकताओं को ध्यान में रखकर अपनी परम्पराओं, सिद्धान्तों, संगठन व प्रशिक्षण आदि तत्वों की पृष्ठभूमि में सामुद्रिक-शक्ति के विकास को प्राथमिकता दी.

हिन्द महासागर में चीन की सामरिक गतिविधियाँ

जहाँ तक चीन की सामुद्रिक नीति का प्रश्न है, उसने वैश्विक सुरक्षा परिवेश के समानान्तर क्षेत्रीय सुरक्षा एवं शक्ति-संतुलन समीकरणों को भी ध्यान में रखकर अपनी सामुद्रिक-शक्ति की आधुनिकीकरण प्रक्रिया को तीव्रता प्रदान की है. आतंकवाद, संगठित अपराध एवं सामुद्रिक डकैती आदि तत्वों पर अंकुश लगाने एवं अपने सामुद्रिक हितों के सुरक्षार्थ जहाँ एक ओर चीन ने दक्षिणी चीन सागर में शक्ति-प्रक्षेपण पर ध्यान केन्द्रित किया, वहीं एशिया क्षेत्र में सामरिक-श्रेष्ठता की स्थापना में प्रभावी भूमिका के निर्वहन हेतु प्रमुख व्यापारिक सामुद्रिक-मार्गों पर नियन्त्रण हेतु इण्डो-पेसिफिक (Indo-Pacific) क्षेत्र में अपनी सामुद्रिक गतिविधियाँ त्वरित कर दीं. फलतः, जापान-अमरीका रणनीतिक भागीदारी को संतुलित करने हेतु चीन ने उत्तरी कोरिया के शस्त्रोन्मुख नाभिकीय कार्यक्रम को तो सक्षमता पहुँचाई ही साथ ही शीतयुद्धोत्तर-कालीन एशियाई परिदृश्य ने भारत-अमरीका-जापान-आस्ट्रेलिया के मध्य बढ़ रहे सामरिक व आर्थिक सम्बन्धों की प्रगाढ़ता को ध्यान में रखकर चीन ने हिन्दमहासागर के क्षेत्रीय देशों के साथ सामरिक-राजनीतिक मैत्री पर ध्यान केन्द्रित किया. वास्तव में, आर्थिक विकास हेतु सामुद्रिक व्यापार पर चीन की निर्भरता का ही यह परिणाम है कि सामुद्रिक-संचरण रेखाओं की सुरक्षा के साथ-साथ हिन्द महासागर के सभी रोधक स्थलों (Choke points) पर नियन्त्रण हेतु वह गम्भीरतापूर्वक प्रयत्नरत है, क्योंकि पश्चिम एशिया व अफ्रीका से होने वाले चीन के तेल आयात का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा हिन्द महासागरीय मार्गों से ही गुजरता है. पी.एल.ए. (PLA) के प्रमुख जनरल क्वियन गुलियांग (Qian Guoliang) ने वर्ष 2000 में ताइवान को चीन की सुरक्षा में संवेदनशील मानते हुए यह आशंका प्रकट की थी कि हिन्द महासागर से जुड़े सामुद्रिक संचरण-मार्गों पर यदि चीन नियन्त्रण स्थापित नहीं कर सका, तो न केवल मध्यपूर्व क्षेत्र से आने वाले उसके तेल टैंकर खतरे में आ जाएंगे, अपितु ताइवान में सैन्य-शक्ति के प्रयोग हेतु उसे अत्यन्त कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा.

फलतः Ocean Agenda-21 के मूलाधार पर विकसित सामुद्रिक व्यापार नीति एवं वैश्विक शक्ति-संरचना में अपनी प्रभावी भूमिका तय करने हेतु चीन ने हिन्द महासागर की भू-सामरिक व भू-राजनैतिक महत्ता को समझते हुए उसके पूर्वी व पश्चिमी प्रवेश द्वारों, क्रमशः मलक्का जलडमरूमध्य एवं होरमुज जलडमरूमध्य से संलग्न क्षेत्रों में अपनी राजनैतिक व सामरिक उपस्थिति हेतु क्षेत्रीय राष्ट्रों के साथ द्विपक्षीय आर्थिक व्यापार को तो प्राथमिकता दी ही साथ ही इस क्षेत्र में अपने सामुद्रिक हितों के रक्षार्थ नौसैनिक सुविधाएं प्राप्त करने का सुनियोजित कार्यक्रम चलाया. वास्तव में, चीन की सरकार ने अपने राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों, विशेषकर विभिन्न क्षेत्रीय द्वीपों पर अपनी सम्प्रभुता सम्बन्धी अधिकारों की पूर्ति हेतु नौ-सेना के प्रयोग में भी किसी प्रकार का संकोच नहीं किया. क्षेत्रीय सम्प्रभुता तो चीन की सुरक्षा का विशेष रोग है जिसकी पूर्ति हेतु वह सदैव आक्रामक कूटनीति हेतु तत्पर रहता है. चीन की सामुद्रिक सुरक्षा रणनीति में निम्नांकित विवाद विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं–

1. ताइवान विवाद.
2. जापान के साथ सेनकाकू व डायूटी द्वीप (Sankaku and Diaoyutai Island) विवाद.

sscexamonline.blogspot.com

3. ताइवान, वियतनाम, फिलीपीन्स ब्रुनेई व मलेशिया के साथ दक्षिण चीन सागर में जलक्षेत्र व स्थलाकृति सम्बन्धी विवाद.
4. वियतनाम के साथ सामुद्रिक सीमा विवाद.
5. उत्तरी कोरिया, द. कोरिया, जापान, वियतनाम व फिलीपीन्स के साथ मत्स्य शिकार क्षेत्र व नियंत्रण सम्बन्धी विवाद.
6. जापान के साथ सामुद्रिक सीमा-विवाद.

यही कारण है कि चीन ने जहाँ एक ओर उक्त विवादों के परिप्रेक्ष्य में दूरस्थ क्षेत्र में सामुद्रिक हितों की सुरक्षा हेतु उच्च सामुद्रिक तकनीक विकसित कर सामरिक व नागरिक क्षेत्रों में उसके उपयोग द्वारा अपने मार्गिक मूल्यों की सुरक्षा का प्रयत्न किया है, वहीं आधुनिक नौ-सेना के विकास के समानान्तर हिन्दमहासागर क्षेत्र में मित्रों की तलाशकर नौसैन्य सुविधाएं अर्जित करने में भी कोई शिथिलता नहीं आने दी है. मलक्का क्षेत्र की सामरिक संवेदना एवं एशियान क्षेत्र में अमरीका, जापान, आस्ट्रेलिया एवं भारत के मध्य प्रगाढ़ हो रहे आर्थिक व सामरिक रिश्तों से चीन पर्याप्त सतर्क है. यही कारण है कि वह अपने तेल व गैस की आपूर्ति व्यवस्था को सुरक्षित करने हेतु पाकिस्तान, म्यांमार व थाइलैण्ड के स्थल-मार्गों से पाइप लाइन के निर्माण में सक्रिय है. उल्लेखनीय है कि हिन्दमहासागरीय क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को सुदृढ़ व प्रभावशाली बनाने का ही परिणाम है कि चीन ने अपनी 'String of Pearl's' की नीति के अन्तर्गत (ग्वादर) पाकिस्तान, (हम्बनटोटा) श्रीलंका, (चटगाँव) बांग्लादेश, म्यांमार में (Sittiye, Coco Island, Hianggi, Kyaukpyn, Mergui व Zaddetkyi) थाइलैण्ड में Laem Chabang तथा कम्बोडिया में Sihanoukville में सामुद्रिक व सैन्य सुविधाएं अर्जित करके अपनी सामुद्रिक सेना हेतु 'अग्रिम संक्रियात्मक आधार' (FOB—Forward Operating Bases) स्थापित कर लिया है जो न केवल हिन्दमहासागर में उसके सामुद्रिक-व्यापारिक हितों की रक्षा करेंगे अपितु तटवर्ती क्षेत्रों में उसकी राजनैतिक व प्रभुत्व के रणनीतिक विस्तार में भी सहायक होंगे.

ज्ञातव्य है कि अभी हाल ही में पाकिस्तान सरकार द्वारा बलूचिस्तान तट पर विकसित हो रहे ग्वादर बन्दरगाह का प्रबन्धन चीन की सरकारी कम्पनी चाइनीज ओवरसीज पोर्ट हेण्डलिंग को सौंप दिया है. पहले यह सिंगापुर की कम्पनी पीएसए इन्टरनेशनल के पास था.

हिन्द महासागर में अपने सामरिक-संजाल को विस्तृत व प्रभावी करने हेतु चीन द्वारा सन् 2011 में सेशल्स (Seychelles) [illegible]न्य आधार की स्थापना से वह पुष्ट हो रहा है कि वह सामुद्रिक वर्चस्व हेतु कितना व्यग्र है ? यद्यपि सिचेल्स की सरकार ने यह दावा किया है कि उसकी अनुमति व इच्छानुसार चीन इस क्षेत्र में सामुद्रिक डकैती को रोकने हेतु यहाँ सैन्य आधार निर्मित कर रहा है, जबकि शंघाई स्थित फुदन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर शेन डिंगली (Shen Dingli) का मत है कि चीन द्वारा दूर स्थित समुद्री क्षेत्रों में नौ-सैन्य आधार की स्थापना से वैश्विक व क्षेत्रीय स्थिरता को ही बढ़ावा मिलेगा.

इतना ही नहीं, किंग्स कॉलेज, लन्दन के प्रोफेसर हर्ष वी. पन्त का अभिमत है कि विश्वशक्ति का दर्जा हासिल कर चुका चीन अन्य महाशक्तियों की ही भाँति शक्ति-प्रक्षेपण की कोशिश कर रहा है. अमरीकी नौ-सैन्य आधारों से घिरे चीन का यह अमरीका को दिया गया ऐसा प्रत्युत्तर है जो उसकी वैश्विक हैसियत को प्रदर्शित करता है.

वास्तव में सेशल्स में नौ-सैन्य आधार की स्थापना चीन द्वारा हिन्दमहासागरीय क्षेत्र (IOR) के संकटकालीन 'चोक-प्वाइण्टस्' (Crucial Choke Points) पर नियन्त्रण करने की रणनीति का ही हिस्सा है जिसके द्वारा वह इन क्षेत्रों में सामरिक उपस्थिति से अपने आर्थिक हितों की रक्षा करने हेतु प्रयत्नरत है. उल्लेखनीय है कि चीन के तेल का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा मलक्का स्ट्रेट से ही होकर गुजरता है. अतएव, हिन्द महासागर व लाल चीन सागर में अपनी सामुद्रिक उपस्थिति द्वारा न केवल वह अपने हितों को सुरक्षित करना चाहता है, अपितु वह भारत पर नियन्त्रण रखने की भी इच्छा सँजोए हुए है.

स्पष्ट है कि हिन्द महासागरीय क्षेत्र में चीन की सैन्य उपस्थिति से जहाँ एक ओर क्षेत्रीय विवादों के अवसर पर उसकी रणनीतिक-सक्रिया में सहायता मिलेगी, वहीं आर्थिक विकास हेतु दूरस्थ समुद्र में उपलब्ध आवश्यक प्राकृतिक संसाधनों, जैसे—हाइड्रोकार्बन, खनिज व अन्य कच्चे पदार्थों आदि की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकेगी. यही कारण है कि चीन की कम्पनियों ने अंगोला, बांग्लादेश, मिस्र, नाइजीरिया, सूडान, जिम्बाब्वे व फारस की खाड़ी क्षेत्र में स्थित राष्ट्रों के साथ अपने व्यापारिक सम्बन्धों के विस्तार को प्राथमिकता दी है जिससे प्राकृतिक गैस संसाधनों के अतिरिक्त सामरिक उपयोग की अन्य वस्तुओं की प्राप्ति सुनिश्चित हो सके. अमरीका के साथ चल रही वैश्विक-स्पर्धा को ध्यान में रखकर, कॉपर, आइरन, एल्युमिनियम व प्लेटिनम जैसे पदार्थों का अफ्रीका से आयात करके अपने आर्थिक प्रगति को त्वरित आयाम देना चीन की प्राथमिकता बन गई है. चीन-अफ्रीका फोरम (China-Africa

Read Upkar's
LEARN TO WRITE CORRECT ENGLISH
(English-Hindi Medium)
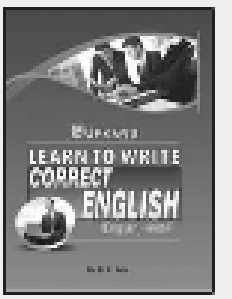

₹ 225-00
CORRECT ENGLISH : HOW TO WRITE IT
(English Medium)

₹ 220-00
LEARN TO WRITE CORRECT ENGLISH
(English-Bangla)
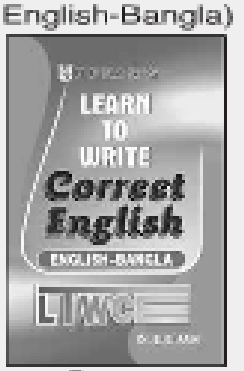

₹ 230-00
By : Dr. B.B. Jain
As the Latest and All Comprehensive Books for All Competitive Examinations.
Purchase from nearest bookseller or get this copy by V.P.P. sending M.O. of ₹ 180/- on the following address
UPKAR PRAKASHAN, AGRA-2

sscexamonline.blogspot.com

Forum) की स्थापना इस दृष्टि से चीन की भावी व दूरगामी रणनीति का हिस्सा है. यद्यपि चीन ने ईरान व सऊदी अरब जैसे पश्चिम एशियाई देशों के साथ भी अपने रणनीतिक सम्बन्धों को सुदृढ़ आधार देने के प्रयत्न किए हैं, तथापि उपयोगी रणनीतिक संसाधनों वाले इन क्षेत्रों में बढ़ रहे मुस्लिम कट्टरपंथियों के प्रभाव तथा भू-जातीय व सामाजिक अस्थिरता आदि कारणों से चीन की खनिज सुरक्षा नीति असमंजस से ग्रस्त है.

हिन्द महासागरीय क्षेत्र में चीन की बढ़ रही रणनीति-गतिविधियों से ऐसा लगता है कि सन् 2020 तक वह सामरिक व राजनैतिक दृष्टि से इतना प्रभावशाली राष्ट्र हो जाएगा जो इच्छानुसार जब जैसा चाहे इसके तटीय देशों में हस्तक्षेप करने की स्थिति में होगा. चीन द्वारा 10 अगस्त, 2011 को अपने प्रथम एअर क्राफ्ट कैरियर के जलावतरण एवं अद्भुत सामर्थ्य से वह इस क्षेत्र में 'गनबोट कूटनीति' (Gun Boat Diplomacy) का प्रदर्शन करके क्षेत्रीय राष्ट्रों के हितों पर कुठाराघात कर सकता है. इतना ही नहीं, दक्षिण चीन सागर के क्षेत्रीय देशों के साथ (फिलीपीन्स, वियतनाम व जापान आदि) चल रहे विवादों के साथ एवं अमरीका की इस क्षेत्र में सामरिक उपस्थिति की पृष्ठभूमि में चीन द्वारा उठाए गए उक्त कदम से हिन्द महासागर में शक्ति-स्पर्धा को नवीन आयाम मिल सकता है.

भारत की सामुद्रिक सुरक्षा चुनौतियाँ

भारतीय स्वाधीनता के पश्चात् हिन्द महासागर में दो शक्ति-ध्रुवों, अमरीका व सोवियत संघ के मध्य शक्ति-स्पर्धा से न केवल क्षेत्रीय भू-राजनीति प्रभावित हुई, अपितु 'शान्ति-क्षेत्र' की अवधारणा पर भी गहरा आघात लगा, किन्तु शीतयुद्ध की समाप्ति के उपरान्त सोवियत अनुपस्थिति से यह क्षेत्र 'नाटोझील' (NATO Lake) में परिवर्तित हो गया तथा अमरीका के अतिरिक्त, आस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया आदि देशों की नौसैनिक गतिविधियों को भी नवीन अवसर मिला. 11 सितम्बर, 2001 की घटना के पश्चात् 'Operation Enduring Freedom' की आड़ में अफगानिस्तान तथा ईराक में अमरीकी उपस्थिति की पृष्ठभूमि में प्रारम्भ क्षेत्रीय सामुद्रिक सुरक्षा पहल (RMSI–Regional Maritime Security Initiative) के फलस्वरूप यह सम्पूर्ण क्षेत्र नव-शीतयुद्ध का केन्द्र बन गया है. भारत के रक्षा मंत्रालय की 2005-06 की वार्षिक रिपोर्ट में यह कहा गया है कि बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के पथ पर बढ़ रहे विश्व एवं शक्ति के एक ध्रुव के रूप में भारत के अभ्युदय से इस क्षेत्र की सामरिक व आर्थिक [illegible]नशीलता बढ़ती जा रही है.

सोवियत विघटन के उपरान्त एशिया केन्द्रित चीन-अमरीकी स्पर्धा से सम्पूर्ण हिन्द महासागरीय क्षेत्र की भू-राजनीति प्रभावित हुई है. आतंकवाद से पीड़ित द. एशिया इस समय विश्व का सबसे अस्थिर क्षेत्र बन गया है तथा चीन द्वारा एशियाई नेतृत्व हासिल करने की व्याकुलता के परिणामस्वरूप इस क्षेत्र में केन्द्रित होती जा रही शक्ति-स्पर्धा ने एक नवीन शीतयुद्ध को तो जन्म दिया ही है साथ ही हिन्द महासागरीय क्षेत्र के देशों में बढ़ रहे आतंकवाद ने इस महासागर को 'जेहादी आतंकवाद की झील' (Lake of Jehadi Terrorism) में परिवर्तित कर दिया है. होरमुज क्षेत्र तथा दक्षिण पूर्व एशिया में 'फ्री एशे मूवमेण्ट (Free Aceh Movement), मोर इस्लामिक लिबरेशन फ्रण्ट (More Islamic Liberation Front) एवं अबू सय्याफ (Abu Sayyaf) जैसे सामुद्रिक आतंकवादी संगठनों के उदय तथा जमाह इस्लामिया (Jammah Islamiyah) का अल-कायदा (Alqaida) जैसे आतंकी संगठनों से संलग्नता ने भारतीय सुरक्षा के लिए चुनौती उत्पन्न कर दी है. इस क्षेत्र में बढ़ रही सामुद्रिक डकैती (Piracy) कम चिन्ताजनक नहीं है. 26/11 के मुम्बई हमलावरों का अरब सागर के मार्ग का इस्तेमाल करना भारत की सामुद्रिक चिन्ताओं की पुष्टि करता है. इतना ही नहीं, पाकिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान, म्यामार, बाइलैण्ड व लाओस जैसे राष्ट्रों में सक्रिय अराजक तत्वों द्वारा इस महासागर से किया जा रहा नशीले पदार्थों का व्यापार एवं इससे प्राप्त धन का आतंकवादियों द्वारा किया जा रहा इस्तेमाल भारत के लिए सर्वाधिक चिन्ता का विषय है.

उल्लेखनीय है कि 21वीं शताब्दी में एक शक्ति संतुलन-केन्द्र के रूप में उभर रहे भारत के बहुमुखी विकास व राष्ट्रीय शक्ति के निर्माण में, ऊर्जा आवश्यकताओं की निरन्तर बढ़ रही उपादेयता ने हिन्द-महासागर के भू-राजनैतिक व रणनीतिक महत्व में अभिवृद्धि कर दी है. यही कारण है कि जहाँ एक ओर फारस व अदन खाड़ी से पूर्वी एशिया तक विस्तृत सामुद्रिक-मार्ग के गुरुत्व-केन्द्र में भारतीय स्थिति, अण्डमान निकोबार द्वीप क्षेत्र तथा मलक्का स्ट्रेट मार्ग की सामरिक महत्ता भारत को प्रभावी नौ-सैन्य बनने हेतु विवश कर रही है, वहीं वैश्विक शक्ति-संरचना में आर्थिक विकास हेतु हिन्द महासागर पर निर्भरता उसकी सुरक्षा जिम्मेदारियों का अहसास भी कराती है. नवम्बर 2003 में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने सैन्य कमाण्डरों के एक संयुक्त सम्मेलन में कहा था कि 'आज भारत के स्ट्राटेजिक सीमान्त दक्षिण एशिया तक विस्तृत हो गए हैं... हमारे सुरक्षा क्षेत्र मलक्का जलडमरूमध्य व फारस की खाड़ी क्षेत्र से बढ़कर केन्द्रीय एशिया, अफगानिस्तान, चीन व दक्षिण-पूर्वी एशिया तक विस्तृत हो गए हैं. हमारी स्ट्राटेजिक विचारधाराओं का क्षितिज भी विस्तृत होना चाहिए. वाजपेयी का उक्त कथन भारत की सामुद्रिक चिन्ताओं व चिन्तन को इंगित करता है.

स्पष्ट है कि 21वीं शताब्दी के परिवर्तित हो रहे भू-रणनीतिक व राजनैतिक आयाम पूर्व की तुलना में अत्यन्त जटिल होते जा रहे हैं तथा भू-अर्थशास्त्र (Geo Economics) की बढ़ती उपादेयता एवं आर्थिक हितों के संरक्षण व विकास की दृष्टि से भारत की निर्भरता हिन्द महासागर पर केन्द्रित होती जा रही है, क्योंकि भारत का लगभग 70 प्रतिशत व्यापार एवं ऊर्जा आयात का भी लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा हिन्द महासागरीय क्षेत्र पर ही निर्भर है. ऐसा अनुमान है कि निकट भविष्य में भारत विश्व का चौथा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता के रूप में उभरेगा जिससे इसकी ऊर्जा आवश्यकताओं की लगभग 65 प्रतिशत आपूर्ति हिन्द महासागर पर ही निर्भर होगी. वास्तविकता तो यह है कि मोजम्बिक, मलेशिया, इण्डोनेशिया व कतर से आयातित कोयला, द्रवित प्राकृतिक गैस (LNG) के आयात के अलावा अपने 2.2 मिलियन वर्ग किमी विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (EEZ) की सुरक्षा हेतु भारत को दक्षिण अफ्रीका से केन्या, पश्चिम में खाड़ी क्षेत्र तथा पूर्व में मलेशिया, इण्डोनेशिया व सिंगापुर तक विस्तृत क्षेत्र में भारत को अपने सामुद्रिक हितों के सुरक्षार्थ सक्रिय व प्रभावी-नीति निर्धारित करनी होगी जिसके लिए उसे इस क्षेत्र में छितरे द्वीपीय क्षेत्रों में अग्रिम आधारों (Forward Base) को विकसित करना अपरिहार्य होगा. यही कारण है कि भारत ने जहाँ एक ओर नेदा-गास्कर में एक इलेक्ट्रॉनिक श्रवण चौकी स्थापित की है, वहीं वह सेशल्स मौरिशस व मालद्वीप के साथ नौ-सैन्य सहयोग बढ़ाकर उन्हें तटीय सुरक्षा पोत, गश्ती एअर क्राफ्ट, सैनिक व शस्त्र-आपूर्ति कर रहा है.

अवस्थिति (Location) की दृष्टि से अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह की सामरिक महत्ता को समझते हुए भारत ने इस क्षेत्र की सुरक्षा हेतु गम्भीर कदम उठाए हैं. 572 द्वीपों व 8249 वर्ग किमी में विस्तृत अण्डमान निकोबार द्वीप समूह के केवल 37 द्वीपों में आबादी पाई जाती है जिसकी संख्या 356152 है. अण्डमान व निकोबार 90 समुद्री मील चौड़े जल क्षेत्र द्वारा विभक्त है. यह क्षेत्र म्यांमार के कोको द्वीप से मात्र 45 किमी दूरी पर है. पूर्वी हिन्द महासागर के तीन प्रमुख सामुद्रिक मार्ग इसी क्षेत्र से होकर जाते हैं. इस क्षेत्र की व्यापारिक महत्ता को ध्यान में रखते हुए भारत ने न

sscexamonline.blogspot.com

केवल म्यांमार, थाइलैण्ड, मलेशिया, इण्डोनेशिया से अपने सामुद्रिक सीमा मुद्दों को सुलझा लिया है, अपितु 'पूर्व की ओर देखो नीति' (Look East Policy) के अन्तर्गत वह एशियान देशों के साथ आर्थिक व व्यापारिक सम्बन्धों को प्राथमिकता के आधार पर दृढ़ बनाने हेतु प्रयत्नरत है. 'एशियान' देशों के साथ भारत का 1993-94 में 25 मिलियन अमरीकी डॉलर का व्यापार 2011-12 में बढ़कर 79.86 बिलियन डॉलर होना भारत की इस क्षेत्र में बढ़ रही अभिरुचि का उदाहरण है. इतना ही नहीं, भारत 'एशियान रीजनल फोरम' (ARF) का सदस्य होने के साथ-साथ एशियान (ASEAN) का सम्वाद-साझेदार (Dialogue Partner) भी है. इस क्षेत्र के स्त्रातेजिक महत्व का ही परिणाम है कि जहाँ एक ओर चीन कोकोद्वीप पर आसूचना केन्द्र स्थापित कर बंगाल की खाड़ी में भारत की नौ-सैन्य गतिविधियों पर निगरानी करने की कोशिश में है, वहीं इस क्षेत्र के देशों में अपरम्परागत खतरों (Non- Conventional Threat) की सम्भावनाओं को भी नया आयाम मिल रहा है. इस क्षेत्र में म्यांमार, थाइलैण्ड, मलेशिया, चीन व ताइवान आदि देशों के मछुआरों द्वारा मत्स्य शिकार हेतु प्रवेश करने की अनाधिकार चेष्टा (Poaching) से यह ध्वनित होता है कि बाह्य शक्तियाँ किसी-न-किसी बहाने यहाँ अपना प्रभाव बढ़कर भारतीय सुरक्षा को प्रभावित करने की कोशिश कर रही हैं. इतना ही नहीं, इस क्षेत्र में बांग्लादेश सहित अन्य राष्ट्रों के नागरिकों द्वारा किया जा रहा गैर-कानूनी प्रव्रजन एवं अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह को मादक द्रव्यों व अवैध हथि-यार की तस्करी हेतु एक 'स्वर्ण त्रिकोण' (Golden Triangle) के रूप में म्यांमार द्वारा प्रयुक्त करने की योजनाएं भारत के लिए गम्भीर चिन्ता का विषय है.

इस क्षेत्र की रक्षा संवेदना का ही यह परिणाम है कि भारत ने 1 अक्टूबर, 2001 को पृथक् अण्डमान निकोबार कमाण्ड (ANC) की स्थापना कर अण्डमान निकोबार द्वीप के कमाण्डर-इन-चीफ को इसका उत्तर-दायित्व सौंपा है जिससे महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्र की सुरक्षा के साथ-साथ सम्भावित खतरों का निष्पादन किया जा सके. यह कमान संयुक्त नौ-सैन्य अभ्यासों, नौसैनिक, कूटनीति व पेट्रोलिंग जैसी गतिविधियों द्वारा विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (EEZ) की सुरक्षा का उत्तरदायित्व सम्यक् ढंग से निभा रहा है. इस कमान में भारत ने पोर्ट ब्लेयर व डिगलीपुर (Diglipur) में क्रमशः 10000 फुट लम्बी हवाई पट्टी व कोस्टल गार्ड स्टेशन (CODHQ-09) स्थापित करने के अतिरिक्त कार निकोबार में एक वायुसेना के आधार एवं कामोर्टा (Kamorta) में एक अग्रिम नौ-सैन्य आधार (INS-Kardip) की भी स्थापना की है. इस क्षेत्र में अत्याधुनिक सैन्य सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ यह कमान (ANC) नौ-सैन्य कूटनीतिक गतिविधियों में भी सक्रिय है जिससे भारत की लुक ईस्ट नीति (Look East Policy) को प्रविस्तारित करके क्षेत्रीय राष्ट्रों के साथ सामुद्रिक मैत्री-सेतु को सुदृढ़ करके अपने व्यापारिक हितों में सतत् अभिवृद्धि की जा सके. भारत द्वारा सम्पादित मिलन (Milan) अभ्यास जैसी गतिविधियाँ इस संदर्भ में विशेषतः उल्लेखनीय हैं जिसके अन्तर्गत सुनामी त्रासदी के परिप्रेक्ष्य में भारत ने क्षेत्रीय राष्ट्रों को त्वरित मानवीय सहायताएं प्रदान कीं. इतना ही नहीं, यह कमान क्षेत्रीय राष्ट्रों की नौ सेनाओं के साथ प्रतिवर्ष संयुक्त अभ्यास संचालित करके पारस्परिक विश्वास व अन्तर्सहयोग को विकसित करने की कार्यवाहियाँ भी सम्पादित कर रहा है. सिंगापुर के साथ संचालित संयुक्त सामुद्रिक सैन्य अभ्यास (SIMBEX–Singapur India Maritime Bilateral Exercise) इस संदर्भ में विशेष रूप से उल्लेखनीय है. इतना ही नहीं, वियतनाम, फिलीपीन्स, मलेशिया, जापान, आस्ट्रेलिया एवं संयुक्त राज्य अमरीका के साथ द्विपक्षीय व बहुपक्षीय सैन्य अभ्यास के आयोजन के अतिरिक्त श्रीलंका के साथ संयुक्त सामुद्रिक कमाण्डो अभ्यास करके भी अण्डमान निकोबार कमान इस क्षेत्र में भारत के सामुद्रिक हितों की पूर्ति सम्बन्धी कूटनीतिक गतिविधियाँ कर रहा है जिसे चीन ने अपने विरुद्ध भारत द्वारा की जा रही सामुद्रिक घेरेबन्दी की संज्ञा दी है. किन्तु स्पष्टतः यह भारतीय हितों के रक्षार्थ ही की जाने वाली कार्यवाही है.

अवैध घुसपैठ, गैर-कानूनी आव्रजन, मादक द्रव्यों के साथ-साथ अवैध हथियारों से प्रभावित क्षेत्रीय सुरक्षा हेतु भारत सरकार ने तटीय सुरक्षा व गश्त हेतु गम्भीर कदम उठाए हैं, जिसमें तटीय बलों की महत्वपूर्ण भूमिका है. 'ज्वालामुखी' व 'द्वीपरक्षा' जैसे महत्वपूर्ण सैन्य अभ्यास इस दृष्टि से विशेषतः उल्लेखनीय हैं. इस क्षेत्र को बाह्य शक्तियों के हस्तक्षेप से सुरक्षित रखने हेतु भारत ने अत्याधुनिक राडार प्रणाली भी स्थापित की है, जिससे गश्त व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित किया जा सके. भारत सरकार बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में स्थित पोर्ट ब्लेयर को बिम्सटेक (BIMSTEC–Bay of Bengal Initiative of Multi Sectoral Technical and Economic Cooperation) के सम्भावित मुख्यालय के रूप में विकसित करने की योजना पर भी कार्य कर रही है, जिससे इस क्षेत्र में चीन के बढ़ रहे प्रभावों को न्यून किया जा सके.

UPKAR PRAKASHAN
PRATIYOGITA DARPAN
प्रतियोगिता दर्पण

BETTER PLACED TO SERVE YOU THAN EVER BEFORE

Buy all our books & magazines from our

Patna Branch

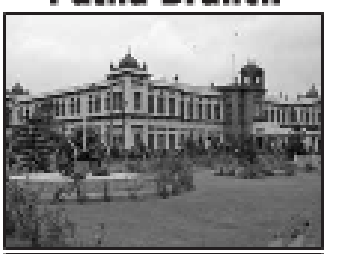

Branch Address
Pirmohani Chowk, Kadamkuan, Patna-800003
Ph. : (0612) 2673340

Hyderabad Branch

Branch Address
1-8-1/B, R.R. Complex, (Near Sundaraiah Park, Adjacent to Manasa Enclave Gate) Bagh Lingampally, Hyderabad-500 044 (A.P.)
Ph. : (040) 66753330

Delhi Branch

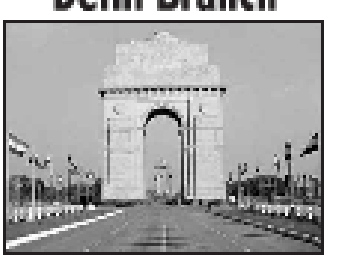

Branch Address
4845, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi-110002
Ph. : (011) 23251844/66

sscexamonline.blogspot.com

स्पष्ट है कि चीन द्वारा भारत की सामुद्रिक घेरेबन्दी एवं इस क्षेत्र में सम्भावित चीन-अमरीकी स्पर्धा तथा मध्यपूर्व देशों के अतिरिक्त पाकिस्तान, अफगानिस्तान व ईरान आदि के माध्यम से हिन्दमहासागरीय क्षेत्र में चीन की बढ़ रही उपस्थिति सामुद्रिक हितों की सुरक्षा हेतु भारत के लिए आसन्न चुनौती है. इस परिप्रेक्ष्य में भारत को निम्नांकित बिन्दुओं पर संकेन्द्रित होकर संतुलित सामुद्रिक नीति निर्धारित करनी चाहिए—

1. अपने व्यापारिक व विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (EEZ) की सुरक्षा हेतु भारत को अत्याधुनिक भी सैन्य-बल की आवश्यकता है, जो उसके व्यापारिक व सामरिक हितों की सुरक्षा कर सके.
2. अपने समस्त पड़ोसियों के साथ विनियोजन नीति (Engagement Policy) का निर्धारण करते हुए भारत को क्षेत्रीय स्थिरता, शान्ति व विकास पर संयुक्त दृष्टिकोण विकसित करना चाहिए.
3. दक्षिण-पूर्वी एशियाई राष्ट्रों के साथ आर्थिक, व्यापारिक, तकनीकी व सामरिक सम्बन्धों के विकास हेतु गतिशील व यथार्थपरक नीति निर्धारित करनी चाहिए.
4. हिन्द महासागर में अपने सामुद्रिक हितों को ध्यान में रखते हुए भारत-अमरीका सामरिक सम्बन्धों पर भारत के यथार्थपरक नौ-सैन्य नीति निर्धारित करनी चाहिए.
5. हिन्द महासागर में सामुद्रिक संचार रेखाओं (SLOCs) की सुरक्षा हेतु भारत को त्वरित कदम उठाना चाहिए. इस परिप्रेक्ष्य में दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्र में आतंकवाद के विरुद्ध अमरीका की क्षेत्रीय सामुद्रिक सुरक्षा पहल (RMSI–Regional Maritime Security Initiative) पर भारत को सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए जिससे इस क्षेत्र की सामुद्रिक संचार रेखाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके.
6. सामुद्रिक सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु भारत को वैश्विक सुरक्षा व्यवस्थाओं (ISPS—International Ship and Port Security), (PSC—Post State Control), (CSI—Container Security Initiative) पर सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए.
7. सामुद्रिक-आतंकवाद व डकैती, सामुद्रिक संसाधनों का अनाधिकार दोहन, नशीले-द्रव्य व्यापार एवं शस्त्र व्यापार पर नियन्त्रण हेतु संयुक्त निगरानी को प्रोत्साहन देना चाहिए.
8. तटीय सुरक्षा बलों को सुदृढ़ बनाने हेतु तटीय गार्ड को आधुनिकतम व प्रभावी बनाने के साथ-साथ इसकी कार्य क्षमता में वृद्धि हेतु पोर्ट ब्लेयर स्थित कमान के अतिरिक्त गोवा व कोचीन में पृथक् रूप से तटीय संयुक्त कमान गठित करना चाहिए.
9. संयुक्त नौ-सैन्य अभ्यासों को प्रोत्साहन देना चाहिए, जिससे सामुद्रिक सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हो सके.
10. भारत को अपने बन्दरगाहों व नौ-परिवहन की क्षमता एवं सुरक्षा में वृद्धि हेतु अपनी सागर माला (Ocean Necklace) परियोजना को त्वरित करने के साथ-साथ जल के भीतर निगरानी संयन्त्रों को लगाने एवं नौ-पुलिस बल का गठन करना चाहिए.
11. अपने सामुद्रिक क्षेत्रों को सुव्यवस्थित करने हेतु भारत को हवाई निगरानी, तटीय बलों व नौ-सेना के मध्य यथोचित सामंजस्य विकसित करना चाहिए तथा एकरक्राफ्ट कैरियर की फ्लीट गठित करने व नाभिकीय पनडुब्बियों की व्यवस्था करनी चाहिए, जिससे सम्पूर्ण हिन्द महासागर में अपने हितों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके. उक्त परिप्रेक्ष्य में पूर्व नौ-सेनाध्यक्ष अरुण प्रकाश का निम्नांकित दृष्टिकोण भारत की सामुद्रिक सुरक्षा हेतु प्रभावी मार्गदर्शक बन सकता है—

"Our primary maritime interest is to ensure national security and provide insulation from external interference, so that the vital task of fastering economic growth and undertaking development activities can take place in a secure environment."

●●●

शेष पृष्ठ 1799 का

उसकी सीमा से चलाए जा रहे विद्रोही गतिविधियों के नेटवर्क को भी नेस्तनाबूद किया.

अफगानिस्तान से 2014 में नाटो सेना की वापसी के बाद भारत के साथ ही बांग्लादेश की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी. अफगानिस्तान में तालिबान द्वारा सत्ता पाने की फिराक में है. यह कहना अनुचित नहीं होगा कि अफगानिस्तान की अस्थिरता का असर पूरे उपमहाद्वीप पर पड़ना स्वाभाविक है. इसलिए अफगानिस्तान की स्थिरता तथा खुशहाली में दोनों देशों के सहयोग को नकारा नहीं जा सकता.

यह भी संयोग ही है कि दोनों देशों में अगले साल आम चुनाव होने वाले हैं और दोनों देशों के समक्ष आन्तरिक तथा बाह्य समस्याएं मौजूद हैं. जहाँ तक भारत का सम्बन्ध है, उसके अभी अपने पड़ोसी देशों में बांग्लादेश और भूटान से ही सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध हैं. अफगानिस्तान में 2014 के बाद की स्थिति क्या मोड़ लेगी ? इसके बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता. पाकिस्तान की हालत भी सभी मोर्चों में खराब ही है और उसके द्वारा भारत में प्रायोजित आतंकवाद किसी से छिपा नहीं है. मालदीव तथा नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता चल रही है. श्रीलंका में जब तक तमिलों के पुनर्वास और वहाँ की राजनीति में उनकी समुचित भागीदारी का निर्णय नहीं हो जाता, श्रीलंका के साथ भारत के सम्बन्ध आशानुरूप नहीं कहे जा सकते. इस परिप्रेक्ष्य में पड़ोसी देशों की तरफ से एक प्रकार की खतरनाक घेरेबंदी से भारत को निपटना है. बांग्लादेश में यदि शेख हसीना की दुबारा सत्ता में वापसी नहीं होती तो फिर बांग्लादेश के साथ सम्बन्धों के आलोक में ऊँट किस करवट बैठेगा, कहा नहीं जा सकता, लेकिन यह तय है कि बांग्लादेश के साथ भारत के सम्बन्धों में हमें वह उष्मता नजर नहीं आएगी. इसलिए यह दोनों देशों के हित में है कि वे अपने दो चुनौतीपूर्ण मसलों अर्थात् तीस्ता नदी जल बँटवारा और भू-सीमा समझौते को शीघ्र सुलझाकर अपने-अपने देशवासियों के समक्ष एक नजीर पेश करें. बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को इन मसलों के सुलझ जाने पर निश्चित तौर पर चुनाव में लाभ मिलेगा, फलस्वरूप वहाँ धर्मनिरपेक्ष ताकतें मजबूत होंगी और जिससे स्थिर, शांतिपूर्ण तथा खुशहाल बांग्लादेश का अस्तित्व बना रहेगा जो भारत के हित में है, और भारत ऐसे ही बांग्लादेश का हिमायती बना रहे, यह बांग्लादेश के हित में है.

●●●

UPKAR'S
Mathematical Formulae
Useful for Various Competitive Examinations
Compiled by : Dr. N. K. Singh
Code No. 1642 ₹ 75/-
HINDI EDITION
Code No. 248 ₹ 76/-
Upkar Prakashan, AGRA-2

sscexamonline.blogspot.com

समसामयिक लेख

भारत-बांग्लादेश सम्बन्ध

✍ प्रो. जी. सी. सुराना

भारत-बांग्लादेश के मध्य बेहतर परस्पर सम्बन्ध दोनों देशों के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है. बांग्लादेश की स्वतंत्रता में भारत का सहयोग इतिहास के पृष्ठों में सदैव अंकित रहेगा. दोनों देशों के सम्बन्धों को मजबूती प्रदान करने की दिशा में भारत के राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी की हाल ही में की गई बांग्लादेश की यात्रा मील का पत्थर साबित होगी. अपनी तीनदिवसीय राजकीय यात्रा (3 मार्च से 5 मार्च, 2013) की शुरुआत करते हुए श्री प्रणव मुखर्जी ने पड़ोसी देश बांग्लादेश के नागरिकों को स्पष्ट संदेश दिया कि भारत उनके साथ सदैव मित्रता ही नहीं बनाए रखेगा, अपितु उनके विकास और स्वतंत्र आत्मनिर्णय के अधिकार के लिए पूरी तरह से सचेत रहते हुए भारतीय उपमहाद्वीप में स्थायित्व एवं शान्ति के लिए कार्य करता रहेगा.

लगभग सात माह पूर्व भारत के राष्ट्रपति बने श्री प्रणव मुखर्जी की यह पहली विदेश यात्रा थी. श्री प्रणव मुखर्जी वहाँ बांग्लादेशियों के लिए केवल गर्व का ही प्रतीक नहीं है, अपितु सन् 1971 में बांग्लादेश के निर्माण के दौरान से ही श्री प्रणव मुखर्जी का इस सरजमीं से गहरा रिश्ता रहा है. श्री प्रणव मुखर्जी के साथ जाने वालों में रेल राज्य मंत्री अधीर रंजन चौधरी, भुवनेश्वर कलिता, भाजपा के चन्दन मिश्रा, माकपा के सीताराम येचुरी और तृणमूल कांग्रेस के मुकुल राय भी थे. राष्ट्रपति अपने लम्बे राजनीतिक अनुभव एवं सूझबूझ का परिचय देते हुए भारत के सभी प्रमुख दलों के प्रतिनिधियों को अपनी यात्रा में साथ ले गए थे.

ढाका पहुँचने पर भारत के राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी का भव्य स्वागत किया गया. बांग्लादेश की सरकार एवं वहाँ के निवासियों ने जिस उत्साह एवं जोश के साथ भारत देश के प्रथम नागरिक का स्वागत एवं अभिनन्दन किया, वह यह दर्शाता है कि दोनों देश परस्पर सम्बन्धों को और प्रगाढ़ बनाने के लिए इच्छुक हैं.

राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी ने बांग्लादेश के साथ भारत के आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक सम्बन्धों को प्रगाढ़ बनाने का प्रयास किया. इसी उद्देश्य से उन्होंने ढाका पहुँचने पर सबसे पहले सवार [illegible] वहाँ के राष्ट्रीय स्मारक पहुँचकर वर्ष 1971 में हुए मुक्ति संग्राम के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की. राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी ने 'अतिथि पुस्तिका' में लिखा "राष्ट्रीय शहीद स्मारक न्याय, मुक्ति और स्वतंत्रता के लिए किए गए बांग्लादेश के संघर्ष का प्रतीक है. यह हमें 'अपनी धरती सोनार बांग्ला' के लिए लड़ने और बलिदान करने वाले असंख्य पुरुषों, महिलाओं और बच्चों की याद दिलाता है. मैं सभी शहीदों को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ."

दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में बेहतर एकीकरण के लिए राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी ने भारतीय पक्ष को रखते हुए बांग्लादेश द्वारा भारत को पारगमन और सम्पर्क मार्ग देने के मामले पर पर्याप्त बल दिया. आपने पूर्वोत्तर राज्यों के विकास और सुरक्षा की दृष्टि से यह भी स्पष्ट किया है कि बांग्लादेश पारगमन की सुविधा प्रदान करे. राष्ट्रपति ने इस पारगमन को देश की भौगोलिक स्थिति के बेहतर परिप्रेक्ष्य से जोड़ा. आपने इस तथ्य की ओर भी बल दिया कि बांग्लादेश दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच एक सेतु की भाँति कार्य कर सकता है.

ढाका विश्वविद्यालय की ओर से एक अति विशिष्ट समारोह का आयोजन किया गया. इस समारोह में सैकड़ों विशिष्ट व्यक्तियों के साथ लगभग दस हजार विद्यार्थी उपस्थित थे. इस दीक्षान्त समारोह में श्री प्रणव मुखर्जी को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया. आपने बंगाली भाषा में ही उपस्थित जन-समुदाय को अपना उद्बोधन दिया. आपने अपने उद्बोधन में कहा, "भूमि और समुद्री संसाधनों की अनन्ताओं के साथ ही भौगोलिक स्थिति की दृष्टि से भी बांग्लादेश अच्छी स्थिति में है और इसका पूरा सदुपयोग किया जाना चाहिए."

श्री मुखर्जी ने अपने भाषण में यह भी कहा कि "बांग्लादेश दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के मध्य स्थित है. बांग्लादेश ने एक बार फिर उप-क्षेत्रीय सहयोग की ओर बढ़ने का नेतृत्व सँभाल लिया है. बांग्लादेश द्वारा सेतु का काम करने से बेहतर जल-प्रबंधन, ज्यादा बिजली और ग्रिड सम्पर्क, अधिक व्यापार और मनुष्यों एवं माल की अधिक आवाजाही सम्भव होगी."

परस्पर सम्बन्धों को और प्रगाढ़ बनाने के लिए राष्ट्रपति ने यह भी संकेत दिया कि भारत और बांग्लादेश अपने क्षेत्र के भीतर और दक्षिण-पूर्व एशिया से बाहर भी बेहतर एकीकरण का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं.

यहाँ यह उल्लेखनीय है कि अतीत में भारत एवं बांग्लादेश के मध्य कई समझौते हुए जिनका प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन हुआ है, लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विरोध के कारण तीस्ता जल बँटवारा समझौते पर हस्ताक्षर नहीं होना और सन् 1974 में बांग्लादेश के साथ हुए भूमि सीमा समझौते को कार्यान्वित न करना भारत-बांग्लादेश के द्विपक्षीय सम्बन्धों की कमजोर कड़ी बने हुए हैं. ढाका यात्रा के दौरान श्री प्रणव मुखर्जी ने द्विपक्षीय सम्बन्धों को मजबूत बनाने के लिए कहा कि भारत सरकार वर्ष 1974 में बांग्लादेश के साथ हुए भूमि सीमा समझौते के प्रावधानों को प्रभावी बनाने के लिए संसद में संविधान संशोधन विधेयक पेश करने वाली है. मानद उपाधि ग्रहण करने के बाद अपने भाषण में श्री मुखर्जी ने इस बात पर जोर दिया कि "हमारे लिए साझा नदियों के पानी का बँटवारा सर्वोच्च प्राथमिकता है."

भारत-बांग्लादेश के मध्य द्विपक्षीय व्यापार एवं वाणिज्य को बढ़ाने की अपार सम्भावनाएं हैं. इस सम्बन्ध में भी माननीय राष्ट्रपति ने कहा कि भारत ने 25 प्रकार की वस्तुओं को छोड़कर बांग्लादेश से आयात होने वाली शेष सभी वस्तुओं पर कोटा और आयात शुल्क हटाकर इस ओर महत्वपूर्ण कदम उठाया है. फलस्वरूप बांग्लादेश के कई उत्पादों को बिना किसी शुल्क के भारत के विशाल बाजार में प्रवेश करने का सुअवसर प्राप्त हुआ है. आपने यह भी स्पष्ट किया कि दोनों देश शुल्क बाधाओं को दूर करने, अधिक संख्या में सीमा हाट खोलने एवं उत्पादों की गुणवत्ता जाँच के लिए सम्बद्ध मापदण्डों को सुसंगत बनाने के लिए मिलकर कार्य कर रहे हैं. इन सभी उपायों से यह निश्चयपूर्वक कहा जा सकता है कि भविष्य में दोनों देशों के मध्य द्विपक्षीय व्यापार एवं वाणिज्य सम्बन्ध भी बेहतर होंगे.

भारत के साथ सटी बांग्लादेश की सीमा पर सीमा पार से होने वाले अपराधों को नियंत्रित करने के लिए सीमा सुरक्षा बल द्वारा कथित तौर पर की जा रही गोलीबारी पर बांग्लादेश की चिन्ता पर राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी ने स्पष्ट किया कि भारत अपनी सीमा पर किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को टालने के लिए बांग्लादेश के साथ मिलकर कार्य के लिए प्रतिबद्ध है. राष्ट्रपति का यह स्पष्ट संकेत भी दोनों देशों के मध्य मधुर सम्बन्धों को बढ़ावा देने की ओर अच्छा प्रयास है.

शेष पृष्ठ 1809 पर

sscexamonline.blogspot.com

भारत की विदेश नीति (1947–64) (निर्धारक तत्व तथा बुनियादी सिद्धान्त)

✍ डॉ. एस. पी. कश्यप

(i) **निर्धारक तत्व**–किसी भी राष्ट्र की विदेश नीति का निर्धारण अनेक तत्वों से होता है. ए. बी. बोजमेन के अनुसार प्रत्येक राष्ट्र की विदेश नीति का लक्ष्य राष्ट्रीय हितों का संरक्षण तथा वृद्धि होता है तथा आर्थिक, रणनीतिक एवं वैचारिक तत्व उसे निर्धारित करते हैं. नेहरू युग की विदेश नीति इस नियम का अपवाद नहीं थी. उसका लक्ष्य भी भारत के राष्ट्रीय हितों का संवर्द्धन था तथा उसका निर्धारण भी आर्थिक, भू-रणनीतिक, वैचारिक एवं अन्य आधारों पर हुआ था.

(अ) **आर्थिक निर्धारक तत्व**–दिसम्बर 1947 को संविधान सभा में भारत की विदेश नीति पर बोलते हुए पंडित नेहरू ने कहा था, **"अन्ततः विदेश नीति आर्थिक नीति का परिणाम है."** यह कथन बताता है कि भारत की विदेश नीति को निर्धारित करते समय नेहरू ने देश की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखा था. स्वतंत्र भारत को विरासत में औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था प्राप्त हुई थी. वह औद्योगिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़ा हुआ तथा विश्व के सर्वाधिक गरीब राष्ट्रों में से एक था. देश की 80% से अधिक आबादी कृषि पर निर्भर थी तथा कृषि भी अल्प उत्पादन, पिछड़ेपन का शिकार थी. राष्ट्र की जनसंख्या का 2/3 निरक्षर था. आर्थिक रूप से कमजोर राष्ट्र एक स्वतंत्र तथा प्रभावी विदेश नीति का अनुकरण नहीं कर सकता है. अतः भारत के लिए जरूरी था कि वह आर्थिक पिछड़ेपन और गरीबी से छुटकारा पाये. इसके लिए जरूरी था कि भारत अपनी सम्पूर्ण ऊर्जा तथा संसाधन आर्थिक विकास में लगाये तथा उसके लिए आवश्यक विदेशी सहायता भी प्राप्त करे.

उपर्युक्त तथ्य ने यह आवश्यक कर दिया कि भारत युद्ध और तनाव के माहौल से दूर रहकर विश्व शान्ति के लिए काम करे. शीत-युद्ध से अपने को दूर रखे तथा सभी की तरफ मित्रता का हाथ बढ़ाये.

(आ) **भू-रणनीतिक निर्धारक तत्व**–भारत की विदेश नीति के निर्धारण में भू-रणनीतिक कारक की भूमिका महत्वपूर्ण थी. चीन के प्रति अपनी नीति की दिशा को निर्धारित करते समय नेहरू ने इस तथ्य को ध्यान में रखा कि अतीत, वर्तमान तथा भविष्य में दोनों राष्ट्र पड़ोसी रहेंगे और 2000 मील की सीमा रेखा उनके मध्य है. डब्लू. लेवी ने भी इस तथ्य को रेखांकित किया है कि एशिया के कम्युनिस्ट देश भारत के पड़ोस में थे जबकि पश्चिम के राष्ट्र हजारों मील दूर थे. पड़ोसी शक्तिशाली राष्ट्र को सदा के लिए अपने से दूर नहीं किया जा सकता है. हिन्द महासागर का भारत के लिए न केवल व्यापार और यातायात के लिए अपितु सुरक्षा के लिए भी महत्व है. अगर हिन्द महासागर संरक्षित समुद्र न रहे तो भारत की सुरक्षा संकट में पड़ सकती है. समुद्री देशों के प्रति नीति निर्धारण में इस तथ्य को ध्यान में रखना पड़ता है.

(इ) **वैचारिक तत्व**–विचारधारात्मक कारक ने भी नेहरू की विदेश नीति का निर्धारण करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की. आध्यात्मिकता, अहिंसा तथा शान्ति भारत की सांस्कृतिक परम्परा के अभिन्न अंग रहे हैं. भारत के मुक्ति संघर्ष में भी अहिंसा की अहम् भूमिका रही है. नेहरू ने शान्ति व अहिंसा के इसी सिद्धान्त को अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में लागू करना चाहा. औपनिवेशिक गुलामी का शिकार रहे भारत के लिए यह स्वाभाविक था कि वह अपनी विदेश नीति का आधार साम्राज्यवाद विरोध के सिद्धान्त को बनाए.

(ई) **नेहरू का व्यक्तित्व**–यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत की विदेश नीति पर नेहरू के व्यक्तित्व की छाप है. माइकल ब्रेचर के अनुसार नेहरू भारत की विदेश नीति के मार्गदर्शक, निर्माता, दार्शनिक तथा प्रवक्ता थे. यह धारणा इतनी व्यापक तथा गहरी थी कि नेहरू को इसका खंडन करते हुए कहना पड़ा, **"हमारी नीति को नेहरू नीति कहना पूर्णरूप से गलत है. यह सही नहीं है क्योंकि मैंने तो नीति को स्वर दिया है उसे जन्म नहीं दिया है."**

भारत की विदेश नीति को आकार देने वाले तत्वों की व्याख्या करते हुए पं. नेहरू ने कहा **"यह नीति भारत की परिस्थितियों में अन्तर्निहित है, भारत के अतीत की सोच में अन्तर्निहित है, भारत के सम्पूर्ण मानसिक दृष्टिकोण में अन्तर्निहित है; स्वतंत्रता के लिए संघर्ष के दौर में भारतीय मस्तिष्क की दशा में अन्तर्निहित है तथा वर्तमान में विश्व की परिस्थितियों में अन्तर्निहित है."**

(ii) **विदेश नीति के आधारभूत सिद्धान्त**–उपर्युक्त तत्वों द्वारा निर्धारित भारत की विदेश नीति के आधारभूत सिद्धान्त थे. शक्ति तथा निशस्त्रीकरण, असंलग्नता या गुट-निरपेक्षता, पंचशील तथा साम्राज्यवाद विरोध.

(अ) **शान्ति तथा निशस्त्रीकरण**–नेहरू का दृढ़ विश्वास था कि यदि भारत को अपनी नवजात स्वतंत्रता की रक्षा करना है तथा विरासत में मिली गम्भीर समस्याओं का समाधान करना है तो उसे ऐसी विदेश नीति पर चलना होगा जिससे विश्व शान्ति को बनाये रखने में मदद मिले. 2 मई 1954 को नेहरू ने कहा था कि शान्ति की आवश्यकता इसलिए है कि उसके बगैर **"हमारी सभी योजनाएं तथा भविष्य के हमारे सपने चूर-चूर होकर बिखर जाएंगे."** नेहरू इस बात को समझते थे कि यदि तीसरा विश्व युद्ध छिड़ता है तो राष्ट्र निर्माण के कार्य का भी अन्त हो जाएगा. नेहरू के लिए विश्व-शान्ति एक आदर्श मात्र न होकर भारत की परिस्थितियों से उत्पन्न व्यावहारिक आवश्यकता थी.

भारत की विदेश नीति में पूर्ण निशस्त्रीकरण पर जोर दिया गया क्योंकि हथियारों की दौड़ तनाव को पैदा कर विश्व-शान्ति के लिए खतरा पैदा करती. अन्तर्राष्ट्रीय तनाव को कम करने के उद्देश्य से तथा शान्ति की स्थापना के लिए भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ के साथ सहयोग करने की नीति अपनाई.

(आ) **गुट-निरपेक्षता**–नेहरू का युग शीत युद्ध का युग था. विश्व की दो महाशक्तियों सोवियत यूनियन तथा संयुक्त राज्य अमरीका के मध्य रिश्तों में तनाव, कटुता तथा एक-दूसरे के प्रति अविश्वास था. साम्यवादी खेमे को घेरने के लिए अमरीका द्वारा सैनिक गुटबन्दी की नीति अपनाई गई थी जिसकी काट सोवियत यूनियन ने वारसा पैक्ट द्वारा की. अमरीका का एशिया तथा अफ्रीका के नव-स्वतंत्र राज्यों के प्रति रुख इस सिद्धान्त से निर्धारित होता था कि "जो हमारे साथ नहीं, वह हमारे विरुद्ध है." सोवियत यूनियन का प्रयास इन देशों को अमरीकी खेमे में जाने से रोकने का था.

इन परिस्थितियों में अपने हितों को ध्यान में रखते हुए भारत ने निर्णय लिया कि वह दोनों ही गुटों से अपने को दूर रखेगा तथा किसी भी महाशक्ति का पिछलग्गू नहीं बनेगा. गुट-निरपेक्षता के इस सिद्धान्त का तात्पर्य यह नहीं था कि भारत अपने को तटस्थ बनाकर विश्व में हो रही घटनाओं के प्रति उदासीन तथा बेखबर बना रहेगा. पं. नेहरू के शब्दों में, **"यह एक सकारात्मक रचनात्मक नीति है."** इस नीति का तात्पर्य दो गुटों से बच कर मध्य मार्ग पर चलना

sscexamonline.blogspot.com

नहीं था. नेहरू के अनुसार कुछ पाने के लिए सोच-समझकर यह नीति अपनाई गई थी. इस नीति का सोचा-समझा लक्ष्य राष्ट्रों के मध्य तनाव तथा टकराव से बचना था. नीति की स्पष्ट व्याख्या करते हुए भारत के प्रधानमंत्री ने कहा, **"हम सभी मुद्दों पर गुण-दोष के आधार पर विचार करेंगे."** इस आधार पर भारत वही रुख अपनायेगा जो उसके हित तथा लक्ष्य के अनुरूप होगा.

गुट-सापेक्ष नीति अपनाने के खतरों के प्रति भी पं. नेहरू ने आगाह किया कि इससे भारत स्वतंत्र विदेश नीति नहीं अपना सकेगा तथा बदलती परिस्थितियों में जरूरत के अनुसार नीति को बदल नहीं सकेगा. उनके अनुसार संलग्नता की नीति न तो भारत के प्राचीन आदर्शों के अनुरूप थी और न ही वर्तमान समय की उसकी आवश्यकताओं को पूरा करती थी. अतः उनके अनुसार, **"मैं नहीं सोचता कि यह हमारे लिए सही नीति है."**

गुट-निरपेक्षता के पक्ष में नेहरू ने कहा था कि हमारी वर्तमान नीति हमारे अतीत के विचार तथा कथनों से निकली है तथा वर्तमान में विश्व में युद्ध को रोकने एवं शान्ति को बनाए रखने में मदद करती है.

असंलग्नता तथा गुट-निरपेक्षता की नीति केवल भारत के हित में नहीं थी. एशिया तथा अफ्रीका के नव-स्वतंत्र देशों का हित-साधन भी गुट-निरपेक्षता के रास्ते पर चलने से होता था. अतः भारत गुट-निरपेक्ष आन्दोलन का जन्मदाता एवं नेता बन गया.

(इ) पंचशील—1954 में द्वि-पक्षीय सम्बन्धों पर वार्ता करने के लिए भारत तथा चीन के प्रधानमंत्रियों की बैठक हुई. पंचशील के सिद्धान्तों की घोषणा इसी बैठक में हुई. तदुपरान्त 1955 में बांडुंग में हुए अफ्रीका तथा एशिया के राष्ट्रों के शिखर सम्मेलन में इन सिद्धान्तों को पारस्परिक रिश्तों के दिशा-निर्देशक के रूप में स्वीकार किया गया.

पंचशील का तात्पर्य था राष्ट्रों के मध्य आचरण के पाँच नियम. यह नियम इस प्रकार थे—(1) सभी राष्ट्र एक-दूसरे की प्रभुसत्ता तथा क्षेत्रीय अखण्डता का सम्मान करेंगे; (2) एक-दूसरे के प्रति राष्ट्रों के द्वारा अनाक्रमण की नीति का पालन किया जाएगा; (3) राष्ट्रों के द्वारा एक-दूसरे के आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा; (4) आपसी रिश्तों को समान लाभ तथा समानता के सिद्धान्त पर आधारित किया जाएगा; तथा (5) शान्तिपूर्ण सह-अस्तित्व की नीति का पालन किया जाएगा.

उपर्युक्त पाँच नियम अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में उच्च नैतिक आदर्शों को लागू करते थे. उन्होंने जनता तथा राजनेताओं को आकर्षित कर उन पर अपना प्रभाव छोड़ा तथा राष्ट्रों की एक बड़ी संख्या ने इन सिद्धान्तों को अपनाने की घोषणा की. सिद्धान्तों का असर इतना अधिक था कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी बकायदा घोषणा कर इन सिद्धान्तों को स्वीकार किया.

पं. नेहरू का विश्वास था कि **"अपने महत्व में ये सिद्धान्त ऐतिहासिक हैं"** तथा उनको सार्वलौकिक तौर पर लागू किया जा सकता है, किन्तु पंचशील में भारतीय जनता और अन्य देशों की आस्था उस समय तार-तार हो गई, जब इन सिद्धान्तों को भुला कर चीन तथा भारत के बीच सीमा विवाद को लेकर युद्ध हो गया. सिद्धान्तों को अव्यावहारिक घोषित कर दिया गया तथा उन्हें भारत की विदेश नीति का आधार बनाने के लिए नेहरू की कटु आलोचना की गई.

(ई) साम्राज्यवाद का विरोध—साम्राज्यवादी ताकत ब्रिटेन से लड़कर स्वतंत्रता प्राप्त करने वाले भारत ने स्वाभाविक तौर पर साम्राज्यवाद विरोध को अपनी विदेश नीति का एक बुनियादी सिद्धान्त बनाया. भारत का पूर्ण समर्थन राष्ट्रीय मुक्ति संघर्षों तथा परतंत्र राष्ट्रों की जनता को था. नेहरू ने 1952 में भारत की संसद में बोलते हुए कहा था कि विश्व में अब भी कुछ उपनिवेश हैं तथा **"मुझे कोई संदेह नहीं है कि उन सभी का अन्त होना चाहिए."** एक अन्य अवसर पर उन्होंने कहा **"एशिया का इस समय का संकट उपनिवेशवाद है."** नेहरू को यह शिकायत थी कि स्वतंत्रता का चैम्पियन होने की दम भर रहे देश उपनिवेशवाद तथा उससे जुड़े नस्लवाद की तरफ ध्यान नहीं दे रहे हैं.

साम्राज्यवाद-विरोध के इस सिद्धान्त के चलते उपनिवेशों के मुक्ति संघर्ष के नेताओं तथा जनता में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी तथा नेहरू का कद एक राष्ट्रीय नेता का न रहकर अन्तर्राष्ट्रीय नेता का हो गया. किन्तु जैसाकि नेहरू ने स्वयं स्वीकार किया विश्व की साम्राज्यवादी ताकतों को भारत का यह रुख रास नहीं आया तथा उनके और भारत के रिश्तों में खटास आ गई.

भारत की विदेश नीति के इन बुनियादी सिद्धान्तों ने उसे तीसरे विश्व के देशों का नेता बना दिया तथा हर जगह उनकी सराहना की गई. ●●●

शेष पृष्ठ 1807 का

बांग्ला देशवासियों के साथ सामाजिक सम्बन्ध मधुर बनाने का प्रयास भी राष्ट्रपति मुखर्जी ने अपनी इस तीनदिवसीय यात्रा में किया. श्री प्रणब मुखर्जी का ससुराल भी बांग्लादेश के नरायल जिले के गाँव भद्रविला में है. तीनदिवसीय यात्रा के अन्तिम दिन 5 मार्च, 2013 को श्री प्रणब मुखर्जी अपनी धर्मपत्नी शुभ्रा मुखर्जी के साथ अपनी ससुराल पहुँचे जहाँ पर अपार जन-समूह द्वारा शानदार ढंग से आपका स्वागत किया गया. सन् 1957 में श्री मुखर्जी दूल्हे के रूप में यहाँ पधारे थे और इस बार भारत के राष्ट्रपति के रूप में. पूरे गाँव 'भद्रविला' को दुल्हन की तरह सजाया गया और राष्ट्रपति का एक दामाद के रूप में बहुत ही आत्मीयतापूर्वक स्वागत किया गया. ससुराल पक्ष द्वारा विदाई में श्रीमती शुभ्रा मुखर्जी को साड़ी एवं श्री प्रणब मुखर्जी को सोने की चेन दी गई. सामान्यतः गंभीर एवं शान्त रहने वाले राष्ट्रपति बांग्लादेश यात्रा से काफी प्रसन्नचित्त एवं संतुष्ट नजर आए. प्रणब मुखर्जी की इस यात्रा से दोनों देशों के मध्य सामाजिक एवं राजनीतिक सम्बन्धों को और मजबूत करने में सहायता मिलेगी.

भारत के राष्ट्रपति का त्रिदिवसीय बांग्लादेश दौरा असाधारण परिस्थितियों में हुआ. जब शाही मेहमान ढाका में थे, तब उस शहर का जन-जीवन विपक्ष की हड़ताल की हुंकार की चपेट में अस्त-व्यस्त था. जमात-ए-इस्लामी ने जिस 'बंद' का आह्वान किया था, वह काफी असरदार रहा. जहाँ माननीय राष्ट्रपतिजी को ठहराया गया था, उस जगह के पास एक छोटा-सा बम धमाका भी हुआ. कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी की ओर से जारी हिंसा के बीच बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की प्रमुख खालिदा जिया ने भारतीय राष्ट्रपति के साथ होने वाली मुलाकात को रद्द कर दिया. खालिदा जिया द्वारा इस मुलाकात को रद्द करने का कोई कारण स्पष्ट नहीं किया गया. हो सकता है, अपनी राजनीतिक मजबूरी के कारण उन्होंने ऐसा किया हो. यहाँ यह उल्लेखनीय है कि खालिदा जिया ने दिल्ली प्रवास के दौरान श्री प्रणब मुखर्जी से मुलाकात की थी. इन दोनों घटनाओं का राष्ट्रपति की यात्रा एवं भारत-बांग्लादेश सम्बन्धों पर कोई असर नहीं हुआ. उन्होंने अपने दीर्घकालीन राजनीतिक अनुभव एवं कूटनीति का परिचय देते हुए धैर्य के साथ दोनों देशों के मध्य सम्बन्धों को और मजबूती प्रदान करने का सराहनीय कार्य किया है. ●●●

sscexamonline.blogspot.com

संवैधानिक लेख

बदलते परिवेश में नियंत्रक महालेखा परीक्षक की भूमिका

✍ डॉ. अशोक कुमार पाण्डेय

भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक द्वारा जारी रिपोर्ट समय-समय पर चर्चा का विषय रही है. टूजी स्पैक्ट्रम, कामनवेल्थ गेम्स तथा कोलमाइन्स संबंधी रिपोर्टों ने सरकार को हिला कर रख दिया. अभी हाल में अमेरिका के हार्वर्ड केनेडी स्कूल में नियंत्रक-महालेखा परीक्षक द्वारा दिया गया भाषण चर्चा का विषय रहा है. भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक की नियुक्ति, उनके अधिकार और कर्त्तव्यों को लेकर संसद में गूँज रही है. आज के बदलते सामाजिक परिवेश में 'शासन' शब्द इतना व्यापक हो गया है कि यह केवल सरकार तक ही सीमित नहीं रह गया है, बल्कि अब यह कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका से विस्तारित होकर सिविल सोसाइटी, सामाजिक संगठन, मीडिया और जनता तक फैल गया है. सरकार के ये अंग पहले से कहीं अधिक शशक्त आवाज उठा रहे हैं और सरकार से बेहतर प्रदर्शन की अपेक्षा रखते हैं.

संसद ने नियंत्रक-महालेखा परीक्षक (सेवा शर्तें) अधिनियम 1971 एवं 1976 में यथा संशोधित अधिनियम के अनुसार उनका सेवाकाल उनके कार्य ग्रहण करने की तिथि से 6 वर्ष है, लेकिन यदि वह इससे पूर्व 65 वर्ष की आयु पूरी कर लेता है तो उसका पद रिक्त हो जाता है. इनको पद से हटाये जाने की वही प्रक्रिया है जो उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के लिए है अर्थात् अनुच्छेद 124 (4) के अनुसार महाभियोग द्वारा हटाये जा सकेंगे. इसका वेतन भी उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के बराबर होता है.

नियंत्रक-महालेखा परीक्षक के कर्त्तव्य और शक्तियाँ

संविधान के अनुच्छेद 149 के अनुसार नियंत्रक महालेखा परीक्षक संघ के और राज्यों के तथा अन्य प्राधिकारी या निकाय के लेखाओं के सम्बन्ध में ऐसे कर्त्तव्यों का पालन और ऐसी शक्तियों का प्रयोग करेगा जो संसद द्वारा बनाई गई विधि द्वारा या उसके अधीन दिए जाएं.

अनुच्छेद 150 के अनुसार संघ के और राज्यों के लेखाओं को ऐसे प्रारूप में रखा जाएगा जो राष्ट्रपति, भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक की सलाह पर विहित करें. संविधान के 42वें संशोधन 1976 द्वारा उसको संशोधित करके इस प्रकार रखा गया है, "संघ और राज्यों के लेखाओं को ऐसे प्रारूप में रखा जाएगा, जो राष्ट्रपति भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात् विहित करें." 44वें संशोधन के बाद "से परामर्श करने के पश्चात्" को हटाकर 'की सलाह पर' कर दिया.

इस प्रकार मूल संविधान के अनुसार नियंत्रक महालेखा परीक्षक व राष्ट्रपति दोनों की सहमति से लेखाओं का प्रारूप तय होता था. 42वें संशोधन से यह शक्ति राष्ट्रपति की ही रह गई. उन्हें केवल नियंत्रक से परामर्श करना था, परन्तु परामर्श बन्धनकारी नहीं था. अब एक प्रकार से यह शक्ति केवल नियंत्रक महालेखा परीक्षक की हो गई. इस अनुच्छेद ने स्पष्ट कर दिया कि भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक केवल संघ के ही नहीं बल्कि राज्यों के लेखों के परीक्षक भी हैं. संघ व राज्य क्षेत्र अपने लेखों को उस प्रकार रखेंगे जैसी सलाह इन्होंने दी है. इस प्रकार इस सलाह को मानना राष्ट्रपति के लिए आवश्यक है.

लेखा परीक्षक रिपोर्ट

संविधान के अनुच्छेद 151(1) के अनुसार भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक की संघ के लेखाओं सम्बन्धी रिपोर्टों को राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा. राष्ट्रपति रिपोर्ट संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष रखवाएगा.

(2) भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक की किसी राज्य के लेखाओं संबंधी रिपोर्टों को राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा. राज्यपाल इस रिपोर्ट को राज्य के विधानमण्डल के समक्ष रखवाएगा.

संघ व राज्य सरकार इन रिपोर्टों को पहले संसद की लोकलेखा समिति (Public Account Committee) के समक्ष रखते हैं. उनकी रिपोर्ट के साथ ये संसद व विधान-मण्डल में पेश की जाती हैं ताकि सही स्थिति स्पष्ट हो जाए व सदस्य इसके ऊपर अपने विचार व्यक्त कर सकें.

नियंत्रक महालेखा परीक्षक की स्वायत्तता

नियंत्रक महालेखा परीक्षक तथा मुख्य चुनाव आयुक्त को संवैधानिक दर्जा प्राप्त है. वह अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन कार्यपालिका तथा व्यवस्थापिका से स्वतन्त्रता प्राप्त करके ही कर सकता है. वर्तमान परिवेश में जहाँ

भारत का नियंत्रक-महालेखा परीक्षक : संवैधानिक स्थिति

भारतीय संविधान के अध्याय-5 (पाँच) अनुच्छेद 148(1) के अनुसार भारत का एक नियंत्रक-महालेखा परीक्षक होगा, जिसको राष्ट्रपति अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा नियुक्त करेगा और उसके पद से केवल उसी रीति से उन्हीं आधारों पर हटाया जाएगा जिस रीति से और जिन आधारों पर उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को हटाया जाता है.

(2) भारत का नियंत्रक-महालेखा परीक्षक होने के लिए नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति, अपना पद ग्रहण करने से पहले, राष्ट्रपति या उसके द्वारा इस निमित्त नियुक्त व्यक्ति के समक्ष, तीसरी अनुसूची में इस प्रयोजन के लिए दिए गए प्रारूप के अनुसार, शपथ लेगा या प्रतिज्ञान करेगा और उस पर हस्ताक्षर करेगा.

(3) नियंत्रक-महालेखा परीक्षक के वेतन और सेवा की अन्य शर्तें ऐसी होंगी जो संसद विधि द्वारा, अवधारित करे और जब तक वे इस प्रकार अवधारित नहीं की जाती हैं तब तक ऐसी होंगी जो दूसरी अनुसूची में विनिर्दिष्ट हैं.

परन्तु नियंत्रक-महालेखा परीक्षक के वेतन में और अनुपस्थिति छुट्टी, पेंशन या निवृत्ति की आयु के संबंध में उसके अधिकारों में उसकी नियुक्ति के पश्चात् उसके लिए अलाभकारी परिवर्तन नहीं किया जाएगा.

(4) नियंत्रक-महालेखा परीक्षक पदावधि के पश्चात् भारत सरकार के या किसी राज्य की सरकार के अधीन किसी और पद का पात्र नहीं होगा.

(5) इस संविधान के और संसद द्वारा बनाई गई किसी विधि के उपबंधों के अधीन रहते हुए, भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग में सेवा करने वाले व्यक्तियों की सेवा की शर्तें और नियंत्रक-महालेखा परीक्षक की प्रशासनिक शक्तियाँ ऐसी होंगी जो नियंत्रक-महालेखा परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात् राष्ट्रपति द्वारा बनाए गए नियमों द्वारा विहित की जाएं.

(6) नियंत्रक महालेखा परीक्षक के कार्यालय के प्रशासनिक व्यय, जिनके अन्तर्गत उस कार्यालय में सेवा करने वाले व्यक्तियों को या उनके संबंध में संदेय सभी वेतन भत्ते और पेंशन, भारत की संचित निधि पर भारित होंगे.

sscexamonline.blogspot.com

पारदर्शिता की उम्मीद पूरी लोकतान्त्रिक प्रक्रिया का एक अभिन्न अंग बनती जा रही है. वहीं इन संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता भी लोकतन्त्र की सफलता का मार्गदर्शक सिद्धान्त साबित होगा. अमेरिका के हार्वर्ड केनेडी स्कूल में भाषण देते हुए वर्तमान नियंत्रक महालेखा परीक्षक विनोद राय ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा था, "अगर लोक लेखा परीक्षक केवल खर्च का जोड़-घटाव रखने तक सीमित होते तो दुनियाभर में महालेखा परीक्षकों को इतना उच्च स्थान, कार्यपालिका से स्वतन्त्रता और संवैधानिक दर्जा नहीं दिया जाता. संविधान में इस संस्था से परीक्षण से कहीं अधिक की अपेक्षा रखी गई है." डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने भी कहा था "वह अपने कर्तव्यों का निर्वहन उचित रूप से कर सके इसलिए यह ध्यान देना आवश्यक है कि उसका पद कार्यपालिका के नियंत्रण में और अधीनस्थ नहीं रहना चाहिए."

कार्यपालिका के नियंत्रण से मुक्त रखने के लिए वर्तमान सरकार के विपक्ष द्वारा यह सुझाव प्रस्तुत किया गया कि नियंत्रक महालेखा परीक्षक की नियुक्ति एक ऐसे कालेजियम (Collegium) द्वारा किया जाए जिसके अध्यक्ष प्रधानमंत्री, देश के मुख्यन्यायाधीश, केन्द्रीय विधिमंत्री तथा लोकसभा तथा राज्य सभा के विपक्षी दल के नेता इसके सदस्य के रूप में हों.

इसमें कोई संदेह नहीं कि ऐसे संवैधानिक पदों पर नियुक्ति का प्रावधान निष्पक्ष रूप से होना चाहिए जो किसी राजनैतिक दल का व्यक्ति न होकर अपने संवैधानिक मर्यादाओं के हितों का संरक्षण कर सके तथा जनमानस की आकांक्षाओं की पूर्ति कर सके.

नियंत्रक महालेखा परीक्षक की बदलती भूमिका

नियंत्रक महालेखा परीक्षक को कार्यपालिका द्वारा अपनी मर्यादा में रहने और सरकार के खर्च के हिसाब-किताब की जाँच तक सीमित रहने की नसीहत दी जाती रही है. नीतिगत सरीकरणों के परीक्षण से दूर रहने की हिदायत भी दी जाती है.

लेकिन आज भारत में नागरिक समाज जागरुक व मुखर हो रहा है और सरकार को उसके फैसलों के लिए जवाबदेह बना रहा है. आज आम लोग सरकार के साथ वार्ता और फैसलों में भागीदारी चाहते हैं, वे नीति निर्माण में पारदर्शिता चाहते हैं. देश का युवा वर्ग की अपेक्षा है कि देश के राजनेता संविधान द्वारा निर्मित संस्थानों के अनुरूप चलें तथा सुशासन के लिए नैतिक [illegible] का निर्माण करें. ऐसी स्थिति में लोकलेखा परीक्षण को भी अपने लक्ष्यों और जनआकांक्षाओं के अनुरूप कार्य करने की आवश्यकता है.

भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक (एक दृष्टि में)

नाम	कार्यकाल
1. वी. नरहरि राव	1948–1954 ई.
2. ए. के चन्दा	1954–1960 ई.
3. ए. के राय	1960–1966 ई.
4. एस रंगनाथन	1966–1972 ई.
5. ए. बख्शी	1972–1978 ई.
6. ज्ञान प्रकाश	1978–1984 ई.
7. टी. एन. चतुर्वेदी	1984–1990 ई.
8. सी. जी. सोमैया	1990–1996 ई.
9. वी. के. शुंगलू	1996–2002 ई.
10. वी. एन. कौल	2002–2008 ई.
11. विनोद राय	2008–वर्तमान तक

हाल ही में नियंत्रक महालेखा परीक्षक के कृत्य विवाद का विषय हो गए हैं लेखा परीक्षणों में सकारात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के साथ-साथ उन बिन्दुओं की ओर भी ध्यान आकर्षित किया गया है जिससे अच्छे परिणाम लाए जा सकें. नियंत्रक महालेखा परीक्षक सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पक्षों को व्यापकता प्रदान करने के लिए छोटी पुस्तिकाएं और रिपोर्ट भी तैयार कर रहा है ताकि जनमानस को महत्वपूर्ण संदर्भ की जानकारी मिल सके और उनकी जागरुकता बढ़े, इसके अतिरिक्त बेहतर अन्तरदृष्टि और सामाजिक क्षेत्र की व्यापकता को बढ़ावा दिया गया है.

नियंत्रक महालेखा परीक्षक की परम्परागत भूमिका वित्तीय लेन-देन की वैधता की जाँच पड़ताल करना है, क्योंकि सामान्य जनमानस का इससे सरोकार है कि सरकार जनता के धन को कैसे खर्च करती है. बदलते सामाजिक परिवेश में नियंत्रक महालेखा परीक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है. अब ऐसा समय आ गया है कि संविधान में इस प्रकार का संशोधन किया जाए कि नियंत्रक महालेखा परीक्षक की स्वायत्तता अक्षुण्ण रहे तथा जनता के धन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हो सके.

●●●

sscexamonline.blogspot.com

भाषा विषयक लेख

हिन्दी शब्द-सम्पदा

✍ नरेश कुमार जैन

भाषाविज्ञान के अन्तर्गत ध्वनि, रूप, वाक्य तथा अर्थविज्ञान शामिल किए जाते हैं. रूपविज्ञान के अन्तर्गत शब्दों का अध्ययन किया जाता है जिसमें शब्दों के भेद, रूपान्तर तथा व्युत्पत्ति का निरूपण शामिल है. ध्वनि भाषा का मूल-आधार है. ध्वनि को उच्चारित रूप में स्वर तथा लिपि-चिह्न के रूप में वर्ण के नाम से जाना जाता है. एक या एकाधिक अक्षरों से बने हुए स्वतंत्र सार्थक ध्वनि-समूह को शब्द कहते हैं. संरचना की दृष्टि से शब्द भाषा की सबसे छोटी इकाई है. अर्थ की दृष्टि से भी भाषा की सबसे छोटी इकाई शब्द ही है. व्याकरण की दृष्टि से भाषा की सबसे छोटी इकाई वाक्य है. भाषा में शब्द का विशेष महत्व है. हिन्दी ने विगत दो दशकों में शब्द-भण्डार की दृष्टि से काफी उन्नति की है. हिन्दी की जीवंतता तथा उदारता के कारण आज भी इसके शब्द भण्डार में निरन्तर वृद्धि हो रही है. हिन्दी शब्दावली को 4 भागों में वर्गीकृत किया जा सकता है–

(अ) स्रोत या उत्पत्ति के आधार पर

(ब) रचना या व्युत्पत्ति के आधार पर

(स) अर्थ या विकार के आधार पर

(द) विकार या परिवर्तन के आधार पर

(अ) स्रोत या उत्पत्ति के आधार पर

स्रोत या उत्पत्ति के आधार पर हिन्दी शब्दों को निम्नलिखित 4 भागों में विभक्त किया जा सकता है–

1. तत्सम, 2. तद्भव, 3. देशज, 4. विदेशी, 5. संकर शब्द

1. तत्सम शब्द–तत्सम शब्द का अर्थ है–तत्+सम = उसके समान अर्थात् संस्कृत के समान. संस्कृत के जो शब्द हिन्दी में ज्यों-के-त्यों प्रचलित हैं उन्हें तत्सम शब्द कहा जाता है. **जैसे**–कर्म, अग्नि, कक्ष, सत्य, माता, ग्राम, निराकार, भक्त, कर्ण, गृह, वधू, पक्षी, मृत्यु, सूर्य, रात्रि, जिह्वा, घृत, दधि, मयूर, भिक्षा, वार्ता, सर्प, पुत्र नभ, क्षीर, ज्येष्ठ आदि. हिन्दी में राशि, ग्रह नक्षत्र, धार्मिक संस्कार और पशु-पक्षी आदि के नाम आज भी तत्सम रूप में प्रचलित हैं.

2. तद्भव शब्द–तद्भव शब्द का अर्थ है तत् + भव, अर्थात् उससे उत्पन्न. ऐसे शब्द जो संस्कृत के अपने मूल रूप से [illegible] रूप से हिन्दी में प्रचलित हैं तद्भव शब्द कहलाते हैं. हिन्दी में सर्वाधिक संख्या इसी प्रकार के शब्दों की है. इन्हीं शब्दों को हिन्दी के अपने शब्दों के रूप में भी जाना जाता है, जैसे–काम, आग, कगरा, साँच, माँ, गाँव, मगत, काल, घर, बहू, पंखी, मीत, सूरज, रात, जीभ, घी, दही, मोर, मीख, बात, साँप, पूत, नया, खीर, जेठ आदि इसी प्रकार के शब्द हैं. हिन्दी में कहीं-कहीं इनके तत्सम रूप भी प्रचलित हैं. अतः हमें विभिन्न शब्दों के तत्सम व तद्भव रूपों को जानना आवश्यक है.

तत्सम-तद्भव रूपांतरण

क्र. सं.	तत्सम	तद्भव
1.	अंक	आँक
2.	अक्षि	आँख
3.	अमूल्य	अमोल
4.	अश्रु	आँसू
5.	अंगुष्ठ	अंगूठा
6.	अंगरक्षक	अंगरखा
7.	अगम्य	अगम
8.	अर्क	आक
9.	अक्षर	आखर
10.	अक्षत	अच्छत
11.	अर्द्ध	आधा
12.	अमावस्या	अमावस
13.	अक्षय तृतीया	अखतीज
14.	आमलक	आँवला
15.	आश्चर्य	अचरज
16.	आम्र	आम
17.	अंचल	आँचल
18.	ओष्ठ	ओठ
19.	आदेश	आयसु
20.	अस्थि	हड्डी
21.	इक्षु	ईख
22.	उलूक	उल्लू
23.	उपाध्याय	ओझा
24.	उल्व	ऊँचा
25.	ऊर्ण	ऊन
26.	ऐक्य	एका
27.	उष्ट्र	ऊँट
28.	कंकण	कंगन
29.	कज्जल	काजल
30.	कदली	केला
31.	कर्पूर	कपूर
32.	कोष्ठ	कोठा
33.	कूप	कुआँ
34.	काक	काग
35.	कोकिल	कोयल
36.	किरण	किरन
37.	कृषक	किसान
38.	कच्छप	कछुआ
39.	काष्ठ	काठ
40.	कार्य	काज
41.	कृष्ण	कान्ह
42.	कंटक	काँटा
43.	किंचित	कुछ
44.	कुष्ठ	कोढ़
45.	कर्ण	कान, करन
46.	कुक्कुर	कुत्ता
47.	खनि	खान
48.	गृह	घर
49.	गर्त	गड्ढा
50.	गर्दभ	गदहा
51.	ग्रंथि	गाँठ
52.	ग्रहण	गहन
53.	गोमय	गोबर
54.	गोधूम	गेहूँ
55.	गौ	गाय
56.	ग्राम	गाँव
57.	गुहा	गुफा
58.	गोपालक	ग्वाला
59.	गणेश	गनेश
60.	गोत्र	गोत
61.	गोस्वामी	गुसाईं
62.	घृत	घी
63.	चंचु	चोंच
64.	चंद्र	चाँद
65.	चतुर्दश	चौदस
66.	चतुष्पद	चौपाया
67.	छत्र	छाता
68.	छिद्र	छेद
69.	जंघा	जाँघ
70.	जामाता	जँवाई
71.	जन्म	जनम
72.	तण्डुल	तन्दुल
73.	ज्योति	जोत
74.	टंकशाला	टकसाल
75.	ज्येष्ठ	जेठ
76.	चौर	चोर
77.	घोटक	घोड़ा
78.	ताम्र	ताँबा
79.	दण्ड	डंडा
80.	दंश	डंक
81.	दीपक	दीया
82.	द्विप्रहरी	दुपहरी
83.	धारित्री	धरती
84.	धूम्र	धुआँ

sscexamonline.blogspot.com

85.	धैर्य	धीरज
86.	नृत्य	नाच
87.	निद्रा	नींद
88.	तड़ाग	तालाब
89.	दुर्लभ	दूल्हा
90.	द्रोण	दोना
91.	धनश्रेष्ठी	धन्ना सेठ
92.	निम्बु	नीबू
93.	नकुल	नेवला
94.	नापित	नाई
95.	पक्ष	पंख
96.	पर्यंक	पलंग
97.	पुत्र-वधू	पतोहू
98.	पत्रिका	पाती
99.	नारिकेल	नारियल
100.	प्रस्तर	पत्थर
101.	परीक्षा	परख
102.	पुष्कर	पोखर
103.	पानीय	पानी
104.	पृष्ठ	पीठ
105.	पाद	पैर
106.	पक्षी	पक्षी
107.	पर्पट	पापड़
108.	पंक्ति	पाँत
109.	बलिवर्द	बैल
110.	बर्कर	बकरा
111.	मर्कटी	मकड़ी
112.	मक्षिका	मक्खी
113.	मनुष्य	मानस
114.	भ्रू	भौंह
115.	मास	महीना
116.	यूथ	जत्था
117.	रज्जु	रस्सी
118.	वन	जन
119.	रिक्त	रीता
120.	लवंग	लौंग
121.	दीपावली	दिवाली
122.	दंत	दाँत
123.	नग्न	नंगा
124.	वार्ताक	बैंगन
125.	भगिनी	बहिन
126.	भ्रमर	भौंरा
127.	मातुल	मामा
128.	मशक	मच्छर
129.	मकर	मगर
130.	मिष्टान्न	मिठाई
131.	रक्षा	राखी
132.	श्वसुर	ससुर
133.	सूकर	सूअर
134.	घर्म	घाम
135.	सैवा	सेज
136.	श्रेष्ठी	सेठ
	वट	बड़
138.	मस्तक	माथा
139.	शर्करा	शक्कर
140.	मुष्टिका	मुट्ठी
141.	नव	नौ
142.	होलिका	होली
143.	तपस्वी	तपसी
144.	कबांग	बजरंग
145.	व्याघ्र	बाघ
146.	वारिद	बादल
147.	विनति	बिनती
148.	विग्रह	बीच
149.	श्कल	सीस
150.	बल	बच्चा
151.	वानर	बंदर
152.	वार्ता	बात
153.	श्मश्रु	मूँछ
154.	शृंगार	सिंगार
155.	श्रावण	सावन
156.	शिष्य	सिक्ख
157.	सध्या	सांझ
158.	स्नेह	नेह
159.	हस्ति	हाथी
160.	क्षीर	खीर
161.	स्वामी	साईं
162.	हरिद्रा	हल्दी
163.	हृदय	हिय
164.	सन्धि	संध
165.	स्पर्श	परस
166.	सरोवर	सरवर
167.	क्षत्रिय	खत्री
168.	राजपुत्र	राजपूत
169.	वस्त्रपात्र	बरतन
170.	निम्ब	नीम
171.	पिंजर	पिंजड़ा
172.	उज्ज्वल	उजला
173.	शिर	सिर
174.	सर्वदा	सदा
175.	सूर्य	सूरज

3. देशज शब्द—देशज का अर्थ होता है देश अर्थात् क्षेत्र में जन्म लेने वाले. वे शब्द जिनकी उत्पत्ति का कोई भाषा-वैज्ञानिक आधार नहीं होता, बल्कि स्थानीय स्तर पर अनुकरण, मुख-सुख, अज्ञानता, प्रतिध्वनि आदि के कारण लोकभाषा में प्रचलन में आ जाते हैं, जैसे—लपटटर, टनाटन, धसाधस, टन्न, चीं-चीं, टें-टें, लोटा, झंझट, झक-झक आदि. इनके अलावा अनुकरण से जैसे—अड़ोस-पड़ोस, रोटी-फोटी, सब्जी-फब्जी आदि शब्दों में अड़ोस, फोटी तथा फब्जी देशज शब्द ही हैं. इन शब्दों का उल्लेख शब्दकोश में नहीं होता तथा स्थानीय स्तर पर इनके अर्थ में भी थोड़ा बहुत अन्तर हो सकता है.

4. विदेशी शब्द—भारत में अनेक विदेशी जातियों के आगमन तथा यहाँ बसने से उनके अनेक शब्द हिन्दी में समाहित हो गए. इन विदेशी भाषाओं में पुर्तगाली, डच, अंग्रेजी, फ्रांसीसी, तुर्की, अरबी, फारसी, यूनानी, इटेलियन, पश्तो आदि प्रमुख हैं. निम्नलिखित तालिका में हिन्दी के विदेशी शब्दों के उदाहरण दिए गए हैं—

भाषा स्रोत	शब्द
पुर्तगाली	स्त्री, अलमारी, चाबी, गोदाम, कनस्तर, कॉफी, तम्बाकू, पलटन, पिस्तौल, चादरी, तौलिया, बाल्टी, बोतल, प्याला, आलू, कालू, मेथी, आलपिन
अंग्रेजी	होस्टल, हॉस्पीटल, स्टेशन, रेल, टिकट, कमीशन, कोट, बटन, कमेटी, बेंच, बल्ब, टेलीविजन, सिनेमा, कम्पनी, अफसर, लेडी, लिपिस्टक, कलक्टर, कोर्ट, फीस, अपील, पुलिस, रिपोर्ट, पेन, पेपर, स्कूल, डॉक्टर, नर्स, बोट, ईस्टर, क्रिसमस, क्राइस्ट, गुडफ्राइडे, चर्च, पोप, बाइबिल, मिशनरी, कमाण्डर, कर्नल, कैप्टन, कैम्प, पाइलट, पैराशूट, राइफल, लेफ्टिनैण्ट, स्टेनगन, आर्डीनेंस, कमिश्नर, गवर्नर, बेयरमैन, फाइल, बिल, सिटी, मजिस्ट्रेट, सेक्रेटरी, अपील, कोर्ट, चीफ, जजमेंट, कॉलेज, डिग्री, बेंच, बैरिस्टर, चांसलर, प्रोफेसर, रीडर, क्रिकेट, एकॉलरशिप, स्कूल, हेडमास्टर, पॉलिस, पोस्ट ऑफिस, पोस्ट-कार्ड, मनी ऑर्डर, ओवरकोट, गाउन, जर्सी, टाई, फ्रॉक, शर्ट, सूट, हैट, आमलेट, केक, चॉकलेट, ब्रैड, ट्रैक्टर, कॉर्न, बुरिया, ट्यूब, टायर, क्रेन, ब्रेक, रबर, शीट, टेबिल, बैडमिंटन, हॉकी, कैमरा, फोटोग्राफ, ट्यूब-लाइट, ग्रेस, एजेन्सी, कमीशन, क्वार्टर, मिटार, एनीमिया, कैंसर, टाइफाइड, प्लेग, कुनैन, ग्लूकोज, हाइड्रोजन, दर्जन, चार्टी, गिनट, मीटिंग आदि.
फ्रांसीसी	रिपोर्ताज, अंग्रेज, डीलक्स, मशीन, मास्टर, एडवोकेट, जज, कॉलर, चश्मा, कूपन, कप, पिकनिक, रेस्तरां, लैम्प, मैन आदि
अरबी	गरीब, आदमी, अमीर, औरत, अदालत, मुकदमा, दौलत, फैसला, मालिक, कसूर, हुक्म, तामील, जिला, तहसील, नकद, ईमानदार, इरादा, दुनिया, मानसून, अजब, अदा, हुक्म, गुस्सा, कैदी, रिश्वत, किस्मत, किताब, दौलत, अल्लाह, काबिल, खत्म, उम्र, आखिर, जाहिल, जन्दा, अक्ल, खराब, नशा, जिरम, कलम, कीमत, बहस, खबर, तरक्की, नुसिफ, फायदा, सिफारिश, वकील,

sscexamonline.blogspot.com

	शराब, मौका, मौलवी, जनाब, नकल, वकील, दुआ, विभाग, एहसान, तारीख, तकाजा, हरामी, हिसाब, हवालात, मौसम, सुबह, हमला, हलवाई, तुरुम्बा, नहर, तुर्की, तामील, खत, फकीर, इशारा, कुर्सी
फारसी	पजामी, पाजामा, देहात, शहर, मरीज, बुखार, जुबान, हकीम, दवा, जल्दी, चाकू, खरीद, जिंदगी, लगाम, अफसोस, कागज, गवाह, शिकायत, सिफारिश, दीवार, आवारा, दर्जी, कारीगर, मकान, अमरूद, बाग, अंगूर, जलेबी, अखबार, दरोगा, फौजदार, सिफारिश, चश्मा, कमीना, शहर, मुर्गा, जहर, बेवा, मुर्दा, दंगल, तीर, तमाशा, आवाज, सरदार, गुलाब
तुर्की	उर्दू, बहादुर, बेगम, बीवी, कुर्ता, कैंची, गनीमत, दरोगा, लाश, सुराग, गलीचा, तोप, कालीन, खराब, आका, कुली, बावर्ची, लाश, तमाशा, तमगा, खराब, चेचक, बारूद, कबू, चमचा, लफंगा, कुल्ली
पश्तो	खेत, गुस्सा, नगाड़ा, अचार, पठान, अखरोट, हमजोली
यूनानी	एटम, दान, दमड़ी, सुरंग, कस्तूरी, टेलीफोन, बाइबिल, टेलीग्राफ, ब्रेल्टा
इटेलियन	मलेरिया, स्टूडियो, लॉटरी, कार्टून, फासिस्ट
जापानी	जुजुत्सु, रिक्शा, सुनामी
चीनी	चाय, चीनी, लीची, सिन्दूर, सायोनारा, तूफान, चटाखा, चाउमीन
जर्मन	ट्रेन, सेमिनार, किंडरगार्टन, बिस्टल, नाजी, मार्क, गेस्टाल्ट
स्पेनी	सिगरेट
रूसी	रूबल, जार, नैट्टो, सोवियत, स्पूतनिक, बोल्शेविक
अन्य	तुर्क, बम

5. संकर शब्द–कुछ शब्द दो भिन्न-भिन्न भाषा-स्रोतों के मिश्रण से बने होते हैं. ऐसे शब्दों को संकर शब्द कहा जाता है जैसे–रेलगाड़ी, रेल-यात्रा, रेडियो-तरंग, ऑपरेशन कक्ष, अफसर शाही, बीमा पॉलिसी, किताबघर, वर्षगाँठ, नौगपत्र, जाँचकर्ता, कपड़ा-उद्योग, पूँजीपति, थानेदार आदि.

(ब) रचना या व्युत्पत्ति की दृष्टि से शब्दों के प्रकार

रचना की दृष्टि से शब्दों के तीन भेद किए जा सकते हैं–

(1) रूढ़ शब्द

(2) यौगिक शब्द

(3) योग–रूढ़ शब्द

(1) रूढ़ शब्द–वे शब्द जिनके खण्ड करने पर कोई अर्थ नहीं निकलता, रूढ़ कहलाते हैं अर्थात् इनके सार्थक खण्ड नहीं किये जा सकते. **जैसे**–घर, कुर्सी, घोड़ा, काला, जल.

(2) यौगिक शब्द–वे शब्द जो दूसरे शब्दों के योग से बने हैं, **जैसे**–विद्यालय, (विद्या + आलय), नीलकमल (नीला है जो कमल), वसन्तोत्सव (वसन्त+उत्सव), पान-वाला (पान+वाला), हिमालय, रसोईघर आदि.

(3) योग रूढ़ शब्द–वे शब्द यौगिक की तरह बने होते हैं, लेकिन अर्थ रूढ़ शब्दों की भाँति प्रकट करते हैं, **जैसे**–पंकज, जलद, चतुरानन, दशानन, चारपाई, चौपाया, नीलकंठ, विश्वामित्र, लम्बोदर, त्रिवेणी, पंचानन, पद्मासना, गिरधर, मनोज, कपीश्वर आदि.

(स) विकार या परिवर्तन की दृष्टि से शब्दों के भेद

विकार या परिवर्तन की दृष्टि से शब्दों के मुख्यतः दो भेद किए जाते हैं–

(1) विकारी शब्द

(2) अविकारी शब्द

वे शब्द जो काल, लिंग, वचन, पुरुष आदि के प्रभाव से परिवर्तित होते रहते हैं, विकारी शब्द कहलाते हैं. हिन्दी में संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया तथा विशेषण विकारी शब्द हैं, परन्तु जिन शब्दों पर काल, लिंग, वचन, पुरुष आदि का कोई प्रभाव नहीं होता उन्हें अविकारी कहा जाता है. अविकारी शब्द 'अव्यय' भी कहलाते हैं. इनके मुख्यतः 4 भेद हैं–

(1) क्रिया-विशेषण

(2) समुच्चयबोधक

(3) सम्बन्धबोधक

(4) विस्मयादिबोधक

पद परिचय की दृष्टि से इन शब्दों को निम्नलिखित 5 भागों में बाँटा जाता है–

(1) संज्ञा

(2) सर्वनाम

(3) क्रिया

(4) विशेषण

(5) अव्यय

(1) संज्ञा

नाम को संज्ञा कहते हैं. संज्ञा वह विकारी शब्द है जिससे किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या गुण का बोध हो. ये विकारी शब्द होते हैं तथा लिंग, काल, वचन, पुरुष आदि के प्रभाव से इनके रूप में परिवर्तन होता रहता है. हिन्दी में संज्ञा मुख्यतः 3 प्रकार की होती है.

(1) व्यक्तिवाचक संज्ञा

(2) जातिवाचक संज्ञा

(3) भाववाचक संज्ञा

इनके अलावा अन्य भाषाओं में द्रव्य-वाचक और समूहवाचक संज्ञा भी होती हैं जिन्हें हिन्दी में जातिवाचक संज्ञा में ही माना जाता है–

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा

जिन संज्ञा शब्दों से किसी एक ही व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध होता हो उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं. व्यक्ति-वाचक संज्ञाएं बहुधा अर्थहीन होती हैं. इनके प्रयोग से जिस व्यक्ति का बोध होता है उसका प्रायः कोई भी गुण इनसे सूचित नहीं होता. **जैसे**–नरेश शब्द का अर्थ मनुष्यों का स्वामी अर्थात् राजा होता है, लेकिन जिस व्यक्ति का इस नाम से बोध हो वह राजा हो, यह आवश्यक नहीं है. ऐसे ही नर्मदा शब्द का अर्थ मोक्ष देने वाली है. किसी स्त्री का नाम नर्मदा होने से उसका मोक्ष देने वाले अर्थ से ताल्लुक आवश्यक नहीं है. व्यक्तिवाचक संज्ञा किसी व्यक्ति की पहचान या सूचना के लिए केवल एक संकेत मात्र होता है. हालाँकि कुछ व्यक्तिवाचक संज्ञाएं अर्थवान भी होती हैं, **जैसे**–ईश्वर, परमात्मा, ब्रह्माण्ड आदि. व्यक्तिवाचक संज्ञा के कुछ उदाहरण निम्नलिखित हैं–

(1) **स्त्री-पुरुषों के नाम**–राम, मोहन, लक्ष्मी, जयप्रकाश, मीरा, सुशीला, सुदामा.

(2) **देशों के नाम**–भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, अमरीका, जापान, इटली, बर्मा, बांग्लादेश, चीन, नेपाल आदि.

(3) **नदियों के नाम**–गंगा, यमुना, कावेरी, गोदावरी, सिन्धु, कृष्णा, नर्मदा, ताप्ती, महानदी आदि.

(4) **दिशाओं के नाम**–पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण.

(5) **महासागरों के नाम**–प्रशांत महा-सागर, हिन्द महासागर, आर्कटिक महासागर, अंध महासागर.

(6) **शहर व नगरों के नाम**–आगरा, अलीगढ़, जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, धौलपुर, ग्वालियर.

(7) **पर्वतों के नाम**–हिमालय, अरावली, विध्याचल, सतपुड़ा.

(8) **पुस्तकों के नाम**–गीता, बाइबिल, रामायण, अर्थशास्त्र, पंचतंत्र, कादम्बरी, ऋग्वेद.

(9) **दिनों के नाम**–सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार, रविवार.

(10) **महीनों के नाम**–जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल, मई, जून, जुलाई, अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर, नवम्बर, दिसम्बर.

(11) **ग्रह-नक्षत्रों के नाम**–पृथ्वी, मंगल, बुध, शुक्र, बृहस्पति, स्वाति, पुष्य.

sscexamonline.blogspot.com

(12) **समाचार-पत्र व पत्रिकाओं के नाम**–दैनिक भास्कर, राजस्थान-पत्रिका, दैनिक नवज्योति, सुजस राजस्थान.

(13) **त्योहारों के नाम**–होली, दीपावली, मकर संक्रान्ति, करवाचौथ, रक्षाबंधन.

(14) **जानवरों के प्रजातिपरक नाम**–अलेशियन कुत्ता, बंगाल टाइगर, अफ्रीकन शेर.

(15) **ऐतिहासिक युद्ध व घटनाओं के नाम**–तराइन का युद्ध, पानीपत की लड़ाई, सन् सत्तावन की क्रान्ति, भारत छोड़ो आन्दोलन.

2. जातिवाचक संज्ञा

जिन संज्ञा शब्दों से एक ही प्रकार की विभिन्न वस्तुओं, स्थान या व्यक्तियों का बोध हो उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं, **जैसे**–लोटा, नगर, घोड़ा, आदमी, बच्चा, स्त्री, माता, अध्यापक, विद्वान् आदि. हिन्दी में समूहवाचक व द्रव्यवाचक शब्दों को भी जातिवाचक संज्ञा में शामिल किया जाता है. जातिवाचक संज्ञाएं अर्थवान होती हैं और इनसे धर्म का बोध होता है, **जैसे**–सभा, सेना, दल, भीड़, कक्षा, चीनी, आटा, दाल, दूध, पानी, घी, तेल, नमक आदि. जातिवाचक संज्ञा के कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं–

(1) **सम्बन्धियों के नाम**–भाई, बहिन, मामा, चाचा, नाना, दादा.

(2) **व्यवसायों व कार्यों के नाम**–जुलाहा, कुम्हार, शिक्षक, लेखक, पण्डित.

(3) **पशु-पक्षियों के नाम**–गाय, बकरी, ऊँट, घोड़ा, कुत्ता, शेर.

(4) **वस्तुओं के नाम**–मकान, घड़ी, टेबिल, पुस्तक, कम्प्यूटर, नदी, शहर, गाँव.

(5) **प्राकृतिक तत्वों के नाम**–तूफान, बिजली, बाढ़, वर्षा, भूकम्प.

3. भाववाचक संज्ञा

जिन संज्ञा शब्दों से व्यक्ति, वस्तु या स्थान के गुण, धर्म, दशा, व्यापार, अवस्था आदि का बोध हो, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं. अमूर्त भाव भाववाचक संज्ञा का ही रूप है. भाववाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञाओं की भाँति अर्थवान होती हैं, लेकिन इससे जातिवाचक संज्ञाओं की तरह एक समूह का बोध न होकर किसी एक भाव का ही बोध होता है, **जैसे**–बुढ़ापा, बचपन, नम्रता, मिठास, सौन्दर्य, सुन्दरता, चाल, समझ, लम्बाई, चतुराई, जलन, कमाई आदि. भाववाचक संज्ञा के कुछ उदाहरण इस प्रकार है–

(1) **धर्म या गुणबोधक**–शीतलता, गर्माहट, मिठास, कड़वाहट, बल, बुद्धि, क्रोध, प्रेम, तृष्णा आदि.

(2) **अवस्था**–गरीबी, अमीरी, दरिद्रता, [illegible]ई, अंधेरा, उजाला, नींद.

(3) **व्यापार**–दान, भजन, पढ़ना, पढ़ाना, बहाव, चढ़ाई.

भाववाचक संज्ञा निम्नलिखित 5 प्रकार से बनती है–

(1) **जातिवाचक संज्ञा से**–जैसे–बूढ़ा से बुढ़ापा, लड़का से लड़कपन, मित्र से मित्रता, पण्डित से पण्डिताई, जवान से जवानी.

(2) **सर्वनाम से**–अपना से अपनापन, मन से ममत्व, मम से ममता, निज से निजत्व.

(3) **क्रिया से**–घबराना से घबराहट, सजाना से सजावट, भूलना से भूल, बहना से बहाव, चढ़ना से चढ़ाई, लड़ना से लड़ाई, सीना से सिलाई, कमाना से कमाई, दौड़ना से दौड़, रुकना से रुकावट.

(4) **विशेषण से**–गर्म से गर्मी, सर्द से सर्दी, कठोर से कठोरता, स्वस्थ से स्वास्थ्य, महान् से महानता, चतुर से चतुराई.

(5) **अव्यय से**–मना से मनाही निकट से निकटता, चतुर से चातुर्य, ऊपर से ऊपरी, धिक से धिक्कार.

नोट–प्रायः त्व, ता, पन, ई, आई, इयत, आहट, त, य आदि प्रत्यय लगने से शब्द भाववाचक संज्ञा बन जाते हैं, **जैसे**–चतुराई, निकटता, सर्वस्व, अपनत्व.

(2) सर्वनाम

संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं. सर्वनाम के प्रयोग से संज्ञा शब्द की पुनरावृत्ति से होने वाले अपकर्षण से बचा जा सकता है. भाषा चन्द्रोदय में सर्वनाम के लिए संज्ञा प्रतिनिधि शब्द का उपयोग किया गया है. सर्वनाम संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होता है, लेकिन यह संज्ञा नहीं है, क्योंकि संज्ञा से सदा उसी वस्तु का बोध होता है जिसका वह नाम है, परन्तु सर्वनाम से पूर्वापर सम्बन्ध के अनुसार किसी भी वस्तु का बोध हो सकता है. **जैसे**–आदमी शब्द से आदमी का ही बोध होता है, किसी गाँव, सड़क, घर या दुकान का नहीं, लेकिन 'वह' कहने से पूर्वापर सम्बन्ध के अनुसार गाँव, घर, सड़क या दुकान का भी बोध हो सकता है. इससे भाषा की सरलता, संक्षिप्तता एवं सौन्दर्य में वृद्धि होती है. सर्वनाम पूर्वापर सम्बन्ध के अनुसार किसी संज्ञा का बोध कराते हैं. हिन्दी में प्रयोग के आधार पर सर्वनामों के 6 भेद किये जाते हैं, जो इस प्रकार है–

(1) पुरुषवाचक सर्वनाम

(2) निश्चयवाचक सर्वनाम

(3) अनिश्चयवाचक सर्वनाम

(4) प्रश्नवाचक सर्वनाम

(5) सम्बन्धवाचक सर्वनाम

(6) निजवाचक सर्वनाम

1. पुरुषवाचक सर्वनाम

जो सर्वनाम व्यक्ति के लिए आते हैं जिनमें वक्ता, श्रोता या अन्य के नाम के स्थान पर प्रयुक्त किये जाते हैं. ये निम्न तीन रूपों में हो सकते हैं. **प्रथम**–वक्ता के लिए. **जैसे**–मैं, हम. **द्वितीय**–श्रोता के लिए **जैसे**–तुम, तू, आप. **तृतीय** अन्य के लिए **जैसे**–वह, वे, उन्होंने आदि. पुरुषवाचक सर्वनाम के निम्नलिखित तीन भेद होते हैं–

(1) **उत्तमपुरुष**–मैं, हम

(2) **मध्यमपुरुष**–तू, तुम, आप.

(3) **अन्यपुरुष**–वे, वह, उन्होंने, उनका आदि.

2. निश्चयवाचक सर्वनाम

जिन सर्वनाम शब्दों से किन्हीं व्यक्ति, प्राणी, वस्तु या घटनाओं के दूरवर्ती या समीपवर्ती होने का बोध हो, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं. 'यह' निकटवर्ती निश्चयवाचक सर्वनाम है, जबकि 'वह' दूरवर्ती. निश्चयवाचक सर्वनाम को संकेतवाचक सर्वनाम भी कहते हैं, **जैसे**–वह घर किसका है ? वह गाड़ी मेरी है.

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम

जिन सर्वनामों से किसी निश्चित पदार्थ, व्यक्ति या घटना आदि का बोध नहीं होता, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं, **जैसे**–कोई, कुछ, किसी आदि. प्राणिवाचक संज्ञाओं के लिए 'कोई', 'किसी' सर्वनाम का और अप्राणीवाचक के लिए 'कुछ' सर्वनाम का प्रयोग किया जाता है, **जैसे**–यहाँ कोई नहीं आया. वहाँ जाकर किसी से पूछ लेना. बाजार से कुछ ले आना.

4. प्रश्नवाचक सर्वनाम

जिन सर्वनामों में किसी भी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी या क्रिया-व्यापार आदि के सम्बन्ध में प्रश्न का बोध हो, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं. इसमें व्यक्ति या प्राणी के लिए कौन, किसे, किसने तथा वस्तु या क्रिया-व्यापार के लिए क्या, कब आदि का प्रयोग किया जाता है, **जैसे**–वहाँ **कौन** रहता है ? तुम्हें **किसने** पीटा था ? वहाँ **क्या** करोगे ? गाड़ी **कब** आयेगी ?

5. सम्बन्धवाचक सर्वनाम

वे सर्वनाम जो किसी उप-वाक्य में प्रयुक्त संज्ञा या सर्वनाम का अन्य संज्ञा या सर्वनाम से सम्बन्ध प्रकट करते हैं, सम्बन्धवाचक सर्वनाम कहलाते हैं, **जैसे**–जो करेगा **सो** भरेगा. जिसकी लाठी **उसकी** भैंस. जैसी करनी **वैसी** भरनी.

sscexamonline.blogspot.com

6. निजवाचक सर्वनाम

वह सर्वनाम जिसमें वक्ता स्वयं खुद या अपने आप को निजता का बोध कराते हों, निजवाचक सर्वनाम कहलाता है. जैसे– मैं खुद वहाँ गया. घड़ी अपने आप बंद हो गई. वह स्वयं मुझसे मिलने आया. मैं स्वयं नेट उत्तीर्ण नहीं हूँ.

(3) विशेषण

संज्ञा आदि की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहा जाता है. जैसे– महान् व्यक्ति, लाल टमाटर, बड़ा मकान, चौगुना लम्बा. अर्थ की दृष्टि से विशेषणों के चार भेद किये जा सकते हैं–

(1) गुणवाचक विशेषण

(2) संख्यावाचक विशेषण

(3) परिमाणवाचक विशेषण

(4) संकेतवाचक/सार्वनामिक विशेषण

1. गुणवाचक विशेषण

किसी शब्द (विशेष्य) के रूप, गुण, रंग, गंध, काल, स्थान, आकार, स्वाद, बुराई, दशा, अच्छाई आदि की विशेषता बताने वाले शब्दों को गुणवाचक विशेषण कहते हैं. जैसे–भला, विनीत, दानी, कंजूस, उतावला, नीला, पुराना, भारतीय, खुशबूदार, उत्तरी, शुष्क, युवा, रोगी, मोटा, ठिगना, कोमल आदि.

2. संख्यावाचक विशेषण

गणनीय वस्तु, व्यक्ति आदि की संख्या का बोध कराने वाले विशेषणों को संख्यावाचक विशेषण कहते हैं. जैसे–तीन, थोड़ा, कुछ, बहुत. यहाँ यह महत्वपूर्ण है कि ये विशेषण तभी संख्यावाचक विशेषण कहलाएंगे जब इनका विशेष्य गणनीय हो. संख्यावाचक विशेषण के 4 निम्न उपभेद भी हैं.

(1) **गणनावाचक**–एक, दो, तीन, चार, पाँच .....

(2) **क्रमवाचक**–पहला, दूसरा, तीसरा, चौथा .....

(3) **आवृत्तिवाचक**–दूना, तिगुना, चौगुना .....

(4) **समुदायवाचक**–तीनों, दोनों, चारों .....

3. परिमाणवाचक विशेषण

जिस विशेषण से विशेष्य की तौल या माप सम्बन्धी विशेषता का ज्ञान हो उसे परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं. जैसे–चार किलो घी, तीन लिटर पानी, एक क्विण्टल गेहूँ आदि.

4. सार्वनामिक विशेषण

जो सर्वनाम विशेषण का कार्य करते हैं [illegible]नामिक विशेषण कहलाते हैं. जैसे–वह लड़का कल चला गया. जो आदमी कल पैसे ले गया था, आज नहीं आया. सार्वनामिक विशेषण को संकेतवाचक विशेषण भी कहा जाता है.

नोट–(1) संख्यावाचक विशेषण तथा परिमाणवाचक विशेषण दोनों के दो उप-भेद भी किये जा सकते हैं–

(1) निश्चित संख्यावाचक/परिमाणवाचक विशेषण

(2) अनिश्चित संख्यावाचक/परिमाणवाचक विशेषण

नोट–(2) कुछ विशेषण व्यक्ति विशेष के लिए प्रयुक्त किये जाते हैं. उन्हें व्यक्तिवाचक विशेषण कहा जाता है. जैसे–बोस, महात्मा, गुरुदेव, लोकमान्य, सरदार आदि.

नोट–(3) वाक्य में विशेषण की स्थिति के आधार पर विशेषण को दो अन्य प्रकार से भी बाँटा जा सकता है– (1) उद्देश्य विशेषण, तथा (2) विधेय विशेषण. जो विशेषण उद्देश्य से पहले आते हैं, उन्हें उद्देश्य विशेषण कहते हैं. जैसे–मोटे आदमी ने बच्चे को डरा दिया. जो विशेषण विशेष्य उद्देश्य के बाद आते हैं उन्हें विधेय विशेषण कहा जाता है. जैसे–वह सुन्दर लिखती है.

नोट–(4) कुछ विशेषण सामूहिक विशेषता का बोध कराते हैं, उन्हें समूहवाचक या विभागवाचक विशेषण कहा जाता है.

नोट–(5) रचना की दृष्टि से विशेषण दो प्रकार के हो सकते हैं–

(1) रूढ़ विशेषण तथा यौगिक विशेषण–वे विशेषण जिनको विभाजित नहीं किया जा सकता अर्थात् जो रूढ़ शब्द विशेषण का कार्य करते हैं रूढ़ विशेषण कहलाते हैं. जैसे–हरा, भला, छोटा, मोटा आदि. यौगिक विशेषण वे हैं जो दूसरे शब्दों में प्रत्यय जोड़कर बनाये जाते हैं. जैसे–दिन +इक = दैनिक, कृपा + आलु = कृपालु, रंग + ईला = रंगीला, सुख + द = सुखद, धर्म + इक = धार्मिक इसी प्रकार के यौगिक विशेषण हैं.

नोट–(6) कहीं-कहीं विशेषण विशेषणों की ही विशेषता बताते हैं उन्हें प्रविशेषण कहा जाता है. जैसे–अच्छे बुद्धिमान लोग.

(5) अव्यय

वे शब्द जो काल, लिंग, वचन आदि के प्रभाव से मुक्त रहते हैं अर्थात् जिनके रूप में कोई परिवर्तन नहीं होता. उन्हें अव्यय कहते हैं. जैसे–और, अन्दर, बाहर, अनुसार, इसलिए, क्योंकि, यद्यपि, तथापि आदि. हिन्दी में अव्यय निम्नलिखित 5 रूपों में पाए जाते हैं–

(1) क्रिया-विशेषण

(2) समुच्चयबोधक

(3) सम्बन्धबोधक

(4) विस्मयादिबोधक

(5) निपात

1. क्रिया-विशेषण अव्यय

जो विशेषण क्रिया की विशेषता प्रकट करते हैं, क्रिया-विशेषण कहलाते हैं. जैसे– वह तेज दौड़ता है. मोहन सुन्दर लिखता है. कुछ पढ़ लो. वह प्रतिदिन गाता है. इन वाक्यों में तेज, सुन्दर, कुछ तथा प्रतिदिन क्रिया-विशेषण हैं. क्रिया-विशेषण के निम्नलिखित चार मुख्य भेद किए जाते हैं–

(1) **स्थानवाचक**–वह घर के भीतर है. लड़का पेड़ के नीचे बैठा है. इधर-उधर मत भागो. आगे चलो.

(2) **कालवाचक**–वह कल आयेगा. तुम शीघ्र जाओ. मैं पहले खाऊँगा.

(3) **रीतिवाचक**–धीरे-धीरे भीड़ खिसकने लगी. झटपट खाना खा लो. शायद वह आएगा. वह इसलिए गिर गया.

(4) **परिमाणवाचक**–तुम थोड़ा-सा खिसको. वह बहुत बोलता है. तनिक उबालो.

2. समुच्चयबोधक अव्यय

वे अव्यय जो दो शब्दों, वाक्यांशों, पदबन्धों या वाक्यों को मिलाते हैं, समुच्चयबोधक अव्यय कहलाते हैं. जैसे–और, इसलिए, या, यदि, तो, क्योंकि. समुच्चयबोधक अव्यय के दो भेद होते हैं–(1) समानाधिकरण समुच्चयबोधक, तथा (2) व्याधिकरण समुच्चयबोधक. वे अव्यय जो समान घटकों को परस्पर मिलाते हैं, समानाधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय कहलाते हैं. जैसे–राम और लक्ष्मण राजा दशरथ के पुत्र थे. अपने माता या पिता को बुलाकर लाओ. वह सीधा है, परन्तु बेईमान नहीं. एक या अधिक आश्रित उप-वाक्यों को प्रधान वाक्य से जोड़ने वाले अव्यय व्याधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय कहलाते हैं. जैसे–क्योंकि, चूँकि, इसलिए, ताकि, यद्यपि, यदि, तो, तथापि, परन्तु, मानो, यानि, अर्थात् आदि. वह बीमार है इसलिए पढ़ने नहीं आएगा. यद्यपि बादल गरज रहे थे फिर भी वर्षा नहीं हुई. मैंने तो यही कहा कि लोकपाल बिल पास होने वाला नहीं है.

3. सम्बन्धबोधक अव्यय

वे अव्यय जो संज्ञा या सर्वनाम के बाद आते हैं एवं उनका सम्बन्ध वाक्य के दूसरे पदों से बताते हैं. सम्बन्धबोधक अव्यय कहलाते हैं. जैसे–के मारे, तुल्य, अपेक्षा, कोर, जैसे, वास्ते, लिये, की ओर, कारण आदि. वह सर्दी के मारे काँप रहा था. अधिसूचना राज्यपाल के द्वारा जारी की जाएगी. दिन की अपेक्षा रात का तापमान कम रहता है. छत के ऊपर मोर नाच रहा था.

शेष पृष्ठ 1836 पर

sscexamonline.blogspot.com

ऐतिहासिक लेख

भारतीय कला का इतिहास (एक वस्तुपरक अध्ययन)

✍ हरलाल सिंह धनुरिया

गतांक से आगे :

3. मौर्यकालीन कला

- मौर्यकाल की कला को दो वर्गों में विभाजित किया जा सकता है–
  (1) राजकीय कला, (2) लोक कला
- राजकीय कला के अन्तर्गत वास्तुकला में नगर सन्निवेश, स्तूप, गुफाओं एवं पाषाण स्तम्भों आदि के निर्माण की कला को सम्मिलित किया जा सकता है.
- तक्षण कला में अशोक के स्तम्भों के शीर्ष पर प्राप्त पशु-आकृतियाँ प्रमुख हैं.
- लोक कला में मनकों, मिट्टी की मूर्तियों तथा उत्तरी काली चमकीली पात्र-परम्परा आदि की गणना की जा सकती है.
- पाषाण-निर्मित यक्ष-मूर्तियों को अब अधिकांश कलाविद् मौर्य कला में नहीं सम्मिलित करते हैं, बल्कि शुंग-सातवाहनकाल की कला में रखते हैं.
- मौर्यकाल की वास्तुकला के विषय में साहित्यिक साक्ष्यों में कौटिल्य का अर्थशास्त्र तथा मेगस्थनीज की इण्डिका प्रमुख हैं.
- पुरातात्विक साक्ष्यों में नगरी विशेषकर पाटलिपुत्र के उत्खनन से प्राप्त साक्ष्यों, अशोक के अभिलेखों, शैलकृत गुफाओं पाषाण स्तम्भों आदि की गणना की जा सकती है.

वास्तुकला

- कौटिल्य के अर्थशास्त्र के प्रथम अधिकरण के 'निशान्तप्रणिधि' नामक प्रकरण, द्वितीय अधिकरण के जनपद-विनिवेश, दुर्गविधानम्, दुर्गविनिवेश, तृतीय अधिकरण के 'वास्तुके गृह-वास्तुकम्' (वास्तुक गृहनिर्माण), सातवें अधिकरण के 'अनवसित सन्धि' प्रकरण आदि में नगर निर्माण सम्बन्धी कतिपय टिप्पणियाँ मिलती हैं.
- अर्थशास्त्र में वास्तुकला के विषय में रोमांचक सामग्री उपलब्ध है. इसके अनुसार राजा को चाहिए कि दूसरे जनपद के लोगों को बुलाकर अथवा अपने देश की बढ़ी हुई आबादी से (स्वदेशाभिष्यन्द वनेन) पुराने अथवा नवीन जनपद को बसाए.
- सर्वगुण सम्पन्न स्थल भूमि और जल भूमि, दोनों में से जल भूमि को बसाना ही श्रेष्ठ है.
- अधिक स्थल भूमि की अपेक्षा थोड़ी सी जलभूमि अच्छी है, क्योंकि वह सदा फल-फूल आदि से युक्त रहती है.
- दो स्थल भूमियों में वही स्थल भूमि अच्छी होती है, जहाँ वसन्त और शरद ऋतु की फसलें एकसमान अच्छी होती हैं तथा जहाँ थोड़ी ही वृष्टि से फसलें पक कर तैयार हो जाती हैं और, जिसको सरलता से जोता-बोया जा सकता है.
- दो जलमय भूमियों में वही भूमि उत्तम है जहाँ सभी धान्य बोए जा सकें और जहाँ धान्य न हो वह शून्य भूमि उपनिवेश (नई बस्ती) बसाने के लिए अच्छी नहीं है.
- कौटिल्य के अनुसार, एक गाँव से दूसरे गाँव की दूरी एक कोस (क्रोस) अथवा दो कोस से अधिक नहीं होनी चाहिए.
- गाँवों की सीमाएं नदी, पर्वत, वन, बेर, सेमल, शमी, बरगद, पीपल आदि दूध वाले वृक्षों तथा प्राकृतिक भू-चिह्नों और खाई (संतुबन्ध) आदि के आधार पर निर्धारित की जाती थी.
- प्राचीन ग्रन्थों में ग्राम का आशय किसानों के घरों, बाग-बगीचों के साथ-साथ उस सम्पूर्ण क्षेत्र से होता था, जिसमें खेत, कुएँ, मन्दिर श्मशान, सामुदायिक चारागाह एवं वन स्थित होते थे.
- प्रशासनिक एवं व्यापारिक इकाइयों के तहत् 800 गाँवों के बीच एक स्थानीय, 400 ग्रामों के समूह में एक द्रोणमुख, 200 गाँवों के बीच में एक खार्वटिक और 10 ग्रामों के समूह में एक संग्रहण नामक बस्ती बसाई जाए.
- कौटिल्य के अर्थशास्त्र के अनुसार, वास्तुविद्या के विशारद जिस स्थान को श्रेष्ठ बतलाएं, वहीं पर नगर बसाना चाहिए. किसी नदी के संगम पर, किसी बड़े प्राकृतिक जलाशय (ह्रद) अथवा कमलयुक्त तालाबों के तट पर भी नगर बसाए जा सकते हैं.
- कौटिल्य ने नगर की किलेबन्दी के वर्णन के साथ नगर के चारों ओर एक-एक दण्ड की दूरी पर तीन गहरी खाइयाँ (परिखा) खुदवाने का उल्लेख किया है.
- तीनों खाइयाँ क्रमशः चौदह, बारह तथा दस दण्ड चौड़ी होनी चाहिए, जितनी चौड़ी हो उसकी चौथाई अथवा आधी गहरी होनी चाहिए.
- खाइयों की तलहटी की चौरस एवं मजबूत पत्थरों से चिनाई की गई हो, उनकी दीवालें, मजबूती की दृष्टि से, पत्थर अथवा ईंटों से बनी हुई हों, खाइयों में जल के निकलने का मार्ग हो तथा उनमें कमल एवं घड़ियाल (ग्राह) आदि जलचर हों.
- ईंट-प्रस्तर अथवा बड़े-बड़े शिलाखण्डों से निर्मित प्रकार (रक्षा प्राचीर) के कौटिल्य पक्ष में है, वह लकड़ी के प्रकार का निषेध करता है, क्योंकि उसमें आग लगने का सदा भय बना रहता है.
- नगर निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि का चुनाव हो जाने के पश्चात् पूर्व से पश्चिम की ओर तीन और उत्तर से दक्षिण की ओर तीन कुल छः राजमार्गों के द्वारा नगर को विभिन्न क्षेत्रों में विभाजित कर देना चाहिए.
- नगर में सब मिलाकर बारह द्वार बनाए जाने का विधान अर्थशास्त्र में मिलता है.
- मार्गों की चौड़ाई 'दण्ड' तथा 'हस्त' नामक इकाइयों से मापी जाती थी. माप की दण्ड नामक इकाई मनुष्य की औसत लम्बाई 180 सेमी के बराबर थी तथा हस्त नामक दूसरी इकाई 45 सेमी कोहनी से नीचे हाथ की लम्बाई के बराबर थी.
- जहाँ नगर में चार दण्ड चौड़ा रथ्या नामक मार्ग होता था, वहीं राजमार्ग, द्रोणमुख, स्थानीय, राष्ट्र, चरागाह, संवानीय (व्यापारिक मण्डी), सैनिक छावनियों, श्मशान एवं गाँवों की ओर जाने वाली सड़कों की चौड़ाई आठ दण्ड निर्धारित की गई है.
- जलाशयों तथा जंगलों की ओर जाने वाले मार्ग चार दण्ड, हाथियों के आने-जाने का मार्ग तथा खेतों की ओर जाने वाले मार्ग दो दण्ड चौड़े हों.
- नगर के सबसे उपयुक्त मध्यवर्ती भाग में राजभवनों का निर्माण किया जाता था.
- वास्तुहृदय (गृह भूमि) के उत्तर की ओर नगर के कुल क्षेत्रफल के नवें भाग में अन्तःपुर (राजमहल) का

sscexamonline.blogspot.com

निर्माण किया जाता था, जिसका प्रवेश-द्वार सुविधानुसार पूर्व अथवा उत्तर में बनाया जाता था. (प्राङ्मुखमुदङ्मुख वा कारयेत्).

- राजा का अन्तःपुर अनेक सुसज्जित कक्षों से युक्त विशाल महल था, जिसके चारों ओर गहरी परिखा (खाई) और सुदृढ़ प्राचीर होती थी.
- राजा के महल की दीवालों में अनेक गुप्त द्वार होते थे, भूमिगत भवन थे, सुरंगें थीं.
- सम्पूर्ण महल इस प्रकार से बनाया जाता था कि आवश्यकता पड़ने पर उसको इधर-उधर हटाया जा सके अथवा ऊपर-नीचे किया जा सके.
- राजा का शयनागार इस प्रकार से निर्मित किया जाता था कि न तो वहाँ अग्नि का कुछ भय था, न ही विषधर सर्पों का प्रवेश संभव था.
- राजमहल के पीछे कक्ष्या विभाग में रनिवास, उसके समीप ही राजपरिवार की प्रसूता, बीमार तथा असाध्य रोगिणी स्त्रियों के लिए अलग-अलग तीन आवास होते थे.
- राजमहल के आगे हरी-भरी घास और फूलदार वृक्षों से युक्त उपवन होते थे.
- अन्तःपुर (राजमहल) के पूर्वोत्तर भाग में आचार्य, पुरोहित, मन्त्रियों तथा अन्य विशिष्टजनों के आवास होते थे. यज्ञशाला एवं जलाशय भी इसी भाग में स्थित होते थे.
- अन्तःपुर के पूर्व-दक्षिण भाग में महानस (रसोईघर), हस्तिशाला और कोष्ठागार बनाए जाते थे.
- पूर्व दिशा में इत्र, घी, तेल, पुष्पहार, अन्न आदि की दुकानें (पण्य), प्रधान-शिल्पियों एवं क्षत्रियों के भवन स्थित होते थे.
- दक्षिण-पूर्वभाग में भाण्डागार, अक्षपटल और सोने-चाँदी की दुकानें स्थित होती थीं.
- दक्षिण-पश्चिम दिशा में अन्नागार (कुप्यगृह) तथा आयुधागार होते थे.
- दक्षिण दिशा में नगराध्यक्ष, धान्याध्यक्ष, व्यावहारिक, कर्मान्तिक (खदानों तथा कारखानों के अध्यक्ष), सेनाध्यक्ष के भवन, भोजनालय, शराब एवं मांस की दुकानें बनाई जाती थीं. यहीं पर वारांगनाओं (रूपाजीवा) तथा वैश्यों की हवेलियाँ होती थीं.
- पश्चिम-दक्षिण भाग में गधों तथा ऊँटों के तबेले (गुप्तस्थान) होते थे.
- नगर के पश्चिमोत्तर भाग में यान रथशालाएं होती थीं.
- पश्चिम दिशा में ऊन, सूत, बाँस और चमड़े का काम करने वाले, शस्त्र एवं उनके म्यान बनाने वाले शिल्पियों तथा शूद्रों को रहने की अनुमति थी.
- उत्तर-पश्चिम भाग में बाजार तथा औषधालय (पण्य भैषज्य गृहम्) होते थे.
- उत्तर-पूर्व भाग में कोषगृह, गाय-बैल तथा घोड़ों के लिए स्थान बनवाए जाते थे.
- उत्तर दिशा में लोहार, मणिहार, ब्राह्मणों के भवन तथा नगरदेवता एवं कुलदेवता के मन्दिर होते थे.
- नगर के उपान्त पर (वास्तुच्छिद्रानुला-संधु) जहाँ खाली जगह छूटी हो, वहाँ पर धोबी, दर्जी, चुलाहे और विदेशी व्यापारियों को बसाया जाता था.
- अपराजित, अप्रतिहत, जयन्त, वैजयन्त, शिव, वैश्रवण, श्री, मदिरा आदि देवताओं एवं देवियों के कोष्ठागार तथा मन्दिर नगर के मध्य में होते थे.
- प्रत्येक दिशा के मुख्य द्वार पर दिक्पालों की स्थापना की जाती थी—उत्तर में ब्रह्मा, पूर्व में इन्द्र, दक्षिण में यम और पश्चिम में सेनापति स्कन्द-कार्तिकेय.
- नगर से बाहर परिखा से सौ धनुष की दूरी पर चैत्य, पुण्य स्थान बनाकर तथा उपवन लगाकर नगर की सीमा का निर्धारण किया जाता था.
- नगर के उत्तर अथवा पूर्व दिशा में सामान्यतः श्मशान होता था. आवश्यकतानुसार दक्षिण दिशा में भी श्मशान हो सकता था. चण्डालों का निवास स्थान श्मशान के समीप बनाया जाता था.
- जनपद की सीमाओं पर चारों दिशाओं में चार प्रकार के दुर्गों का निर्माण कराया जाता था—औदक, पार्वत, धान्वन एवं वन दुर्ग.
- चारों ओर पानी से घिरा हुआ द्वीप अथवा पानी से घिरे हुए स्थल प्रदेश में स्थित किला 'औदक दुर्ग', बड़ी-बड़ी अथवा पर्वत की कन्दराओं पर निर्मित दुर्ग 'पार्वत दुर्ग', जल तथा घास आदि से रहित अथवा मरुस्थल में निर्मित दुर्ग, 'धान्वन दुर्ग' एवं चारों ओर से दलदल से घिरा हुआ अथवा कँटीले सघन झाड़ियों से परिवृत दुर्ग 'वन दुर्ग' कहलाता था.
- औदक तथा पार्वत दुर्ग आपत्तिकाल में जनपद की रक्षा के लिए उपयोग में लाए जाते थे.
- धान्वन एवं वन दुर्ग अटवीस्थान पर होते थे जहाँ आपत्तिकाल में राजा शरण ले सकते थे.
- नगर तथा गाँव के आवासीय भवन ईंट, पत्थर, काष्ठ तथा मिट्टी के बनाए जाते थे तथा प्रत्येक घर के चारों कोनों पर लोहे की कीलें (कर्ण कील) गाड़कर घर की सीमा (सेतु) निर्धारित कर दी जाती थी.
- साधारणतः छज्जे एवं ओसार वाले मकानों के बीच में तीन पद का फासला (दूरी) रखा जाता था.
- कौटिल्य ने घरों का निर्माण एक-दूसरे से सटाकर करने का उल्लेख किया है. दो मकानों की छतों में चार अंगुल का अन्तर रखने अथवा आपस में मिलाकर बनाने का विधान मिलता है.
- घरों में रोशनी आने के लिए खिड़की के ऊपर रोशनदान (वातायन) बनाए जाते थे.
- दस दिन के लिए बनाए जाने वाले सूतिकागृह को छोड़कर, शेष सभी मकानों में शौचालय (अवस्कर), नाली (प्रणाली) तथा कुआँ होता था.
- उत्सवों के समय कुल्ले का पानी बाहर निकालने के लिए नालियों (उदक मार्ग) तथा परनाली (प्रस्रवणप्रपात) की व्यवस्था प्रत्येक मकान में होती थी.
- प्रत्येक मकान (घर) में पाकशाला एवं भोजनशाला होती थी तथा बीच में आँगन होता था.
- घर एक मंजिले तथा बहुमंजिले होते थे. बहुमंजिले मकानों की ऊपर की मंजिल में जाने के लिए जीना अथवा सीढ़ी (सोपान) होती थीं.
- घर के बाहर एक तरफ चार खम्भों से युक्त एक यज्ञशाला होती थी, जिसमें पानी बाहर निकालने के लिए गहरी नाली होती थी.
- यज्ञशाला के दूसरी ओर आटा पीसने की चक्की (रोचनी) और अनाज कूटने के लिए ओखली (कुट्टनी) बनाई जाती थी.
- घर के भीतरी कमरों तथा आँगन को छोड़कर, अग्निशाला (यज्ञशाला), कुट्टनशाला (ओखली) तथा सभी खुले स्थानों का सभी लोग उपयोग कर सकते थे.
- साहित्यिक, अभिलेखीय तथा पुरातात्विक साक्ष्यों से मौर्यकाल के प्रमुख नगरों के विषय में जानकारी प्राप्त होती है.
- पाटलिपुत्र नगर के विषय में मेगस्थनीज नामक यूनानी राजदूत द्वारा लिखित 'इण्डिका' नामक पुस्तक के उपलब्ध उद्धरणों से सूचना मिलती है.
- पाटलिपुत्र, तक्षशिला, उज्जयिनी, कौशाम्बी, तोसली, समापा, सुवर्णगिरि

sscexamonline.blogspot.com

तथा इसिला नामक नगरों का उल्लेख अशोक के अभिलेखों में भी प्रसंगानुसार आया है.

- मौर्यकाल में नगरों में भवनों का निर्माण पकी हुई ईंटों से होने लगा था.
- ईंटों से निर्मित भवनों के अवशेष, तक्षशिला, अहिच्छत्र, हस्तिनापुर, अतरंजीखेड़ा, मथुरा, कौशाम्बी, शृंगवेरपुर, भीटा, राजघाट (वाराणसी), श्रावस्ती, वैशाली, राजगृह, चम्पा के उत्खनन से ज्ञात हुए हैं.
- काष्ठ-निर्मित मौर्यकाल के भवनों के अवशेष पाटलिपुत्र के उत्खनन से मिले हैं.
- मेगस्थनीज ने पालिबोथा (पाटलिपुत्र) नगर का विस्तृत वर्णन किया है. उसने इस नगर को गंगा तथा शोन नदी के संगम पर स्थित बतलाया है.
- पाटलिपुत्र नगर 15 किमी (80 स्टेडिया) लम्बा और लगभग 1·50 किमी (15 स्टेडिया) चौड़ा था. इसके चारों ओर 90 मीटर चौड़ी तथा 9 मीटर गहरी खाई थी. इसके चारों ओर एक ऊँची रक्षा-प्राचीर थी, जिसमें 570 बुर्ज और 64 दरवाजे थे.
- पाटलिपुत्र में चन्द्रगुप्त मौर्य (सैण्ड्रो-कोटस) का राजमहल था.
- प्राचीन यूनानी इतिहासकारों के अनुसार यह अत्यन्त भव्य और रमणीक था. ईरान के सूसा और एकबेटना के महल उसके सामने नगण्य थे.
- पाटलिपुत्र के राजमहल के पॉलिशदार स्तम्भों को सुनहरी लताओं और चाँदी के पक्षियों से सजाया गया था.
- राजमहल के चारों ओर सुन्दर उद्यान और जलचरों से युक्त सरोवर थे.
- राजमहल काष्ठ-निर्मित था. फाह्यान ने भी इस राजमहल की प्रशंसा की है. इससे ऐसा लगता है कि 700 वर्ष बाद भी इसने अपनी भव्यता नहीं खोई थी.
- संभवतः कालान्तर में पाटलिपुत्र का यह राजमहल आग में जलकर भस्म हो गया.
- पटना के कुम्हरार नामक स्थान पर सन् 1921-16 ई. में डी. बी. स्पूनर (D.B. Spooner) और ए. एल. वेडेल (A. L. Waddel) द्वारा की गई खुदाइयों से पाटलिपुत्र के विषय में मेगस्थनीज के शब्दों की पुष्टि हुई है.
- उत्खनन के फलस्वरूप पाटलिपुत्र की लकड़ी की दीवाल एवं स्तम्भों के अवशेष प्राप्त हुए.
- उत्खनन में पत्थर के 80 स्तम्भों के आधारभूत हिस्से मिले हैं. ये स्तम्भ 8 पंक्तियों में थे तथा प्रत्येक पंक्ति में 10 स्तम्भ थे. दो स्तम्भों के बीच की दूरी 4·50 मीटर है.
- इस राजमहल की फर्श एवं छत लकड़ी की बनी हुई थी. राजमहल के दक्षिण में लकड़ी के बने हुए सात चबूतरे अथवा मंच (Wooden Platforms) मिले हैं.
- सन् 1926-27 ई. में पटना के बुलन्दी बाग नामक स्थान पर काष्ठ-निर्मित दीवाल एवं खण्डित काष्ठ स्तम्भ मिले थे. यहाँ फर्श पर जो पटरे (Planks) बिछे हुए मिले थे, उनमें से प्रत्येक 4·20 मीटर लम्बा था.
- बुलन्दी बाग के पूर्व में लगभग 1 किमी की दूरी पर स्थित गोलाई खण्ड नामक स्थान से भी लकड़ी के इसी प्रकार के अवशेष आकस्मिक ढंग से प्रकाश में आए थे. इनमें अन्तर केवल इतना था कि फर्श पर लकड़ी के पटरे नहीं बिछे हुए थे.
- सन् 1951 से 1955 ई. के बीच में के. पी. जायसवाल शोध संस्थान की ओर से प्रोफेसर ए. एस. अल्तेकर एवं विजयकान्त मिश्र के नेतृत्व में कुम्हरार का पुनः उत्खनन कराया गया.
- इस उत्खनन से ज्ञात हुआ कि अग्नि काण्ड के पश्चात् द्वितीय शताब्दी ई. पू. में पत्थर के स्तम्भों और लकड़ी के बचे हुए ठूँठ (Stumps) हटा दिए गए थे.
- यहाँ से प्राप्त मिट्टी की एक राजमुद्रांक (Clay sealing) से यह ज्ञात होता है कि इनमें से एक भवन का नाम 'आरोग्य विहार' था.
- सन् 1955-56 ई. में पटना विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग ने प्रोफेसर बी. पी. सिन्हा के निर्देशन में पटना शहर के चार विभिन्न स्थानों पर उत्खनन कराया, जिसके फलस्वरूप तीन सांस्कृतिक कालों से सम्बन्धित पुरावशेष प्राप्त हुए हैं–
  - प्रथम सांस्कृतिक काल का काल-क्रम 600 ई. पू. से 150 ई. पू.
  - द्वितीय सांस्कृतिक काल का काल-क्रम 150 ई. पू. से 500 ई.,
  - तृतीय सांस्कृतिक काल का काल-क्रम 700 ई. और उसके बाद
- प्रथम सांस्कृतिक काल से प्राप्त पुरावशेष पाटलिपुत्र की प्राचीन वास्तुकला पर प्रकाश डालते हैं.
- मौर्यकाल में सड़कों के निर्माण के साथ-ही-साथ उनके किनारे पर यात्रियों तथा सार्थों को आवास, परिवहन आदि के साधन सुलभ कराने का भरसक प्रयास किया गया.
- अशोक ने सड़कों के किनारे मनुष्यों तथा पशुओं को छाया प्रदान करने वाले बरगद के वृक्ष और आम्रकुंज लगवाए थे. पेयजल की व्यवस्था के लिए आधे कोस (एक किमी) पर कुएँ खुदवाए और विश्राम-भवनों का निर्माण कराया था.
- मौर्यकाल के नगरों तथा ग्रामों में किस प्रकार के भवन होते थे, इसका अनुमान द्वितीय-प्रथम शताब्दी ई. पू. के भरहुत और साँची के स्तूपों की प्रस्तर उद्भृतियों में बनी भवनों की आकृतियों को देखकर लगाया जा सकता है.
- साँची के स्तूप संख्या 1 के दक्षिणी द्वार के रिलीफ चित्रों में कपिलवस्तु और कुशीनगर की नगर-बस्तियाँ अंकित हैं.
- नगर सीढ़ीनुमा कँगूरों से युक्त ऊँचे प्राचीरों से घिरे हुए दिखलाए गए हैं, जिनके कोनों पर विशाल अट्टालक (Towers) बने हुए हैं.
- अर्थशास्त्र में आवासीय भवनों को सड़क से, यातायात से दूर रखने की बात भी कही गई है. यदि आवास-गृह भारी यातायात वाले मार्गों पर होते हैं, तो निवासियों की सम्पन्नता का ह्रास हो सकता है.
- नगरों में सड़कों तथा गलियों का निर्माण भी किया जाता था. राजधानी– नगरों में मुख्य मार्ग राजपथ कहलाता था.

स्तूप

- बुद्ध के महापरिनिर्वाण के पश्चात् उनकी भस्मीभूत अवशिष्ट अस्थियों के अंश के ऊपर मगध के शासक अजातशत्रु, वैशाली के लिच्छवी, कपिलवस्तु के शाक्य, अलकप्प के बुलिय, रामगाम के कोलिय, वेदपीठ के एक ब्राह्मण, पावा के मल्ल तथा कुशीनगर के मल्ल इन आठ लोगों ने अपने-अपने भाग पर एक-एक स्तूप का निर्माण कराया था.
- पिप्पलिवन के मौर्यों को अंगारों (Embers) से ही सन्तोष करना पड़ा, जिसके ऊपर उन्होंने एक स्तूप का निर्माण कराया.
- द्रोण नामक ब्राह्मण ने उस अस्थि कलश (Urn) के ऊपर एक स्तूप का निर्माण कराया, जिसमें बुद्ध की अस्थियाँ चिता से इकट्ठी करके रखी गई थीं और निकाल-निकाल कर बाँटी गयी थीं.

sscexamonline.blogspot.com

- बौद्ध परम्परा के अनुसार अशोक ने प्राचीन स्तूपों से बुद्ध की 'शरीर धातु' (भस्म) को निकलवाकर उसके ऊपर 84,000 स्तूपों का निर्माण कराया था.
- सातवीं शताब्दी ईसवी में भारत की यात्रा पर आने वाले चीनी यात्री ह्वेनसांग के अनुसार तक्षशिला, श्रीनगर, थानेश्वर, मथुरा, कन्नौज, कौशाम्बी, अयोध्या, श्रावस्ती, कपिलवस्तु, कुशीनगर, वाराणसी, वैशाली और गया आदि भारत के विभिन्न नगरों में अशोक के द्वारा निर्मित स्तूप उसने देखे थे.
- सारनाथ का धर्मराजिका स्तूप तथा भरहुत, साँची एवं बोधगया के स्तूप मूलतः अशोक द्वारा बनवाए गए माने जाते हैं, जिनके आकार को बाद में ईंटों और पत्थरों से ढकवा कर परवर्ती शासकों ने नया स्वरूप प्रदान किया.
- सारनाथ के स्तूप की समुची वेदिका (Railing) एक ही पत्थर की शिला को तराश कर बनाई गयी थी.

शैलाश्रय

- भारत में शैलकृत गुफाओं का निर्माण तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में मौर्यकाल में बिहार प्रान्त के गया जिले से लगभग 24 किमी उत्तर दिशा में बाराबार और नागार्जुनी पहाड़ी की चट्टानों को काटकर प्रथम बार किया गया.
- बाराबार की पहाड़ी में चार और नागार्जुनी की पहाड़ी में तीन गुफाएं हैं.
- बाराबार पहाड़ी पर स्थित चार में से तीन गुफाओं में अशोक के छोटे-छोटे लेख अंकित हैं, जिनसे विदित है कि दो गुफाएं अशोक द्वारा अपने शासन के 12वें वर्ष और तीसरी गुफा शासन के 19वें वर्ष में आजीविक सम्प्रदाय के भिक्षुओं को प्रदान की गई थी.
- बाराबार की चौथी गुफा में छठवीं शताब्दी ईसवी के मौखरी शासक अनन्त वर्मा का लेख अंकित है.
- नागार्जुनी पहाड़ी (बाराबार से लगभग 1-5 किमी) पर तीन गुफाएं हैं, उनमें अशोक के पौत्र देवानांप्रिय दशरथ के अभिलेख अंकित हैं. ये सभी गुफाएं भी आजीविक सम्प्रदाय के भिक्षुओं को समर्पित की गई थीं.
- बाराबार पहाड़ी की सुदामा गुफा को सबसे प्राचीन माना जाता है. इसमें दो कक्ष बनाए गए थे. इसका प्रधान कक्ष वृत्ताकार तथा उपकक्ष आयताकार है तथा छत्र ढन्नुवाँ अथवा गजपृष्ठाकृति है.
- 'लोमस ऋषि' की गुफा में भारतीय काष्ठ-कला को पत्थर में तराशकर उतारा गया है. इसमें मौर्यकाल का कोई लेख नहीं है. इसमें भी दो कक्ष हैं. एक आयताकार तो दूसरा कक्ष सुदामा गुफा की कोठरी की तरह वृत्ताकार न होकर अण्डाकार है.
- लोमस ऋषि की गुफा के प्रवेश-द्वार के दोनों पार्श्वों पर अर्द्धचन्द्राकार तोरण मिलते हैं. प्रवेश द्वार के ऊपर एक खिड़की बनी है, जिसे 'चैत्य-गवाक्ष' कहा जाता है.
- नागार्जुनी पहाड़ी की दो गुफाएं तो छोटी-छोटी हैं, किन्तु तीसरी, जिसे स्थानीय लोग 'गोपी की गुफा' कहते हैं, कुछ बड़ी है.
- समस्त गुफाओं पर मौर्यकाल की विशिष्ट पॉलिश मिलती है.

प्रस्तर स्तम्भ

- मौर्य वास्तुकला की सबसे भव्य और सुन्दर कृतियाँ अशोक (272–232 ई.पू.) के पाषाण-स्तम्भ हैं, जिनको उसने अपने अभिलेखों में धर्म स्तम्भ (धम थंभ) कहा है.
- रूपनाथ (जिला कटनी, मध्य प्रदेश) तथा सासाराम (जिला रोहतास, बिहार) जैसे लघु शिलालेखों और दिल्ली-टोपरा सप्त स्तम्भ लेख के आन्तरिक साक्ष्यों से यह इंगित है कि अशोक ने जब अपनी धर्मलिपि लिखाने का निश्चय किया, तो उस समय तक कतिपय स्तम्भ पहले से ही खड़े किए जा चुके थे.
- अधिकांश धर्म स्तम्भ अशोक ने स्वयं ही खड़े करवाए थे.
- अशोक के स्तम्भों की संख्या 30 बतलाई जाती है. इनमें से अनेक नष्ट हो गए हैं.
- अशोक के कुल 15 स्तम्भ किसी-न-किसी रूप में उपलब्ध हो चुके हैं. इनमें से 10 में अभिलेख उत्कीर्ण है तथा शेष लेख रहित हैं.
- दिल्ली-मेरठ, इलाहाबाद-कोसम (कौशाम्बी), लौरिया-अराराज, लौरिया-नन्दनगढ़ (दोनों जिला चम्पारन, बिहार) रमपुरवा (जिला चम्पारन, बिहार) के स्तम्भों पर प्रथम से लेकर षष्ठ स्तम्भ अभिलेख अंकित हैं.
- सातों स्तम्भ लेख केवल दिल्ली-टोपरा में ही मिलते हैं.
- सारनाथ (जिला वाराणसी, उ. प्र.), साँची (जिला रायसेन, म. प्र.) तथा नेपाल की तराई में स्थित लुम्बिनी और निग्लीवा के स्तम्भों पर लघु स्तम्भ लेख उत्कीर्ण हैं.
- कौशाम्बी (जिला इलाहाबाद, उ. प्र.), संकिसा (जिला फर्रुखाबाद, उ. प्र.), रमपुरवा बसाढ़-बखिरा (जिला वैशाली, बिहार) और सलीमपुर (जिला मुजफ्फरपुर, बिहार) के स्तम्भों पर अभिलेख अंकित नहीं हैं.
- मेरठ और टोपरा वाले दोनों स्तम्भ फिरोजशाह तुगलक (1351–1388 ई.) के द्वारा दिल्ली लाए गए थे.
- टोपरा वाला अशोक का स्तम्भ दिल्ली दरवाजा के बाहर फिरोजशाह के तिमंजिले कोटले में खड़ा किया गया था. वर्तमान में वह वहीं स्थित है.
- गंगा-यमुना के संगम के पास स्थित इलाहाबाद के किले के अन्दर अशोक का जो स्तम्भ स्थापित है, वह प्रारम्भ में प्राचीन कौशाम्बी नामक नगर में स्थापित किया था.
- स्तम्भों में लौरिया-नन्दनगढ़ और बसाढ़-बखिरा के एक सिंहमण्डित शीर्ष अपनी-अपनी जगह पर सुरक्षित हैं.
- संकिसा (हाथी-शीर्ष), सारनाथ, साँची तथा रमपुरवा के दोनों स्तम्भों के शीर्ष कुछ-न-कुछ टूटे-फूटे रूपों में मिले हैं.
- लौरिया-नन्दनगढ़, बसाढ़-बखिरा और रमपुरवा के लेखयुक्त स्तम्भ के शीर्ष पर एक-एक सिंह पंजों के बल बैठे हुए हैं.
- संकिसा के स्तम्भ के शीर्ष पर एक हाथी और रमपुरवा के लेख रहित स्तम्भ के शीर्ष पर एक साँड़ खड़ी हुई मुद्रा में थे.
- सारनाथ और साँची के स्तम्भों के शीर्ष पर चार सिंह पीठ-से-पीठ सटाए हुए पंजों के बल बैठे हुए हैं.
- बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के सलीमपुर नामक गाँव से स्तम्भ के शीर्ष का जो खण्ड मिला है, उसमें पीठ-से-पीठ सटाए चार साँड़ बैठे हुए हैं.
- अशोक के गोलाकार प्रस्तर स्तम्भ लम्बे, सुडौल, चिकने एवं एकाश्मक (Monolithic) हैं.
- प्रस्तर स्तम्भ नीचे की ओर मोटे और ऊपर की ओर क्रमशः पतले होते जाते हैं. इनमें कुछ स्तम्भों की लम्बाई 12 मीटर और वजन लगभग 50 टन है.
- अशोक के स्तम्भों के मुख्य हिस्से निम्नवत् हैं–(1) स्तम्भ-यष्टि (Shaft), (2) स्तम्भ-यष्टि की चोटी पर स्थापित घण्टाकृति (Capital), (3) स्तम्भ पट्टिका (Abacus), (4) स्तम्भ के ऊपर मूर्त पशु-आकृति (Crowing Animal).
- एकाश्मक स्तम्भ के शिखर पर बड़े आकार की घण्टी मिलती है, कील से

sscexamonline.blogspot.com

स्तम्भ यष्टि के शीर्ष भाग पर स्थापित घण्टाकृति को जोड़ा जाता था.

- घण्टाकृति के ऊपर पत्थर की एक पट्टिका बनाई जाती थी. प्रारम्भिक पट्टियाँ चौकोर और अनलंकृत हैं, परवर्ती पट्टियाँ गोलाकार एवं अलंकृत हैं.
- स्तम्भ को मण्डित करने वाली मूर्त पशु आकृतियाँ खड़ी तथा बैठी दोनों ही मुद्राओं में मिलती हैं.
- पाषाण स्तम्भ अच्छी किस्म के बलुआ पत्थर (Sand Stone) के बने हुए हैं. अनुमान यह विश्वास किया जाता है कि उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में स्थित चुनार की खदानों से प्राप्त बलुआ पत्थर से अशोक के स्तम्भों का निर्माण किया गया है.
- जॉन इरविन के अनुसार, उन्होंने अशोक के स्तम्भों को रासायनिक एवं खनिज तत्वों के विश्लेषण के आधार पर अलग-अलग स्थानों पर स्थित खदानों से प्राप्त पत्थरों से निर्मित बताया है.
- अशोक के प्रस्तर स्तम्भों के निर्माण में क्रमिक विकास परिलक्षित होता है.
- रुम्मिनदेई के स्तम्भ की स्थापना अशोक के शासनकाल के 20वें वर्ष में हुई.
- रमपुरवा का स्तम्भ उसके शासन के 24वें वर्ष में खड़ा किया गया था.
- लौरिया-नन्दनगढ़ का स्तम्भ रमपुरवा स्तम्भ के 1 वर्ष बाद अर्थात् 25वें वर्ष में स्थापित किया गया. इस पर छः स्तम्भ लेख उत्कीर्ण हैं.
- सारनाथ का स्तम्भ उसकी कलात्मक उत्कृष्टता एवं इसमें अंकित अभिलेख के आधार पर अधिकतर विद्वान् इसे अशोक के शासन के अन्तिम वर्षों में स्थापित किया गया मानते हैं.
- सिंह शीर्ष वाले बसाढ़-बखिरा के स्तम्भ की यष्टि अन्य स्तम्भों की तुलना में भारी और छोटी है. इसकी पट्टिका भी अनलंकृत है. सिंह की आकृति की रचना में भी परिष्कार का अभाव है.
- संकिसा स्तम्भ भी बसाढ़-बखिरा स्तम्भ की श्रेणी का है, परन्तु इसकी पट्टिका चौकोर के स्थान पर गोल है.
- रमपुरवा स्तम्भ के साँड़ का अत्यन्त स्वाभाविक अंकन किया गया है. पट्टी पर लता-पुष्प का अलंकरण भी मिलता है, जो अपरिष्कृत है.
- लौरिया-नन्दनगढ़ के सिंह, उसकी पट्टिका एवं स्तम्भ-यष्टि के संयोजन में भी कलाकार आंशिक रूप में ही सफल हो पाया है.
- साँची तथा सारनाथ के चार-चार सिंह शीर्षों वाले स्तम्भों में मौर्य पाषाण स्तम्भ कला अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँच गई थी.
- जॉन मार्शल, पर्सी ब्राउन, स्टेला क्रेमिश तथा बेंजामिन रोला आदि विद्वानों ने मौर्य वास्तुकला पर विदेशी प्रभाव स्वीकार किया है.
- जॉन मार्शल, पर्सी ब्राउन, स्टेला क्रेमिश ईरानी (हखामनी) कला का प्रभाव बतलाते हैं.
- बेंजामिन रोला पश्चिम एशियायी मेसोपोटामिया की कला का प्रभाव खोजते हैं.
- भारतीय विद्वानों ने काष्ठ कला के आदर्शों के आधार पर मौर्य वास्तुकला एवं पाषाण स्तम्भों का निर्माण माना है. यहाँ वैदिककाल से ही लकड़ी के 'यूप' (स्तम्भ) बनाने की परम्परा विद्यमान थी.
- रुम्मिनदेई तथा सारनाथ के स्तम्भ क्रमशः गौतम बुद्ध के जन्म तथा धर्म चक्र प्रवर्तन के द्योतक हैं.
- सिंह, हाथी, वृषभ आदि पशु आकृतियाँ बुद्ध एवं वैदिक परम्परा के दिग्पालों के प्रतीक हैं.
- मौर्यकाल से पूर्व उत्तरी काली चमकीली पात्र परम्परा (Northern Black Polished Ware) के निर्माता अत्यन्त चमकदार मिट्टी के बर्तन बनाने के तकनीकी कौशल से भली-भाँति परिचित थे.

तक्षण कला

- मौर्य तक्षण कला के अन्तर्गत अशोक के पाषाण-स्तम्भों के शीर्ष को मंडित करने वाली पशुओं की मूर्त आकृतियों को सम्मिलित किया जा सकता है.
- कला अभिप्रायों में बटी हुई रस्सी की डिजाइन (Twisted rope design), मणिमाला की डिजाइन (Bead-reel cable design), कँटीली पत्ती (Acanthus Leaf) और खजूर की पत्ती की तरह की डिजाइन (Palmette) तथा मधुमेल उल्लेखनीय हैं.
- इस कला का उपयोग स्तम्भ शीर्ष की पशु-आकृति के नीचे की पट्टी को अलंकृत करने के लिए किया गया है.
- मिट्टी की मूर्तियाँ, मनके तथा उत्तरी काली चमकीली पात्र-परम्परा मौर्य कला के विषय में प्रकाश डालती हैं.
- अशोक के स्तम्भ शीर्षों पर उपलब्ध पशु आकृतियाँ मूर्तिकला के अनोखे उदाहरण हैं.
- बसाढ़-बखिरा, लौरिया-नन्दनगढ़, संकिसा, रमपुरवा, साँची तथा सारनाथ के स्तम्भ शीर्ष की पशु आकृतियाँ उपलब्ध हैं.
- गया जिले की बाराबार पहाड़ी की लोमश ऋषि की गुफा के प्रवेश-द्वार के ऊपर अंकित हाथियों की आकृतियाँ भी मौर्यकाल की तक्षण कला के महत्वपूर्ण उदाहरण हैं.
- अशोक के स्तम्भों के शीर्ष पर सिंह, गज, वृषभ एवं अश्व आदि की मूर्तियाँ अकेले अथवा चार-चार के समूह में बनी हुई मिली हैं.
- बसाढ़-बखिरा के स्तम्भ के शीर्ष पर बनी हुई सिंह की अपेक्षाकृत अपरिष्कृत आकृति एवं अस्थिर मुद्रा के आधार पर इसको कलाविदों ने मूर्ति कला की प्रारम्भिक अवस्था का द्योतक माना है.
- संकिसा के हाथी-शीर्ष को बसाढ़-बखिरा के बाद रखा गया है. इसकी शीर्ष-पट्टिका चौकोर के स्थान पर गोलाकार एवं पत्र, पुष्प आदि से अलंकृत है.
- उड़ीसा (वर्तमान में ओडिशा) के पुरी जिले में अशोक के शासन के 11वें वर्ष में उत्कीर्ण धौली के शिलालेख के समीप चट्टान को तराश कर हाथी के अग्रभाग को बनाया गया है. यह मूर्ति अपनी विशालता एवं ओजस्विता के लिए प्रसिद्ध है.
- उत्तराखण्ड के देहरादून जिले में स्थित कालसी के शिलालेख के पास चट्टान में एक हाथी की मूर्ति उत्कीर्ण है, जिसके नीचे ब्राह्मी अक्षरों में गजतमे (गजोत्तमः) अर्थात् श्रेष्ठ हाथी यह लेख खुदा हुआ है.
- रमपुरवा के स्तम्भ शीर्ष पर बनी साँड़ की मूर्ति को कलात्मक दृष्टि से संकिसा के हाथी के बाद रख सकते हैं. आजकल यह मूर्ति राष्ट्रपति भवन में रखी हुई है.
- लौरिया-नन्दनगढ़ के स्तम्भ शीर्ष पर स्थित एकाकी शीर्ष की मूर्ति को कलाविदों ने रमपुरवा के बाद स्थान दिया है. लहराते अयाल, पीन वक्ष, क्षीण कटि आदि सिंह के स्वाभाविक गुणों का सुन्दर निरूपण किया गया है.
- रमपुरवा से जो दूसरा स्तम्भ मिला है उसका शीर्ष सिंह-मंडित है. हंसों की पंक्ति से युक्त वृत्ताकार चौकी पर पंजों के बल बैठे हुए पूर्ण स्वाभाविक एवं गतिशील मुद्रा में सिंह की मांस-पेशियाँ एवं पुट्ठों का निरूपण अत्यन्त कुशलता के साथ किया गया है.

sscexamonline.blogspot.com

- साँची और सारनाथ के पाषाण-स्तम्भों के शीर्ष पर पीठ-से-पीठ सटाए हुए चार-चार सिंहों का निर्माण मूर्तिकला में विविधता उत्पन्न करने की दृष्टि से किया गया है.
- साँची में दाना चुगते हंस मिथुन एवं मधुबेल के अलंकरण-अभिप्राय को दोहराया गया है.
- सारनाथ के पाषाण स्तम्भ की शीर्ष चौकी पर बनी हुई चार सिंह आकृतियाँ अपने कलात्मक लालित्य के लिए विश्वविख्यात हैं.
- सारनाथ के पीठ-से-पीठ सटाकर बैठे हुए सिंह कलात्मक सौन्दर्य तथा भाव-अभिव्यक्ति की दृष्टि से उल्लेखनीय है.
- सारनाथ के चारों सिंहों के शरीर के सभी अंगों के प्रदर्शन में पूर्ण सामंजस्य है.
- मूर्तिकला की तकनीक का पूर्ण विकसित रूप सारनाथ की सिंह मूर्तियों में दृष्टिगोचर होता है, किन्तु सिंहों की छवि आडम्बरपूर्ण तथा रूढ़िबद्ध है.
- सारनाथ के बलशाली सिंहों की शिराएं उभरी हुई तथा मांसपेशियाँ खिंची हुई हैं. अयालों का अंकन सजीव न होकर अलंकारिक है.
- सारनाथ के सिंहों के मुँह फाड़ने तथा मुँछों के ऐंठने का ढंग भी रूढ़िगत है.
- सारनाथ के सिंहों के नीचे की वृत्ताकार चौकी में सरपट दौड़ता घोड़ा, मुदित गयेन्द, मदमस्त गज और विक्रान्त सिंह उत्कीर्ण हैं.
- वृत्ताकार चौकी में दो पशुओं के बीच में 24 आरे वाला एक चक्र बना हुआ है. इस प्रकार चार पशु तथा चार चक्र चौकी की सजावट के लिए बनाए गए हैं.
- भारत सरकार ने अशोक के चार सिंहों वाले सारनाथ के स्तम्भ-शीर्ष को राजचिह्न के रूप में ग्रहण किया है. यह स्तम्भ शीर्ष सारनाथ संग्रहालय में सुरक्षित है.
- मौर्यकाल की मूर्ति कला पर भी विदेशी प्रभाव-विशेषकर ईरान की मूर्ति कला का प्रभाव कुछ विद्वान् मानते हैं. इस कला के विकास में हेलेनिस्टिक कला का भी योगदान माना जाता है.
- स्तम्भों के शीर्ष को मंडित करने वाले सिंहों की मूर्तियों के निर्माण में वैदेशिक प्रभाव विशेष रूप से परिलक्षित होता है.
- सिंहों की मूर्तियों की कल्पना, निर्माण शैली और तकनीक सभी नितान्त पंचीदी तथा परिष्कृत है.
- अशोक के साँची तथा सारनाथ के सिंहों के प्रतिमांकन, आकार और सौन्दर्यबोध में रूढ़िबद्धता दिखलाई पड़ती है. सम्भवतः इनके निर्माण की प्रेरणा का स्रोत कहीं विदेश में रहा होगा.
- धौली का हाथी, रमपुरवा का साँड और सम्भवतः संकिसा का हाथी भारत की स्थानीय शैली तथा परम्परा में दक्ष भारतीय कलाकारों की कृतियाँ हैं.
- अन्य सभी कृतियों का निर्माण वैदेशिक प्रेरणा से भारतीय मूर्तिकारों द्वारा किया गया हो, तो असम्भव नहीं है.

मिट्टी की मूर्तियाँ

- पशु-पक्षियों तथा जलचरों की मिट्टी की मूर्तियों के साथ स्त्री-पुरुषों की मूर्तियाँ भी उत्खनन से प्राप्त हुई हैं.
- अहिच्छत्र, मथुरा, हस्तिनापुर, अतरंजी-खेड़ा, कौशाम्बी, भीटा, झूँसी, शृंगवेरपुर, राजघाट, बुलन्दीबाग, कुम्हरार तथा अनेक स्थानों से मौर्यकाल की मिट्टी की मूर्तियाँ मिली हैं.
- हाथी, घोड़ा, बैल, कुत्ता, मेढ़ा तथा हिरण आदि पशुओं, कच्छप एवं सर्प आदि सरीसृपों और चिड़ियों की हस्त-निर्मित मूर्तियाँ मिली हैं.
- अधिकांश मूर्तियाँ लाल रंग की हैं, जिनके ऊपर गेरू के गाढ़े घोल का प्रलेप (slip) चढ़ाया हुआ मिलता है.
- इन मूर्तियों की आँखों को वृत्त के अन्दर छेद करके बनाया गया है तथा गहरे रेखांकन और छोटे-छोटे गोल ठप्पे लगाकर इनको अलंकृत किया गया है.
- मौर्यकाल की अधिकांश पशु मूर्तियाँ हाथ से बनी हुई हैं, किन्तु इस काल की कतिपय मानव-मृण्मूर्तियाँ साँचे में ढालकर बनाई गई हैं.
- स्त्री मृण्मूर्तियों ने बड़े-बड़े कर्णपटल, गोलाकार कर्णफूल, गले में कामदार भारी हारावली तथा भव्य शिरोवेशभूषा थिपकर्वी विधि (Applique Technique) से बनाई जाती थीं.
- अधिकांश मृण्मूर्तियों का उपयोग खिलौनों के रूप में होता रहा होगा. इनमें से अधिकांश के निर्माण के पीछे धार्मिक विश्वासों का होना बताया जाता है.

मनके

- गोमेद, रेखांकित करकेतन, तामड़ा पत्थर (Carnelian) तथा मिट्टी के बने हुए मनके मौर्यकाल के स्तरों से कौशाम्बी, झूँसी, शृंगवेरपुर, राजघाट, वैशाली, कुम्हरार, चम्पा आदि के उत्खनन से प्राप्त हुए हैं.
- षड्ज, पंचभुजाकार, बहुरत्न, वृत्ताकार तथा बेलनाकार मनके अधिक लोकप्रिय थे. इनके अतिरिक्त हड्डी तथा हाथी-दाँत के बने हुए मनके भी यदाकदा मिलते हैं.

मृदभाण्ड

- गंगा के मैदानी भाग में स्थित 'केन्द्रीय क्षेत्र' में उत्तरी काली चमकीली पात्र परम्परा का प्रचलन छठवीं शताब्दी ई. पू. में हो गया था, किन्तु उत्तर और पश्चिम के 'परिधीय क्षेत्र' में इसका चलन मौर्यकाल (324–185 ई. पू.) के दौरान हुआ.
- मौर्यकाल में भारत के पश्चिम में अफगानिस्तान के बेग्राम से लेकर पूर्व दिशा में बांग्लादेश के बानगढ़ तथा पहाड़पुर तक उत्तरी काली चमकीली पात्र परम्परा के मिट्टी के बर्तन मिले हैं.
- उत्तर में नेपाल की तराई में स्थित तिलौराकोट से लेकर दक्षिण-पश्चिम में नासिक तक इस प्रकार के बर्तनों का चलन था.
- इस काल में काले रंग के अतिरिक्त सुनहरे, रूपहले, गुलाबी, पिंगल, बादामी तथा गहरे भूरे रंग के पात्र मिलते हैं.
- उत्तरी काली चमकीली पात्र परम्परा के बर्तनों का निर्माण भली-भाँति तैयार की गई, अच्छी तरह गुँधी एवं मर्दित मिट्टी से सत्वर गति (तेज गति) के चाक पर किया जाता था.
- ये बर्तन अत्यन्त पतले तथा हल्के होते थे. इनमें धातु के बने हुए बर्तनों की तरह की सफाई (Finish) और खनक मिलती है.
- अभिजात्य वर्ग के व्यक्तियों के भोजनालयों में प्रयुक्त होने वाली इस पात्र-परम्परा में थालियाँ, कटोरे, हँडिया, कलश और दवात की तरह के ढक्कन मिलते हैं. मिट्टी के ये बर्तन कलात्मक दृष्टि से उल्लेखनीय हैं.
- इन बर्तनों में एक विशेष प्रकार की चमक मिलती है. अधिकांशतया इस पात्र परम्परा के बर्तन अनलंकृत और सादे मिलते हैं, परन्तु हस्तिनापुर, कौशाम्बी, श्रावस्ती तथा चम्पा आदि से चित्रण एवं अलंकरण से युक्त बर्तन भी मिले हैं.
- अलंकरण अभिप्रायों में धारियाँ, बिन्दु समूह, रेखाएं, वृत्त, अर्द्धवृत्त, लहरिया तथा छल्ले आदि संजोए हुए मिले हैं.
- भारतीय कला के विकास में मौर्य कला के योगदान के विषय में अधिकांश विद्वान् यह मानते हैं कि राजकीय मौर्य कला का कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ा, वह कला भारतीय कला के इतिहास

शेष पृष्ठ 1836 पर

sscexamonline.blogspot.com

भारतीय इतिहास एवं संस्कृति

1. शुंग राजवंश का संस्थापक कौन था ? – *पुष्यमित्र शुंग*
2. अनेकतावाद (Anekatavad) किस धर्म के सिद्धान्त तथा मनोविज्ञान (Theory and Philosophy) का मुख्य केन्द्र है ? – *जैनधर्म का*
3. दिल्ली के किस सुल्तान ने स्वयं को दूसरा सिकन्दर (सिकन्दर-इ-सानी) कहा ? – *अलाउद्दीन खिलजी ने*
4. 'शेख-उल-हिन्द' (Shaikh-ul-Hind) की पदवी किसको दी गई थी ? – *ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती को*
5. किसके शासनकाल में मुगलों तथा मेवाड़ के राना के बीच 'चित्तौड़ की सन्धि' हस्ताक्षरित हुई ? – *जहाँगीर के शासनकाल में*
6. 'अकबर ऑफ काश्मीर' किसे कहा गया है ? – *जैनुल आबेदीन (Zainul Abedin) को*
7. दिल्ली के किस सुल्तान ने कृषि के लिए एक अलग विभाग बनाया तथा 'फसलों का चक्रण' (Rotation of Crops) करने की योजना बनाई ? – *मोहम्मद बिन तुगलक ने*
8. कुत्ते तथा मनुष्य के एक साथ कंकाल किस ऐतिहासिक स्थान से प्राप्त हुए हैं ? – *बुर्जहोम (Burzhom) से*
9. दिल्ली के किस सुल्तान ने सर्वप्रथम सिंचाई पर कर लगाया? – *फीरोज तुगलक ने*
10. 'इस्तमरारी बन्दोबस्त' (Permanent Settlement) किसके शासनकाल में प्रारम्भ किया गया है ? – *लॉर्ड कार्नवालिस के शासनकाल में*

राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आन्दोलन

11. महात्मा गांधी का लोक सत्याग्रह (Mass Movement) का प्रथम प्रयोग कहाँ किया गया है ? – *चम्पारण (बिहार) में*
12. भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष कौन थी ? – *श्रीमती ऐनी बेसेंट*
13. भारत के उदारवादी नेताओं में किसे 'A silvered Tongued Orator' कहा जाता है ? – *गोपाल कृष्ण गोखले को*
14. अंग्रेजों द्वारा बंगाल विभाजन (Partition of Bengal) का वास्तविक कारण क्या था ? – *बंगाल में राष्ट्रीयता के बढ़ने को रोकना*
15. 1946 में नेवी (Navy) ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध खुला विद्रोह कहाँ किया था ? – *बम्बई (मुम्बई) में*
16. किस एक के अन्तर्गत भारत में ब्रिटिश शासन का अन्त हुआ ? – *भारत स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 (Indian Independence Act, 1947) के अन्तर्गत*
17. 'The Prophet of Indian Nationalism and Father of Modern India' किसे कहा जाता है ? – *राजा राममोहन राय को*
18. नीति निर्देशक सिद्धान्तों (Directive Principles) के विषय में किसने कहा था—'a cheque payable at the convenience of the Bank' ? – *के. टी. शाह ने*
19. किस प्रमुख नेता ने 1917 के चम्पारण सत्याग्रह का विरोध किया, क्योंकि यह महात्मा गांधी की अध्यक्षता में चलाया जा रहा था ? – *एन. जी. रंगा ने*
20. कॉंग्रेस के किस प्रमुख नेता ने 'माउण्टबेटन प्लान' को अस्वीकार (Reject) किया था ? – *मौलाना अबुल कलाम आजाद ने*

भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान

21. संविधान के ग्यारहवें भाग (Eleventh Schedule) में ग्राम पंचायतों के न्याय क्षेत्रों (Jurisdiction) में कितने विषय रखे गए हैं ? – *29*
22. किस समिति की सिफारिश पर भारत के संविधान में नागरिकों के 'मूल कर्तव्यों' (Fundamental Duties) को जोड़ा गया ? – *स्वर्ण सिंह समिति की अनुशंसा पर*
23. कोई बिल 'सेलेक्ट कमेटी' (Select Committee) को कब भेजा जाता है ? – *द्वितीय वाचन (Second reading) के पश्चात्*
24. भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए वोटर कौन होते हैं ? – *संसद के दोनों सदनों के कुल सदस्य*
25. संविधान के किस संशोधन के अनुसार 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए शिक्षा मौलिक अधिकार बन गई है ? – *86वें संविधान संशोधन अधिनियम के अनुसार*
26. संविधान का कौनसा अनुच्छेद केन्द्रीय सरकार को नये राज्य के गठन के लिए अधिकृत करता है ? – *अनुच्छेद 3*
27. उपराष्ट्रपति के चुनाव के सम्बन्ध में उठे मामलों में कौन निर्णय लेता है ? – *सर्वोच्च न्यायालय*
28. भारत के संविधान में 'रूल ऑफ लॉ' (Rule of Law) का तत्व किस मौलिक अधिकार में प्रतिबिम्बित होता है ? – *समानता के अधिकार (Right to Equality) में*
29. संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) के किसी सदस्य को किस प्रकार उसके पद से हटाया जा सकता है ? – *राष्ट्रपति द्वारा सर्वोच्च न्यायालय की अनुशंसा पर*
30. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (Comptroller and Auditor General of India) की रिपोर्ट किसको भेजी जाती है ? – *राष्ट्रपति को*

sscexamonline.blogspot.com

भारत एवं विश्व का भूगोल

31. कौनसी पर्वत श्रेणी यूरोप को एशिया से अलग करती है ? – *यूराल पर्वत श्रेणी*

32. इन्दिरा गांधी नहर में पानी कहाँ से आता है ? – *सतलज और व्यास नदियों से*

33. अफ्रीका में कर्क रेखा (Tropic of Cancer) किन देशों में होकर गुजरती है ? – *अल्जीरिया, नाइजर, लीबिया, पश्चिमी सहारा, मौरितानिया तथा माली में होकर*

34. 'मीकांग नदी' (Mekong River) किसमें गिरती है ? – *दक्षिण चीन सागर (South China Sea) में*

35. भारत का एक मात्र सक्रिय ज्वालामुखी कौनसा है ? – *बैरन आइलैण्ड*

36. भारत की जनसंख्या विश्व की जनसंख्या की कितने प्रतिशत है ? – *17.5%*

37. किस महाद्वीप में जनसंख्या घनत्व सर्वाधिक है ? – *एशिया में*

38. भारत के किस राज्य को 'सिलिकन स्टेट' के नाम से जाना जाता है ? – *कर्नाटक को*

39. भारत में हरित क्रान्ति के जनक हैं – *डॉ एम. एस. स्वामीनाथन*

40. भारत के किस राज्य में कोयले के सर्वाधिक भण्डार हैं ? – *झारखण्ड में*

भारतीय अर्थव्यवस्था

41. पद 'स्मार्टमनी' (Smart Money) किसके लिए प्रयोग किया जाता है ? – *क्रेडिट कार्डस के लिए*

42. 'ह्यूमन डेवलपमेंट इन्डेक्स' (Human Development Index) 2013 में कौनसा देश प्रथम स्थान पर रहा ? – *नॉर्वे (Norway)*

43. वर्ष 2010 के अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार को कितने अर्थशास्त्रियों ने 'शेयर' किया ? – *3 अर्थशास्त्रियों ने*

44. हाल ही में प्रतिष्ठापित (Inaugurated) हेल्पलाइन 'उद्यमी' (Udyami) किसकी सहायता के लिए है ? – *माइक्रो, स्माल तथा मीडियम उद्योगों (Enterprises) की सहायता के लिए*

45. किसकी अध्यक्षता में गवर्नमेंट ने एक उच्चस्तरीय 'इनक्रा फाइनेंस कमेटी' का गठन किया है ? – *राकेश मोहन की अध्यक्षता में*

46. देश की 'मौद्रिक पॉलिसी' (Monetary Policy) कौनसी संस्था नियंत्रित करती है ? – *भारतीय रिजर्व बैंक (Reserve Bank of India)*

47. 'नेशनल फूड फॉर वर्क' (National Food for Work) स्कीम अब किसमें मिला दी गई है ? – *महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी एक्ट (Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act)*

48. भारत की कुल 'जीडीपी' (GDP) में 'कृषि क्षेत्र' (Agricultural Sector) का योगदान तकरीबन कितना है ? – *20%*

49. भारत सरकार ने नया थोक मूल्य सूचकांक (WPI) प्रारम्भ किया है. इसका आधार वर्ष क्या होगा ? – *2004-05*

50. 'बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बासेल समिति' को इस रूप में भी जाना जाता है ? – *अन्तर्राष्ट्रीय निपटान हेतु बैंक समिति*

सामान्य विज्ञान एवं तकनीकी

51. 'परमाणु ऊर्जा आयोग' (Atomic Energy Commission) के अध्यक्ष कौन हैं ? – *श्रीकुमार बनर्जी*

52. सोलर सेल बनाने में प्रयुक्त तत्व है– – *सिलिकॉन*

53. बिजली के फ्यूज होल्डर सामान्यतया किसके बने होते हैं ? – *चीनी मिट्टी के*

54. दूध में उपस्थित प्रोटीन है– – *केसीन (Casein)*

55. ए.टी.पी. का पूरा नाम है– – *एडिनोसिन ट्राई फॉस्फेट (Adenosine Tri Phosphate)*

56. हाइपर लिंक कहाँ प्रयोग में आता है ? – *एक पेज को दूसरे पेज से जोड़ने के लिए*

57. इन्टरनेट एक्सप्लोरर होता है– – *ब्राउजर (Browser)*

58. फ्यूज का तार किसका बना होता है ? – *ताँबा, टिन तथा सीसा की मिश्र धातु*

59. कॉपर ग्लांस (Copper Glance) अयस्क है– – *कॉपर का*

60. प्राकृतिक चयन द्वारा जीव जातियों की उत्पत्ति के प्रतिपादक कौन थे ? – *डार्विन (Darwin)*

कृषि

61. आम की संकर प्रजाति **'H–564'** किन दो आम की प्रजातियों के क्रॉस (×) से विकसित की गई है ? – *(आम्रपाली ♂ × जनार्दन पसंद ♀)*

62. आम की संकर प्रजाति **'H 2803'** किन दो आम की प्रजातियों के क्रॉस (×) से विकसित की गई है ? – *(दशहरी ♂ × एल्टोन ♀)*

63. **'Oriental tobacco'**–'तुंगभद्रा' प्रजाति किस राज्य के कम वर्षा क्षेत्र हेतु विकसित की गई है ? – *कर्नाटक*

64. कपास की 'MSH–53' प्रजाति की विशेषता है– – *डार्क-ब्राउन लिंटेड मल्टीस्पीशीज (गहरे ब्राउन रेशे बहु-स्पीशीज)*

65. कपास की 'CNA-1003'–(Gossypium arboreum) प्रजाति किस नाम से पुकारी जाती है ? – *रोजा (Roja)*

66. 'उज्जवला' (Ujjawala–IPCK 2004–29) किस दलहन की प्रजाति है ? – *चना (Chickpea)*

67. **'उपास–120'** किस दलहनी फसल की प्रजाति है ? – *अरहर*

68. 'गिरनार–3' किस फसल की प्रजाति है ? – *मूँगफली*

69. 'अर्का गौरव' किस सब्जी फसल की प्रजाति है ? – *प्याज*

sscexamonline.blogspot.com

70. 'अश्वगंधा' की उच्च उपज वाली (12 कुं./है.) प्रजाति विकसित की गई है– *– 11 HR–WS–3 (बंगलौर से)*

खेलकूद

71. भारत ने अन्तिम बार हॉकी ओलम्पिक स्वर्ण किस वर्ष जीता था ? *– 1980 मास्को में*

72. किस भारतीय बल्लेबाज ने अपने पहले चार टेस्ट मैचों में तीन 'सेन्चुरी' बनाई ? *– मोहम्मद अजहरुद्दीन ने*

73. विश्व प्रसिद्ध एथलीट 'सान्या रिचार्ड्स रोस' (Sanya Richards Ross) किस खेल से सम्बन्धित है ? *– एथलेटिक्स (Athletics) से*

74. 'राष्ट्रमण्डल खेलों' 2010 का 'मोटो' (Moto) क्या था ? *– Come out and Play (आओ और खेलो)*

75. राष्ट्रमण्डल खेलों 2010 का 'एन्थेम' (Anthem) क्या था ? *– जीओ, उठो, बढ़ो, जीतो (Jeeyo, Utho, Badho, Jeeto)*

76. भारत की 'मैरीकॉम' (Mary Kom) ने अब तक 'विश्व बॉक्सिंग चैम्पियनशिप' कितनी बार जीती है ? *– पाँच बार*

77. पंकज अडवानी ने हाल ही में 'नेशनल स्नूकर टाइटिल' कितनी बार जीता है ? *– पाँचवीं बार*

78. 'विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप' (World Wrestling Championship) में स्वर्ण पदक जीतने वाले प्रथम भारतीय हैं– *– सुशील कुमार*

79. यू. एस. ओपन 2012 (टेनिस चैम्पियनशिप) पुरुष एकल किसने जीती ? *– एंडी मरे ने*

80. यू. एस. ओपन 2012 (टेनिस चैम्पियनशिप) महिला एकल किसने जीती ? *– सेरेना विलियम्स ने*

विविध

81. शेख निजामुद्दीन औलिया की दरगाह कहाँ है ? *– दिल्ली में*

82. किसने कहा था 'Indian Nationalism was the Child of the British Raj' ? *– आर. कूपलैण्ड (R. Coupland) ने*

83. संविधान सभा (Constitute Assembly) के प्रथम अध्यक्ष कौन थे ? *– सच्चिदानन्द सिन्हा*

84. मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान प्रस्ताव कब स्वीकृत किया ? *– मार्च 1940 में*

85. भारत सरकार ने किस पाकिस्तानी नागरिक को भारत रत्न से सम्मानित किया ? *– खान अब्दुल गफ्फार खाँ को*

86. मुकुल ए. संगमा किस राज्य के मुख्यमंत्री बने हैं ? *– मेघालय के*

87. ब्रिक BRIC की दूसरी शिखर मार्च 2012 में कहाँ आयोजित की गई ? *– नई दिल्ली में*

88. 'Integrated Wastelands Development Programme' (IWDP) किस मंत्रालय द्वारा प्रारम्भ किया गया है ? *– ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा*

89. हरिशंकर ब्रह्मा ने हाल ही में कौनसा पद भार सँभाला है ? *– भारत के चुनाव आयुक्त का*

90. साहित्य के लिए वर्ष 2012 का नोबेल पुरस्कार किसे प्रदान किया गया है ? *– मोयान (Moyan) को*

91. 'विश्व डाकघर दिवस' (World Post Office Day) कब मनाया जाता है ? *– 9 अक्टूबर को*

92. साम्प्रदायिक सद्भाव और शान्ति बढ़ाने के लिए राजीव गांधी राष्ट्रीय सद्भाव पुरस्कार, 2012 किसे प्रदान किया गया है ? *– डी. आर. मेहता को*

93. राष्ट्रमण्डल लेखक पुरस्कार, 2010 के विजेता किस लेखक ने 'सोलो' (Solo) नामक पुस्तक लिखी है ?– *शमा दासगुप्ता ने*

94. अन्नपूर्णा स्कीम के अन्तर्गत किसी पात्र व्यक्ति को प्रति माह कितना अन्न दिया जाता है ? *– 10 किग्रा*

95. राजमोहन गांधी की पुस्तक 'A Tale of Two Revolts' किसका वर्णन करती है ? *– 1857 के गदर तथा अमेरिकन सिविल वार का*

96. 'No Taxation without Representation' किसका लोकप्रिय नारा था ? *– अमरीकी स्वतंत्रता संग्राम (Americal War of Independence) का*

97. सूचना का अधिकार (Right to Information) भारत में किस प्रकार का अधिकार है ? *– विधिक अधिकार (Legal Right)*

98. विश्व का सर्वाधिक तेज कम्प्यूटर है– *– टाइटन*

99. 2, 4–D है– *– एक शाकनाशी (Herbicide)*

100. वर्ष 2007 में अर्थ ऑवर (Earth Hour) की किस देश में हुई थी ? *– आस्ट्रेलिया*

101. 'India Strategic Petroleum Reserves Ltd.' ने किन तीन स्थानों पर 'पेट्रोलियम रिजर्व' बनाए हैं ? *– विशाखापटनम्, मंगलौर तथा अंकलेश्वर में*

102. सर्वोच्च न्यायालय में जज नियुक्त की गई चौथी महिला है– *– न्यायमूर्ति ज्ञान सुधा मिश्रा*

103. देश का पहला महिला आकघर कहाँ स्थापित किया गया ? *– शास्त्री भवन (नई दिल्ली)*

104. किसने कहा था 'Imperialism is dead as dodo' ? *– विन्स्टन चर्चिल ने*

105. भारत में कितने उच्च न्यायालय (High Courts) हैं ? *– 24*

106. कौनसा ग्रह पृथ्वी की 'जुड़वाँ बहन' (Twin sister) कहलाता है ? *– शुक्र (Venus)*

107. भारत में विकसित प्रथम उद्योग किसे माना जाता है ? *– कुटीर उद्योग (Cottage Industry) को*

108. 'Sea horse' समुद्री घोड़ा क्या होता है ? *– एक प्रकार की मछली*

109. 'Gerentology' अध्ययन की किस शाखा को कहते हैं ? *– वृद्धावस्था तथा वृद्ध होने (Aging) की प्रक्रिया के अध्ययन को*

110. 'Decision Points' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं ? *– जॉर्ज बुश (George Bush)*

●●●

sscexamonline.blogspot.com

उत्तर प्रदेश पी.सी.एस. प्रवर अधीनस्थ सेवा (मुख्य) परीक्षा, 21-12-2012 का हल प्रश्न-पत्र

सामान्य अध्ययन

(द्वितीय प्रश्न-पत्र)

1. ₹ 4,000·00 पर 5% की वार्षिक दर से 2 वर्षों में चक्रवृद्धि ब्याज कितना होगा ?
(A) ₹ 410 (B) ₹ 420
(C) ₹ 421 (D) ₹ 427

2. किन्हीं दो संख्याओं का योग तथा गुणनफल क्रमशः 11 तथा 18 है, तो उनके व्युत्क्रमों का योग कितना होगा?
(A) $\frac{10}{9}$ (B) $\frac{11}{18}$
(C) $\frac{12}{15}$ (D) $\frac{18}{11}$

3. यदि $x = \frac{A}{A-1}$ तथा $y = \frac{1}{A-1}$, तो निम्नलिखित में से सत्य क्या होगा, यदि $A > 1$?
(A) y से x अधिक है
(B) x, y के बराबर है
(C) y से x छोटा है
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

4. निम्न चित्र में–

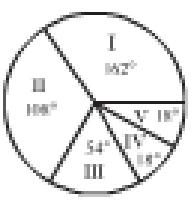

I. सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारी
II. निजी क्षेत्र, कारपोरेट क्षेत्र के अलावा के कर्मचारी
III. कारपोरेट क्षेत्र के कर्मचारी
IV. स्वयं कार्यरत
V. अकार्यरत

कार्यरत व्यक्तियों में स्वयं कार्यरतों का प्रतिशत कितना होगा ?
(A) $\frac{100}{19}$ (B) $\frac{100}{67}$
(C) $\frac{96}{5}$ (D) 18

5. यदि सरल रेखाएं $x + ay = 1$ तथा $bx - y = 2$ बिन्दु (1, 1) पर एक-दूसरे को काटती हैं, तो a तथा b के मान क्या होंगे ?
(A) 0 और 3 (B) 1 और –1
(C) 0 और 1 (D) 1 और 3

6. यदि एक संख्या का एक-तिहाई उसकी क्रमानुयायी संख्या के पाँचवें भाग से एक अधिक है, तो वह संख्या क्या होगी ?
(A) 6 (B) 7
(C) 8 (D) 9

7. श्रेणी 1, 5, 11, 19, 29, ..., 55 में अनुपस्थित संख्या क्या है ?
(A) 39 (B) 41
(C) 45 (D) 47

8. श्रेणी 21, 32, 45, 60, ..., 96, 117 में अनुपस्थित संख्या क्या है ?
(A) 75 (B) 76
(C) 77 (D) 78

9. $\frac{\sqrt{7}-2}{\sqrt{7}+2} + \frac{\sqrt{7}+2}{\sqrt{7}-2}$ का मान क्या है ?
(A) 2 (B) 45
(C) $\sqrt[2]{7}+4$ (D) $\frac{22}{3}$

10. यदि Z के 20% का 10% 50 हो, तो Z का मान क्या होगा ?
(A) 150 (B) $\frac{500}{3}$
(C) 250 (D) 2500

11. यदि एक 8 सेमी लम्बा तथा 2 सेमी आधार त्रिज्या वाला लोहे का ठोस बेलन पिघलाकर तीन ठोस गोले में बदला जाता है तो प्रत्येक गोले का पृष्ठ क्षेत्रफल कितना होगा ?
(A) 2π (B) 4π
(C) 8π (D) 16π

12. यदि $\log_{10} 64 = 2x + 1$, तो x का मान क्या होगा ?
(A) 0 (B) $\frac{1}{4}$
(C) $\frac{1}{2}$ (D) 1

13. यदि एक 6 सेमी का घनफल 1 सेमी के घनफलों में काटा जाता है तो सभी छोटे घनफलों का कुल तल क्षेत्रफल कितना होगा ?
(A) 36 (B) 216
(C) 864 (D) 1296

14. यदि $x + \frac{1}{x} = 5$, हो तो $x^2 + \frac{1}{x^2}$ का मान कितना होगा ?
(A) 20 (B) 23
(C) 25 (D) 27

15. यदि 80 विद्यार्थियों वाली कक्षा में 60% बालक हैं, 40% के पास प्रथम श्रेणी की डिग्री है तथा 50% बालकों के पास प्रथम श्रेणी की डिग्री है, तो प्रथम श्रेणी डिग्री वाली बालिकाओं की संख्या कितनी होगी ?
(A) 6 (B) 8
(C) 10 (D) –12

16. यदि एक समकोण त्रिभुज की भुजाएं $a, a + b$ और $a + 2b$, $(a, b > 0)$ तो $a : b$ का मान क्या होगा ?
(A) 1 : 3 (B) 1 : 4
(C) 2 : 1 (D) 3 : 1

17. यदि PLAY का कूट 8123 हो और RHYME का कूट 49367 हो, तो MALE कैसे संकुटित होगा ?
(A) 6217 (B) 6198
(C) 6395 (D) 6285

18. भारत में निम्नलिखित में से कौन राजकोषीय नीति निर्धारित करता है ?
(A) योजना आयोग
(B) वित्त आयोग
(C) वित्त मंत्रालय
(D) भारतीय रिजर्व बैंक

19. निम्नलिखित में से किसने "इंडियन इकोनॉमी : गांधीयन ब्लू प्रिंट" नामक पुस्तक लिखी है ?
(A) आचार्य विनोबा भावे
(B) मोरारजी देसाई
(C) जय प्रकाश नारायण
(D) चरण सिंह

20. भारत ने निम्नलिखित में से किसके साथ वस्तुओं का मुक्त व्यापार समझौता (2011) हस्ताक्षरित किया है ?
(A) आसियान
(B) सार्क
(C) नाफ्टा
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

21. निम्नलिखित में से किसने 'ट्रस्टीशिप' की अवधारणा प्रस्तुत की थी ?
(A) एम. एन. राय ने
(B) अरविन्द घोष ने
(C) महात्मा गांधी ने
(D) जी. के. गोखले ने

sscexamonline.blogspot.com

22. दिसम्बर 2011 में भारत के ऊर्जा क्षेत्र में सकल उत्पादन क्षमता में नवीकरणीय ऊर्जा का अंश लगभग कितना था ?
(A) 11% (B) 8%
(C) 5% (D) 2%

23. निम्नलिखित में से कौनसा बारहवीं पंचवर्षीय योजना का कार्यकाल है ?
(A) 2011–2016
(B) 2012–2017
(C) 2013–2018
(D) 2010–2015

24. निर्मल भारत अभियान योजना का निम्नलिखित में से किससे सम्बन्ध है ?
(A) गाँवों के विकास से
(B) मलिन बस्तियों में सामुदायिक शौचालयों से
(C) निम्न आय समूहों के लिए भवन निर्माण से
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

25. भारतीय हीरा संस्थान कहाँ स्थापित किया गया है ?
(A) नई दिल्ली में (B) मुम्बई में
(C) सूरत में (D) जयपुर में

26. 2011 की जनगणना के अनन्तिम आँकड़ों के अनुसार भारत में साक्षरता का प्रतिशत कितना है ?
(A) 82·14% (B) 74·04%
(C) 65·46% (D) 75·14%

27. 2011 जनगणना के अन्तिम आँकड़ों के अनुसार 2001–2011 की अवधि में भारत में जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर कितनी थी ?
(A) 17·19% (B) 18·12%
(C) 17·64% (D) 18·25%

28. जनगणना 2011 के अनन्तिम आँकड़ों के अनुसार भारत में कितने प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष की आयु से कम की है ?
(A) 45% (B) 55%
(C) 65% (D) 75%

29. 2009–2012 के दौरान भारत के कुल खाद्यान्न उत्पादन में उत्तर प्रदेश का अंश लगभग कितना रहा है ?
(A) आधा $\left(\frac{1}{2}\right)$
(B) एक-तिहाई $\left(\frac{1}{3}\right)$
(C) एक-चौथाई $\left(\frac{1}{4}\right)$
(D) एक-पाँचवाँ $\left(\frac{1}{5}\right)$

30. निम्नलिखित में से कौनसी एक नकद फसल नहीं है ?
(A) तम्बाकू (B) कपास
(C) सोयाबीन (D) रबर

31. निम्नलिखित में से कौनसा बैंक मुख्यतः लघु उद्योगों के सम्बन्ध में कार्य करता है ?
(A) एस.आई.डी.बी.आई.
(B) आर.डी.बी.आई.
(C) आई.सी.आई.सी.आई.
(D) नाबार्ड

32. भारत की 2011 की जनगणना के अनन्तिम आँकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश के किस शहर में जनघनत्व सर्वाधिक है ?
(A) कानपुर नगर
(B) लखनऊ
(C) मुरादाबाद
(D) गाजियाबाद

33. 'संकल्प' परियोजना किसके उन्मूलन से सम्बन्धित है ?
(A) एड्स/एच.आई.वी.
(B) निरक्षरता
(C) पोलियो
(D) बेरोजगारी

34. भारत का औद्योगिक वित्त निगम किस रूप में कार्य करता है ?
(A) एक व्यापारिक बैंक के रूप में
(B) एक विकास बैंक के रूप में
(C) एक औद्योगिक बैंक के रूप में
(D) उपर्युक्त में से किसी भी रूप में नहीं

35. निम्नलिखित में से किस वित्तीय वर्ष में भारतीय रुपए का दो बार अवमूल्यन किया गया ?
(A) 1966-67 (B) 1991-92
(C) 1990-91 (D) 1989-90

36. अप्रैल 2011 से भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन के पद पर कौन कार्यरत रहे हैं ?
(A) प्रतीप चौधुरी
(B) डी. सुब्बाराव
(C) अमिय बागची
(D) राव वीरेन्द्र सिंह

37. रिक्त स्थान में उचित चयन को भरें : 2011 में उ.प्र. का अभिलिखित (रिकार्डेड) वन क्षेत्र अपने कुल क्षेत्रफल का लगभग ..... था.
(A) 3% (B) 5%
(C) 7% (D) 9%

38. निम्नलिखित में से कौनसा भारत का सबसे बड़ा निर्यात मद है ?
(A) रत्न एवं आभूषण
(B) सिले-सिलाए वस्त्र
(C) चमड़ा एवं जूते
(D) रसायन

39. विश्व जनसंख्या दिवस उस दिन की याद में मनाया जाता है जब विश्व की जनसंख्या अनुमानतः पाँच अरब हो गई थी. वह दिन था–
(A) 11 जुलाई, 1987
(B) 11 सितम्बर, 1994
(C) 11 नवम्बर, 1995
(D) 11 जुलाई, 1997

40. मार्च 2012, में भारत में शहरी सहकारी बैंकों की संख्या कितनी थी ?
(A) 65 (B) 164
(C) 1645 (D) 6540

41. भारतीय रिज़र्व बैंक के अनुसार 30/06/2012 को क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक सहित सभी प्रकार के निजी व सार्वजनिक क्षेत्र के वाणिज्यिक बैंकों की ग्रामीण शाखाओं का प्रतिशत लगभग कितना था ?
(A) 17% (B) 27%
(C) 37% (D) 47%

42. ऊर्जा संरक्षण अधिनियम कब से प्रभावी हुआ ?
(A) 2001 से (B) 2002 से
(C) 2006 से (D) 2011 से

43. अनुमोदित एवं क्रियात्मक विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एस.ई.जेड.) की सबसे अधिक संख्या जून 2012 में किस राज्य में थी ?
(A) उत्तर प्रदेश में
(B) आन्ध्र प्रदेश में
(C) तमिलनाडु में
(D) महाराष्ट्र में

44. निम्नलिखित वस्तु समूहों में से कौनसा एफ.एम.सी.जी. (फास्ट मूविंग कन्ज़्यूमर गुड्स) में शामिल नहीं किया जाता है ?
(A) स्वचालित वाहन (कार व मोटर साइकिल)
(B) सौन्दर्य प्रसाधन (शैम्पू व साबुन)
(C) डेयरी उत्पाद (दूध व पनीर)
(D) बेकरी उत्पाद (बिस्किट व ब्रेड)

45. माखड़ा-मांगल एक संयुक्त परियोजना है–
(A) हरियाणा-पंजाब और राजस्थान की

sscexamonline.blogspot.com

(B) हरियाणा-पंजाब और दिल्ली की

(C) हिमाचल प्रदेश-हरियाणा और पंजाब की

(D) पंजाब-दिल्ली और राजस्थान की

46. **वेल्थ ऑफ नेशन्स** के लेखक कौन है ?

(A) एडम स्मिथ

(B) डेविड रिकार्डो

(C) जे.एम. कीन्स

(D) गुन्नार मिर्डल

47. भारत की राष्ट्रीय आय कौन अनुमानित करता है ?

(A) राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन

(B) वित्त मंत्रालय

(C) भारतीय रिजर्व बैंक

(D) केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन

48. निम्नलिखित में से कौनसा उपग्रह 29 सितम्बर 2012 को भारत द्वारा सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया था ?

(A) GSAT-6 (B) GSAT-9

(C) GSAT-10 (D) GSAT-12

49. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची-I	सूची-II
(a) ऑडियोग्राम	1. हृदय
(b) ई.सी.जी.	2. मस्तिष्क
(c) ई.ई.जी.	3. कान
(d) मैमोग्राम	4. वक्ष

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	1	3	4
(C)	4	3	2	1
(D)	3	1	2	4

50. लोहे की सुई पानी की सतह पर किस कारण से तैरती रहती है ?

(A) पानी के उत्प्लावन के कारण

(B) पृष्ठ तनाव के कारण

(C) श्यानता के कारण

(D) गुरुत्वाकर्षणीय बल के कारण

51. मानव स्वास्थ्य के लिए ट्रांस वसा सामान्यतः हानिकारक समझा जाता है क्योंकि यह स्तर कम करता है–

(A) HDL का

(B) LDL का

(C) ट्राइग्लिसराइड का

(D) इन्सुलिन का

52. चन्द्रमा पर वायुमण्डल नहीं होने का क्या कारण है ?

(A) यह पृथ्वी के निकट है

(B) यह सूर्य से प्रकाश प्राप्त करता है

(C) यह पृथ्वी की परिक्रमा करता है

(D) इस पर गैस अणुओं का पलायन वेग उनके वर्ग माध्य मूल वेग से कम होता है

53. निम्नलिखित में से विद्युत का सबसे अच्छा चालक कौनसा है ?

(A) ऐलुमिनियम

(B) तांबा

(C) चाँदी

(D) सोना

54. डायनमो परिवर्तित करता है–

(A) उच्च वोल्टेज को निम्न वोल्टेज में

(B) विद्युत ऊर्जा को यांत्रिक ऊर्जा में

(C) यांत्रिक ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में

(D) निम्न वोल्टेज को उच्च वोल्टेज में

55. यदि पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल अचानक लुप्त हो जाता है तो निम्नलिखित में से कौनसा परिणाम सही होगा ?

(A) वस्तु का भार शून्य हो जाएगा, परन्तु द्रव्यमान वही रहेगा

(B) वस्तु का द्रव्यमान शून्य हो जाएगा, परन्तु भार वही रहेगा

(C) वस्तु का भार तथा द्रव्यमान दोनों शून्य हो जाएंगे

(D) वस्तु का द्रव्यमान बढ़ जाएगा

56. मानव तन्त्र में प्रतिआक्सीकारकों का कार्य क्या है ?

(A) यह विटामिन संश्लेषण को बढ़ाते हैं

(B) यह कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन तथा वसा के अत्यधिक ऑक्सीकरण को रोकते हैं

(C) यह मुक्त मूलकों के प्रभाव से कोशिकाओं को बचाते हैं

(D) यह काल-प्रभावन प्रक्रिया को धीमा कर देने वाले जीन्स को सक्रिय करते हैं

57. अधोलिखित में से कौनसा पृथ्वी के कार्बन-चक्र में कार्बन-डाइ-ऑक्साइड की मात्रा को नहीं बढ़ाता है ?

(A) श्वसन

(B) प्रकाश-संश्लेषण

(C) जैविक पदार्थों का क्षय

(D) ज्वालामुखी क्रिया

58. जेम्स डी. वाटसन तथा फ्रांसिस क्रिक का सम्बन्ध किस खोज से है ?

(A) वैक्सीन

(B) DNA की संरचना

(C) मलेरिया निवारक औषधि

(D) पेनिसिलीन

59. निम्नलिखित में से किसे चूहा विष के रूप में प्रयोग किया जाता है ?

(A) जिंक सल्फाइड

(B) लेड सल्फाइड

(C) कैल्सियम फास्फेट

(D) जिंक फॉस्फाइड

60. खट्टे दूध के उत्पादों में कौनसा अम्ल होता है ?

(A) ऐसीटिक अम्ल

(B) ब्यूटिरिक अम्ल

(C) टार्टरिक अम्ल

(D) लैक्टिक अम्ल

61. अधोलिखित में से कौनसा रंग इन्द्रधनुष के मध्य में दिखाई देता है ?

(A) नीला (B) हरा

(C) लाल (D) पीला

62. पृथ्वी के सर्वाधिक निकट कौनसा ग्रह है ?

(A) शुक्र (B) बुध

(C) मंगल (D) बृहस्पति

63. सूची-I का सूची-II से सुमेल कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिए.

सूची-I

(a) ऐनीमोमीटर

(b) सीस्मोग्राफ

(c) बैरोग्राफ

(d) हाइग्रोमीटर

सूची-II

1. भूकम्प

2. वायुमण्डलीय दाब

3. वायु वेग

4. आर्द्रता

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	4	1	2	3
(C)	4	1	3	2
(D)	3	1	2	4

64. कम्प्यूटर की स्थायी स्मृति को क्या कहते हैं ?

(A) RAM (B) ROM

(C) CPU (D) CDROM

65. एक काटा हुआ हीरा क्यों जगमगाता है ?

sscexamonline.blogspot.com

(A) इसकी आणविक संरचना के कारण
(B) प्रकाश के शोषण के कारण
(C) पूर्ण आंतरिक परावर्तन के कारण
(D) कुछ अन्य निहित गुण के कारण

66. निम्नलिखित में से कौन से सूक्ष्मजीवी, जैव उर्वरक के रूप में प्रयोग होते हैं ?
(A) सायनो बैक्टीरिया
(B) प्रोटोजोआ
(C) विषाणु
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

67. निम्नलिखित में कौन परजीवी पादप है ?
(A) बक व्हीट
(B) मैकेरोनी व्हीट
(C) गोल्डेन राइस
(D) ट्रिटिकेल

68. कौनसा जीवित ऊतक, उच्चवर्गीय पौधों में, जैव पोषक वाहक का कार्य करता है ?
(A) जाइलेम (B) फ्लोयम
(C) कॉर्टेक्स (D) एपीडर्मिस

69. निम्नलिखित में कौनसी ग्रीन हाउस गैस नहीं है ?
(A) मीथेन
(B) नाइट्रस ऑक्साइड
(C) क्लोरो-फ्लूरो कार्बन
(D) हाइड्रोजन

70. नोरकापीन किससे प्राप्त होता है ?
(A) पोस्ता (पॉपी) से
(B) तुलसी से
(C) गंध सफेदा (यूकेलिप्टस) से
(D) इफेड्रा से

71. ओजोन परत मुख्यतः कहाँ पाई जाती है ?
(A) क्षोभ मंडल में
(B) मध्य मंडल में
(C) समताप मंडल में
(D) बाह्य मंडल में

72. रक्त का थक्का बनने में किस विटामिन की आवश्यकता होती है ?
(A) C की (B) K की
(C) E की (D) D की

73. निम्नलिखित मिश्र-धातुओं में से किसे अमलगम कहते हैं ?
(A) जस्ता – ताँबा
(B) ताँबा – टिन
(C) पारा – जस्ता
(D) सीसा – जस्ता

74. निम्नलिखित रेडियो-तत्वों में से किसका उपयोग मनुष्य के शरीर में रक्त प्रवाह की गति के मापन में किया जाता है ?
(A) रेडियो-फॉस्फोरस
(B) रेडियो-आयोडीन
(C) रेडियो-आयरन
(D) रेडियो-सोडियम

75. निम्नलिखित अम्लों में से किसको बेकिंग पाउडर के निर्माण में उपयोग करते हैं ?
(A) ओक्सेलिक अम्ल
(B) लैक्टिक अम्ल
(C) टार्टरिक अम्ल
(D) बेन्जोइक अम्ल

76. रक्त कैंसर (ल्यूकीमिया) बीमारी की रोकथाम के लिए प्रयोग किए जाने वाला रेडियो समस्थानिक है–
(A) आयोडीन–131
(B) सोडियम–24
(C) फास्फोरस–32
(D) कोबाल्ट–60

77. निम्नलिखित कार्बनिक पदार्थों में से कौनसा प्रकृति में सर्वाधिक प्रचुरता में पाया जाता है ?
(A) ग्लूकोस (B) सेल्यूलोस
(C) फ्रक्टोस (D) सुक्रोज

78. संविधान पांडुलेखन समिति का निम्नलिखित में से कौन सदस्य नहीं था ?
(A) मोहम्मद सादुल्लाह
(B) के. एम. मुंशी
(C) ए. के. अय्यर
(D) जवाहर लाल नेहरू

79. भारतीय संविधान के अन्तर्गत निम्नलिखित में से कौनसा अनुच्छेद संसद को राज्य सूची के विषय के सम्बन्ध में विधि बनाने की शक्ति प्रदान करता है ?
(A) अनुच्छेद–115
(B) अनुच्छेद–116
(C) अनुच्छेद–226
(D) अनुच्छेद–249

80. भारतीय संविधान कैसा है ?
(A) कठोर
(B) लचीला
(C) न ही कठोर न ही लचीला
(D) अंशतः कठोर और अंशतः लचीला

81. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत अखिल भारतीय सेवाओं का प्रावधान किया गया है ?
(A) अनुच्छेद–310
(B) अनुच्छेद–311
(C) अनुच्छेद–312
(D) अनुच्छेद–313

82. भारत के नागरिकों के मूल कर्तव्यों का विवरण संविधान के किस भाग में दिया गया है ?
(A) भाग-1 में (B) भाग-4क में
(C) भाग-2 में (D) भाग-4 में

83. त्रि-स्तरीय पंचायती राज प्रणाली स्थापित करने की अनुशंसा सर्वप्रथम किसके द्वारा की गई थी ?
(A) अशोक मेहता समिति द्वारा
(B) एल.एम. सिंघवी समिति द्वारा
(C) बलवन्तराय मेहता समिति द्वारा
(D) सरकारिया आयोग द्वारा

84. न्यायिक पुनर्विलोकन की व्यवस्था–
(A) केवल भारत में है
(B) केवल यू.एस.ए. में है
(C) भारत और यू.एस.ए. में है
(D) केवल यू.के. में है

85. राज्य सभा किसके द्वारा भंग की जा सकती है ?
(A) राष्ट्रपति द्वारा
(B) प्रधानमंत्री द्वारा
(C) मंत्री परिषद् द्वारा
(D) उपर्युक्त में से किसी के द्वारा नहीं

86. ब्रिटिश संसद ने भारतीय स्वतन्त्रता अधिनियम कब पारित किया था ?
(A) जनवरी 1947 में
(B) जून 1947 में
(C) जुलाई 1947 में
(D) अगस्त 1947 में

87. भारतीय संविधान में समवर्ती सूची का विचार कहाँ से लिया गया है ?
(A) यू.एस.ए. से
(B) स्विटजरलैण्ड से
(C) आस्ट्रेलिया से
(D) यू.एस.एस.आर. से

88. मूल अधिकारों के अन्तर्गत कौनसा अनुच्छेद बालकों के नियोजन से सीधा सम्बन्धित है ?
(A) अनुच्छेद–19
(B) अनुच्छेद–17
(C) अनुच्छेद–23
(D) अनुच्छेद–24

89. भारतीय संविधान के अन्तर्गत निम्नलिखित में से किसे मूल अधिकारों का संरक्षक समझा जाता है ?

sscexamonline.blogspot.com

(A) संसद को

(B) राष्ट्रपति को

(C) न्यायपालिका को

(D) प्रधानमंत्री को

90. भारतीय संविधान को कितने भागों में विभाजित किया गया है ?

(A) सोलह भागों में

(B) बाइस भागों में

(C) चौबीस भागों में

(D) पच्चीस भागों में

91. भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद राष्ट्रपति को उच्चतम न्यायालय से परामर्श करने की शक्ति प्रदान करता है ?

(A) अनुच्छेद–129

(B) अनुच्छेद–132

(C) अनुच्छेद–143

(D) अनुच्छेद–32

92. निम्नलिखित में से किस वाद में उच्चतम न्यायालय ने 'संविधान के मूल ढाँचे' का सिद्धांत प्रतिपादित किया था ?

(A) गोलकनाथ

(B) ए. के. गोपालन

(C) केशवानन्द भारती

(D) मेनका गांधी

93. संविधान के निर्वचन के बारे में विधि के सारवान् प्रश्न से संबंधित वाद पर विचार करने के लिए उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की संख्या कम से कम कितनी होनी चाहिए ?

(A) पाँच (B) सात

(C) ग्यारह (D) तेरह

94. भारतीय संविधान का कौनसा भाग और अध्याय संघ और राज्यों के बीच विधायी संबंध के बारे में है ?

(A) भाग 11 और अध्याय 1

(B) भाग 11 और अध्याय 2

(C) भाग 12 और अध्याय 1

(D) भाग 12 और अध्याय 2

95. पंचायती राज से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों में से कौनसा सही नहीं है ?

(A) पंचायत व्यवस्था भारतीय ग्रामीण जीवन का युगों से एक अभिन्न अंग रहा है

(B) 73वाँ संशोधन 15 अगस्त, 1993 से प्रभावी हुआ

(C) यह एक त्रिस्तरीय जैविकीय रूप में जुड़ी संरचना है

(D) भारतीय संविधान का अनुच्छेद 243जी उसके महत्व को बढ़ाता है

96. निम्नलिखित में से कौनसे संवैधानिक प्राधिकरण हैं ?

1. राज्य निर्वाचन आयोग

2. वित्त आयोग

3. मुख्य निर्वाचन अधिकारी

4. पंचायत

नीचे दिए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

कूट :

(A) 1 और 2 केवल

(B) 1, 2 और 3 केवल

(C) 1, 2 और 4 केवल

(D) सभी चारों

97. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. भारत एक लोकतांत्रिक राज्य व्यवस्था है.

2. भारत एक प्रभुसत्ता सम्पन्न राज्य है.

3. भारत में लोकतांत्रिक समाज है.

4. भारत एक कल्याणकारी राज्य है.

उपर्युक्त कथनों में से कौन से सही हैं ?

(A) 1 और 2 केवल

(B) 1, 2 और 3 केवल

(C) 2, 3 और 4 केवल

(D) 1, 2, 3 और 4

98. निम्नलिखित में से कौन राष्ट्रपति के निर्वाचन हेतु निर्वाचक गण के सदस्य हैं ? दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

1. संसद के दोनों सदनों के सभी सदस्य

2. राज्य विधान सभाओं के सभी निर्वाचित सदस्य

3. संघ राज्य क्षेत्रों की विधान सभाओं के सभी निर्वाचित सदस्य

4. सभी राज्यपाल तथा उप-राज्यपाल

कूट :

(A) 1 और 2 केवल

(B) 2 और 3 केवल

(C) 1, 2 और 3 केवल

(D) 1, 2, 3 और 4

99. नीचे दो वक्तव्य दिए हैं–

कथन (A) : संघीय कार्यपालिका का मुखिया भारत का राष्ट्रपति होता है.

कारण (R) : राष्ट्रपति की शक्तियों की कोई सीमा नहीं है.

उपर्युक्त के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन एक सही है ?

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही स्पष्टीकरण है (A) का.

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है (A) का.

(C) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है.

(D) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है.

100. मंत्रि-परिषद् सामूहिक रूप से उत्तर-दायी होता है–

1. लोक सभा के प्रति

2. एक संवैधानिक बाध्यता के अंतर्गत

3. अनुच्छेद 75 (3) के अनुसार

4. अनुच्छेद 74 (3) के अनुसार

उपर्युक्त में से कौनसे कथन सही हैं ?

(A) 1 और 2 केवल

(B) 1, 2 और 3 केवल

(C) 1, 3 और 4 केवल

(D) 1, 2, 3 और 4

101. किसने कांग्रेस को सूक्ष्मदर्शीय अल्प-संख्यक जनता का प्रतिनिधि बताते हुए उसका मज़ाक उड़ाया था ?

(A) लार्ड रिपन ने

(B) लार्ड डफरिन ने

(C) लार्ड कर्जन ने

(D) लार्ड वेलेजली ने

102. अखिल भारतीय महासंघ स्थापित करने का प्रावधान शामिल किया गया था–

(A) भारत सरकार अधिनियम 1935 में

(B) अगस्त प्रस्ताव 1940 में

(C) भारत सरकार अधिनियम 1919 में

(D) कैबिनेट मिशन प्रस्ताव 1946 में

103. भारतीय संविधान को 26 नवम्बर, 1949 को किसके द्वारा 'अधिनियमित' किया गया था ?

(A) संविधान सभा द्वारा

(B) भारत के गवर्नर जनरल द्वारा

(C) भारतीय संसद द्वारा

(D) ब्रिटिश संसद द्वारा

104. निम्नलिखित में से कौनसा 'राज्य की नीति के निदेशक तत्वों' में निहित है ?

(A) अपराधों के लिए दोषसिद्धि के सम्बन्ध में संरक्षण

(B) प्राण और दैहिक स्वतन्त्रता का संरक्षण

sscexamonline.blogspot.com

(C) अल्पसंख्यक वर्गों के हितों का संरक्षण

(D) पुरुषों और स्त्रियों दोनों का समान कार्य के लिए समान वेतन हो

105. भारत के उपराष्ट्रपति का निर्वाचन एक निर्वाचकगण द्वारा किया जाता है, जिसके सदस्य होते हैं–

(A) संसद के दोनों सदनों के केवल निर्वाचित सदस्य

(B) संसद के दोनों सदनों के सभी सदस्य

(C) राज्य सभा के और राज्य विधान सभाओं के केवल निर्वाचित सदस्य

(D) राज्य विधान सभाओं के केवल निर्वाचित सदस्य

106. निम्नलिखित में से किसके बारे में संसदीय समिति गठित नहीं की गई है ?

(A) सार्वजनिक उद्यमों के बारे में

(B) सरकारी आश्वासनों के बारे में

(C) आकलनों के बारे में

(D) अल्पसंख्यकों के कल्याण के बारे में

107. क्या संविधान के अन्तर्गत भारतीय संघ के राज्य विदेशी ऋण सीधे लेने की शक्ति रखते हैं ?

(A) हाँ

(B) नहीं

(C) हाँ, पर केवल अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों से

(D) हाँ, पर केवल भारतीय रिजर्व बैंक की अनुमति से

108. निम्नलिखित बारम्बारता बंटन को किस प्रकार वर्गीकृत किया जाएगा ?

वर्ग	बारम्बारता
0 – 15	17
0 – 10	8
0 – 5	3

(A) निम्नतर प्रकार से संचयी बारम्बारता बंटन

(B) अधिकतर प्रकार से संचयी बारम्बारता बंटन

(C) विविक्त बारम्बारता बंटन

(D) संचयी बारम्बारता बंटन

109. निम्नलिखित में से कौनसा एक-आयाम वाला चित्र है ?

(A) बार-आरेख (B) पाई-चार्ट

(C) बेलन (D) आलेख

110. तोरण वक्र का अस्तित्व होता है–

(A) 'मोर दैन' प्रकार के बंटन में

(B) 'लैस दैन' प्रकार के बंटन में

(C) दोनों (A) और (B) में

(D) (A) और (B) में से किसी में भी नहीं

111. तोरण वक्रों की सहायता से क्या प्राप्त किया जाता है ?

(A) माध्यिका (B) दशमक

(C) शतमक (D) ये सभी

112. माध्य मापक है–

(A) विचलन का

(B) सहसम्बन्ध का

(C) केन्द्रीयमान का

(D) उपर्युक्त में किसी का भी नहीं

113. निम्नलिखित में से कौनसा केन्द्रीय प्रवृत्ति का मापक है ?

(A) मानक विचलन

(B) माध्य विचलन

(C) चतुर्थांश विचलन

(D) माध्यिका

114. x : 12 17 24 36 45

f : 2 5 3 8 9

वर्गीकृत है–

(A) सतत बंटन

(B) विविक्त बंटन

(C) संचयी बारम्बारता बंटन

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

115. ग्यारह प्रेक्षणों की माध्यिका 45 है, यदि एक प्रेक्षण 25 को 36 से बदल दिया जाता है तो नए प्रेक्षणों के समुच्चय की माध्यिका कितनी बढ़ जाएगी ?

(A) 0 (B) 1

(C) 5 (D) 11

116. एक कक्षा में बालकों की माध्य ऊँचाई 60 सेमी, बालिकाओं की माध्य ऊँचाई 55 सेमी तथा कक्षा के सभी विद्यार्थियों की माध्य ऊँचाई 57 सेमी है, तो कक्षा के बालकों की संख्या का बालिकाओं की संख्या से अनुपात कितना होगा ?

(A) 1 : 1 (B) 1 : 2

(C) 2 : 3 (D) 3 : 2

117. निम्नलिखित सारणी एक कम्पनी के पाँच वर्षों की आय तथा व्यय (₹ में) दर्शाती है.

वर्ष	आय	व्यय
2007	2000	1500
2008	2050	1500
2009	2170	1600
2010	2200	1600
2011	2250	1650

किस वर्ष में कम्पनी ने अपने पूर्व वर्ष के लाभ पर सर्वाधिक प्रतिशत लाभ अर्जित किया ?

(A) 2008 (B) 2009

(C) 2010 (D) 2011

118. यदि किसी समूह के प्रत्येक प्रेक्षण से 10 घटा दिया जाए तो प्रेक्षणों का माध्य–

(A) 10 बढ़ जाएगा

(B) 10 कम हो जाएगा

(C) वही रहेगा

(D) शून्य हो जाएगा

119. समान्तर माध्य (AM), गुणोत्तर माध्य (GM) तथा हरात्मक माध्य (HM) में क्या सम्बन्ध है ?

(A) AM = GM = HM

(B) GM ≥ AM ≥ HM

(C) HM ≥ GM ≥ AM

(D) AM ≥ GM ≥ HM

120. 7 संख्याओं 7, 9, 12, x, 5, 4, 11 का माध्य 9 है, तो अप्राप्त संख्या x क्या होगी ?

(A) 13 (B) 14

(C) 15 (D) 8

121. एक रेलगाड़ी प्रथम 5 किमी की दूरी 30 किमी/घं. की गति से चलकर तय करती है और द्वितीय 15 किमी की दूरी 45 किमी/घं. की गति से चलकर तय करती है, तो गाड़ी की औसत गति कितनी है ?

(A) 35 किमी/घं.

(B) 40 किमी/घं.

(C) 32 किमी/घं.

(D) 42 किमी/घं.

122. एक बंटन में तीन श्रेणी हैं, जिनमें 40, 50 और 60 मद हैं. श्रेणियों का माध्य क्रमशः 20, 26 और 15 है, तो बंटन का माध्य कितना होगा ?

(A) 20 (B) 18

(C) 25 (D) 22

123. दो संख्याओं का समान्तर माध्य 6·5 है और उनका गुणोत्तर माध्य 6 है, तो संख्याएं क्या होंगी ?

(A) 6, 9 (B) 5, 9

(C) 6, 7 (D) 4, 9

124. दो संख्याओं का समान्तर माध्य तथा हरात्मक माध्य क्रमशः 9 और 4 है, तो उनका गुणोत्तर माध्य क्या होगा ?

(A) 25 (B) 64

(C) 6 (D) 36

sscexamonline.blogspot.com

125. चर मानों 11, 7, 6, 9, 12, 15, 19 की माध्यिका क्या होगी ?

(A) 12 (B) 9

(C) 15 (D) 11

126. यदि A और B श्रेणी के माध्य तथा प्रसरण

$\bar{x}_A = 15, \bar{x}_B = 20, \sigma_A^2 = 25, \sigma_B^2 = 16$

हों, तो कौनसी श्रेणी अधिक संगत होगी ?

(A) श्रेणी A

(B) श्रेणी B

(C) श्रेणी A तथा B समान रूप से संगत है

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

127. निम्नलिखित श्रेणी का प्रसरण क्या होगा ?

x:	−3	−2	3	8	9
f:	5	4	22	4	5

(A) 14 (B) 15

(C) 18 (D) 20

128. तारीख पर विचार न करते हुए दो व्यक्तियों के एक ही दिन पैदा होने की प्रायिकता क्या होगी ?

(A) $\frac{1}{49}$

(B) $\frac{1}{365}$

(C) $\frac{1}{7}$

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

129. तीन अनभिनत सिक्कों को एक साथ उछालने में अधिक से अधिक एक 'हेड' आने की प्रायिकता क्या होगी ?

(A) $\frac{3}{8}$ (B) $\frac{7}{8}$

(C) $\frac{1}{2}$ (D) $\frac{1}{8}$

130. 4 लड़के, 2 लड़कियाँ तथा 3 लड़के एवं 1 लड़की वाले शिक्षार्थियों के दो वर्ग हैं. एक-एक छात्र को दोनों वर्गों से चुना जाता है. एक लड़का और एक लड़की चुने जाने की प्रायिकता क्या होगी ?

(A) $\frac{1}{9}$

(B) $\frac{5}{12}$

(C) 1

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

131. एक लीप वर्ष में 53 रविवार होने की प्रायिकता क्या होगी ?

(A) $\frac{2}{7}$ (B) $\frac{1}{7}$

(C) $\frac{2}{53}$ (D) $\frac{52}{53}$

132. एक अनभिनत सिक्के को 6 बार उछाला जाता है. क्रमागत 'हेड' और 'टेल' आने की प्रायिकता क्या होगी ?

(A) $\frac{1}{64}$

(B) $\frac{1}{32}$

(C) $\frac{1}{2}$

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

133. निम्नलिखित बारम्बारता बंटन का मानक विचलन $10\sqrt{2}$ है.

वर्ग अन्तराल	बारम्बारता
0–10	6
10–20	4
20–30	f_1
30–40	4
40–50	6

f_1 का मान क्या होगा ?

(A) 5 (B) 6

(C) 8 (D) 7

134. निम्नलिखित सारिणी में पुरुषों को उनके आयु के अनुसार वर्गीकृत किया गया है–

आयु वर्ष में	पुरुषों की संख्या
10 वर्ष से अधिक	80
20 वर्ष से अधिक	78
30 वर्ष से अधिक	78
40 वर्ष से अधिक	68
50 वर्ष से अधिक	52

30–40 वर्ष आयु के बीच पुरुषों की संख्या कितनी होगी ?

(A) 2 (B) 0

(C) 10 (D) 16

135. तारीख पर विचार न करते हुए दो व्यक्तियों के अलग-अलग दिनों में पैदा होने की प्रायिकता क्या होगी ?

(A) $\frac{48}{49}$

(B) $\frac{364}{365}$

(C) $\frac{6}{7}$

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

136. तीन संख्याओं का हरात्मक माध्य 18 है. यदि दो संख्याएं 12 तथा 36 हैं तो तीसरी संख्या क्या होगी ?

(A) 15

(B) 18

(C) 24

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

137. निम्नलिखित सारणी में एक कम्पनी के कर्मचारियों के विषय में जानकारी दी गई है–

	मासिक आय			
	₹ 10,000 से कम या बराबर	₹ 10,000 से अधिक पर ₹ 25,000 से कम या बराबर	₹ 25,000 से अधिक	योग
महिलाएं	34	B	12	76
पुरुष	62	42	C	D
योग	A	72	32	200

A, B तथा C के मान क्या होंगे ?

(A) A = 96, B = 32, C = 20

(B) A = 96, B = 32, C = 25

(C) A = 96, B = 30, C = 20

(D) A = 90, B = 30, C = 20

138. निम्नलिखित चार संख्याओं में से बेमेल कौन सी है ?

(A) 876321 (B) 349416

(C) 318960 (D) 387316

139. यदि आकृति में बहिष्कोण का मान 120° है और कोण B 90° का है तो त्रिकोण में कोण x का मान क्या होगा ?

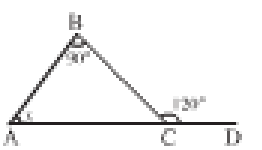

(A) 40° (B) 35°

(C) 30° (D) 45°

140. निम्नलिखित में बेमेल कौनसा है ?

(A) 26 जनवरी (B) 13 अप्रैल

(C) 15 अगस्त (D) 2 अक्टूबर

141. लड़कों की एक पंक्ति में राकेश दाहिनी ओर से 11वाँ है और बाईं ओर से मोहन 15वाँ है. अगर मोहन से राकेश 12वाँ है तो पंक्ति में कुल कितने लड़के हैं ?

(A) 36 (B) 38

(C) 37 (D) 39

sscexamonline.blogspot.com

142. निम्नलिखित का मान क्या है ?

$$\left(1-\frac{1}{2}\right)\left(1-\frac{1}{3}\right)\left(1-\frac{1}{4}\right)\ldots\left(1-\frac{1}{n-1}\right)\left(1-\frac{1}{n}\right)$$

(A) $\frac{n}{n+1}$

(B) $\frac{1}{5n}$

(C) $\frac{1}{3n}$

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

143. निम्नलिखित भिन्नों का आरोही क्रम क्या है ?

$\frac{3}{8}, \frac{3}{5}, \frac{2}{3}$ और $\frac{1}{2}$

(A) $\frac{3}{8}, \frac{1}{2}, \frac{2}{3}, \frac{3}{5}$

(B) $\frac{1}{2}, \frac{3}{8}, \frac{3}{5}, \frac{2}{3}$

(C) $\frac{3}{8}, \frac{1}{2}, \frac{3}{5}, \frac{2}{3}$

(D) $\frac{1}{2}, \frac{2}{3}, \frac{3}{8}, \frac{3}{5}$

144. वह सबसे छोटी संख्या कौनसी है जिसको 4, 5, 6 तथा 8 से भाग देने पर 3 शेष बचता है, किन्तु 9 से भाग देने पर कोई शेष नहीं बचता ?

(A) 123 (B) 243

(C) 729 (D) 363

145. 24, 31, 58 और 79 में कौनसी संख्या घटा दी जाए कि पहली दो संख्याओं में बची हुई संख्याओं का अनुपात दूसरी दो संख्याओं से बची हुई संख्याओं के अनुपात से समानुपाती हो ?

(A) 5

(B) 7

(C) 8

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

146. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

I. सभी लड़कियाँ माँ हैं.

II. कुछ माताएँ 20 वर्ष की उम्र से अधिक हैं.

उपर्युक्त दो कथनों के आधार पर यह ज्ञात कीजिए कि निम्नलिखित निष्कर्षों में कौनसा एक तर्कसंगत रूप से सही है ?

(A) सभी लड़कियाँ 20 वर्ष की उम्र से अधिक हैं

(B) कुछ लड़कियाँ 20 वर्ष की उम्र से अधिक हैं

(C) सभी माताएँ लड़कियाँ हैं

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

147. P, Q, R, S और T किसी पंक्ति में बैठे हैं. P और T के बीच में Q है. यह जानने के लिए कि कौन मध्य में है, निम्नलिखित सूचनाओं (I तथा II) में कौनसी पर्याप्त है ?

I : Q के बाएँ तरफ तथा S के दाहिने तरफ P है.

II : R दाहिने छोर पर है.

(A) केवल I

(B) केवल II

(C) या तो I या II

(D) दोनों I एवं II

148. वर्तमान में पिता अपने पुत्र से तीन गुनी आयु का है. पाँच वर्ष पहले उसकी आयु पुत्र की आयु से चार गुनी थी. वर्तमान में पुत्र की आयु क्या है ?

(A) 20 वर्ष (B) 18 वर्ष

(C) 15 वर्ष (D) 12 वर्ष

149. निम्न चित्र में त्रिभुज प्रदर्शित करता है आदमी, आयत प्रदर्शित करता है नौकरी करने वाले लोग तथा वृत्त प्रदर्शित करता है डाक्टर. इस चित्र का वह क्षेत्र कौनसा है जो उन आदमी डाक्टरों को जो नौकरी नहीं करते हैं प्रदर्शित करता है ?

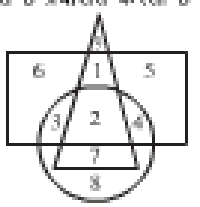

(A) 8 (B) 7

(C) 3 (D) 1

150. निम्नलिखित में से कौनसी एक संख्या दी हुई संख्याओं 253, 275, 385 के समान है ?

(A) 263 (B) 165

(C) 835 (D) 683

उत्तर व्याख्या सहित

sscexamonline.blogspot.com

sscexamonline.blogspot.com

●●●

शेष पृष्ठ 1816 का

4. विस्मयादिबोधक अव्यय

जिन शब्दों से वक्ता, श्रोता या लेखक के मन में विस्मय, हर्ष, शोक, लज्जा, ग्लानि आदि मनोभाव प्रकट होते हों, उन्हें विस्मयादिबोधक अव्यय कहते हैं. इनके निम्नलिखित 7 भेद हैं–

(1) **हर्षबोधक अव्यय**–वाह-वाह !, धन्य-धन्य !, आहा !, शाबाश !

(2) **शोकबोधक अव्यय**–हाय ! हाय !, हा-हा !, त्राहि-त्राहि !

(3) **आश्चर्यबोधक अव्यय**–अहो ! अहो !, ओहो, हैं !, क्या.

(4) **अनुमोदनबोधक अव्यय**–अच्छा !, हाँ-हाँ !, वाह !, शाबाश.

(5) **तिरस्कारबोधक अव्यय**–छिः !, हट !, अरे !, धिक.

(6) **स्वीकृतिबोधक अव्यय**–अच्छा !, ठीक !, बहुत अच्छा !, हाँ, जी हाँ.

(7) **सम्बन्धबोधक अव्यय**–अरे !, रे !, अजी !, अहो !, आदि.

विशेष–कभी-कभी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि शब्द भी विस्मयादिबोधक का काम करते हैं–

जैसे–(1) **संज्ञा**–राम राम !, शिव-शिव !, जय गंगे !, श्री कृष्ण आदि.

(2) **सर्वनाम**–यही !, कौन !, क्या !, तूने आदि.

(3) **विशेषण**–सुन्दर !, अच्छा !, खूब !, बहुत अच्छे !, जंगली ! आदि.

(4) **क्रिया**–चला जाऊँ !, चुप !, आ गए ! आदि.

5. निपात

वे सहायक पद जो वाक्यार्थ में नवीन अर्थ या चमत्कार उत्पन्न कर देते हैं, निपात कहलाते हैं, **जैसे**–ही, तक, तो, भी, सा, जी, मत, यह, क्या आदि. **जैसे**–आप भी नहीं गए. उसने तो हद कर दी.

●●●

शेष पृष्ठ 1822 का

में मात्र ऐतिहासिक महत्व की वस्तु बनकर रह गई.

- पाषाण-स्तम्भ मौर्यों के बाद भी बनते रहे, जैसे–मध्य प्रदेश के विदिशा जिले में स्थित बेसनगर (विदिशा) में तक्षशिला के यूनानी राजदूत हेलियोडोरस द्वारा स्थापित गरुडध्वज विशेष उल्लेखनीय है.
- विदिशा से ही प्राप्त दो ताड़-स्तम्भ शीर्ष आजकल ग्वालियर संग्रहालय में रखे हुए हैं.
- द्वितीय-प्रथम शताब्दी ई. पू. के तीन स्तम्भों के शीर्ष उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद जिले में स्थित कौशाम्बी के समीपस्थ मैनहाई नामक स्थान से मिले हैं. इनमें से एक तालध्वज का शीर्ष है.
- स्कन्दगुप्त का भितरी पाषाण-स्तम्भ तथा चन्द्र का मेहरौली का लौह स्तम्भ विशेष प्रसिद्ध है.
- कला में पाषाण के प्रयोग की, जो परम्परा मौर्यों के समय में प्रारम्भ हुई, वह उसके बाद निरन्तर चलती रही.
- नृपमूर्तियों के निर्माण की, जो पृष्ठभूमि शैशुनाक काल में तैयार हुई उसकी परिणति शुंग-सातवाहनकाल की मृण्मूर्तियों की अपार सम्पदा के रूप में हुई.
- शैशुनाक काल की कला की अनेक परम्पराएं कालान्तर में भारतीय कला में अनुस्यूत देखी जा सकती हैं.

●●●

एल.आई.सी. हाउसिंग फाइनेन्स असिस्टेंट परीक्षा, 17-02-2013 का हल प्रश्न-पत्र

सामान्य ज्ञान

(स्मृति पर आधारित)

1. कम्प्यूटर एक सरल सिद्धान्त, जिसे GIGO कहते हैं, का अनुपालन करता है. इससे तात्पर्य है–
   (A) गार्बेज इनपुट गुड आउटपुट
   (B) गार्बेज इन गार्बेज आउट
   (C) ग्रेटर इन्स्ट्रक्शन ग्रेटर आउटपुट
   (D) गुड इनपुट गुड आउटपुट

2. 'विंग्स ऑफ फायर' पुस्तक किसके द्वारा लिखी गई है ?
   (A) अटल बिहारी वाजपेई
   (B) अमित चौधरी
   (C) ए. पी. जे. अब्दुल कलाम
   (D) भारत कर्नाड

3. भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 के अन्तर्गत प्रत्येक उच्च न्यायालय को रिट निर्गमित करने का अधिकार होता है. निम्नलिखित में से कौनसा एक रिट नहीं है ?
   (A) क्वो वारन्टो
   (B) मैन्डमस
   (C) अल्टीगम सन्सीसियम
   (D) निषेधाज्ञा

4. निम्नलिखित में से कौनसा एक स्थल-रुद्ध देश है ?
   (A) बुल्गारिया (B) हंगरी
   (C) रोमानिया (D) यूक्रेन

5. Psephology क्या है ?
   (A) चुनाव मतदान का सांख्यिकीय अध्ययन
   (B) वर्षा होने के पैटर्न का अध्ययन
   (C) जीन गड़बड़ियों का अध्ययन
   (D) उपर्युक्त में से कोई भी सही नहीं है

6. घरेलू प्रशीतकों में प्रयुक्त सामान्य प्रशीतक है–
   (A) मीथेन
   (B) ऑक्सीजन
   (C) नाइट्रोजन
   (D) फ्रीआन

7. निम्नलिखित में से किस खाद्य पदार्थ में लोह की प्रचुरता है ?
   (A) चावल (B) सेब
   (C) दलहन (D) संतरा

8. किस फसल के लिए भारत में विश्व का सबसे बड़ा कृषि क्षेत्र है ?
   (A) गेहूँ (B) चावल
   (C) दलहन (D) कपास

9. यह राज्य भारत के कॉफी एवं सिल्क के उत्पादन में 70 प्रतिशत का योगदान देता है. इस राज्य का नाम बताएँ–
   (A) कर्नाटक (B) असम
   (C) राजस्थान (D) पंजाब

10. कौनसा सिद्धान्त यह वर्णित करता है कि जब एक पिण्ड अंशतः या पूर्णतः तरल में डुबाया जाता है तो तरल द्वारा विस्थापित भार के बराबर एक ऊपरी प्रतिबल अनुभव करता है ?
    (A) न्यूटन का
    (B) पास्कल का
    (C) आर्किमिडीज का
    (D) हूक्स का

11. सियरा लियोन के बारे में कौनसा कथन सत्य नहीं है ?
    (A) इसका अर्थ शेरों का पर्वत है
    (B) यह गुइना एवं लाईबेरिया के मध्य-पश्चिमी अफ्रीकन उभार पर स्थित है
    (C) यह जानवरों पर अत्याचार की रोकथाम के लिए जाना जाता है
    (D) इस क्षेत्र का नाम मूलतः पुर्तगाली नाविकों द्वारा दिया गया है

12. गलत कथन को पहचानें–
    (A) कुचीपुडी केरल की एक नृत्य शैली है
    (B) खालसा पंथ (सिक्ख) की स्थापना गुरु गोविन्द सिंह द्वारा की गई
    (C) जोरास्ट्री धर्म की स्थापना जोरास्थ्रस्त्र द्वारा की गई
    (D) विश्व की सबसे ऊँची वेधशाला जम्मू एवं कश्मीर में स्थित है

13. हेनिस गुम्बा त्योहार, जो अन्तर्राष्ट्रीय स्तर से प्रसिद्ध है, किस राज्य का है ?
    (A) जम्मू एवं कश्मीर
    (B) हिमाचल प्रदेश
    (C) राजस्थान
    (D) उपर्युक्त में से कोई भी सही नहीं है

14. बेरी-बेरी किस विटामिन की कमी से होता है ?
    (A) C (B) D
    (C) B_1 (D) A

15. जब सूर्य एवं चन्द्रमा का खिंचाव पृथ्वी पर एक-दिशीय हो तो सागर में उत्पन्न होने वाला ज्वार भाटा होता है–
    (A) ज्वार
    (B) वृहद ज्वार भाटा
    (C) लघु ज्वार भाटा
    (D) भाटा

16. सफदरजंग का मकबरा किसने बनवाया ?
    (A) शुजा-उद्-दौला
    (B) औरंगजेब
    (C) मुहम्मद बिन तुगलक
    (D) हुमायूँ

17. गठ्ठयसनता में उपयोगी विटामिन है–
    (A) थायमिन
    (B) पायरीडॉक्सीन
    (C) फोलिक अम्ल
    (D) ऐस्कार्बिक अम्ल

18. निम्नलिखित में से कौन प्राकृतिक रूप से होने वाली मलेरिया रोधी औषधि है?
    (A) क्विनेक्रीन
    (B) आर्टिमिसिनाइन
    (C) मैफ्लोक्वीन
    (D) मैपाक्रीन

19. औषधि की खुदरा बिक्री के लाइसेंस निम्न द्वारा जारी किए जाते हैं–
    (A) भारतीय औषधि नियंत्रक
    (B) केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री
    (C) राज्यों के औषधि नियंत्रक प्राधिकरण
    (D) स्वास्थ्य सेवा निदेशक

20. विटामिन 'K' निम्न के लिए जरूरी होता है–
    (A) रिकेट्स का निवारण
    (B) घातक अरक्तता का निवारण
    (C) प्रोथ्रोम्बिन का निर्माण
    (D) DNA का निर्माण

21. ऐल्डोस्टेरोन नियंत्रित करता है–
    (A) रक्त का ग्लूकोज
    (B) सीरम कैल्सियम
    (C) मूत्र का गाढ़ापन
    (D) सोडियम अवशोषण

22. मथने के पश्चात दूध से क्रीम पृथक् हो जाती है, निम्न के कारण–
    (A) गुरुत्वाकर्षण बल

sscexamonline.blogspot.com

(B) संसंजक बल
(C) अपकेन्द्रीय बल
(D) घर्षण बल

23. ध्वनि की गति अधिकतम होती है–
(A) ठोस में
(B) तरल में
(C) गैस में
(D) सभी दशाओं में बराबर

24. न्यूटन किसकी इकाई है ?
(A) कार्य (B) ऊर्जा
(C) बल (D) त्वरण

25. असत्य कथन बताएँ–
(A) अनुसूची 19 (स्वतंत्रता) के अन्तर्गत दिए गए मौलिक अधिकार आरक्षित रहते हैं जब राष्ट्रपति द्वारा आपातकाल की घोषणा की जाती है
(B) एक समादेश याचिका सर्वोच्च न्यायालय में सीधे नहीं डाली जा सकती है
(C) संसद के दोनों सदनों के मध्य अधिकतम अन्तराल छः महीने का हो सकता है
(D) भारत में बहुसंख्यक राज्यों में एक-सदनीय विधान सभा है

26. खाड़ी प्रवाह एक सागर धारा है जो आरम्भ होती है–
(A) फ्लोरीडा के समुद्र तट से
(B) बंगाल की खाड़ी से
(C) खाड़ी देशों की तटवर्ती
(D) फिलिपीन्स से

27. निम्नलिखित में से किस उपकरण को वायुयान की चाल मापने के लिए प्रयोग करते हैं ?
(A) वेन्चुरीमापी
(B) ऑरीफिस पट्टिका
(C) रोटामापी (वक्ररेखा मापी)
(D) पीटोटनली

28. उत्प्रेरक की उपस्थिति में यह हाइड्रोजन के साथ नाइट्रोजन की अभिक्रिया द्वारा अमोनिया बनाने का एक औद्योगिक प्रक्रम है–
(A) सोल्वे प्रक्रम (B) बेयर प्रक्रम
(C) हैबर प्रक्रम (D) बेसेमर प्रक्रम

29. भारत इसका सबसे बड़ा उत्पादक है और यह भारत के सर्वाधिक दक्षिणी हिस्से केप कोमोरिन के समीप काली रेती में पाया जाता है–
(A) बेरीलियम (B) कायनाइट
(C) लिगनाइट (D) इल्मेनाइट

30. संविधान की कौनसी अनुसूची संसद सदस्य एवं विधान-सभा सदस्य की अयोग्यता का प्रावधान दल-बदल के आधार पर रखती है ?
(A) 9वीं (B) 11वीं
(C) 12वीं (D) 10वीं

31. यूरो संकट एवं यूरोप के बीमार व्यक्ति सम्बन्धित पद है. यूरोप के बीमार व्यक्ति को पहचानें–
(A) पुर्तगाल एवं ग्रीस
(B) पुर्तगाल, ग्रीस एवं स्पेन
(C) इटली, पुर्तगाल एवं स्लोवेनिया
(D) पुर्तगाल, ग्रीस, स्पेन, इटली एवं स्लोवेनिया

32. भारत सरकार ने वर्तमान दशक (2010–2020) को अभिनव परिवर्तन का दशक मनाने का निर्णय लिया है एवं इस उद्देश्य हेतु राष्ट्रीय अभिनव परिवर्तन परिषद् की स्थापना की जाएगी जिसके मुखिया होंगे–
(A) के. कस्तूरीरंगन
(B) आर. ए. माशेलकर
(C) किरण मजूमदार शॉ
(D) सैम पित्रोदा

33. बुशर में पहला नाभिकीय ऊर्जा संयन्त्र, यहाँ संदर्भित देश कौनसा है ?
(A) उत्तरी कोरिया
(B) कज़ाकिस्तान
(C) ईरान
(D) अर्जेन्टीना

34. निम्नलिखित युक्तियों को उनकी चाल के आरोही क्रम में व्यवस्थित करें–
(a) RAM (b) Hard disk
(c) Cache (d) Floppy
(A) dbac (B) bdac
(C) badc (D) abdc

35. अंग्रेजी भाषा का एक निघण्टु (दस लाखवाँ) शब्द बनने का सम्मान किसको गया ?
(A) Noob (B) Jai Ho
(C) Slumdog (D) Web 2.0

36. "संसद को मौलिक अधिकारों को खत्म करने या कम करने का कोई अधिकार नहीं है." यह सर्वोच्च न्यायालय के किस निर्णय में कहा गया है ?
(A) केशवानन्द भारती बनाम केरल राज्य
(B) गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य
(C) शंकर प्रसाद बनाम भारत सरकार
(D) ए. के. गोपालन बनाम मद्रास राज्य

37. इन्होंने अपना जीवन IFS अधिकारी के रूप में प्रारम्भ किया एवं 15वीं लोक-सभा की सभापति सर्वसम्मति से चुनी गईं. यह लोक सभा के लिए चुनी गईं एवं यह उस लोक-सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रही है जो निम्नलिखित राज्य में स्थित है–
(A) मध्य प्रदेश (B) झारखण्ड
(C) बिहार (D) पश्चिम बंगाल

38. पहली भारतीय महिला जो अन्टार्कटिका पर पहुँची–
(A) उज्ज्वल पाटिल
(B) प्रितिसु गुप्ता
(C) महेल मुसा
(D) गीता घोष

39. भारतीय संविधान की कौनसी अनुसूची राज्य परिषद् की सीटों के बटवारे के बारे में वर्णन करती है ?
(A) चौथी (B) तीसरी
(C) दसवीं (D) आठवीं

40. निम्नलिखित को सुमेलित करें–

क्षेत्र
(a) औषधि विज्ञान
(b) शान्ति
(c) साहित्य
(d) भौतिकी

2010 नोबेल पुरस्कार विजेता
1. लिवू जियाबो
2. एन्ड्रे जेम एवं कोन्सटेन्टिन
3. रोबर्ट जी एडवर्डस्
4. मेरियो वरगास लोसा

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	3	2	1
(B)	3	1	2	4
(C)	1	3	4	2
(D)	3	1	4	2

41. अभी हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित कॉमनवेल्थ खेलों में सबसे पहला स्वर्ण पदक किस देश ने जीता ?
(A) नाइजीरिया (B) भारत
(C) इंगलैण्ड (D) आस्ट्रेलिया

42. नागरिकता अधिनियम, 1955 के प्रावधानों को 3 वृहद भागों में विभक्त किया गया है, नागरिकता ग्रहण, नागरिकता समाप्ति एवं पूरक प्रावधान अधिनियम द्वारा भारत की नागरिकता प्राप्त करने के लिए कितने तरीके बताए गए हैं ?
(A) तीन (B) चार
(C) पाँच (D) दो

sscexamonline.blogspot.com

43. वर्षों के मोल-भाव एवं समझौते के बाद कौनसे देश अन्ततः आगे बढ़े एवं 7-6 बिलियन डॉलर वाले क्रास बॉर्डर गैस पाइपलाइन डील को जून 2010 में हस्ताक्षर किए जोकि 2014 के मध्य तक चालू हो जाएगी–

(A) भारत एवं पाकिस्तान

(B) पाकिस्तान एवं ईरान

(C) भारत, पाकिस्तान एवं ईरान

(D) भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान एवं ईरान

44. निम्नलिखित में से किसे विपक्ष का नेता चुना जाएगा एवं उसे कैबिनेट मंत्री का दर्जा एवं सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी ?

(A) विपक्षी दल जिसमें सबसे ज्यादा संख्या में सांसद हैं

(B) विपक्षी दल जिसमें सबसे ज्यादा संख्या में सांसद हैं एवं जिनकी संख्या सदन की कुल संख्या का कम से कम 1/10 है

(C) विपक्षी दल जिसमें सबसे ज्यादा संख्या में सांसद हैं एवं जिनकी संख्या सदन की कुल संख्या का कम से कम 1/5 है

(D) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं है

45. पृथ्वी के केन्द्र पर, किसी पिण्ड का द्रव्यमान होगा–

(A) सतह से कम

(B) स्थिर

(C) सतह से अधिक

(D) शून्य

46. जीवन की उत्पत्ति की दिशा में बनने वाले यौगिक थे–

(A) यूरिया तथा केन्द्रक अम्ल

(B) अमीनो अम्ल तथा यूरिया

(C) प्रोटीन्स तथा केन्द्रक अम्ल

(D) प्रोटीन्स तथा अमीनो अम्ल

47. भारत में इलाइची का सर्वाधिक उत्पादन करने वाला प्रदेश है–

(A) सिक्किम

(B) असम

(C) मेघालय

(D) इनमें से कोई नहीं

48. केईबुल लेम्जाओ, विश्व का एकमात्र तैरता राष्ट्रीय उद्यान स्थित है–

(A) असम में (B) मेघालय में

(C) मणिपुर में (D) मिजोरम में

49. पूर्व एवं पश्चिमी कॉरीडोर जो राष्ट्रीय राजमार्ग में सम्मिलित है, सम्बद्ध करता है–

(A) सिल्चर से पोरबन्दर

(B) कोलकाता से मुम्बई

(C) पटना से सूरत

(D) इनमें से कोई नहीं

50. इन्जाइम, जो ग्लूकोज को एथिल ऐल्कोहॉल में परिवर्तित करता है, होता है–

(A) इनवर्टेज (Invertase)

(B) माल्टेज (Maltase)

(C) जाइमेस (Zymase)

(D) डाइस्टेज (Diastase)

उत्तर व्याख्या सहित

●●●

Just Released
UPKAR'S
Teacher Eligibility Test
Social Studies
For Classes VI-VIII
By : Anshu Mangal
Code No. 1740 Price : ₹ 150/-
UPKAR PRAKASHAN, AGRA-2
E-mail : care@upkar.in ● Website : www.upkar.in

sscexamonline.blogspot.com

हे.न.ब. गढ़वाल (केन्द्रीय विश्वविद्यालय), एम.एड. प्रवेश परीक्षा, 28-10-2012 का हल प्रश्न-पत्र

सामान्य अध्ययन

1. "शिक्षा का मुख्य कार्य उत्तम नैतिक चरित्र का विकास करना है।" उक्त कथन किसका है ?
   (A) डीवी (B) हरबर्ट
   (C) विवेकानन्द (D) प्लेटो
2. शिक्षा यानि 'एजुकेशन' शब्द की उत्पत्ति हुई है–
   (A) अंग्रेजी से
   (B) लेटिन से
   (C) जर्मन से
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
3. अखिल किस दर्शन का चिन्तन विषय है ?
   (A) मूल्यशास्त्र (B) तर्कशास्त्र
   (C) ज्ञानवाद (D) तत्ववाद
4. प्रकृतिवाद शिक्षा की देन है–
   (A) पुस्तकीय ज्ञान
   (B) शिक्षक केन्द्रित शिक्षा
   (C) बाल केन्द्रित शिक्षा
   (D) योजना पद्धति
5. 'ई-ड्यूको' का अर्थ है–
   (A) पालन करना
   (B) प्रशिक्षित करना
   (C) पुष्टि करना
   (D) प्रकट करना
6. कौनसा कथन सत्य नहीं है ?
   (A) शिक्षा एक सप्रयास की जाने वाली प्रक्रिया है
   (B) शिक्षा एक बहुपक्षीय (बहुमुखीय) प्रक्रिया है
   (C) शिक्षा एक सामाजिक प्रक्रिया है
   (D) शिक्षा एक प्राकृतिक प्रक्रिया है
7. 'बुनियादी तालीम' (बेसिक शिक्षा) के प्रवर्तक थे–
   (A) डॉ. जाकिर हुसैन
   (B) श्री अरविन्द
   (C) महात्मा गांधी
   (D) विवेकानन्द
8. 'प्रयोजनवाद' विश्वास करता है–
   (A) स्थायी मूल्यों में
   (B) परिवर्तनशील मूल्यों में
   (C) चिरंतन मूल्यों में
   (D) सामाजिक मूल्यों में
9. कौन समाजीकरण का अभिकरण नहीं है ?
   (A) सम्बन्धी समूह
   (B) पड़ोस
   (C) खेल साथी
   (D) मुद्रित सामग्री
10. जीवनपर्यन्त चलने वाली शिक्षा है–
   (A) औपचारिक
   (B) अनौपचारिक
   (C) औपचारिकेत्तर
   (D) दूरस्थ
11. 'शिक्षा एक त्रिध्रुवीय प्रक्रिया है' यह कथन है–
   (A) पेस्टालॉजी (B) डीवी
   (C) एडम्स (D) प्रोवेल
12. शिक्षा का सर्वोपरि उद्देश्य है–
   (A) सामाजिक दक्षता
   (B) व्यावसायिक दक्षता
   (C) मानव निर्माण
   (D) नागरिक दक्षता
13. 'स्वामी विवेकानन्द' द्वारा लिखित पुस्तक है–
   (A) चामरी (B) मेरे गुरुदेव
   (C) परमानन्द (D) यामिनी
14. भारतीय संविधान के 'अनुच्छेद 45' का सम्बन्ध है–
   (A) माध्यमिक शिक्षा से
   (B) उच्च शिक्षा से
   (C) पूर्व माध्यमिक शिक्षा से
   (D) प्राथमिक शिक्षा से
15. एकीकृत शिक्षा का प्रत्यय दिया था–
   (A) विवेकानन्द (B) गांधीजी
   (C) टैगोर (D) अरविन्द
16. 'एकता सम्मेलन-1961' की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय एकता है–
   (A) मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया
   (B) सामाजिक प्रक्रिया
   (C) शैक्षिक प्रक्रिया
   (D) शैक्षिक तथा मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया
17. संस्कृति में सम्मिलित है–
   (A) सामाजिक मूल्य
   (B) धार्मिक अनुभव
   (C) वैज्ञानिक ज्ञान
   (D) उपर्युक्त सभी
18. 'धर्मनिरपेक्षता' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग किया था–
   (A) जॉर्ज काउन्ट ने
   (B) जॉर्ज जेकब होलीओक ने
   (C) वेल्श ने
   (D) राधाकृष्णन् ने
19. शिक्षा के चार स्तम्भ बताए हैं–
   (A) मुदालियर आयोग ने
   (B) शिक्षा आयोग ने
   (C) डेलर्सी रिपोर्ट ने
   (D) यूजीसी ने
20. प्रकृति को महान् शिक्षक बताया है–
   (A) महात्मा गांधी (B) रौस
   (C) टैगोर (D) विवेकानन्द
21. महात्मा गांधी द्वारा स्थापित शिक्षा संस्थान का नाम है–
   (A) शान्ति निकेतन
   (B) काशी विद्यापीठ
   (C) गुजरात विद्यापीठ
   (D) गुरुकुल कांगड़ी
22. "उठो, जागो और आगे बढ़ते रहो, जब तक सफलता नहीं मिल जाती।" उक्त कथन है–
   (A) स्वामी दयानन्द सरस्वती
   (B) स्वामी विवेकानन्द
   (C) अरविन्द
   (D) महात्मा गांधी
23. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य है ?
   (A) सामाजिक पर्यावरण शिक्षा का प्रमुख अंग नहीं है
   (B) शिक्षा एक संकुचित अवधारणा है
   (C) प्रशिक्षण एक संकुचित अवधारणा है
   (D) शिक्षा में निर्देशन की अवधारणा व्यापक है
24. परिवार की विशेषताएं हैं–
   (A) सार्वभौमिकता तथा भावात्मक आधार
   (B) समग्र व्यक्तित्व का विकास
   (C) मनोवैज्ञानिक तथा चारित्रिक विकास
   (D) बौद्धिक तथा भावनात्मक विकास

sscexamonline.blogspot.com

25. "शिक्षा जन्म से प्रारम्भ होती है तथा माता उपयुक्त परिचारिका है" उक्त कथन है–
(A) पेस्टालॉजी का
(B) सुकरात का
(C) प्लेटो का
(D) रूसो का

26. रूसो की प्रमुख रचना है–
(A) एजुकेशन टुडे
(B) ऑन एजुकेशन
(C) एमील
(D) फ्रीडम एण्ड ऑर्गनाइजेशन

27. इंगलैण्ड के प्रसिद्ध दार्शनिक 'बर्ट्रेण्ड रसेल' की प्रमुख रचना है–
(A) द कॉन्ट्रेक्ट ऑफ हेपीनेस
(B) सोशल कॉन्ट्रेक्ट
(C) न्यू हेलवायस
(D) एमील

28. "शिक्षा मानव की जन्मजात शक्तियों का स्वाभाविक, समरूप तथा प्रगतिशील विकास है." उक्त कथन है–
(A) प्लेटो का
(B) जे. एस. मैकेन्जी का
(C) पेस्टालॉजी का
(D) फ्रावेल का

29. 'प्रकृतिवाद' का जन्मदाता माना जाता है–
(A) रूसो (B) प्लेटो
(C) रसेल (D) अरस्तु

30. "शिक्षा के द्वारा व्यक्ति के अन्दर आत्मनिर्भरता की भावना का विकास करना चाहिए, दया या सहानुभूति का नहीं, क्योंकि अत्यधिक दया या सहानुभूति के व्यवहार से व्यक्ति का आत्मसम्मान खो जाता है." शिक्षा के बारे में उक्त कथन है–
(A) रसेल का
(B) डी. वी. का
(C) प्रो. डम्बिल का
(D) पेस्टालॉजी का

31. विद्यार्थियों में 'ब्रह्मचर्य' तथा 'सदाचार' पर विशेष जोर दिया–
(A) स्वामी दयानन्द सरस्वती ने
(B) रूसो ने
(C) टैगोर ने
(D) प्लेटो ने

32. दर्शन या 'फिलॉसफी' किस भाषा से लिया गया है ?
(A) ग्रीक (B) अंग्रेजी
(C) लैटिन (D) जर्मन

33. दर्शन शब्द का सर्वप्रथम किसने प्रयोग किया था ?
(A) प्लेटो (B) पाइथागोरस
(C) टॉलमी (D) अरस्तु

34. "शिक्षा दर्शन, शिक्षा की समस्याओं के अध्ययन में दर्शन का प्रयोग करना है." उक्त कथन किसका है ?
(A) किडले (B) कनिंघम
(C) किलपैट्रिक (D) हेन्डरसन

35. "कोई भी सिद्धान्त शाश्वत सत्य नहीं है, बल्कि देश-काल व परिस्थितियों के अनुसार सत्य बदलते रहते हैं." यह किस दार्शनिक सिद्धान्त का कथन है ?
(A) आदर्शवाद (B) प्रकृतिवाद
(C) प्रयोजनवाद (D) यथार्थवाद

36. 'स्यादवाद' किस धर्म की देन है ?
(A) बौद्ध धर्म (B) जैन धर्म
(C) हिन्दू धर्म (D) फारसी धर्म

37. "मस्तिष्क कोरी पट्टिका के समान है, जिस पर अनुभव के द्वारा कुछ भी लिखा जा सकता है." उक्त कथन है–
(A) जॉन लॉक का
(B) कमेनियस का
(C) हरबर्ट का
(D) ब्राइटलैण्ड का

38. 'आदर्शवाद' का अन्य नाम है–
(A) यथार्थवाद (B) प्रत्ययवाद
(C) प्रकृतिवाद (D) परिवर्तनवाद

39. आदि गुरु 'शंकराचार्य' द्वारा उपनिषदों, गीता तथा वेदान्त सूत्रों पर की गई भाष्य रचना किस नाम से विख्यात है ?
(A) मुण्डक उपनिषद्
(B) प्रस्थानत्रयी
(C) पंचतन्त्र
(D) अमृतपद्म

40. पंडित मदनमोहन मालवीय ने 'काशी विश्वविद्यालय' की स्थापना की–
(A) वर्ष 1925 में (B) वर्ष 1932 में
(C) वर्ष 1934 में (D) वर्ष 1946 में

41. निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है ?
(A) शिक्षा दर्शन, पूँजी तथा रोजगार अर्जन के लिए जरूरी है
(B) शिक्षा तथा दर्शन एक सिक्के के दो पहलू हैं
(C) शिक्षा व्यक्ति के समग्र विकास की एक प्रक्रिया है
(D) शिक्षा दर्शन का गत्यात्मक पक्ष है

42. शिक्षा दर्शन, शिक्षा से सम्बन्धित किन बातों पर विचार करता है ?
(A) समस्याओं पर
(B) लेखों पर
(C) दशाओं पर
(D) भावनाओं पर

43. गांधीजी द्वारा 'बेसिक (बुनियादी) शिक्षा' के दिए गए प्रमुख सिद्धान्तों में से कौनसा असंगत है ?
(A) 7–14 वर्ष तक के बच्चों के लिए निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा
(B) मातृभाषा शिक्षा का माध्यम
(C) स्वतन्त्रता प्रधान प्रणाली
(D) परीक्षा पद्धति पर जोर

44. 'क्रिया द्वारा शिक्षा की व्यवस्था' (Provision of Learning by Doing) के हिमायती थे–
(A) अरस्तु (B) पेस्टालॉजी
(C) महात्मा गांधी (D) कनिंघम

45. प्रथम अखिल भारतीय बुनियादी शिक्षा सम्मेलन का आयोजन वर्ष 1939 में कहाँ हुआ था ?
(A) पटना में (B) पूना में
(C) रोहतक में (D) दिल्ली में

46. प्राइमरी शिक्षा की पद्धति उपयुक्त न होने के कारण गांधीजी ने आरम्भिक शिक्षा के लिए एक योजना बनाई थी, जिसे कहते हैं–
(A) बेसिक शिक्षा योजना
(B) बुनियादी शिक्षा योजना
(C) पाठशाला शिक्षा योजना
(D) वर्धा शिक्षा योजना

47. निम्नलिखित में से कौन मॉन्टेसरी शिक्षा पद्धति का भाग नहीं है ?
(A) सामाजिक शिक्षा
(B) कर्मेन्द्रियों की शिक्षा
(C) ज्ञानेन्द्रियों की शिक्षा
(D) भाषा की शिक्षा

48. 'दि एजुकेशन ऑफ मैन' के लेखक हैं –
(A) फ्रावेल (B) प्लेटो
(C) अरस्तु (D) मॉन्टेसरी

49. मॉन्टेसरी ने किस स्तर की शिक्षा पर विचार व्यक्त किए हैं ?
(A) केवल शिशु
(B) शिशु तथा बाल
(C) किशोर
(D) उपर्युक्त सभी

50. 'योजना विधि' के जन्मदाता हैं–
(A) डब्ल्यू. एच. किलपैट्रिक
(B) डॉ. रॉस
(C) डॉ. जॉनसन
(D) किंडरगार्टन

sscexamonline.blogspot.com

51. यू.जी.सी. की स्थापना हुई थी–
(A) वर्ष 1952 में (B) वर्ष 1953 में
(C) वर्ष 1954 में (D) वर्ष 1955 में

52. 'अखिल भारतीय प्राविधिक शिक्षा परिषद्' की स्थापना की गई–
(A) वर्ष 1920 में
(B) वर्ष 1945 में
(C) वर्ष 1948 में
(D) वर्ष 1950 में

53. संविधान में राज्य से क्या तात्पर्य है ?
(A) केन्द्रीय सरकार
(B) प्रान्तीय सरकार
(C) प्रशासन
(D) केन्द्रीय व प्रान्तीय सरकारें व प्रशासन

54. शिक्षा को 42वें संविधान संशोधन द्वारा 'समवर्ती सूची' में कब शामिल किया गया ?
(A) वर्ष 1950 (B) वर्ष 1952
(C) वर्ष 1976 (D) वर्ष 1986

55. निम्नलिखित में से कौनसा तथ्य सत्य है ?
(A) राष्ट्रीय एकता की शिक्षा से अनैतिक तथा स्वार्थपूर्ण तत्वों का अन्त होता है
(B) राष्ट्रीय एकता राष्ट्र के सामाजिक-आर्थिक स्वरूप से ही जुड़ी हुई है
(C) राष्ट्रीय भावात्मक एकता के विकास में सांस्कृतिक विविधता बड़ी बाधा है
(D) राष्ट्रीय एकता से सम्बन्धित तृतीय उप-समिति का गठन शिक्षा के पुनर्गठन के लिए किया गया

56. शिक्षा के सामाजिक कार्य हैं–
(A) परम्पराओं का समायोजन
(B) नवीन सामाजिक ढाँचे का विकास
(C) सृजनात्मक तथा रचनात्मक कार्य
(D) उपर्युक्त सभी

57. शैक्षिक समाजशास्त्र के क्या उद्देश्य हैं ?
(A) सामाजिक-आर्थिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि से पाठ्यक्रम का निर्माण करना
(B) समाज की शिक्षा के कार्य का ज्ञान कराना
(C) लोकतान्त्रिक विचारधाराओं का ज्ञान
(D) उपर्युक्त सभी

58. सामाजिक दृष्टिकोण से पाठ्यक्रम की क्या विशेषताएं होनी चाहिए ?
(A) पाठ्यक्रम परम्परावादी तथा पुरातन मूल्यों पर आधारित होना चाहिए
(B) पाठ्यक्रम लचीला तथा परिवर्तनशील होना चाहिए
(C) पाठ्यक्रम बाल-अधिगम से ऊँचे स्तर का होना चाहिए
(D) उपर्युक्त सभी

59. शैक्षिक समाजशास्त्र का जनदाता माना जाता है–
(A) ऑगस्ट कान्ट
(B) जार्ज पैने
(C) क्यूबर
(D) ब्राउन

60. सामाजिक परिवर्तन सम्भव है–
(A) भाषा द्वारा (B) शासक द्वारा
(C) धर्म द्वारा (D) शिक्षा द्वारा

61. "सामाजिक परिवर्तन लोगों के कार्य करने तथा विचार करने की पद्धति में रूपान्तरण है." यह कथन है–
(A) जेन्सन
(B) डासन तथा गेटिस
(C) मैकाइवर तथा पेज
(D) डेविस

62. मनोविज्ञान की प्रथम प्रयोगशाला किसने स्थापित की ?
(A) अल्फ्रेड बिने (B) एटकिन्सन
(C) वण्ट (D) केटिल

63. भारत में मनोविज्ञान की प्रयोगशाला की सर्वप्रथम स्थापना हुई–
(A) 1935 में (B) 1854 में
(C) 1915 में (D) 1925 में

64. निम्नलिखित में से शिक्षा की वर्तमान विशेषताएं क्या हैं ?
(A) बालक की विभिन्न अवस्थाओं का महत्व
(B) बाल केन्द्रित शिक्षा
(C) व्यक्तिगत विभिन्नताओं का महत्व
(D) उपर्युक्त सभी

65. मनोविज्ञान में अध्ययन की सर्वश्रेष्ठ विधि निम्नलिखित में से कौनसी है ?
(A) अन्तर्दर्शन विधि
(B) प्रयोग विधि
(C) निरीक्षण विधि
(D) प्रश्नावली विधि

66. 'बाल्यावस्था' की आयु किस वर्ग में आती है ?
(A) 3–5 वर्ष (B) 6–12 वर्ष
(C) 0–5 वर्ष (D) 10–15 वर्ष

67. "मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है." यह कथन है–
(A) स्पेन्सर का
(B) कान्ट का
(C) अरस्तु का
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

68. किशोरावस्था में निर्देशन की आवश्यकता किस क्षेत्र में होती है ?
(A) शैक्षिक
(B) व्यक्तिगत
(C) व्यावसायिक
(D) उपर्युक्त सभी

69. शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के मुख्य अंग होते हैं–
(A) दो (B) तीन
(C) चार (D) पाँच

70. सीखने के उद्दीपक-अनुक्रिया सिद्धान्त के मुख्य प्रतिपादक थे–
(A) थॉर्नडाइक (B) पैवलोव
(C) स्किनर (D) कोहलर

71. प्रबलन सिद्धान्त किस मनोवैज्ञानिक से सम्बन्धित है ?
(A) कोहलर (B) पैवलोव
(C) हॉल (D) थॉर्नडाइक

72. सीखने के वक्र कितने प्रकार के होते हैं ?
(A) दो प्रकार के
(B) तीन प्रकार के
(C) चार प्रकार के
(D) पाँच प्रकार के

73. सीखने के स्थानान्तरण के सामान्य एवं विशिष्ट तत्वों के सिद्धान्त के प्रतिपादक थे–
(A) थार्नडाइक (B) स्पीयरमैन
(C) जड (D) कोहलर

74. अभिप्रेरणा अधिगम का है–
(A) मुख्य अंग
(B) सहायक अंग
(C) कार्य है
(D) कोई अंग नहीं है

75. मनोवैज्ञानिकों ने मनुष्य को माना है–
(A) बुद्धिमान जानवर
(B) यन्त्र
(C) जीवधारी
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

76. बुद्धि है–
(A) ज्ञानार्जन करने की क्षमता
(B) कार्य करने की एक विधि
(C) अनुभव से लाभ उठाने की क्षमता
(D) उपर्युक्त सभी

77. सामान्य बुद्धि-लब्धि (I.Q.) मानी जाती है–
(A) 70–79 (B) 90–109
(C) 110–129 (D) 130–139

sscexamonline.blogspot.com

78. बुद्धि-मापन के लिए पहली मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला लिपजिग (जर्मनी) में किसने स्थापित की थी ?
(A) टरमैन
(B) वेशलर
(C) विलियम वुण्ट
(D) बिने

79. भारतीय परिस्थितियों में बिने परीक्षण का पहला प्रमाणीकरण किया–
(A) सी. एम. भाटिया ने
(B) हरबर्ट राइस ने
(C) जे. मुनरो ने
(D) डॉ. जलोटा ने

80. बालक के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव डालने वाला प्रमुख कारक है–
(A) समाज
(B) स्वास्थ्य
(C) परिवार
(D) विद्यालय

81. शिक्षक के मानसिक स्वास्थ्य की उन्नति के लिए चाहिए–
(A) अधिक वेतन
(B) कार्य भार में कमी
(C) प्रशंसा
(D) कृषि-कार्य

82. यूनेस्को ने किस वर्ष को विकलांगों का अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित किया था ?
(A) 1992 (B) 1985
(C) 1975 (D) 1982

83. बालकों के समस्यात्मक व्यवहार के उपचार हेतु कौन-कौनसी विधियों का प्रयोग किया जाता है ?
(A) विद्यालय उपचार विधि
(B) परिवार उपचार विधि
(C) सरकार उपचार विधि
(D) उपर्युक्त सभी

84. बाल-अपराध का मुख्य सामाजिक कारण है–
(A) बिखरा परिवार
(B) मानसिक दुर्बलता
(C) आनुवंशिकता
(D) संवेग

85. "बालक गणित तथा विज्ञान में आगे होते है, जबकि बालिकाएं भाषा तथा सुन्दर लेख में." इसका कारण है–
(A) व्यक्तिगत विभिन्नता
(B) रुचि
(C) संवेग
(D) चिन्तन

86. व्यक्तित्व को प्रभावित करने वाले वातावरणीय कारकों में से एक है–
(A) तन्त्रिका तन्त्र
(B) बुद्धि
(C) आर्थिक स्थिति
(D) सुषुम्ना

87. मनोवैज्ञानिकों ने व्यक्तित्व के कितने पहलू माने हैं ?
(A) दो (B) चार
(C) पाँच (D) छः

88. केन्द्रीय वृत्ति की सर्वोत्तम आदर्श माप कौनसी है ?
(A) गुणोत्तर माध्य
(B) समान्तर माध्य
(C) माध्यिका
(D) बहुलक

89. सामान्यतः 'सांख्यिकी' शब्द की उत्पत्ति निम्नलिखित शब्द से हुई मानी जा सकती है–
(A) स्टैटिस्टा
(B) स्टेटा
(C) स्टेटम
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

90. $M = \frac{\Sigma X}{N}$ सूत्र का प्रयोग कहाँ किया जाता है ?
(A) अवर्गीकृत आँकड़ों का मध्यमान निकालने के लिए
(B) वर्गीकृत आँकड़ों का मध्यमान निकालने के लिए
(C) लम्बी विधि से मध्यमान ज्ञात करने के लिए
(D) लघु विधि द्वारा मध्यमान ज्ञात करने के लिए

91. व्यवस्थित आँकड़ों के मानक विचलन (S.D.) के लिए निम्नलिखित सूत्र का प्रयोग किया जाता है–
(A) $\sqrt{\frac{\Sigma d^2}{N}}$
(B) $\sqrt{\frac{\Sigma fd^2}{N}}$
(C) $\sqrt{\frac{\Sigma fd^2}{n} - \left(\frac{\Sigma fd}{n}\right)^2}$
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

92. माध्यिका की गणना में श्रेणी को व्यवस्थित किया जाता है–
(A) आरोही क्रम में
(B) अवरोही क्रम में
(C) पहले आरोही फिर अवरोही क्रम में
(D) आरोही तथा अवरोही दोनों क्रम में

93. वैदिक काल में उपनयन से तात्पर्य था–
(A) जनेऊ धारण करना
(B) गुरु के पास ले जाना
(C) पाटी पूजना
(D) उपर्युक्त सभी

94. वैदिक काल में शिक्षार्थी के प्रति गुरु के कर्तव्य थे–
(A) सर्वांगीण विकास करना
(B) अस्वस्थ होने पर सेवा करना
(C) गलत आदतों का शमन करना
(D) उपर्युक्त सभी

95. "वेद तथा ब्रह्म में लीन रहने वाला, जिसकी मुखाकृति देवत्व दर्शाने वाली हो, ब्राह्मण था." यह कथन किसका है ?
(A) डॉ. के. बी. बुधौली
(B) डॉ. जी. सी. पाण्डेय
(C) डॉ. डी. सी. मिश्रा
(D) डॉ. आर. एस. शुक्ला

96. भारत में 'सार्वजनिक प्राथमिक शिक्षा' का सर्वप्रथम बीज बोया–
(A) वैदिक शिक्षा प्रणाली ने
(B) बौद्ध शिक्षा प्रणाली ने
(C) मध्ययुगीन शिक्षा प्रणाली ने
(D) औपनिवेशिक शिक्षा प्रणाली ने

97. मध्यकाल में प्राथमिक स्तर की शिक्षा प्रदान करने वाली शिक्षा को कहते थे–
(A) मकतब (B) मदरसा
(C) अलिम (D) पाठशाला

98. कठोर शिल्प उपागम की विशेषता है–
(A) जटिलता
(B) भारयुक्तता
(C) प्रयोग क्लिष्टता
(D) उपर्युक्त सभी

99. समय-सारणी की उपयोगिता का महत्व है–
(A) स्कूल कार्य में समन्वय
(B) अध्यापक एवं छात्रों में बेहतर संवाद
(C) गृहकार्य करने में मदद
(D) पाठेतर क्रियाकलापों में भागीदारी

100. शिक्षक मूल्यांकन के लिए प्रयुक्त मानदण्डों को निम्नलिखित वर्ग श्रेणी में रखा जा सकता है–
(A) परिमाणात्मक मानदण्ड
(B) प्रक्रियात्मक मानदण्ड
(C) पूर्व सूचनात्मक मानदण्ड
(D) उपर्युक्त सभी

शेष पृष्ठ 1854 पर

sscexamonline.blogspot.com

आगामी सिविल सर्विसेज (प्रा.) परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

सामान्य अध्ययन

(प्रथम प्रश्न-पत्र)

1. हाल ही में भारतीय रिज़र्व बैंक ने इण्डिया मॉर्टगेज गारन्टी कॉर्पोरेशन को लाइसेंस प्रदान किया है. इस निकाय के बारे में निम्न में से कौनसा कथन असत्य है?

(A) बैंकों/वित्तीय संस्थाओं द्वारा प्रदत्त ऋणों पर ऋण प्राप्त करने वालों की ओर से ऋणदाताओं को गारन्टी प्रदान करेगी

(B) इस प्रकार के कार्यों हेतु यह भारत की पहली कम्पनी है

(C) आर. बी. वर्मा इस निकाय के पहले अध्यक्ष चुने गए है

(D) इसकी चुकता पूँजी में भारत सरकार की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी है

2. हाल ही में शारदा (Saradha) नामक कम्पनी द्वारा छोटे-छोटे निवेशकों के धन का एक घोटाला प्रकाश में आया है. इस प्रकार से जुड़े निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए–

I. चिट फण्ड अधिनियम, 1982 के तहत् चिट फण्डों और उनके द्वारा प्रारम्भ की गई बचत (निवेश योजनाओं के विनियमन का कार्य राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में है.

II. इस कम्पनी से जुड़े मामलों की जाँच हेतु 'सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टीगेशन ऑफिस' में भारत सरकार के कॉर्पोरेट मामलों के मन्त्रालय द्वारा एक विशेष टास्क फोर्स गठित किया गया है.

III. शारदा समूह की कम्पनी चिट फण्ड अधिनियम 1982 के अन्तर्गत पंजीकृत ही नहीं है.

सही कूट का चयन कीजिए–

(A) केवल I सही है

(B) केवल II सही है

(C) I, II और III तीनों सही है

(D) दोनों ही गलत हैं

3. सूची-I और सूची-II से सही कूट चुनिए–

सूची-I

(a) मिलिन्द पन्हा

(b) त्रिपटिका

(c) ब्राह्मण

(d) उपनिषद्

सूची-II

(1) कर्मकाण्ड

(2) दर्शनशास्त्र की एक पुस्तक

(3) धार्मिक संवाद

(4) बौद्ध धर्म की पवित्र पुस्तक

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	3	4	1	2
(C)	3	1	4	2
(D)	2	3	1	4

4. सूची-I और सूची-II का मिलान कीजिए तथा उत्तर का सही कूट चुनिए–

सूची-I

(a) लोथल (b) कालीबंगा

(c) धौलावीरा (d) बानावली

सूची-II

(1) जुता हुआ खेत

(2) पोतगाह

(3) हल की टेरीकोटा प्रतिकृति

(4) हड़प्पा लिपि के 10 बड़े चिह्नों से युक्त एक शिलालेख

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	4	2	1
(B)	2	1	4	3
(C)	1	2	3	4
(D)	4	3	2	1

5. ऋग्वेद काल में राजा निम्नलिखित में से किससे परामर्श लेता था ?

I. पुरोहित से

II. सेनानी से

III. न्यायाधीश से

IV. कर संग्रहकर्ता से

सही कूट का चयन कीजिए–

(A) I एवं IV (B) I एवं II

(C) III एवं IV (D) II एवं IV

6. मुगल राज्य की सांस्कृतिक और विचारधारात्मक ढाँचे के प्रसंग में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?

(A) पूरे मुगलकाल में केन्द्रीय शक्ति और क्षेत्रीय विशिष्ट वर्ग के बीच सुलह और समायोजन की गतिशील प्रक्रिया रही है

(B) 18वीं शताब्दी के दौरान विकेन्द्रीकरण के कारण साम्राज्य के संसाधनों पर एकाधिकार करने के लिए 'नव अभिजात्य' वर्ग का अभ्युदय हुआ है

(C) मुगलों की केन्द्रीकरण की प्रक्रिया से संगठन के प्रतिद्वंद्वी सिद्धांतों के अस्तित्व के लिए कोई स्थान नहीं रह गया था

(D) मुगलकालीन भारत में शक्ति के वितरण की सम्भावना हमेशा रही है

7. अबुल फजल के अकबरनामा के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?

(A) उसने सामान्यतः अपने स्रोत का उल्लेख नहीं किया है

(B) उसने कुछ अपरिपक्व टिप्पणियाँ की हैं

(C) उसने सामान्यीकरण नहीं किया है

(D) वह कभी भी पक्षनिरपेक्ष नहीं रहा है

8. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

अभिकथन (A) : बलबन का राजत्व का सिद्धांत 'रक्त और लोह' की नीति पर आधारित था.

कारण (R) : ताज की प्रतिष्ठा इल्तुतमिश के उत्तराधिकारियों के अधीन घटी थी ?

निम्नलिखित कूटों से इस प्रश्न का उत्तर दीजिए–

(A) (A) सही है और (R) गलत है

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है

(C) (A) गलत है, (R) सही है, (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है

(D) (A) सही है और (R) गलत है, (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है

9. मुगलकाल में जजिया कर से सम्बन्धित निम्नलिखित वक्तव्यों पर विचार कीजिए–

(i) अकबर ने 1564 में जजिया समाप्त किया.

(ii) अकबर ने 1575 में जजिया को पुनः लागू किया.

(iii) अकबर ने 1579-80 में जजिया को पुनः समाप्त किया.

(iv) औरंगजेब ने 1679 में जजिया को पुनः लागू किया.

ऊपर दिए गए वक्तव्यों में से कौनसे सही है ?

sscexamonline.blogspot.com

(A) (i), (ii)

(B) (i), (ii), (iii)

(C) (i), (ii), (iii), (iv)

(D) (i), (iv)

10. 16वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में भारत में पुर्तगाली व्यापारियों की गतिविधियों के बारे में निम्नलिखित वक्तव्यों में से कौनसा सही नहीं है ?

(A) लाल सागर मार्ग द्वारा भारत में सर्वप्रथम प्रवेश करने वाले यूरोपवासी पुर्तगाली थे

(B) यूरोप के बाजारों में भारतीय मसालों को बेचकर पुर्तगालियों ने बहुत लाभ प्राप्त किया

(C) पुर्तगालियों ने हिन्द महासागर के अनेक तटीय स्थानों को अधिकृत कर वहाँ पर अपने दुर्गों का निर्माण किया

(D) पुर्तगालियों द्वारा यह उद्घोषणा की गई कि अन्य व्यापारी बिना उनकी अनुमति के अपने जहाज हिन्द महासागर में नहीं ला सकते

11. भूस्खलन से सम्बन्धित है–

(A) व्यष्टिक शैल खण्डों की ढलवाँ गति जोकि सामान्यतः दृष्टिगोचर नहीं होती है

(B) आधार शैल या भूमिज मलबे के तुलनात्मक रूप से शुष्क पुंज की द्रुत अवगम्य संचलन (या गति)

(C) जल संतृप्त शैल मलबे की धीमे से बहुत तेज गति

(D) जल से संतृप्त शैल मलबे के धीमे-प्रवाही ढलवाँ पुंज

12. वायुमण्डल द्वारा परावर्तित ऊर्जा–

(A) वायुमण्डल को गर्म नहीं करती है

(B) आने वाली ऊर्जा से उसका भिन्न तरंगदैर्ध्य होता है

(C) सामान्यतया दृश्यमान प्रकाश की तरह से लघु ऊर्जा होती है, जोकि वायुमण्डल को वेधती नहीं है

(D) अवशोषण के द्वारा वायुमण्डल को गर्म करती है

13. ध्रुवीय जेट धारा (पोलर जेट स्ट्रीम) के बारे में कौनसा कथन सही नहीं है ?

(A) ग्रीष्मकाल में यह उत्तर की ओर गतिमान होती है

(B) यह शक्ती तूफान के परिसंचरण को ऊर्जा देती है

(C) इसकी अवस्थिति ध्रुवीय वाताग्र के अनुरूप होती है

(D) इसका वेग ग्रीष्मकाल में अधिक होता है

14. सेबी (भारतीय प्रतिभूतियाँ एवं विनिमय बोर्ड) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. सेबी की स्थापना सन् 1988 में एक गैर-सांविधिक निकाय के रूप में की गई थी

2. वर्तमान में सेबी एक सांविधिक निकाय है.

3. भारतीय पूँजी बाजार के सभी मध्यस्थ सेबी के सीधे नियन्त्रण में कार्य करते हैं.

सही कूट चुनिए–

कूट :

(A) केवल 2

(B) 2 एवं 3

(C) उपर्युक्त सभी

(D) 1 एवं 3

15. पंचतंत्र निम्नलिखित में किसके शासन-काल में लिखी गई ?

(A) नन्द (B) मौर्य

(C) गुप्त (D) शुंग

16. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

I. योजना आयोग का उल्लेख भारतीय संविधान में है.

II. योजना आयोग एवं सांविधिक निकाय हैं.

III. पंचवर्षीय योजनाओं के ड्राफ्ट प्लान को अन्तिम स्वीकृति राष्ट्रपति द्वारा प्रदान की जाती है.

IV. पंचवर्षीय योजना का विकास मॉडल सोवियत संघ के विकास मॉडल से प्रेरित है.

सही कूट का चयन कीजिए–

कूट :

(A) I एवं II

(B) II एवं IV

(C) I एवं IV

(D) उपर्युक्त सभी

17. यदि आप धूप वाली दोपहर को पुलिन पर समुद्र की ओर मुख करके बैठे हों, तो स्थानीय पवन–

(A) समुद्र समीर प्रभाव के कारण आपकी पीठ से टकराते हुए समुद्र की ओर चलती रहेगी

(B) समुद्र समीर प्रभाव के कारण समुद्र से आपकी ओर बहेगी

(C) ह्रास दर प्रभाव के कारण समुद्र से आपकी ओर बहेगी

(D) भूमि समीर प्रभावी के कारण आपकी पीठ से टकराते हुए समुद्र की ओर चलती रहेगी

18. निम्नलिखित कथनों की जाँच कीजिए और दिए गए कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए–

1. वायुमण्डलीय पवन कभी पूर्णतया शुष्क नहीं होती है.

2. जल कण वायुमण्डलीय परिमाण का 4 प्रतिशत तक अधिग्रहण कर सकते हैं.

3. वायुमण्डल में जल के कण हमेशा अदृश्य रहते हैं.

कूट :

(A) 1 और 2 सही हैं

(B) 2 और 3 सही हैं

(C) 1 और 3 सही हैं

(D) 1, 2 और 3 सही हैं

19. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन करें–

1. भारत में नेशनल नेचुरल रिसोर्सिंग मैनेजमेंट सिस्टम (एनएनआर एमएस) का आधार आईआरएस है.

2. भारत में पृथ्वी ऑब्जर्वेशन का विकासात्मक तथा परिचालनात्मक जिम्मेदारियों का नेशनल रिमोट सेंसिंग एजेंसी (एनआरएसए) के द्वारा निरीक्षण किया जाता है.

कूट :

(A) सिर्फ 1 सही है

(B) सिर्फ 2 सही है

(C) 1 और 2 दोनों सही हैं

(D) न 1 और न ही 2 सही है

20. जनसंख्या वितरण दर्शाने के लिए उपयोग किए जाने वाली स्टेन-डे-सियर की पद्धति के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?

(A) ग्रामीण जनसंख्या पिण्ड विधि द्वारा दर्शाई जाती है

(B) नगरीय जनसंख्या बिन्दु पद्धति द्वारा दर्शाई जाती है

(C) स्फेयर्स (क्षेत्र) दर्शाने के लिए पैमाने के घन वर्गों का उपयोग किया जाता है

(D) स्फेयर्स मानचित्र पर ज्यादा बड़ा स्थान घेरते हैं

21. मानव विकास सूचक (एचडीआई) का निर्माण किस संदर्भ में किया जाता है ?

1. जन्म के समय आयु सम्भाविता, वास्तविक जीडीपी प्रति व्यक्ति, कुल प्रवेश अनुपात, प्रौढ़ साक्षरता दर.

2. जन्म के समय आयु सम्भावित, वास्तविक जीडीपी प्रति व्यक्ति,

sscexamonline.blogspot.com

संयुक्त कुल प्रवेश अनुपात, प्रौढ़ साक्षरता दर.

3. आयु सम्भाविता, जीडीपी प्रति-व्यक्ति, शिशु मृत्यु दर, साक्षरता दर.

4. वर्तमान में इसमें निम्नलिखित को शामिल किया जाता है.

a. जन्म के समय जीवन प्रकाश.

b. (i) विद्यालयी शिक्षा की माध्य अवधि.

(ii) विद्यालयों में अपेक्षित शिक्षण वर्ष.

c. प्रति व्यक्ति आय.

कूट :

(A) 1 और 2 (B) 1 और 3

(C) केवल 4 (D) 1, 2, और 3

22. निम्न में से कौनसा कथन सही नहीं है?

(A) आयकर उत्पाद शुल्क, निगम कर, सीमा शुल्क, सेवा कर ब्याज कर तथा व्यय कर केन्द्र एवं राज्यों के बीच विभाज्यनीय करों का हिस्सा है

(B) केन्द्र सरकार द्वारा किसी कर/शुल्क पर लगाया गया अधिभार तथा उपकर केन्द्र एवं राज्यों के बीच विभाज्यनीय करों का हिस्सा नहीं है

(C) सेवा शुल्क विभाज्यनीय करों का हिस्सा है, लेकिन इसमें से जम्मू-कश्मीर को कोई धनराशि प्राप्त नहीं होती

(D) केन्द्र द्वारा संगृहीत राजस्व में से राज्यों के हिस्से का निर्धारण योजना आयोग द्वारा निर्धारित फॉर्मूला के आधार पर वित्त आयोग की सिफारिश पर होता है

23. निम्नलिखित में किस विधेयक को संसद में पेश करने से पूर्व राष्ट्रपति की पूर्व संस्तुति/अनुमति की आवश्यकता नहीं होती?

(A) किसी नए राज्य का सृजन से सम्बन्धित विधेयक

(B) धन विधेयक

(C) राज्यों की सीमाओं में राज्यों की सहमति से परिवर्तन सम्बन्धी विधेयक

(D) भारत की संचित निधि से किया जाने वाला व्यय भले ही वह धन विधेयक न हो

24. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

I. भारत में सभी राज्यों का अपना-अपना पृथक् उच्च न्यायालय है.

II. उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों एवं मुख्य न्यायाधीश की नियुक्त मंत्रिमण्डल की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा की जाती है.

उत्तर का सही कूट चुनिए–

(A) केवल I सही है

(B) केवल II सही है

(C) I एवं II दोनों सही है

(D) I एवं II दोनों ही गलत हैं

25. निम्नलिखित में से कौनसा निकाय लोक निधियों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है?

(A) लोक लेखा समिति

(B) प्राक्कलन समिति

(C) भारत का महालेखा नियन्त्रक

(D) उपर्युक्त सभी

26. 2011 में प्रारम्भ किए गए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

I. राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना का ही समुन्नत संस्करण है.

II. राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन भारत निर्माण योजना का एक अंग है.

सही कूट का चयन कीजिए–

(A) केवल I सही है

(B) केवल II सही है

(C) I एवं II दोनों सही है

(D) दोनों ही गलत है

27. सहकारी दुग्ध उत्पादन समितियों के दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों के ब्रॉण्डों के मामले में निम्न में से कौनसा सुमेलित नहीं है?

(A) अमूल–गुजरात

(B) पराग–उत्तर प्रदेश

(C) सरस–राजस्थान

(D) गोकुल–मध्य प्रदेश

28. निम्नलिखित में से कौनसा संघ राज्य क्षेत्र चार जनपदों में फैला हुआ है और उन चार जनपदों में किसी भी जनपद की सीमाएं आपस में नहीं मिलतीं?

(A) पुदुचेरी

(B) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

(C) अण्डमान निकोबार द्वीप समूह

(D) लक्षद्वीप

29. भारत के महान्यायवादी (Attorney General) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

I. महान्यायवादी की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है.

II. महान्यायवादी की नियुक्ति हेतु अर्हता वही है, जो किसी व्यक्ति को उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने के लिए है.

III. महान्यायवादी को संसद के किसी भी सदन, सदनों की संयुक्त बैठक, सदनों की समितियों की बैठकों की कार्यवाहियों में हिस्सा लेने का अधिकार है.

IV. महान्यायवादी को उसी रीति से पदच्युत किया जा सकता है जिस रीति से सर्वोच्च न्यायालय के किसी न्यायाधीश को.

उत्तर के सही कूट का चयन कीजिए–

(A) I एवं IV

(B) II एवं III

(C) I, II एवं III

(D) उपर्युक्त सभी सही है

30. निम्नलिखित कार्यक्रमों को उनके प्रारम्भ होने के वर्ष के हिसाब से आरोही क्रम में निम्नलिखित में से कौनसा क्रम सही है?

I. लघु कृषक विकास अभिकरण

II. मनरेगा

III. रोजगार आश्वासन योजना

IV. न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम

(A) IV, I, III, II

(B) I, III, IV, II

(C) III, I, IV, II

(D) III, II, I, IV

31. इन्दिरा आवास योजना के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है?

(A) भारत सरकार द्वारा प्रारम्भ किए गए विकास कार्यक्रमों में सर्वाधिक लम्बी अवधि तक चलने वाला कार्यक्रम है

(B) इन्दिरा आवास योजना जवाहर रोजगार योजना की एक उपयोजना थी

(C) 1 जनवरी, 1996 से यह एक स्वतंत्र योजना है

(D) 1 अप्रैल, 2013 से इसके अन्तर्गत मैदानी क्षेत्रों में ₹ 45,000 की सहायता आवास निर्माण हेतु दी जाती है.

32. किसके सर्वेक्षण से नागरिक संस्कृति की अवधारणा विकसित हुई ?

(A) मैक्सिको, इण्डिया, पाकिस्तान, यू. एस. ए. व यू. के

(B) यू. एस. ए., यू. के., मैक्सिको जर्मनी व इटली

(C) यू. एस., व यू. के., आस्ट्रेलिया, पाकिस्तान व इण्डिया

(D) आस्ट्रेलिया, कनाडा, यू. एस. ए., यू. के. और फ्रांस

sscexamonline.blogspot.com

33. भारत में पिछड़े वर्गों के बीच विशिष्ट समूह की पहचान हेतु भारतीय सरकार द्वारा निम्नलिखित में से कौनसी समिति नियुक्त की गई थी ?

(A) न्यायमूर्ति आर. एन. मिश्रा समिति

(B) न्यायमूर्ति आर. एन. मधोलकर समिति

(C) न्यायमूर्ति राममनन्दन समिति

(D) न्यायमूर्ति राजेन्द्र सच्चर समिति

34. यू. एस. द्वारा निर्मित कंटेनमेंट की नीति का लक्ष्य है–

(A) सोवियत यूनियन के प्रभाव को वैश्विक रूप से रोकना

(B) ईरान के आणविक प्रचुरोद्भवन को रोकना

(C) अवज्ञाकारी उत्तरी कोरिया को सीमाबद्ध करना

(D) जनवादी गणराज्य चीन की प्रसारवादी नीतियों का विरोध करना

35. विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू. टी. ओ.) के अन्दर पारस्परिकता का सिद्धान्त किसका विचार करता है ?

(A) राष्ट्र द्वारा व्यापार अवरोधों को कम करना और बदले में दूसरे राष्ट्र के द्वारा भी उतने ही अवरोधों को कम किया जाए

(B) एकसमान आधार पर व्यापार अवरोधों का सृजन

(C) बौद्धिक सम्पत्ति अधिकारों का संरक्षण

(D) व्यापार पर राष्ट्र अवरोधों के लिए भूमिका में वृद्धि

36. निम्नलिखित में से कौनसा माओ के नेतृत्व में सर्वप्रथम जन आंदोलन था ?

(A) सांस्कृतिक क्रान्ति

(B) ग्रेट लीप फॉरवर्ड

(C) सैकड़ों फूल खिलने दो और अनेक विचार सम्प्रदायों को शामिल होने दो

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

37. निम्नलिखित में से कौनसे अभिकथन सत्य नहीं हैं ?

1. स्विस संघीय अधिकरण को, संघीय विधानमण्डल द्वारा पारित किसी कानून को असंवैधानिक घोषित करने की शक्ति प्राप्त है.

2. यू. एस. ए. में कम्यूनिस्ट पार्टी प्रतिबन्धित है.

3. भारत के संविधान में इसके लागू होने के समय प्रारम्भ में यह प्रावधान था कि मन्त्रिपरिषद् की सलाह राष्ट्रपति के लिए बाध्य होगी.

4. इंगलैण्ड में टोरीज को रूढ़िवादी (कन्जरवेटिव) माना जाता है.

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें–

कूट :

(A) 1 और 2 (B) 2 और 3

(C) 2 और 4 (D) 1 और 3

38. **अभिकथन (A) :** भारत में राजनीतिक दलों ने अपनी पहुँच बढ़ा दी है, परन्तु उनकी वैधता को गहन क्षति पहुँची है.

कारण (R) : राज्य स्तर पर दल (या पार्टी) व्यवस्था के समेकन को राष्ट्रीय स्तर पर संकलित नहीं किया जा सकता है.

(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है

(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(C) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है

(D) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है

39. लोकपाल और लोकायुक्त बिल 1968 जिसे लोक सभा ने पारित किया, वह निरर्थक हो गया, क्योंकि–

(A) राज्य सभा ने इसे रद्द कर दिया

(B) राष्ट्रपति ने इसे रोक लिया

(C) दोनों सदनों की संयुक्त समिति ने इसे अस्वीकार कर दिया

(D) चतुर्थ लोक सभा की समयावधि से पहले भंग होने के कारण

40. नव यथार्थवाद क्या है ?

(A) विश्व की अप्रिय वास्तविकताओं की उपेक्षा करना

(B) यथार्थवाद की मूल विचारधारा का अधिक 'वैज्ञानिक' रूप में पुनर्कथन का प्रयास

(C) यह दावा कि अन्तर्राष्ट्रीय समाज मूलतः सुव्यवस्थित और शान्तिप्रिय है

(D) यह दावा कि व्यक्तिगत मानव स्वभाव अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति को समझने के लिए मुख्य है

41. भारतीय स्वतन्त्रता अधिनियम, 1947 के बारे में कौनसा सही नहीं है ?

(A) भारत एवं पाकिस्तान-दो राज्यों का गठन किया गया

(B) भारतीय राज्यों (रियासतों) पर ब्रिटिश सम्राट् की प्रभुसत्ता समाप्त हो जाएगी

(C) अन्तरिम काल में संविधान सभा विधायिक कार्य करेगी

(D) ब्रिटिश सम्राट् के नाम पर किसी भी विधेयक को स्वीकृति देने सम्बन्धी गवर्नर जनरल के पास सीमित शक्तियाँ होंगी

42. भारत के उपराष्ट्रपति के सन्दर्भ में कौनसा कथन लागू नहीं होता ?

(A) उसे महाभियोग प्रक्रिया द्वारा हटाया जा सकता है

(B) वह राष्ट्रपति के नाम पत्र लिखकर पद त्याग सकता है

(C) उसे राज्य सभा के प्रस्ताव द्वारा तथा लोक सभा द्वारा उसके अनुमोदन द्वारा पद से हटाया जा सकता है

(D) वह कितनी ही बार चुनाव लड़ सकता है

43. एक धन विधेयक के बारे में कौनसा सही नहीं है ?

(A) इसे किसी भी सदन में प्रस्तुत किया जा सकता है

(B) इसके स्वरूप को निश्चित करने सम्बन्धी अन्तिम शक्ति स्पीकर/अध्यक्ष के पास रहती है

(C) एक धन विधेयक के बारे में राष्ट्रपति या राज्यपाल की सीमित शक्तियाँ होती हैं

(D) इसे राष्ट्रपति या राज्यपाल की अनुशंसा के बिना सदन में प्रस्तुत या पेश नहीं किया जा सकता

44. उत्तर आधुनिक लोक प्रशासन, उत्तर व्यवहार सिद्धान्तों के तीन विचारों के समूह पर आधारित है. निम्नलिखित में से कौनसा तीन विचारों का समूह है ?

(A) आलोचनात्मक सिद्धान्त, नव वाम विचारधारा और विन्यासवाद

(B) नव लोक प्रशासन, आलोचनात्मक सिद्धान्त और नव लोक प्रबन्ध

(C) नव लोक प्रबन्ध, लोक चयन सिद्धान्त और नव लोक प्रबन्ध

(D) आलोचनात्मक सिद्धान्त, इन्द्रिय-गोचर विज्ञान और संरचना सिद्धान्त

45. एफ. डब्ल्यू. टेलर के 'वैज्ञानिक प्रबन्ध' के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसे अभिकथन सत्य हैं ?

(i) किसी कार्य के सर्वोत्तम निष्पादन तरीके का पता लगाने के लिए अध्ययन की समय और पद्धतियों का प्रयोग किया जाना चाहिए.

(ii) कार्यों के निष्पादन के लिए विशेषज्ञों को नियुक्त किया जाना चाहिए.

(iii) कर्मचारियों को अपनी इच्छानुसार तरीके से कार्य करना चाहिए.

(iv) कार्य स्थल और प्रोत्साहन का उत्पादन से सम्बन्ध न होना.

sscexamonline.blogspot.com

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए–

कूट :

(A) केवल (i)

(B) (i) और (ii)

(C) (i) और (iii)

(D) (iii) और (iv)

46. निम्नलिखित में से कौनसा सिद्धान्त X की मान्यता नहीं है ?

(A) अधिकतर व्यक्तियों को सुधारना और नियन्त्रित करना आवश्यक है

(B) औसत मनुष्य निर्देशित होना पसन्द करते हैं

(C) अधिकतर व्यक्ति आन्तरिक रूप से कार्य को नापसन्द नहीं करते हैं

(D) व्यक्तियों की अपेक्षाकृत कम महत्वाकांक्षाएं और इच्छाएं होती हैं

47. संघीय मन्त्रिपरिषद् के बारे में निम्न अभिकथनों पर विचार करें और नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन करें–

(i) प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग की अनुशंसानुसार प्रधानमंत्री सहित कुल मंत्रियों की संख्या 16 होनी चाहिए.

(ii) 91वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 में उल्लिखित किया गया कि मंत्रियों की कुल संख्या लोक सभा के सदस्यों की कुल संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए.

(iii) संविधान में मन्त्रिपरिषद् के सदस्यों को विभिन्न श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है.

(iv) अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार में सभी तीनों श्रेणियों के मंत्री थे.

कूट :

(A) (i), (ii) (B) (ii), (iii)

(C) (iii), (iv) (D) (ii), (iv)

48. आँकड़ा संग्रहण की साक्षात्कार प्रणाली के बारे में नीचे दिए गए कथनों पर विचार करें और गलत कथन का चयन कीजिए–

(A) गुणात्मक सूचना एकत्र करने के लिए यह सर्वाधिक सामान्य प्रणाली है

(B) यह एक ऐसी प्रणाली है, जो सामान्यतः आमने-सामने बैठ कर संचालित की जाती है और इसमें एक साक्षात्कारकर्ता तथा एक साक्षात्कार देने वाला शामिल होता है

(C) यह सूचनादाता के विस्तृत दृष्टिकोण को प्रकाश में लाने के लिए तैयार की गई विधि है

(D) साक्षात्कारकर्ता के नोट्स को अनुसंधान आँकड़े नहीं माना जा सकता

49. निम्नलिखित में से कौनसा सार्वजनिक-निजी साझेदारी का सही प्रकार और पद्धति नहीं है ?

(A) पट्टा, रियायतें, ग्रीन फील्ड परियोजनाएं और डाइवेस्टिचर

(B) प्रबंध संविदा, पट्टा, ब्राउन फील्ड परियोजना और रियायतें

(C) बी.ओ.ओ., बी.ओ.टी., बो.ओ.ओ. एम. और प्रबंध संविदा

(D) डाइवेस्टिचर, पट्टा, ग्रीन फील्ड परियोजनाएं और लोक सेवाएं

50. भारत में सरकार व स्वैच्छिक अभिकरणों के मध्य अन्तःक्रिया मुख्यतः निम्न में से किससे सम्बन्धित होती है ?

(i) वंचित वर्गों से सम्बन्धित नीतियाँ और विधायन

(ii) आर्थिक नीतियाँ

(iii) सरकार द्वारा वित्त पोषित या अपोषित कार्यक्रमों में कार्यात्मक सहयोग

(iv) लोगों के शांतिपूर्ण विरोध आन्दोलन, जिनमें स्वैच्छिक अभिकरण भी सम्मिलित हैं.

सही उत्तर का निम्नांकित कूट में से चयन कीजिए–

कूट :

(A) (i), (ii)

(B) (i), (ii), (iv)

(C) (i) (iii), (iv)

(D) (iii), (iv)

51. निम्नलिखित सिद्धांतों को कालक्रम में लिखिए–

(A) सूचना सिद्धांत, जनमत सिद्धांत, मैजिक बुलेट सिद्धांत, चयन सिद्धांत

(B) जनमत सिद्धांत, मैजिक बुलेट सिद्धांत, चयन सिद्धांत, सूचना सिद्धांत

(C) मैजिक बुलेट सिद्धांत, जनमत सिद्धांत, सूचना सिद्धांत, चयन सिद्धांत

(D) चयन सिद्धांत, सूचना सिद्धांत, जनमत सिद्धांत, मैजिक बुलेट सिद्धांत

52. भारत के सूचना और प्रसारण मंत्रियों को सही क्रम में लिखिए–

(A) इंदिरा गांधी, बी.वी. केस्कर, वल्लभभाई पटेल, नंदिनी सतपथी

(B) नंदिनी सतपथी, बी. वी. केस्कर, वल्लभभाई पटेल, इंदिरा गांधी

(C) बी. वी. केस्कर, वल्लभभाई पटेल, इंदिरा गांधी, नंदिनी सतपथी

(D) वल्लभभाई पटेल, बी. वी. केस्कर, इंदिरा गांधी, नंदिनी सतपथी

53. समाचार मीडिया का अपने आयविएस के प्रति प्रमुख जिम्मेदारी निम्नलिखित में से किसके समर्थन में सांस्कृतिक और सटीक सूचना देना है ?

(A) स्थापना विरोधी आंदोलन

(B) समाचारों के ऐसे मूल्यों को समझना, जो मीडिया के निर्णय को प्रभावित करता है

(C) ब्रांड नाम स्थापित करने के लिए विज्ञापन अभियान

(D) राजस्व उत्पादन की सरकारी नीतियाँ

54. डाउन-द-लाइन साक्षात्कार निम्नलिखित में से किस प्रकार आयोजित किया जाता है ?

(A) फेस-टु-फेस

(B) दंड सहित

(C) जब साक्षात्कार लेने वाला स्टुडियो में हो और जिसका साक्षात्कार लिया जा रहा हो वह दूसरे केन्द्र में हो

(D) एक भारी भीड़ में

55. अभिकथन (A) : भारी उत्पादन की मुद्रण प्रौद्योगिकी शीघ्र ही ग्राहक अनुकूल मुद्रण द्वारा प्रतिस्थापित होगी, सम्भवतया घर पर.

तर्क (R) : संचार की नूतन प्रौद्योगिकी ने विद्यमान प्रौद्योगिकी को पहले ही रंगीन जीरॉक्सिंग के माध्यम से प्रभावित किया है.

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (A) का सही स्पष्टीकरण (R) नहीं है

(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है

(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है

56. निम्नलिखित में से किसका यूरो मुद्रा बाजार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है ?

(A) अन्तर्राष्ट्रीय पूँजी बाजार

(B) विश्व की अंकित मुद्रा आपूर्ति में कमी

(C) अन्तर्राष्ट्रीय पूँजी बाजारों का एकीकरण

(D) बी.ओ.पी. घाटे को पूरा करना

57. समाज कार्य के अंतर्गत एकीकृत अभिगम का अर्थ है–

(A) समाज कार्य ढंगों का संश्लेषण

sscexamonline.blogspot.com

(B) समाज कार्य की प्रविधियों का एकीकरण

(C) समाज कार्य अभिगमों को लागू करना

(D) समस्त सिद्धांतों का अभ्यास

58. गैरलो के आवश्यकताओं के पदानुक्रम को क्रम से व्यवस्थित करें–

(A) भौतिक आवश्यकताएं, सुरक्षा आवश्यकताएं, सामाजिक आवश्यकताएं, आत्मसम्मान एवं आत्मप्रत्यक्षीकरण

(B) सामाजिक आवश्यकताएं, सुरक्षा आवश्यकताएं, भौतिक आवश्यकताएं, आत्मसम्मान एवं आत्मप्रत्यक्षीकरण

(C) आत्मसम्मान, सामाजिक आवश्यकताएं, सुरक्षा आवश्यकताएं, भौतिक आवश्यकताएं एवं आत्मप्रत्यक्षीकरण

(D) भौतिक आवश्यकताएं, आत्मप्रत्यक्षीकरण, आत्मसम्मान, सुरक्षा आवश्यकताएं एवं सामाजिक आवश्यकताएं

59. आगमनात्मक सांख्यिकी किससे सम्बन्धित है ?

(A) सूचना को संक्षिप्त करना

(B) शोध पद्धतियों की अनुप्रयुक्ति

(C) χ^2 परीक्षण की अनुप्रयुक्ति

(D) प्रतिदर्श के आधार पर किसी समष्टि के बारे में सामान्यीकरण

60. सामाजिक सामूहिक कार्य में कार्यक्रम नियोजन निम्न को लेकर विकसित होना चाहिए–

(A) समूह के सदस्यों की आवश्यकताएं और अभिरुचियां

(B) समुदाय की आवश्यकताएं

(C) नेताओं के साथ सलाह या परामर्श

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

61. जब समूह में प्रत्येक इकाई को प्रतिदर्श में शामिल किए जाने के समसमान अवसर होते हैं, तो उस प्रकार का प्रतिदर्श कहलाता है–

(A) उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्शन

(B) गैर-सम्भावित प्रतिदर्शन

(C) क्रमबद्ध प्रतिदर्शन

(D) सम्भावित प्रतिदर्शन

62. राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

I. यह मिशन प्रधानमंत्री द्वारा 12 अप्रैल, 2005 को शुरू किया गया.

II. इस मिशन में बड़े पैमाने पर हुई वित्तीय अनियमितताओं के चलते उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री को त्यागपत्र देना पड़ा तथा वर्तमान में वे जेल में हैं.

III. समुदाय द्वारा भागीदारी और स्वामित्व में वृद्धि करना इस मिशन की मूलभूत कार्यनीति का एक हिस्सा है.

IV. प्रत्याशित सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) इस मिशन की एक प्रमुख कड़ी है.

उत्तर का सही कूट है–

(A) केवल I

(B) I तथा IV

(C) II तथा III

(D) उपर्युक्त सभी

63. पोलियो निवारण के बारे में निम्नलिखित दो कथनों पर विचार कीजिए–

I. जनवरी 2012 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत में लगातार एक वर्ष तक पोलियो का एक भी रोगी न होने पर भारत को पोलियो मुक्त देश घोषित कर दिया.

II. अफगानिस्तान, नाइजीरिया तथा पाकिस्तान अभी भी पोलियो स्थानिक देश बने हुए है, क्योंकि 2011 में इन देशों में पोलियो से ग्रस्त रोगियों की संख्या में वृद्धि हुई है.

उत्तर का सही कूट चुनिए–

(A) केवल I सही है

(B) केवल II सही है

(C) I एवं II सही हैं

(D) I एवं II गलत हैं

64. मातृत्व मृत्यु दर के मामले में आरोही क्रम में राज्यों का कौनसा क्रम सही है ?

(A) बिहार–मध्य प्रदेश–राजस्थान–उत्तर प्रदेश

(B) बिहार–उत्तर प्रदेश–मध्य प्रदेश–राजस्थान

(C) राजस्थान–बिहार–उत्तर प्रदेश–मध्य प्रदेश

(D) मध्य प्रदेश–राजस्थान–बिहार–उत्तर प्रदेश

65. फिल्म अभिनेता संजय दत्त को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा टाडा न्यायालय द्वारा दी गई सजा को बरकरार बनाए रखने के बाद उक्त सजा को महाराष्ट्र के राज्यपाल द्वारा माफ किए जाने के सन्दर्भ में राज्यपाल की शक्तियों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

I. किसी राज्य के राज्यपाल को उस सम्बन्धी जिस विषय पर उस राज्य की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार है, किसी विधि के विरुद्ध किसी अपराध के लिए सिद्ध दोष ठहराए गए किसी व्यक्ति के दण्ड को क्षमा करने की शक्ति प्राप्त है.

II. राज्यपाल को भारतीय दण्ड संहिता के प्रावधानों के तहत् मृत्युदण्ड की सजा को माफ करने या कम करने या आजीवन कारावास में बदलने की शक्ति प्राप्त है

सही कूट का चयन कीजिए–

(A) केवल I सही है

(B) I एवं II सही हैं

(C) केवल II सही है

(D) दोनों ही गलत हैं

66. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

I. हिमालय से निकलने वाली सभी नदियाँ वर्ष भर बहती हैं, क्योंकि उनमें हिमालय पर जमी बर्फ के पिघलने से निकलने वाला जल सतत् रूप से बहता रहता है.

II. अमरकंटक की पहाड़ियों से निकलने वाली नर्मदा भी वर्ष भर बहती रहती है, क्योंकि वह एक झील से निकलती है.

सही कूट का चयन कीजिए–

(A) केवल I सही है

(B) केवल II सही है

(C) I एवं II सही हैं

(D) I एवं II दोनों ही गलत हैं

67. अप्रैल 2013 में सर्वोच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में खनन के लाइसेंस निरस्त किए हैं. इस बारे में निम्नलिखित में कौनसा कथन गलत है?

(A) कर्नाटक राज्य में लौह खनिज के खनन हेतु दिए गए 49 पट्टों को निरस्त कर दिया

(B) खनन के ये पट्टे मुख्य रूप से बेल्लारी, तुमकुर तथा चित्रदुर्ग जनपदों में दिए गए थे

(C) कर्नाटक में अवैध खनन के बारे में सर्वोच्च न्यायालय में जनहित याचिका समाज परिवर्तन समुदाय नामक गैर-सरकारी संगठन द्वारा दायर की गई थी

(D) खनन के ये पट्टे केन्द्रीय जाँच ब्यूरो द्वारा की गई कार्यवाही के बाद निरस्त किए गए हैं

68. कहा जाता है कि भारत को 'जनांकिकीय लाभांश' प्राप्त है. ऐसा निम्नलिखित में से किस कारण से हो सकता है ?

(A) देश की कुल जनसंख्या में कार्यशील जनसंख्या (15–60 वर्ष) का अनुपात 55 प्रतिशत से अधिक है

sscexamonline.blogspot.com

(B) भारत में कम्प्यूटर, सूचना प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में शिक्षित प्रशिक्षित श्रम बल विश्व में सर्वाधिक है

(C) भारत में शिशु मृत्यु दर तथा बाल मृत्यु दर घट कर विकसित देशों के स्तर पर आ गई है

(D) भारत में अंग्रेजी जानने वाले युवाओं की संख्या विश्व में सर्वाधिक है

69. भारत के विदेशी विनिमय कोषों का अभिरक्षक कौन है ?

(A) वित्त मंत्रालय

(B) भारतीय स्टेट बैंक

(C) भारतीय रिज़र्व बैंक

(D) विश्व बैंक

70. भारत में विधि ग्राह्य मुद्रा के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. ₹ 1 और इससे अधिक मूल्य के सिक्के तथा नोट असीमित रूप से विधि ग्राह्य मुद्रा है.
2. पचास पैसे का सिक्का मात्र ₹ 10 तक के भुगतान हेतु ही विधि ग्राह्य मुद्रा है.
3. भारतीय ₹ नेपाल तथा भूटान में भी विधि ग्राह्य मुद्रा है.
4. नेपाल तथा भूटान की करेंसी भारत में विधि ग्राह्य मुद्रा है.

सही कूट चुनिए–

(A) केवल 1 एवं 2

(B) केवल 1 एवं 3

(C) केवल 1, 2 एवं 3

(D) उपर्युक्त सभी सही हैं

71. गुजरात निम्नलिखित में से किस पर्वतमाला से सम्बन्धित है ?

(A) अरावली पर्वत

(B) सतपुड़ा पर्वत

(C) विंध्याचल पर्वत

(D) नीलगिरि पर्वत

72. 'राष्ट्रीय युवा दिवस' 12 जनवरी को किनकी स्मृति में मनाया जाता है ?

(A) संजय गांधी

(B) राजीव गांधी

(C) स्वामी विवेकानंद

(D) सुभाषचंद्र बोस

73. 'यंग बंगाल मूवमेंट' की स्थापना की थी–

(A) श्रीधरराव नायडू ने

(B) मार्गेट नॉबेल उर्फ सिस्टर निवेदिता ने

(C) हेनरी लुइस विवियन डिरोजियो ने

(D) केशवचन्द्र सेन ने

74. निम्नलिखित में से कौनसा प्रत्यक्ष कर है ?

(A) सीमा शुल्क (B) बिक्री कर

(C) उत्पाद शुल्क (D) आयकर

75. 'टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फण्डामेन्टल रिसर्च' कहाँ स्थित है ?

(A) मुम्बई में

(B) रांची में

(C) कोलकाता में

(D) दिल्ली में

76. टेलीफोन लाइन में प्रवाहित ऊर्जा है–

(A) ध्वनि ऊर्जा (B) विद्युत् ऊर्जा

(C) रेडियो ऊर्जा (D) यांत्रिक ऊर्जा

77. निम्नलिखित में से प्रोटीन का सर्वप्रथम स्रोत कौनसा है ?

(A) काला चना (B) बंगाल चना

(C) मटर (D) सोयाबीन

78. मोटर वाहनों में पश्चदृश्य दर्पण के रूप में कौनसा दर्पण उपयोग में आता है ?

(A) उत्तल दर्पण

(B) समतल दर्पण

(C) अवतल दर्पण

(D) गोलीय दर्पण

79. इंटरनेट में एक्सेस हेतु प्रयोक्ता का कम्प्यूटर से कनेक्ट होता है उसे ..... कहते हैं.

(A) नोटबुक

(B) PDA

(C) सुपरकम्प्यूटर

(D) सर्वर

80. रन करने के लिए बेट कर रहे प्रोग्रामों की सूचियों को क्या कहते हैं ?

(A) सेल्स (B) दि बैकग्राउण्ड

(C) क्यूस (D) पेज फ्रेम्स

81. पर्यावरण अवनयन से सम्बन्धित निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?

1. किसी प्रदेश के भौतिक पर्यावरण के एकल या कई संघटकों से उत्पन्न अवनतावस्था.
2. भौतिक पर्यावरण में मानवजनित परिवर्तनों द्वारा पर्यावरण अतिक्रमण.
3. अतः निर्मित हानिकारकस्टेटिक कार्य विधि द्वारा भौतिक संघटकों की आपूर्ति न होना.
4. स्थानीय स्तर पर पर्यावरण की गुणवत्ता का ह्रास होना.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है?

(A) केवल 1 (B) 1 और 2

(C) 1, 2 और 3 (D) 1 और 4

82. पर्यावरण संरक्षण के विषय में निम्नलिखित वक्तव्य है–

1. पर्यावरण प्राकृतिक द्वारा संरक्षित है और एक मजबूत पारितंत्र है.
2. पर्यावरण मानवीय क्रियाकलापों द्वारा संरक्षित है.
3. पर्यावरण संरक्षण की ओर विश्व पर्यावरणविदों का ध्यान 1972 में हुए स्टॉकहोम सम्मेलन में गया.
4. पर्यावरण संरक्षण का अर्थ है विनाश रहित विकास.

उपर्युक्त में से कौनसा कथन सही है.

(A) 1 और 2 (B) 2 और 3

(C) 1, 2 और 4 (D) 1, 3 और 4

83. पर्यावरण अधिप्रभाव (Environmental Assessment) की निम्नलिखित विधियाँ हैं–

1. मनुष्य एवं पर्यावरण के मध्य मधुर सम्बन्ध स्थापित हों.
2. पर्यावरण एवं जीवमण्डल की क्षति को रोकने के उपाय किए जाएं.
3. राष्ट्र के लिए उपयोगी प्राकृतिक संसाधनों तथा पारिस्थितिक क्षमता को बढ़ाना.
4. पर्यावरण गुणवत्ता परिषद् (Council of Environmental Quality) की स्थापना करना.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है ?

(A) 1 और 4 (B) 2 और 3

(C) 1, 2 और 3 (D) 1, 2, 3 और 4

84. दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई और कोलकाता को जोड़ने वाला स्वर्णिम चतुर्भुज मार्ग निम्नलिखित में से कहाँ-कहाँ से गुजरता है?

1. अमृतसर–अहमदाबाद–पुणे–पटना
2. जयपुर–पोरबन्दर–हैदराबाद–वाराणसी
3. वडोदरा–पुणे–विशाखापट्टनम–वाराणसी
4. नागपुर–भोपाल–सूरत–अमृतसर

उपर्युक्त मार्गों में से कौनसा/से सही है?

(A) केवल 1 (B) 1 और 2

(C) केवल 3 (D) केवल 4

85. अवसंरचना के विषय में निम्नलिखित कथन है–

1. अवसंरचना के अन्तर्गत विद्युत्, ऊर्जा संसाधन एवं परिवहन के

sscexamonline.blogspot.com

संसाधनों को सम्मिलित किया गया है.

2. देश के आर्थिक विकास में इनकी उपलब्धि संतोषजनक होनी चाहिए.

3. बारहवीं पंचवर्षीय योजना में सरकारी और निजी क्षेत्र के सहयोग से इन पर लगभग ₹ 45 लाख करोड़ खर्च करने का प्रस्ताव है.

4. इसके अन्तर्गत योजना आयोग ने समस्त अवसंरचनाएं जैसे विद्युत्, कोयला, खनिज तेल, खाद, सीमेन्ट, परिवहन एवं दूरसंचार सम्मिलित किए हैं.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है?

(A) 1 और 2

(B) 3 और 4

(C) 1, 2 और 4

(D) 1, 2, 3 और 4

86. विश्व बैंक के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करके नीचे दिए गए कूटों में से सही विकल्प चुनिए–

I. सन् 1945 में स्थापित अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक को ही विश्व बैंक कहा जाता है.

II. विश्व बैंक वस्तु पाँच निकायों यथा आईबीआरडी, आईडीए, आईएफसी, एमआईजीए, सीएस-आईएसडी का एक समूह है.

III. अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ (IDA) को विश्व बैंक 'साफ्ट लोन विन्डो' कहा जाता है.

IV. भारत को अब अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ से उधार नहीं मिलता है.

(A) केवल II सही है

(B) I एवं II सही हैं

(C) II, III, IV सही हैं

(D) उपर्युक्त सभी सही हैं

87. भारत को अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ से विगत में काफी आर्थिक सहायता मिलती रही है, लेकिन अब नहीं मिल रही. इसके लिए निम्नलिखित में से कौनसा कारण उत्तरदायी है?

I. अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ उन्हीं देशों को आर्थिक सहायता प्रदान करता है जिनकी प्रतिव्यक्ति आय US $ 1195 से कम है.

II. भारत द्वारा समय से ऋणों का पुनर्भुगतान न कर पाने के कारण उसे काली सूची में डाल दिया गया है.

III. भारत की प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2011 में US $ 1527 है.

(A) केवल I (B) I और II

(C) I और III (D) I, II एवं III

88. भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा उत्तर का सही कूट चुनिए–

1. क्रय शक्ति समता आधार पर भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है.

2. मानव विकास रिपोर्ट 2013 के अनुसार मानव विकास सूचकांक में भारत का 136वाँ स्थान है.

(A) केवल I सही है

(B) I एवं II सही हैं

(C) केवल II सही है

(D) दोनों ही गलत हैं

89. 'कैप-एण्ड-ट्रेड' कार्यक्रम–

(A) यूरोपीय संघ में 2010 से पहले से ही अपनाया जा रहा है

(B) इसकी ऊँची लागतों के कारण इसे कभी भी नहीं अपनाया गया

(C) सं. रा. अमरीका की बिजली कम्पनियों द्वारा बड़े पैमाने पर अपनाया गया

(D) विद्युत् उत्पादन के ऐसे प्लान्टों में अपनाया जाता है जहाँ गैर-ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन मानक प्रयुक्त किए जाते हैं

90. ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए निम्नलिखित में से किसमें वृद्धि की जानी चाहिए?

(A) इलेक्ट्रिक कारों के उत्पादन में

(B) प्राकृतिक गैस से चलने वाले वाहनों के उत्पादन में

(C) गन्धक के उत्सर्जन को रोकने के लिए कोयला गैसीयकरण प्लान्टों तथा सफाई करने वाली तकनीकों का उपयोग

(D) ऊर्जा दक्षता एवं ऊर्जा के अक्षय स्रोतों का उपयोग

निर्देश–(प्रश्न 91 से 100 तक) अभिकथन (A) तथा कारण (R) पर आधारित है जिनके चार सम्भावित विकल्प हैं–

(A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) उसकी सही व्याख्या करता है

(B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता

(C) अभिकथन (A) सही है कारण (R) गलत है

(D) अभिकथन (A) गलत है कारण (R) सही है

91. **अभिकथन (A) :** भारत में लगभग 35 करोड़ लोग निर्धनता रेखा से नीचे रहते हैं.

कारण (R) : सम्पूर्ण योजनाकाल में कृषि एवं सहायक क्षेत्र में सृजित सकल घरेलू उत्पाद की औसत वार्षिक संवृद्धि दर 2·0–2·5 प्रतिशत के बीच रही है.

92. **अभिकथन (A) :** औद्योगिक लाइसेंसिंग नीति निर्धारण से पूर्व भारत के योजना आयोग ने डॉ. आर. के. हजारी की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया था.

कारण (R) : औद्योगिक नीति 1956 के तहत् देश के 17 प्रमुख उद्योग सार्वजनिक क्षेत्र के लिए आरक्षित कर दिए गए.

93. **अभिकथन (A) :** भारत में पंचायती-राज संस्थाओं के चुनाव पाँच वर्ष की अवधि पूरी होने से पहले कराना राज्य सरकार के लिए एक बाध्यता है.

कारण (R) : संविधान के 73वें संशोधन द्वारा पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया.

94. **अभिकथन (A) :** गुजरात के गिरि वन्य जीव अभयारण्य से कुछ एशियाई शेरों को मध्य प्रदेश के कुनो वन्य जीव अभयारण्य में पुनर्स्थापित किए जाने के आदेश सर्वोच्च न्यायालय ने दिए हैं.

कारण (R) : गिरि वन्य जीव अभयारण्य में एशियाई शेरों की संख्या क्षमता से अधिक हो गई है.

95. **अभिकथन (A) :** भारत में मलेरिया के सर्वाधिक रोगी प्लाज़्मोडियम वाइवेक्स प्रकार के संक्रमण प्रकार के होते हैं.

कारण (R) : मलेरिया मादा एना-फिलीज के काटने से होता है.

96. **अभिकथन (A) :** सं. रा. अमरीका ने क्योटो प्रोटोकॉल की अभिपुष्टि कर दी थी.

कारण (R) : क्योटो प्रोटोकॉल जलवायु परिवर्तन पर ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को करने वाली एक अन्तर्राष्ट्रीय संधि है.

97. **अभिकथन (A) :** प्रक्षेपास्त्र प्रौद्योगिकी के अनुसंधान एवं विकास के मामले में भारत की गणना विश्व की शीर्ष 10 देशों में होती है.

कारण (R) : भारत ने 1998 में भूमिगत नाभिकीय परीक्षण सफलतापूर्वक किया था.

sscexamonline.blogspot.com

98. **अभिकथन (A) :** सं. रा. अमरीका की सरकार ने एक प्रमुख दवा निर्माता कम्पनी नोवार्टिस फार्मास्यूटीकल्स के विरुद्ध न्यायालय में एक आपराधिक मामला दर्ज किया है.

कारण (R) : नोवार्टिस फार्मास्यूटीकल्स अपने उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए डॉक्टरों को रिश्वत देती रही है.

99. निम्नलिखित में से किस क्रिकेटर ने 66 गेंदों पर 175 रन (आउट) T–20 मैच में बनाने का विश्व रिकॉर्ड बनाया है?

(A) क्रिस गेल

(B) ब्रेण्डन मैककुलम

(C) बी.बी.एस. लक्ष्मण

(D) विराट कोहली

100. किसी एक वर्ष में विश्व के किस खिलाड़ी ने सर्वाधिक गोल कराने का विश्व रिकॉर्ड 2012 में बनाया है?

(A) गैरेथ बेल

(B) लियोनिल मैसी

(C) क्रिस्टानो रोनाल्डो

(D) एण्ड्रेस इनस्टा

●●●

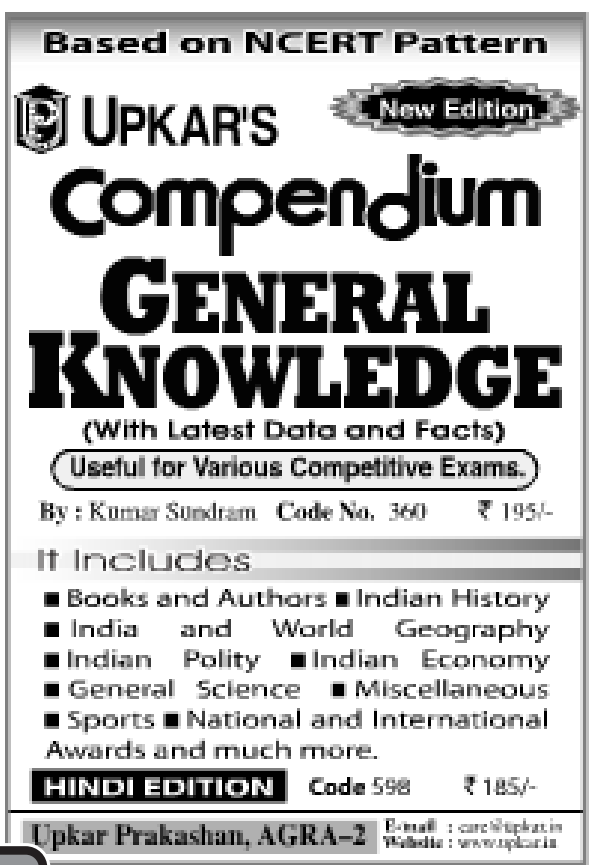

sscexamonline.blogspot.com

आगामी बैंक पी.ओ., एम.बी.ए. आदि परीक्षाओं के लिए विशेष हल प्रश्न

1. अद्यतन उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार इंटरनेट उपयोग करने वालों की संख्या की दृष्टि से भारत का विश्व में अब कौनसा स्थान है?
(A) पहला (B) दूसरा
(C) तीसरा (D) चौथा

2. अद्यतन उपलब्ध अनंतिम आँकड़ों के अनुसार भारत की 11वीं पंचवर्षीय योजना में सकल घरेलू उत्पाद में कितने प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि प्राप्त की गई है?
(A) 6·5 प्रतिशत (B) 7·0 प्रतिशत
(C) 7·5 प्रतिशत (D) 7·9 प्रतिशत

3. निम्नलिखित में से किस उद्योगपति को सत्र 2013-14 के लिए भारतीय उद्योग महासंघ (CII) का अध्यक्ष बनाया गया है?
(A) एस. गोपालकृष्णन
(B) आदि गोदरेज
(C) आनंद महिन्द्रा
(D) श्याम एस. भरतिया

4. बिजनेस स्टैण्डर्ड के वर्ष 2012-13 के पुरस्कारों में किस उद्यमी को लाइफ-टाइम एचीवमेंट पुरस्कार अप्रैल 2013 में प्रदान किया गया?
(A) चंदा कोचर
(B) वाई. के. हमीद
(C) आदि गोदरेज
(D) भास्कर भट्ट

5. 60वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के तहत् किस फिल्म को वर्ष 2012 की सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार दिया गया है?
(A) बर्फी
(B) विकी डोनर
(C) गैंग्स ऑफ वासेपुर
(D) पान सिंह तोमर

6. भारतीय सिनेमा उद्योग में समग्र योगदान के लिए वर्ष 2012 का दादा साहेब फाल्के पुरस्कार निम्नलिखित में से किसे प्रदान किया गया है?
(A) प्राण
(B) यश चोपड़ा
(C) सौमित्र चटर्जी
(D) अडूर गोपालकृष्णन

7. पारस्परिक आर्थिक-वाणिज्यिक सहयोग संवर्द्धन के लिए गठित 5 देशों के 'ब्रिक्स' का पाँचवाँ शिखर सम्मेलन किस देश में मार्च 2013 में सम्पन्न हुआ था?
(A) भारत (B) द. अफ्रीका
(C) चीन (D) रूस

8. भारत में पहले महिला बैंक की स्थापना के लिए रूपरेखा तैयार करने के लिए निम्नलिखित में से किसकी अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समिति का गठन सरकार ने मार्च 2013 में किया है?
(A) एम. डी. माल्या
(B) प्रतीप चौधरी
(C) एम.वी.एन. राव
(D) दीपक पारिख

9. देश में वित्तीय क्षेत्र के विनियमन से सम्बन्धित कानूनों एवं व्यवस्थाओं में सुधार के लिए निम्नलिखित में से किसकी अध्यक्षता में उच्चस्तरीय आयोग का गठन वित्त मंत्रालय ने किया था ?
(A) नंदन निलेकणि
(B) कौशिक बसु
(C) न्यायमूर्ति जे. एस. वर्मा
(D) न्यायमूर्ति बी.एन. श्रीकृष्णा

10. उपर्युक्त आयोग का शब्द संक्षेप FSLRC है. इसमें R से क्या तात्पर्य है?
(A) रिजेक्शन
(B) रिकवरी
(C) रिडिस्ट्रीब्यूशन
(D) रिफॉर्म्स

11. देश में विदेशी निवेश सम्बन्धी प्रस्तावों की मंजूरी के लिए FIPB का गठन सरकार द्वारा किया गया है. इस शब्द संक्षेप में B से क्या तात्पर्य है?
(A) बोर्ड
(B) ब्यूरो
(C) बैंक
(D) बेटरमेंट

12. किस बहुराष्ट्रीय कम्पनी को भारत में कैंसर की एक दवा का पेटेंट प्रदान करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने इनकार किया है?
(A) कैडिला (B) नोवार्टिस
(C) रोश (D) ल्यूपिन

13. भारत में किस रेलगाड़ी में वाई फाई सुविधा सर्वप्रथम उपलब्ध कराई गई है?
(A) नई दिल्ली-हावड़ा राजधानी एक्स-प्रेस
(B) नई दिल्ली-बंगलुरु राजधानी एक्सप्रेस
(C) नई दिल्ली-भोपाल शताब्दी एक्स-प्रेस
(D) नई दिल्ली-चंडीगढ़ शताब्दी एक्सप्रेस

14. किस पड़ोसी देश के वरिष्ठ नागरिकों के लिए 'वीजा ऑन एराइवल' सुविधा भारत ने अप्रैल 2013 में शुरू की है?
(A) चीन (B) बांग्लादेश
(C) पाकिस्तान (D) श्रीलंका

15. सार्वजनिक क्षेत्र के निम्नलिखित में से किस बैंक के चेयरपर्सन सह प्रबन्ध निदेशक पद पर एक महिला (अर्चना भार्गव) की नियुक्ति सरकार ने अप्रैल 2013 में की है?
(A) यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
(B) यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया
(C) सिंडीकेट बैंक
(D) इलाहाबाद बैंक

16. अबू धाबी की विमान सेवा एतिहाद ने भारत की किस विमान सेवा कम्पनी की 24 प्रतिशत हिस्सेदारी की खरीद के लिए समझौता अप्रैल 2013 में सम्पन्न किया है?
(A) किंगफिशर
(B) गो एयर
(C) इंडिगो
(D) जेट एयरवेज़

UPKAR'S
Power Tips for Life Management
By : Vaikunth Sharma
Code 1526 ₹ 35/-
Published by
Upkar Prakashan, AGRA-2

sscexamonline.blogspot.com

17. 2013-14 में गेहूँ की सरकारी खरीद अप्रैल माह में शुरू हुई है. इस खरीद के लिए कितने ₹ प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य केन्द्र सरकार द्वारा घोषित है ?
(A) ₹ 1250 प्रति क्विंटल
(B) ₹ 1300 प्रति क्विंटल
(C) ₹ 1350 प्रति क्विंटल
(D) ₹ 1400 प्रति क्विंटल

18. सरकार द्वारा कृषिगत उपजों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्यों की घोषणा निम्नलिखित में से किसकी संस्तुति के आधार पर की जाती है?
(A) NSSO (B) CACP
(C) CSO (D) BIFR

19. वर्ष 2012-13 के दौरान देश में गेहूँ का कुल उत्पादन लगभग 92 मिलियन टन रहने का कृषि मंत्रालय का अनुमान है. इसमें सर्वाधिक योगदान किस राज्य का है?
(A) उत्तर प्रदेश (B) पंजाब
(C) हरियाणा (D) मध्य प्रदेश

20. 2012-13 के दौरान कृषि क्षेत्र को उपलब्ध कराए संस्थागत ऋणों में सर्वाधिक योगदान निम्नलिखित में से किसका रहा है?
(A) सहकारी बैंक
(B) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
(C) सार्वजनिक क्षेत्र के वाणिज्यिक बैंक
(D) निजी क्षेत्र के वाणिज्यिक बैंक

21. भारत में निम्नलिखित में से कौनसा श्रम संघ सबसे प्राचीन है?
(A) इंटक (INTUC)
(B) एटक (AITUC)
(C) सीटू (CITU)
(D) भारतीय मजदूर संघ

22. भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) का मुख्यालय कहाँ स्थित है?
(A) नई दिल्ली (B) मुम्बई
(C) बंगलुरु (D) चेन्नई

23. भारत में बैंकों के चेक व ड्राफ्ट उन्हें जारी किए जाने की तिथि से कितनी अवधि तक मान्य होते हैं?
(A) एक माह (B) तीन माह
(C) छह माह (D) एक वर्ष

24. मार्च 2013 के अंत में भारत में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की अनंतिम दर कितनी रही?
(A) 3·96 प्रतिशत
(B) 4·96 प्रतिशत
(C) 5·96 प्रतिशत
(D) 6·96 प्रतिशत

25. भारतीय रेलवे के परिचालन के कितने वर्ष अप्रैल 2013 में पूरे हुए हैं?
(A) 130 वर्ष (B) 140 वर्ष
(C) 150 वर्ष (D) 160 वर्ष

26. निम्नलिखित में से कौनसा देश भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश का सबसे प्रमुख स्रोत रहा है?
(A) सिंगापुर (B) अमरीका
(C) मॉरिशस (D) जापान

27. भारत में सिंगल ब्रांड रिटेल क्षेत्र में अधिकतम कितने प्रतिशत तक विदेशी निवेश की अनुमति है?
(A) 26 प्रतिशत (B) 51 प्रतिशत
(C) 76 प्रतिशत (D) 100 प्रतिशत

28. देवी अहिल्याबाई होल्कर अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा कहाँ स्थित है?
(A) कोझीकोड (B) नागपुर
(C) कोयम्बटूर (D) इंदौर

29. 'मानव विकास रिपोर्ट' निम्नलिखित में से किसका वार्षिक प्रकाशन है?
(A) विश्व व्यापार संगठन
(B) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम
(C) विश्व बैंक
(D) फोर्ब्स

30. 'दक्षेस' ने विभिन्न क्षेत्रों में विकास के 22 विभिन्न 'विकास लक्ष्य' निर्धारित किए हुए हैं, जिन्हें प्राप्त करने की समय सीमा 2012 थी. इस समय सीमा को बढ़ाकर अब क्या किया गया है?
(A) 2013 (B) 2014
(C) 2015 (D) 2016

उत्तरमाला

1. (C)	2. (D)	3. (A)	4. (B)	5. (D)
6. (A)	7. (B)	8. (C)	9. (D)	10. (D)
11. (A)	12. (B)	13. (A)	14. (C)	15. (B)
16. (D)	17. (C)	18. (B)	19. (A)	20. (C)
21. (B)	22. (B)	23. (B)	24. (C)	25. (D)
26. (C)	27. (D)	28. (D)	29. (B)	30. (C)

●●●

शेष पृष्ठ 1843 का

उत्तर व्याख्या सहित

●●●

sscexamonline.blogspot.com

बिहार उच्च माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2011 का हल प्रश्न-पत्र

इतिहास

(कक्षा XI-XII)

1. मेसोपोटामिया की सभ्यता कहाँ विकसित हुई थी ?
(A) नील नदी घाटी में
(B) सिन्धु नदी घाटी में
(C) हवांग-हो नदी घाटी में
(D) दजला-फरात नदी घाटी में

2. निम्नलिखित में से विश्व की प्राचीनतम सभ्यता कौन है ?
(A) चीन (B) मिस्र
(C) सिन्धु (D) मेसोपोटामिया

3. मेसोपोटामिया की सभ्यता में हम्मुराबी का सम्बन्ध किस प्रदेश से था ?
(A) बेबीलोन
(B) सुमेरिया
(C) असीरिया
(D) इनमें से कोई नहीं

4. वर्तमान में मेसोपोटामिया की पहचान किस आधुनिक देश से होती है ?
(A) ईरान (B) इराक
(C) अरब (D) इसराइल

5. मेसोपोटामिया के उर में जिगुरात क्या था ?
(A) मन्दिर (B) मीनार
(C) स्नानागार (D) मैदान

6. 'गिलगामेश' महाकाव्य का सम्बन्ध किस प्राचीन सभ्यता से है ?
(A) मेसोपोटामिया
(B) मिस्र
(C) चीन
(D) यूनान

7. मेसोपोटामिया सभ्यता की लिपि किस प्रकार की थी ?
(A) देवनागरी
(B) चित्रात्मक
(C) कीलाकार
(D) इनमें से कोई नहीं

8. निअंडरथल मानव रूप का प्रथम प्रमाण कहाँ मिला ?
(A) मिस्र में
(B) चीन में
(C) इंगलैण्ड में
(D) जर्मनी में

9. जीव वैज्ञानिक लेमार्क किस देश से सम्बन्धित था ?
(A) फ्रांस (B) इंगलैण्ड
(C) जर्मनी (D) इटली

10. 'ओरिजिन ऑफ स्पीशीज' नामक पुस्तक की रचना किसने की थी ?
(A) लैमार्क
(B) चार्ल्स डार्विन
(C) रेमण्ड डार्ट
(D) इनमें से कोई नहीं

11. प्रथम 'दार्शनिक मानव' किसे माना जाता है ?
(A) आस्ट्रेलोपिथिकस
(B) रामापिथिकस
(C) निअंडरथल मानव
(D) क्रो-मैग्नन मानव

12. निम्नलिखित में से किसके द्वारा आग के प्रथम प्रयोग का साक्ष्य मिलता है ?
(A) निअंडरथल मानव
(B) होमो एरेक्टस
(C) होमो सेपियन्स
(D) आस्ट्रेलोपिथिकस

13. आज के मानव किस प्रजाति के है ?
(A) होमो सेपियंस (B) होमो एरेक्टस
(C) होमिनिड (D) होमो हेबिलिस

14. मेसोपोटामिया की सभ्यता में 'झूलते बागों' का सम्बन्ध किससे है ?
(A) बेबीलोन (B) असीरिया
(C) सुमेरिया (D) केल्डियन

15. रोम में 'ग्लेडियेटर' कौन थे ?
(A) लड़ाके युद्धबन्दी दास
(B) गुप्तचर
(C) प्रांतीय राजकुमार
(D) सेनानायक

16. रोमन कोलोसियम क्या था ?
(A) इतिहासकार
(B) सैन्य दल
(C) व्यापारी समूह
(D) अखाड़ा

17. 'कार्थेज' क्या था ?
(A) युद्ध (B) नगर राज्य
(C) इतिहासकार (D) युद्धबन्दी

18. जूलियस सीजर की हत्या कब हुई थी ?
(A) 40 ई. पू. में (B) 40 ई. में
(C) 44 ई. पू. में (D) 45 ई. में

19. 'स्पार्टाकस' कौन था ?
(A) रोमन शासक
(B) युद्धबन्दी दास
(C) चिकित्सक
(D) इनमें से कोई नहीं

20. महान रोमन शासक, जिसने ईसाई धर्म को राज्य धर्म बना लिया, थे–
(A) जूलियस सीजर
(B) कांस्टेन्टाइन
(C) मार्क्स ऑरेलियस
(D) इनमें से कोई नहीं

21. 'मेघदूत' किसका देवता था ?
(A) वर्षा (B) अग्नि
(C) समुद्र (D) अनाज

22. जूलियस सीजर ने इतिहास की कौनसी पुस्तक लिखी थी ?
(A) एनल्स
(B) रोम का इतिहास
(C) हिस्टोरिज
(D) गृहयुद्ध

23. अगस्त माह का नाम किस रोमन शासक के नाम पर पड़ा ?
(A) जूलियस सीजर
(B) अगास्टस सीजर
(C) रामुलस
(D) इनमें से कोई नहीं

24. पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब का जन्म कहाँ हुआ था ?
(A) मक्का (B) मदीना
(C) बगदाद (D) काबुल

25. सर्वप्रथम कागज का आविष्कार कहाँ हुआ था ?
(A) भारत (B) इंगलैण्ड
(C) चीन (D) इटली

26. सुलेखन (खुशखती शैली) की शुरुआत निम्नलिखित में से किसने की ?
(A) यूरोपीय (B) भारतीय
(C) अरबों ने (D) चीनियों ने

27. चीन की महान दीवार का निर्माण किस चीनी शासक ने करवाया था ?
(A) शो-हांग-ती
(B) मिंग
(C) कुबलाई खाँ
(D) इनमें से कोई नहीं

sscexamonline.blogspot.com

28. मार्को पोलो किस देश का मूल निवासी था ?
(A) चीन (B) इटली
(C) मिस्र (D) हालैण्ड

29. 'चंगेज खाँ' शब्द का क्या अर्थ होता है ?
(A) गुरु
(B) सिपाही
(C) चक्रवर्ती राजा
(D) बहादुर

30. तैमूरलंग ने दिल्ली पर किस वर्ष आक्रमण किया था ?
(A) 1392 ई. में (B) 1394 ई. में
(C) 1398 ई. में (D) 1399 ई. में

31. तुर्कों ने कुस्तुनतुनिया पर किस वर्ष विजय प्राप्त की ?
(A) 1453 ई. (B) 1455 ई.
(C) 1456 ई. (D) 1458 ई.

32. 'मोनालिसा' नामक चित्र की रचना किसने की थी ?
(A) माईकल एंजलो
(B) लियोनार्डो द विंसी
(C) पिकासो
(D) रैफेल

33. 'द प्रेज आफ फॉली' किसकी प्रसिद्ध पुस्तक है ?
(A) मार्टिन लूथर की
(B) इरास्मस की
(C) दान्ते की
(D) वर्जिल की

34. 'सर्फ' किसे कहा जाता था ?
(A) भूमि जोतने वाला
(B) दूत
(C) दास
(D) कृषक

35. शेक्सपीयर की विश्वविख्यात कृति कौनसी है ?
(A) रोमियो जूलियट
(B) हैमलेट
(C) टवैल्थ नाइट
(D) इनमें से सभी

36. क्रिस्टोफर कोलंबस किस देश का नाविक था ?
(A) इटली (B) स्पेन
(C) पुर्तगाल (D) फ्रांस

37. 18वीं शताब्दी के मध्य में, औद्योगिक क्रांति कहाँ प्रारंभ हुई ?
(A) इंगलैण्ड में (B) फ्रांस में
(C) जर्मनी में (D) इटली में

38. आस्ट्रेलिया के मूल निवासी कौन थे ?
(A) मावरी (B) तस्मान
(C) रेड इण्डियन (D) नेग्रिटो

39. प्रथम अफीम युद्ध के पश्चात् कौनसी संधि सम्पन्न हुई ?
(A) पीकिंग की संधि
(B) पोर्ट्समाउथ की संधि
(C) नानकिंग की संधि
(D) इनमें से कोई नहीं

40. प्रथम अफीम युद्ध कब लड़ा गया था ?
(A) 1839-1842 ई. में
(B) 1840-1841 ई. में
(C) 1845-1849 ई. में
(D) इनमें से कोई नहीं

41. भारतीय उपमहाद्वीप की पहली सभ्यता का विकास कहाँ हुआ ?
(A) सिन्धु घाटी
(B) गोदावरी घाटी
(C) दामोदर घाटी
(D) इनमें से कोई नहीं

42. हड़प्पा की खोज किसने की ?
(A) राखाल दास बनर्जी
(B) दयाराम सहनी
(C) सर जॉन मार्शल
(D) अलेक्जेंडर कनिंघम

43. हड़प्पा सभ्यता में 'विशाल स्नानागार' कहाँ मिला है ?
(A) हड़प्पा में
(B) रोपड़ में
(C) कालीबंगा में
(D) मोहनजोदाड़ो में

44. हड़प्पा संस्कृति में हल से जुते खेत के साक्ष्य मिले हैं–
(A) कालीबंगा में (B) लोथल में
(C) रंगपुर में (D) धोलावीरा में

45. मगध की राजधानी राजगृह से पाटलिपुत्र किसने स्थानांतरित की थी ?
(A) बिम्बिसार
(B) उदयिन
(C) अजातशत्रु
(D) इनमें से कोई नहीं

46. सम्राट अशोक का कलिंग विजय किस शिलालेख में उत्कीर्ण है ?
(A) 11वें (B) 12वें
(C) 13वें (D) 14वें

47. चीनी यात्री फाह्यान किस शासक के समय में आया था ?
(A) चन्द्रगुप्त प्रथम
(B) समुद्रगुप्त
(C) चन्द्रगुप्त द्वितीय
(D) इनमें से कोई नहीं

48. यूरोप का 'समुद्रगुप्त' किसे माना जाता है ?
(A) हिटलर को
(B) स्टालिन को
(C) बिस्मार्क को
(D) नेपोलियन को

49. भारत में सती प्रथा का प्रथम साक्ष्य किस अभिलेख से प्राप्त होता है ?
(A) गरकी (B) जूनागढ़
(C) एरण (D) मेहरौली

50. किस राजवंश के शासक माता के नाम पर अपना नामकरण करते थे ?
(A) मौर्य (B) शुंग
(C) कुषाण (D) सातवाहन

51. महाभारत काल में 'गंगापुत्र' किसे कहा गया था ?
(A) पाण्डु (B) धृतराष्ट्र
(C) भीष्म (D) शान्तनु

52. दुर्योधन की माँ कौन थी ?
(A) कुन्ती (B) गांधारी
(C) सत्यवती (D) माद्री

53. महाभारतकालीन कुरु वंश की राजधानी कहाँ थी ?
(A) कुरुक्षेत्र (B) कपिलवस्तु
(C) इन्द्रप्रस्थ (D) हस्तिनापुर

54. 'गायत्री मंत्र' किस वेद में लिखित है ?
(A) ऋग्वेद (B) सामवेद
(C) यजुर्वेद (D) अथर्ववेद

55. गौतम बुद्ध के बचपन का क्या नाम था ?
(A) शुद्धोदन
(B) वर्द्धमान
(C) सिद्धार्थ
(D) इनमें से कोई नहीं

56. प्रथम जैन तीर्थंकर कौन थे ?
(A) ऋषभदेव (B) पार्श्वनाथ
(C) नेमिनाथ (D) अजितनाथ

57. वैष्णव धर्म के दक्षिण भारतीय संतों को क्या कहा जाता है ?
(A) नयनार
(B) अलवार
(C) आजीवक
(D) इनमें से कोई नहीं

58. शैव मत के संस्थापक कौन थे ?
(A) लकुलिश (B) वसुदेव
(C) नागमुनि (D) कंबन

sscexamonline.blogspot.com

59. अबुल फजल की 'आइन-ए-अकबरी' के किस भाग में कृषि एवं भू-राजस्व संबंधी ब्योरा दिया गया है ?
(A) मंजिल आबादी में
(B) सिपह आबादी में
(C) मुल्क आबादी में
(D) इनमें से कोई नहीं

60. किस मुगल शासक ने तंबाकू के प्रयोग पर प्रतिबंध लगा दिया था ?
(A) बाबर (B) हुमायूँ
(C) अकबर (D) जहाँगीर

61. 'अकबरनामा' मूलतः किस भाषा में लिखा गया ग्रन्थ है ?
(A) फारसी (B) उर्दू
(C) अरबी (D) संस्कृत

62. निम्नलिखित में से कौन, मुगलकालीन भूमि-राजस्व की प्रणाली थी ?
(A) गल्ला बख्शी (B) जब्ती
(C) नस्क (D) ये सभी

63. मुगलकाल में सर्वाधिक उर्वरक भूमि कौनसी थी ?
(A) पोलज (B) चचर
(C) परौती (D) बंजर

64. हल्दीघाटी का युद्ध कब लड़ा गया था ?
(A) 1572 ई. में (B) 1574 ई. में
(C) 1575 ई. में (D) 1576 ई. में

65. अकबर ने फतेहपुर सीकरी में बुलन्द दरवाजा का निर्माण किस विजय के लिए करवाया था ?
(A) गुजरात (B) राजपूताना
(C) मालवा (D) काबुल

66. मनसबदारी प्रणाली में सबसे छोटी इकाई क्या थी ?
(A) 10 (B) 100
(C) 1000 (D) 33

67. कैप्टन हाकिन्स किस मुगल शासक के दरबार में आया था ?
(A) अकबर (B) जहाँगीर
(C) शाहजहाँ (D) औरंगजेब

68. निम्नलिखित में से पुर्तगाली यात्री कौन था ?
(A) अब्दुर रज्जाक
(B) निकोलो कोण्टी
(C) सर टॉमस रो
(D) डोमिंगो पेस

69. कृष्णदेवराय, विजयनगर के प्रसिद्ध शासक, निम्नलिखित में से किस वंश के थे ?
(A) संगम वंश
(B) सालुव वंश
(C) तुलुव वंश
(D) इनमें से कोई नहीं

70. तलवंडी किसका जन्मस्थान था ?
(A) कबीर का (B) रैदास का
(C) नानक का (D) मीरा का

71. फ्रांसिस बर्नियर किस मुगल शासक के काल में यात्रा पर भारत आया था ?
(A) अकबर (B) जहाँगीर
(C) शाहजहाँ (D) औरंगजेब

72. 'तजकिरा' शब्द का क्या अर्थ है ?
(A) पीर
(B) दरगाह
(C) सूफी संत की जीवनी
(D) इनमें से कोई नहीं

73. वारेन हेस्टिंग्स के शासनकाल में 'इजारेदार' कौन थे ?
(A) सैन्य अधिकारी
(B) जमींदार
(C) धार्मिक नेता
(D) लगान वसूल करने वाले ठेकेदार

74. फ्रांसिस बुकानन कौन था ?
(A) सोपची
(B) शल्य चिकित्सक
(C) कवि
(D) व्यापारी

75. 'फिरंगी' मूलतः किस भाषा का शब्द है ?
(A) हिन्दी (B) अंग्रेजी
(C) अरबी (D) फारसी

76. 1857 की क्रांति के समय भारत का गवर्नर जनरल कौन था ?
(A) डलहौजी (B) कैनिंग
(C) कर्जन (D) डफरिन

77. कलकत्ता में अंग्रेजों की किलेबन्द बस्ती का नाम क्या था ?
(A) फोर्ट विलियम
(B) फोर्ट सेंट जॉर्ज
(C) फोर्ट सेंट डेविड
(D) इनमें से कोई नहीं

78. पुर्तगालियों ने गोवा पर कब अधिकार स्थापित किया ?
(A) 1509 ई. में (B) 1510 ई. में
(C) 1512 ई. में (D) 1513 ई. में

79. भारत में गाँधी ने सत्याग्रह का पहला प्रयोग कहाँ किया ?
(A) चंपारण में (B) खेड़ा में
(C) बारदोली में (D) डांडी में

80. भारत के संविधान निर्माण के दौरान संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष कौन थे ?
(A) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(B) पं. जवाहरलाल नेहरू
(C) सरदार पटेल
(D) डॉ. भीमराव अम्बेडकर

81. गाँधी को सर्वप्रथम 'महात्मा' किसने कहा ?
(A) रवीन्द्रनाथ टैगोर
(B) गोपाल कृष्ण गोखले
(C) जवाहरलाल नेहरू
(D) सरदार पटेल

82. कैबिनेट मिशन 23 मार्च, 1946 को भारत आया, इसके सदस्य कौन नहीं थे ?
(A) स्टैफोर्ड क्रिप्स
(B) साइमन
(C) ए. वी. एलेक्जेण्डर
(D) इनमें से सभी

83. भारत का प्रथम वायसराय कौन था ?
(A) वारेन हेस्टिंग्स
(B) विलियम बेंटिक
(C) कैनिंग
(D) माउण्टबेटन

84. वह कौन व्यक्ति था जिसने क्रीमिया का युद्ध (1854–56) तथा 1857 की क्रांति, दोनों में भाग लिया था ?
(A) तात्या टोपे
(B) नाना साहेब
(C) मौलवी अहमदुल्लाह
(D) अवीमुल्ला खाँ

85. भक्तिकाल के किस संत ने गुरु को ईश्वर से भी बड़ा बताया है ?
(A) कबीर (B) सूरदास
(C) तुलसीदास (D) गुरु नानक

86. मुगल बादशाह अकबर ने किस सन्त के यहाँ पुत्र प्राप्ति के लिए प्रार्थना की थी ?
(A) निजामुद्दीन औलिया
(B) शेख कादरी
(C) सलीम चिश्ती
(D) मोहनुद्दीन चिश्ती

87. सन्त कबीर के गुरु का नाम क्या था ?
(A) रामानुजाचार्य (B) वल्लभाचार्य
(C) रामानन्द (D) शंकराचार्य

88. तेनालीराम किस शासक के दरबार में थे ?
(A) हरिहर I (B) कृष्णदेवराय
(C) हरिहर II (D) देवराय

sscexamonline.blogspot.com

89. विजयनगर साम्राज्य में सबसे बड़े प्रशासकीय विभाग को क्या कहते थे ?
(A) अगारम (B) कोट्टम
(C) मण्डलम (D) नाडु

90. निम्नलिखित वंशों में से सबसे बाद में भारत कौन आया ?
(A) हिन्द-यूनानी (B) शक
(C) पल्लव (D) कुषाण

91. मौर्य सम्राट, सम्प्रति किस धर्म का अनुयायी था ?
(A) बौद्ध
(B) हिन्दू
(C) जैन
(D) इनमें से कोई नहीं

92. यूनानी लेखकों ने बिन्दुसार के लिए किस नाम का प्रयोग किया है ?
(A) प्रियदर्शी
(B) अमित्रघात (एमित्रोचेट्स)
(C) सैण्ड्रोकोटस
(D) इनमें से कोई नहीं

93. चन्द्रगुप्त मौर्य के लिए 'वृषल' शब्द का प्रयोग किस लेखक ने किया है ?
(A) विष्णुगुप्त
(B) मेगास्थनीज
(C) विशाखादत्त
(D) इनमें से कोई नहीं

94. मौर्यकाल में प्रयुक्त 'लघजीवा' शब्द से क्या तात्पर्य है ?
(A) नर्तकी (B) वेश्या
(C) पत्नी (D) संगीतज्ञ

95. 1947 ई. में भारत की स्वतंत्रता के समय इंग्लैण्ड में किस राजनीतिक दल की सरकार थी ?
(A) लेबर दल
(B) लिबरल दल
(C) कंजर्वेटिव दल
(D) डेमोक्रेट्स

96. मुस्लिम लीग द्वारा 'प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस' कब मनाया गया ?
(A) 16 अगस्त, 1935 ई. को
(B) 16 अगस्त, 1946 ई. को
(C) 16 अगस्त, 1945 ई. को
(D) 16 अगस्त, 1947 ई. को

97. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन बिहार में कहाँ सम्पन्न हुआ ?
(A) रामगढ़ (B) पटना
(C) गया (D) राँची

98. कृष्ण-भक्त मीरा का ब्याह किस राजवंश में हुआ था ?
(A) मारवाड़
(B) मेवाड़
(C) मुगल
(D) इनमें से कोई नहीं

99. 'लोकमान्य' की उपाधि से किस भारतीय को नवाजा गया है ?
(A) जयप्रकाश नारायण को
(B) बाल गंगाधर तिलक को
(C) चितरंजन दास को
(D) गोपाल हरि देशमुख को

100. भारतीय संविधान के निर्माण में कितना समय लगा ?
(A) 2 वर्ष 11 माह 11 दिन
(B) 2 वर्ष 11 माह 18 दिन
(C) 2 वर्ष 11 माह 20 दिन
(D) 2 वर्ष 11 माह 21 दिन

उत्तर व्याख्या सहित

●●●

sscexamonline.blogspot.com

यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, जून 2012 का हल प्रश्न-पत्र

संगीत

(तृतीय प्रश्न-पत्र)

हिन्दुस्तानी / कर्नाटक / रवीन्द्र संगीत / अवनद्ध वाद्य (गायन / वादन एवं संगीतशास्त्र)

विशेष निर्देश–इस प्रश्न-पत्र के 2 भाग हैं / भाग-I में 50 बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं, जो सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य हैं एवं 2-2 अंक के हैं.

भाग-II को 4 खण्डों भाग-II, भाग-III, भाग-IV, भाग-V में विभाजित किया गया है, प्रत्येक भाग में 25-25 प्रश्न 2-2 अंकों के हैं और परीक्षार्थी भाग-II, भाग-III, भाग-IV, भाग-V में से अपने विषय के अनुसार एक भाग का चयन कर सभी बहु-विकल्पीय 25 प्रश्नों के उत्तर दें.

भाग - I

हिन्दुस्तानी / कर्नाटक / रवीन्द्र संगीत / अवनद्ध वाद्य–सभी के लिए सामान्य

1. 'पाबू जी' की लोक कथा को प्रस्तुत करते समय, राजस्थान के 'भोपे' निम्नलिखित में से किस वाद्य को संगीत के लिए प्रयोग करते हैं ?
   (A) रबाब (B) ताशा
   (C) खंजरी (D) रावणहत्था

2. 'लंगा' और 'मांगनियार' निम्नलिखित में से किस राज्य के लोक कलाकार हैं?
   (A) जम्मू व कश्मीर
   (B) राजस्थान
   (C) महाराष्ट्र
   (D) तमिलनाडु

3. संगीत रत्नाकर में कितनी श्रुति जातियों का उल्लेख है ?
   (A) 5 (B) 7
   (C) 15 (D) 10

4. निम्नलिखित में से किसके प्रयोग द्वारा सप्ततालों से 35 ताल उत्पन्न होते हैं?
   (A) जाति भेदम (B) ग्रह भेदम
   (C) गति भेदम (D) श्रुति भेदम

5. 'कलानिधि' ग्रंथ किसने लिखा ?
   (A) अभिनव गुप्त
   (B) कल्लिनाथ
   (C) विद्यारण्य
   (D) श्री कंठ

6. "म्यूजिक ऑफ इण्डिया" ग्रंथ की रचना किसने की ?
   (A) एस.एम. टैगोर
   (B) कैप्टन विलियर्ड
   (C) विलियम जोन्स
   (D) डी.आर. विल्सन

7. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
   (A) संगीत का विशिष्ट गुण है - शब्दों की सहायता के बिना भाव सम्प्रेषण की क्षमता.
   (B) संगीत के द्वारा मनोचिकित्सा (Psychotherapeutic) के गुण को समाज में स्वीकृत नहीं किया जाता है.
   (C) संगीत के द्वारा सृजनात्मक आत्माभिव्यक्ति सम्भव नहीं है.
   (D) संगीत, स्नायु सम्बन्धी रोगों का मुख्य कारक है.

8. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
   (A) समूह गीत की रचना केवल प्रयाण गीतों (Marching Songs) के लिए ही की जाती है.
   (B) समूह-गान के द्वारा रस निष्पत्ति अपेक्षित नहीं होती.
   (C) समूह गान से उत्तरदायित्व, सहयोग, आत्मनियंत्रण व चैतन्यता का विकास होता है.
   (D) समूह गान के सहभागियों की आवाज की गुणवत्ता का धीरे-धीरे ह्रास हो जाता है.

9. पं. भातखण्डे के अनुसार रे ध कोमल वाले संक्षिप्तप्रकाश रागों के द्वारा निम्नलिखित में से किस रस की निष्पत्ति होती है ?
   (A) हास्य रस
   (B) रौद्र रस
   (C) वीभत्स रस
   (D) शान्त एवं करुण रस

10. राजस्थान का लोक गीत – 'केसरिया बालम आओ नी पधारो म्हारे देस,' निम्नलिखित में से किस कलाकार के द्वारा गाया गया है ?
   (A) अल्लाह जिलाई बाई
   (B) मंजरी केलकर
   (C) भास्कर बुआ
   (D) एम.एस. लक्ष्मी

11. किस सारंगी वादक को पद्मभूषण से नवाजा गया ?
   (A) पं. रामनारायण
   (B) मेहबूब खाँ
   (C) उ. सुल्तान खाँ
   (D) इनमें से कोई नहीं

12. सामवेद में, निम्नलिखित में से किस शब्द को 'स्वर' के समान अर्थ में प्रयुक्त किया गया है ?
   (A) नियम (B) आहार्य
   (C) सम (D) यम

13. 'सात स्वर सप्तक' के स्वरों को किस नाम से जाना जाता था ?
   (A) प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, मंद्र, तार, स्वरित
   (B) कुष्ट, प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, मंद्र, अतिस्वार्य
   (C) कुष्ट, प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, मंद्र, अतितार
   (D) प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पंचम, धैवत, निषाद

14. संगीत रत्नाकर के प्रकीर्णाध्याय में कितने काकु प्रकारों का उल्लेख मिलता है ?
   (A) 10 (B) 8
   (C) 6 (D) 4

15. सूची-I और सूची-II का सही मिलान करके, सूचियों के नीचे दिए गए कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर बताइए.

सूची-I	सूची-II
(a) तत वाद्य	1. शहनाई
(b) अवनद्ध वाद्य	2. मंजीरा
(c) सुषिर वाद्य	3. सरोद
(d) घन वाद्य	4. मृदंगम्

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	3	4	2
(B)	2	1	3	4
(C)	1	3	2	4
(D)	3	4	1	2

16. रवीन्द्रनाथ द्वारा भटियाली लोक संगीत आधारित बांग्लादेश का राष्ट्रगीत कौनसा है ?
   (A) बसन्ते की शुधु
   (B) ग्राम छाड़ा ओइ रांगामाटीर पथ
   (C) आमार सोनार बांग्ला
   (D) विधिर बाधोन बांधबे

sscexamonline.blogspot.com

17. रवीन्द्रनाथ ने वैष्णव पदावली रचनाओं के लिए किस उपनाम का प्रयोग किया था ?

(A) श्री सिंह (B) मधु सिंह

(C) भानु सिंह (D) राम सिंह

18. ग्रामीण बैंड नैयाण्डी मेलम का उपयोग किस लोक रूप में किया जाता है ?

(A) लावणी

(B) कैकोट्टीक्कली

(C) पिन्नल कोलट्टम

(D) डमी हॉर्स शो

19. राग मधुवंती है–

(A) औडव सम्पूर्ण राग

(B) षाडव सम्पूर्ण राग

(C) सम्पूर्ण षाडव राग

(D) औडव षाडव राग

20. संवादी स्वरों के बीच कितने अंतराल (Interval) होते हैं ?

(A) सात या बारह श्रुतियाँ

(B) छः या बारह श्रुतियाँ

(C) आठ या बारह श्रुतियाँ

(D) पाँच या बारह श्रुतियाँ

21. किस त्रिपुट ताल की मात्राएँ हिन्दुस्तानी संगीत के किस ताल के बराबर होती हैं ?

(A) रूपक (B) तीन ताल

(C) दादरा (D) कहरवा

22. संगीत रत्नाकर के तृतीय अध्याय का शीर्षक है–

(A) प्रकीर्णक अध्याय

(B) प्रबन्ध अध्याय

(C) राग विवेक अध्याय

(D) नर्तन अध्याय

23. निम्नलिखित में से वह कौनसा स्केल है जो कि लोक एवं शास्त्रीय संगीत दोनों में ही गाया जाता है ?

(A) सा रे॒ मं प नी सां

(B) सा रे॒ ग॑ मे॒ ध॒ नी सां

(C) सा रे॒ ग॒ मं प ध॒ नी सां

(D) सा रे ग प ध सां

24. 'जिस कला विद्या में न्यूनतम उपकरण उपयोग में आते हों वह कला श्रेष्ठ मानी जाती है.' इस दृष्टिकोण से, निम्नलिखित में से कौनसी कला रूप श्रेष्ठ है ?

(A) मूर्तिकला (Sculpture)

(B) चित्रकला (Painting)

(C) स्थापत्यकला (Architecture)

(D) संगीतकला (Music)

25. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?

(A) हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत पूर्णरूप से पूर्व रचित संगीत है, जिसमें स्वतंत्र गायकी को कोई गुंजाइश नहीं है.

(B) आधुनिक हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की मुख्य गायन विधा है 'जाति – गायन'.

(C) हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत, एक कलाकार की कल्पना को पर्याप्त स्थान देता है जो कि राग के अनुशासन के अन्तर्गत हो.

(D) हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की कोई निश्चित ताल पद्धति नहीं है.

26. किशोरी अमोनकर निम्नलिखित में से किस घराने की अग्रणी गायिका है ?

(A) आगरा (B) ग्वालियर

(C) किराना (D) जयपुर

27. तबला एकल वादन में बजाई जाने वाली पहली रचना–

(A) कायदा (B) रेला

(C) पेशकार (D) गत

28. 'तबले पर दिल्ली और पूरब' पुस्तक के लेखक हैं–

(A) भगवत प्रसाद

(B) भगवान दास शर्मा

(C) सत्यनारायण वशिष्ठ

(D) भगवत शरण शर्मा

29. सुमेलित कीजिए–

सूची-I	सूची-II
(a) सवा गुन	1. $\frac{11}{4}$
(b) पौन गुन	2. $\frac{5}{4}$
(c) सवा दो गुन	3. $\frac{9}{4}$
(d) पौने तीन गुन	4. $\frac{3}{4}$

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	4	3	1
(B)	2	4	1	3
(C)	3	2	4	1
(D)	2	1	3	4

30. पं. भीमसेन जोशी किस घराने से ताल्लुक रखते थे ?

(A) पटियाला (B) आग्रा

(C) जयपुर (D) किराना

31. 'यूनिवर्सल हिस्ट्री ऑफ म्यूजिक' के ग्रंथकर्ता हैं–

(A) रविन्द्रनाथ टैगोर

(B) राजा सौरिन्द्रमोहन टैगोर

(C) सर विलियम जोन्स

(D) नारायण मेनन

32. 'मौनदसा रंगीले' के नाम से जितनी बंदिशें पायी जाती हैं, उनके रचयिता हैं–

(A) अदारंग (B) मनरंग

(C) सदारंग (D) सबरंग

33. भरत काल में वाद्यवृंद के लिए संज्ञा थी–

(A) करण (B) कुतप

(C) पुष्कर (D) कुकुभ

34. विधान (A) : तिहाई का तबला वादन के क्षेत्र में विशेष महत्व है.

तर्क (R) : क्योंकि अधिकांश रचनाओं की समाप्ति तिहाई से ही होती है.

(A) (A) सही है (R) गलत है.

(B) (A) गलत है (R) सही है.

(C) (A) सही है (R) सही है.

(D) (A) गलत है (R) गलत है.

35. समूह कृति 'नवरत्नमालिका' की रचना किसने की है ?

(A) त्यागराज

(B) मुथुस्वामी दीक्षितर

(C) श्याम शास्त्री

(D) वीणाकुप्पैयर

36. 72 मेलकर्ताओं की योजना में 61वें मेल का नाम क्या है ?

(A) नीतिमती-60

(B) विजान्वरी-66

(C) कांतामणि-61

(D) धवलान्वरी-49

37. किस ग्रंथ को पंचमवेद (Fifth Veda) कहा जाता है ?

(A) बृहद्देशी

(B) संगीत रत्नाकर

(C) चतुर्दण्ड प्रकाशिका

(D) नाट्यशास्त्र

38. निम्नलिखित में से किस श्रुति-विन्यास में 'कुमुद्वती' नाम है ?

(A) नारद (B) सारंगदेव

(C) भावभट्ट (D) सोमनाथ

39. राधागोविन्द संगीत सार के लेखक हैं–

(A) सवाई माधव राव

(B) सवाई प्रतापसिंह

(C) राजा तुलजाजी

(D) राजा मानसिंह

40. निम्नलिखित में से कौन गायक नहीं है?

(A) उ. अमीर खाँ

(B) उ. उल्लादिया खाँ

sscexamonline.blogspot.com

(C) हद्दू खाँ
(D) उ. हबीबुद्दीन खाँ

41. निम्नलिखित में से कौन इटावा घराने का सितार वादक नहीं है ?
(A) उ. इमदाद खाँ
(B) उ. इनायत खाँ
(C) उ. हलीमजाफर खाँ
(D) उ. विलायत खाँ

42. मसीतखानी गत का मुखड़ा शुरू होता है–
(A) ग्यारहवीं मात्रा
(B) बारहवीं मात्रा
(C) तेरहवीं मात्रा
(D) चौदहवीं मात्रा

43. 'ग म ध ध प' किस राग के स्वर हैं ?
(A) तोड़ी
(B) भैरव
(C) मारवा
(D) इनमें से कोई नहीं

44. 'फरद' सम्बन्धित है–
(A) कायदा से (B) पेशकार
(C) गत से (D) परन से

45. तंत्र वाद्य, जो, लय वाद्य के रूप में प्रयुक्त होता है–
(A) स्वर मण्डल (B) उपंग
(C) रबाब (D) इसराज

46. ताल 'आड़ा चार ताल' का प्राचीन नाम है–
(A) त्रिपुट ताल (B) झम्पा ताल
(C) नठ ताल (D) चम्पक ताल

47. अप्लुत का चिह्न है–
(A) ˘ (B) O
(C) S (D) +

48. अतीत - अनागत का सम्बन्ध है–
(A) क्रिया से (B) जाति से
(C) अंग से (D) ग्रह से

49. स्वामी हरिदास जी का रचित ग्रन्थ है–
(A) ब्रज भैरव (B) संगीत ध्रुपद
(C) केलीमाल (D) रस निकुंज

50. दत्तात्रय वीणा वादक हैं–
(A) गोपाल कृष्ण
(B) नतंग
(C) नानापानसे
(D) स्वामी डी. आर. पार्वतीकर

नोट–यहाँ भाग-II हिन्दुस्तानी संगीत तथा भाग-V अवनद्ध वाद्य का हल दिया जा रहा है.

भाग - II
हिन्दुस्तानी संगीत

51. पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर निम्नलिखित में से किसके शिष्य थे ?
(A) भास्कर बुआ बखले
(B) रामकृष्ण वझे
(C) बाल कृष्ण बुआ इचलकरंजिकर
(D) विनायक राव पटवर्द्धन

52. कत्थक के जयपुर घराने को विशेष रूप से, निम्नलिखित में से किसके लिए जाना जाता है ?
(A) हस्त संचालन
(B) ग्रीवा संचालन
(C) नेत्र संचालन
(D) पद संचालन

53. अभिनव गुप्त ने, भरत के रससूत्र की व्याख्या निम्नलिखित में से किस प्रकार बताई है ?
(A) अभिव्यक्तिवाद
(B) उत्पत्तिवाद
(C) अनुमितिवाद
(D) भुक्तिवाद

54. पाद टीका का सही क्रम है–
(A) भारतीय संगीत वाद्य, मिश्र लालमणि, पृष्ठ सं., सन्
(B) मिश्र लालमणि, भारतीय संगीत वाद्य, सन्, पृष्ठ संख्या
(C) भारतीय संगीत वाद्य, मिश्र लालमणि, सन्, पृष्ठ सं.
(D) लालमणि मिश्र, पृष्ठ सं., भारतीय संगीत वाद्य, सन्

55. संगीत रत्नाकर ग्रन्थ को बहुधा किस नाम से अभिहित करते हैं ?
(A) अष्टाध्यायी (B) सप्ताध्यायी
(C) पंचाध्यायी (D) द्विअध्यायी

56. निम्नलिखित में से 14 मात्राओं की ताल वाले जोड़े को पहचानिए–
(A) धमार – सूलताल
(B) झूमरा – दीपचंदी
(C) सूलताल – दीपचंदी
(D) मत्ताल – धमार

57. निम्नलिखित में से सही समूह का चुनाव करिए जोकि चतुरंग शैली के अंगों को इंगित करता हो–
(A) ख्याल, त्रिवट, ध्रुपद, धमार
(B) पद, सरगम, तबला/पखावज के बोल, तेनक (निरर्थक शब्द)
(C) त्रिवट, तराना, ध्रुपद, ख्याल
(D) ध्रुपद, धमार, सरगम, तराना

58. गायन के लिए निम्नलिखित में से कौनसी शारीरिक अवस्था आदर्श है ?
(A) थोड़ा-सा आगे झुक कर गाया जाए
(B) मेरुदण्ड सीधा रख कर गया जाए
(C) आँखें बंद करके गाया जाए
(D) समूह में गाया जाए

59. हिन्दुस्तानी संगीत की प्रथम महिला शहनाई वादिका कौन है ?
(A) परवीन सुल्ताना
(B) शरन रानी
(C) जरीन दारूवाला
(D) बागेश्वरी कमर

60. ध्वनि के ऊँचे नीचे पन को परिभाषित करने के लिए निम्नलिखित में से किस शब्द का प्रयोग किया जाता है ?
(A) तीव्रता (Loudness)
(B) तारता (Pitch)
(C) गुण या जाति (Timbre)
(D) अनुरणन (Reverberation)

61. गुलाम मुस्तफा खान किस घराने के कलाकार हैं ?
(A) रामपुर सहसवान घराना
(B) ग्वालियर घराना
(C) भिंडी बाजार घराना
(D) पटियाला घराना

62. निम्नलिखित में से कौनसा घराना 'अष्टांग-गायकी' के लिए प्रसिद्ध है ?
(A) विष्णुपुर घराना
(B) श्याम चौरासी घराना
(C) दरभंगा घराना
(D) ग्वालियर घराना

63. नियत परदों के वाद्यों पर इस सप्तक का प्रयोग होता है–
(A) डायाटोनिक स्केल
(B) साम स्वर सप्तक
(C) शुद्ध ग्राम
(D) समानान्तर सप्तक

64. पाश्चात्य संगीत का मेजर स्केल हिन्दुस्तानी संगीत के किस सप्तक के समान है ?
(A) शंकरा भरणम
(B) बिलावल
(C) कापी
(D) कल्याण

65. अनेक धुनों एवं संवादी स्वरों द्वारा एक ही समय में बजाए जाने पर यह रचना बनती है.
(A) मेलाडी (B) हार्मनी
(C) ख्याल (D) ध्रुपद

sscexamonline.blogspot.com

66. पाश्चात्य संगीत की रचना जिसका गायन गिरिजाघरों में किया जाता था–
(A) हार्मनी (B) चेम्बर म्यूजिक
(C) सोनाटा (D) प्लेन सांग

67. निम्नलिखित में से कौनसा वाद्य मिजराब से नहीं बजाया जाता है ?
(A) सितार (B) गिटार
(C) सुरबहार (D) सरोद

68. निम्नलिखित में से कौनसा बाज सितार का नहीं है ?
(A) मसीतखानी (B) रजाखानी
(C) फिरोजखानी (D) किरवानी

69. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
(A) पं. ओंकार नाथ ठाकुर ने लखनऊ के मैरिस म्यूजिक कॉलेज में शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दी.
(B) पं. ओंकार नाथ ठाकुर, 'प्रणव भारती' एवं 'संगीतांजली' के लेखक हैं.
(C) पं. ओंकार नाथ ठाकुर, ने संगीत शिक्षा पं. नारायण मोरेश्वर खरे से प्राप्त की.
(D) 'हमारे संगीत वाद्य' नामक पुस्तक, ओंकार नाथ ठाकुर द्वारा लिखी गई है.

70. किस स्वर लिपि पद्धति के अनुसार स्वरों को - सा, रे, मी, फा, सोल, ला, सी के नाम से जाना जाता है ?
(A) सोल्फा नोटेशन
(B) न्यूमस नोटेशन
(C) बीथ नोटेशन
(D) स्टाफ नोटेशन

71. 'खराज भरना' निम्नलिखित में से किस प्रक्रिया के लिए प्रयुक्त किया जाता है?
(A) बंदिश भरना
(B) स्वतंत्र गायन
(C) सप्तक परिवर्तन
(D) षड्ज साधना

72. मध्य युग में पाए गए राग वर्गीकरण में ये शामिल नहीं हैं–
(A) शुद्ध राग
(B) रागांग वर्गीकरण
(C) छायालग राग
(D) संकीर्ण राग

73. निम्नलिखित में से कौनसी जोड़ी सही नहीं है ?
(A) शृंगार – रति
(B) हास्य – हास
(C) शान्त – निर्वेद
(D) भयानक – क्रोध

74. किस संगीतशास्त्रज्ञ ने रागरागिनी वर्गीकरण के सन्दर्भ में 'संस्थान नियम' को मान्य किया ?
(A) पार्श्वदेव (B) लोचन
(C) रामामात्य (D) सोमनाथ

75. नीचे दिए हुए किस ग्रंथ में 'श्रुति' की शास्त्रीय मीमांसा सर्वप्रथम पायी जाती है ?
(A) नारदीय शिक्षा
(B) सामवेद
(C) नाट्यशास्त्र
(D) बृहद्देशी

अथवा

भाग - V
अवनद्ध वाद्य

51. मार्ग तालों की संख्या–
(A) 3 (B) 5
(C) 7 (D) 9

52. ताल-जाति कितनी हैं ?
(A) 3 (B) 5
(C) 7 (D) 9

53. जोड़ मिलाइए–

सूची-I	सूची-II
(a) पखावज	1. धी-इकड़ धि धा
(b) तबला	2. पेंम फुरेम
(c) नक्कारा	3. धुमकिट
(d) साइबड्रम	4. धा तिं ना ता

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	4	3	2	1
(C)	3	1	4	2
(D)	1	3	2	4

54. 'धुमाली' ताल की मात्राएँ–
(A) 6 (B) 8
(C) 10 (D) 12

55. 'खेमटा' ताल की मात्राएँ–
(A) 6 (B) 8
(C) 10 (D) 12

56. ताल के प्राण कितने होते हैं ?
(A) 3 (B) 5
(C) 7 (D) 10

57. कर्नाटक पद्धति के प्रमुख तालों की संख्या–
(A) 3 (B) 5
(C) 7 (D) 9

58. सुमेलित कीजिए–

सूची-I	सूची-II
(a) पं. अनोखेलाल	1. गामा महाराज
(b) उ. हबीबुद्दीन खान	2. खलीफा
(c) पं. बिक्कू महाराज	3. नार्थिंग्रिना के जादूगर
(d) पं. रामायण प्रसाद मिश्र	4. संगत सम्राट

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	3	2	4	1
(C)	3	4	2	1
(D)	3	4	1	2

59. निम्नलिखित में से कौनसा प्रकार 'यति' नहीं है ?
(A) गोपुच्छा (B) पिपिलिका
(C) अतीत (D) मृदंगा

60. दाहिने हाथ से बाएं हाथ पर आघात करने की क्रिया है–
(A) धुवा (B) सम्पा
(C) आवाप (D) सन्निपात

61. कथन (A) : बनारस घराने के तबला वादक अनामिका को मोड़ कर के तर्जनी से लब (मैदान) पर 'ता' या 'ना' का निकास करते हैं.
तर्क (R) : इससे नादात्मकता में वृद्धि होकर खुला नाद निर्मित होता है.
कूट :
(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) सही (R) सही
(D) (A) गलत (R) गलत

62. बोगमाया शुक्ला द्वारा लिखित पुस्तक का नाम–
(A) पखावज और तबला के घराने और परम्पराएँ
(B) तबले का उद्गम, विकास और वादन शैलियाँ
(C) ताल प्रकाश
(D) ताल मार्तण्ड

63. कर्नाटक संगीत के मध्यताल का स्वरूप–
(A) 10 (B) 100
(C) 101 (D) 1100

64. जलतरंग किस वर्ग का वाद्य है ?
(A) तत् वाद्य (B) सुषिर वाद्य
(C) अवनद्ध वाद्य (D) घन वाद्य

65. कायदे की समाप्ति की जाती है–
(A) तिहाई से (B) मुखड़े से
(C) रेले से (D) पेशकार से

sscexamonline.blogspot.com

66. सुमेलित कीजिए–

सूची-I	सूची-II
(a) शिखर ताल	1. 15 मात्रा
(b) वसंत ताल	2. 11 मात्रा
(c) रुद्र ताल	3. 17 मात्रा
(d) यति शेखर	4. 9 मात्रा

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	4	3	2
(B)	2	3	4	1
(C)	3	2	4	1
(D)	3	4	2	1

67. ट्रेबिल क्लेफ का चिह्न–

(A) 𝄢 (B) &

(C) 𝄡 (D) S

68. निम्नलिखित में से कौनसा पाटाक्षर मुक्त प्रहार से बजाया जाता है ?

(A) तत् (B) कत्

(C) ट (D) दिं

69. इनमें से कौनसा द्विमुखी (Twofaced) अवनद्ध - वाद्य नहीं है ?

(A) डफ

(B) ढोलक

(C) मृदंगम्

(D) पखावज

70. भारतीय संगीत के ऋषभ का पाश्चात्य नाम–

(A) फा (B) सी

(C) डो (D) रे

71. पाश्चात्य ताल लिपी का *d d* चिह्न किस मिन्न को दर्शाता है ?

(A) $\frac{2}{2}$

(B) $\frac{2}{4}$

(C) $\frac{2}{8}$

(D) इनमें से कोई नहीं

72. उचित जोड़ी बनाइए–

सूची-I	सूची-II
(a) धुमाली	1. 1 ◡ 0
(b) रूपक ताल	2. 100
(c) त्रिपुट ताल	3. 01
(d) झप्प ताल	4. 1011

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	4	3
(B)	3	2	4	1
(C)	4	3	2	1
(D)	1	2	3	4

73. जोड़ी मिलाइए–

सूची-I	सूची-II
(a) चित्र जाति	1. 9
(b) चतरस्र जाति	2. 7
(c) मिश्र जाति	3. 4
(d) संकीर्ण जाति	4. 3

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	4	3
(B)	2	1	3	4
(C)	1	3	2	4
(D)	4	3	2	1

74. 'नदिगन' का 'न' कहाँ बजता है ?

(A) चौटी पर (B) लव पर

(C) स्याही पर (D) बीचे पर

75.

धा ति	धा ति	त्रक ति	धागे त्रक
×	2	0	3

किस ताल का ठेका है ?

(A) खेमटा

(B) धुमाली

(C) अद्धा तिताला

(D) जत ताल

उत्तर व्याख्या सहित

sscexamonline.blogspot.com

यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, जून 2012 का हल प्रश्न-पत्र

शिक्षाशास्त्र

(तृतीय प्रश्न-पत्र)

1. अध्यापन और अधिगम (Teaching and Learning) हेतु प्रौद्योगिकी के प्रयोग के लिए निम्नलिखित में से कौनसा क्लासरूम सबसे उपयुक्त है ?
   (A) एक क्लासरूम जो चित्रों, चार्टों और नक्शों से पूर्णतया सुसज्जित हो
   (B) एक क्लासरूम जिसमें पीसी और सीसी टीवी कनेक्शन हो
   (C) एक क्लासरूम जिसमें विद्युत् उपकरणों के प्रयोग के लिए विद्युत् सप्लाई का प्रबन्ध हो
   (D) (A) और (B) दोनों

2. "सामान्य अभ्यास को बदल कर और आप लगभग सदैव सही कर रहे होंगे।" यह किसका सिद्धान्त था ?
   (A) प्लेटो (B) रूसो
   (C) महात्मा गांधी (D) डयूवी

3. सह-सम्बन्ध गुणांक कहाँ-से-कहाँ तक पड़ता है ?
   (A) + 1 से – 1
   (B) 0 से – 1
   (C) – 1 से 0
   (D) + 1 से 0

4. अनुसंधान उपकरणों की विश्वसनीयता और वैधता के बीच सम्बन्धों के प्रति निम्नलिखित कथनों में से कौनसा कथन सही है ?
   (A) एक विश्वसनीय (Reliable) परीक्षण सदैव वैध होता है
   (B) एक वैध परीक्षण विश्वसनीय होगा
   (C) एक वैध परीक्षण विश्वसीय नहीं हो सकता
   (D) एक विश्वसनीय परीक्षण कभी भी वैध नहीं होता

5. अनुभव-केन्द्रित पाठ्यक्रम (Experience Centred Curriculum) का प्रतिपादक है–
   (A) फ्रोबेल (B) जॉन डयूवी
   (C) स्टीवनसन (D) पार्कर

6. सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए और प्रदत्त विकल्पों से सही उत्तर का चयन कीजिए–

   सूची-I
   (a) करो और सीखो
   (b) उच्च शैक्षिक उद्देश्य न होना
   (c) सत्य, सौन्दर्य और अच्छाई की प्राप्ति
   (d) विश्व जैसा है, जहाँ है

   सूची-II
   1. प्रकृतिवाद
   2. आदर्शवाद
   3. व्यावहारिकतावाद
   4. यथार्थवाद
   5. क्षणभंगुरतावाद

   कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	1	2	4
(B)	1	5	2	4
(C)	3	1	5	2
(D)	2	3	4	5

7. शिक्षा आयोग की रिपोर्ट (1964–66) का शीर्षक है–
   (A) बिना बोझ (Burden) सीखिए
   (B) एक जाग्रत एवं मानवीय समाज
   (C) शिक्षा और भारत के लोग
   (D) शिक्षा और राष्ट्रीय विकास

8. विवरणात्मक अनुसंधान (Descriptive Research) के निम्नलिखित सोपानों को सही क्रम दीजिए–
   1. आँकड़ा सामग्री का संग्रह और प्रक्रिया
   2. निष्कर्षों की विवेचना
   3. समस्याओं की पहचान
   4. सामान्यताओं को व्यवस्थित करना
   5. रिपोर्ट लिखना
   6. परिकल्पना (Hypothesis) का बनाया जाना
   (A) 6, 3, 1, 2, 4, 5
   (B) 6, 3, 1, 5, 2, 4
   (C) 3, 6, 1, 5, 2, 4
   (D) 3, 6, 1, 2, 4, 5

9. निम्नलिखित में से ओटावे के शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन सम्बन्धी कौनसा विचार था ?
   (A) शिक्षा समाज को परिवर्तित करती है
   (B) शैक्षिक परिवर्तन सामाजिक परिवर्तन के बाद आता है
   (C) शैक्षिक परिवर्तन और सामाजिक परिवर्तन एक-दूसरे से स्वतन्त्र हैं
   (D) शैक्षिक परिवर्तन और सामाजिक परिवर्तन अन्तर-आश्रित (Interdependent) हैं, मगर यह निश्चित नहीं किया जा सकता कि इनमें से कौनसा कारण है और कौनसा उस कारण का प्रभाव है

10. निम्नलिखित में से आधुनिकीकरण का कौनसा लक्षण नहीं है ?
    (A) धार्मिक विश्वास (Religious faith)
    (B) सहभागिता (Participation)
    (C) सहानुभूति (Empathy)
    (D) गतिशीलता (Mobility)

11. मूलतः स्कूल सामाजिक संस्थाएं हैं, क्योंकि–
    (A) वे हमारे सांस्कृतिक मूल्यों को अनुरक्षित करते हैं और भावी पीढ़ियों में उन्हें संचारित करते हैं
    (B) वे सामाजिक उन्नति के मार्गों और माध्यमों के प्रति सुझाव देते हैं
    (C) वे सामाजिक समस्याओं के समाधान सुझाते हैं
    (D) उन्हें समाज द्वारा स्थापित किया जाता है

12. निम्नलिखित में से कौनसा कारक भारत में ऊर्ध्वी गतिशीलता (Vertical mobility) के विरुद्ध प्रभावशाली अवरोधक है ?
    (A) जाति (Caste)
    (B) वर्ग (Class)
    (C) व्यवसाय (Occupation)
    (D) नौकरी (Jobs)

13. निम्नलिखित में से कौनसी रक्षात्मक प्रक्रिया नहीं है ?
    (A) साहचर्यता (Association)
    (B) प्रतिगमन (Regression)
    (C) प्रतिपूर्ति (Compensation)
    (D) उदात्तीकरण (Sublimation)

14. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सही है ?
    (A) अधिगम का आर-ओ-एस सिद्धान्त – आई. पी. पवलोव
    (B) अधिगम का एस-आर सिद्धान्त – आर. गुथराई
    (C) अधिगम का आर-एस सिद्धान्त – सी. आई. हल्ल
    (D) अधिगम का एस-ओ-आर सिद्धान्त – बी. एफ. स्किनर

sscexamonline.blogspot.com

15. इस विचार को कि 'विकास के किसी पड़ाव पर कोई भी वस्तु सिखाई जा सकती है' किस विचारक ने अभिव्यक्त किया था ?

(A) प्याजे (B) असोबेल

(C) ब्रूनर (D) गागने

16. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सही है ?

(A) अधिगम का साइन-जेस्टाल्ट सिद्धान्त – ब्रूनर

(B) अधिगम का क्लासिकी गेस्टाल्ट सिद्धान्त – कोहलर

(C) अधिगम का क्षेत्रीय सिद्धान्त – टॉलमैन

(D) अधिगम का सक्रिय सिद्धान्त – पावलॉव

17. "मुझे एक दर्जन स्वस्थ बच्चों को दीजिए, मैं उन्हें डॉक्टर, जज, मजिस्ट्रेट, भिखारी (Beggars) और यहाँ तक कि मैं उन्हें चोर भी बना सकता हूँ" यह टिप्पणी किसने की थी ?

(A) जे. बी. वाटसन

(B) हल्ल

(C) युंग

(D) गुडराई

18. "एक व्यक्ति के मनोवैज्ञानिक एवं भौतिक परिवेश समान होते हैं." यह विचार किसका है ?

(A) कृत्यवादी (The Functionalists)

(B) संरचनावादी (The Structuralists)

(C) एस-आर साहचर्यवादी

(D) गेस्टाल्ट क्षेत्रीय मनोवैज्ञानिक

19. विषम को हटाइए–

(A) मौलिकता (Originality)

(B) समय निष्ठता (Punctuality)

(C) लचकीलापन (Flexibility)

(D) धारा प्रवाहिता (Fluency)

20. "शब्दों के बजाय, वस्तुएं जैसी है और जैसी वे जीवन में सम्मुख हो सकती है." यह नारा था–

(A) उपयोगितावादी (Pragmatists)

(B) यथार्थवादी (Realists)

(C) आदर्शवादी (Idealists)

(D) क्षणभंगुरतावादी (Existentialists)

21. सन्तुलित पाठ्यचर्या इस नाम से भी प्रसिद्ध है–

(A) एकीकृत पाठ्यचर्या

(B) अनुभूत पाठ्यचर्या

(C) कार्य-केन्द्रित पाठ्यचर्या

(D) मूल पाठ्यचर्या

22. "विचारों की समस्त पद्धतियाँ उनके परिणामों द्वारा सत्यापित होती हैं." यह किस दर्शन का मूल है ?

(A) आदर्शवाद (Idealism)

(B) क्षणभंगुरवाद (Existentialism)

(C) उपयोगितावाद (Pragmatism)

(D) यथार्थवाद (Realism)

23. कौनसा दर्शन यह कहता है कि "शरीर और आत्मा के बारे में अनेक सिद्धान्तों को जानने की परवाह न कीजिए; अच्छाई कीजिए और अच्छे बनिए और वे आपको जहाँ भी है और जो सत्य है, उस ओर ले जायेंगे."

(A) वेदान्त (B) सांख्य

(C) बौद्ध (D) ये सभी

24. पूर्व-अस्तित्व मूल्यों को किसके द्वारा स्वीकृत नहीं किया जाता ?

(A) आदर्शवादी एवं क्षणभंगुरवादी

(B) आदर्शवादी और उपयोगितावादी

(C) आदर्शवादी और यथार्थवादी

(D) उपयोगितावादी और क्षणभंगुरवादी

25. मूलभूत राष्ट्रीय मूल्यों को सम्मिलित किया गया है–

(A) संविधान की प्रस्तावना में

(B) संविधान की धाराओं में

(C) विषयों की सूचियों के इन्दराजों में

(D) उपर्युक्त सभी

26. कौनसा दर्शन अस्तित्व, प्रकृति और आत्मा की द्वैतता (Duality) में विश्वास रखता है ?

(A) बौद्ध

(B) सांख्य

(C) वेदान्त

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

27. यह किसने कहा था कि–

"मानव में भौतिक एवं आध्यात्मिक ज्ञान पहले से ही विद्यमान है, जो अज्ञानता के पर्दे से ढके रहते हैं."

(A) प्लेटो (B) महात्मा गांधी

(C) टैगोर (D) विवेकानन्द

28. किस आयु समूह के बच्चे अपचार (Delinquency) करते हैं ?

(A) 7–15 वर्ष (B) 8–18 वर्ष

(C) 6–14 वर्ष (D) 9–19 वर्ष

29. एनसीईआरटी (NCERT) का मुख्य कार्य राज्य शिक्षा विभागों के साथ मिलकर शिक्षा का विस्तार कार्य करना है, जो ..... के स्तर पर केन्द्रित रहता है.

(A) उच्च शिक्षा

(B) स्कूल शिक्षा

(C) माध्यमिक शिक्षा

(D) तकनीकी शिक्षा

30. भारतीय शिक्षा के पाठ्यचर्या का निर्माण मुख्यतः प्रभावित होता है–

(A) बालमनोविज्ञान

(B) अध्यापक का व्यक्तित्व

(C) परिवार संरचना

(D) संवैधानिक उपबन्ध

31. निम्नलिखित महान् समाजशास्त्रियों में से कौनसा समाजशास्त्री था जिसने यह कहा था कि "शिक्षा से समाज में परिवर्तन नहीं आता, जबकि सामाजिक परिवर्तन से शैक्षिक परिवर्तन आता है" ?

(A) मैकडूगल (B) अरस्तू

(C) दुर्खीम (D) दयूवी

32. निम्नलिखित में से किस फॉर्मूला से बुद्धि-लब्धि को मापा जाता है ?

(A) $\frac{\text{एम. ए.}}{100} \times \text{सी. ए.}$

(B) $\frac{\text{सी. ए.}}{100} \times \text{एम. ए.}$

(C) $\frac{\text{एम. ए.}}{\text{सी. ए.}} \times 100$

(D) $\frac{\text{सी. ए.}}{\text{एम. ए.}} \times 100$

33. स्टेनफोर्ड बिने स्केल से एक व्यक्ति के निम्नलिखित गुण को मापा जाता है–

(A) बौद्धिक (Intelligence)

(B) सृजनात्मकता (Creativity)

(C) अभिवृत्ति (Aptitude)

(D) व्यक्तित्व (Personality)

34. समावेशित शिक्षा (Inclusive Education) का उद्देश्य है–

(A) अधिगम के मार्ग की रुकावटों से पर्दा हटाना और उन्हें न्यूनतम करना

(B) विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दृष्टिकोण, व्यवहार, अध्यापन ढंग और पाठ्यक्रम में परिवर्तन लाना

(C) स्थानीय संस्कृतियों और समाज के विभिन्न समुदायों के मूल तत्वों को बढ़ावा देना

(D) उपर्युक्त सभी

35. निम्नलिखित में से कौनसी अवधारणा औपचारिक संगठन से सम्बन्धित नहीं है ?

(A) दिशा-निर्देश की इकाई

sscexamonline.blogspot.com

(B) आदेशों की शृंखला

(C) नियन्त्रण का विस्तार

(D) संरचना में पदानुक्रम

36. किसने इस पर बल दिया था कि शिक्षा का उद्देश्य बच्चों में विश्व बन्धुत्व (International) की भावना और अन्तर्राष्ट्रीय समझ (International understanding) का विकास होना चाहिए ?

(A) टैगोर (B) महात्मा गांधी

(C) डयूवी (D) रूसो

37. औपचारिक शिक्षा का मुख्य केन्द्र है–

(A) घर

(B) समाज

(C) रेडियो और टी.वी.

(D) समाचार-पत्र

38. सूची-A को सूची-B से सुमेलित कीजिए–

सूची–A

(a) रूढ़िवादी समाज

(b) समाज का बंद समूह

(c) सांस्कृतिक विसरण

(d) सामाजिक स्तरीकरण

सूची–B

1. परिवर्तन का बाह्यजनित स्रोत

2. वे लक्षण जो प्रकृति में सामाजिक-आर्थिक हैं

3. जाति

4. एक समाज जिसमें परिवर्तन धीमा होता है और परिवर्तन आने में समय लगता है

5. संस्कृति

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	3	5	1
(B)	4	1	2	3
(C)	4	3	1	2
(D)	2	1	5	3

39. निम्नलिखित में से कौनसा शिक्षा के वैयक्तिक उद्देश्यों के पक्ष में नहीं जाता ?

(A) एक व्यक्ति समाज के लिए सम्पदा है – उसका विकास और उन्नति आवश्यक है

(B) समाज दृढ़ है, यदि व्यक्ति दृढ़ है

(C) प्रत्येक व्यक्ति अद्वितीय है, उसकी सम्भावनाओं का पूर्ण विकास अनिवार्य है

(D) समाज सर्वोच्च है और सभी व्यक्ति उसके अंग हैं

40. किसके अनुसार, ''शैक्षिक मनोविज्ञान शिक्षा का विज्ञान है'' ?

(A) स्किनर (B) क्रो और क्रो

(C) पील (D) पिल्सबर्ग

41. परिवार बच्चे को शिक्षा प्रदान करता है–

(A) औपचारिक रूप से (Formally)

(B) अनौपचारिक रूप से (Informally)

(C) प्रयत्न सहित (Deliberately)

(D) नियमित रूप से (Regularly)

42. निम्नलिखित में से कौनसा मापदण्ड जिसे लोगों को किसी विशिष्ट वर्ग में डालने के लिए सदैव प्रयुक्त नहीं किया जाता ?

(A) नस्ल (Race)

(B) धर्म (Religion)

(C) ज्ञान (Knowledge)

(D) सम्पदा (Wealth)

43. निम्नलिखित में से सही कथन का चयन कीजिए–

(A) एक विद्वान् को अपना विषय तैयार करने और कक्षा में जाने की आवश्यकता नहीं है

(B) अनुभवी अध्यापकों के लिए यह आवश्यक नहीं है कि वे क्लास में जाने से पूर्व तैयारी करें

(C) अध्यापक के अनुभव अथवा विद्वता (Scholarship) विचार किए बिना, प्रत्येक अध्यापक को क्लास में हर बार जाने से पहले तैयारी करने की आवश्यकता है

(D) एक कुशल अध्यापक बिना तैयारी के क्लास में काम चला सकता है

44. निम्नलिखित में से कौन सा एक शोध-प्रस्ताव (Research proposal) तथा शोधरिपोर्ट (Research report) दोनों में सामान्य नहीं है ?

(A) उद्देश्य तथा परिकल्पना

(B) आगे शोध के लिए निहितार्थ

(C) पहले किए गए शोधसम्बन्धित सन्दर्भ

(D) सूचनाओं/आँकड़ों के स्रोत

45. जब कोई शोधकर्ता उन व्यक्तियों को अपने न्यादर्श में सम्मिलित करता है, जो तैयार हैं तथा आसानी से उपलब्ध होते हैं, इस प्रकार के न्यादर्श को कहते हैं–

(A) साधारण यादृच्छिक (Simple Random) न्यादर्श

(B) कोटा न्यादर्श (Quota Sampling)

(C) बर्फ-गेंद न्यादर्श (Snowball Sampling)

(D) आकस्मिक न्यादर्श (Incidental Sampling)

46. न्यादर्श चयन की वह विधि जिसके द्वारा समष्टि के सभी वर्गों की समानुपाती सहभागिता होती है, उसे कहते हैं–

(A) साधारण यादृच्छिक न्यादर्श

(B) खण्डात्मक न्यादर्श (Stratified sampling)

(C) उद्देश्यपूर्ण न्यादर्श

(D) आकस्मिक न्यादर्श (Incidental Sampling)

47. किसी शोधकर्ता के लिए निम्नलिखित में से कौनसा स्रोत एक प्राथमिक सूचना स्रोत हो सकता है ?

(A) शिक्षाशोध का विश्वकोश

(B) एक शोध पुनरावलोकन लेख

(C) किसी व्यावसायिक पत्र में प्रपत्र

(D) किसी शोधकार्य का सारांश

48. निम्नलिखित में से कौनसा एकल अध्ययन के समान है ?

(A) देशान्तरीय अध्ययन

(B) सामाजिक सर्वेक्षण

(C) धैर्य से अध्ययन करते रहना

(D) अनुप्रस्थीय अध्ययन

49. एक अध्यापक क्लास में पाठ्यचर्या और अतिरिक्त पाठ्यचर्या गतिविधियों के दौरान अनुशासन बनाए रखने के लिए कठोर होता है, परन्तु अध्यापन अधिगम सम्बन्धी संशयों के स्पष्टीकरण के बारे में विचार-विमर्श का स्थान रहता है और इसी प्रकार अन्य गतिविधियों को करते हुए भी गुंजाइश रहती है. विद्यार्थियों के प्रति अध्यापक का दृष्टिकोण कैसा होना चाहिए ?

(A) आधिकारिक (Authoritative)

(B) लोकतान्त्रिक (Democratic)

(C) लचकील (Flexible)

(D) कठोर (Rigid)

50. वेद हमें शिक्षा देते हैं कि–

(A) सृष्टि का प्रारम्भ नहीं है

(B) सृष्टि का कोई अन्त नहीं है

(C) सृष्टि का न कोई प्रारम्भ है और न ही कोई अन्त

(D) सृष्टि का एक निश्चित प्रारम्भ भी है और अन्त भी

51. निम्नलिखित अध्यापकों में से आप किसे सर्वाधिक पसंद करेंगे ?

(A) उसे जो अन्तिम उपचार के रूप में फिल्म का प्रयोग करता है

(B) उसे जो चार्टों और नक्शों का प्रयोग करता है

sscexamonline.blogspot.com

(C) उसे जो कभी-कभार ब्लैकबोर्ड का प्रयोग करता है

(D) उसे जो बोर्ड के साथ-साथ फिल्म प्रोजेक्टर का प्रयोग करता है

52. एक अध्ययन जिसमें किसी घटना अथवा वस्तु का प्रत्यक्ष प्रत्यक्षण किया जाता है–

(A) प्रकृतिवादी अनुसंधान

(B) अभ्यासी अनुसंधान

(C) घटना-क्रिया अनुसंधान

(D) विवरणात्मक अनुसंधान

53. एक सामान्य सहसम्बन्ध को दो चरों के बीच, तीसरे चर के प्रभाव को उनसे दूर करते हुए, मापा गया तो उससे प्राप्य सहसम्बन्ध को कहा जाएगा–

(A) आंशिक सहसम्बन्ध (Partial correlation)

(B) अंश सहसम्बन्ध (Part correlation)

(C) बहु सहसम्बन्ध (Multiple correlation)

(D) अभिनियमात्मक सहसम्बन्ध (Canonical correlation)

54. "शोध बन्द आँखों से नहीं किया जाना चाहिए" – इस वाक्य का अर्थ क्या है ?

(A) शोध सभी प्रकार के व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों से मुक्त होना चाहिए

(B) शोध सभी प्रकार की व्यक्तिगत सीमाओं से मुक्त होना चाहिए

(C) शोध व्यक्तिगत-आदर्श से पृथक् होना चाहिए

(D) उपर्युक्त सभी

55. छात्रों के व्यवहार पर अध्यापकों के व्यवहार द्वारा आए प्रभाव के एक सर्वेक्षण में विचार व्यक्त करते समय एक छात्र ने कहा, "एक अध्यापक जो नियम तथा कानून का पालन नहीं करता वह किसी के किसी काम का नहीं होता." यह कथन अध्यापक के किस व्यवहार की ओर इशारा करता है ?

(A) विषयवस्तु के आदान-प्रदान में अध्यापक को दक्ष होने की आवश्यकता है

(B) अध्यापक को सभी पहलुओं में छात्रों के लिए आदर्श बनने की आवश्यकता है

(C) छात्रों को आज्ञाकारी होने की सलाह देने से पहले अध्यापक को स्वयं आज्ञाकारी होना चाहिए

(D) छात्र सभी बुरे बर्ताव अध्यापकों से सीखते हैं

56. मूल्यांकन के परिणामों (Evaluation–results) की स्थिरता का मापन उनकी–

(A) वस्तुनिष्ठता (Objectivity) से होता है

(B) विश्वसनीयता (Reliability) से होता है

(C) भविष्यवाणी क्षमता (Predictability) से होता है

(D) उपयोगिता (Usability) से होता है

57. वर्गात्मक न्यायदर्श तब अपनाया जाता है जब–

(A) समष्टि में समरूपता (Homogeneous) हो

(B) समष्टि में विषमता (Heterogeneous) हो

(C) विशिष्ट समूहों का अध्ययन करना हो

(D) समष्टि के आँकड़े उपलब्ध न हों

58. शोध प्रक्रिया आरम्भ करने का पहला कदम निम्नलिखित में से कौनसा है ?

(A) सूचनाओं के स्रोतों की खोज

(B) सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण

(C) शोध के व्यापक क्षेत्र की पहचान

(D) समस्याओं के हल की खोज

59. बच्चे द्वारा अधिकतम आत्मबोध की पूर्ति में अध्यापक का मुख्य योगदान तब हो सकता है, जब–

(A) बच्चे की आवश्यकताओं की निरन्तर पूर्ति हो

(B) कक्षा के क्रिया-कलापों पर सख्त नियन्त्रण हो

(C) बच्चों की आवश्यकताओं, उद्देश्यों तथा लक्ष्यों के प्रति संवेदनशीलता (Sensitivity) हो

(D) शैक्षिक मानकों का सख्ती से पालन हो

60. एक अध्यापक का सबसे महत्वपूर्ण गुण निम्नलिखित में से कौनसा है ?

(A) समयबद्धता (Punctuality)

(B) अपने विषय में महारथ (Content mastery)

(C) विषय में महारथ तथा संचार क्षमता

(D) सामाजिक क्षमता (Sociability)

61. एक शोधकर्ता टाइप-I त्रुटि तब करता है, जब–

(A) वह असत्य शून्य कल्पना को स्वीकार करता है

(B) वह असत्य शून्य परिकल्पना को अस्वीकार करता है

(C) वह सत्य शून्य परिकल्पना को स्वीकार करता है

(D) वह सत्य शून्य परिकल्पना को अस्वीकार करता है

62. एक गुणात्मक शोधकार्य का मुख्य उद्देश्य है–

(A) किसी प्रक्रिया या अवधारणा को समझना

(B) समूहों के अन्तर का अध्ययन करना

(C) सम्बन्धों की भविष्यवाणी करना

(D) प्राप्तांकों के परिवर्तन की व्याख्या करना

63. परिवार से आरम्भ होकर दी गई सामाजिक संस्थाओं की सही शृंखला क्या है ?

(A) राष्ट्र - जाति - वर्ग - प्रजाति - परिवार

(B) परिवार - वर्ग - जाति - प्रजाति - राष्ट्र

(C) परिवार - प्रजाति - जाति - वर्ग - राष्ट्र

(D) परिवार - जाति - वर्ग - प्रजाति - राष्ट्र

64. पाठन-तत्परता (Reading readiness) परीक्षण निम्नलिखित में से किसका मापन नहीं करता ?

(A) दृश्य-विभेदनशीलता (Visual discrimination)

(B) वाक्-विभेदनशीलता (Verbal comprehension)

(C) आंकिक गणना (Number computation)

(D) शब्दों/वर्णों की पहचान

65. निम्नलिखित में से कौनसी क्रिया ठीक प्रकार से शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के प्रबन्ध के अन्तर्गत आती है ?

(A) अध्यापकों की भर्ती

(B) समय-सारणी का निर्माण

(C) कक्षा-कक्षों का सुसज्जन

(D) सहायक-कर्मचारियों की नियुक्ति

66. यदि कोई छात्र कक्षा में आपके प्रश्न का उत्तर देने में असफल रहता है, तो आप उसे–

(A) सजा देंगे

(B) बैठने को कहेंगे

(C) उत्साहित करने का प्रयास करेंगे

(D) प्रश्न को दूसरे छात्र से पूछेंगे

67. किस संख्या की मानक त्रुटि–

(A) न्यायदर्श आधारित दोलन की माप है

sscexamonline.blogspot.com

(B) मापन त्रुटि की माप है

(C) भविष्यवाणी में त्रुटि की माप है

(D) व्यवस्थित परिवर्तन की माप है

68. निम्नलिखित में से कौनसा, दूसरे तीनों की अपेक्षा, सहसम्बन्ध की अधिक त्रुटि-रहित माप प्रदान करता है ?

(A) स्पीयरमैन का रो

(B) बाइसीरियल सहसम्बन्ध

(C) केन्डाल का टाऊ

(D) प्रोडक्ट-मोमेन्ट विधि

69. लोकतान्त्रिक अध्यापक (Democratic teacher) वह है, जो–

(A) अपने विद्यार्थियों की समाज आर्थिक पृष्ठभूमि को समझने का प्रयास करता है

(B) अपनी क्लास के पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों से भी स्नेह करता है

(C) अपने विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए गैर-सम्बन्धित प्रश्नों को भी सहन करता है

(D) विद्यार्थियों के शरारती (Mischievous) एवं आक्रमण (Aggressive) व्यवहार को भी सहन करता है

70. निम्नलिखित व्यवहारों में से उस व्यवहार का चयन कीजिए, जो एक अध्यापक का व्यावसायिक शिष्टाचार (Professional ettiquette) है–

(A) ऐसे विद्यार्थी की अवहेलना करना जो एक प्रश्न का दो बार उत्तर देना चाहता हो

(B) अपने सहकर्मी अध्यापिका से अपरिहार्य अवस्था में उसकी क्लास के पाँच मिनट अधिक लेने पर क्षमा याचना करना

(C) क्लास में देरी से पहुँचना और विद्यार्थियों को इसके लिए कोई उचित बहाना न बताना

(D) पाठ्यक्रम को पूरा करने के लिए अतिरिक्त क्लासें लेना

71. अपनी क्लास से घनिष्टता स्थापित करने का सर्वोत्तम ढंग है कि–

(A) अपने पद और आयु के अनुसार सत्कार की माँग करना

(B) अपने ज्ञान और कौशल से विद्यार्थियों को प्रभावित करना

(C) जो विद्यार्थी सहायता चाहते हैं, उनके लिए पथ-प्रदर्शक की भूमिका को निभाना

(D) एकाकी (Aloof) रहना, अधिकारी की मूर्ति बने रहना

72. अध्यापक को–"मित्र, दार्शनिक और पथ-प्रदर्शक" कहकर गौरवान्वित किया गया है, क्योंकि–

(A) समाज के संदर्भ में इन सभी महत्वपूर्ण भूमिकाओं को निभाना पड़ता है

(B) वह क्लासरूम में बैठे युवा विद्यार्थियों में उच्च मूल्यों का संचार करता है

(C) वह एक महान् सुधारक (Reformer) एवं राष्ट्र का देशभक्त रक्षक (Patriotic saviour) है

(D) उपर्युक्त सभी

73. परिवर्तनशीलता (Variability) के निम्नलिखित मापकों का सही क्रम बिठाइए–

1. मानक विचलन (Standard Deviation)
2. परिप्रेक्ष्य (Range)
3. चतुर्थक विचलन (Quartile Deviation)
4. औसत विचलन (Average Deviation)

(A) 2, 4, 3, 1 (B) 2, 3, 4, 1

(C) 4, 3, 2, 1 (D) 4, 2, 3, 1

74. एक प्राप्त अंकों का वितरण नकारात्मक रूप से विषम था. यह कहा जा सकता है कि–

(A) माध्य और मध्यमान एक रूप हैं

(B) माध्य मध्यमान से की अपेक्षा अधिक है

(C) माध्य मध्यमान से कम है

(D) ऐसा कोई सम्बन्ध नहीं है

75. निम्नलिखित में से कौनसी विधि को सम्भाविता न्यादर्श (Probability Sampling) विधि नहीं कहा जा सकता ?

(A) सामान्य यादृच्छिक नमूना

(B) कोटा नमूना

(C) स्तरीकरण नमूना

(D) व्यवस्थित नमूना

उत्तर व्याख्या सहित

●●●

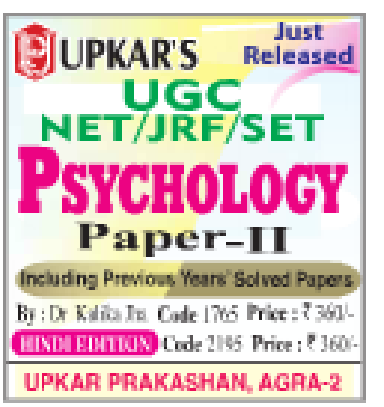

sscexamonline.blogspot.com

यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, जून 2012 का हल प्रश्न-पत्र

जनसंचार और पत्रकारिता

(द्वितीय प्रश्न-पत्र)

1. संचार (Communication) का शैनन एवं वैवर मॉडल है–
   (A) मॉड्युलर (B) सर्कुलर
   (C) लिनियर (D) नॉन-लिनियर
2. वह माध्यम, जिसकी भारत में सर्वाधिक पहुँच है–
   (A) मुद्रण (B) रेडियो
   (C) टेलीविजन (D) इन्टरनेट
3. सर्जन जनरल रिपोर्ट निम्नलिखित में से किन पर टेलीविजन के प्रभाव पर प्रकाश डालता है ?
   (A) युवाओं
   (B) महिलाओं
   (C) बच्चों
   (D) मानवजाति के अल्पसंख्यकों पर
4. जनसंख्या का 'लिमिटेड इफेक्ट मॉडल' निम्नलिखित में से किस मॉडल का प्रतिलोम था ?
   (A) ए बी एक्स मॉडल का
   (B) सर्कुलर मॉडल का
   (C) डिफ्यूजन मॉडल का
   (D) हाइपोडरमिक सिंड्रोम मॉडल का
5. किस प्रधानमंत्री के काल में 'प्रेस के स्वामित्व' मुद्दे पर गहन चर्चा हुई थी ?
   (A) जवाहरलाल नेहरू
   (B) इन्दिरा गांधी
   (C) आई. के. गुजराल
   (D) एच. डी. देवगौड़ा
6. 1978 में सेल्फ सेंसरशिप के रूप में नैतिक संहिता (Code of ethics) किसके द्वारा आहूत की गयी थी ?
   (A) द इण्डियन लैंग्वेजेज न्यूजपेपर एसोसिएशन
   (B) भारतीय विज्ञापन मानक परिषद्
   (C) दि ऑल इण्डिया न्यूजपेपर एडिटर्स कॉन्फ्रेंस
   (D) द एडिटर गिल्ड
7. कॉपीराइट विषयों में लाइसेंस अनुज्ञप्ति धारकों के पास किस रूप में सृजित की जाती है ?
   (A) जन-अधिकार
   (B) व्यक्तिगत अधिकार
   (C) नागरिकता अधिकार
   (D) संवैधानिक अधिकार
8. निम्नलिखित में से किसे दो अंग्रेजी अखबारों 'द टाइम्स ऑफ इण्डिया' तथा 'स्टेट्समैन' का सम्पादक होने का गौरव प्राप्त है ?
   (A) रॉबर्ट नाइट
   (B) जेम्स ब्राइस
   (C) पीटर रीड
   (D) रुडियार्ड किपलिंग
9. सामुदायिक रेडियो की अवधारणा किसके साथ सम्बन्धित है ?
   (A) ब्रॉडकास्टिंग
   (B) नैरोकास्टिंग
   (C) पर्सनलकास्टिंग
   (D) पोडकास्टिंग
10. भारत के प्रथम प्रेस आयोग (First Press Commission of India) की सर्वप्रमुख संस्तुति (Major recommendations) में निम्नलिखित में से किसका उल्लेख था ?
    (A) मूल्य-पृष्ठ अनुसूची
    (B) सूचना का अधिकार अधिनियम
    (C) प्रेस की आजादी : एक संवैधानिक गारण्टी के रूप में
    (D) पत्रकारिता के विशेषाधिकारों का संहिताकरण (Codification)
11. विकासात्मक संचार किस संचार सिद्धान्त पर विशेष बल देता है ?
    (A) टॉप-डाउन कम्युनिकेशन
    (B) मैकेनिस्टिक कम्युनिकेशन
    (C) एपिस्टीमोलॉजिकल एप्रोच
    (D) एक्सटेन्सिव डिमोन्स्ट्रेशन
12. विकास हेतु संचार में जो रणनीति सम्भावित की जाती है, वह है–
    (A) धार्मिक-आख्यान
    (B) सामाजिक-विपणन
    (C) प्रोपेगेण्डा
    (D) ग्रामीण-प्रचार
13. 'मीडिया रेज थ्योरी ऑफ कम्युनिकेशन' किसके द्वारा समर्थित था ?
    (A) जॉन किस्के
    (B) रॉबर्ट मेरटोन
    (C) कार्ल मार्क्स
    (D) एम. एस. आरचर
14. एफ. आर. लेविस ने मीडिया विषय के ..... पर बल दिया था.
    (A) व्यावहारिक आलोचना (Practical criticism)
    (B) अन्तर सम्बद्धता (Inter-relatedness)
    (C) अनित्यता (Transience)
    (D) व्यावसायिक तत्वों
15. सार्वभौमिक सामान्यीकरण (Universal Generalisation) की प्रमुख विशेषता है ..... स्पष्टीकरण.
    (A) सोद्देश्य (Purposive)
    (B) अप्रत्याशित (Accidental)
    (C) आगमनात्मक (Inductive)
    (D) निगमनात्मक (Deductive)
16. ..... के चयनित विषयों को प्राप्त करने के लिए लिकर्ट स्केल का उपयोग किया जाता है.
    (A) तार्किक संरचना
    (B) से तात्पर्य
    (C) उद्देश्य
    (D) विभेदी-शक्ति
17. जनसम्पर्क के टू-वे-सिमेट्रिक मॉडल में, संचार के कौनसे मॉडल का उपयोग किया जाता है ?
    (A) व्यक्ति से व्यक्ति
    (B) समूह से समूह
    (C) व्यक्ति से समूह
    (D) समूह से व्यक्ति
18. एक साइड पर मुद्रित 'सिंगल-सीट-विज्ञापन' को किस नाम से जाना जाता है ?
    (A) बॉक्सर
    (B) फ्लायर्स
    (C) लिफ्लेट्स
    (D) पोस्टर्स
19. पत्रकारिता में 'बहुल-कार्य' (Multi-tasking) का कारण है–
    (A) मीडिया (Media) वैश्वीकरण
    (B) आर्थिक उदारीकरण
    (C) सामाजिक एकीकरण
    (D) तकनीकी अभिसरण
20. एक कम्पनी अपने प्रत्येक उत्पाद हेतु विज्ञापन उद्देश्यों को निर्धारित करने के पश्चात् ..... को तय करती है.
    (A) विज्ञापन रणनीति
    (B) विज्ञापन बजट
    (C) विज्ञापन प्रारूप
    (D) विज्ञापन पोजिशनिंग

sscexamonline.blogspot.com

21. निम्नलिखित में कौनसा 'साउण्ड-बाइट' तथा स्टैण्ड-अप का मिश्रण है ?

(A) पैकेज

(B) टॉकिंग हेड्स

(C) बॉयस-ओवर

(D) सुपर्स

22. ऐसा सामाजिक नेटवर्क माध्यम जिसे हाल ही में वैश्विक आई.पी.ओ. के लिए जारी किया गया है–

(A) फेसबुक (B) ट्वीटर

(C) आर्कुट (D) वू ट्वूब

23. संवैधिक मीडिया सिद्धान्त की जड़ें इनमें से किसमें निहित है ?

(A) इटालियन फासीवादी दर्शन (Fascist philosophy)

(B) पाश्चात्य का मुक्त उद्यम उपागम

(C) जर्मन विचारधारा (Ideology)

(D) जापानी राजाज्ञा (Imperialist edicts)

24. पठनीयता जाँच, फॉग सूचक (Fog Index) तथा सहज पठनीयता स्कोर शब्दावली निम्नलिखित में से किसके द्वारा प्रथम बार प्रयोग की गई ?

(A) समाचार-पत्र

(B) सिंडिकेट्स

(C) टेलीविजन नेटवर्क

(D) न्यूज एजेन्सी

25. टेलीविजन के समाचार-लेखन में आजकल निम्नलिखित में से कौनसा शामिल है ?

(A) हाइपरबोला

(B) नॉन सीक्विटर्स

(C) उभयलिंगी (Gender-neutral) शब्द

(D) असामान्य संक्षिप्तियाँ

26. **अभिकथन (A) :** मीडिया निगमीकरण के लिए छोटे तथा मध्यम समाचार-पत्रों का भारत में भविष्य धुँधला होगा.

तर्क (R) : केन्द्र सरकार ने मीडिया-व्यवसाय को एक उद्योग के रूप में घोषित नहीं किया है और यह इसके धूमिल भविष्य के लिए उत्तरदायी है.

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं.

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (A) का सही स्पष्टीकरण (R) नहीं है.

(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है.

(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है.

27. **अभिकथन (A) :** भारत में प्रिन्ट मीडिया ने विकासशील देशों की तुलना में प्रसार में वृद्धि दर्ज की है.

तर्क (R) : साक्षरता वृद्धि तथा बाजार-विस्तार ने प्रिन्ट-मीडिया को सुदृढ़ करने में योगदान दिया है.

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं.

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (A) का सही स्पष्टीकरण (R) नहीं है.

(C) (A) सही है तथा (R) गलत है.

(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है.

28. **अभिकथन (A) :** सूचना के अधिकार ने भारत में सुशासन के लिए अवरोध उत्पन्न किया है.

तर्क (R) : सूचना का अधिकार मास मीडिया तथा खोजी पत्रकारिता (Investigative Journalism) हेतु एक विश्वसनीय स्रोत बन गया है.

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं.

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (A) का सही स्पष्टीकरण (R) नहीं है.

(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है.

(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है.

29. **अभिकथन (A) :** सोशल नेटवर्किंग भारतीय राजनीतिक वर्ग को सतर्क बनाता है तथा गलत कार्यों में लिप्त होने से रोकता है.

तर्क (R) : सोशल मीडिया ने अरब-स्प्रिंग को सम्भव बनाया है, इसलिए भारतीय राजनीतिक वर्ग सचेत हो गया है.

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं.

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (A) का सही स्पष्टीकरण (R) नहीं है.

(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है.

(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है.

30. **अभिकथन (A) :** सरकार ने प्रभावी सामुदायिक सम्बन्धों हेतु निगमित सामाजिक दायित्व विधेयक पारित किया है.

तर्क (R) : बड़े-बड़े निगमित घरानों को राष्ट्रीय विकास में थोड़ा योगदान अवश्य देना चाहिए.

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं.

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (A) का सही स्पष्टीकरण (R) नहीं है.

(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है.

(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है.

31. **अभिकथन (A) :** भारत के प्रेस परिषद् को मीडिया-परिषद् में परिवर्तित किए जाना महज एक विचार है.

तर्क (R) : अब जबकि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पहुँच एवं विस्तार में आश्चर्यजनक वृद्धि हुई है, इन मुद्दों को सम्बद्ध कर विचार किया जाना चाहिए.

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं.

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (A) का सही स्पष्टीकरण (R) नहीं है.

(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है.

(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है.

32. **अभिकथन (A) :** भारतीय प्रिन्ट मीडिया का राजनीति के साथ सम्मोहन एक ऐतिहासिक विरासत है.

तर्क (R) : क्योंकि 1947 से पहले आजादी के समर्थन हेतु बहुत सारे नेता समाचार-पत्रों से सम्बद्ध थे.

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं.

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (A) का सही स्पष्टीकरण (R) नहीं है.

(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है.

(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है.

33. **अभिकथन (A) :** वैश्विक व्यापार-मन्दी के दौर में भारत के मीडिया घरानों में पेड-न्यूज आय का एक पूरक-स्रोत है.

तर्क (R) : भारत के मीडिया घराने यह अनुभव कर रहे हैं कि पिछले कुछ वर्षों में उत्पादन-लागत तथा स्टाफ-वेतन में वृद्धि हुई है.

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं.

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (A) का सही स्पष्टीकरण (R) नहीं है.

(C) (A) सही है तथा (R) गलत है.

(D) (A) गलत है तथा (R) सही है.

34. **अभिकथन (A) :** प्रिन्ट-पत्रकारिता में सम्पादन एक विलुप्त कला है.

तर्क (R) : आजकल समाचार-पत्रों द्वारा की जाने वाली नियुक्ति में भाषा की परिशुद्धता कोई योग्यता नहीं है.

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं.

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (A) का सही स्पष्टीकरण (R) नहीं है.

(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है.

(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है.

35. **अभिकथन (A) :** एक ध्रुवीय विश्व में नवीन अन्तर्राष्ट्रीय सूचना तथा संचार व्यवस्था एक मृत-अश्व है.

तर्क (R) : विकासशील देश ने नवीन अन्तर्राष्ट्रीय तथा संचार व्यवस्था को

sscexamonline.blogspot.com

सशक्त करने हेतु किसी नीति को अंगीकृत करने का वैधिक प्रयास नहीं किया.

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं.

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (A) का सही स्पष्टीकरण (R) नहीं है.

(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है.

(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है.

36. निम्नलिखित संचार सिद्धान्तशास्त्रियों को कालक्रमानुसार लिखिए–

(A) हेराल्ड लॉसवेल, शैनन तथा वेवर, थियोडोर न्यूकौम्ब, एलिजाबेथ नियोल न्यूमैन

(B) शैनन तथा वेवर, थियोडोर न्यूकौम्ब, एलिजाबेथ नियोल न्यूमैन, हेराल्ड लॉसवेल

(C) थियोडोर न्यूकौम्ब, एलिजाबेथ नियोल न्यूमैन, हेराल्ड लॉसवेल, शैनन तथा वेवर

(D) शैनन तथा वेवर, थियोडोर न्यूकौम्ब, एलिजाबेथ नियोल न्यूमैन, हेराल्ड लॉसवेल

37. निम्नलिखित फिल्मों को ऐतिहासिकता के आधार पर उचित क्रम में लिखिए–

(A) स्वयंवरम्, कूली, स्लमडॉग मिलेनियर, पाथेर पांचाली

(B) पाथेर पांचाली, स्वयंवरम्, कूली, स्लमडॉग मिलेनियर

(C) कूली, स्लमडॉग मिलेनियर, स्वयंवरम्, पाथेर पांचाली

(D) स्लमडॉग मिलेनियर, कूली, स्वयंवरम्, पाथेर पांचाली

38. निम्नलिखित विकासात्मक मॉडलों को कालक्रमानुसार लिखिए–

(A) डिफ्यूजन ऑफ इन्नोवेशन, डिपेन्डेन्सी, मल्टीप्लीसिटी, गॉडनाइजेशन

(B) गॉडनाइजेशन, डिफ्यूजन ऑफ इन्नोवेशन, डिपेन्डेन्सी, मल्टीप्लीसिटी

(C) मल्टीप्लीसिटी, गॉडनाइजेशन, डिफ्यूजन ऑफ इन्नोवेशन, डिपेन्डेन्सी

(D) डिपेन्डेन्सी, मल्टीप्लीसिटी, डिफ्यूजन ऑफ इन्नोवेशन, गॉडनाइजेशन

39. निम्नलिखित पत्रिकाओं को प्रसारण के आधार पर सही क्रम में बताएँ–

(A) इण्डिया टुडे, सरिता, कुंगुमम, कुमुदम

(B) सरिता, कुमुदम, कुंगुमम, इण्डिया टुडे

(C) कुमुदम, कुंगुमम, इण्डिया टुडे, सरिता

(D) इण्डिया टुडे, कुंगुमम, कुमुदम, सरिता

40. निम्नलिखित प्रेस कानून को सही क्रम में निर्धारित कीजिए–

(A) सूचना का अधिकार अधिनियम, कॉपीराइट अधिनियम, सरकारी गोपनीयता अधिनियम, न्यायालय की अवमानना अधिनियम

(B) कॉपीराइट अधिनियम, सरकारी गोपनीयता अधिनियम, न्यायालय की अवमानना अधिनियम, सूचना का अधिकार अधिनियम

(C) सरकारी गोपनीयता अधिनियम, कॉपीराइट अधिनियम, न्यायालय की अवमानना अधिनियम, सूचना का अधिकार अधिनियम

(D) न्यायालय की अवमानना अधिनियम, कॉपीराइट अधिनियम, सूचना का अधिकार अधिनियम, सरकारी गोपनीयता अधिनियम

41. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए–

सूची-I

(a) बॉब वुडवर्ड

(b) कुलदीप नैयर

(c) खुशवन्त सिंह

(d) अरुण शौरी

सूची-II

1. वीथ मैलिस टू वन एण्ड ऑल
2. इण्डियन एक्सप्रेस के सम्पादक
3. खोजी रिपोर्टिंग
4. विटविन द लाइन्स

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	4	1	2
(B)	2	1	4	3
(C)	1	2	4	3
(D)	4	1	3	2

42. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए–

सूची-I	सूची-II
(a) बेनर	1. आपातकाल
(b) संविधान	2. शीर्षक
(c) बर्लिनर	3. स्वाधीनता
(d) स्वदेश मित्रन	4. समाचार-पत्र प्रारूप

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	1	4	3
(B)	3	4	1	2
(C)	1	2	4	3
(D)	4	1	3	2

43. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए–

सूची-I

(a) शोभा डे

(b) बरखा दत्त

(c) अश्विनी शरीन

(d) के. ए. अब्बास

सूची-II

1. एन्टोगोनीस्ट ऑफ सेंसरशिप
2. स्तम्भकार
3. टी. वी. ऐंकर
4. खोजी रिपोर्टिंग

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	4	3	2
(B)	2	3	4	1
(C)	3	2	1	4
(D)	4	1	2	3

44. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए–

सूची-I	सूची-II
(a) कॉफिनगेट	1. वी. जी. वर्गीज
(b) टूजी स्पेक्ट्रम	2. गोपीकृष्णन
(c) टेलीविजन	3. तरुण तेजपाल
(d) नेकलाइट आवोग	4. प्रभव रॉय

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	4	1	2
(B)	3	2	4	1
(C)	1	2	3	4
(D)	4	3	2	1

45. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए–

सूची-I

(a) बी.ए.बी.पी.

(b) ए.बी.सी.

(c) आई.एन.एस.

(d) एन.डब्ल्यू.आई.सी.ओ.

सूची-II

1. इन्टरनेशनल न्यूज फ्लो
2. एसोसिएशन
3. सर्टिफिकेशन
4. प्रचार

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	3	4	3
(B)	1	2	3	4
(C)	4	3	2	1
(D)	3	4	1	2

sscexamonline.blogspot.com

निर्देश–(प्रश्न 46 से 50) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

'मानवजाति सम्बन्धी प्रविधि' (Ethno-methodology) शब्दावली की सोच प्रतिष्ठित समाजशास्त्री, हेरोल्ड गारफिंकेल ने दी थी.

'मानवजाति सम्बन्धी प्रविधि' (Ethno-methodology) शब्दावली के उद्गम के बारे में गारफिन्केल ने बताया है कि यह नाम हमारे ध्यान में कैसे आया है ?

'मानवजाति या नृजाति' का आशय कहीं-न-कहीं 'किसी' सामान्य ज्ञान के रूप में उसके समाज के सदस्य का सामान्य ज्ञान की उपलब्धता से है. यदि यह मानवजाति वनस्पति-विज्ञान होता, तो इसे कहीं-न-कहीं उसके ज्ञान और ज्ञान ग्रहण से जोड़ा जाता जो ऐसी समुचित विधि होती, जिसके अन्तर्गत वनस्पति-विज्ञान सम्बन्धी मामले आते हैं. अन्य समाज से इस मामले में मानव-विज्ञानी जैसा कोई व्यक्ति इस मामले को वनस्पति-विज्ञान का मामला मानेगा. इस सदस्य को उस जैसे अन्य लोगों की कम्पनी में अपने स्वयं के कार्यों को करने में अपना निष्कर्ष और कार्यवाही के समुचित आधार के रूप में मानव-वनस्पति को काम पर लगाएगा. यही वह पृष्ठभूमि थी और 'मानवजाति सम्बन्धी प्रविधि' पदावली या 'मानवजाति सम्बन्धी शब्दावली इस अर्थ में ली गई है .....'

इस प्रकार मानवजाति सम्बन्धी प्रविधि इस बात में रुचि लेती है कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में कैसे लोग सोचते हैं और कार्य करते हैं. इसके प्रतिकूल उदाहरणार्थ प्रयोग-शाला परीक्षण या केन्द्रित समूह या ऐसी स्थिति में जिसमें लोग यह मानते हैं कि किसी-न-किसी रूप में उनका अध्ययन किया जा रहा है. 'सामान्य बोध' जाँच का विषय बन जाता है न कि कोई 'दिया गया विषय, जो अन्य कारणों से उपस्थित किए जाते हैं.'

मानवजाति सम्बन्धी प्रविधि के विशेषज्ञों की ये रुचियाँ विज्ञापन को प्रभावित करते हैं. उसके विज्ञापनदाता यह जानना चाहते हैं कि लोग ज्ञान का संसार कैसे रचते हैं और 'सामान्य बोध' की अपील के प्रति वे कैसे प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं. विज्ञापनदाता, जनसंख्या के लक्ष्य वर्ग तक 'पहुँचना' चाहता है और उन्हें प्रभावित करना चाहता है, जिसका तात्पर्य यह है कि विज्ञापनदाता लोगों के 'निष्कर्ष का आधार' समझना चाहता है. इस प्रकार मानवजाति सम्बन्धी विधि के उस स्थिति में महत्वपूर्ण प्रभाव हैं, जब वाणिज्यिक और प्रिन्ट-विज्ञापन तैयार किए जाते हैं.

मानवजाति सम्बन्धी विधि विशेषज्ञ [illegible] है कि लोगों की सामान्य समझ होती है – जिसे वे हमेशा सुस्पष्ट नहीं करते हैं और यह मानवजाति सम्बन्धी प्रविधि विशेषज्ञों का मार्गदर्शन करता है, ताकि इस बात की जाँच की जा सके कि लोगों का कैसा तर्क है और उनके दैनिक क्रियाकलापों के पीछे क्या बात है ? इन सामान्य सोचों का पता लगाना या यह तय करना आसान कार्य नहीं है कि लोगों का तर्क कैसे है ..... ?

अब प्रश्न उठता है कि हम संचार और मीडिया विश्लेषण में अपने अनुसंधान में मानवजाति सम्बन्धी प्रविधि का उपयोग कैसे कर सकते हैं ? मैं, इस प्रश्न के कुछ उत्तर देना चाहूँगा कि मानवजाति सम्बन्धी प्रविधि में हमारे लिए यह प्रावधान है, जिसे हमें अवश्य याद रखना है वह है कोडों के अध्ययन का तरीका और ऐसी अनजान विश्वास-प्रणाली, जो हमारे कथन और दैनिक क्रियाकलापों के पीछे है. हम मानवजाति सम्बन्धी प्रविधि विशेषज्ञ से कुछ प्रश्न पूछकर मानवजाति सम्बन्धी प्रविधि के उपागम को अंगीकृत कर सकते हैं–बातचीत के बारे में न पूछें, अपितु फिल्मों और टेलीविजन प्रदर्शनों, गानों की गीतात्मकता और इसी प्रकार की प्रवृत्ति के संवादों के बारे में पूछें.

मीडिया में संवादों के विश्लेषण और उस विश्लेषण में अन्तर होता है, जो मानवजाति सम्बन्धी प्रविधि विशेषज्ञ वास्तव में प्रयोग करता है – विश्व की बातचीत यह है कि मास-मीडिया सम्बन्धी पाठ के संवाद लेखक द्वारा तैयार किए जाते हैं. अतः अर्थ की दृष्टि से जब हम किसी फिल्म या अन्य मास-मीडिया सम्बन्धी पाठ के संवादों को सुनते हैं, तो हम विश्व के लेखकों के अवबोधन पर विचार करते हैं, लेकिन यह इसलिए होता है, क्योंकि लेखक बड़ी संख्या में लोगों के लिए पाठ तैयार करता है, जिनके बारे में यह माना जाता है कि वे उनके अवबोधन का आदान-प्रदान करते हैं, हम मान सकते हैं कि मीडिया सम्बन्धी पाठों में संवादों का विश्लेषण, दैनिक जीवन की स्थितियों में संवादों के विश्लेषण से मेल नहीं खाता है.

46. 'मानवजाति सम्बन्धी प्रविधि' (Ethno-methodology) से आप क्या समझते हैं ?

(A) विशेष समाजशास्त्रीय अनुसन्धान प्रविधि (Method)

(B) समूह विशेष का अध्ययन

(C) समाज के बारे में किसी व्यक्ति के सामान्य बोध ज्ञान का अध्ययन करने के लिए प्रयुक्त तौर-तरीके

(D) आदिवासी संस्कृति का अध्ययन

47. मानवजाति सम्बन्धी प्रविधि में विज्ञापन-दाता (Advertisers) क्यों रुचि लेते हैं ?

(A) जाति समूहों के बारे में अच्छी समझ होना

(B) यह जानना कि लोग अपने आस-पास की जानकारी कैसे प्राप्त करते हैं और उनके निर्णय लेने की शक्ति को कौन प्रभावित करता है ?

(C) बाजार तैयार करना

(D) विज्ञापन प्रति तैयार करना

48. मानवजाति सम्बन्धी प्रविधि विशेषज्ञ (Ethnomethodologists) किस बात की जाँच करता है ?

(A) लोगों के क्रियाकलाप

(B) लोगों की सुस्पष्टता

(C) समाज के सांस्कृतिक नियम

(D) लोगों की तर्क-प्रक्रिया और उनके क्रियाकलाप

49. फिल्म और टी.वी. शो में मानवजाति सम्बन्धी प्रविधि अध्ययन के यूनिट क्या हैं ?

(A) संवाद और गीतात्मकता

(B) सभी ध्वनि और संगीत

(C) मुख्य बातचीत

(D) थीम और उप-थीम

50. मेडिएटेड पाठ और प्रतिदिन की बातचीत को समान क्यों माना जाता है ?

(A) वास्तविक जीवन और टेलीविजन नाटक के बीच कोई अन्तर नहीं है

(B) मास मीडिया और टीवी का रियालिटी शो की संकल्पना एक ही समाज से पैदा हुए हैं

(C) विश्व के बारे में लेखक का अवबोधन और वास्तविक जीवन को समान समझा जाता है

(D) जैसा माना जाता है, लोगों के अवबोधन लेखक द्वारा आदान-प्रदान किया जाता है और उनकी वास्तविकता समान है

उत्तर व्याख्या सहित

sscexamonline.blogspot.com

●●●

बधाई सन्देश

सुश्री शिवानी गुप्ता को, स्वामी केशवानन्द राजकीय कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर (राज.) में

शिवानी गुप्ता

'कृषि विस्तार' विषय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने पर राजस्थान की राज्य-पत्र महामहिम मारग्रेट अल्वा द्वारा स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया. अपनी इस अभूतपूर्व सफलता के लिए शिवानी प्रशंसा एवं बधाई की पात्र हैं. वर्तमान में शिवानी इण्डियन ऑवरसीज़ बैंक, आगरा में सहायक प्रबन्धक कृषि के पद पर कार्यरत हैं. उपकार प्रकाशन परिवार की ओर से शिवानी को कोटिशः बधाइयाँ.

— सम्पादक

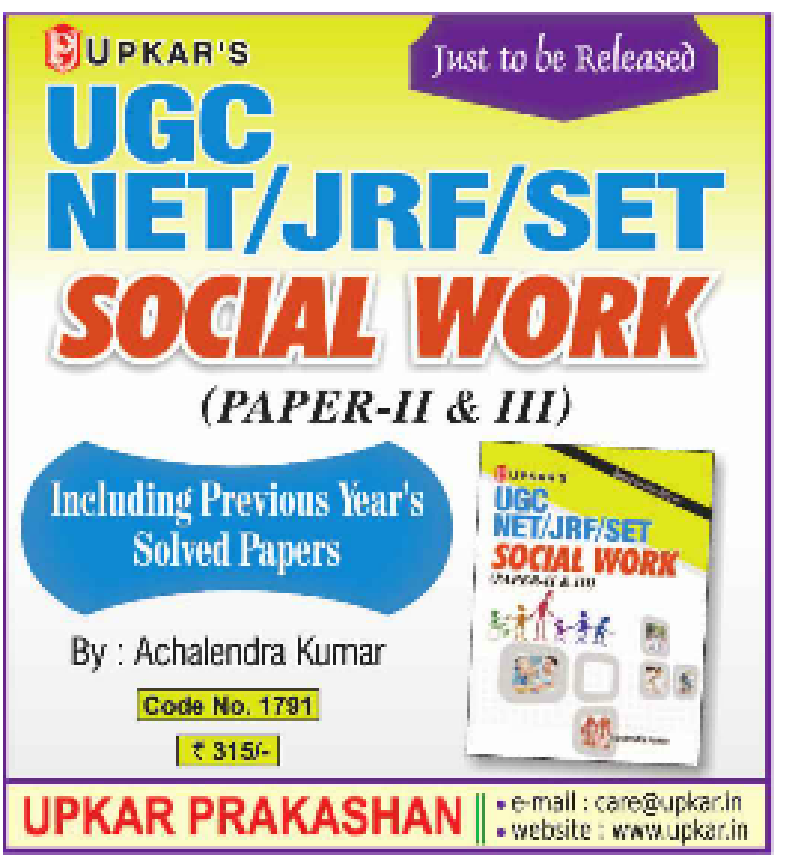

sscexamonline.blogspot.com

शिक्षा एवं साक्षरता क्षेत्र में प्रगति एवं नई पहलें–एक दृष्टि में

(Progress and New Initiatives in Education and Literacy Sector—At a Glance)

निःसंदेह ! शिक्षा-एक ऐसा साधन है जिससे शिक्षा क्षेत्र में दक्षता तो बढ़ती ही है, साथ ही, लोकतंत्र में भागीदारी बढ़ाने तथा उसे विस्तृत करने और व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन की समग्र गुणवत्ता को उत्तरोत्तर करने का भी एक कारगर साधन भी है. चूँकि, भारत की आबादी निरन्तर, तेजगति से, समगतिशील (Sustainable) दर से बढ़ती जनसंख्या (वार्षिक वृद्धि दर @ 1·78%), देश की जनगणना-2011 के अनुसार 121 करोड़ को पार कर चुकी है इसके लिए शिक्षा प्रदान करना, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाना, एवं शिक्षितों को रोजगार के संसाधन उपलब्ध कराना भारत सरकार के सामने एक बड़ी जिम्मेदारी भी है जिस हेतु मानव संसाधन विकास मंत्रालय (Ministry of Human Resource Development GOI) के अधीनस्थ स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग तथा उच्च शिक्षा विभाग अपनी पूर्णरूप से जिम्मेदारी निभा रहे हैं. इसमें कोई दो राय नहीं कि केवल मात्रात्मक विस्तार से ही तेजी से बदलते परेशू एवं वैश्विक परिदृश्य के मद्देनजर वांछित परिणाम प्राप्त नहीं होंगे, बल्कि, शिक्षा, समाज/सामाजिक एवं आर्थिक विकास हेतु कटिबद्ध होना पड़ेगा. इस संदर्भ में प्रारम्भिक शिक्षा के अन्तर्गत सर्वशिक्षा अभियान, शिक्षा गारंटी योजना, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय योजना, मिड-डे-मील स्कीम, महिला समाख्या योजना, अध्यापक शिक्षा योजना, शिक्षा का अधिकार; माध्यमिक शिक्षा स्तर हेतु राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान, राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना, नवोदय विद्यालय समिति-राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 के तहत् और उच्च शिक्षा स्तर हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, इग्नू (IGNOU-Indira Gandhi National Open University–est. Sept., 1985); तकनीकी शिक्षा आदि अनेक शिक्षा/शिक्षा सम्बन्धी योजनाएं/स्कीम्स, प्रोग्राम्स आदि कार्यरत् हैं, जिससे देश में शिक्षा का स्तर सुधरा है. देश के पूर्व-राष्ट्रपति जो शुरू में शिक्षक भी रहे, डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन (1965) ने अच्छे शिक्षक हेतु कथन कहा था कि "अध्यापन व्यर्थ है, यदि सीखने वाले ने न समझा" अर्थात् **"The Teacher has not taught, if the learner has not learnt"**, जो एक अच्छे शिक्षक हेतु संदेश है, इसे वर्तमान अध्यापकों को अमल में लाना होगा, तभी शिक्षा का सही विकास होगा.

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (Ministry of Human Resource Development—HRD, GOI) के अधीनस्थ Deptt. of School Education & Literacy एवं Deptt. of Higher Education) की वार्षिक रिपोर्ट -12 के आधार पर अनेक उपलब्धियाँ हासिल हुई हैं जिन्हें संक्षेप में निम्नवत् वर्णित किया जा सकता है–

प्रमुख उपलब्धियाँ

☞ **शिक्षा एवं साक्षरता क्षेत्र में प्रगति एवं प्रमुख गतिविधियाँ (Progress and Major Activities in Education and Literacy Sector)**

- **उच्च शिक्षा क्षेत्र की वर्तमान स्थिति (Present Status of Higher Education)**–देश में, शिक्षा प्रभाग/संकाय (Faculty) के अनुसार विगत 5 वर्षों (2006-07 से 2010-11) के दौरान विभिन्न उच्च शिक्षा क्षेत्रों में छात्रों द्वारा नामांकन (Enrolment) निम्नवत् रहा–

[उच्च शिक्षा में छात्रों का नामांकन (% संख्या)]

संकाय	2006-07	2010-11
कृषि	0·58	0·55
पशु चिकित्सा विज्ञान	0·15	0·16
लॉ	3·05	1·93
कला	45·13	36·39
औषधि	3·16	3·85
इंजीनियरिंग	7·21	16·86
शिक्षा	1·46	3·36
व्यापार/प्रबन्धन	18·01	17·11
विज्ञान	20·45	18·42
अन्य	0·80	1·57

इन आँकड़ों से स्पष्ट है कि 5 वर्षों के दौरान उच्च शिक्षा में छात्र नामांकन की प्रतिशत (%) संख्या Veterinary Science, Medicine, Engineering/Technical—IT/ Computer Science and शिक्षा (Education—B. T. C./B. Ed/M. Ed) क्षेत्रों में तो बढ़ी है, जबकि कृषि, लॉ (Law), कला (Arts), आदि में % संख्या घटी है. इससे यह तात्पर्य निकाला जा सकता है कि जिन क्षेत्रों में नौकरी (Service/Job) पाने की अधिक सम्भावनाएं हैं उनमें उच्च शिक्षा लिया में छात्र नामांकन बढ़ा है, क्योंकि हर छात्र/व्यक्ति नौकरी/व्यवसाय की तलाश में रहता है.

☞ **उच्च शिक्षा हेतु केन्द्रीय संस्थान/संगठन (Central Institutions/Organizations for Higher Education)**–वर्ष 2011-12 के दौरान, देश में केन्द्रीय वित्त सहायता द्वारा अनेक संस्थान/संगठन कार्यरत् रहे हैं जो लगातार वर्षों से शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्रों में अपनी-अपनी अहम् भूमिका निभा रहे हैं, जिनकी वेबसाइट्स (Websites) से भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है.

- **केन्द्रीय विश्वविद्यालय (Central Universities)**—40 जैसे–दिल्ली विश्वविद्यालय (DU), जवाहरलाल नेहरू वि.वि.; अलीगढ़ मुस्लिम वि. वि. (AMU); बनारस हिन्दू वि. वि. (BHU)-स्थापना-वर्ष 1916; IGNOU (इग्नू), Central Universities (CUs)-इलाहाबाद, बिहार, गुजरात, हरियाणा, कश्मीर, झारखण्ड, जम्मू आदि.
- **तकनीकी संस्थान (Technical Institutions—IITs)**—देश में कुल 45 IITs (Indian Institute of Technology) कार्यरत् हैं जैसे–दिल्ली, कानपुर, मुम्बई, खड़गपुर (प. बं.), रुड़की, गुवाहाटी, पटना, हैदराबाद, इन्दौर आदि.
- **प्रबन्धन संस्थान (Management Institutions)**—देश में 13 IIM (Indian Institute of Management) कार्यरत् हैं जैसे–बंगलौर, अहमदाबाद, इन्दौर, लखनऊ, रोहतक, शिलॉंग, कोलकाता, उदयपुर, रांची, रायपुर आदि.
- **सूचना तकनीकी संस्थान (Information Technology Institutions)**—देश में 4 IIT (Information Technology Institutions) जैसे–IIITM ग्वालियर, IIIT इलाहाबाद, IIITDM, जबलपुर एवं IIITDM कांचीपुरम.
- **विज्ञान एवं शोध संस्थान (Science & Research Institutions)**—6 IISER (Indian Institute of Science Education & Research) पुणे, कोलकाता,

शिक्षा एवं साक्षरता सम्बन्धी–कथन (Statement)

- *अच्छे शिक्षक हेतु–"अध्यापन व्यर्थ है, यदि सीखने वाले ने न समझा." (The teacher has not taught, if the learner has not learnt." कथन–डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, पूर्व-राष्ट्रपति (1965) एवं शुरू में शिक्षक उपदेश-'शिक्षक दिवस–5 सितम्बर, प्रति वर्ष देश में/स्कूल/कॉलेजों में मनाना–शिक्षक दिवस शिक्षकों द्वारा हमारे विकास के लिए कार्यों के प्रति हमारी निष्ठा एवं विश्वास दिखाता है.*
- *(i) Success Through Knowledge, (ii) Knowledge is Power.*
- *महिला सशक्तिकरण हेतु साक्षरता–'Educate one man, you educate one person, but educate a woman and you educate a whole civilization-statement for Literacy to women'—Mahatma Gandhi.*
- *बालिकाओं को शिक्षित बनाना है; समाज का सर्वांगीण विकास करना है.*

sscexamonline.blogspot.com

मोहाली (पंजाब), भोपाल; **IISc** बंगलुरु एवं **IISER** तिरुवनन्तपुरम् (केरल).

- Planning & Architecture Institutions—3-नई दिल्ली, भोपाल एवं विजयवाड़ा.
- **प्रशिक्षण संस्थान** (Training Institutions)—**4**; **Planning & Consultancy Institutions**–(2)-**NUEPA** नई दिल्ली एवं Ed CIL, नोएडा में.
- **Area/Sector Specific Institutions**—**6** जैसे **ISMU** धनबाद, **NIFFT** रांची एवं मुम्बई [अलग-अलग] **NERIST**-इटानगर आदि.

  इन केन्द्रीय संस्थानों से उच्च शिक्षा, अनुसंधान, विकास, प्रशिक्षण सम्बन्धी कार्यक्रमों/स्कीम्स/प्रोग्राम्स का लाभ प्रायः छात्र उठा रहे हैं, जो एक अच्छी दिशा भी दे रहे हैं.
- देश में कृषि क्षेत्र में 1-केन्द्रीय कृषि वि. वि. इम्फाल (मणिपुर); **53**–SAUs (State Agril. Universities) 4-Central Univs. (Agric-Faculty) एवं **5** Deemed-to-be Univ. with Agric. Faculty कार्यरत् हैं.

अन्य गतिविधियाँ

- **विश्व के सबसे हल्के पदार्थ 'कार्बन एयरोजेल' का विकास**–चीन के झिजियांग यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने दुनिया के सबसे हल्के पदार्थ 'कार्बन एयरोजेल' का बनाना, जो ठोस पदार्थ से तैयार, घनत्व 0-16 मिली ग्राम प्रति घन सेन्टीमीटर, हवा और पानी को शुद्ध करके प्रदूषण कम करने में मददगार, तेल अवशोषित करने की अद्भुत क्षमता वाला है. इस ठोस पदार्थ में बहुत सारे छिद्र होते हैं और उन में हवा भरी होती है, फलतः इसकी सघनता सबसे कम रहती है. ऐसी खोज विज्ञान के छात्रों हेतु उपयोगी सिद्ध होगी.
- **महिला सशक्तिकरण हेतु स्कीम्स/प्रोग्राम्स (Scheme/Programmes related to Women Empowerment)**
- देश की कुल जनसंख्या 121 करोड़ (जनगणना–2011) में महिलाओं का हिस्सा 48.26% है. यह एक स्वतंत्र समूह के रूप में संगठित है, जो देश के लिए बहुमूल्य मानव संसाधन ही है, बल्कि समग्रविकास आर्थिक वृद्धि हेतु सामाजिक एवं आर्थिक विकास का एक अभिन्न अंग भी है. प्रतिदिन कृषि/गृह कार्यों में 86% समय महिलाएँ ही देती हैं.
- **सर्वशिक्षा अभियान** (**SSA**—Sarva Shiksha Abhiyan)—लॉंच-2001, जो देश के हर जिले तक पहुँच चुका है, इसका उद्देश्य लड़कियों (girls) की शिक्षा में प्रोत्साहन लाना है.
- **RTE Act, 2009**—'शिक्षा का अधिकार अधिनियम'–1 अप्रैल, 2010 से शुरू हुआ, जिसमें 6-14 वर्षीय सभी बच्चों को मुफ्त एवं अनिवार्य रूप से शिक्षा प्रदान करने का उद्देश्य रखा गया है. आंगनवाड़ी (Anganwadi) केन्द्रों के द्वारा स्कूलों में लड़कियों का रुझान, शिक्षा दर को बढ़ाने में योगदान मिल रहा है.
- **NPEGEL** (National Programme of Education of Girls at Elementary Level)—जो ब्लॉक (Blocks) प्राथमिक शिक्षा में पिछड़े हुए हैं और जिन लड़कियों की इच्छा पढ़ने की है उन्हें इस स्कीम के तहत् नामांकित किया जाता है, लेकिन स्कूल नियमित आने की जरूरत नहीं समझती हैं, उनको इस प्रोग्राम का लाभ भी दिया जा रहा है. देश में **NPEGEL** की संख्या 40,623 मॉडल समूह स्कूल हैं जिनमें 2.2 लाख अध्यापक कार्यरत् हैं.
- **कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (KGBV) स्कीम**–SC, ST, OBC एवं मुस्लिम समुदाय की स्थानीय उच्च-प्राथमिक विद्यालयों की स्थापना हेतु सुविधा प्रदान करती है जिनमें **KGBV** कुल स्वीकृति 3598 (संख्या) को दी गई है. इनमें से 3367 **KGBVs** कार्यरत् हैं. इन विद्यालयों में 30% SC, 25% ST, 26% OBC, 10% मुस्लिम एवं 8% BPL लड़कियों की नामांकित संख्या है.
- **महिला समाख्या (Mahila Samakhya—MS)**—महिला सशक्तिकरण हेतु यह **MS**–Mahila Samakhya स्कीम 1989 में शुरू की गई थी, जिसमें ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य रखे गए थे. यह केन्द्रशासित प्रोग्राम वर्तमान में देश के 10 राज्यों जैसे–आं प्र., असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, कर्नाटक, केरल, उ. प्र., गुजरात और उत्तराखण्ड के 112 जिलों (542 Blocks) में चलाया जा रहा है. इनके अलावा 94 महिला शिक्षण केन्द्र भी कार्यरत् हैं, जो किशोरावस्था लड़कियों एवं युवा महिलाओं को आवासीय कोर्स प्रदान कर रहे हैं.
- **मध्याह्न भोजन योजना/स्कीम (Mid-Day Meal Scheme)**—यह राष्ट्रीय पोषण सहयोग कार्यक्रम कक्षा I-VIII के छात्रों हेतु सरकारी Local Body/Govt. Aided Schools, आदि में बच्चों के बीच पोषण स्तर सुधारने के दृष्टिकोण से, 15 अगस्त, 1995 से शुरू किया गया. इस स्कीम के 3 उद्देश्य रखे गए हैं–(i) बच्चों के पोषण स्तर में सुधार हेतु, (ii) गरीब बच्चों को स्कूल आने एवं शिक्षण ग्रहण करने में मदद दिलाने, तथा (iii) सूखा ग्रसित क्षेत्रों (Drought areas) एवं ग्रीष्म-कालीन अवकाश में प्राथमिक शिक्षा स्तर के बच्चों को पोषण भोज्य प्रदान करना, आदि. यह स्कीम देश में वर्ष 1995 में 2408 ब्लॉकों में शुरू की गई थी, जो आज पूरे देश में फैली हुई है. इस स्कीम से बच्चों में शिक्षा ग्रहण हेतु रुचि पैदा हुई है.
- **केन्द्रशासित स्कीम 'Restructuring and Reorganization of Teachers Education (RRTE)**—लॉंच-1987 इस स्कीम **RRTE** को NPE (National Policy on Education), 1986 के तहत् शुरू किया गया, जिसमें प्रशिक्षित व्यक्तियों को ही स्कूल अध्यापक बनाया जाय,का उद्देश्य रखा गया. इससे अध्यापक की गुणवत्ता में सुधार आएगा. अध्यापकों एवं छात्रों के लिए स्मरणीय उपदेश/कथन हैं–

Statements/Slogan for Teachers/Students

- **Success Through Knowledge**
- **Knowledge is Power**
- **Skill Development Through Education**

- **विकलांग व्यक्तियों (Persons with Disabilities)** सम्बन्धी शिक्षा–सर्व शिक्षा अभियान (**SSA**) का उद्देश्य **'Moving towards making RTE'** (Right to Education) है. विकलांग व्यक्ति (Disabled Person) हेतु नई स्कीम–**IEDSS** (Inclusive Education for Disabled at Secondary Stage) की शुरुआत अप्रैल, 2009 में हुई थी जिसमें Persons with Disabilities Act, 1955 को अपनाया जा रहा है. साथ ही, National Trust Act 1999 कक्षा IX से XII के छात्रों हेतु कार्यरत् है.

सारांश

उपर्युक्त विवरण से स्पष्ट है कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय (Ministry of Human Resource Development, **GOI**) के अधीनस्थ Deptt. of School Education & Literacy and Deptt. of Higher Education के अन्तर्गत शिक्षा, प्रशिक्षण साक्षरता, अनुसंधान एवं विकास कार्य सम्बन्धी अनेक उपलब्धियाँ (वर्ष 2011-12 के दौरान) हासिल हुई हैं, जिनसे निम्नलिखित सारांश निकाला जा सकता है–

(1) शिक्षा क्षेत्र में कक्षा 1 से 8 तक के छात्रों हेतु सरकार द्वारा 'मिड-डे-मील स्कीम' (Mid-Day Meal Scheme)–15 अगस्त, 1995 से चालू है जिसके मुख्य उद्देश्य (i) बच्चों के पोषण स्तर में सुधार लाना, (ii) गरीब बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना तथा (iii) ग्रीष्मकालीन अवधि में विशेष कर सूखा प्रभावित क्षेत्रों में प्राथमिक अवस्था के बच्चों हेतु पोषण सहायता प्रदान करना, आदि रखे गये हैं.

(2) उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान क्षेत्र में, विश्व में सबसे हल्का पदार्थ–हवा और पानी को शुद्ध करके प्रदूषण कम करेगा, वह है–'कार्बन एयरोजेल' इसकी खोज चीन के वैज्ञानिकों, झिजियांग विश्वविद्यालय, ने की है, जिसका घनत्व 0-16 मिली ग्राम प्रति घन सेंटीमीटर है. ऊर्जा भण्डारण, ध्वनि रोकने के काम में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है.

(3) महिला सशक्तिकरण (Empowerment of Women) हेतु महिला समाख्या (**MS**–Mahila Samakhya) स्कीम चालू की जा रही है जो महिलाओं को, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, सामाजिक एवं आर्थिक

sscexamonline.blogspot.com

स्मरणीय बिन्दु : शिक्षा एवं साक्षरता (Education & Literacy) सम्बन्धित

- *58th Meeting of the Central Advisory Board of Education (CABE) New Delhi on 7th June, 2011.*
- *'शिक्षा का हक अभियान' ('Shiksha Ka Haq' अभियान)-लॉंच-11 नवम्बर, 2011 (राष्ट्रीय शिक्षा दिवस–जन्म दिवस-मौलाना अबुल कलाम आजाद).*
- *'मॉडल स्कूल्स स्कीम'–लॉंच-नवम्बर, 2008.*
- ***Mid-Day Meal Scheme**–राष्ट्रीय प्रोग्राम प्राइमरी शिक्षा हेतु पोषण मदद का, (NP-NSPE)-लॉंच-15 अगस्त, 1995-देश में 2408 ब्लॉकों में शुरूआत.*
- *महिला समाख्या प्रोग्राम-लॉंच-1989-ग्रामीण क्षेत्रों में महिला विकास एवं सशक्तिकरण हेतु.*
- *Right to Children to Free and Compulsory Education (RTE) Act, 2009.*
- *राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (RMSA) लॉंच-मार्च 2009*
- *Scheme of Vocationalization of Secondary Education-लॉंच 1988.*
- ***UGC** (University Grants Commission) स्थापित नवम्बर, 1956.*
- *केन्द्रीय हिन्दी संस्थान (Hq.) आगरा (उ. प्र.)–एक स्वायत्तशासी संस्थान-GOI; एवं 8 रीजनल केन्द्र तथा 4 सम्बद्ध कॉलेज, देश में.*

दशा को सुधारने हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, मदद करेगी.

(4) देश में उच्च स्तरीय शिक्षा (Higher Education) के क्षेत्र में छात्रों के दाखिलों हेतु विगत 5 वर्षों (2006-07 से 2010-11 तक) में कुछ विशेष क्षेत्रों जैसे–विज्ञान एवं तकनीकी (IT, Engg.), Computer Science आदि में बढ़ोत्तरी देखी गई. जिससे रोजगार के सुअवसर भी प्रदान होंगे. ऐसी ही अन्य उपलब्धियाँ भी हासिल हुई हैं.

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. महिला सशक्तिकरण हेतु 'महिला समाख्या प्रोग्राम' (Mahila Samakhya Programme), जो स्कीम आज भी चालू है, को किस वर्ष शुरू किया गया था ?
   (A) 1989 (B) 1992
   (C) 1995 (D) 1996
2. राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (RMSA) स्कीम कब शुरू की गई थी ?
   (A) मार्च 2007
   (B) मार्च 2009
   (C) मार्च 2010
   (D) इनमें से कोई नहीं
3. 'Vocationalisation of Secondary Education Scheme' (VSES) किस वर्ष चालू की गई थी ?
   (A) 1988 (B) 1990
   (C) 1991 (D) 1992
4. प्रति वर्ष 'शिक्षक दिवस' –5 सितम्बर को भारत के राष्ट्रपति द्वारा, जो 'National Award to teachers' अवार्ड दिया जाता है, उसकी शुरूआत किस वर्ष हुई थी ?
   (A) 1955 (B) 1956
   (C) 1958 (D) 1965
5. 'DEC' (Distance Education Council)–Statute 28 of the IGNOU Act ..... के अन्तर्गत स्थापित की गई.
   (A) 1985 (B) 1987
   (C) 1990 (D) 1991
6. 'NER Institute of Science & Technology' (NERIST) इटानगर (अरुणाचल प्रदेश) की स्थापना–An Autonomous Institution के तहत् किस वर्ष की गई थी ?
   (A) 1980 (B) 1981
   (C) 1982 (D) 1998

उत्तरमाला

●●●

उपकार

शिक्षाशास्त्री/बी. एड. प्रवेश परीक्षा

(राष्ट्रीय संस्कृत-संस्थान एवं उससे सम्बद्ध विभिन्न संस्कृत-विद्यापीठों/विश्वविद्यालयों के शिक्षाशास्त्री प्रवेश परीक्षा हेतु)

लेखक : डॉ. निखिलेश पाण्डेय

- पूर्व शिक्षाशास्त्री परीक्षा से सम्बद्ध कुछ महत्वपूर्ण जानकारी
- संस्कृत भाषा दक्षता
- मानसिक योग्यता
- सामान्य ज्ञान
- शिक्षण अभिरुचि

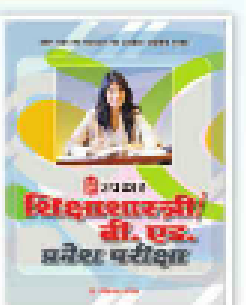

Code 1212 मूल्य : ₹ 240/-

उपकार प्रकाशन, आगरा–2

E-mail : care@upkar.in Website : www.upkar.in

उपकार

मध्य प्रदेश सब-इंस्पेक्टर पुलिस परीक्षा

सम्पादक मण्डल प्रतियोगिता दर्पण

गत वर्षों के हल प्रश्न-पत्र

लेखकद्वय डॉ. लाल एवं जैन

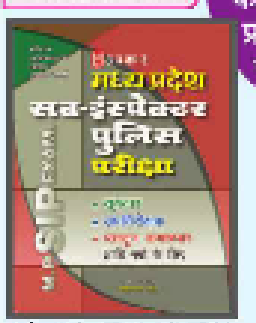

कोड नं. 727 ₹ 455/- कोड नं. 203 ₹ 310/-

उपकार प्रकाशन आगरा–2 E-mail : care@upkar.in Website : www.upkar.in

sscexamonline.blogspot.com

आगामी बी.एड. संयुक्त प्रवेश परीक्षा (कला वर्ग) हेतु विशेष हल प्रश्न

(द्वितीय प्रश्न-पत्र)

भाग–अ

शिक्षण अभिक्षमता

1. एक छात्र छात्राओं के साथ अश्लील हरकतें करता है. आप क्या करेंगे ?
   (A) आप उसके माता-पिता को लिखकर शिकायत करेंगे
   (B) आप जानना चाहेंगे कि छात्र-छात्राओं के बीच क्या सम्बन्ध है ?
   (C) आप उससे सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करके इसके कारणों का पता लगाएंगे
   (D) आप कुछ नहीं करेंगे
2. बाल-श्रम विरोधी कानून (1986) ई.–
   (A) 14 वर्ष तक की आयु के बालकों के सभी प्रकार के श्रम पर रोक लगाता है.
   (B) केवल जोखिम भरे कार्यों में बाल-श्रम करने को रोकता है
   (C) विद्यालय के समय में बाल-श्रम पर रोक लगाता है.
   (D) बालकों की शिक्षा का दायित्व उनके नियोक्ताओं को सौंपकर बाल-श्रम पर रोक लगाता है
3. छोटे-छोटे बच्चों को गणित पढ़ाने की खेल विधि के अन्तर्गत आप क्या सिखाना चाहेंगे ?
   (A) वस्तुओं को गिनाना
   (B) वस्तुओं को कई भागों में बाँटना
   (C) गणित की पहेलियों को हल करना
   (D) उपर्युक्त सभी
4. आजकल समाज के व्यक्तियों का ध्यान धन कमाने की ओर है. ऐसे समय में आप भी–
   (A) पीछे नहीं रहेंगे
   (B) अपनी आय से सन्तुष्ट रहेंगे
   (C) अपने कृत्यों की परवाह न करेंगे
   (D) अपना ध्यान अपने काम की ओर जारी रखेंगे
5. भारत बेरोजगारी की समस्या से बुरी तरह ग्रसित है. आपकी राय में इस समस्या का मुख्य कारण क्या है ?
   (A) बढ़ती जनसंख्या
   (B) आलसी युवा समुदाय
   (C) रोजगार के अवसरों की कमी
   (D) व्यावसायिक शिक्षा का अभाव
6. छात्रों के अनुत्तीर्ण होने पर समझना चाहिए कि–
   (A) व्यवस्था ही असफल हो गई है
   (B) अध्यापक की असफलता है
   (C) पाठ्य पुस्तकों की असफलता है
   (D) व्यक्तिगत छात्र की असफलता है
7. शिक्षा का सच्चा उद्देश्य है–
   (A) छात्रों को जीविका अर्जित करने योग्य बनाना
   (B) छात्रों को नौकरी के लिए तैयार करना
   (C) ज्ञानार्जन में छात्रों की सहायता करना
   (D) छात्रों का सर्वतोन्मुखी विकास करना
8. बाल केन्द्रीय शिक्षा से अभिप्राय है–
   (A) शिक्षक को बालक के स्तर तक आना होगा
   (B) ज्ञान को लघु पदों में बाँटकर जिसे बालक सरलता से सीख सकता है
   (C) पाठ के कठिन बिन्दुओं को हटा देना
   (D) अध्ययन करते हुए कि बालक कैसे पढ़ेगा तथा सीखने की परिस्थितियाँ उत्पन्न करना
9. छात्रों को सही मार्ग एवं शिक्षा में अग्रसर किया जा सकता है यदि अध्यापक हो–
   (A) फैशनेबल (B) उच्च शिक्षित
   (C) परिश्रमी (D) सजग
10. एन.सी.ई.आर.टी. का मुख्यालय है–
   (A) नई दिल्ली में
   (B) मुम्बई में
   (C) कोलकाता में
   (D) चेन्नई में
11. कक्षा में अध्यापक का लेक्चर सुनना है–
   (A) सूचनात्मक श्रवण
   (B) मूल्यांकित श्रवण
   (C) जोर दिया गया श्रवण
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
12. सम्प्रेषण की प्रक्रिया का आवर्धन होता है–
   (A) परस्पर सम्बन्ध स्थापित करने के द्वारा
   (B) सुरक्षा तथा विकल्पों को चयन करने की स्वतन्त्रता द्वारा
   (C) आपस में बिना किसी दबाव के औपचारिक ढंग से मिलने के द्वारा
   (D) उपर्युक्त सभी
13. अन्तः वैयक्तिक सम्बन्धों में पूर्वाग्रहों को प्रोत्साहित करने से जो हानि होगी, वह है–
   (A) सामाजिक अन्तः प्रक्रियाओं तथा आदान-प्रदान का सर्वनाश तथा संवैधानिक अपेक्षाओं का दमन
   (B) सामाजिक संकीर्णताओं तथा घृणा की उन्नति
   (C) पूर्वाग्रहों से समुदाय विशेष के व्यवहारों की पूर्व भविष्यवाणी की जा सकती है
   (D) पूर्वाग्रह स्वयं ही दुष्प्रचार के परिचायक होते हैं
14. प्रायः समाज शिक्षाशास्त्रियों की नजर में 'निष्क्रिय' शब्द का अर्थ होता है–
   (A) बालक द्वारा अपने समूह के अन्तःवैयक्तिक सम्बन्धों में कोई विशेष रुचि प्रकट न करना
   (B) सामाजिक अन्तःक्रियाओं के सभी सम्भावित अवसरों को समाप्त कर देना
   (C) सामाजिक सन्दर्भों में अन्तः वैयक्तिक सम्बन्धों की एक मार्गीय अभिव्यक्ति
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
15. आप शिक्षण क्यों करना चाहते हैं ?
   (A) यह सबसे सफल है
   (B) इसमें सफल होना सरल है
   (C) शिक्षण में मुझे रुचि है
   (D) क्योंकि मेरे अभिभावक यह चाहते हैं.
16. वर्तमान में राष्ट्र की प्रगति के लिए आवश्यक है–
   (A) श्रेष्ठ रूप से प्रशिक्षित अध्यापक का होना
   (B) विद्युतीकरण का होना
   (C) संचार साधनों का विकास करने में
   (D) औद्योगीकरण का होना
17. बच्चों का उच्चारण सुधारने के लिए आप क्या करेंगे ?
   (A) शब्दों को टुकड़ों में बाँटकर श्यामपट पर लिख देंगे
   (B) बच्चों को शुद्ध उच्चारण करके सुनाएंगे

sscexamonline.blogspot.com

(C) उनसे शुद्ध उच्चारण दोहराने को कहेंगे

(D) उपर्युक्त सभी

18. पाठ्य-वस्तु को भली प्रकार स्मरण करने हेतु निम्नलिखित में से कौन सबसे उचित है ?

(A) पाठ्य-वस्तु को बार-बार दोहराएंगे

(B) सही उत्तर को पुनर्बलित करेंगे

(C) पाठ्य-वस्तु पर कक्षा में प्रश्न हल कराएंगे

(D) गलत उत्तर पर दण्ड देंगे

19. आपने बी. एड. प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन-पत्र भरा है क्योंकि–

(A) आप शिक्षक बनना चाहते हैं

(B) कहीं और नौकरी ही नहीं मिल रही है

(C) यह परीक्षा उत्तीर्ण करना सरल है

(D) इससे परीक्षा देने का प्रयास सफल होगा

20. शिक्षण के रूप में आप प्राथमिकता देंगे–

(A) स्वयं के कार्यों को

(B) ट्यूशन को प्रेरित करने को

(C) शिक्षण को

(D) विद्यालय स्वच्छता को

21. किसी मेले या नुमाइश में छात्रों को ले जाने से पहले अध्यापक का क्या मुख्य निर्देश होता है ?

(A) मेले या नुमाइश का आँखों देखा हाल लिखकर दिखाएंगे

(B) मेले या नुमाइश में पेन और नोट-बुक ले जाएंगे

(C) मेले या नुमाइश में अपना भोजन साथ ले जाएंगे

(D) मेले या नुमाइश में अनुशासन का पालन करेंगे

22. किसी समूह के सदस्य द्वारा अपने नेता को यदि कोई अपशब्द कह दिया जाए, तो नेता को चाहिए कि वह–

(A) सदस्य को कठोर दण्ड दे

(B) सदस्य को बदले में अपशब्द कहे

(C) सदस्य को माफ कर दे

(D) धैर्य के साथ कारण का पता लगाए

23. अंग्रेजी वर्णमाला में बाएं से 7वें अक्षर के दाएं 8वाँ अक्षर कौनसा होगा ?

(A) H (B) I

(C) J (D) O

24. 'कैंची' जिस प्रकार सम्बन्धित है 'कपड़े' से, उसी प्रकार, 'दराती' निम्नलिखित में से सम्बन्धित है ?

(A) कागज (B) लकड़ी

(C) कुल्हाड़ी (D) घास

25. कब : समय : : कहाँ : ?

(A) तर्क (B) प्रक्रिया

(C) जगह (D) लम्बाई

26. गज : दूरी : : घड़ी : ?

(A) लम्बाई (B) चौड़ाई

(C) गहराई (D) समय

27. यदि किसी सांकेतिक भाषा में HUMIDITY को UHMIIDTY लिखा जाए, तो उसी सांकेतिक भाषा में POLITICS को क्या लिखा जाएगा ?

(A) OPLIITCS

(B) OPILTISC

(C) OPILITCS

(D) SCITILOP

28. पाँच व्यक्ति केन्द्र की ओर मुँह करके एक वृत्ताकार घेरे में बैठकर ताश खेल रहे हैं. अभिषेक, राहुल के बाईं ओर है. रवि साकेत के दाईं ओर एवं साकेत और गौतम के बीच में है. बताइए कि गौतम के ठीक दाईं ओर कौन है ?

(A) अभिषेक (B) साकेत

(C) राहुल (D) रवि

29. एक आदमी किसी स्थान से चलना शुरू करता है और उत्तर दिशा में 2 किमी चलता है. उसके बाद वह दाएं मुड़ जाता है और 3 किमी. चलता है. उसके बाद वह बाएं मुड़ जाता है और 2 किमी चलता है. अब वह कौनसी दिशा में चल रहा है ?

(A) पूर्व (B) पश्चिमी

(C) दक्षिण (D) उत्तर

30. एक व्यक्ति का परिचय देते हुए एक औरत कहती है, "इनकी पत्नी मेरी माँ की एक मात्र पुत्री है." परिचय देने वाली औरत तथा उस व्यक्ति के बीच क्या सम्बन्ध है ?

(A) पत्नी तथा पति

(B) माँ तथा पुत्र

(C) सास तथा दामाद

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

31. यदि 5 जुलाई, 1996 को बुधवार है, तो इसी तारीख को वर्ष 1980 में कौनसा दिन था ?

(A) बुधवार (B) मंगलवार

(C) बृहस्पतिवार (D) शनिवार

32. किसी महीने में 3 दिन बाद 4 तारीख को शनिवार आता है. उसी महीने की 27 तारीख को कौनसा दिन होगा ?

(A) सोमवार (B) बृहस्पतिवार

(C) शुक्रवार (D) शनिवार

33. 10 वर्ष पूर्व सुलोचना की माँ की आयु सुलोचना से चार गुनी थी. 10 वर्ष पश्चात् उनकी आयु सुलोचना से दो गुनी हो जाएगी. आज सुलोचना की आयु क्या है ?

(A) 20 वर्ष (B) 10 वर्ष

(C) 30 वर्ष (D) 15 वर्ष

34. तीन सदस्यों की औसत आयु 60 वर्ष है. पहले सदस्य की आयु अन्य दोनों की आयु का 1/4 है. पहले सदस्य की आयु क्या है ?

(A) 45 वर्ष (B) 40 वर्ष

(C) 36 वर्ष (D) 38 वर्ष

निर्देश–निम्नलिखित प्रश्नों में चार आकृतियाँ दी गई हैं. उनमें से तीन किसी-न-किसी प्रकार से समान हैं. आप उस आकृति को चुनिए, जो अन्य तीन से भिन्न है–

35. | V | X | L | I |
|---|---|---|---|

(A) (B) (C) (D)

36. | A | F | K | D |
|---|---|---|---|

(A) (B) (C) (D)

37. 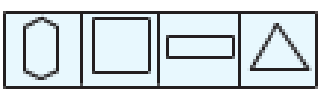

(A) (B) (C) (D)

38. यदि HKUJ का अर्थ FISH है, तो UVCD का अर्थ होगा–

(A) STAR (B) STAB

(C) STAC (D) STAK

39. यदि D = 4, BAD = 7, तो ANT का मान क्या होगा ?

(A) 8 (B) 17

(C) 35 (D) 37

40. यदि A = 1, PAT = 37, तो TAP = ?

(A) 73 (B) 37

(C) 36 (D) 38

41. यदि GOLD का IQNE के रूप में लिखा जाता है, तो उसी कूट में WIND को कैसे लिखा जाएगा ?

(A) YKPF (B) XJOE

(C) VHMC (D) DNIW

42. यदि 50 आदमी 40 बिवरों (Holes) को 30 दिन में खोदते, तो 25 आदमी 20 बिवरों को कितने दिनों में खोदेंगे ?

(A) 15 दिन (B) 22 दिन

(C) 30 दिन (D) 45 दिन

sscexamonline.blogspot.com

43. एक कथन के बाद, तीन निष्कर्ष I, II और III दिए गए हैं. दिए गए चार विकल्पों में से कौनसा सही है ?

कथन : मंत्रीगण अपनी कार में जन-समारोह में आए.

निष्कर्ष :

(I) सभी मंत्री धनी हैं.

(II) मंत्रियों के पास कार हैं.

(III) मंत्री जन-समारोह में आए.

(A) केवल II और III कथन में निहित है.

(B) केवल I ही कथन में निहित है

(C) केवल I और II कथन में निहित है

(D) केवल III और I कथन में निहित है.

44. सोनू के इकलौते मामा के इकलौते पुत्र का पुत्र सोनू की माँ के भाई के पुत्र से किस प्रकार सम्बन्धित होगा ?

(A) पिता (B) दादा

(C) मामा (D) फूफा

45. रिक्त स्थान (?) की पूर्ति कीजिए–

DE	JK	ST
41	221	?

(A) 682 (B) 761

(C) 841 (D) 763

46. कुछ व्यक्ति एक कार्य को 60 दिन में समाप्त कर सकते हैं. यदि 8 व्यक्ति और होते तो कार्य 10 दिन पहले समाप्त हो जाता है. प्रारम्भ में कुल कितने व्यक्ति कार्यरत् थे ?

(A) 30 (B) 32

(C) 36 (D) 40

47. एक नल पानी की छोटी टंकी को 3 घण्टे में भर देता है, परन्तु उस टंकी की तली में छेद होने के कारण उसे भरने में $3\frac{1}{2}$ घण्टे लग जाते हैं. भरी टंकी को खाली करने में वह छेद कितना समय लेगा ?

(A) 45 घण्टे (B) 21 घण्टे

(C) $22\frac{1}{2}$ घण्टे (D) 40 घण्टे

48. A की B से तीन गुनी कार्यक्षमता है. एक निश्चित कार्य को करने में वह B से 60 दिन कम लेता है. दोनों मिलकर इस कार्य को कितने दिन में समाप्त कर सकेंगे ?

(A) 45 दिन (B) 30 दिन

(C) $22\frac{1}{2}$ दिन (D) 40 दिन

49. एक दीवार की ऊँचाई, चौड़ाई से 5 गुनी है तथा इसकी लम्बाई ऊँचाई से 8 गुनी है. यदि दीवार का आयतन 12·8 घन मीटर हो, तो दीवार की चौड़ाई कितनी है ?

(A) 25 सेंमी (B) 30 सेंमी

(C) 40 सेंमी (D) 22·5 सेंमी

50. यदि ₹ 64 का 2 वर्ष का मिश्रधन ₹ 83·20 हो तो इसी चक्रवृद्धि ब्याज दर पर ₹ 86 का 4 वर्ष का मिश्रधन क्या होगा ?

(A) ₹ 127·40

(B) ₹ 124·70

(C) ₹ 145·34

(D) ₹ 137·60

भाग–ब

भारत का इतिहास

51. भारतीय दर्शन को जैन धर्म का मुख्य योगदान क्या था ?

(A) पुनर्जन्म का सिद्धान्त

(B) स्याद्वाद का सिद्धान्त

(C) आत्मा के अमरत्व का सिद्धान्त

(D) ब्रह्म निर्गुणता का सिद्धान्त

52. सोमनाथ मन्दिर को लूटने वाला विदेशी आक्रमणकारी था–

(A) मुहम्मद गोरी

(B) मसूद तृतीय

(C) मुहम्मद-बिन-कासिम

(D) महमूद गजनवी

53. भारत में पहला मुक्त विश्वविद्यालय स्थापित हुआ–

(A) कलकत्ता में

(B) मद्रास में

(C) नई दिल्ली में

(D) हैदराबाद में

54. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1929 ई. के ऐतिहासिक लाहौर अधिवेशन की अध्यक्षता की थी–

(A) सरदार पटेल ने

(B) मोती लाल नेहरू ने

(C) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने

(D) जवाहर लाल नेहरू ने

55. 'द सरस्वती कलोज आन' के लेखक हैं–

(A) ए. पी. गुप्ता

(B) बी. बी. लाल

(C) आर. एस. विष्ट

(D) के. एन. दीक्षित

56. वह स्थान जहाँ रामानुज शिक्षण कार्य करते थे–

(A) मदुरै

(B) मामल्लपुरम

(C) सोमनाथ

(D) श्रीरंगम्

57. वैदिक नदी कुम्भा का स्थान कहाँ निर्धारित होना चाहिए ?

(A) अफगानिस्तान

(B) पाकिस्तान

(C) कश्मीर

(D) पंजाब

भूगोल

58. भूमध्यसागरीय जलवायु निम्नलिखित में से किस फसल की कृषि के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है ?

(A) चावल (B) फल

(C) गेहूँ (D) दालें

59. ठण्डी तथा भारी वायु द्वारा गर्म एवं हल्की वायु के ऊपर उठा देने से निर्मित वातावरण क्या कहलाता है ?

(A) उष्ण वातावरण

(B) स्थायी वातावरण

(C) शीत वातावरण

(D) अधिविष्ट वातावरण

60. पृथ्वी से सूर्य सबसे अधिक दूर कब होता है ?

(A) 15 जून (B) 21 जून

(C) 1 जुलाई (D) 4 जुलाई

61. विश्व की सबसे ऊँची चोटियाँ किस प्रकार के पर्वतों में पायी जाती हैं ?

(A) प्राचीन मोड़दार पर्वत

(B) नवीन मोड़दार पर्वत

(C) अवशिष्ट पर्वत

(D) ब्लॉक पर्वत

62. किस वैज्ञानिक ने अपरदन चक्र परिवर्तित किया ?

(A) पेंक (B) हटटन

(C) डेविस (D) डटटन

63. रेगिस्तानीकरण का खतरा किस महाद्वीप में सर्वाधिक है, वह है–

(A) दक्षिणी अमरीका

(B) एशिया

(C) अफ्रीका

(D) यूरोप

64. भारतीय संघ में केन्द्रशासित प्रदेश हैं–

(A) 5 (B) 7

(C) 9 (D) 10

sscexamonline.blogspot.com

राजनीति विज्ञान

65. हॉब्स ने अपने सामाजिक समझौता सिद्धान्त की व्याख्या अपनी किस पुस्तक में विस्तार से की है ?
(A) डी. सिवे (B) डी. कारपोरे
(C) लेविथान (D) रूसो

66. 'राज्य कानून बनाने वाली संस्था है'– इस दृष्टिकोण के समर्थक एवं विचारक है–
(A) प्लेटो एवं अरस्तू
(B) मेकाइवर एवं हीगल
(C) मेकियावेली एवं लॉस्की
(D) विलोबी एवं विल्सन

67. सकारात्मक स्वतन्त्रता का अर्थ है–
(A) प्रतिबन्धों का अभाव
(B) कोई भी कार्य करने की स्वतन्त्रता
(C) कमजोर वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए उपलब्ध सुविधाएँ
(D) उपर्युक्त सभी

68. अन्तर्राज्यीय विवादों को हल करने के लिए निम्नलिखित में से कौनसी मशीनरी सबसे अधिक प्रभावी है ?
(A) स्वास्थ्य और स्थानीय स्वशासन की केन्द्रीय परिषदें
(B) वित्त और योजना आयोग
(C) क्षेत्रीय समितियाँ तथा मन्त्रियों और मुख्यमंत्रियों की बैठकें
(D) अन्तर्राज्यीय समितियाँ जैसाकि प्रशासनिक सुधार आयोग ने संस्तुति की है

69. फ्लोर क्रॉसिंग से तात्पर्य है–
(A) संसद या विधानमण्डल के एक दल का दूसरे दल में सम्मिलित होना
(B) मतभेद की अवस्था में विपक्षी दलों का बाहर चले जाना
(C) संसद या विधान मण्डल के सदस्यों का अपने दल के विपरीत मत देना
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

70. नौकरशाही की कार्मिक क्षमताओं से सम्बन्धित हैं–
(A) केवल प्रशासनिक कार्य
(B) विधायी तथा वित्तीय कार्य
(C) केवल न्यायिक कार्य
(D) उपर्युक्त सभी

71. नगर निगम के प्रशासनिक मुखिया के रूप में नगर आयुक्त की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है ?
(A) महापौर द्वारा
(B) राज्य सरकार द्वारा
(C) नगर निगम की साधारण सभा द्वारा
(D) कमिश्नर द्वारा

अर्थशास्त्र

72. सीमान्त उपयोगिता है–
(A) घनात्मक उपयोगिता की परिवर्तन दर
(B) ऋणात्मक उपयोगिता की परिवर्तन दर
(C) कुल उपयोगिता की परिवर्तन दर
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

73. अर्थशास्त्र प्रत्येक व्यक्ति में निम्नलिखित में से किस प्रकार के व्यवहार की आशा करता है ?
(A) विवेकपूर्ण (B) भावुक
(C) तटस्थ (D) सन्देहपूर्ण

74. लगान के प्रतिष्ठित सिद्धान्त के प्रतिपादक हैं–
(A) रिकार्डो (B) माल्थस
(C) पीगू (D) मार्शल

75. मुद्रा संकुचन का कारण होता है–
(A) मुद्रा की पूर्ति की तुलना में माल व सेवाओं की पूर्ति में कमी
(B) निर्यात की तुलना में आयात में कमी
(C) माल एवं सेवाओं की पूर्ति की तुलना में मुद्रा की पूर्ति में कमी
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

76. भारत की राष्ट्रीय आय में निम्नलिखित में से किस क्षेत्र का सर्वाधिक योगदान है ?
(A) प्राथमिक (B) द्वितीयक
(C) तृतीयक (D) ये सभी

77. भारत की राष्ट्रीय आय की गणना में निम्नलिखित में से किस विधि का प्रयोग किया जाता है ?
(A) आय विधि
(B) व्यय विधि
(C) उत्पादन एवं आय विधि
(D) उत्पादन विधि

78. 'क्लोज्ड इकोनामी' का तात्पर्य उस अर्थव्यवस्था से है, जिसमें–
(A) केवल निर्यात होता है
(B) मुद्रा की नियन्त्रित आपूर्ति होती है
(C) घाटे की वित्तीय व्यवस्था होती है
(D) आयात तथा निर्यात नहीं होते हैं

मनोविज्ञान

79. आयी बीटा किस प्रकार का परीक्षण है ?
(A) वैयक्तिक शाब्दिक
(B) सामूहिक अशाब्दिक
(C) सामूहिक शाब्दिक
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

80. प्रेरक एक ..... कारक है.
(A) आन्तरिक
(B) शारीरिक
(C) बाह्य
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

81. प्रेरणा का अनुमान कैसे होता है ?
(A) गुणसूत्र से (B) जीन्स से
(C) व्यवहार से (D) गुण से

82. जॉन डीवी के अनुसार विद्यालय एक–
(A) विशेष वातावरण है
(B) साधारण वातावरण है
(C) तकनीकी वातावरण है
(D) अनौपचारिक वातावरण है

83. बुद्धि लब्धि का सूत्र किस मनोवैज्ञानिक ने दिया था ?
(A) बिने (B) स्टर्न
(C) वुण्ड (D) साइमन

84. मानव व्यवहार में परिवर्तन निर्भर है–
(A) आयु पर
(B) परिवर्तनशील व्यवहार की शक्ति पर
(C) परिवर्तन वाले दबाव की शक्ति पर
(D) परिवर्तन और दबाव दोनों की शक्ति पर

85. प्रयोगात्मक मनोविज्ञान सर्वप्रथम कहाँ आरम्भ हुआ था ?
(A) जर्मनी में
(B) संयुक्त राज्य अमरीका में
(C) फ्रांस में
(D) इंगलैंड में

समाजशास्त्र

86. 'समाजशास्त्र समाज का विज्ञान है.' किसने कहा था ?
(A) मैक्स वेबर
(B) सोरोकिन
(C) एल. एफ. वार्ड
(D) हंकल्स

sscexamonline.blogspot.com

87. मैकाइवर द्वारा दिए गए समूह के वर्गीकरण में क्षेत्रीय समूह के अन्तर्गत किसे शामिल नहीं किया गया है ?
(A) परिवार (B) समुदाय
(C) जनजाति (D) संघ

88. जनसंख्या के चक्रीय सिद्धान्त के प्रवर्तक है–
(A) डबल डे (B) सेडलर
(C) ड्यूगा (D) बी. रैड

89. जाति की यह परिभाषा 'जब एक वर्ग पूर्णतः वंशानुक्रम पर आधारित होता है, तो हम उसे जाति कहते हैं.' यह कथन किसका है ?
(A) गजुमदार (B) रिजले
(C) स्वण्ट (D) सी. एच. कूले

90. राजनीतिक संस्थाओं का उद्देश्य क्या है ? सही उत्तर दीजिए–
(A) कानून और व्यवस्था बनाए रखना
(B) सत्ता को लागू करना
(C) राज्य की सत्ता का विस्तार करना
(D) व्यक्ति की श्रेष्ठ सेवा करना

91. सामाजिक समस्याओं को हल करने में आने वाली कठिनाइयों को प्रमुख रूप से उल्लिखित किया है–
(A) गुडे ने (B) डिटमर ने
(C) जॉनसन ने (D) मूरे ने

92. समाजशास्त्र का शाब्दिक अर्थ है–
(A) विज्ञानों का अध्ययन
(B) समाज का अध्ययन
(C) साहित्य का अध्ययन
(D) विज्ञान का अध्ययन

दर्शनशास्त्र

93. 'आचार मूलक ज्ञान की समीक्षा' ग्रन्थ की रचना किसने की ?
(A) फ्रांसिस बेकन
(B) सुकरात
(C) रेने देकार्त
(D) इमैनुअल काण्ट

94. बुद्धिवादी सम्प्रदाय का समर्थक निम्नलिखित में से किसे माना जाता है ?
(A) देकार्त (B) स्पिनोजा
(C) लाइबनिज (D) ये सभी

95. चार्वाक दर्शन में चार पुरुषार्थों में से किसे चरम लक्ष्य माना गया है ?
(A) धर्म (B) अर्थ
(C) काम (D) मोक्ष

96. जैन दर्शन में कर्म को किस रूप में देखा जाता है ?
(A) बन्धन
(B) काम
(C) मोक्ष का साधन
(D) साध्य

97. लाइबनिज चिदणुओं की संख्या निम्नलिखित में से क्या मानते हैं ?
(A) एक
(B) एक और अनेक दोनों
(C) अनेक
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

98. इस दर्शन का नाम वैशेषिक है, क्योंकि–
(A) यह एक ऋषि विशेष द्वारा प्रवर्तित है
(B) इसमें विशेष नामक पदार्थ की चर्चा की गई है
(C) यह एक विशेषण है
(D) यह विशेष्य-विशेषण भाव को प्रदर्शित करता है

99. रेने देकार्त किस देश के दार्शनिक थे ?
(A) इंगलैण्ड (B) जर्मनी
(C) ग्रीक (D) फ्रान्स

100. गांधीजी कौनसे अनुशासन के समर्थक थे ?
(A) मुक्तात्मक (B) प्रभावात्मक
(C) दमनात्मक (D) ये सभी

उत्तरमाला

●●●

उपकार
नवीन प्रस्तुति
वर्क बुक
यू.जी.सी. नेट/जे.आर.एफ./सेट
शिक्षण एवं शोध अभियोग्यता
(अनिवार्य प्रश्न-पत्र)
लेखक : डॉ. के. कौटिल्य
Code No. 2226 Price : ₹ 170/-
English Edition
Code No. 1781 Price : ₹ 155/-
उपकार प्रकाशन, आगरा - 2
E-mail : care@upkar.in
Website : www.upkar.in

sscexamonline.blogspot.com

आगामी बी.एड. संयुक्त प्रवेश परीक्षा (कला वर्ग) हेतु विशेष हल प्रश्न

(प्रथम प्रश्न-पत्र)

खण्ड – (अ)

सामान्य ज्ञान

1. प्रागैतिहासिक काल के अन्तर्गत किन संस्कृतियों को रखा जाता है ?
   (A) कांस्य (B) लौह
   (C) पाषाण (D) ताम्र

2. मानव सभ्यता के विकास की प्रथम अवस्था कौनसी थी ?
   (A) पशुचारण अवस्था
   (B) शिकार अवस्था
   (C) कृषि अवस्था
   (D) औद्योगिक अवस्था

3. प्रागैतिहासिक काल के उपकरण एवं हथियार किससे बनाए जाते थे ?
   (A) लोहा (B) तांबा
   (C) काँसा (D) पत्थर

4. 'कुतुब मीनार' का निर्माण किस सूफी की याद में किया गया था ?
   (A) निजामुद्दीन औलिया
   (B) मुहम्मद गौस
   (C) सलीम चिश्ती
   (D) कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी

5. भारत की प्रथम मुस्लिम महिला शासिका कौन थी ?
   (A) चाँद बीबी
   (B) रजिया सुल्तान
   (C) गुलबदन बेगम
   (D) नूरजहाँ

6. 'इक्तादारी' प्रथा किसने प्रारम्भ की ?
   (A) मुहम्मद गोरी
   (B) मुहम्मद बिन तुगलक
   (C) सिकन्दर लोदी
   (D) इल्तुतमिश

7. 'अभिनव भारती' नामक क्रान्तिकारी संगठन की स्थापना किसने की थी ?
   (A) अवध बिहारी
   (B) जतिन दास
   (C) वी. डी. सावरकर
   (D) मास्टर सूर्य सेन

8. किस क्रान्तिकारी को मुजफ्फरपुर के जज किंग्स फोर्ड पर बम फेंकने के आरोप में फाँसी दी गई थी ?
   (A) प्रफुल्ल चाकी
   (B) खुदीराम बोस
   (C) भगत सिंह
   (D) रास बिहारी बोस

9. दादा भाई नौरोजी ने कांग्रेस के किस अधिवेशन में सर्वप्रथम 'स्वराज' की माँग प्रस्तुत की ?
   (A) बम्बई (1906 ई. में)
   (B) कलकत्ता (1906 ई. में)
   (C) पूना (1906 ई. में)
   (D) मद्रास (1905 ई. में)

10. विश्व में मजदूरों एक हो–यह नारा किसने दिया ?
    (A) हिटलर
    (B) कार्ल मार्क्स
    (C) जोसेफ
    (D) डा. सनयात सेन

11. धरातल के जिस स्थान पर सर्वप्रथम भूकम्प अनुभव किया जाता है, वह कहलाता है–
    (A) भूकम्प मूल
    (B) भूकम्प अधिकेन्द्र
    (C) भूकम्प केन्द्र
    (D) इनमें से कोई नहीं

12. विश्व के सर्वाधिक भूकम्प निम्नलिखित में से किस पेटी में आते हैं ?
    (A) हिन्द महासागर पेटी
    (B) मध्य महासागरीय पेटी
    (C) परिप्रशान्त महासागरीय पेटी
    (D) इनमें से कोई नहीं

13. विश्व का सर्वाधिक ऊँचा पठार कौनसा है ?
    (A) तिब्बत का पठार
    (B) कोलम्बिया का पठार
    (C) कोलोरेडो का पठार
    (D) बोलीविया का पठार

14. विश्व का सबसे बड़ा महासागर है–
    (A) प्रशान्त (B) हिन्द
    (C) आर्कटिक (D) अटलान्टिक

15. विश्व में सर्वाधिक सोने का उत्पादन किस देश में किया जाता है ?
    (A) दक्षिण अफ्रीका
    (B) यू. एस. ए.
    (C) आस्ट्रेलिया
    (D) जापान

16. दुग्ध उत्पादन में किस देश का प्रथम स्थान है ?
    (A) डेनमार्क (B) यू. एस. ए.
    (C) भारत (D) चीन

17. 'गांधी सागर' झील 'जवाहर सागर' तथा 'राणा प्रताप सागर' बाँध किस नदी पर निर्मित हैं ?
    (A) गंगा (B) गोदावरी
    (C) महानदी (D) कावेरी

18. 'लोनार झील' किस राज्य में है ?
    (A) महाराष्ट्र (B) राजस्थान
    (C) पंजाब (D) बिहार

19. 'रेगुर' नाम है–
    (A) लाल मिट्टी का
    (B) काली मिट्टी का
    (C) पीली मिट्टी का
    (D) कछारी मिट्टी का

20. निम्नलिखित में से खरीफ की फसल कौनसी है ?
    (A) धान (B) मक्का
    (C) मूँगफली (D) ये सभी

21. मन्त्रिपरिषद् सामूहिक रूप से किसके प्रति उत्तरदायी होती है ?
    (A) प्रधानमंत्री (B) राष्ट्रपति
    (C) लोकसभा (D) संसद

22. राज्यपाल की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है ?
    (A) राष्ट्रपति (B) प्रधानमंत्री
    (C) राज्यपाल (D) उपमंत्री

23. शृंगार शतक किसकी रचना है ?
    (A) अलबरूनी (B) भर्तृहरि
    (C) ब्रह्मगुप्त (D) प्रेमचन्द

24. सरकारिया आयोग सम्बन्धित है–
    (A) नदी जल विवाद से
    (B) अन्तर्राज्यीय सम्बन्धों से
    (C) केन्द्र-राज्य सम्बन्ध से
    (D) उपर्युक्त सभी से

25. संसद द्वारा देश में 'सूचना पाने का अधिकार' सम्बन्धी विधेयक कब पारित किया गया है ?
    (A) जून 2002 (B) अप्रैल 2003
    (C) जून 2005 (D) जुलाई 2006

sscexamonline.blogspot.com

26. योजना आयोग की स्थापना कब हुई ?
(A) 10 मार्च, 1950
(B) 15 मार्च, 1950
(C) 16 मार्च, 1951
(D) 20 मार्च, 1950

27. राष्ट्रीय विकास परिषद् का गठन कब किया गया था ?
(A) 1947 में (B) 1949 में
(C) 1950 में (D) 1952 में

28. वैट (VAT) किस प्रकार का कर है ?
(A) प्रत्यक्ष
(B) अप्रत्यक्ष
(C) (A) एवं (B) दोनों
(D) इनमें से कोई नहीं

29. सरकार द्वारा पुरानी मुद्रा को समाप्त कर नई मुद्रा चलाना कहलाता है–
(A) अवमूल्यन (B) विमुद्रीकरण
(C) मुद्रा संकुचन (D) मुद्रास्फीति

30. भारत का केन्द्रीय बैंक है–
(A) स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया
(B) सेण्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया
(C) आई. सी. आई. सी. आई. बैंक
(D) रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया

31. एक रुपए के नोट पर किसके हस्ताक्षर होते हैं ?
(A) वित्तमन्त्री, भारत सरकार
(B) गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक
(C) वाणिज्य मंत्री, भारत सरकार
(D) वित्त सचिव, भारत सरकार

32. भारतीयों द्वारा सीमित देयताओं वाला संचालित पहला बैंक था–
(A) अवध, कॉमर्शियल बैंक
(B) पंजाब नेशनल बैंक
(C) रिजर्व बैंक
(D) आई. सी. आई. सी. आई. बैंक

33. भारतीय जीवन बीमा निगम की स्थापना किस वर्ष की गई थी ?
(A) 1954 (B) 1955
(C) 1956 (D) 1957

34. नाबार्ड (NABARD) की स्थापना कब की गई ?
(A) 1980 ई. में (B) 1981 ई. में
(C) 1982 ई. में (D) 1983 ई. में

35. वर्ष 2011 की जनगणना भारत की कौनसी जनगणना थी ?
(A) बारहवीं (B) तेरहवीं
(C) चौदहवीं (D) पन्द्रहवीं

36. 'माइक्रोफोन' का आविष्कार किसने किया था ?
(A) स्टीफन हाकिंग
(B) सी. वी. रमण
(C) एस. चन्द्रशेखर
(D) ग्राहम बेल

37. 'बैलिस्टिक मिसाइल' का जनक कौन था ?
(A) एडवर्ड टेलर
(B) जे. रॉबर्ट ओपेन हीमर
(C) वर्नर वॉन ब्रौन
(D) सैमुएल कोहेन

38. नाभिकीय रिएक्टर में नियन्त्रक के रूप में किसका प्रयोग होता है ?
(A) भारी जल
(B) कैडमियम छड़
(C) आसुत जल
(D) उपर्युक्त सभी

39. मानव गुर्दे में बनने वाली पथरी प्रायः बनी होती है–
(A) सोडियम ऐसीटेट की
(B) कैल्सियम की
(C) कैल्सियम आक्जेलेट की
(D) मैग्नीशियम सल्फेट की

40. निम्नलिखित में से कौनसी गैस वायु को सबसे अधिक प्रदूषित करती है ?
(A) CO_2 (B) SO_2
(C) N_2O_3 (D) CO

41. हाइड्रोजन के समस्थानिकों की संख्या कितनी है ?
(A) दो (B) तीन
(C) चार (D) पाँच

42. 'बैक्टी टाप' रोग किस पौधे से सम्बन्धित है ?
(A) आम (B) आलू
(C) केला (D) पपीता

43. चाय में 'लाल रस्ट रोग' किसके कारण होता है ?
(A) जीवाणु (B) विषाणु
(C) कवक (D) हरे शैवाल

44. संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रथम महिला सभापति किस भारतीय को बनाया गया था ?
(A) सरोजनी नायडू
(B) श्रीमति विजय लक्ष्मी पण्डित
(C) ऐनी बेसेन्ट
(D) मदर टेरेसा

45. किस भारतीय को सर्वप्रथम नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया ?
(A) जे. सी बोस
(B) सी. वी. रमण
(C) रवीन्द्र नाथ टैगोर
(D) मदर टेरेसा

46. 'बिहार केसरी' किसे कहा जाता है ?
(A) डॉ. श्री कृष्ण सिंह
(B) डॉ. अनुग्रह नारायण सिंह
(C) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(D) जगजीवन राम

47. 'हिटलर' का उपनाम क्या था ?
(A) नेता जी
(B) फ्यूहरर
(C) द किंग
(D) इनमें से कोई नहीं

48. भारत का 'लौह पुरुष' किसे कहा जाता है ?
(A) सरदार वल्लभ भाई पटेल
(B) सरदार स्वर्ण सिंह
(C) लाला लाजपत राय
(D) बाल गंगाधर तिलक

49. 'गुट निरपेक्ष आन्दोलन (NAM) के संस्थापक थे–
(A) कर्नल नासिर (मिस्र)
(B) जवाहर लाल नेहरू (भारत)
(C) मार्शल टीटो (यूगोस्लाविया)
(D) उपर्युक्त सभी

50. भारत ने सर्वप्रथम किस वर्ष आयोजित राष्ट्रमण्डल खेलों में भाग लिया था ?
(A) 1930 ई. (B) 1934 ई.
(C) 1938 ई. (D) 1950 ई.

खण्ड – (ब)
हिन्दी भाषा

51. निम्नलिखित में से कौन एक भाषा है ?
(A) मेवाती (B) पालि
(C) मारवाड़ी (D) बुन्देली

52. भारत में बोलियों की संख्या कितनी निर्धारित की गई है ?
(A) 650 (B) 436
(C) 18 (D) 32

53. इनमें से कौन-सी ध्वनि अन्तःस्थ नहीं है ?
(A) व (B) ब
(C) र (D) ल

54. प्रयत्न के आधार पर 'र' व्यंजन की किस कोटि में आता है ?
(A) प्रकम्पित (B) संघर्षी
(C) स्पर्श (D) अर्द्धस्वर

sscexamonline.blogspot.com

55. निम्नलिखित में कौन संज्ञा का भेद नहीं है ?
(A) भाव वाचक संज्ञा
(B) जाति वाचक संज्ञा
(C) संख्या वाचक संज्ञा
(D) समूह वाचक संज्ञा

56. निम्नलिखित में से समूह वाचक संज्ञा है–
(A) गिरोह (B) मण्डल
(C) दल (D) ये सभी

57. 'तुम्हारा' किस सर्वनाम का उदाहरण है ?
(A) सम्बन्ध वाचक
(B) पुरुष वाचक
(C) प्रश्न वाचक
(D) अनिश्चय वाचक

58. 'बहुत आदमी' में किस प्रकार का विशेषण है ?
(A) गुण वाचक
(B) अनिश्चित संख्या वाचक
(C) परिमाण वाचक
(D) समुदाय बोधक

59. 'हँसना' कैसी क्रिया है ?
(A) सकर्मक क्रिया
(B) अकर्मक क्रिया
(C) संयुक्त क्रिया
(D) प्रेरणार्थक क्रिया

60. निम्नांकित में से किस वाक्य में क्रिया-विशेषण का प्रयोग नहीं है ?
(A) वह कपड़े साफ धोता है
(B) वह धीरे-धीरे पढ़ता है
(C) आग मीठा है
(D) समोसे ताजे बन रहे हैं

61. 'रात्रि' का तद्भव रूप क्या होता है?
(A) रात्रि (B) रात
(C) रजनी (D) निशा

62. 'दुखवाला' रचना की दृष्टि से है–
(A) रूढ़ (B) यौगिक
(C) योगरूढ़ (D) संकर

63. 'साष्टांग' का सन्धि-विच्छेद क्या है?
(A) सास + टांग
(B) सा + अष्टांग
(C) स + अष्ट + अंग
(D) स: + अष्ट + अंग

64. निम्नलिखित में से कौनसा सन्धि-विच्छेद 'व्यंजन सन्धि' में आता है?
(A) उत् + ज्वल
(B) किम् + चित
(C) जगत + नाथ
(D) पी + अन

65. पुल्लिंग-स्त्रीलिंग में कौन विषम संयोजन है ?
(A) प्राचार्य–प्राचार्या
(B) गोर–गोरनी
(C) सेवक–सेविका
(D) त्याग–त्यागी

66. किस शब्द का प्रयोग बहुवचन के रूप में होता है ?
(A) रात (B) सोना
(C) लड़का (D) साधु

67. 'त्रिभुज' शब्द में कौनसा समास है ?
(A) षष्ठी तत्पुरुष
(B) द्विगु
(C) मध्यम पद लोपी
(D) अलुक

68. 'दिनकर' में कौनसा समास है ?
(A) तत्पुरुष (B) द्विगु
(C) द्वन्द्व (D) कर्मधारय

69. 'शोणित' किसका पर्यायवाची है ?
(A) चाँदी (B) चन्दन
(C) रक्त (D) धरती

70. 'लक्ष्मण' का पर्यायवाची निम्नलिखित में से नहीं है–
(A) सौमित्र (B) लखन
(C) रामानुज (D) बलभद्र

71. निम्नलिखित में 'राग' शब्द का विलोम क्या होगा ?
(A) विराग (B) अनुराग
(C) ईर्ष्या (D) द्वेष

72. 'आस्तिक' का विपरीत शब्द क्या है?
(A) अन्ध आस्था (B) अन्ध विश्वासी
(C) नास्तिक (D) रूढ़िवादी

73. 'जो लुप्त हो गया हो' के लिए एक शब्द क्या होगा ?
(A) विलुप्त (B) परोक्ष
(C) अगोचर (D) अदृश्य

74. 'बिना विरोध' के लिए एक शब्द है–
(A) विरोधी (B) निर्विरोध
(C) प्रतिरोध (D) अवरोध

75. अगम, आगम
(A) शास्त्र न जाने योग्य
(B) न जाने योग्य, शास्त्र
(C) हिस्सा, फर्क
(D) फर्क - हिस्सा

76. अशक्त, असक्त
(A) निर्बल, उदासीन
(B) उदासीन, निर्बल
(C) आवश्यक, पूजन
(D) पूजन, आवश्यक

77. 'अनुचर' में प्रयुक्त उपसर्ग क्या है ?
(A) अनु (B) अप
(C) अव (D) अति

78. 'पठ' धातु में 'इत' प्रत्यय के संयोग से क्या शब्द बनेगा ?
(A) पठित (B) पाठित
(C) पाठक (D) पढ़ाई

79. 'घनिष्ठ मित्रता' किस मुहावरे का सही अर्थ है ?
(A) दाँत काटी रोटी
(B) आँखों का तारा
(C) आस्तीन का साँप
(D) गाँठ का पूरा

80. 'भेद खुलने' के अर्थ को व्यक्त करने वाला मुहावरा–
(A) कलई खुलना
(B) पोलिश टूटना
(C) भण्डा फोड़ होना
(D) दूध का दूध, पानी का पानी होना

81. 'मुँह में राम बगल में छुरी' लोकोक्ति का अर्थ है–
(A) ऊपरी मित्रता मन में शत्रुता
(B) चालाकी करना
(C) ईश्वर के नाम पर छल करना
(D) राम का नाम पापी ले सकता है

82. 'ख्याली पुलाव पकाना' कहावत का भावार्थ है–
(A) केवल सपने देखना
(B) दुकान चलाना
(C) मीठा पुलाव बनाना
(D) गरीबों को भोजन कराना

83. 'वह मुझसे बड़ा है.' यह कैसा वाक्य है ?
(A) विधि वाचक
(B) निषेध वाचक
(C) संकेत वाचक
(D) सन्देह वाचक

84. 'मोहन ने कहा कि मैं खेलूँगा.' इस वाक्य में "कि मैं खेलूँगा" क्या है ?
(A) पद वाक्य
(B) उप वाक्य
(C) सरल वाक्य
(D) पद

85. निम्नलिखित में कौनसा शब्द शुद्ध है ?
(A) अभ्यर्थना (B) आभ्यार्थन
(C) अभियर्थना (D) अभ्यार्थना

sscexamonline.blogspot.com

86. कौनसा शब्द शुद्ध है ?
(A) गत्यावरोध (B) गत्यावरुद्ध
(C) गतिवरोध (D) गत्युवरुद्ध

87. हम अपने कहा था.
(A) हम आपको कहा था
(B) हमने आपसे कहा था
(C) हम आपको बोला था
(D) हमने आपसे बोला था

88. कमरा लोगों से लबालब भरा है.
(A) कमरा लोगों से ठसाठस भरा है
(B) कमरे में लोग भरपूर हैं
(C) कमरे में लोग भरे हैं
(D) कमरे में लोग लबालब हैं

89. निम्नलिखित में कौन मात्रिक छन्द है ?
(A) दोहा (B) चौपाई
(C) रोला (D) ये सभी

90. "बिन पग चलै सुनै बिनु काना." इस पंक्ति में कौनसा अलंकार होता है ?
(A) विरोधाभास (B) विभावना
(C) वक्रोक्ति (D) यमक

91. "संदेसौ देवकी सौ कहयो,
हौं तो धाय तिहारो सुत की दया करत ही रहियो."
'सूर' की इन पंक्तियों में किस रस की सृष्टि होती है ?
(A) शृंगार रस (B) वात्सल्य रस
(C) शान्त रस (D) भक्ति रस

92. 'भ्रमरगीत' किस कवि की रचना है?
(A) तुलसीदास (B) सूरदास
(C) मीराबाई (D) नन्ददास

93. निम्नलिखित में कौन सूरदास की रचना है ?
(A) कवितावली (B) सूर-साहित्य
(C) सूरसागर (D) प्रेम वाटिका

94. 'परमाल रासो' की रचना किसने की ?
(A) जयदेव (B) जगनिक
(C) चन्दबरदाई (D) नरपति नाल्ह

95. 'रामचरितमानस' किस काव्य धारा की प्रतिनिधि रचना है ?
(A) कृष्ण भक्ति (B) राम भक्ति
(C) प्रेम मार्गी (D) ज्ञान मार्गी

गद्यांश

पाश्चात्य सभ्यता एवं संस्कृति में बहुत-सी अच्छी बातें होते हुए भी वह मूलतः अधिकार प्रधान, भोग प्रधान है. उसमें अपने सुख की प्रवृत्ति प्रधान है. इसलिए यहाँ प्रधान जोर शरीर-सुख-भोग तथा उसके [illegible] अगणित साधन जुटाने की ओर है, जबकि भारतीय संस्कृति अनेक बुराइयों के होते हुए भी मुख्यतः धर्म प्रधान, कर्त्तव्य प्रधान, त्याग और तपस्या प्रवृत्ति-मूलक संस्कृति है. विश्व-मानव या विश्व-मानवता एवं संस्कृति का निर्माण तभी सम्भव है जब मनुष्य अपने शरीर का विचार इस सीमा तक न करे कि उस प्रयत्न में वह आत्मा, वह प्राण ज्योति ही तिरोहित हो जाए जिससे मानव, मानव है. स्पष्टतः भारतीय संस्कृति में, अहिंसक जीवन निर्माण की दूसरों के लिए जीने की सम्भावनाएं अधिक होने से गांधी जी की श्रद्धा थी कि भारतीय संस्कृति ही हमारे जीवन का दीप है और वही विश्व-संस्कृति या विश्व-मानवता की आचारशिला बन सकती है.

96. पाश्चात्य संस्कृति के सम्बन्ध में सत्य है–
(A) वह भौतिकवादी संस्कृति है
(B) वह शारीरिक सुख प्रदाता संस्कृति है
(C) वह भारतीय संस्कृति से उत्प्रेरित है
(D) वह यथार्थवादी संस्कृति है

97. इनमें से कौनसा कथन सत्य है ?
(A) पाश्चात्य संस्कृति पूर्णतः निवृत्ति-मूलक है
(B) पाश्चात्य एवं भारतीय संस्कृति में गुण-दोष विद्यमान हैं
(C) पाश्चात्य संस्कृति प्रवृत्ति एवं निवृत्ति मूलक का मिश्रण है
(D) भारतीय संस्कृति स्वार्थ एवं परार्थ भाव का मिश्रण है

98. मानव, मानव नहीं रह जाता जब–
(A) वह पाश्चात्य संस्कृति अपनाता है
(B) वह मानवीय भोगवादिता को नकार देता है
(C) उसके भीतर भोगवादिता अत्यधिक बढ़ जाती है
(D) वह विश्व मानवता के विचार को त्याग देता है

99. परदुखकातरता से सम्बन्धित कथन है–
(A) अहिंसक प्रवृत्ति और दूसरों के लिए जीना
(B) धर्म, कर्त्तव्य, त्याग एवं विश्व मानवता
(C) आत्मा एवं प्राण ज्योति का उत्कर्ष
(D) परोपकार हेतु सुख साधन जुटाना

100. उपर्युक्त गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक है–
(A) पाश्चात्य एवं भारतीय संस्कृति
(B) भारतीय संस्कृति
(C) भारतीय संस्कृति, मानवीय संस्कृति
(D) भारतीय संस्कृति, सर्वश्रेष्ठ संस्कृति

उत्तरमाला

●●●

नवीन प्रस्तुति
उपकार परीक्षोपयोगी सीरीज-26
सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908
The Code of Civil Procedure, 1908
मुख्य परीक्षा
संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग, न्यायिक सेवा, सहायक अभियोजन अधिकारी आदि परीक्षाओं के लिए उपयोगी
लेखक : अभिनव मिश्र
कोड नं. 2148 मूल्य : ₹ 50/-
वस्तुनिष्ठ एवं वर्णनात्मक प्रश्नोत्तर सहित

उपकार प्रकाशन, आगरा–2
E-mail : [illegible] Website : [illegible]

sscexamonline.blogspot.com

आगामी प्रतियोगिता परीक्षाओं हेतु विशेष हल प्रश्न

संख्यात्मक योग्यता

निर्देश–(प्रश्न 1 से 5 तक) निम्नलिखित प्रश्नों में प्रश्नचिह्न (?) के स्थान पर क्या आएगा ?

1. 2·8 × 1·5 + 250 का 8% = ?
(A) 24·2 (B) 24·02
(C) 242·2 (D) 2·42
(E) इनमें से कोई नहीं

2. $3\frac{2}{7} - 2\frac{1}{14} - 1\frac{1}{7} = ? + 2\frac{1}{14}$
(A) $1\frac{1}{7}$ (B) $1\frac{2}{7}$
(C) $\frac{1}{7}$ (D) $\frac{3}{7}$
(E) इनमें से कोई नहीं

3. 730 के $\frac{2}{3}$ के $\frac{4}{5}$ का $\frac{3}{8}$ = ?
(A) 86 (B) 146
(C) 156 (D) 93
(E) इनमें से कोई नहीं

4. $8^7 \times 2^6 \div 8^{2.4} = 8^?$
(A) 10·6 (B) 9·6
(C) 8·6 (D) 6·6
(E) इनमें से कोई नहीं

5. 250 का 160% + ? = 400 का 120%
(A) 160 (B) 40
(C) 80 (D) 120
(E) इनमें से कोई नहीं

निर्देश–(प्रश्न 6 से 10 तक) नीचे दी गई संख्या श्रृंखला में एक संख्या गलत है. इस गलत संख्या का पता लगाइए.

6. 7, 56, 442, 3089, 18532, 92647, 370586
(A) 442 (B) 92647
(C) 18532 (D) 3089
(E) इनमें से कोई नहीं

7. 8000, 3200, 1280, 512, 204·8, 84·92, 32·768
(A) 512 (B) 84·92
(C) 204·8 (D) 1280
(E) इनमें से कोई नहीं

8. 898, 906, 933, 996, 1122, 1338, 1681
(A) 906 (B) 933
(C) 1122 (D) 1338
(E) इनमें से कोई नहीं

9. 4, 55, 576, 4209, 21280, 64083, 64204
(A) 4209 (B) 576
(C) 21280 (D) 64204
(E) इनमें से कोई नहीं

10. 3, 6, 16, 47·5, 154·5, 558·5, 2257
(A) 2257 (B) 47·5
(C) 154·5 (D) 558·5
(E) इनमें से कोई नहीं

11. तीन लड़कियाँ एक वृत्ताकार ट्रैक के गिर्द एक साथ दौड़ना शुरू करती हैं और प्रत्येक एक राउंड क्रमशः 24 सेकण्ड, 36 सेकण्ड और 48 सेकण्ड में पूरा करती है. कितने समय बाद वे एक बिन्दु पर मिलेंगी?
(A) 2 मिनट 20 सेकण्ड
(B) 2 मिनट 24 सेकण्ड
(C) 4 मिनट 12 सेकण्ड
(D) 3 मिनट 36 सेकण्ड
(E) इनमें से कोई नहीं

12. 60 किमी प्रति घण्टा की गति से चलने वाली 240 मीटर लम्बी एक ट्रेन, विपरीत दिशा में 48 किमी प्रति घण्टा की गति से चल रही 270 मीटर लम्बी एक दूसरी ट्रेन को कितने समय में पार करेगी?
(A) 17 सेकण्ड (B) 3 सेकण्ड
(C) 12 सेकण्ड (D) 8 सेकण्ड
(E) इनमें से कोई नहीं

13. ₹ 50,000 के निवेश से सरिता ने एक बुटीक चालू किया. 6 महीने बाद ₹ 80,000 की राशि सहित नीता उसके साथ जुड़ गई. एक वर्ष के अन्त में उन्होंने ₹ 18,000 का लाभ कमाया. इस लाभ में सरिता का हिस्सा कितना है ?
(A) ₹ 9,000 (B) ₹ 8,000
(C) ₹ 12,000 (D) ₹ 10,000
(E) इनमें से कोई नहीं

14. अकेला A, 6 दिन में 100 बास्केट बना सकता है. अकेला B, 12 दिन में 100 बास्केट बना सकता है. A और B मिलकर 100 बास्केट कितने दिन में बनाएंगे ?
(A) 3 दिन (B) 5 दिन
(C) $2\frac{1}{2}$ दिन (D) $3\frac{1}{2}$ दिन
(E) इनमें से कोई नहीं

15. समीर की आयु अपने पिता की आयु से एक-चौथाई और अपनी बहन रीमा की आयु से दो-तिहाई है. समीर, रीमा और उनके पिता की आयु का क्रमशः अनुपात कितना है?
(A) 3 : 2 : 8 (B) 3 : 4 : 8
(C) 2 : 3 : 8 (D) 4 : 3 : 8
(E) इनमें से कोई नहीं

16. ₹ 15,000 की राशि पर दो वर्ष में उपचित चक्रवृद्धि ब्याज ₹ 2,496 है, तो प्र.श.प्र.व. ब्याज की दर कितनी है ?
(A) 8
(B) 10
(C) 6
(D) निर्धारित नहीं किया जा सकता है
(E) इनमें से कोई नहीं

17. एक द्विअंकी संख्या के अंकों को परस्पर बदलने के बाद प्राप्त संख्या मूल संख्या से 45 अधिक है. अंकों के बीच का अन्तर 5 है, तो मूल संख्या क्या है ?
(A) 16
(B) 27
(C) 38
(D) निर्धारित नहीं किया जा सकता है
(E) इनमें से कोई नहीं

18. एक आयत का क्षेत्रफल, 14 सेमी त्रिज्या वाले एक वृत्त के क्षेत्रफल के समान है. आयत की चौड़ाई 22 सेमी है, तो उसकी लम्बाई क्या है ?
(A) 24 सेमी
(B) 28 सेमी
(C) 26 सेमी
(D) निर्धारित नहीं किया जा सकता है
(E) इनमें से कोई नहीं

19. वर्तमान में A और B की आयु का अनुपात क्रमशः 5 : 6 है. 6 वर्ष बाद यह अनुपात क्रमशः 6 : 7 हो जाएगा. 5 वर्ष पूर्व B की आयु क्या थी ?
(A) 25 वर्ष (B) 30 वर्ष
(C) 36 वर्ष (D) 31 वर्ष
(E) इनमें से कोई नहीं

20. शब्द DISPLAY के अक्षरों को अलग-अलग कितनी तरह से क्रमबद्ध किया जा सकता है ?
(A) 5040 (B) 2520
(C) 720 (D) 1440
(E) इनमें से कोई नहीं

sscexamonline.blogspot.com

निर्देश–(प्रश्न 21 से 25 तक) इन प्रश्नों के उत्तर देने के लिए नीचे दी गई सारणी का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए–

विगत वर्षों में पाँच अलग-अलग विद्यालयों से परीक्षा में बैठे और पास हुए विद्यार्थियों की संख्या

विद्यालय	A		B		C		D		E	
वर्ष	प. बै.	पा.	प. बै.	पा.	प. बै.	पा.	प. बै.	पा.	प. बै.	पा.
2004	600	350	450	250	520	350	580	460	620	500
2005	580	250	480	300	550	420	600	480	650	550
2006	640	300	420	280	500	400	560	420	580	500
2007	650	400	460	320	560	450	620	450	660	550
2008	680	450	500	380	580	480	640	520	680	580

21. 2004 और 2005 में सभी विद्यालयों से परीक्षा में बैठे विद्यार्थियों की संख्याओं के बीच का क्रमशः अनुपात क्या है ?
(A) 286 : 295
(B) 277 : 286
(C) 286 : 277
(D) 295 : 286
(E) इनमें से कोई नहीं

22. 2006 के दौरान, किस विद्यालय से परीक्षा में बैठे हुए विद्यार्थियों में से पास हुए विद्यार्थियों का प्रतिशत सर्वाधिक था ?
(A) C (B) B
(C) A (D) D
(E) E

23. विद्यालय D में, किस वर्ष परीक्षा में बैठे विद्यार्थियों में से पास हुए विद्यार्थियों का प्रतिशत न्यूनतम था ?
(A) 2004 (B) 2005
(C) 2006 (D) 2007
(E) 2008

24. 2007 में सभी विद्यालयों से मिलकर परीक्षा में बैठे विद्यार्थियों में से पास हुए विद्यार्थियों का कुल प्रतिशत कितना है ? (अगले पूर्णांक तक पूर्णांकित)
(A) 74 (B) 73
(C) 76 (D) 72
(E) इनमें से कोई नहीं

25. दिए गए सभी वर्षों के लिए विद्यालय B और विद्यालय C से पास हुए विद्यार्थियों की औसत संख्याओं के बीच का अनुपात क्या है ?
(A) 70 : 51
(B) 70 : 53
(C) 53 : 70
(D) 51 : 70
(E) इनमें से कोई नहीं

निर्देश–(प्रश्न 26 से 30 तक) नीचे दिए गए प्रश्नों का उत्तर देने के लिए इस ग्राफ का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए–

विगत वर्षों में तीन कम्पनियों की आय (लाखों में)

$$\text{प्रतिशत लाभ} = \frac{\text{आय} - \text{व्यय}}{\text{व्यय}} \times 100$$

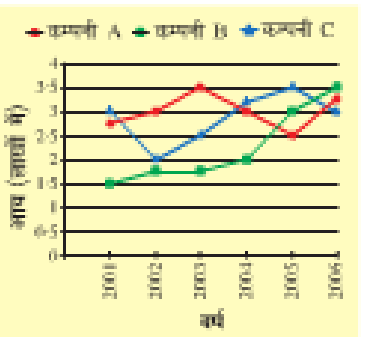

26. वर्ष 2002 में कम्पनी A का प्रतिशत लाभ 20 था, तो उस वर्ष उसका व्यय कितना था ?
(A) ₹ 2,50,000
(B) ₹ 2,75,000
(C) ₹ 1,75,000
(D) ₹ 1,50,000
(E) इनमें से कोई नहीं

27. वर्ष 2003 में कम्पनी C का व्यय ₹ 1·75 लाख था, तो उस वर्ष कम्पनी का प्रतिशत लाभ कितना था ? (दशमलव के बाद दो अंकों तक पूर्णांकित)
(A) 38·29 (B) 42·86
(C) 53·41 (D) 58·64
(E) इनमें से कोई नहीं

28. विगत वर्षों में कम्पनी A की औसत आय कितनी थी ?
(A) ₹ 2,75,000
(B) ₹ 30,00,000
(C) ₹ 27,50,000
(D) ₹ 30,000
(E) इनमें से कोई नहीं

29. पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2006 में कम्पनी B की आय में लगभग कितने प्रतिशत वृद्धि हुई थी?
(A) 28 (B) 11
(C) 17 (D) 8
(E) 22

30. कम्पनी C की आय के प्रतिशत में सर्वाधिक वृद्धि/कमी किस वर्ष में थी?
(A) 2004 (B) 2006
(C) 2003 (D) 2002
(E) इनमें से कोई नहीं

निर्देश–(प्रश्न 31 से 35 तक) इन प्रश्नों के उत्तर देने के लिए नीचे दिए गए ग्राफ का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए–

विगत वर्षों में दो राज्यों की जनसंख्या (लाखों में)

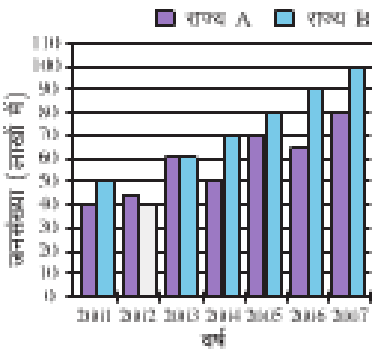

31. 2002 में राज्य B की जनसंख्या सभी वर्षों में राज्य B की कुल जनसंख्या का कितना प्रतिशत है? (दशमलव के बाद दो अंकों तक पूर्णांकित)
(A) 8·26 (B) 7·26
(C) 8·32 (D) 7·82
(E) इनमें से कोई नहीं

32. वर्ष 2001, 2002 और 2003 में मिलकर राज्य A की कुल जनसंख्या और वर्ष 2005, 2006 और 2007 में मिलकर राज्य B की कुल जनसंख्या के बीच का क्रमशः अनुपात कितना है?
(A) 27 : 53 (B) 54 : 29
(C) 29 : 54 (D) 53 : 27
(E) इनमें से कोई नहीं

33. किस राज्य के लिए और किस वर्ष में पिछले वर्ष की तुलना में जनसंख्या में प्रतिशत वृद्धि सर्वाधिक थी?
(A) राज्य B : 2003
(B) राज्य B : 2002
(C) राज्य A : 2004
(D) राज्य A : 2005
(E) इनमें से कोई नहीं

sscexamonline.blogspot.com

34. 2003 से 2004 में राज्य B की जनसंख्या में कितने प्रतिशत वृद्धि हुई है?

(A) $16\frac{1}{3}$ (B) $16\frac{2}{3}$

(C) $18\frac{2}{3}$ (D) $18\frac{1}{3}$

(E) इनमें से कोई नहीं

35. दिए गए सभी वर्षों के लिए राज्य A की औसत जनसंख्या लगभग कितनी है?

(A) 65 लाख (B) 50 लाख

(C) 48 लाख (D) 58 लाख

(E) 52 लाख

निर्देश—(प्रश्न 36 से 40 तक) इन प्रश्नों के उत्तर देने के लिए नीचे दिए गए ग्राफ का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए—

विगत वर्षों में दो राज्यों की जनसंख्या

(मिलियन में)

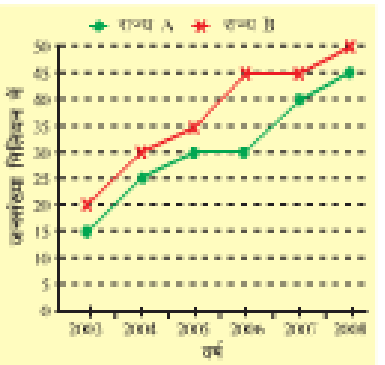

36. निम्नलिखित में से किस वर्ष में पिछले वर्ष की तुलना में, राज्य B के लिए जनसंख्या में प्रतिशत वृद्धि सर्वाधिक थी?

(A) 2008 (B) 2006

(C) 2005 (D) 2004

(E) 2007

37. सभी वर्षों के लिए मिलकर राज्य B की औसत जनसंख्या (मिलियन में) कितनी थी?

(A) 38·5 (B) 28·5

(C) 35 (D) 26

(E) 37·5

38. पिछले वर्ष की तुलना में 2007 में राज्य A की जनसंख्या में कितने प्रतिशत वृद्धि हुई थी?

(A) 25 (B) $33\frac{1}{3}$

(C) 33 (D) $25\frac{1}{2}$

(E) इनमें से कोई नहीं

39. सभी वर्षों के लिए मिलकर राज्य A और B की कुल जनसंख्याओं के बीच क्रमशः अनुपात क्या है ?

(A) 37 : 45 (B) 37 : 43

(C) 43 : 37 (D) 45 : 37

(E) इनमें से कोई नहीं

40. 2005 में राज्य A की जनसंख्या सभी वर्षों के लिए मिलकर उसकी कुल जनसंख्या का कितना प्रतिशत है?

(A) $17\frac{8}{33}\%$ (B) $16\frac{5}{33}\%$

(C) $16\frac{8}{37}\%$ (D) $17\frac{8}{37}\%$

(E) इनमें से कोई नहीं

निर्देश—(प्रश्न 41 से 45 तक) निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर देने के लिए इस सारणी का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए—

6 अलग-अलग शहरों में रहने वाले लोगों की संख्या (हजारों में) और इनमें पुरुषों, महिलाओं और बच्चों का प्रतिशत

शहर	लोगों की कुल संख्या (हजारों में)	प्रतिशत		
		पुरुषों का	महिलाओं का	बच्चों का
P	48·35	38	36	26
Q	32·16	45	30	25
R	54·20	47	31	22
S	44·42	35	45	20
T	65·25	54	28	18
U	56·80	53	25	22

41. किस शहर में बच्चों की संख्या न्यूनतम है?

(A) R (B) S

(C) T (D) Q

(E) इनमें से कोई नहीं

42. सभी शहरों में मिलकर पुरुषों की औसत संख्या कितनी है?

(A) $21450\frac{1}{3}$ (B) $23200\frac{5}{6}$

(C) $19445\frac{5}{6}$ (D) $18620\frac{2}{3}$

(E) इनमें से कोई नहीं

43. शहर R की महिलाओं का शहर T की महिलाओं की संख्या से क्रमशः अनुपात क्या है ?

(A) 8401 : 9135

(B) 7325 : 8462

(C) 9124 : 10131

(D) 6487 : 7758

(E) इनमें से कोई नहीं

44. शहर U के लोगों की कुल संख्या, सभी शहरों के लोगों की कुल संख्या का लगभग कितना प्रतिशत है?

(A) 28 (B) 11

(C) 6 (D) 24

(E) 19

45. शहर S की महिलाओं की संख्या शहर P की उनकी संख्या का कितना प्रतिशत है? (दशमलव के बाद दो अंकों तक पूर्णांकित)

(A) 87·08

(B) 124·68

(C) 114·84

(D) 92·16

(E) इनमें से कोई नहीं

46. शब्द TOTAL के अक्षर अलग-अलग कितनी तरह से क्रमबद्ध किए जा सकते हैं ?

(A) 120 (B) 60

(C) 48 (D) 72

(E) इनमें से कोई नहीं

47. एक वृत्त का क्षेत्रफल 616 सेमी² है. उसकी परिधि क्या है ?

(A) 76 सेमी (B) 84 सेमी

(C) 96 सेमी (D) 80 सेमी

(E) इनमें से कोई नहीं

48. एक साथ B और C एक काम 8 दिन में पूरा कर सकते हैं, वही काम A और B मिलकर 12 दिन में पूरा कर सकते हैं और A और C मिलकर वही काम 16 दिन में पूरा कर सकते हैं. कुल मिलाकर A, B और C मिलकर वह काम कितने दिनों में पूरा करेंगे?

(A) $3\frac{9}{13}$ (B) $7\frac{5}{13}$

(C) $7\frac{5}{12}$ (D) $3\frac{5}{12}$

(E) इनमें से कोई नहीं

49. ब्याज अर्द्धवार्षिक आधार पर चक्रवृद्धि किया जाए, तो दो वर्ष में 20 प्र. श. प्र. व की दर से ₹ 10,000 की राशि पर कितना चक्रवृद्धि ब्याज उपचित होगा ?

(A) ₹ 4,400 (B) ₹ 4,600

(C) ₹ 4,641 (D) ₹ 4,680

(E) इनमें से कोई नहीं

50. 5 महिलाओं और 4 पुरुषों में से तीन सदस्यों की एक समिति का गठन इस प्रकार करना है कि कम-से-कम एक सदस्य महिला हो. अलग-अलग कितने प्रकार से यह किया जा सकता है?

(A) 80 (B) 84

(C) 76 (D) 96

(E) इनमें से कोई नहीं

sscexamonline.blogspot.com

sscexamonline.blogspot.com

●●●

शेष पृष्ठ 1767 का

उसमें दब कर मर गए. 800 से अधिक लोगों के घायल होने की बात प्रारम्भिक रिपोर्टों में बताई गई है. 8 मंजिला इस इमारत में तीन सौ से अधिक दुकानों व तीन कपड़ा इकाइयों के अतिरिक्त एक बैंक शाखा भी थी तथा लगभग छह हजार लोग इन इकाइयों में प्रतिदिन काम करने आते थे. मीडिया रिपोर्टों के अनुसार दुर्घटना प्रातः 9 बजे होने के कारण जनहानि अपेक्षाकृत कम हुई.

विज्ञान
(Science)

सबसे हल्का पदार्थ बनाने का चीनी वैज्ञानिकों का दावा–चीन के झिजियांग विश्वविद्यालय (Zhejiang University) के वैज्ञानिकों ने विश्व का सबसे हल्का पदार्थ बनाने का दावा अप्रैल 2013 में किया है. कार्बन एयरोजेल (Carbon Aerogel) नाम के इस पदार्थ का घनत्व हवा के छठवें भाग के बराबर बताया गया है. यह घनत्व 0·16 मिलीग्राम/घनमीटर बताया गया है, जबकि इससे पूर्व सबसे कम घनत्व वाला ज्ञात पदार्थ ग्रेफाइट एयरोजेल था, जिसका निर्माण जर्मनी के वैज्ञानिकों ने 2012 में किया था. ग्रेफाइट एयरोजेल का घनत्व 0·18 मिलीग्राम प्रति वर्ग सेमी बताया गया था.

उल्लेखनीय है कि एयरोजेल ऐसा पदार्थ है, जिसका निर्माण अर्द्धठोस जेल को सुखाकर और घोलक को हटाकर किया जाता है. यह ठोस नजर आता है जिसके अन्दर बहुत सारे छिद्र होते हैं और उनमें हवा भरी होती है. इस तरह इसकी सघनता बहुत कम रहती है. कार्बन एयरोजेल सम्बन्धी शोध का नेतृत्व करने वाले प्रोफेसर गावो वाओ ने एक वक्तव्य में बताया कि कार्बन एयरोजेल की बनावट कार्बन स्पंज जैसी है. यह पदार्थ इतना हल्का है कि एक लोटे के आकार का एयरोजेल किसी घास पर रखा जाए, तो कम घनत्व की वजह से वह घास भी नहीं झुकेगी. इसमें गजब का लचीलापन है. जब इसे दबाया जाएगा तो यह फिर अपनी स्थिति में आ सकता है. इसके साथ ही यह एक ऐसा पदार्थ है जिसमें तेल अवशोषित करने की सबसे अधिक क्षमता है. तेल अवशोषित करने वाले मौजूदा पदार्थ सामान्य तौर पर अपने वजन का दस गुना तक अवशोषित कर सकते हैं. कार्बन एयरोजेल की क्षमता अपने वजन के 900 गुना तक तेल अवशोषित करने की है. इसके अलावा यह ऊर्जा भण्डारण या ध्वनि रोकने के काम में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है.

कृत्रिम बायो-किडनी के विकास में वैज्ञानिकों की सफलता–मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल के वैज्ञानिकों ने प्रयोगशाला में चूहे की कृत्रिम जैव-किडनी (Bio-kidney) विकसित करने में सफलता प्राप्त की है. इस प्रकार से विकसित किडनी का चूहों में प्रत्यारोपण कर उत्साहवर्द्धक परिणाम हासिल किए गए हैं. प्रयोगशाला में तैयार की गई बायो-किडनी ने असली किडनी की तरह ही कार्य किया है.

इन परीक्षणों की सफलता से मनुष्य के अपने ही ऊतकों (Tissues) से कृत्रिम किडनी विकसित करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है. मानव शरीर के लिए कृत्रिम किडनी विकसित होने से किडनी प्रत्यारोपण के लिए किसी दाता (Donor) की उपलब्धता पर निर्भरता समाप्त हो सकेगी.

विविध
(Miscellaneous)

आगरा के प्रधान डाकघर के सौ वर्ष पूर्ण होने पर स्मारक डाक टिकट–आगरा के प्रधान डाकघर के 100 वर्ष पूर्ण होने पर एक स्मारक डाक टिकट डाक विभाग द्वारा 13 अप्रैल, 2013 को जारी किया गया. लखनऊ जीपीओ के पश्चात् यह डाकघर उत्तर प्रदेश का ऐसा दूसरा डाकघर है जिस पर डाक टिकट जारी किया गया है. आगरा की इमारतों में ताजमहल, आगरा किला व फतेहपुर सीकरी के पश्चात् प्रधान डाकघर ऐसी चौथी इमारत है जिस पर डाक टिकट भारतीय डाक विभाग द्वारा जारी किया गया है.

जोधपुर में आईआईटी परिसर का शिलान्यास–राजस्थान में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) की स्थापना जोधपुर में की जा रही है. इस संस्थान ने अस्थायी परिसर में शैक्षणिक कार्य जुलाई 2008 में ही शुरू कर दिया था. संस्थान के स्थायी परिसर का शिलान्यास केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. एम. मंगापति पल्लम राजू ने 16 अप्रैल, 2013 को किया.

●●●

प्रश्न–दो देशों के बीच सागरिक भागीदारी से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर–

प्रश्न–लोक अदालत क्या है ?

उत्तर–

प्रश्न–कारखाना कृषि क्षेत्र (Factory farm) क्या है ?

उत्तर–

प्रश्न–किरीट (Corona) क्या है ?

उत्तर–

प्रश्न–कोपी (Kopie or Koppie) क्या है ?

उत्तर–

प्रश्न–नए ग्रह कैसे खोजे जाते हैं अर्थात् नए ग्रह खोजने की कुंजी क्या है ?

उत्तर–

प्रश्न–महिलाओं से सम्बन्धित बीजिंग सम्मेलन बताएं.

उत्तर–

प्रश्न–मानव अधिकार घोषणा पत्र में शिशुओं के अधिकार पर अभिसमय में शिशुओं को क्या अधिकार दिए गए हैं ?

उत्तर–

●●●

sscexamonline.blogspot.com

कि लोकप्रियतावाद क्या है ?

☛ लोकप्रियतावाद या लोकोन्मुखता (Populism) का अभिप्राय यह है कि सरकार जनता को प्रसन्न करने की नीति को प्राथमिकता प्रदान करती है. भले ही इसके लिए राष्ट्र के लाभ की दूरगामी नीतियों की अनदेखी करनी पड़े. वह लोकतन्त्र में चुनाव जीतने के लिए जनता का अधिक से अधिक समर्थन प्राप्त करने के लिए जन-लुभावनी अल्पकालीन योजनाओं एवं कार्यक्रमों की घोषणा करती है.

कि ए.बी.सी. आयुध क्या होते हैं ?

☛ ए बी सी. आयुध (ABC—Atomic, Biological and Chemical Weapons) के अन्तर्गत परमाणु, जैविक एवं रासायनिक अस्त्र-शस्त्र आते हैं. ये विज्ञान पर आधारित अत्यधिक घातक हथियार हैं, जिससे मानव जाति का विनाश भी हो सकता है. अनेक प्रकार की असाध्य बीमारियों से व्यक्तियों को जान-माल का खतरा हो सकता है. इन हथियारों का प्रयोग मानवाधिकारों का उल्लंघन है, अतः ऐसे हथियारों पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाने की आवश्यकता है. 1925 में जेनेवा प्रोटोकोल द्वारा जीवाणविक और रासायनिक अस्त्र-शस्त्रों के प्रयोग पर प्रतिबन्ध लगाने का प्रथम प्रयास किया गया था. परमाणु हथियारों पर भी प्रतिबन्ध लगाने के अनेक प्रयास किए गए हैं, लेकिन पूर्ण प्रतिबन्ध के लिए कोई प्रभावी निर्णय नहीं हो सका है.

कि नगरीय बाह्य वृद्धि (Urban outgrowth or Urban expansion) क्या है ?

☛ किसी नगर की बाह्य सीमा का क्रमशः बाहर की ओर होने वाला विस्तार. नगर की सीमा पर क्रमशः भवनों के निर्माण होते रहने से नगर बाहर की ओर फैलता जाता है. नगर के बाहर विस्तार के परिणामस्वरूप उसके उपनगरीय क्षेत्र में स्थित नगरीय एवं अर्द्ध नगरीय बस्तियाँ भौतिक रूप से (निर्मित क्षेत्र द्वारा) उस नगर से संयुक्त हो जाती हैं जिससे नगरीय समूह या नगरीय जन समूह (Urban agglomeration) का निर्माण होता है. बाह्य विस्तार के परिणामस्वरूप कई नगरों के परस्पर जुड़ जाने से सन्नगर (urbation) की उत्पत्ति होती है.

कि नदी विसर्प या नदी मोड़ (River meander) क्या है ?

☛ बाढ़ के मैदान में नदी का टेढ़ा-मेढ़ा या सर्पिल मार्ग समतल मैदानी भाग में नदी क्षैतिज अपरदन, द्वारा विस्तृत बाढ़ के मैदान का निर्माण करती है जहाँ प्रवाह मार्ग का ढाल अत्यन्त ही मन्द होने के कारण (जल की मात्रा कम होने पर) टेढ़े-मेढ़े या सर्पिल मार्ग से प्रवाहित होती है जिसे नदी मोड़ या नदी विसर्प कहते हैं. वर्षा ऋतु में बाढ़ की दशा में नदी पुनः सीधे मार्ग से बहने लगती है.

कि क्या कारण है कि कुछ लोग प्रातः जल्दी उठना पसन्द करते हैं और कुछ काफी विलम्ब से ?

☛ कुछ लोगों को रात में देर तक काम करना पसन्द है, तो कुछ लोग सवेरे जल्दी सोकर उठते हैं. लोगों की आदतों में यह अन्तर क्यों होता है ? कनाडा के टोरन्टो विश्वविद्यालय के न्यूरोलॉजी डिवीजन के वैज्ञानिकों ने एक ऐसे जीन की खोज की है, जो इन सभी क्रियाओं को नियन्त्रित करता है.

शोध दल ने पाया कि न्यूक्लियोटाइड पीरियड-1 लोगों के सोने या जागने के क्रम को निर्धारित करता है. लोगों के सोने-जागने के क्रम के आधार पर संसार में दो प्रकार के जीनोम-क्रम पाये गये हैं—एडेनाइन-ए तथा ग्वुएनाइन-जी. इन दो प्रकार के क्रोमोजोम में 36 प्रतिशत लोग 'ए' श्रेणी वाले 16 प्रतिशत लोग 'जी' श्रेणी वाले तथा 48 प्रतिशत लोगों के भीतर इन दोनों के ही गुण विद्यमान रहते हैं.

इसी शोध में बताया गया है कि सभी शारीरिक क्रियाओं की एक लय होती है अर्थात् मृत्यु की भी एक लय होती है. इस जीन के द्वारा जीवन और मृत्यु की भविष्यवाणी भी काफी हद तक सम्भव हो गई है. औसतन लोगों की मौत सुबह के समय होती है. कई बार यह समय औसतन 11 बजे रहता है.

कि आर्यभट्ट कौन थे ?

☛ आर्यभट्ट गुप्तकाल के सबसे प्रसिद्ध और महान् ज्योतिषविद् और गणित के विशेषज्ञ थे. उन्होंने 'सूर्य सिद्धान्त' की रचना की. सर्वप्रथम आर्यभट्ट ने ही यह सिद्ध किया था कि पृथ्वी अपनी धुरी के चारों ओर घूमती है. उन्होंने उस पौराणिक धारणा का खण्डन किया कि ग्रहण राहु तथा केतु के फलस्वरूप होते हैं. उन्होंने ग्रहण का कारण चन्द्रमा तथा पृथ्वी की छाया बताया. आर्यभट्ट ने ही यह सिद्ध किया कि पृथ्वी गोल है. आर्यभट्ट ने अंकगणित, बीजगणित तथा ज्यामिति में अनेक खोजें कीं. उन्होंने ही शून्य का आविष्कार किया.

कि जल स्तम्भ या घूर्णमेघ स्तम्भ (Water-spout) क्या है ?

☛ सागर के लघु आकार का तीव्र गति से भ्रमणशील कीपाकार-निम्नदाब तंत्र, जिसमें मेघ और जल राशि के मध्य जल का स्तम्भ बन जाता है. यह टारनेडो के सदृश होता है, जो उष्ण एवं उपोष्ण कटिबन्धीय सागरों में प्रायः अधिक उत्पन्न होता है. ऊँचाई पर स्थित भारी कपासी वर्षा मेघ (Cumulonimbus Cloud) से उलटे शंकु की आकृति वाले बादल का एक भाग नीचे की ओर लटका हुआ होता है जो सागर से ऊपर की ओर उठते हुए लघु शंकु (Cone of Spray) से मिल जाता है. इस प्रकार सागर और बादल के मध्य एक जल स्तम्भ बन जाता है जिसका मध्यवर्ती भाग संकरा तथा ऊपरी और निचला भाग अधिक चौड़ा होता है. जल स्तम्भ की ऊँचाई कई सौ मीटर हो सकती है. इसकी अवधि लगभग आधा घण्टा तक होती है. जल स्तम्भ के चारों ओर समीपी भाग में तेज पवनें चक्कर लगाती हैं. इसका शीर्ष भाग आधार भाग की अपेक्षा भिन्न गति से अग्रसर होता है जिसके कारण वह धीरे-धीरे तिरछा हो जाता है (झुकने लगता है) और अन्ततः विच्छिन्न होकर अदृश्य हो जाता है.

कि जलोद्भिद (Hydrophyte) क्या है ?

☛ वह एक प्रकार का पादप (Plant) है, जो पर्याप्त मात्रा में नमी उपलब्ध होने पर ही उगता और बढ़ता है. वह जल में या अति आर्द्र भाग में ही विकसित होता है. इसका तना प्रायः लम्बा और मुलायम होता है. जिसमें लकड़ी के रेशे की कमी पाई जाती है. इसकी जड़ उथली और पत्तियाँ लम्बी और पतली होती हैं. केला इसका उत्कृष्ट उदाहरण है.

कि जैविक अपक्षय (Biological/organic weathering) क्या है ?

☛ वह पौधों या प्राणियों द्वारा होने वाला मूलकरण या अपक्षय है. पौधों द्वारा यांत्रिक तथा रासायनिक दोनों रूपों में अपक्षय होता है. यांत्रिक अपक्षय भूमि में पौधों की जड़ों के प्रवेश तथा उनके फैलने से, शैलों में उत्पन्न तनाव के कारण शैल विघटन के रूप में होता है. पौधों से उत्पन्न जैव एसिड तथा ह्यूमी एसिड द्वारा रासायनिक अपक्षय होता है. पृथ्वी की ऊपरी सतह में मिट्टी में रहने वाले अनेक जीव-जन्तु शैलों को कमजोर करने, उनके विघटन तथा टूटने में सहायक होते हैं. इसी प्रकार भूतल पर रहने वाले पशु एवं जीव जन्तु मिट्टी को खोदकर उसे ढीली और कमजोर बना देते हैं जिससे शैलों का विघटन सुगम हो जाता है. स्वयं मनुष्य भी इस अपक्षय का एक सशक्त कारक है.

●●●

sscexamonline.blogspot.com

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

1. ईश्वरचन्द्र विद्यासागर को 'विद्यासागर' की उपाधि किसने प्रदान की थी ?
   (A) राजा राममोहन राय ने
   (B) रामकृष्ण परमहंस ने
   (C) ब्रिटिश सरकार ने
   (D) रवीन्द्रनाथ टैगोर ने

2. 'रीमान' था–
   (A) इटली का एक शहर
   (B) एक दार्शनिक
   (C) एक गणितज्ञ
   (D) लुई पन्द्रहवीं का भाई

3. जियोकास्मोलॉजी में अध्ययन किया जाता है–
   (A) अन्तरिक्षीय पिण्डों की रासायनिक संरचना का
   (B) ब्रह्माण्ड के निर्माण की प्रक्रिया का
   (C) नीहारिकाओं का
   (D) नए ग्रहों की खोज का

4. 'ब्लिस ब्रिज' निम्नलिखित शहर में स्थित है–
   (A) अहमदाबाद (B) हैदराबाद
   (C) चेन्नई (D) वारंगलिंगाना

5. त्रिभुज के तीनों बहिष्कोणों का योग होता है–
   (A) दो समकोण
   (B) आठ समकोण
   (C) बारह समकोण
   (D) दस समकोण

6. 26 अप्रैल, 1920 को निम्नलिखित महापुरुष ब्रह्मलीन हुए थे–
   (A) स्वामी विवेकानन्द
   (B) रामानुजन
   (C) जगदीश चन्द्र बोस
   (D) दयानन्द सरस्वती

7. रणजीत सीताराम पंडित थे–
   (A) पंडित दीनदयाल उपाध्याय के पिताजी
   (B) विजयालक्ष्मी पंडित के पति
   (C) पंडित मदन मोहन मालवीय के अग्रज
   (D) पंडित गोविन्दवल्लभ पन्त के पिताजी

8. वर्ष 2011-12 में अन्तरिक्ष विभाग में महिलाओं की संख्या कितनी थी ?
   (A) 7273 (B) 792
   (C) 4048 (D) 2945

9. इसरो (ISRO) का पुराना नाम क्या था ?
   (A) बुम्बा
   (B) TERLS
   (C) INCOSPAR
   (D) BARC

10. तेनजिन ग्यात्सो किसका नाम है ?
   (A) हिलेरी के साथ एवरेस्ट पर चढ़ने वाले प्रथम शेरपा पर्वतारोही का
   (B) चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव का
   (C) सिक्किम के अन्तिम राजा का
   (D) दलाई लामा का

11. TOSS का पूर्ण रूप है–
   (A) Transfer Orbit Support Service
   (B) Trajectory of Satellite System
   (C) Tripura Organization of Secondary Schools
   (D) Technique of Shipyard Supervision

12. पंचकन्याओं में सम्मिलित है–
   (A) महालक्ष्मी (B) रति
   (C) कुंती (D) मेनका

13. 'विभावसु' का पर्यायवाची है–
   (A) विटप (B) मार्तंड
   (C) रुद्र (D) मदनारि

14. किसी रेडियोएक्टिव तत्व की अर्द्धआयु है 1650 वर्ष. इसकी औसत आयु होगी–
   (A) 3300 वर्ष (B) 3260 वर्ष
   (C) 495 वर्ष (D) 2376 वर्ष

15. केल्प (Kelps) किसे कहते हैं ?
   (A) सूखी भूरी शैवाल
   (B) कार्बन का नया अपररूप
   (C) सूडान का एक कबीला
   (D) ट्यूनीसिया का प्रमुख बन्दरगाह

16. एक सेकण्ड परिभाषित किया जाता है–
   (A) 1650763-73 क्रिप्टन घड़ी के कंपन के बराबर
   (B) 652189·63 क्रिप्टन घड़ी के कंपन के बराबर
   (C) 1650765·73 सीजियम घड़ी के कंपन के बराबर
   (D) 9192631·77 सीजियम घड़ी के कंपन के बराबर

17. किसी पिण्ड में जड़त्व आघूर्ण उत्पन्न होता है, जब वह–
   (A) वक्र के अनुदिश गति करता है
   (B) रेखीय गति करता है
   (C) घूर्णन गति करता है
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

18. वेक्टर तथा रास्टर डेटा का उपयोग निम्नलिखित में से किससे किया जाता है ?
   (A) ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम में
   (B) रिमोट सेंसिंग सिस्टम में
   (C) जियोग्राफिकल इंफॉर्मेशन सिस्टम में
   (D) उपर्युक्त सभी में

19. निम्नलिखित में से कौनसा पश्चिम घाट के वृष्टिछाया (rain shadow) प्रदेश में आता है ?
   (A) महाबलेश्वर (B) बारामती
   (C) पंचगनी (D) रत्नागिरि

20. निम्नलिखित में से कौनसा प्रवाल द्वीप (Coral island) है ?
   (A) तस्मानिया (B) लक्षद्वीप
   (C) मालदीव (D) रामेश्वरम

21. भारत में अन्तर्राज्यीय परिषदों का गठन निम्नलिखित के आधार पर होता है–
   (A) संवैधानिक प्रावधान
   (B) संसदीय कानून
   (C) योजना आयोग की अनुशंसा
   (D) मुख्यमंत्री सम्मेलन द्वारा स्वीकृत संकल्प

22. निम्नलिखित के द्वारा लाभ का पद परिभाषित हुआ है–
   (A) संविधान
   (B) सर्वोच्च न्यायालय
   (C) संघीय मन्त्रिपरिषद्
   (D) संसद

23. प्रथम लोकसभाध्यक्ष, जिनके विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था–
   (A) बलराम जाखड़
   (B) जी. वी. मावलंकर
   (C) हुकुम सिंह
   (D) के. एस. हेगड़े

sscexamonline.blogspot.com

24. सिंधु सभ्यता के अन्तर्गत महिलाएं लिपस्टिक का प्रयोग–
(A) करती थीं
(B) नहीं करती थीं
(C) लिपस्टिक का आविष्कार नहीं हुआ था
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

25. 'लाख बख्श' किसको कहा जाता है ?
(A) कुतुबुद्दीन ऐबक (B) इल्तुतमिश
(C) अलाउद्दीन (D) फिरोज तुगलक

26. विजयनगर एवं बहमनी राज्यों के बीच संघर्ष का प्रमुख कारण था–
(A) कृष्णा एवं कावेरी का दोआब
(B) गंगा-यमुना का दोआब
(C) कृष्णा एवं तुंगभद्रा का दोआब
(D) कावेरी एवं तुंगभद्रा का दोआब

27. पार्श्व में दिए गए चित्र को पहचानिए–

(A) विद्या बालन
(B) प्रतिभा राव
(C) नन्नू भंडारी
(D) मिताली राज

28. पार्श्व में दिया गया चित्र किसका है?

(A) शी जिनपिंग
(B) झाऊ गांग
(C) चंग बोंग जू
(D) दाखो नाखो रिनछेन

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में सम्मिलित होने के नियम

1. इसमें सभी विद्यार्थी अथवा किसी प्रतियोगिता परीक्षा में सम्मिलित होने वाले प्रत्याशी भाग ले सकेंगे.
2. प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्याशियों को निर्धारित तिथि तक अपने उत्तर भेजना आवश्यक है. प्रतिभागी सामान्य डाक से ही भेजी जाएं तथा लिफाफे पर बाईं ओर 'सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता' अवश्य लिखें.
3. प्रतियोगिता के उत्तर पत्रिका में दिए गए प्रपत्र पर ही मान्य होंगे.
4. प्रश्न के क्रमांक के आगे चार खाने बने हैं. प्रतियोगी जिस उत्तर को ठीक समझे उस कॉलम में केवल गुणा (×) का चिह्न लगाएं. एक प्रश्न का एक से अधिक उत्तर देने पर वह प्रश्न निरस्त कर दिया जाएगा.
5. प्रतियोगी जितने प्रश्न हल करें उनकी संख्या स्वयं अवश्य लिखें.
6. अशुद्ध उत्तर देने पर अंक काटे जाएंगे.
7. सर्वाधिक शुद्ध हल भेजने वाले प्रतियोगी को प्रथम पुरस्कारस्वरूप ₹ 700 दिए जाएंगे. उससे कम शुद्ध हल भेजने वाले प्रतियोगियों को क्रमशः द्वितीय व तृतीय पुरस्कार दिया जाएगा, जो क्रमशः ₹ 500 व ₹ 300 का होगा. यदि किसी पुरस्कार को प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों की संख्या एक से अधिक होगी, तो पुरस्कार राशि उनमें समान रूप से विभक्त कर दी जाएगी.
8. पुरस्कार के विषय में सम्पादक का निर्णय सर्वमान्य होगा. किसी भी दशा में वह न्यायालय का विषय नहीं होगा.

प्रतियोगिता प्रवेश प्रारूप

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक–156 का हल भेजने की अन्तिम तिथि 10 जून, 2013

नाम श्री/कु./श्रीमती _____

पूरा पता _____

_____

_____

राज्य ..... पिन कोड नं. ☐☐☐☐☐☐

_____

आयु ..... शैक्षणिक योग्यता .....

प्रतियोगिता परीक्षा जिसकी तैयारी कर रहे/रही हैं _____

_____

मैंने प्रतियोगिता दर्पण द्वारा आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के नियमों का अध्ययन कर लिया है और मैं उनसे सहमत हूं।

.....
(हस्ताक्षर)

परिणाम

कुल हल किए प्रश्नों की संख्या _____

शुद्ध हल प्रश्नों की संख्या _____

अशुद्ध हल प्रश्नों की संख्या _____

अर्जित अंक _____

उत्तर-पत्र

प्रश्न संख्या	A	B	C	D	प्रश्न संख्या	A	B	C	D
1.	☐	☐	☐	☐	15.	☐	☐	☐	☐
2.	☐	☐	☐	☐	16.	☐	☐	☐	☐
3.	☐	☐	☐	☐	17.	☐	☐	☐	☐
4.	☐	☐	☐	☐	18.	☐	☐	☐	☐
5.	☐	☐	☐	☐	19.	☐	☐	☐	☐
6.	☐	☐	☐	☐	20.	☐	☐	☐	☐
7.	☐	☐	☐	☐	21.	☐	☐	☐	☐
8.	☐	☐	☐	☐	22.	☐	☐	☐	☐
9.	☐	☐	☐	☐	23.	☐	☐	☐	☐
10.	☐	☐	☐	☐	24.	☐	☐	☐	☐
11.	☐	☐	☐	☐	25.	☐	☐	☐	☐
12.	☐	☐	☐	☐	26.	☐	☐	☐	☐
13.	☐	☐	☐	☐	27.	☐	☐	☐	☐
14.	☐	☐	☐	☐	28.	☐	☐	☐	☐

sscexamonline.blogspot.com

sscexamonline.blogspot.com

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक–407 का परिणाम

विषय : अध्यात्म : विज्ञान को चुनौती

प्रथम पी. एन. गोपाल
E-4, तीसरा तल
गांधी विहार,
नई दिल्ली
पिन–110 009

द्वितीय रश्मि जोशी
झाँसी (उ. प्र.)
पिन–284 002

तृतीय श्रीमती विनीता कुमारी
हजारी बाग (झारखण्ड)
पिन–825 301

अन्य प्रशंसनीय प्रयास

1. विजय कुमार, एडवोकेट
ग्राम-इटावा, जिला- मु. नगर (उ. प्र.)
पिन–251 309
2. सुनील कुमार आचार्य
पंचवीर चौक,
जालन्धर (पंजाब)
पिन–144 001
3. प्रमोद कुमार यादव
जौलजीवी,
पिथौरागढ़ (उत्तराखण्ड)
पिन–262544
4. संगीता वासुदेव वसवी
ग्राम–काठीपुर, नन्दुरबार
(महाराष्ट्र) पिन–425 413
5. देवराज सिंह सिसौदिया
शीतल नगर, विजय नगर
इन्दौर (म. प्र.)
6. आशीष कुमार करनवाल
गौरी बाजार, देवरिया (उ. प्र.)
पिन–274 202
7. सत्येन्द्र कुमार शर्मा
ग्रा. केशगवां, पो. सोनहत,
जि. कोरिया (छत्तीसगढ़)
पिन–497 339
8. आराधना उपाध्याय,
पो. रामलपुरा, जि.- गाजीपुर
(उ. प्र.) पिन–233 227
9. तृप्ति ठाकुर,
गौतम मंडिया, गढ़ा,
जबलपुर (म. प्र.)
पिन–482 003
10. अनामिका त्रिपाठी
बालकराम कॉलोनी,
फैजाबाद (उ. प्र.)

प्रथम

द्वितीय

तृतीय

➡ उपर्युक्त प्रशंसित निबन्ध प्रतियोगियों में से प्रत्येक को उपकार प्रकाशन की 200 रुपए मूल्य तक की वांछित पुस्तक/पुस्तकें बैटरवरूप प्रदान की जाएंगी. कृपया अपनी पसंद की पुस्तक अलग से प्रकाशक के नाम पत्र द्वारा सूचित करें. यदि 200 रुपए से अधिक मूल्य की पुस्तक की मांग की गई, तो उसके मूल्य में से 200 रुपए पुरस्कारस्वरूप कम कर दिए जाएंगे.

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक–155 का सर्वशुद्ध हल एवं पुरस्कार विजेता

प्रतियोगिता के नियमानुसार प्रवेश प्रारूप-पत्र पर प्राप्त हलों के परीक्षण के उपरान्त निम्नलिखित प्रतियोगी पुरस्कार प्राप्त करने में सफल हुए हैं. 'प्रतियोगिता दर्पण' उनकी सफलता पर शुभकामनाएं प्रेषित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है तथा उनकी खोजपूर्ण प्रवृत्ति के प्रति आभार व्यक्त करती है.

पुरस्कृत विजेता

प्रथम पुरस्कार (1) राजकुमार साहू
90, सुन्दर नगर, महादेव घाट रोड,
रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन–492 013

(2) भारती शर्मा
सोलन (हिमाचल प्रदेश) पिन–173 211

(3) विमल कुमार कोली
मेन मार्केट, अलवगढ़ रोड, कठूमर
अलवर (राजस्थान) पिन–321 605

नोट–प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार की राशि को जोड़कर तीन प्रथम स्थान प्रतियोगियों में बराबर-बराबर बाँट दिया गया है

सर्वशुद्ध हल

उपकार
परीक्षा तिथि : 2-6-2013
उत्तर प्रदेश
आई.टी.आई.
व्यावसायिक
प्रवेश परीक्षा
(पूर्णतः पाठ्यक्रमानुसार)

कोर्स ग्रुप 'ए'

कोड 39 ₹ 185/-

कोर्स ग्रुप 'बी'

कोड 2224 ₹ 235/-

उपकार प्रकाशन, आगरा–2
• E-mail : care@upkar.in
• Website : www.upkar.in

प्रथम पुरस्कृत निबन्ध

अध्यात्म : विज्ञान को चुनौती

✍ बी. एन. गोपाल

विश्व के इतिहास में ऐसे क्षण दुर्लभ होते हैं, जब कोई व्यक्ति अपनी समस्त सम्पदा, वैभव और ऐश्वर्य को क्षणभर में त्याग देता है और उस अविनाशी, सनातन एवं आनंदमयी सत्य की खोज में अंतहीन यात्रा पर निकल पड़ता है जिस 'सत्य' को विज्ञान के किसी तर्क पर कसा नहीं जा सकता है, तब सहसा यकीन नहीं हो पाता है कि विज्ञान की खोजों के बाद उपलब्ध ऐश्वर्य को सत्य की खोज की अंतःप्रेरणा उसे किस प्रकार तुच्छ बना देती है. अध्यात्म इसी सत्य की अंतःस्थली है जिसके गर्भगृह में चमत्कारों और रहस्यों के अणु अहर्निश नर्तन करते रहते हैं. बुद्ध का महाभिनिष्क्रमण मनुष्य के इतिहास में एक अतुलनीय घटना है, लेकिन यह सिर्फ इसलिए अतुलनीय नहीं है कि बुद्ध ने सब कुछ त्याग दिया, बल्कि वह इसलिए एक विरल घटना है, क्योंकि इसी के बाद सिद्धार्थ का रूपांतरण बुद्ध के रूप में हुआ और फिर बुद्ध की करुणा ने समाज को नई दिशा दिखाई. विज्ञान के किसी भी आविष्कार और युक्ति के द्वारा बुद्ध की करुणा नहीं पाई जा सकती है. हमें इस करुणा और बुद्धत्व के लिए अध्यात्म के पथ का पथिक बनना ही होगा. महावीर की नग्नता उनका सौंदर्य बन जाती है, जब वे जितेन्द्रिय हो 'जिन' बन जाते हैं. जितेन्द्रिय अर्थात् जिसने अपनी समस्त इंद्रियों को वश में कर लिया हो. ऐसा बिलकुल पहली दफा हुआ जब नग्नता भी सौंदर्य में बदल गई. यहीं पर एक छोटी मगर असाधारण घटना है नग्न होने की, लेकिन अध्यात्म ने उसमें सौंदर्य भर दिया.

अध्यात्म का एक सीधा-सा अर्थ यह लगाया जाता है कि वह क्षेत्र जहाँ ध्यान, योग, प्राणायाम इत्यादि पुरातन और सनातन तकनीक के द्वारा मन के पार जाकर अनंत शांति, आनंद और अहोभाव को पा सके. उल्लेखनीय है कि प्राचीनकाल से ही न केवल इस देश के वरन् अनेक देशों के साधु-महात्माओं और साधकों द्वारा शांति, आनंद और स्थिरता की प्राप्ति हुई है. इसी शांति और आनंद की भाव दशा में डायोनिसस ने अपने विश्व प्रसिद्ध शिष्य सिकंदर से कहा था—''सिकंदर केवल धूप को आने दो और मुझे कुछ नहीं चाहिए.'' वह उत्तर उस प्रश्न के परिप्रेक्ष्य में था जो सिकंदर अपने आनंदमग्न गुरु से पूछता है—''मैं आपके लिए, विश्व विजेता बनने के बाद, क्या लाऊँ ?'' आश्चर्य नहीं कि उसके गुरु ने उससे कुछ भी नहीं माँगा. डायोनिसस ने तो अपना सब कुछ त्याग दिया था. यहाँ तक कि वह उस वक्त भी नग्न था जब सिकंदर से वह बात कर रहा था. यहीं प्रश्नोदय होना स्वाभाविक ही है कि आखिर डायोनिसस ने ऐसी कौन-सी सम्पदा पा ली थी कि उसे विश्व का समस्त वैभव फीका जान पड़ता था. क्या यह विज्ञान के लिए एक चुनौती नहीं है कि वह इस ज्वलंत प्रश्न को अपने तर्कों के द्वारा सुलझा ले ? आखिर जीसस क्राइस्ट के अंतःकरण में ऐसी कौनसी करुणा विद्यमान थी जिसके बूते पर उन्होंने अपने को सूली पर चढ़ाने वालों के संदर्भ में कहा था कि—''हे ईश्वर ! इन्हें माफ कर देना, क्योंकि ये नहीं जानते कि ये क्या कर रहे हैं.'' न ही कोई बदले की भावना और न ही कोई अन्य विकार और जीसस शांति से उस क्रॉस पर लटके रहे. यहाँ पुनः विज्ञान के समक्ष एक चुनौती आती है कि क्या वह भविष्य में किसी उन्नत तकनीक के द्वारा मनुष्य के अंदर ऐसी करुणा और विकार हीनता विकसित कर पाएगा. अगर ऐसा हुआ तो विश्व की बड़ी-से-बड़ी समस्याओं, मसलन-आतंकवाद, पर्यावरण प्रदूषण, अमीर वर्ग द्वारा गरीब वर्गों का शोषण इत्यादि का समाधान होते देर नहीं लगेगी.

वस्तुतः अध्यात्म विज्ञान के समक्ष एक विकसित और उन्नत मानवता की संकल्पना रखता है जहाँ विज्ञान को पहुँचना है. विज्ञान के क्षेत्र में डीएनए प्रोग्रामिंग पर चल रहे शोध एक विकसित और सुलझे मनुष्य के भविष्य की ही तो आहट है. यहाँ पर उस महाप्रयोग की चर्चा भी अपेक्षित है, जो इस ब्रह्मांड की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए हुआ है. इस महाप्रयोग में एक ऐसे कण का पता लगा जो सभी पिंडों में भार पैदा करने के लिए उत्तरदायी था. सभी पिंडों में भार देने के बाद वैज्ञानिक कहते हैं कि वह कण विलीन हो गया. उस कण का नामकरण 'गॉड पार्टिकल' हुआ अर्थात् ईश्वरीय कण या ईश्वर का कण. प्रसिद्ध खगोलज्ञ स्टीफेन हॉकिंग कहते हैं कि ''यह ब्रह्मांड लगातार फैल रहा है, क्योंकि आकाशगंगाओं का फैलना जारी है और इस ब्रह्मांड में एक नहीं अनेक आकाशगंगाएं हैं और इसका शायद कोई अंत नहीं है. कोई अंत नहीं अर्थात् जो अनंत है.'' हाल में हुई नई खोजों के मद्देनजर खगोलीय वैज्ञानिक इस ब्रह्मांड में अनेक सौरमंडल होने की सम्भावना जता रहे हैं. अनेक सौरमंडल यानि कि एक नहीं अनेक सूर्य और तब अनंत सूर्य से निकलने वाली प्रचंड रश्मियाँ. यहाँ पर अगर हम अध्यात्म के उस सिद्धांत की ओर ध्यान आकृष्ट करें जिसमें कहा गया है कि गहन ध्यान की अवस्था में एक ऐसा क्षण आता है जब हमारे अंदर करोड़ों सूर्यों का प्रकाश हो उठता है. इस दिव्य ज्योति या ब्रह्म प्रकाश के संदर्भ में वेद, उपनिषद् से लेकर कबीर, नानक आदि अनेक संतों ने अपने उपदेशों में वर्णन किया है. इसका तो यही अर्थ हुआ कि विज्ञान भी कहीं-न-कहीं ईश्वर की उस अवधारणा को मानने लगा है जिसे अध्यात्म में परम तत्व, आदि-अंतरहित, असीम और सर्वव्यापक कहा गया है. इसी अनंत से (अर्थात् ईश्वर से), सत्य और अहिंसा की अद्भुत तकनीक को अंग्रेजों के खिलाफ इस्तेमाल करके इस देश को दासता के बंधन से मुक्त कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गांधी को प्रेरणा और ऊर्जा मिलती थी और वे अपनी अनसुलझी समस्याओं के समाधान के लिए श्रीमद्-भगवतगीता की शरण लेते थे.

श्रीमद्भगवतगीता एक आध्यात्मिक ग्रंथ है न कि विज्ञान या वैज्ञानिक आविष्कारों की किताब, लेकिन एक अर्थ में वह विज्ञान भी है — मन का विज्ञान. चंचल और भावुक चित्त वाले अर्जुन के मन को साहस से भरकर दृढ़ता प्रदान करने वाले कृष्ण की अप्रतिम प्रज्ञा से निकला एक अनोखा ज्ञान जिसमें जीवन के सभी आयामों की विशद् चर्चा मिलती है. कृष्ण के बहुआयामी व्यक्तित्व जिसमें वे कभी गोपियों के संग रासलीला रचाते हुए प्रेम के अनोखे भाष्य को जन्म दे रहे होते हैं, तो कभी तेज और चतुर राजनीतिज्ञ की भूमिका में अपने को रखते हुए धर्म की रक्षा के लिए युद्ध की अनिवार्यता पर बल देते हैं और जग प्रसिद्ध महाभारत युद्ध में शस्त्र न उठाने की प्रतिज्ञा से बँधे होने के बावजूद अर्जुन की रक्षा करते हुए सारथी की भूमिका का निर्वाह करते हुए, आध्यात्मिक जगत् के सर्वाधिक चमकीले मार्गदर्शक सितारे की भांति अभिहित होते हैं. क्या कृष्ण वास्तव में भगवान थे या उनके अंदर कुछ अलौकिक शक्तियाँ विद्यमान थीं, जो उन्हें औरों से अलग करती थीं ? इसके उत्तर अध्यात्म की दुनिया में तो मिल जाएंगे, लेकिन विज्ञान की पहुँच अभी तक उस स्तर तक नहीं हुई है कि वह कृष्ण सरीखे व्यक्तित्व का तार्किक मूल्यांकन कर सके. यह विज्ञान की आत्मा के विस्तार को चुनौती है.

sscexamonline.blogspot.com

वीरेश्वर नाम का एक बालक जो बाद में नरेन्द्र कहलाया और कालांतर में सम्पूर्ण विश्व जिसकी अतिविशिष्ट मेधाशक्ति से चमत्कृत हो गया, स्वामी विवेकानंद एक ऐसे योगी और ध्यानी थे, जो एक दृष्टि में किसी भी पुस्तकीय पृष्ठ को पूरा पढ़ लेते थे. उनकी एकाग्रता असाधारण स्तर तक विकसित हो चुकी थी. यद्यपि उन्होंने अपनी इस एकाग्रता को कभी विज्ञापित नहीं किया और न ही कोई जादूगरी दिखाई, लेकिन इनकी मेधाशक्ति, जिसे उन्होंने आध्यात्मिक ध्यान के सतत गहन अभ्यास के बल पर पाई थी, विज्ञान के समक्ष एक प्रश्न जरूर बन जाती है कि केवल स्वामी विवेकानंद में ही इस प्रकार की विलक्षण मेधाशक्ति क्यों थी और उनके समकालीन व्यक्तियों में इस प्रकार की विशिष्टता क्यों नहीं दृष्टिगोचर हुई.

जापान के जैन साधक अपनी विशिष्ट आध्यात्मिक प्रक्रिया के बल पर शरीर, मन और आत्मा में तारतम्य बिठाते हुए एक संगीतमय आनंदपूर्ण जीवन को पाते हैं. ध्यातव्य है कि जैन, जो भारत में जन्मे बौद्ध धर्म से सम्बन्धित हैं, ध्यान की ही एक प्रक्रिया है जिसमें मन की एकाग्रता को प्राप्त करने का अभ्यास किया जाता है. एक जैन कथा उल्लेखनीय है जिसमें एक जैन गुरु, जो आम के वृक्ष के नीचे खड़े थे, ने अपने शिष्य को पत्थर दिखाते हुए कहा कि– "इससे या तो तुम अपना सिर फोड़ सकते हो या फिर इससे एक आम तोड़ सकते हो." शिष्य ने कहा– "मास्टरजी ! यह पत्थर तो हमारे मन जैसा ही है. या तो इसकी सकारात्मक अभिव्यक्ति है या फिर नकारात्मक. यानि कि मैं मन का दो भिन्न तरीके से इस्तेमाल कर सकता हूँ." वह ज्ञानी गुरु हँसे और उन्होंने उस पत्थर को गिरा दिया और कहा– "मन को वैसे ही गिरा दो जैसे मैंने इस पत्थर को गिरा दिया है." बेहद सरलता तथ्य से उन जैन गुरु ने अपने शिष्य को परिचित करवाया कि जब मन ही नहीं रहा, तो मन के द्वारा होने वाले उपद्रव भी नहीं होंगे. फिर वह विश्व कैसा होगा, इसकी कल्पना से ही सुख और उल्लास का भाव अंतर्मन में उठता है. विज्ञान कहता है कि हमारे पास चेतन और अवचेतन मन की व्याख्या है, लेकिन इस मन के पार चले जाने की अवस्था प्राप्त करने के लिए विज्ञान के पास कोई व्यवस्था नहीं है, जबकि अध्यात्म ने, यहाँ तक कि जब उपनिषद् की रचना की जा रही थी, मन के अतिक्रमण की पूरी-की-पूरी विधि का आविष्कार कर लिया था.

दरअसल आधुनिक विज्ञान ने अभी इतने विकसित सिद्धांत प्रतिपादित नहीं किए [illegible] वह अध्यात्म के अनेक रहस्यों की सटीक व्याख्या कर सके, परन्तु इसका यह भी अर्थ नहीं है कि विज्ञान ने अपनी खोज बंद कर दी है या इन रहस्यों की व्याख्या से मुँह मोड़ लिया है. विज्ञान की यात्रा में हमें ऐसे अनेक पड़ाव देखने को मिलते हैं जहाँ मानव मन की प्रकृति में घटित होने वाली घटनाओं की महत्वपूर्ण व्याख्या मिलती है. उदाहरणस्वरूप–अध्यात्म के क्षेत्र में प्रसिद्ध तीसरा नेत्र या शिव नेत्र अथवा आज्ञा चक्र को विज्ञान पिट्यूटरी ग्रंथि कहता है, जो सभी ग्रंथियों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण होती है. इसे नियामक ग्रंथि भी कह सकते हैं, जो हमारे शरीर और मस्तिष्क के महत्वपूर्ण कार्यों को और भावावेशों को नियंत्रित करता है. आश्चर्य नहीं कि अध्यात्म की धारा के अनेक योगी इतनी उन्नत अवस्था प्राप्त कर लेते हैं कि उनकी सिद्धियाँ समझ से परे अलौकिक और रहस्यमय लगने लगती हैं. लेकिन वे अपनी इन सिद्धियों के अगर सच्चे साधक हैं, तो कभी सार्वजनिक प्रदर्शन नहीं करते. फिर भी जब हम उस परम्परा की ओर देखते हैं जिसमें तथाकथित बाबाओं, बापुओं और स्वयंभू धर्माचार्यों ने धर्म और ईश्वर का भय दिखाकर जनता को लूटने का व्यवसाय अपना रखा है और वे कुछ जादू-तिकड़म दिखाकर स्वयं को अद्भुत, अलौकिक होने का प्रमाण देते हैं, तब ऐसा लगता है कि इन छद्म समूहों और झूठे धार्मिक अनुष्ठानों से केवल विज्ञान ही मुक्ति दिला सकता है. आखिर एक लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी देश में जनता की भावनाओं और आस्थाओं का दोहन कर अपना धार्मिक-आर्थिक साम्राज्य खड़ा करना अक्षम्य अपराध है.

विज्ञान की खूबसूरती और वैज्ञानिक की दिलचस्पी बेबूझ पहेली को सुलझाने में ही निहित है. अगर हम आज चाँद पर पहुँच गए हैं और मंगल ग्रह पर मानव बस्तियाँ बसाने की सम्भावनाओं को तलाश रहे हैं एवं अनेक महामारियों पर काबू पाकर मानव जीवन सुरक्षित होता जा रहा है, तो इसके पीछे कोई अध्यात्म नहीं वरन् विज्ञान की अपनी खोज है. जैसे-जैसे वैज्ञानिक नित नए अनुसंधान कर विज्ञान को नई ऊँचाइयों पर लेकर जाएंगे, वैसे-वैसे इस सम्भावना के भी पंख लगेंगे कि कभी अध्यात्म और विज्ञान साथ-साथ एक स्वर में मानवता के लिए विस्मयकारी राहें प्रशस्त करता जाएगा. भारत की आत्मा पर चक्कर लगाते सकारात्मक विचारों के अणु अपने शक्तिशाली स्वरूप में अध्यात्म और विज्ञान का एक अनोखा समन्वय होगा. तब अनेक अनसुलझे प्रश्न अपनी सत्ता खोकर अपने रहस्य प्रकट कर चुके होंगे.

●●●

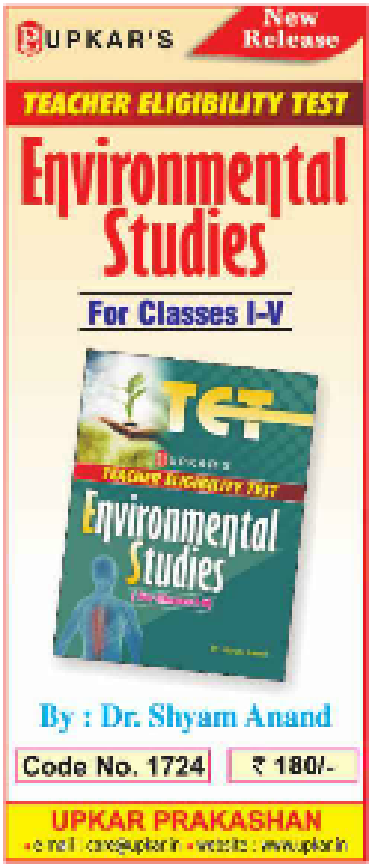

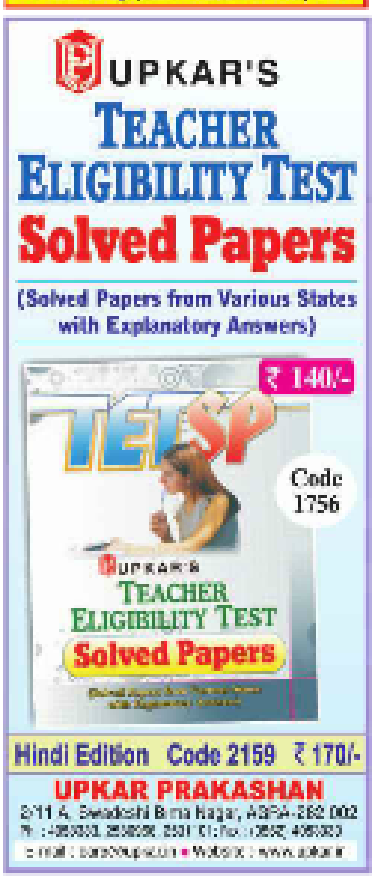

sscexamonline.blogspot.com

भारत की जनसंख्या 2011 की जनगणना के फाइनल आँकड़े

✍ डॉ. रविकान्त

भारत की वर्ष 2011 की जनगणना के फाइनल आँकड़े केन्द्रीय गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे ने 30 अप्रैल, 2013 को जारी किए. देश की यह 15वीं जनगणना फरवरी 2011 में सम्पन्न कराई गई थी तथा इसके अनंतिम (Provisional) आँकड़े 31 मार्च, 2011 को जारी किए गए थे. अनंतिम आँकड़ों में देश की कुल जनसंख्या (1 मार्च, 2011 को) 1,21,01,93,422 (121·02 करोड़) आकलित की गई थी, जबकि फाइनल आँकड़ों में यह 1,21,07,26,932 (121·07 करोड़) बताई गई है. इस प्रकार वास्तविक आँकड़े अनंतिम आँकड़ों के काफी निकट ही रहे हैं.

फाइनल आँकड़ों के अनुसार 2001–11 के दशक में देश में कुल जनसंख्या में 18·196 करोड़ (17·7 प्रतिशत) की वृद्धि हुई. इससे पूर्व 1991–2001 के दशक में जनसंख्या में वृद्धि 21·54 प्रतिशत रही थी. पुरुषों की संख्या में 2001–2011 के दशक में निरपेक्ष वृद्धि जहाँ 9·097 करोड़ की हुई, महिला संख्या में वृद्धि 9·099 करोड़ की हुई. इस प्रकार महिला संख्या में वृद्धि पुरुषों की तुलना में मामूली अधिक रही. राज्यों की जनसंख्या में सर्वाधिक 25·4 प्रतिशत की वृद्धि बिहार में दर्ज की गई.

विभिन्न दशकों में भारत में जनसंख्या वृद्धि

दशक	जनसंख्या में वृद्धि (प्रतिशत)
1901–1911	5·75
1911–1921	–0·31
1921–1931	11·00
1931–1941	14·22
1941–1951	13·31
1951–1961	21·64
1961–1971	24·80
1971–1981	24·66
1981–1991	23·87
1991–2001	21·54
2001–2011	17·7

जनसंख्या (1901–2011)

जनगणना वर्ष	जनसंख्या	दशकीय वृद्धि	
		परिशुद्ध	प्रतिशत
1	2	3	4
1901	23,83,96,327	—	—
1911	25,20,93,390	1,36,97,063	5·75
1921	25,13,21,213	– 7,72,177	– 0·31
1931	27,89,77,238	2,76,56,025	11·00
1941	31,86,60,580	3,96,83,342	14·22
1951	36,10,88,090	4,24,27,510	13·31
1961	43,92,34,771	7,81,46,681	21·64
1971	54,81,59,652	10,89,24,881	24·80
1981	68,33,29,097	13,51,69,445	24·66
1991	84,64,21,039	16,30,91,942	23·87
2001	1,02,87,37,436	18,23,16,397	21·54
2011	1,21,07,26,932	18,19,89,496	17·7

शहरी-ग्रामीण जनसंख्या

2011 की जनगणना के अनुसार 2011 में देश की कुल जनसंख्या में 31·2 प्रतिशत जनसंख्या शहरी क्षेत्रों में व शेष 68·8 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में थी. निरपेक्ष रूप में, शहरी व ग्रामीण जनसंख्या क्रमशः 37·71 करोड़ व 83·35 करोड़ थी. कुल जनसंख्या में शहरी जनसंख्या का सर्वाधिक प्रतिशत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में (97·5 प्रतिशत) पाया गया. राज्यों में इस मामले में पहला स्थान गोवा में रहा, जहाँ 62·2 प्रतिशत जनसंख्या शहरी थी. इस मामले में आगे के स्थान क्रमशः मिजोरम (52·1 प्रतिशत), तमिलनाडु (48·4 प्रतिशत), केरल (47·7 प्रतिशत) व महाराष्ट्र (45·2 प्रतिशत) के रहे.

ग्रामीण तथा शहरी जनसंख्या

जनगणना वर्ष	जनसंख्या (मिलियन में)		कुल जनसंख्या का प्रतिशत	
	ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी
1901	213	26	89·2	10·8
1911	226	26	89·7	10·3
1921	223	28	88·8	11·2
1931	246	33	88	12
1941	275	44	86·1	13·9
1951	299	62	82·7	17·3
1961	360	79	82	18
1971	439	109	80·1	19·9
1981	524	159	76·7	23·3
1991	629	218	74·3	25·7
2001	743	286	72·2	27·8
2011	833	377	68·8	31·2

साक्षरता

साक्षरता के मामले में 5 प्रतिशत से अधिक बिन्दु का सुधार 2001–2011 के दशक में हुआ है. 2001 में देश में साक्षरता की दर 68·84 प्रतिशत थी जो 2011 के अनंतिम आँकड़ों में 74·04 प्रतिशत (पुरुषों में 82·16 प्रतिशत व महिलाओं में 65·46 प्रतिशत) आकलित की गई थी. ताजा फाइनल आँकड़ों के अनुसार 2011 में देश में साक्षरता दर 73 प्रतिशत रही. पुरुषों में

2011 में सर्वोच्च साक्षरता वाले 5 राज्य/केन्द्रशासित क्षेत्र

राज्य/केन्द्रशासित क्षेत्र	साक्षरता प्रतिशत
केरल	94·0
लक्षद्वीप	91·8
मिजोरम	91·3
गोवा	88·7
त्रिपुरा	87·2

न्यूनतम साक्षरता वाले 5 राज्य/केन्द्रशासित क्षेत्र

राज्य/केन्द्रशासित क्षेत्र	साक्षरता दर प्रतिशत
बिहार	61·8
अरुणाचल प्रदेश	65·4
राजस्थान	66·1
झारखण्ड	66·4
आन्ध्र प्रदेश	67·0

sscexamonline.blogspot.com

साक्षरता 80·9 प्रतिशत व महिलाओं में यह 64·6 प्रतिशत पाई गई. ताजा आँकड़ों के अनुसार 2001–11 के दशक में साक्षरता दर में सर्वाधिक 18·6 प्रतिशत बिन्दु की वृद्धि दादरा एवं नगर हवेली में दर्ज की गई जहाँ यह 57·6 प्रतिशत से बढ़कर 76·2 प्रतिशत हो गई. इसके पश्चात् बिहार में 14·8 प्रतिशत (47·0 प्रतिशत से बढ़कर 61·8 प्रतिशत) व त्रिपुरा में 14·0 प्रतिशत (73·2 प्रतिशत से बढ़कर 87·2 प्रतिशत) बिन्दु की वृद्धि साक्षरता दर में हुई.

भारत में साक्षरता (1951–2011)

जनगणना वर्ष	साक्षरता (प्रतिशत में)		
	समस्त जनसंख्या में	पुरुषों में	महिलाओं में
1951	18·33	27·16	8·86
1961	28·3	40·40	15·35
1971	34·45	45·96	21·97
1981	43·57	56·38	29·76
1991	52·21	64·13	39·29
2001	64·84	75·26	53·67
2011	73·0	80·9	64·6

नोट—1951, 1961 व 1971 की जनगणना में साक्षर व्यक्तियों की गणना 5 वर्ष व उससे अधिक उम्र के लोगों में की गई थी, जबकि 1981 व उसके पश्चात् यह 7 वर्ष व उससे अधिक उम्र की जनसंख्या में की गई है.

जनसंख्या घनत्व

2011 की जनगणना के फाइनल आँकड़ों के अनुसार 1 मार्च, 2011 को देश में जनसंख्या घनत्व (प्रति एक वर्ग किमी क्षेत्र में रहने वाले लोगों की संख्या) 382 थी. इससे पूर्व अनंतिम आँकड़ों में भी 2011 में घनत्व 382 ही आकलित किया गया था. 2001 में देश में जनसंख्या घनत्व 325 था. 2011 में देश में सर्वाधिक जनघनत्व वाला राज्य बिहार था जहाँ यह घनत्व 1106 दर्ज किया गया. इससे पूर्व 2001 में सर्वाधिक जनघनत्व वाला प्रदेश प. बंगाल था. सभी राज्यों व केन्द्रशासित क्षेत्रों में मिलाकर सर्वाधिक जनघनत्व दिल्ली में 11320 व दूसरे स्थान पर चंडीगढ़ में 9258 पाया गया. जनसंख्या का न्यूनतम घनत्व अरुणाचल प्रदेश में (17) दर्ज किया गया है. 2001 में भी इन तीनों राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्रों की यही स्थिति थी.

लिंगानुपात

लिंगानुपात (Sex Ratio) से तात्पर्य प्रति हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या से है. 2001 में देश में लिंगानुपात प्रति 1000 पुरुषों पर 933 महिलाओं का था. 2011 की जनगणना के फाइनल आँकड़ों में यह अनुपात 943 महिलाएं प्रति हजार पुरुष पाया गया है. लिंगानुपात के मामले में शीर्ष स्थान केरल का व सबसे निचला स्थान हरियाणा का बरकरार है. 2011 में केरल में प्रति हजार पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या जहाँ 1084 थी, वहीं हरियाणा में यह 879 दर्ज की गई है. उत्तर प्रदेश में यह 912 व बिहार में 918 पाई गई है. 0–6 वर्ष आयु वर्ग में लिंगानुपात 2001 में 927 था, जो घटकर 2011 में 919 रह गया है.

लिंगानुपात की दृष्टि से शीर्ष 5 राज्य

राज्य	प्रति हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या
केरल	1084
तमिलनाडु	996
आन्ध्र प्रदेश	993
छत्तीसगढ़	991
ओडिशा	979

कुल जनसंख्या में 0–6 वर्ष तक के आयु वर्ग की जनसंख्या 16·38 करोड़ 2001 में थी जो कि 2011 में 16·45 करोड़ रही है.

भारत में लिंगानुपात (1901–2011)

जनगणना वर्ष	लिंगानुपात (प्रति हजार पुरुषों पर महिलाएं)
1901	972
1911	964
1921	955
1931	950
1941	945
1951	946
1961	941
1971	930
1981	934
1991	926
2001	933
2011	943

अनु. जाति व जनजाति की जनसंख्या

2011 में देश में 121·07 करोड़ की कुल जनसंख्या में अनुसूचित जाति की जनसंख्या 20·14 करोड़ व अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या 10·43 करोड़ थी. इससे पूर्व 2001 में इन वर्गों की यह जनसंख्या क्रमशः 16·66 करोड़ व 8·43 करोड़ थी.

●●●

जनगणना 2011 : प्रमुख आँकड़े एक दृष्टि में

कुल जनसंख्या	1,21,07,26,932 (121·07 करोड़)
दशक में जनसंख्या वृद्धि	
निरपेक्ष वृद्धि	18·20 करोड़ (17·7 प्रतिशत)
पुरुष संख्या में वृद्धि	9·097 करोड़
महिलाओं की संख्या में वृद्धि	9·099 करोड़
जनसंख्या का शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में वितरण	
शहरी जनसंख्या	37·7 करोड़ (कुल जनसंख्या का 31·2 प्रतिशत)
ग्रामीण जनसंख्या	83·3 करोड़ (कुल जनसंख्या का 68·8 प्रतिशत)
लिंगानुपात (Sex Ratio) (प्रति हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या)	943
सर्वाधिक लिंगानुपात वाला राज्य	केरल (प्रति हजार पुरुषों पर 1084 महिलाएं)
न्यूनतम लिंगानुपात वाला राज्य	हरियाणा (प्रति हजार पुरुषों पर 879 महिलाएं)
जनसंख्या घनत्व (Density of Population) (प्रति वर्ग किमी लोगों की संख्या)	382
सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व	दिल्ली में 1132 प्रति वर्ग किमी
सबसे कम जनसंख्या घनत्व	अरुणाचल प्रदेश में 17 प्रति हजार
0–6 आयु वर्ग की जनसंख्या	16·45 करोड़ (कुल जनसंख्या का 13·58 प्रतिशत)
साक्षरता	73·0 प्रतिशत
पुरुषों में साक्षरता	80·9 प्रतिशत
महिला साक्षरता	64·6 प्रतिशत
सर्वाधिक साक्षरता वाला राज्य	केरल (94·0 प्रतिशत)
न्यूनतम साक्षरता वाला राज्य	बिहार (61·8 प्रतिशत)
सर्वाधिक जनसंख्या वाले राज्य (जनसंख्या घटते क्रम में)	उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार
सबसे कम जनसंख्या वाला राज्य	सिक्किम

मुद्रक, प्रकाशक एवं कुंदन कोठारी जैन द्वारा मैसर्स प्रतियोगिता दर्पण के लिए उन्हीं के द्वारा प्रतियोगिता दर्पण (प्रिंटिंग यूनिट) 5 एवं 6 बाई पास रोड, आगरा से मुद्रित एवं 2/11A, स्वदेशी कॉलोनी नगर, आगरा–2 से प्रकाशित

sscexamonline.blogspot.com